

License Information

Translation Notes (unfoldWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, [unfoldWord](#), 2022, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldigWord)

अप्यूब की प्रस्तावना

अथूब की पुस्तक का परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

अथूब की रूपरेखा

1. परिचय (1:1-2:13)

- अथूब की स्थिति की पृष्ठभूमि: वह धर्मी और धनी है (1:1-5)
- यहोवा शैतान को अथूब की परीक्षा लेने की अनुमति देते हैं (1:6-2:10)

2. अथूब के मित्र पहली बार उससे बात करते हैं और अथूब उत्तर देता है (3:1-14:22)
3. अथूब के मित्र उससे दूसरी बार बात करते हैं और अथूब उत्तर देते हैं (15:1-21:34)
4. अथूब के मित्र उससे तीसरी बार बात करते हैं और अथूब उत्तर देते हैं (22:1-31:40)
5. एलीहू अथूब से बात करते हैं (32:1-37:24)
6. यहोवा आँधी में से अथूब को उत्तर देते हैं (38:1-41:34)
7. निष्कर्ष (42:1-17)

- अथूब विनम्रता से उत्तर देते हैं
- यहोवा एलीपज, बिल्दद, और सोपर को डांटते हैं (42:7-9)
- यहोवा अथूब को फिर से समृद्धि प्रदान करते हैं (42:10-17)

अथूब की पुस्तक किस विषय पर है?

अथूब की पुस्तक, अथूब नामक एक व्यक्ति के बारे में है जिन्होंने विपत्ति का सामना किया, भले ही वह यहोवा के प्रति विश्वासयोग्य थे। अथूब तीन दोस्तों से बात करते हैं और पूछते हैं कि यहोवा ने उन्हें परीक्षाओं और हानियों का अनुभव क्यों करने दिया। यह पुस्तक सिखाती है कि हम यहोवा के सभी मार्गों को नहीं समझ सकते, और जब हम कष्ट सहते हैं, तो यहोवा पर भरोसा करना कारण को समझने से अधिक महत्वपूर्ण है।

अनुवादकों को इस पुस्तक का क्या शीर्षक रखना चाहिए?

अथूब की पुस्तक का नाम अथूब के नाम पर रखा गया है, जो इस पुस्तक के मुख्य पात्र है। उनका नाम अंग्रेजी शब्द "जॉब" से संबंधित नहीं है। अनुवादक पारंपरिक शीर्षक

"अथूब की पुस्तक" या केवल "अथूब" का उपयोग कर सकते हैं, या वे एक अलग शीर्षक चुन सकते हैं जैसे "अथूब के बारे में पुस्तक" या "अथूब नामक एक व्यक्ति के बारे में पुस्तक"।

अथूब की पुस्तक किसने लिखी?

हम यह नहीं जानते कि अथूब की पुस्तक किसने लिखी। कई लोग सुझाव देते हैं कि मूसा ने इस पुस्तक को लिखा या संकलित किया, लेकिन यह संभव है कि यह मूसा के समय के बाद भी लिखी गई हो।

भाग 2: महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धर्म की अवधारणाएँ

क्या पाप कष्ट का कारण बनता है?

जब कोई व्यक्ति यहोवा के विरुद्ध पाप करता है, तो यह व्यक्ति को कष्ट का अनुभव करा सकता है। प्राचीन पश्चिमी एशिया के लोग आमतौर पर मानते थे कि कोई व्यक्ति इसलिए पीड़ित होता है क्योंकि उन्होंने या उनके पूर्वजों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था। यही कई धर्म भी सिखाते हैं। हालांकि, अथूब की पुस्तक दिखाती है कि कोई व्यक्ति पीड़ित हो सकता है, भले ही उन्होंने पाप न किया हो। (देखें: पाप)

क्या एलीपज, बिल्दद, और सोपर वास्तव में अथूब के मित्र थे?

अथूब 2:11 एलीपज, बिल्दद और सोपर को अथूब के मित्रों के रूप में वर्णित करता है। हालांकि, वे अथूब की सांत्वना देने में सफल नहीं हुए। इसके बजाय, उन्होंने अथूब को परमेश्वर के बारे में कुछ कहने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की, जो अथूब को विश्वास था कि वह सत्य नहीं था। इसलिए हम आश्वर्य कर सकते हैं कि क्या "मित्र" शब्द का अनुवाद सही है। उन्होंने जो कहा, उससे अथूब को सहायता नहीं मिली, क्योंकि वे परमेश्वर के बारे में पूर्ण सत्य नहीं समझते थे। हालांकि, वे अथूब की परवाह करते थे और वे उसकी सहायता करना चाहते थे। इन तरीकों से, उन्होंने वही किया जो मित्र करते हैं, और इस अर्थ में "मित्र" शब्द उपयुक्त है।

अथूब की पुस्तक की घटनाएँ कब घटित हुईं?

हम यह नहीं जानते कि अथूब की पुस्तक में घटनाएँ कब घटित हुई थीं। कहानी उत्पत्ति की पुस्तक में अब्राहम और इसहाक के समय के आसपास की लगती है। हालांकि, कुछ पद नीतिवचन और यशायाह की पुस्तकों के पदों के समान हैं, जो अब्राहम और इसहाक के जीवन के कई शताब्दियों बाद लिखे गए थे। यह संभव है कि अथूब की पुस्तक को बाद के समय में लिखा गया हो ताकि पहले के समय की घटनाओं का वर्णन किया जा सके।

“समुद्री दानव”

ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचीन लोग महासागर में रहने वाले एक बड़े, भयंकर प्राणी के बारे में जानते थे। वे इसे “समुद्री दानव” कहते थे। अथ्यूब की संस्कृति में लोग समुद्र को जलमय अराजकता का क्षेत्र मानते थे, और वे इस समुद्री राक्षस को उस अराजकता से जोड़ते थे। इस प्राणी का उल्लेख अथ्यूब की पुस्तक में लिखातान के नाम से [3:8](#) में, “समुद्री अजगर” के रूप में [7:12](#) में, रहब के रूप में [9:13](#) और [26:12](#) में, और “भागने वाले नाग” के रूप में [26:13](#) में किया गया है। अध्याय 41 में लिखातान का वर्णन भी इसी प्राणी का वर्णन प्रतीत होता है। इन विभिन्न स्थानों पर टिप्पणियाँ सुझाव देती हैं कि आप अपने अनुवाद में इन संदर्भों को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं।

भाग 3: महत्वपूर्ण अनुवाद संबंधी मुद्दे

क्या अथ्यूब की पुस्तक का अनुवाद करना चुनौतीपूर्ण है?

अथ्यूब की पुस्तक में कई असामान्य शब्द और वाक्यांश हैं, जिससे इसके कुछ हिस्सों को समझना और अनुवाद करना कठिन हो जाता है। इस कारण से, अनुवादक यह निर्णय ले सकते हैं कि वे इस पुस्तक का अनुवाद, बाइबल की अन्य पुस्तकों के बाद करेंगे। हालांकि, चूंकि लेखक ने अथ्यूब को इतिहास में किसी विशेष समय या स्थान से नहीं जोड़ा है, इसलिए अनुवादक यह भी निर्णय ले सकते हैं कि वे इस पुस्तक का अनुवाद, पुराने नियम की अन्य पुस्तकों से पहले करेंगे।

अथ्यूब की पुस्तक की लेखन शैली कैसी है?

लेखक अथ्यूब की पुस्तक की शुरूआत और अंत, अथ्यूब के साथ घटित घटनाओं को कथात्मक रूप में प्रस्तुत करता है। पुस्तक के शेष हिस्सों में, पात्र कविता में बोलते हैं। प्राचीन पाष्ठमी एशिया में, लेखक अक्सर बुद्धि के विषयों पर चर्चा करने के लिए कविता का उपयोग करते थे। मनुष्य के आचरण का मनुष्य की समृद्धि और कष्ट से संबंध बुद्धि साहित्य में एक महत्वपूर्ण विषय है।

इब्रानी कविता: समानांतरता

इब्रानी कविता ध्वनि की पुनरावृत्ति के बजाय अर्थ की पुनरावृत्ति पर आधारित होती थी, जैसे कि कुछ अन्य भाषाओं में कविता होती है। एक वक्ता अमतौर पर एक वाक्यांश कहता और फिर एक अन्य वाक्यांश (या दो) कहता जिसका समान अर्थ, विपरीत अर्थ या कुछ पूरक होता। बाद के वाक्यांश पहले वाक्यांश के अर्थ को इन तरीकों में से किसी एक में आगे बढ़ाते हैं। कई मामलों में, आपके पाठकों को यह दिखाना अच्छा होगा कि आपके अनुवाद में सभी वाक्यांशों को शामिल किया जाए बजाय उन्हें मिलाने के। हालांकि, यदि

पुनरावृत्ति भ्रमित कर सकती है, तो आप वाक्यांशों को एक ऐसे शब्द से जोड़ सकते हैं जो दिखाएगा कि बाद के वाक्यांश पहले के अर्थ को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। पूरी पुस्तक में, टिप्पणियाँ विभिन्न मामलों में ऐसा करने के तरीकों का मॉडल प्रस्तुत करेंगी, हालांकि अधिकांश मामलों में नहीं। यह आशा की जाती है कि ये उदाहरण अनुवादकों को किसी भी दिए गए उदाहरण में क्या कर सकते हैं, इसका विचार देंगे।

इब्रानी कविता: कियाज्ञम

इब्रानी कविता अक्सर “कियाज्ञम” के रूप में जानी जाने वाली एक शैली का उपयोग करती है। यह दो तत्वों से मिलकर एक कथन बनाती है। फिर यह उन्हीं दो तत्वों से मिलकर एक समानांतर, विरोधाभासी या पूरक कथन बनाती है, लेकिन उल्टे क्रम में। उदाहरण के लिए, अथ्यूब 3:6 में लिखा है:

वर्षा के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए, और न महीनों में उसकी गिनती की जाए।

आप चाहें तो अपने अनुवाद में इब्रानी शब्द क्रम का पालन करके इस रूप को दर्शा सकते हैं, भले ही वह क्रम आपकी भाषा में सामान्यतः न अपनाया जाता हो। 3:5 के लिए, अंग्रेजी में आमतौर पर कहा जा सकता है:

वे वर्ष के दिनों में आनंदित न हों; वे महीनों की संख्या में न आएं।

लेकिन इब्रानी कविता के इस विशिष्ट रूप का विचार देने के लिए यूएलटी इब्रानी शब्द क्रम का अनुसरण करता है।

“उत्तर दिया और कहा”

लेखक ने अथ्यूब की पुस्तक में कई बार “उत्तर दिया और कहा” वाक्यांश का उपयोग किया है। यह वाक्यांश “और” के साथ जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक विचार व्यक्त करता है। “उत्तर दिया” वाक्यांश यह बताता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ “कहा”। विशेष रूप से, उन्होंने किसी और की कही बात का जवाब देने या उस पर प्रतिक्रिया देने के लिए ऐसा कहा। अगर यह आपकी भाषा में ज्यादा स्वाभाविक लगे, तो आप इस अर्थ को किसी ऐसे समानार्थी वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं जिसमें “और” का इस्तेमाल न हो, जैसे “प्रतिक्रिया दी।” (देखें: हैंडियाडिस)

“भय”

पुस्तक में कई जगहों पर, लेखक मूल “भय” से एक शब्द का उपयोग करता है, जैसे क्रिया “भय” या विशेषण “भयभीत,” एक विशेष अर्थ में। वे इस शब्द का उपयोग परमेश्वर के प्रति एक श्रद्धा का वर्णन करने के लिए करते हैं जो पवित्र जीवन जीने की ओर ले जाती है। वह किसी भावना का उल्लेख नहीं कर रहा है और न ही यह कह रहा है कि व्यक्ति परमेश्वर से डरता है। उनका मतलब है कि व्यक्ति परमेश्वर का सम्मान करता है और उनका आज्ञा पालन करता है। टिप्पणियाँ इस

उपयोग की ओर ध्यान आकर्षित करेंगी, जहाँ यह होता है, और वे अनुवादों का सुझाव देंगे जैसे किया "सम्मान" और विशेषण "सम्मानजनक।" (देखें: मुहावरा)

"देखो"

पुस्तक में कई जगहों पर, पात्र अपने श्रोताओं का ध्यान अपनी बात पर केंद्रित करने के लिए "देखो" शब्द का प्रयोग करते हैं। आपकी भाषा में भी एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका प्रयोग आप ऐसे उदाहरणों में अपने अनुवाद में कर सकते हैं।

"नाक"

पुस्तक में कई जगहों पर, विभिन्न पात्र क्रोध के लिए "नाक" शब्द का प्रयोग करते हैं। वे ऐसा उस तरीके से जोड़कर करते हैं जिस तरह एक क्रोधित व्यक्ति अपनी नाक से ज़ोर से साँस लेता है। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष अंग से जोड़ सकती है। अगर ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस अंग से संबंधित किसी अभिव्यक्ति का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप साधारण भाषा में "क्रोध" भी कह सकते हैं।

अथूब 1 सामान्य टिप्पणी

संरचना और स्वरूप

यह अध्याय एक कहानी का परिचय देता है जो एक पुरुष के बारे में है जिसका नाम अथूब था, जो लेखक से बहुत पहले के समय में था।

इस अध्याय की विशेष अवधारणा

धन

अथूब की पुस्तक जिस समय और स्थान पर आधारित है, उस समय एक व्यक्ति की संपत्ति, उसके पास मौजूद जानवरों की संख्या से मापी जाती थी। पुस्तक में वर्णन किया गया है कि अथूब के पास हजारों जानवर थे, जो यह संकेत देते हैं कि वह अत्यंत धनी था। (देखें: अनुमानित ज्ञान और अन्तर्निहित जानकारी)

बलिदान

अथूब एक ऐसा व्यक्ति था जो यहोवा की आज्ञा का पालन बहुत ध्यान से करता था। इसलिए हम सोच सकते हैं कि उसने अपने बच्चों के लिए बलिदान क्यों चढ़ाए, जैसा कि 1:5 में वर्णित है, जबकि वह हारून के वंशजों में से नहीं था, जिसे मूसा की व्यवस्था के अनुसार बलिदान चढ़ाने की अनुमति थी। यह याद रखना चाहिए कि अथूब उस समय से पहले का था जब परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था दी थी, इसलिए उसकी

धार्मिक प्रथाएँ मूसा के बाद के इब्रानी लोगों की धार्मिक प्रथाओं से भिन्न थीं। अथूब की संस्कृति में, पिता का अपने परिवार के लिए याजक के रूप में कार्य करना और उनकी ओर से बलिदान चढ़ाना सामान्य और स्वीकार्य था। इस पुस्तक में वर्णित घटनाएँ अब्राहम के जीवन के आसपास हुईं। इसलिए, यह पुस्तक पुराने नियम के शेष भाग की तुलना में, उत्पत्ति की पुस्तक के 12-50 अध्यायों से अधिक मेल खाती है। (देखें: धार्मिक और मूसा की व्यवस्था)

इस अध्याय में अनुवाद से संबंधित समस्याएँ

"शत्रु"

इब्रानी शब्द शैतान का अर्थ है "शत्रु"। पुराने नियम में इस शब्द का प्रयोग कई जगहों पर इसी अर्थ में किया गया है, उदाहरण के लिए, 1 राजा 10:11-14, "तब यहोवा ने एदोमी हृदद को जो एदोमी राजवंश का था, सुलैमान का शत्रु बना दिया।" अथूब की पुस्तक के अध्याय 1 और 2 में, "शैतान" या "विरोधी" नामक एक पात्र है। यह एक सृजित दैवीय प्राणी प्रतीत होता है जो धर्मी लोगों का विरोध करता है और परमेश्वर के सामने उन पर गलत इरादे रखने का आरोप लगाता है। अथूब की पुस्तक के कई व्याख्याकार इस पात्र की पहचान शैतान, दुष्टात्मा से करते हैं। यूएसटी इसी व्याख्या का अनुसरण करता है, लेकिन यूएलटी इस शब्द का अनुवाद ज्यादा मूल रूप से "विरोधी" के रूप में करता है। आप अपने अनुवाद में इस शब्द का अनुवाद कैसे करें, यह तय कर सकते हैं।

अथूब 1:1 (#1)

"ऊस देश में ... एक पुरुष था"

लेखक कहानी में मुख्य पात्र के रूप में अथूब का परिचय करवा रहा है। यदि आपकी भाषा में पात्रों का परिचय देने का कोई विशेष तरीका है, तो आप इसे यहाँ अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक समय की बात है, एक पुरुष था जो ऊस की भूमि में निवास करता था।"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

अथूब 1:1 (#2)

"ऊस अथूब"

शब्द **ऊस** एक स्थान का नाम है और शब्द **अथूब** एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 1:1 (#3)**"खरा और सीधा"**

शब्द खरा और सीधा समान अर्थ रखते हैं। लेखक जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट करना हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यंत धर्मी"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 1:1 (#4)**"परमेश्वर का भय मानता"**

जैसा कि अथूब के सामान्य परिचय में चर्चा की गई है, यहाँ पुस्तक में कई अन्य स्थानों की तरह, लेखक मूल शब्द "भय" का उपयोग कर रहा है, इस सन्दर्भ में "भय" शब्द का अर्थ परमेश्वर के प्रति एक ऐसे सम्मान से है जो पवित्र जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के प्रति आदर"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:1 (#5)**"और बुराई से परे रहता था"**

लेखक अथूब के बारे में रूपक रूप में ऐसे बात कर रहा है जैसे वह शारीरिक रूप से बुराई से परे हो गया हो। इसका अर्थ यह है कि वे बुराईपूर्ण जीवन नहीं जीते थे, बल्कि सही मार्ग पर चलते थे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कुछ भी गलत करने से सावधान रहता था"

देखें: रूपक

अथूब 1:2 (#1)**"उसके सात बेटे और तीन बेटियाँ उत्पन्न हुईं"**

यहाँ और पद 5 तक, लेखक अथूब के बारे में पृष्ठभूमि जानकारी प्रस्तुत कर रहा है, जो पाठकों को कहानी में आगे क्या होता है, इसे समझने में सहायता करेगी। आपके अनुवाद में, इस जानकारी को इस तरह से प्रस्तुत करें जो आपकी अपनी भाषा और संस्कृति में स्वाभाविक हो।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

अथूब 1:2 (#2)**"उसके सात बेटे और तीन बेटियाँ उत्पन्न हुईं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब के सात पुत्र और तीन पुत्रियाँ थीं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 1:3 (#1)**"कि पूर्वी देशों में"**

अभिव्यक्ति देशों में उन लोगों का वर्णन करती है जो एक विशेष गुण साझा करते हैं। इस मामले में, लेखक इस अभिव्यक्ति का उपयोग उन लोगों का वर्णन करने के लिए कर रहा है जो पूर्व में निवास करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समान मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग पूर्व में निवास करते थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:3 (#2)**"कि पूर्वी देशों में"**

लेखक उस क्षेत्र का उल्लेख कर रहा है जो उसके और उसके श्रोताओं के रहने के स्थान के पूर्व में है। ऐसा प्रतीत होता है कि उसका मतलब यरदन के पूर्व का क्षेत्र हो सकता है, जैसा कि यू.एस.टी. सुझाव देता है। हालांकि, चूंकि यह ठीक से ज्ञात नहीं है कि लेखक और उसके श्रोता कहाँ रहते थे, आप अपने अनुवाद में क्षेत्र की पहचान करने के बजाय एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो उस क्षेत्र में रहते थे"

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

अथूब 1:4 (#1)**"उसके बेटे बारी-बारी से एक दूसरे के घर में खाने-पीने को जाया करते थे"**

लेखक जाया करते थे अभिव्यक्ति का उपयोग सामान्य क्रिया का वर्णन करने के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पुत्रों की आदत थी कि वे बारी-बारी से अपने घरों में दावतों का आयोजन किया करते थे।"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:4 (#2)

"बारी-बारी से"

इसका अर्थ अप्रत्यक्ष रूप से हो सकता है: (1) वैकल्पिक अनुवाद: "सप्ताह के एक निश्चित दिन पर" (2) वैकल्पिक अनुवाद: "उनके जन्मदिन पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 1:4 (#3)

"बुलवा भेजते थे"

शब्द भेजते और बुलवा समान अर्थ रखते हैं। लेखक जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने आमंत्रित किया"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 1:5 (#1)

"और जब जब दावत के दिन पूरे हो जाते"

लेखक ऐसा कह रहा है जैसे दावत के दिन पूरे हो जाते या एक निश्चित दूरी तय करके अपनी प्रारम्भिक स्थिति पर लौट आते थे। उसका मतलब है जब प्रत्येक पुत्र अपनी बारी पर एक उत्सव का आयोजन कर चुके होते थे। आपकी भाषा में ऐसा ही कोई मुहावरा हो सकता है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप इसका अर्थ सीधे तौर पर भी बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उत्सव के दिन पूरे हो जाते थे" या "जब प्रत्येक पुत्र अपनी बारी पर एक उत्सव का आयोजन कर चुके होते थे"

देखें: रूपक

अथूब 1:5 (#2)

"मेरे बच्चों"

अथूब सम्भवतः बच्चों शब्द का उपयोग अपने सभी पुत्रों और पुत्रियों के लिए सामान्य अर्थ में कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में

ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो, जैसा कि आई.आर.वी. करता है, या आप पुत्रों और पुत्रियों दोनों का उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पुत्र और पुत्रियाँ"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं

अथूब 1:5 (#3)

"परमेश्वर को छोड़ दिया हो"

यह सम्भव है कि यहाँ मूल पाठ "शापित" था और लिपिकारों ने इसे छोड़ में बदल दिया ताकि किसी व्यक्ति द्वारा परमेश्वर को शाप देने की असुविधाजनक भाषा से बचा जा सके। इब्रीनी बाइबल की पारम्परिक पांडुलिपियों में इसके बारे में कोई सीमांत टिप्पणी नहीं है जैसा कि 7:20 में है, परन्तु कई अनुवाद "शापित" पढ़ते हैं क्योंकि यह उसी प्रकार का परिवर्तन है जो लिपिकारों ने समान मामलों में किया है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शापित"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 1:5 (#4)

"मेरे बच्चों ने पाप करके परमेश्वर को छोड़ दिया हो"

शब्द पाप करके यह बताता है कि अथूब के बच्चों में से एक ने किस तरह से परमेश्वर को छोड़ दिया, अर्थात्, परमेश्वर को "शापित" किया हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद: "पापपूर्ण तरीके से शापित किया"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथूब 1:5 (#5)

"मेरे बच्चों ने पाप करके परमेश्वर को छोड़ दिया हो"

मूल भाषा यहाँ, हृदय (बच्चों ने अपने हृदय में पाप) शब्द का उपयोग करती है जो विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विचारों में"

देखें: रूपक

अथूब 1:5 (#6)**"सदैव"**

लेखक यहाँ जोर देने के लिए सदैव का सामान्यीकरण करता है। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना बेहतर हो, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नियमित रूप से"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 1:6**"एक दिन यहोवा परमेश्वर के पुत्र उसके सामने उपस्थित हुए"**

लेखक कहानी में एक नई घटना का परिचय देने के लिए एक दिन वाक्यांश का उपयोग कर रहा है। अपनी भाषा में एक शब्द, वाक्यांश, या अन्य विधि का उपयोग करें जो किसी नई घटना का परिचय देने के लिए स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दिन परमेश्वर के पुत्र उपस्थित हुए"

देखें: एक नए घटना का परिचय

अथूब 1:6 (#2)**"परमेश्वर के पुत्र"**

यह अभिव्यक्ति उन आत्मिक प्राणियों का वर्णन करती है जिन्हें परमेश्वर ने बनाया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूत"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:6 (#3)**"उसके सामने उपस्थित हुए"**

सन्दर्भ से पता चलता है कि ये स्वर्गीय प्राणी नियमित समय पर यहोवा के पास अपनी गतिविधियों का समाचार देने आते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस जानकारी को अपने अनुवाद में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी गतिविधियों का नियमित समाचार यहोवा को देने के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 1:6 (#4)**"शैतान"**

इस अध्याय और अध्याय 2 में "शैतान" शब्द के अनुवाद के लिए सामान्य टिप्पणियों में दी गई चर्चा को देखें। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो इसे "शत्रु" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 1:7 (#1)**"शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया"**

जैसा कि अथूब की सामान्य भूमिका में चर्चा की गई है, यह वाक्यांश "उत्तर दिया" यह दर्शाता है कि शैतान ने यह बात किस उद्देश्य से कही। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो यहाँ और पुस्तक के बाकी हिस्सों में आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथूब 1:7 (#2)**"पृथ्वी पर इधर-उधर घूमते-फिरते और डोलते-डालते आया हूँ"**

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। शैतान जिस विचार को व्यक्त कर रहा है, वह उस पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहा है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी पृथ्वी पर भटकते हुए आया हूँ"

देखें: समानांतरता

अथूब 1:8**"क्या तूने मेरे दास अथूब पर ध्यान दिया है"**

यहाँ, ध्यान विचारों और धारणाओं का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने विचार किया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 1:8 (#2)**"क्योंकि उसके तुल्य ... और कोई नहीं है"**

यह अभिव्यक्ति कुछ शब्दों को छोड़ देती है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपके लिए यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जैसा कोई नहीं है।"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 1:8 (#3)**"खरा और सीधा"**

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद [1:1](#) में किस प्रकार किया है।

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथ्यूब 1:8 (#4)**"मेरा भय"**

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का [1:1](#) में कैसे अनुवाद किया।

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 1:8 (#5)**"और बुराई से दूर रहनेवाला"**

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का [1:1](#) में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

अथ्यूब 1:9**"क्या अथ्यूब परमेश्वर का भय बिना लाभ के मानता है"**

शैतान जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप उपयुक्त नहीं है, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथ्यूब को परमेश्वर का भय मानने का कितना लाभ मिलता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 1:9**"परमेश्वर"**

शैतान परमेश्वर से बात करते हुए भी ऐसे बात कर रहा है जैसे कि वह किसी तीसरे व्यक्ति से बात कर रहा हो, भले ही वह सीधे परमेश्वर को सम्बोधित कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथ्यूब 1:10**"क्या तूने उसकी, और उसके घर की, और जो कुछ उसका है उसके चारों ओर बाड़ा नहीं बाँधा?"**

शैतान जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने उसके चारों ओर, उसके घर के चारों ओर और उसकी हर चीज के चारों ओर, हर तरफ से एक बाड़ा लगा दी है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 1:10 (#2)**"क्या तूने उसकी, और उसके घर की, और जो कुछ उसका है उसके चारों ओर बाड़ा नहीं बाँधा?"**

शैतान ऐसा बोल रहा है जैसे परमेश्वर ने सचमुच अथ्यूब के चारों ओर एक बाड़ा बाँध दी हो और उसकी संपत्ति के चारों ओर भी। उसका मतलब है कि परमेश्वर ने अथ्यूब और उसकी सारी संपत्ति की रक्षा की है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपने उसे और उसके घर और उसकी सारी संपत्ति की हर तरफ से रक्षा नहीं की है" या "आपने उसे और उसके घर और उसकी सारी संपत्ति की हर तरफ से रक्षा की है!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 1:10 (#3)**"तूने तो उसके काम पर आशीष दी है, और उसकी सम्पत्ति देश भर में फैल गई है"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश का परिणाम होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी सम्पत्ति देश भर में फैल गई है क्योंकि तूने तो उसके काम पर आशीष दी है।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

अथूब 1:10 (#4)

"उसके काम"

मूल भाषा यहाँ हाथों के काम का उपयोग करती है जो यह दर्शता है कि शैतान अथूब के एक हिस्से, **उसके काम**, का उपयोग अथूब के परे कार्यों को दर्शनि के लिए कर रहा है, विशेष रूप से मवेशी पालने की गतिविधि में। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी उसने किया है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 1:10 (#5)

"और उसकी सम्पत्ति देश भर में फैल गई है"

शैतान ऐसा बोल रहा है जैसे अथूब की सम्पत्ति सचमुच फैल गई हो और देश भर को ऐसे ढक लिया हो जैसे वह बाढ़ का पानी हो। उसका मतलब है कि अथूब की सम्पत्ति बहुत बढ़ गई है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसकी सम्पत्ति बहुत बढ़ गई है"

देखें: रूपक

अथूब 1:11

"परन्तु अब अपना हाथ बढ़ाकर जो कुछ उसका है, उसे छू; तब वह तेरे मुँह पर तेरी निन्दा करेगा"

शब्द बढ़ाकर और छू आज्ञा सूचक रूप में हैं, परन्तु वे आदेश के बजाय एक दावे को व्यक्त करते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसे रूप का उपयोग करें जो एक दावे को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप अपना हाथ बढ़ाकर उसकी सारी संपत्ति को छूए, तो वह आपके सामने आपकी निन्दा करेगा।"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 1:11

"अपना हाथ बढ़ाकर"

यहाँ, हाथ एक व्यक्ति की क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी शक्ति का प्रयोग करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:11 (#3)

"छू"

इस सन्दर्भ में, शब्द छू का अर्थ "नष्ट करना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और नष्ट करें"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:11 (#4)

"परन्तु"

शैतान कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और देखें कि क्या"

देखें: पदलोप

अथूब 1:11 (#5)

"वह तेरे मुँह पर तेरी निन्दा करेगा"

देखें कि आपने पद 5 में "निन्दा" शब्द का अनुवाद कैसे किया। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वहाँ उपयोग हुआ है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप आई.आर.वी के पाठ का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ... आपको श्राप देगा"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 1:11 (#6)

"तेरे मुँह पर"

यहां शब्द मुँह एक व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का मुँह देख सकते हैं। दावा है कि अथूब अपने "हृदय" (यानी, अपने विचारों) में परमेश्वर की निन्दा नहीं करेंगे, जैसा कि अथूब को डर था कि उनके बच्चों में से कोई ऐसा कर सकता है। बल्कि, अथूब जोर से परमेश्वर की निन्दा करेंगे, और चूंकि परमेश्वर हर जगह उपस्थित हैं, अथूब व्यक्तिगत रूप से उनकी निन्दा करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्तिगत रूप से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:12

"सुन"

जैसा कि अथूब के सामान्य परिचय में चर्चा की गई है, यहोवा सुन शब्द का उपयोग कर रहे हैं ताकि शैतान का ध्यान उस पर केन्द्रित किया जा सके जो वह कहने वाले हैं। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: रूपक

अथूब 1:12 (#2)

"तेरे हाथ में है"

यहाँ, हाथ किसी व्यक्ति की क्षमता को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी शक्ति में है" या "तेरे वश में है"।

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:12 (#3)

"केवल उसके शरीर पर हाथ न लगाना"

देखें कि आपने पिछले पद में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:12 (#4)

"यहोवा के सामने से"

जैसा कि पिछले पद में था, यहाँ सामने शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा की उपस्थिति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:13(#1)

"एक दिन अथूब के बेटे-बेटियाँ बड़े भाई के घर में खाते और दाखमधु पी रहे थे"

लेखक कहानी में एक नई घटना का परिचय देने के लिए एक दिन वाक्यांश का उपयोग कर रहा है। अपनी भाषा में एक शब्द, वाक्यांश, या अन्य विधि का उपयोग करें जो एक नई घटना का परिचय देने के लिए स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दिन अथूब के पुत्र और पुत्रियाँ"

देखें: एक नए घटना का परिचय

अथूब 1:14 (#1)

"हम तो बैलों से हल जोत रहे थे और गदहियाँ उनके पास चर रही थीं"

दूत अथूब को यह समझने के लिए पृष्ठभूमि की जानकारी दे रहा है कि वह आगे क्या समाचार देगा। अपने अनुवाद में, इस जानकारी को इस प्रकार प्रस्तुत करें जो आपकी भाषा और संस्कृति में स्वाभाविक लगे।

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

अथूब 1:14 (#2)

"उनके पास"

इस अभिव्यक्ति में पास शब्द का इस्तेमाल किसी व्यक्ति, जानवर या जानवरों के समूह के पक्ष के लिए किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बगल में"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:15 (#1)

"शेबा"

दूत एक पूरे समूह, शेबा, के नाम का उपयोग उस समूह के कुछ सदस्यों को सन्दर्भित करने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ शेबा के लोग"

देखें: उपलक्षण

अथूब 1:15 (#2)**"शेबा"**

शब्द शेबा एक जन समूह का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 1:15 (#3)**"कि" - "धावा करके"**

संदेशवाहक शब्द धावा का उपयोग एक विशेष अर्थ में कर रहा है जिसका मतलब "हमला किया" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसा कि आई.आर.वी. करता है।

देखें: मुहावरा

अथूब 1:15 (#4)**"और तलवार से तेरे सेवकों को मार डाला"**

दूत यह समाचार दे रहा है कि शेबा के लोगों ने सेवकों को मार डाला। वह इसे उन साधनों के साथ जोड़कर वर्णन कर रहा है जिनका उपयोग शेबा के लोगों ने उन्हें मारने के लिए किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने सेवकों की हत्या कर दी।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:15 (#5)**"और मैं ही अकेला बचकर तुझे समाचार देने को आया हूँ"**

यहाँ और पद 16, 17, और 19 में आप इसे अपने अनुवाद में एक कथन के बजाय एक विस्मयादिबोधक के रूप में प्रस्तुत करना अधिक उपयुक्त समझ सकते हैं।

देखें: विस्मयादिबोधक

अथूब 1:15 (#6)**"और मैं ही अकेला बचकर"**

यहाँ और पद 16, 17 और 19 में, यदि यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में अनावश्यक रूप से विस्तृत लगे, तो आप इसे

संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जैसा कि आई.आर.वी. में है: "मैं ही एकमात्र हूँ जो बचा हूँ।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट बनाना

अथूब 1:16 (#1)**"और उससे भेड़-बकरियाँ और सेवक जलकर भस्म हो गए"**

शब्द जलकर और भस्म समान अर्थ रखते हैं। दूसरे दूत ने जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग किया है। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भेड़-बकरियाँ और सेवक पूरी तरह से जलकर खाक हो गए"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 1:17 (#1)**"कसदी"****कसदी** शब्द एक जन समूह का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 1:17 (#2)**"और तलवार से तेरे सेवकों को मार डाला"**देखें कि आपने इसी अभिव्यक्ति का अनुवाद [1:15](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने सेवकों को मार डाला"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:18**"तेरे बेटे-बेटियाँ बड़े भाई के घर में खाते और दाखमधु पीते थे"**

दूत अथूब को यह समझाने के लिए पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान कर रहा है कि वह आगे क्या समाचार देगा। अपने अनुवाद में, इस जानकारी को इस प्रकार प्रस्तुत करें जो आपकी भाषा और संस्कृति में स्वाभाविक लगे।

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

अथूब 1:19**"घर के चारों कोनों को"**

वैकल्पिक अनुवाद: "घर की संरचनात्मक सहायता"

देखें: उपलक्षण

अथूब 1:20**"तब अथूब उठा, और बागा फाड़"**

यहाँ शब्द उठा यह संकेत दे सकता है कि अथूब ने दूतों द्वारा बताई गई बातों का जवाब देने के लिए कुछ किया, न कि वह बैठी हुई स्थिति से खड़े हुए। वैकल्पिक अनुवाद: "जवाब में, अथूब ने बागा फाड़"

देखें: मुहावरा

अथूब 1:20 (#2)**"और बागा फाड़, सिर मुँड़ाकर"**

अथूब ने बागा फाड़, सिर मुँड़ाकर यह दिखाया कि वे कितने गहरे संकट में थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपना कुर्ता फाड़ा और अपना सिर मुंडवाया यह दिखाने के लिए कि वे कितने गहरे संकट में थे"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 1:20(#3)**"भूमि पर गिरा और दण्डवत् करके"**

सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में यह स्पष्ट हो कि अथूब गलती से नहीं गिरे। यह स्पष्ट करें कि उन्होंने आराधना की मुद्रा अपनाने के लिए ये कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर की आराधना करने के लिए जमीन पर झुक गए और लेट गए"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 1:21(#1)**"नंगा" - "और ... नंगा"**

अथूब एक तरह की सम्पत्ति, वस्त्र, का उपयोग सभी तरह की सम्पत्तियों के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "बिना किसी सम्पत्ति के ... बिना किसी सम्पत्ति के"

देखें: उपलक्षण

अथूब 1:21 (#2)**"मैं अपनी माँ के पेट से नंगा निकला"**

यह अभिव्यक्ति आपके भाषा में व्यक्त करने के लिए अस्वाभाविक लग सकती है। यदि ऐसा है, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जन्म हुआ था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट बनाना

अथूब 1:21 (#3)**"और वहीं नंगा लौट जाऊँगा"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह कब्र, जिसमें उन्हें दफनाया जाएगा, उनकी माँ के गर्भ की तरह एक और गर्भ है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कब्र में जाऊँगा" या "मुझे दफनाया जाएगा"

देखें: रूपक

अथूब 1:21 (#4)**"यहोवा का नाम धन्य है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग यहोवा के नाम की स्तुति करें।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 1:21 (#5)**"यहोवा का नाम धन्य है"**

यहां, नाम एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा की अच्छी प्रतिष्ठा बनी रहे।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 1:22(#1)

"अथूब ने न तो पाप किया, और न परमेश्वर पर मूर्खता से दोष लगाया"

यह वाक्य दो शब्दों को और से जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द पाप यह दर्शाता है कि यह किस प्रकार की क्रिया होगी यदि अथूब परमेश्वर पर मूर्खता से दोष लगाते। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब ने परमेश्वर पर मूर्खता से दोष लगाते हुए पाप नहीं किया।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 2 सामान्य टिप्पणी

संरचना और स्वरूप

इस अध्याय की घटनाएँ पिछले अध्याय की घटनाओं के बहुत समान हैं। हालांकि, इस बार अथूब को और भी अधिक गंभीर तरीके से परखा जाता है। अपनी संपत्ति और परिवार खोने के बाद, अथूब अपनी सेहत भी खो देता है और उसकी पत्नी उसे यहोवा की श्राप देकर पाप करने के लिए प्रोत्साहित करना शुरू कर देती है। (देखें: पाप और श्राप)

इस अध्याय में अनुवाद से संबंधित समस्याएँ

"शत्रु"

यह पात्र अध्याय 2 में और साथ ही अध्याय 1 में भी दिखाई देता है। नाम का अनुवाद यहाँ उसी प्रकार करें जैसा आपने पिछले अध्याय में करने का निर्णय लिया था।

अथूब 2:1 (#1)

"फिर एक और दिन यहोवा परमेश्वर के पुत्र उसके सामने उपस्थित हुए"

लेखक कहानी में एक नई घटना का परिचय देने के लिए फिर एक और दिन वाक्यांश का उपयोग कर रहा है। अपनी भाषा में एक शब्द, वाक्यांश, या अन्य विधि का उपयोग करें जो एक नई घटना का परिचय देने के लिए स्वाभाविक हो। देखें कि आपने 1:6 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दिन परमेश्वर के पुत्र उपस्थित हुए"

देखें: एक नए घटना का परिचय

अथूब 2:1 (#2)

"परमेश्वर के पुत्र"

यह अभिव्यक्ति आमिक प्राणियों का वर्णन करती है जिन्हें परमेश्वर ने बनाया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने इसे 1:6 में कैसे अनुवाद किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूत"

देखें: मुहावरा

अथूब 2:2 (#1)

"इधर-उधर घूमते-फिरते और डोलते-डालते आया हूँ"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। शैतान इन वाक्यांशों के विचार को जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:7 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी के चारों ओर भटकते"

देखें: समानांतरता

अथूब 2:3 (#1)

"क्या तूने ... ध्यान दिया है"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:8 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने इस पर विचार किया है"

देखें: रूपक

अथूब 2:3 (#2)

"उसके तुल्य ... और कोई नहीं है"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 1:8 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जैसा कोई नहीं है"

देखें: पदलोप

अथूब 2:3 (#3)

"खरा और सीधा"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का 1:1 में अनुवाद कैसे किया है।

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 2:3 (#4)

"मेरा भय"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद [1:1](#) में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

अथूब 2:3 (#5)

"और बुराई से दूर रहनेवाला"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद [1:1](#) में किस प्रकार किया।

देखें: उपमा

अथूब 2:3 (#6)

"वह अब तक अपनी खराई पर बना है"

यहोवा ऐसा कह रहे हैं जैसे अथूब सचमुच अपनी खराई पर बने हुए हैं। उनका मतलब है कि अथूब अपने खराई को बनाए हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी खराई को बनाए हुए हैं"

देखें: रूपक

अथूब 2:3 (#7)

"अपनी खराई पर बना है"

यदि आपकी भाषा में खराई के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सही तरीके से जीवन जी रहा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 2:3 (#8)

"उसको ... सत्यानाश करने को"

यहोवा ऐसा कह रहे हैं जैसे कि शैतान ने सचमुच उन्हें अथूब को सत्यानाश करने के लिए उभारा हो। उनका मतलब है

कि शैतान ने उन्हें उभारा कि वे शैतान को अथूब की सम्पत्ति और परिवार को नष्ट करने की अनुमति दें। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे उसकी संपत्ति और परिवार को नष्ट करने की अनुमति दीं"

देखें: रूपक

अथूब 2:4 (#1)

"खाल के बदले खाल"

इस अभिव्यक्ति में, शैतान व्यक्ति या पशु के एक हिस्से, खाल, का उपयोग पूरे व्यक्ति या पशु को सन्दर्भित करने के लिए कर रहा है। मूल अर्थ यह है कि एक व्यक्ति खुद को बचाने के लिए एक मूल्यवान झुंड के पशु की भी बलि दे सकता है, और अधिक सामान्य अर्थ, जैसा कि शैतान ने बाकी पदों में समझाया है, यह है कि एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए अपने पास मौजूद लगभग किसी भी चीज की बलि दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति के जीवन के बदले में एक पशु"

देखें: उपलक्षण

अथूब 2:5 (#1)

"इसलिए केवल अपना हाथ बढ़ाकर उसकी हड्डियाँ और माँस छू, तब वह तेरे मुँह पर तेरी निन्दा करेगा"

शब्द बढ़ाकर और छू आदेशात्मक हैं, परन्तु वे आदेशों के बजाय एक कथन व्यक्त करते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो एक कथन व्यक्त करता है। देखें कि आपने [1:11](#) में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप अपना हाथ बढ़ाते हैं और जो कुछ उसके पास है उसे छूते हैं, तो वह आपकी आपकी निन्दा करेगा"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 2:5 (#2)

"केवल अपना हाथ बढ़ाकर"

यहाँ, हाथ किसी व्यक्ति की क्षमता को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने [1:11](#) में उसी अभिव्यक्ति

का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल अपनी शक्ति का उपयोग करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 2:5 (#3)

"और ... छू"

इस सन्दर्भ में, शब्द छू का अर्थ "हानि" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हानि कर"

देखें: मुहावरा

अथूब 2:5 (#4)

"उसकी हड्डियाँ और माँस"

शैतान अथूब के शरीर के दो हिस्सों, उसकी हड्डियाँ और माँस, का उपयोग अथूब के पूरे शरीर को दशनि के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके शरीर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 2:5 (#5)

"तब"

शैतान कुछ शब्द छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। देखें कि आपने [1:11](#) में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और देखें कि क्या"

देखें: पदलोप

अथूब 2:5 (#6)

"वह" - "तेरी निन्दा करेगा"

देखें कि आपने [1:11](#) में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ... आपको श्राप देगा"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 2:5 (#7)

"तेरे मुँह पर"

यहाँ शब्द मुँह एक व्यक्ति की उपस्थिति को सन्दर्भित करता है, जिस तरह से लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का मुँह देख सकते हैं। देखें कि आपने [1:11](#) में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "सामना करना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 2:6 (#1)

"वह तेरे हाथ में है"

यहाँ, हाथ एक व्यक्ति की क्षमता को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने [1:12](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी शक्ति में या तेरे के नियंत्रण में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 2:7 (#1)

"यहोवा के सामने से"

यहाँ सामने शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति की उपस्थिति से है। देखें कि आपने [1:12](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा की उपस्थिति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 2:7 (#2)

"और अथूब को पाँव के तलवे से लेकर सिर की चोटी तक बड़े-बड़े फोड़ों से पीड़ित किया"

लेखक ऐसा कह रहा है, शैतान ने अथूब को फोड़ों से पीड़ित किया। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अथूब को फोड़ों से पीड़ित किया" या "उसने अथूब को भयंकर फोड़ों से पीड़ित किया"

देखें: रूपक

अथूब 2:7 (#3)**"बड़े-बड़े फोड़ों"**

शब्द फोड़े बड़े, खुजलीदार, दर्दनाक त्वचा संक्रमणों का वर्णन करता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि फोड़े क्या होते हैं, तो आपके अनुवाद में आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े, खुजलीदार, दर्दनाक त्वचा संक्रमणों से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 2:7 (#4)**"अथूब को पाँव के तलवे से लेकर सिर की छोटी तक"**

लेखक अथूब के शरीर के सबसे अंतिम छोर, उसके पाँव के तलवे और सिर की छोटी (यानी उसके सिर के ऊपर) का इस्तेमाल उन हिस्सों और बीच के हर हिस्सों को दर्शनि के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पूरे शरीर पर"

देखें: विभज्योतक

अथूब 2:8 (#1)**"एक ठीकरा"**

एक ठीकरा टूटे हुए मिट्टी के बर्तन का हिस्सा था। इसके किनारे तेज थे, इसलिए अथूब इसका उपयोग अपने आप को खुजलाने के लिए कर सकते थे। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि एक ठीकरा क्या होता है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मिट्टी के बर्तन का एक पैना टुकड़ा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 2:8 (#2)**"खुजलाने के लिये"**

इसका तात्पर्य यह है कि अथूब अपनी त्वचा को साफ करने और फोड़ों की खुजली को कम करने के लिए खुद को उस टुकड़े से खुजलाते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस जानकारी को अपने अनुवाद में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी त्वचा को स्वच्छ करने और फोड़े की खुजली को कम करने के लिए अपने आप को खुजलाते थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 2:8 (#3)**"राख पर बैठ गया"**

इस संस्कृति में, नगर के बाहर एक जगह थी जहाँ कचरा लाया जाता था और उसे नष्ट करने के लिए जलाया जाता था। इससे राख का ढेर रह जाता था। अथूब उस ढेर में यह दिखाने के लिए बैठे थे कि वे कितना व्यथित थे। यह एक संकेत देने का एक तरीका था कि उन्हें अब अपने जीवन का कोई मूल्य नहीं लगता था। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप उनके कार्य की महत्ता समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नगर के बाहर राख के ढेर के बीच में बैठे थे यह दिखाने के लिए कि वह कितना व्यथित थे"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 2:9 (#1)**"क्या तू अब भी अपनी खराई पर बना है?"**

अथूब की पत्नी जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रही है। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें अभी भी अपनी ईमानदारी पर टढ़ता से कायम नहीं रहना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 2:9 (#2)**"परमेश्वर की निन्दा कर, और चाहे मर जाए तो मर जा"**

अपने अनुवाद में एक कथन के बजाय एक विस्मयादिबोधक के रूप में प्रस्तुत करना आपके लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की निन्दा कर और मर जा!"

देखें: विस्मयादिबोधक

अथूब 2:9 (#3)**"निन्दा"**

देखें कि आपने 1:11 और 2:5 में "निन्दा" शब्द का अनुवाद कैसे किया। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग

करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "श्राप"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 2:9 (#4)

"परमेश्वर की निन्दा कर, और चाहे मर जाए तो मर जा"

ऐसा लगता है कि अथूब की पली स्पष्ट रूप से कह रही है कि अथूब के पास अब न तो परमेश्वर पर भरोसा करने का कोई कारण है और न ही जीने का, और अगर वे परमेश्वर की निन्दा करते हैं, तो परमेश्वर उन्हें भी मार देंगे और उन्हें उनके दुख से मुक्त कर देंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की निन्दा करो ताकि वह आपको भी मार दें और आपको आपके दुख से मुक्त कर दें।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 2:10 (#1)

"एक मूर्ख स्त्री"

यह वाक्यांश किसी विशिष्ट व्यक्ति को सन्दर्भित नहीं करता है। यह किसी भी ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसमें यह गुण पाया जाता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "निर्बुद्धि स्त्री"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 2:10 (#2)

"एक मूर्ख स्त्री"

इस सन्दर्भ में, शब्द मूर्ख उस व्यक्ति का वर्णन नहीं करता जो निर्बुद्धि या बुद्धिमत्ता या शिक्षा की कमी वाला हो। इसका अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो परमेश्वर का सम्मान नहीं करता और इसलिए उस तरीके से नहीं जीता जैसा परमेश्वर ने लोगों को जीने के लिए निर्देशित किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो परमेश्वर का सम्मान और पालन नहीं करता" या "एक स्त्री जो परमेश्वर का सम्मान और पालन नहीं करती"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 2:10 (#3)

"क्या हम जो परमेश्वर के हाथ से सुख लेते हैं, दुःख न लें"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम परमेश्वर से भला प्राप्त करने के लिए तैयार हैं, तो हमें बुरा प्राप्त करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 2:10 (#4)

"सुख" - "दुःख"

अथूब विशेष प्रकार की चीजों को दर्शाने के लिए सुख और दुःख विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग इसी तरह किया जाता है, तो इसे उसी प्रकार अनुवाद करें। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों को समकक्ष वाक्यांशों से अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भली बातें ... और ... बुरी बातें"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 2:10 (#5)

"अपने मुँह से"

लेखक अथूब द्वारा कही गई बातों को मुँह से जोड़कर सन्दर्भित कर रहा है, जिनका उपयोग अथूब ने कहने के लिए किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी उन्होंने कहा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 2:11 (#1)

"सब विपत्ति का समाचार पाया जो उस पर पड़ी थीं"

लेखक अथूब के साथ हुई विपत्ति या परेशानी के बारे में इस तरह से बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज हो जो उस पर पड़ी थीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये सभी बुरी चीजें उनके साथ हो गई थीं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 2:11 (#2)**"तेमानी एलीपज, और शूही बिल्दद, और नामाती सोपर"**

शब्द एलीपज, बिल्दद, और सोपर पुरुषों के नाम हैं। शब्द तेमानी प्राचीन देश एदोम के तेमान नगर से सम्बन्धित व्यक्ति का वर्णन करता है। शब्द शूही शूह से उतरे हुए लोगों के समूह से सम्बन्धित व्यक्ति का वर्णन करता है, जो अब्राहम और कतूरा का पुत्र था। शब्द नामाती कनान के नामाह नगर से सम्बन्धित व्यक्ति का वर्णन करता है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 2:11 (#3)**"उसके संग विलाप करेंगे, और उसको शान्ति देंगे"**

यहाँ शब्द विलाप और शान्ति समान अर्थ रखते हैं। लेखक जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए एकल वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके प्रति गहरी सहानुभूति प्रकट करने"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 2:12 (#1)**"जब उन्होंने दूर से आँख उठाकर"**

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है दूर तक ध्यानपूर्वक और एकटक देखना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने दूर तक ध्यानपूर्वक देखा।"

देखें: मुहावरा

अथूब 2:12 (#2)**"और उसे न पहचान सके"**

इसका अर्थ है कि अथूब के मित्रों ने जब उन्हें दूर से देखा तो उन्हें पहचान नहीं पाए। अथूब अपने दुख और शरीर पर फोड़ों के कारण बहुत अलग दिख रहे थे। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अथूब को मुश्किल से पहचान पाए क्योंकि वे अपने दुख और फोड़ों के कारण बहुत अलग दिख रहे थे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 2:12 (#3)**"तब चिल्लाकर रो उठे"**

यह वाक्यांश तब से जुड़े दो वाक्यांशों का उपयोग करके एक ही विचार व्यक्त करता है। चिल्लाकर यह बताता है कि मित्र जोर से रो उठे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "तब" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे ज़ोर से रोए" या "और वे ऊँची आवाज में रोने लगे।"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथूब 2:12 (#4)**"तब चिल्लाकर"**

लेखक ऐसे बोल रहा है चिल्लाकर। इसका अर्थ यह है कि वे जोर से रोए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने जोरदार आवाज निकाली"

देखें: रूपक

अथूब 2:12 (#5)**"चिल्लाकर रो उठे"**

चूंकि लेखक तीन लोगों की बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में चिल्लाने का बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने अपनी आवाजें उठाई"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 2:12 (#6)**"और अपना-अपना बागा फाड़ा, और आकाश की और धूलि उड़ाकर अपने-अपने सिर पर डाली।"**

अथूब के मित्रों ने अपने वस्त्र फाड़े और धूल को हवा में फेंका ताकि वह उनके सिर पर गिरे, यह प्रतीकात्मक कार्य था, ताकि यह दिखाया जा सके कि अथूब के साथ जो हुआ था, उससे वे बहुत दुखी थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दिखाने के लिए कि अथूब के साथ जो हुआ था, उससे वे कितने दुखी थे, प्रयेक ने अपने वस्त्र फाड़े, और उन्होंने अपने सिर पर आकाश की ओर धूल डाली"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 2:13 (#1)

"उसके संग भूमि पर बैठे रहे"

अथूब के मित्र उसके संग भूमि पर बैठे रहे ताकि वे अपनी सच्ची सहानुभूति को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त कर सकें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी सच्ची सहानुभूति व्यक्त करने के लिए, वे उनके साथ जमीन पर बैठे।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 3 की सामान्य टिप्पणी

संरचना और स्वरूप

यूलाटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखा है क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

आलंकारिक प्रश्न

इस अध्याय में कई स्थानों पर, अथूब गहरी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। हो सकता है कि आपकी भाषा इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करें। टिप्पणियाँ इन प्रश्नों का अनुवाद करने के अन्य तरीकों का सुझाव देंगी (देखें: आलंकारिक प्रश्न)।

जन्म का अर्थ है संगती से जीवन

इस पूरे अध्याय में, अथूब कह रहा है कि उसे अब अपना जीवन जीने लायक नहीं लगता। वह अपने जन्म के दिन को कोसकर यह संदेश देता है, जो एक तरह से यह कहने का तरीका है कि काश वह कभी जन्म ही न लेता। यह एक शक्तिशाली काव्यात्मक माध्यम है जिसे आपके पाठकों को दिखाना अच्छा रहेगा, इसलिए बेहतर होगा कि आप इस युक्ति का ही अनुवाद करें, बजाय इसके कि आप अपने अनुवाद में केवल इसका अर्थ या निहितार्थ व्यक्त करें। दूसरे शब्दों में, उदाहरण के लिए, 3:3 में अथूब के वास्तविक शब्दों, "जिस दिन मैं पैदा हुआ, वह नाश हो," का अनुवाद करना उचित होगा, बजाय इसके कि वह कुछ ऐसा कहे, "मुझे नहीं लगता कि मेरा जीवन अब जीने लायक है, इसलिए काश मैं कभी पैदा ही न होता।" (देखें: जानकारी को अन्तर्निहित कब रखना चाहिए)

अथूब 3:1 (#1)

"अथूब मुँह खोलकर"

लेखक अथूब के बोलने का उल्लेख इस तरीके से कर रहे हैं जैसे अथूब ने अपना मुँह खोला बोलने के सन्दर्भ में। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब ने बोलना शुरू किया।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:1 (#2)

"अपने जन्मदिन को धिक्कारने"

इस सन्दर्भ में, जन्मदिन का अर्थ वह दिन है जिस दिन अथूब का जन्म हुआ था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके जन्म के दिन को श्राप दिया"

देखें: मुहावरा

अथूब 3:1 (#3)

"अपने जन्मदिन को धिक्कारने"

इसका तात्पर्य यह है कि अथूब ने अपने जन्मदिन को धिक्कारने लगे क्योंकि वह इतनी अधिक पीड़ा में थे कि उन्होंने सोचा काश उन्होंने जन्म ही न लिया होता। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने जन्मदिन को श्रापित किया क्योंकि वह इतनी अधिक पीड़ा में थे कि उन्होंने कभी जन्म न लेने की इच्छा की"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 3:2 (#1)

"और कहने लगा"

अथूब के सामान्य परिचय में इस अभिव्यक्ति की चर्चा देखें। इस मामले में, अथूब किसी और के कहे हुए पर नहीं, बल्कि जो कुछ भी उनके साथ हुआ है, उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी उनके साथ हुआ था, उसके जवाब में अथूब ने कहा"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 3:3 (#1)**"वह दिन नाश हो जाए जिसमें मैं उत्पन्न हुआ,"**

इस पद और पुस्तक के अन्य पदों के अनुवाद के लिए इत्री कविता पर अथूब के सामान्य परिचय में चर्चा देखें, जो एक कथन से शुरू होते हैं और फिर एक या दो और कथनों के साथ पहले के अर्थ को किसी न किसी रूप में आगे बढ़ाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दिन नष्ट हो जाए जिस दिन मेरा जन्म हुआ था, हाँ, वह रात भी नष्ट हो जाए जिसने कहा था कि एक पुत्र गर्भ धारण किया गया था" या "वह रात जब मेरा गर्भ धारण हुआ था और वह दिन जब मेरा जन्म हुआ था, दोनों नष्ट हो जाएँ"

देखें: समानांतरता

अथूब 3:3 (#2)**"वह दिन नाश हो जाए जिसमें मैं उत्पन्न हुआ"**

अथूब उस दिन की बात कर रहे हैं जिस दिन वे उत्पन्न हुआ, मानो वह एक जीवित चीज़ हो जो नाश हो सकती है। छठे वचन से यह स्पष्ट है कि उनका मतलब है कि वे चाहते हैं कि वह दिन अब साल के दिनों में से एक न रहे। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए एक विशेष अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस दिन मैं पैदा हुआ था, वह पंचांग से हटा दिया जाए"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:3 (#3)**"और वह रात"**

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और रात नष्ट हो जाए" या "और रात को भी पंचांग से हटा दिया जाए"

देखें: पदलोप

अथूब 3:3 (#4)**"जिसमें कहा गया, 'बेटे का गर्भ रहा।'"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो।

वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने कहा कि एक लड़के की कल्पना की गई थी"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 3:3 (#5)**"जिसमें कहा गया, 'बेटे का गर्भ रहा।'"**

अथूब अपनी गर्भाधान की रात के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज़ हो जो बोल सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस दिन मेरा एक पुत्र के रूप में गर्भाधान हुआ था"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:3 (#6)**"बेटे का गर्भ रहा"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक महिला ने एक लड़के को गर्भ धारण किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 3:4 (#1)**"ऊपर से परमेश्वर उसकी सुधि न ले,"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके जन्म के दिन को अंधकार में जाने के बाद सुधि लेगे। इस सन्दर्भ में, सुधि शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) चिन्ता दिखाना। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उस दिन के लिए ऊपर से चिन्ता न दिखाएँ और उसके प्रकाश को पुनःस्थापित न करें" (2) ढंगना। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर यह पाते हैं कि वह दिन गायब है, तो वे उसे अन्य दिनों के बीच वापस लाने के लिए ऊपर से उस दिन की खोज न करें और उसके प्रकाश को पुनःस्थापित न करें"

देखें: रूपक

अथूब 3:4 (#2)**"ऊपर से परमेश्वर उसकी सुधि न ले,"**

चूंकि यह परमेश्वर थे जिन्होंने प्रकाश बनाकर दिन बनाया (उत्प 1:3), ऐसा लगता है कि अथूब चाहते हैं कि उनका जन्मदिन अंधकारमय हो क्योंकि परमेश्वर उनके लिए कोई प्रकाश प्रदान नहीं करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इसे ऊपर से न देखें, और परिणामस्वरूप, उस पर कोई प्रकाश न चमके" या "उस पर कोई प्रकाश न चमके, क्योंकि परमेश्वर इसे ऊपर से नहीं देख रहे हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 3:5 (#1)

"अंधियारा और मृत्यु की छाया उस पर रहे"

शब्द **अंधियारा** और **मृत्यु की छाया** समान अर्थ रखते हैं। लेखक जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार इसे पूरी तरह से अपने कब्जे में ले ले"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 3:5 (#2)

"अंधियारा और मृत्यु की छाया उस पर रहे"

अथूब मानते हैं कि उनके श्रोता समझ जाएँगे कि उस पर रहे से उनका मतलब है जैसा कि उनकी संस्कृति में, एक करीबी रिश्तेदार एक अनाथ बालक को अपने घर में लाता है और उसे अपने परिवार का सदस्य बनता है। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार और गहरा अंधकार इसे अपने परिवार का हिस्सा बना लें।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 3:5 (#3)

"अंधियारा और मृत्यु की छाया उस पर रहे"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे **अंधियारा** और एक **मृत्यु की छाया** जीवित चीजें हों जो उनके जन्म के दिन को घेर सकती हैं, जैसे कि वह भी एक जीवित चीज हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दिन अंधकार की तरह अदृश्य हो, हाँ, गहरे अंधकार की तरह"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:5 (#4)

"बादल उस पर छाए रहें"

अथूब एक **बादल** के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वह एक जीवित चीज हो जो उनके जन्म के दिन पर **छाया कर** सकती है या अपना घर बना सकती है, और वे उस दिन के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वह खुद किसी विशेष स्थान पर रहता हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पूरा दिन बादलों से घिरा रहे"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:5 (#5)

"और दिन को अंधेरा"

इस स्वामित्व रूप में, **दिन** वस्तु है विषय नहीं जो की **अंधेरा** है। अर्थात्, इसका मतलब यह नहीं है कि दिन के पास जो कालापन है, बल्कि इसका मतलब है वे सभी चीजें जो दिन को काला करती हैं, अर्थात्, उसे अंधेरा बनाती हैं। इसमें ग्रहण, रेत के तूफान, ज्वालामुखी विस्फोट आदि जैसी चीजें शामिल होंगी। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सभी चीजें जो दिन को काला करती हैं" या "वे सभी चीजें जो दिन को अंधेरा बनाती हैं।"

देखें: स्वामित्व

अथूब 3:5 (#6)

"दिन को अंधेरा"

यदि आपकी भाषा **अंधेरा** जैसी भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सभी चीजें जो एक दिन को काला कर देती हैं" या "वे सभी चीजें जो एक दिन को अंधेरा बना देती हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 3:5 (#7)

"उसे डराएँ"

अथूब अपने जन्म के दिन के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज हो जिसे काला करने वाली घटनाएँ **डरा** सकती हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे इतना अंधकारमय बना दो कि यह वास्तव में एक दिन न रह जाए।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:6 (#1)

"घोर अंधकार उस रात को पकड़े"

अथूब अंधकार के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो उनके गर्भाधान की रात को **पकड़** सकती है, जैसे वह एक वस्तु हो जिसे ले जाया जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बिना किसी प्रकाश के होए"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:6 (#2)

"वर्षा के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए"

सर्वनाम वह उस दिन का सन्दर्भ देता है जब अथूब का जन्म हुआ था। अथूब उस दिन और उस रात के बारे में बोलने के बीच बदल रहे हैं जब उनका गर्भाधान हुआ था। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दिन जब मेरा जन्म हुआ, वर्ष के दिनों में आनन्दित न हो; महीनों की संख्या में वह न आए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 3:6 (#3)

"वर्षा के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए"

अथूब अपने जन्म के दिन के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो वर्ष के दिनों में से एक होने पर आनन्दित हो सके और वर्ष के महीनों में **गिनती हो सके**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वर्ष के दिनों में से एक न बने, हाँ, यह किसी भी महीने में एक दिन न बने!"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:6 (#4)

"वर्षा के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए"

अथूब यह नहीं कह रहे हैं कि वे नहीं चाहते कि उनके जन्म का दिन वर्ष के महीनों में से एक हो। बल्कि, वे **महीनों में उसकी गिनती** के स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि सभी महीनों के समूह का अर्थ हो सके। दूसरे शब्दों में, यह "वर्ष" कहने का एक और तरीका है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह

वर्ष के दिनों में से एक न हो; वास्तव में, यह वर्ष का हिस्सा बिल्कुल न हो" या, दोनों वाक्यांशों को मिलाकर, "वह दिन वर्ष से पूरी तरह से बाहर हो जाए!"

देखें: स्वामित्व

अथूब 3:6 (#5)

"वर्षों के दिनों के बीच वह आनन्द न करने पाए"

आपकी भाषा में छोटी अवधि, महीने, को लम्बी अवधि, वर्ष, से पहले उल्लेख करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, ताकि वाक्य की प्रगति के साथ जोर बढ़ सके। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन इसे करने का एक तरीका प्रस्तुत करता है।

देखें: सूचना संरचना

अथूब 3:7 (#1)

"वह रात बाँझ हो जाए"

अथूब उस रात की बात कर रहे हैं जब उनका गर्भाधान हुआ था, मानो वह एक जीवित चीज हो जो **बाँझ** हो सकती है। उनका मतलब है कि वे नहीं चाहते कि उस रात कोई बच्चा हो, इस अर्थ में कि वे नहीं चाहते कि उस रात कोई बच्चा गर्भित हो या, जैसा कि सन्दर्भ से पता चलता है, उस रात पैदा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस रात फिर कभी कोई पैदा न हो"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:7 (#2)

"उसमें गाने का शब्द न सुन पड़े"

अथूब एक **गाने** की बात कर रहे हैं जैसे कि यह एक जीवित चीज़ हो जो किसी स्थान में **सुन पड़** सकती है। वे उन लोगों का जिक्र कर रहे हैं जो उस रात आनन्द से चिल्ला रहे थे जब वे पैदा हुए थे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस रात कोई भी आनन्दित होकर न चिल्ला"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:7 (#3)

"उसमें गाने का शब्द न सुन पड़े"

अथ्यूब का अर्थ है कि वह नहीं चाहते कि इस विशेष रात को किसी बालक के जन्म का जश्न मनाने के लिए कोई खुशी से चिल्लाए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस रात को किसी बालक के जन्म का जश्न मनाने के लिए कोई खुशी से चिल्लाए नहीं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 3:8 (#1)

"उसे धिक्कारें"

सर्वनाम उसे उस दिन को सन्दर्भित करता है जब अथ्यूब का जन्म हुआ था। अथ्यूब बारी-बारी से उस दिन और उस रात के बारे में बोल रहे हैं जब उनका गर्भाधान हुआ था। वैकल्पिक अनुवाद: "उस दिन को श्रापित करें"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 3:8 (#2)

"जो लोग किसी दिन को धिक्कारते हैं"

अथ्यूब मानते हैं कि उनके श्रोता समझ जाएँगे कि दिन को धिक्कारने वाले से उनका मतलब जादू-टीना करने वालों से है। इस संस्कृति में लोग इस विश्वास में जादूगरों को नियुक्त करते थे कि वे उनके दुश्मनों के लिए किसी विशेष दिन पर बुरी घटनाएँ घटित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, लोग किसी व्यक्ति की महत्वपूर्ण यात्रा शुरू होने के दिन या किसी महत्वपूर्ण पारिवारिक अवसर जैसे शादी के दिन को खराब करने के लिए जादूगर को नियुक्त कर सकते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पेशेवर जादूगर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 3:8 (#3)

"जो ... निपुण हैं"

अथ्यूब विशेषण निपुण का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ लोगों को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यह शब्द बहुवचन है, और अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इसको दिखाने के लिए लोग शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जिनके पास कौशल हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 3:8 (#4)

"लिव्यातान को छेड़ने में"

निहितार्थ यह है कि यदि जादूगरों ने अराजकता राक्षस को जगाकर अराजकता उत्पन्न की, तो दिनों के बीच कोई भेद नहीं रहेगा, और इस प्रकार अथ्यूब के जन्म का दिन अब एक विशिष्ट पहचान नहीं रखेगा। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "दिनों के बीच अराजकता उत्पन्न करना" या "जिस दिन मेरा जन्म हुआ उस दिन की विशिष्ट पहचान को नष्ट करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 3:8 (#5)

"लिव्यातान"

जैसा कि अथ्यूब का सामान्य परिचय बताता है, ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचीन लोग समुद्र में रहने वाले एक बड़े, भयंकर प्राणी के बारे में जानते थे, जिसे वे "समुद्री राक्षस" कहते थे। अथ्यूब की संस्कृति में लोग समुद्र को जलमय अराजकता का क्षेत्र मानते थे, और वे इस समुद्री राक्षस को उस अराजकता से जोड़ते थे। यही सम्बन्ध अथ्यूब यहाँ बना रहे हैं, समुद्री राक्षस को लिव्यातान नाम से बुला रहे हैं। आप अपने अनुवाद में लिव्यातान नाम को बनाए रख सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप यहाँ विचार व्यक्त करने के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्री राक्षस जो अराजकता से जुड़ा हुआ है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 3:9 (#1)

"वह उजियाले की बाट जोहे पर वह उसे न मिले"

अथ्यूब अपने जन्म के दिन के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो आकाश में उजियाले के प्रकट होने की बाट जोहे सके और भोर को देख सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस दिन कभी प्रकाश न प्रकट हो, हाँ, उस दिन कभी भोर न हो।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:9 (#2)**"भोर की पलकों"**

अथूब पलकों के खुलने से आँखों से निकलने वाली चमकदार रोशनी का उल्लेख कर रहे हैं, जो उस प्रकाश को प्रकट करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोर की आँखों से निकलती चमकदार रोशनी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:9 (#3)**"भोर की पलकों"**

अथूब भोर के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जिसके पलकों को खोलने से उसकी आँखों से प्रकाश चमकता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। भोर से अथूब का मतलब स्वयं सूर्योदय है, न कि वह पहली हल्की रोशनी जो क्षितिज पर दिखाई देती है और यह संकेत देती है कि एक नया दिन शुरू हो रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्योदय के द्वारा पहली प्रकाश की चमक"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:10 (#1)**"उसने मेरी माता की कोख को बन्द न किया"**

अथूब मेरी ... कोख का उपयोग उस कोख के लिए कर रहे हैं जिससे उनका जन्म हुआ था, अर्थात् उनकी माँ की कोख। वह यह नहीं कह रहे हैं कि उनके पास स्वयं एक कोख थी। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसने मेरी माँ की कोख के द्वारा बन्द नहीं किए"

देखें: स्वामित्व

अथूब 3:10 (#2)**"उसने मेरी माता की कोख {के दरवाजे} को बन्द न किया"**

अथूब इस तरह बोल रहे हैं जैसे उनकी माँ के गर्भ में सचमुच दरवाजे थे (अंग्रेजी अनुवाद में दरवाजे शब्द का उपयोग हुआ है) जो उन्हें जन्म लेने से रोक सकते थे। यदि आपकी

भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसने मुझे जन्म लेने से नहीं रोका।"

देखें: रूपक

अथूब 3:10 (#3)**"उसने मेरी माता की कोख को बन्द न किया"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उनके जन्म का दिन एक जीवित वस्तु हो जो उन्हें जन्म लेने से रोक सकता था। यदि यह आपके लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी चीज़ ने मुझे उस दिन पैदा होने से नहीं रोका और छुपाया"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:10 (#4)**"और कष्ट को मेरी दृष्टि से न छिपाया"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके जन्म का दिन एक जीवित वस्तु हो जो उनकी दृष्टि से कष्ट छुपा सकता था। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी बात संकट को मेरी दृष्टि से न छिपाया"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:10 (#5)**"और कष्ट को मेरी दृष्टि से न छिपाया"**

अथूब अपनी देखने की क्षमता का उल्लेख दृष्टि के माध्यम से कर रहे हैं, जिनसे वे देखते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरी दृष्टि से परेशानी छुपाएँ" या "और मुझे परेशानी देखने से रोकें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:10 (#6)**"और कष्ट को मेरी दृष्टि से न छिपाया"**

इस सन्दर्भ में, कष्ट देखने का अर्थ है इसे अनुभव करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर

पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे कष्ट का सामना करने से रोका"

देखें: मुहावरा

अथूब 3:10 (#7)

"और कष्ट को मेरी दृष्टि से न छिपाया"

यदि आपकी भाषा में कष्ट के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे इतनी गम्भीर पीड़ा से बचाया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 3:11 (#1)

"मैं गर्भ ही में क्यों न मर गया?"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। जैसे अथूब और अन्य पात्र पुस्तक के काव्यात्मक भागों में करते हैं, यहाँ वह विचार को व्यक्त करने के लिए दोहराए जाने वाले वाक्यांशों का उपयोग कर रहे हैं। (अथूब की पुस्तक के परिचय में "समानांतरता" की चर्चा देखें।) यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को मिला सकते हैं। हालांकि, आप दोनों को बनाए रख सकते हैं ताकि आपके पाठकों को यह समझने में मदद मिल सके कि इब्री कविता कैसे कार्य करती थी। निम्नलिखित टिप्पणियाँ यह सुझाव देते हैं कि इसे कैसे किया जाए। वैकल्पिक अनुवाद, वाक्यांशों को मिलाते हुए: "जैसे ही मैं पैदा हुआ मैं क्यों नहीं मर गया ?"

देखें: समानांतरता

अथूब 3:11 (#2)

"मैं गर्भ ही में क्यों न मर गया"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप कथन या विस्मयादिबोधक रूप का उपयोग करके अनुवाद कर सकते हैं। इसे दो वाक्यों में बनाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश मैं गर्भ में ही मर गया होता! काश मैं पेट से बाहर आते ही मर जाता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:11 (#3)

"गर्भ ही में"

अथूब अपने जन्म का उल्लेख उस गर्भ के साथ सम्बन्ध द्वारा कर रहे हैं जिससे वे पैदा हुए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे ही मैं पैदा हुआ था"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:11 (#4)

"क्यों न छूटा"

अथूब शब्द न छूटा का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ "साँस छोड़ना," "मरना" है। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और गुजर जाना"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 3:11 (#5)

"पेट से निकलते ही मेरा प्राण क्यों न छूटा"

अथूब अपने जन्म का उल्लेख पेट (जो "गर्भ" का एक काव्यात्मक पर्याप्ति है) से कर रहे हैं जिससे उनका जन्म हुआ था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे ही मेरी माँ ने मुझे जन्म दिया, मैंने अपनी अन्तिम सांस क्यों नहीं ली।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:12 (#1)

"मैं घुटनों पर क्यों लिया गया?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काश घुटनों और स्तनों ने, जिन्हें मैंने चूसा है, मेरा स्वागत न किया होता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:12 (#2)**"मैं घुटनों पर क्यों लिया गया"**

अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घुटनों ने मुझे क्यों स्वीकार किया, और दूध पीने के लिए स्तनों ने मुझे क्यों स्वीकार किया?"

देखें: पदलोप

अथूब 3:12 (#3)**"मैं घुटनों पर क्यों लिया गया"**

अथूब अपनी माँ के कुछ हिस्सों का उल्लेख कर रहा है, जिसका अर्थ है कि वह अपनी माँ के पूरे अस्तित्व का सम्मान कर रहा है जब वह उन्हें दूध पिला रही थीं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्टता लाएगा, तो आप इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी माँ ने मुझे अपनी गोद में क्यों लिया और मुझे दूध क्यों पिलाया?"

देखें: उपलक्षण

अथूब 3:13 (#1)**"{क्योंकि} ऐसा न होता"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जिस वाक्य का यह परिचय देता है, वह बताता है कि परिणाम क्या होता अगर वह घटना जिसे अथूब वर्णन कर रहे हैं, वास्तव में घटित हो गई होती, अर्थात्, अगर वह जन्म के समय मर गए होते। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर ऐसा होता,"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 3:13 (#2)**"मैं {अब} चुपचाप पड़ा रहता"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **अब** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब तक" या "इस समय तक"

अथूब 3:13 (#3)**"मैं चुपचाप पड़ा रहता, मैं सोता रहता और विश्राम करता,"**

अथूब यह वर्णन करने के लिए भूतकाल का उपयोग कर रहे हैं कि क्या होता अगर वे वास्तव में कभी पैदा नहीं हुए होते। आपकी भाषा भी इसी तरह भूतकाल का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप यहाँ पर शर्तकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लेटा होता और विश्राम कर रहा होता, मैं सोया होता और यह मेरे लिए विश्राम होता"

देखें: काल का अनियमित प्रयोग

अथूब 3:13 (#4)**"मैं सोता रहता"**

अथूब **सोता रहता** का उपयोग "मर गया" के अर्थ में कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं गुज़र गया होता" या "मैं मर गया होता"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 3:13 (#5)**"मैं चुपचाप पड़ा रहता"**

यदि आपकी भाषा इस प्रकार के अमौखिक निर्माण का उपयोग नहीं करती है, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आराम कर रहा होता" या "मैं विश्राम कर रहा होता"

अथूब 3:14 (#1)**"जिन्होंने अपने लिये सुनसान स्थान बनवा लिए"**

अनुवादित शब्द **सुनसान स्थान** एक उजाड़ या खण्डहर स्थान को सन्दर्भित करता है। इस सन्दर्भ में, इसका अर्थ हो सकता है: (1) उजाड़ स्थानों में भव्य इमारतें, जैसे कि पिरामिड जो फिरैन ने मिसी मर्लभमि में बनाए थे। चूंकि अथूब यह चाह रहे हैं कि यह उनकी स्थिति होती, इसलिए यह सकारात्मक अर्थ शायद अधिक उपयुक्त है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने दूरस्थ स्थानों में अपने लिए महान मकबरे बनाए" (2) खण्डहर इमारतें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने अपने लिए खण्डहर इमारतों का पुनर्निर्माण किया" या "जिन्होंने अपने लिए इमारतें बनाई जो अब खण्डहर हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 3:15 (#1)

"जिन्होंने अपने घरों को चाँदी से भर लिया था"

अथूब कहते हैं कि इन राजकुमारों ने अपने घरों को चाँदी से भर लिया था, यह जोर देने के लिए एक अतिशयोक्ति है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने अपने घरों में बहुत अधिक चाँदी रखी"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 3:16 (#1)

"असमय गिरे हुए गर्भ के समान"

अनुवादित शब्द **असमय** अप्रत्यक्ष रूप से दफनाने का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक बालक जो जीवित नहीं जन्मा और इसलिए तुरन्त दफनाया गया।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 3:16 (#2)

"ऐसे बच्चों के समान होता जिन्होंने उजियाले को कभी देखा ही न हो"

अथूब जन्म प्रक्रिया के एक हिस्से का उपयोग कर रहे हैं, पहली बार **उजियाला** देखने का अर्थ पूरी जन्म प्रक्रिया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे शिशु जो जीवित जन्म नहीं लेते"

देखें: उपलक्षण

अथूब 3:17

"दुष्ट लोग" - "थके-माँदे"

अथूब विशेषण **दुष्ट** और **थके-माँदे** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि कुछ प्रकार के लोगों का वर्णन किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समानार्थक वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो दुष्ट हैं ... वे लोग जो थके हुए हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 3:18

"बन्धुए ... परिश्रम करानेवाले का शब्द नहीं सुनते"

अथूब उन आदेशों का उल्लेख कर रहे हैं जो एक परिश्रम करानेवाला बन्धुओं को देता है, उस शब्द के साथ जो परिश्रम करानेवाले उन्हें देने के लिए उपयोग करता है। वे बन्धुओं की उन आदेशों का पालन करने की बाध्यता का उल्लेख कर रहे हैं, जिस तरह से वे उन्हें **सुनते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप समकक्ष अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई परिश्रम करानेवाला उन्हें पालन करने के लिए आदेश नहीं देता" या "उन्हें अब किसी परिश्रम करानेवाले के आदेशों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:19 (#1)

"उसमें छोटे बड़े सब रहते हैं"

अथूब दो प्रकार के लोगों का उल्लेख कर रहे हैं, **छोटे** और **बड़े** (अर्थात् महत्वहीन और महत्वपूर्ण), जो उन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उनके बीच आते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर प्रकार के लोग वहाँ उपस्थित हैं"

देखें: विभज्योतक

अथूब 3:19 (#2)

"छोटे बड़े"

अथूब विशेषण **छोटे** और **बड़े** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि कुछ प्रकार के लोगों का अर्थ निकाला जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महत्वहीन लोग और महत्वपूर्ण लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 3:19 (#3)

"और दास"

इस सन्दर्भ में, वाक्यांश **दास** किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है। यह सामान्यतः दासों को सन्दर्भित करता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी जो दास रहा हो"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 3:20 (#1)

"दुःखियों को उजियाला ... क्यों दिया जाता है"

यह एक लम्बे प्रश्न की शुरुआत है जो अथूब पद 20-23 में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग करते हुए पूछते हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन पदों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुखियों को प्रकाश नहीं दिया जाना चाहिए! उदास मनवालों को जीवन नहीं दिया जाना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:20 (#2)

"उजियाला...क्यों दिया जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर प्रकाश क्यों देते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 3:20 (#3)

"उजियाला"

अथूब उन लोगों के साथ जीवन का उल्लेख कर रहे हैं जो जीवित हैं और **उजियाला** देख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:20 (#4)

"दुःखियों को"

अथूब विशेषण **दुःखियों** और उदास मनवालों का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ कुछ प्रकार के लोग हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो दुखी हैं ... उन लोगों के लिए जो प्राण में कड़वे हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 3:20 (#5)

"जीवन"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जीवन क्यों दिया जाता है" या "और परमेश्वर जीवन क्यों देते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 3:20 (#6)

"उदास मनवालों को"

यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो अपने अस्तित्व की गहराइयों में **उदास** मन या दुख में होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो बहुत दुखी हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 3:21

"वे मृत्यु की बाट जोहते हैं पर वह आती नहीं,"

जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग करते हुए यह उस प्रश्न का एक निरन्तरता है जो अथूब पद 20-23 में पूछ रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे शृंखला में अगले कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन उन लोगों को नहीं दिया जाना चाहिए जो मरने की लालसा रखते हैं लेकिन मर नहीं सकते, जो छिपे खजानों से अधिक मृत्यु के लिए खोदते हैं!" या "परमेश्वर को जीवन उन लोगों को नहीं देना चाहिए जो मरने की लालसा रखते हैं लेकिन मर नहीं सकते, जो छिपे खजानों से अधिक मृत्यु के लिए खोदते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:21 (#2)

"और गड़े हुए धन से अधिक उसकी खोज करते हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे अत्यंत दुखी लोग सचमुच मृत्यु के लिए खोज करते हैं, जैसे वे गड़े हुए धन खोजने के लिए खुदाई करते हैं। उनका मतलब है कि वे किसी भी अन्य चीज़ से अधिक, मरने की चाह रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो किसी भी अन्य चीज़ से अधिक मरना चाहते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 3:22 (#1)

"वे ... आनन्दित और अत्यन्त मगन होते हैं"

यह उस प्रश्न का विस्तार है जो अथूब पद 20-23 में पूछ रहे हैं, जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग करते हुए। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे श्रृंखला में अगले कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन उन लोगों को नहीं दिया जाना चाहिए जो हर्ष में आनन्दित होते हैं और कब्र मिलने पर उत्सव मनाते हैं!" या "परमेश्वर को जीवन उन लोगों को नहीं देना चाहिए जो हर्ष में आनन्दित होते हैं और कब्र मिलने पर उत्सव मनाते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:22 (#2)

"वे ... आनन्दित और अत्यन्त मगन होते हैं,"

शब्द अत्यन्त मगन होते हैं और आनन्दित होना समान अर्थ रखते हैं। अथूब जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अत्यधिक आनन्दित होते हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 3:22 (#3)

"वे कब्र को पहुँचकर"

अथूब मृत्यु का उल्लेख कब्र के साथ सम्बन्ध के माध्यम से कर रहे हैं, जिसमें एक व्यक्ति जो मरता है उसे दफनाया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे मरते हैं" या "जब उन्हें पता चलता है कि वे मरने वाले हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 3:23 (#1)

"उस पुरुष को क्यों मिलता है जिसका मार्ग छिपा है,"

जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग करते हुए यह उस प्रश्न का अन्त है जो अथूब पद 20-23 में पूछ रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक श्रृंखला में अन्तिम कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन उस व्यक्ति को नहीं दिया जाना चाहिए जिसका मार्ग छिपा हुआ है, जिसके चारों ओर परमेश्वर ने घेरा डाला है" या "परमेश्वर को उस व्यक्ति को जीवन नहीं देना चाहिए जिसका मार्ग छिपा हुआ है, जिसके चारों ओर उन्होंने घेरा डाला है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 3:23 (#2)

"उस पुरुष को क्यों मिलता है जिसका मार्ग छिपा है,"

वाक्यांश जिसका मार्ग छिपा हुआ है और जिसके चारों ओर परमेश्वर ने घेरा बांध दिया है समान अर्थ रखते हैं। अथूब इन दोनों वाक्यांशों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष जिसे परमेश्वर यह देखने से रोक रहे हैं कि वह कहाँ जा रहा है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 3:23 (#3)

"जिसका मार्ग छिपा है,"

अथूब इस बारे में बात कर रहे हैं कि एक व्यक्ति को कैसे जीना चाहिए, या उस आशावान भविष्य के बारे में जो व्यक्ति के आगे है, जैसे कि वह वास्तव में एक मार्ग या पथ है जिस पर व्यक्ति को चलना चाहिए, लेकिन जो छिपा हुआ है ताकि व्यक्ति उसे खोज न सके। वह ऐसे बोलते हैं जैसे परमेश्वर ने

सचमुच व्यक्ति के चारों ओर एक घेरा बाँध दिया हो ताकि वह बाहर न देख सके। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके पास भविष्य के लिए कोई आशा नहीं है"

देखें: रूपक

अथूब 3:23 (#4)

"जिसका मार्ग छिपा है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि किसने यह कार्य किया है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसका मार्ग परमेश्वर ने छिपा दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 3:24 (#1)

"[क्योंकि] मुझे तो रोटी खाने के बदले लम्बी-लम्बी साँसें आती हैं"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। अथूब ने पिछले वचनों में पूछा कि परमेश्वर एक ऐसे व्यक्ति को जीवन क्यों देंगे जो पहले ही इतना दुखी है, इसका कारण बताने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने यह सब इसलिए पूछा क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 3:24 (#2)

"मुझे तो रोटी खाने के बदले लम्बी-लम्बी साँसें आती हैं"

शब्द के बदले का अर्थ अप्रत्यक्ष रूप से हो सकता है: (1) कि अथूब की आहें उसके भोजन के स्थान पर आती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इतना दुखी हूँ कि खा नहीं सकता" (2) कि अथूब की आहें पहले आती हैं और उसका भोजन बाद में आता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पहले आहें भरे बिना नहीं खा सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 3:24 (#3)

"और मेरा विलाप धारा के समान बहता रहता है"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे धारा (उदाहरण के लिए, किसी नदी की) अत्यधिक और शक्तिशाली रूप से बहती है, वैसे ही अथूब भी अत्यधिक और शक्तिशाली रूप से कराह रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अत्यधिक कराह रहा हूँ"

देखें: उपमा

अथूब 3:25 (#1)

"क्योंकि"

अथूब इस शब्द **क्योंकि** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वे इतने परेशान क्यों हैं कि वे खा नहीं सकते और जोर से कराह रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं खा नहीं सकता और मैं कराह रहा हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 3:25

"जिस डरावनी बात से मैं डरता हूँ, वही मुझ पर आ पड़ती है;"

अथूब उस चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं जिससे वह **डरते** और भय खाते थे, जैसे कि वह एक जीवित चीज़ थी जो उनके पास **आ गई** या **आ पड़ी** थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। आपके अनुवाद में इन दो वाक्यों को मिलाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस चीज़ से मैं सबसे अधिक डरता था, वह हो गई है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 3:25 (#3)

"जिस डरावनी बात से मैं डरता हूँ"

अथूब एक ऐसे निर्माण का उपयोग कर रहे हैं जिसमें क्रिया और उसका वस्तु एक ही मूल से आते हैं। आप अपनी भाषा में इसी प्रकार के निर्माण का उपयोग करके यहाँ दिए अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में ऐसा

अर्थ व्यक्त करने का अपना तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं किसी चीज़ से बहुत डर गया था।"

देखें: कविता

अथूब 3:26

"मुझे न तो चैन, न शान्ति, न विश्राम मिलता है,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। (शब्द परन्तु एक कारण प्रस्तुत करता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परेशानी आती है, मैंने आराम नहीं किया है, और मैंने विश्राम नहीं किया है, और मैंने शान्ति नहीं पाई है।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 3:26 (#2)

"मुझे न तो चैन, न शान्ति, न विश्राम मिलता है,"

शब्द चैन, शान्ति, और विश्राम समान अर्थ रखते हैं। अथूब इन तीनों शब्दों का एक साथ उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बिल्कुल भी विश्राम नहीं कर पाया हूँ।"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 3:26 (#3)

"परन्तु दुःख ही दुःख आता है"

अथूब दुःख के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज हो जो उनके पास आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मुसीबत आती है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 4 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और स्वरूप

इस अध्याय में (और अगले अध्याय में), अथूब के मित्र एलीपज उस पर प्रतिक्रिया देते हैं जो अथूब ने अध्याय 3 में कहा था।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है क्योंकि वे कविताएँ हैं।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

एलीपज की सलाह

एलीपज, अथूब को सलाह देता है कि वह भरोसा रखे कि परमेश्वर निर्दोष लोगों की रक्षा करते हैं और दुष्टों को दण्ड देते हैं। वह कहता है कि परमेश्वर अच्छे लोगों को भी सही करते हैं यदि वे बुरे काम करने लगते हैं, और वह अथूब को प्रोत्साहित करता है कि वह यह विचार करें कि परमेश्वर उसे क्यों सुधार रहे हैं। सामान्यतः यह बहुत अच्छी सलाह होती। लेकिन एलीपज उन विशेष परिस्थितियों को नहीं समझता जिनमें अथूब है। अथूब स्वयं उसे नहीं समझता। परमेश्वर अथूब को यह नहीं समझा सकते कि उन्होंने शत्रु को यह परखने दिया है कि क्या वह अपना परिवार, संपत्ति और स्वास्थ्य खो देने पर भी परमेश्वर पर भरोसा रखेगा, क्योंकि यदि परमेश्वर ने यह समझाया, तो यह परीक्षा अमान्य हो जाएगी। इसलिए पुस्तक का यह भाग, जिसमें अथूब के तीन मित्र उससे बात करते हैं, एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है: जो सलाह सामान्यतः अच्छी होती है, वह इन विशेष परिस्थितियों में अच्छी सलाह नहीं है।

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

आलंकारिक प्रश्न

एलीपज अक्सर जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। टिप्पणियाँ प्रत्येक स्थान पर सुझाव देंगी, जहाँ एलीपज इस प्रकार प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। (देखें: आलंकारिक प्रश्न)

अथूब 4:2 (#1)

"यदि कोई तुझ से कुछ कहने लगे, तो क्या तुझे बुरा लगेगा?"

इन दोनों वाक्यों में, एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे चिंता है कि यदि तुझसे कुछ कहा जाए, तो क्या तुझे बुरा लगेगा। परन्तु बोले बिना कौन रह सकता है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 4:2 (#2)**"यदि कोई तुझ से कुछ कहने लगे"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं तुझसे कुछ कहूँ"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:2 (#3)**"यदि कोई तुझ से कुछ कहने लगे"**

एलीपज शब्द का उपयोग उस बात को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो वह अथूब से कहना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं तुझसे बात करने की कोशिश करूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:2 (#4)**"तो क्या तुझे बुरा लगेगा?"**

यह दर्शाते हुए कि अथूब ऐसा तब करेगा जब एलीपज की बात बुरी लगेगी, एलिपज यहाँ अथूब के उसे टोकने और रोकने की बात कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहना उपयोगी हो, तो आप इसे साधारण अर्थ में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या तू मुझे बीच में ही टोककर रोक देगा इससे पहले कि मैं अपनी बात पूरी करूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:2 (#5)**"परन्तु बोले बिना कौन रह सकता है?"**

एलीपज संभवतः यह संकेत दे रहे हैं कि कोई भी अथूब को इतनी पीड़ा में देखता, वह करुणा के कारण उससे कुछ कहे बिना नहीं रह सकता। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जो कोई तुझे इतनी पीड़ा में देखेगा, वह करुणा के कारण तुझसे कुछ कहे बिना नहीं रह सकेगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 4:2 (#6)**"बोले बिना"**

एलीपज अनुवादित वचन का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वह अथूब से जो कुछ भी कहना चाहते हैं, उसे शब्दों के माध्यम से व्यक्त कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बोलने से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:3 (#1)**"बहुतों"**

एलीपज विशेषण बहुत से को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत से लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 4:3 (#2)**"निर्बल लोगों को बलवन्त किया है"**

वैकल्पिक अनुवाद: "तूने उन लोगों को बल दिया है जो कमजोर थे" या अगले टिप्पणी में एक और संभावना देखें।

देखें: उपलक्षण

अथूब 4:3 (#3)**"निर्बल लोगों को बलवन्त किया है"**

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तूने भयभीत लोगों को साहस दिया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:4 (#1)**"गिरते हुओं को तूने अपनी बातों से सम्भाल लिया"**

एलीपज बातों का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने अतीत में लोगों से क्या कहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो तूने कहा है, उसने गिरते हुओं को सम्भाल लिया है।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:4 (#2)

"गिरते हुओं को तूने अपनी बातों से सम्भाल लिया"

एलीपज ऐसा कह रहे हैं मानो जीवन में संघर्ष कर रहे थे, वे सचमुच लड़खड़ा रहे थे और अथूब के शब्दों या सलाह ने उन्हें सचमुच सम्भाल था या गिरने से रोक लिया। उसका मतलब है कि अथूब ने बुद्धिमानी सलाह दी, जिससे लोगों को उनके संघर्षों में हिम्मत मिली और उन्हें हार मानने से रोका। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी सलाह ने संघर्ष कर रहे लोगों को हिम्मत दी कि वे हार न मानें।"

देखें: रूपक

अथूब 4:4 (#3)

"गिरते हुओं को"

यह वाक्य किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है। यह उस स्थिति में किसी भी व्यक्ति का उल्लेख करता है जिसका यह वर्णन करता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लड़खड़ाते लोग" या "संघर्षरत लोग"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 4:4 (#4)

"और लड़खड़ाते हुए लोगों को तूने बलवन्त किया"

एलीपज थकावट या निराशा का उल्लेख कर रहा है, जैसा कि उन परिस्थितियों में उनके घुटनों के लड़खड़ाने से स्पष्ट होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तूने लड़खड़ाते हुए लोगों को धैर्य बनाए रखने में सहायता की है" या "तूने निराश लोगों को हार न मानने में सहायता की है।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:5 (#1)

"विपत्ति तो तुझी पर आ पड़ी" - "उसने तुझे छुआ"

एलीपज विपत्ति को एक सजीव वस्तु की तरह प्रस्तुत कर रहा है जैसे वह एक जीवित चीज हो जो अथूब को छू सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तेरे साथ हुआ ... यह तुझे प्रभावित करती है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 4:5 (#2)

"आ पड़ी" - "उसने तुझे छुआ"

सर्वनाम उसने दोनों परिस्थितियों में समस्या को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "समस्या आती है ... समस्या छूती है" या "समस्या होती है ... समस्या प्रभावित करती है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 4:6 (#1)

"क्या परमेश्वर का भय ही तेरा आसरा नहीं?"

इन दोनों उदाहरणों में, एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरा भय ही तेरा भरोसा है! तेरी चाल चलन की खराई ही तेरी आशा है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 4:6 (#2)

"परमेश्वर का भय"

इस संदर्भ में, शब्द भय का अर्थ परमेश्वर के प्रति आदर है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरा परमेश्वर के प्रति आदर"

देखें: मुहावरा

अथूब 4:6 (#3)**"तेरी आशा"**

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तेरी आशा नहीं है?"

देखें: पदलोप

अथूब 4:6 (#4)**"तेरी चाल चलन"**

एलीपज अथूब के जीवन में उनकी प्रथाओं के बारे में ऐसे बात कर रहा हैं जैसे वे मार्ग या रास्ते हों जिन पर वह चल रहा था। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरा आचरण"

देखें: रूपक

अथूब 4:7 (#1)**"कोई निर्दोष भी कभी नाश हुआ है?"**

इन दोनों उदाहरणों में, एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने कभी किसी निर्दोष को नाश होते देखा है? और क्या कोई धर्मी कभी नष्ट किया गया?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 4:7 (#2)**"या कहीं सज्जन भी काट डाले गए?"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कभी किसी ने धर्मी को नष्ट किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:7 (#3)**"सज्जन"**

एलीपज विशेषण सज्जन का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 4:8 (#1)**"जो पाप को जोतते और दुःख बोते हैं"**

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग दुख बोते हैं, वे उसे काटते हैं, और जो लोग संकट बोते हैं, वे उसे काटते हैं।"

देखें: पदलोप

अथूब 4:8 (#2)**"जो पाप को जोतते और दुःख बोते हैं"**

एलीपज ऐसा बोल रहा है मानो लोग सचमुच अधर्म को बो सकते हैं, संकट पैदा कर सकते हैं, और उन चीजों को काट सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग बुरे काम करते हैं और दूसरों के लिए परेशानी पैदा करते हैं, वे स्वयं परेशानी का अनुभव करेंगे।"

देखें: रूपक

अथूब 4:9 (#1)**"वे तो परमेश्वर की श्वास से नाश होते,"**

एलीपज परमेश्वर की श्वास का उपयोग इस अर्थ में कर सकते हैं कि परमेश्वर अपनी श्वास से दुष्टों के विरुद्ध जो न्याय सुनाते हैं। वह उनकी नाक की फूँक का उपयोग परमेश्वर के क्रोध को दुष्टा के विरुद्ध इस तरह से कर सकते हैं जैसे लोग क्रोध में अपनी नाक से फूँक मारते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनके विरुद्ध अपना न्याय

सुनाते हैं और उन्हें नष्ट कर देते हैं; अपने क्रोध में वे उनका अंत कर देते हैं" या अगले टिप्पणी में एक और संभावना देखें।

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:9 (#2)

"“वे तो परमेश्वर की श्वास से नाश होते,”

एलीपज ऐसा कह रहा है जैसे कि परेशान करने वाले लोग सचमुच नाश हो जाते हैं जब परमेश्वर अपने मुख से उन पर श्वास लेता है और अपनी नाक से फूँक मारते हैं। परमेश्वर की श्वास और उनकी नाक की फूँक का उल्लेख करके, एलीपज परमेश्वर के न्याय को एक बड़े तूफान के रूप में चित्रित कर रहा है जो दुष्ट लोगों को बहा ले जाता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विरुद्ध परमेश्वर का शक्तिशाली न्याय एक बड़े तूफान के समान है जो उन्हें बहा ले जाता है"

देखें: रूपक

अथूब 4:10 (#1)

"“सिंह का गरजना और हिंसक सिंह का दहाड़ना!”

एलीपज अपने कहे हुए बिंदु पर जोर देने के लिए विस्मयादिबोधक का उपयोग कर रहा है। यदि ये आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं होंगे, तो आप उन्हें वक्तव्यों के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सिंह गरज सकते हैं, वास्तव में, हिंसक सिंह दहाड़ना सकता है, लेकिन जवान सिंहों के दाँत तोड़े जाते हैं।"

देखें: विस्मयादिबोधक

अथूब 4:10 (#2)

"“सिंह का गरजना और हिंसक सिंह का दहाड़ना!”

एलीपज दुष्ट लोगों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे वास्तव में सिंह हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग धमकी भरी बातें कह सकते हैं और खतरनाक दिख सकते हैं, लेकिन परमेश्वर धर्मी लोगों को उनसे हानि पहुँचने से रोकेंगे।"

देखें: रूपक

अथूब 4:10 (#3)

"“और जवान सिंहों के दाँत तोड़े जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु परमेश्वर जवान सिंहों के दाँत तोड़े देता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:11 (#1)

"“शिकार न पाकर बूढ़ा सिंह मर जाता है,”

एलीपज दुष्ट लोगों के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे वे सचमुच सिंह हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर दुष्ट लोगों को धर्मी लोगों पर अत्याचार करने से रोकेंगे, और अत में दुष्ट लोग दरिद्र हो जाएँगे और अपने परिवारों को खो देंगे।"

देखें: रूपक

अथूब 4:11 (#2)

"“और सिंहनी के बच्चे तितर बितर हो जाते हैं”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सिंहनी के बच्चे तितर-बितर होते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:12 (#1)

"“एक बात चुपके से मेरे पास पहुँचाई गई”

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अब किसी ने चुपके से मेरे पास एक बात लाई है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:12 (#2)**"एक" - "मेरे पास"**

एलीपज पृष्ठभूमि जानकारी प्रस्तुत करने के लिए एक बात शब्द का उपयोग कर रहा हैं, जो अथूब को यह समझने में सहायता करेगा कि वे आगे क्या कह रहा हैं। अपने अनुवाद में, इस जानकारी को इस तरह से प्रस्तुत करें जो आपकी अपनी भाषा और संस्कृति में स्वाभाविक हो।

देखें: जोड़ें— पृष्ठभूमि की जानकारी

अथूब 4:12 (#3)**"एक बात"**

एलीपज एक बात का उपयोग एक वचन के अर्थ में कर रहा हैं जो उन्हें शब्दों के माध्यम से प्रकट किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक वचन"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:12 (#4)**"और मेरे कान में पड़ी"**

एलीपज अपने एक हिस्से, अपने कान, का उपयोग सुनने की क्रिया में अपने पूरे अस्तित्व के लिए कर रहा हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने सुना"

देखें: उपलक्षण

अथूब 4:13 (#1)**"रात के स्वप्नों"**

रात के स्वप्नों से, एलीपज का मतलब स्वप्नों हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक स्वप्न जो मैंने देखा था"

देखें: मुहावरा

अथूब 4:13 (#2)**"जब मनुष्य गहरी निद्रा में रहते हैं"**

एलीपज गहरी निद्रा के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो सक्रिय रूप से लोगों पर छा सकती

है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तब होता है जब लोग गहरी नीद में होते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 4:13 (#3)**"मनुष्य"**

यहाँ पर मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है, जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 4:14 (#1)**"मुझे ऐसी थरथराहट और कँपकँपी लगी"**

शब्द थरथराहट और कँपकँपी समान अर्थ रखते हैं। एलीपज इन दोनों शब्दों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझ पर बड़ा भय छा गया"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 4:14 (#2)**"थरथराहट" - "हिल उठी"**

जोर देने के लिए, एलीपज एक ऐसे रचना का उपयोग कर रहा है जिसमें विषय और उसकी क्रिया एक ही मूल से आते हैं। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी रचना का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

देखें: काव्य

अथूब 4:14 (#3)**"मेरी सब हड्डियाँ तक हिल उठी"**

एलीपज अपने एक हिस्से, अपनी हड्डियों, का उपयोग कर रहा है, जिसका अर्थ है कि वह पूरी तरह से भयभीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट

रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं पूरी तरह से भयभीत हो गया" या "हाँ, मैं पूरी तरह डर गया"

देखें: उपलक्षण

अथूब 4:16 (#1)

"मेरी आँखों के सामने कोई रूप था"

एलीपज आँखों के माध्यम से देखने का उल्लेख कर रहा है, जिससे वह देख सकते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने एक छवि देखी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:16 (#2)

"फिर मुझे एक शब्द सुन पड़ा"

एलीपज उस शब्द के संदर्भ में बोल रहा हैं जिससे यह आत्मा बोलती। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर मैंने आत्मा को कहते हुए सुना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 4:17 (#1)

"क्या नाशवान मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्मी होगा?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस आत्मा ने पूछा कि क्या मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्मी हो सकता है? क्या मनुष्य अपने सृजनहार से अधिक शुद्ध हो सकता है?"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 4:17 (#2)

"क्या नाशवान मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्मी होगा?"

इन दोनों वाक्यों में, एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई मनुष्य परमेश्वर से अधिक धार्मिक नहीं हो सकता! कोई मनुष्य अपने सृष्टिकर्ता से अधिक शुद्ध नहीं हो सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 4:17 (#3)

"मनुष्य"

यहाँ एलीपज द्वारा उपयोग किया जा रहा मनुष्य शब्द अप्रत्यक्ष रूप से "नश्वर" का अर्थ देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नश्वर मानव"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 4:17 (#4)

"क्या मनुष्य अपने सृजनहार से अधिक पवित्र हो सकता है?"

एलीपज एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए क्या शब्द का उपयोग कर रहा है, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोई मनुष्य अपने सृष्टिकर्ता से अधिक पवित्र हो सकता है?"

देखें: मुहावरा

अथूब 4:17 (#5)

"मनुष्य" - "मनुष्य"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द का उपयोग किया गया है जो प्रत्येक सामान्य अर्थ में पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। हिंदी अनुवाद में मनुष्य शब्द का उपयोग किया गया है जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति... एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 4:18 (#1)

"वह... भरोसा नहीं रखता" - "अपने... दोषी ठहराता है"

सर्वनाम वह और अपने पिछले वचन में परमेश्वर की ओर संकेत करते हैं, न कि "एक व्यक्ति" की ओर। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पर भरोसा नहीं रखता... परमेश्वर दोषी ठहराता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 4:18

"अपने सेवकों पर"

अपने सेवकों के माध्यम से, एलीपज अप्रत्यक्ष रूप से स्वर्गदूतों का उल्लेख करते हैं, जिनका वह बाद के वचन में उल्लेख करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन स्वर्गदूतों में जो उनकी सेवा करते हैं और ... वे स्वगदूत"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 4:19 (#1)

"फिर जो मिट्टी के घरों में रहते हैं"

एलीपज कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहा हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को कितना कम विश्वास होगा कि मिट्टी के घरों में रहने वाले सही काम कर रहे हैं!"

देखें: पदलोप

अथूब 4:19 (#2)

"जो मिट्टी के घरों में रहते हैं"

एलीपज ऐसे बोल रहा हैं जैसे मनुष्य वास्तव में मिट्टी के बने घरों में रहते हों जिनकी नींव मिट्टी में डाली गई है। वह मनुष्य के शरीर का उल्लेख कर रहा, जिसे बाइबिल पृथ्वी की धूल से बना हुआ बताती है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मानवजाति"

देखें: रूपक

अथूब 4:19 (#3)

"जो पतंगे के समान पिस जाते हैं"

जो एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशेष संदर्भ नहीं होता। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोग को कुचला जा सकता हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 4:19 (#4)

"के समान"

यहाँ समान शब्द का अर्थ "जल्दी" और अप्रत्यक्ष रूप से "अधिक आसानी से" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिक आसानी से पिस जाते"

देखें: मुहावरा

अथूब 4:20 (#1)

"भोर से साँझ तक"

एलीपज एक दिन की शुरुआत और अंत, भोर और साँझ, का उपयोग पूरे दिन के लिए कर रहा है। (उसका मतलब एक दिन के भीतर है, पूरे दिन के दौरान नहीं।) यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ही दिन के अंदर"

देखें: विभज्योतक

अथूब 4:20 (#2)

"नाश किए जाते हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो संदर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन्हें नष्ट कर देते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:21 (#1)

"क्या उनके डेरे की डोरी उनके अन्दर ही अन्दर नहीं कट जाती?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके तम्बू की डोरी तो निश्चित रूप से उनसे दूर खींच ली गयी है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 4:21 (#2)

"क्या उनके डेरे की डोरी उनके अन्दर ही अन्दर नहीं कट जाती?"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना है कि क्रिया कौन करता है, तो संदर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर उनके तम्बू की डोरी उनसे दूर नहीं खींचते?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 4:21 (#3)

"क्या उनके डेरे की डोरी उनके अन्दर ही अन्दर नहीं कट जाती?"

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे लोग सचमुच एक तम्बू हों, जिसकी डोरी खींच ली गई हो ताकि वह जल्द ही ढहने के खतरे में हो। उनका मतलब है कि मनुष्यों का जीवन केवल संक्षिप्त और अनिश्चित होता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या लोगों का जीवन केवल संक्षिप्त और अनिश्चित नहीं होता?" या, एक विस्मयादिबोधक के रूप में, "लोगों का जीवन वास्तव में संक्षिप्त और अनिश्चित होता है!"

देखें: रूपक

अथूब 4:21 (#4)

"बुद्धि के"

यदि आपकी भाषा में ज्ञान के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से

व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमानी से जीवन जीने के बाद"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5 सामान्य टिप्पणियाँ**संरचना और स्वरूप**

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है। यह अध्याय अथूब के मित्र एलीपज की सलाह का ही विस्तार है।

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

विस्तृत वाक्य

एलीपज पद 8-13 में परमेश्वर का वर्णन एक लंबे वाक्य में करते हैं। जैसा कि कई स्थानों पर टिप्पणियाँ सुझाव देती हैं, इस लंबे वाक्य को कई छोटे वाक्यों में विभाजित करना उपयोगी हो सकता है।

अथूब 5:1 (#1)

"{अब} पुकारकर देख"

एलीपज विनम्र प्रोत्साहन देने के लिए अब शब्द का उपयोग कर रहे हैं। हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में अब शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। आपकी भाषा में ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आगे बढ़िए, पुकारिए"

देखें: विनम्रता

अथूब 5:1 (#2)

"पुकारकर देख"

एलीपज का मानना है कि अथूब समझ जाएँगे कि पुकारकर देखने का अर्थ है कि वह अथूब से कह रहा है कि वह किसी से परमेश्वर के विरुद्ध उसकी शिकायत सुनने के लिए कहे। इस संस्कृति में, जो व्यक्ति किसी के खिलाफ मामला रखता था, वह सार्वजनिक क्षेत्र में जाता था और समाज के प्रतिष्ठित सदस्यों से मामले को सुनने और न्याय करने के लिए कहता था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आगे बढ़ें, किसी को बुलाएँ जो आपके परमेश्वर के खिलाफ मामले को सुने और न्याय करे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:1 (#3)**"पुकारकर देख"**

एलीपज वास्तव में नहीं चाहते कि अथूब **पुकारकर देखें** और किसी से परमेश्वर के खिलाफ अपनी शिकायत सुनने के लिए कहें, भले ही वह अथूब से ऐसा करने के लिए कह रहे हैं। एलीपज वास्तव में अपने शब्दों के शाब्दिक अर्थ के विपरीत बात कहना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि अथूब यह समझें कि कोई भी ऐसा नहीं है जिसके पास परमेश्वर के खिलाफ एक मनुष्य की शिकायत सुनने की बुद्धि या अधिकार हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में किसी को बुलाने का कोई मतलब नहीं है कि वह परमेश्वर के खिलाफ आपके मामले को सुने और न्याय करे।"

देखें: विरोधाभास

अथूब 5:1 (#4)**"क्या कोई है जो तुझे उत्तर देगा?"**

इन दोनों उदाहरणों में, एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई नहीं है जो आपको उत्तर देगा। आप किसी भी पवित्र व्यक्ति की ओर नहीं मुड़ सकते।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 5:1 (#5)**"पवित्रों में से"**

इस सन्दर्भ में, वाक्यांश **पवित्रों में से** सम्बवतः धार्मिक जीवन जीने वाले लोगों के बजाय स्वर्गदूतों का उल्लेख करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूतों में से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:1 (#6)**"तू किसकी ओर फिरेगा"**

एलीपज ऐसा बोल रहे हैं जैसे अथूब सचमुच किसी व्यक्ति की ओर **फिरेगा**, जिसे वे चाहते हैं कि वह उनके परमेश्वर के

खिलाफ मामले को सुने। एलीपज का मतलब है कि अथूब ऐसे व्यक्ति से आग्रह करेंगे, हालांकि वह तर्क दे रहे हैं कि वास्तव में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप आग्रह करेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 5:2 (#1)**"क्योंकि"**

एलीपज यह बताने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं कि वे वास्तव में नहीं सोचते कि अथूब को अपनी शिकायत के लिए परमेश्वर के खिलाफ किसी को न्यायाधीश के रूप में देखना चाहिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको अपनी शिकायत के लिए परमेश्वर के खिलाफ किसी को न्यायाधीश के रूप में नहीं देखना चाहिए, क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:2 (#2)**"मूर्ख तो खेद करते-करते नाश हो जाता है,"**

एलीपज **खेद** और **जलने** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित चीजें हों जो किसी व्यक्ति को हानि पहुँचा सकती हैं। उनका मतलब है कि जो लोग परमेश्वर द्वारा सुधार किए जाने पर खेदित होते और जलते हैं, बजाय इसके कि वे अपने पापों को स्वीकार करें और पश्चाताप करें, वे खुद को ऐसी स्थिति में डाल लेते हैं जहाँ परमेश्वर को उन्हें दण्डित करना पड़ता है, यहाँ तक कि उन्हें मारकर भी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर उन्हें सुधारते हैं तो लोग मूर्खतापूर्ण तरीके से क्रोधित हो जाते हैं या भोलेपन से देष्टी हो जाते हैं, तो परमेश्वर को उन्हें दण्डित करना या यहाँ तक कि उन्हें मारना पड़ता है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 5:2 (#3)**"खेद करते-करते" - "जलते-जलते"**

यदि आपकी भाषा **खेद करते-करते** और **जलते-जलते** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती

है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आक्रोशित होना ... नाराज होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:2 (#4)

"मूर्ख,"

ये वाक्यांश किसी विशिष्ट व्यक्ति का उल्लेख नहीं करते हैं। वे उन व्यक्तियों का उल्लेख करते हैं जिनमें वे गुण होते हैं जिनका वे उल्लेख करते हैं। उनके अर्थ को आपकी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई जो मूर्ख है ... और ... हर कोई जो भोला है"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 5:2 (#5)

"मूर्ख"

अथूब विशेषण मूर्ख का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्ख व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:2 (#6)

"और" - "निर्बुद्धि"

एलीपज यह मानते हैं कि अथूब समझ जाएँगे कि निर्बुद्धि से उनका मतलब एक ऐसे व्यक्ति से है जो यह नहीं समझता कि संसार एक जटिल स्थान है और उसे अच्छे निर्णय लेने और बुरे निर्णयों के परिणामों से बचने के लिए ईश्वरीय ज्ञान को विकसित करने की आवश्यकता है। आपकी भाषा में इस अर्थ के साथ एक शब्द हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:3 (#1)

"मैंने ... देखा है"

जोर देने के लिए, एलीपज सर्वनाम में का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही क्रिया में निहित है जिसका अनुवाद देखा है किया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए

निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप यहाँ उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन ऐसा मैंने स्वयं कहकर करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने वास्तव में देखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 5:3 (#2)

"मूर्ख"

अथूब विशेषण मूर्ख का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मूर्ख व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:3 (#3)

"मूर्ख"

इस सन्दर्भ में, शब्द मूर्ख उस व्यक्ति का वर्णन करता है जो परमेश्वर का आदर और पालन नहीं करता। देखें कि आपने 2:10 में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो परमेश्वर का आदर और पालन नहीं करता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:3 (#4)

"जड़ पकड़ते"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह मूर्ख व्यक्ति सचमुच जड़ पकड़ रहा हो। उनका मतलब है कि व्यक्ति स्थापित हो रहा था या समृद्ध हो रहा था। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समृद्ध हो रहा है"

देखें: रूपक

अथूब 5:3 (#5)

"उसके वासस्थान"

एलीपज उस मूर्ख व्यक्ति के जीवन के तरीके का उल्लेख कर रहे हैं, जो उसके निवास स्थान से सम्बन्धित है जहाँ वह रहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जीवन जीने का तरीका"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:4 (#1)

"सुरक्षा से दूर हैं"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि जो व्यक्ति परमेश्वर का आदर और पालन नहीं करता, उसके बच्चे वास्तव में **सुरक्षा से दूर हैं**। उनका मतलब है कि वे बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं बल्कि बड़े खतरे में हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े खतरे में हैं"

देखें: रूपक

अथूब 5:4 (#2)

"सुरक्षा से"

यदि आपकी भाषा में **सुरक्षा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुरक्षित होने की स्थिति से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:4 (#3)

"और वे फाटक में पीसे जाते हैं"

फाटक के पास, एलीपज अप्रत्यक्ष रूप से उस स्थान का उल्लेख करते हैं जहाँ कानूनी विवादों का निपटारा होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इसे अपने अनुवाद में संकेतित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे कानूनी कार्यवाही में पराजित हो जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:4 (#4)

"और वे फाटक में पीसे जाते हैं"

एलीपज ऐसा कह रहे हैं जैसे कि जो व्यक्ति परमेश्वर का आदर और आज्ञा पालन नहीं करता, उसके बच्चे कानूनी विवादों में सचमुच **पीसे जाते हैं**। उनका मतलब है कि विवाद उनके विरोधियों के पक्ष में निर्णायक रूप से सुलझाए जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कानूनी कार्यवाही में उनके विरोधी उन्हें निर्णायक रूप से हरा देते हैं!"

देखें: रूपक

अथूब 5:4 (#5)

"और कोई नहीं है जो उन्हें छुड़ाए"

एलीपज का अर्थ है कि कोई भी इन बच्चों को कानूनी हार और उनके परिणामों से **छुड़ाने** के लिए नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि कोई भी उनका बचाव नहीं करता है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:5 (#1)

"उसके खेत की उपज भूखे लोग खा लेते हैं"

सर्वनाम उसके "मूर्ख व्यक्ति" को सन्दर्भित करता है, जिसे एलीपज पद 2 और 3 में वर्णित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना भी लाभकारी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भूखे लोग मूर्ख व्यक्ति की फसल को खा जाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 5:5 (#2)

"उसके खेत की उपज भूखे लोग खा लेते हैं"

एलीपज मानते हैं कि अथूब समझ जाएँगे कि जब वह **खा लेते हैं** कहता है, तो वह अनाज बीनने की प्रथा का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे व्यवस्था ने इसाएलियों को अनुमति देने का आदेश दिया था। दरिद्र लोग कटे हुए खेतों में आ सकते थे और बचे हुए अनाज को इकट्ठा कर सकते थे ताकि वे खुद को खिला सकें। एलीपज का मतलब है कि मूर्ख व्यक्ति और उनका परिवार उस अनाज की कटाई नहीं कर पाएँगे जो उन्होंने बोया है और इसलिए अनाज बीनने वाले आएँगे और सारा अनाज ले जाएँगे। आप अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करने के लिए अपने अनुवाद में यह संकेत दे सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद, एक नए वाक्य के रूप में: "मूर्ख व्यक्ति को अपने खेतों में बोए गए अनाज को छोड़ना पड़ता है, और अनाज बीनने वाले आकर उसमें से सारा ले जाते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 5:5 (#3)

"उसके खेत की उपज भूखे लोग खा लेते हैं"

जब भूखे लोग अंततः मूर्ख व्यक्ति की फसल से सभी अनाज खा लेते हैं, एलीपज इस सन्दर्भ में कहता है कि वे खेतों से सभी अनाज ले लेंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक नए वाक्य के रूप में: "भूखे लोग आएँगे और उसकी पूरी फसल ले जाएँगे।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 5:5 (#4)

"भूखे" - "प्यासा"

एलीपज विशेषण भूखे और प्यासा का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों को दर्शने के लिए कर रहे हैं। अनफोलिङ्ग वर्ड लिटूल ट्रान्सलेशन इन शब्दों को दिखाने के लिए लोग और लोगों जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भूखा व्यक्ति ... प्यासे लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 5:5 (#5)

"भूखे" - "प्यासा"

एलीपज दरिद्र लोगों का वर्णन इस प्रकार कर रहे हैं कि वे भूखे और प्यासे हो सकते हैं क्योंकि वे भोजन और पेय खरीदने का खर्च नहीं उठा सकते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप समकक्ष अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक काव्यात्मक समानांतर का उपयोग करते हुए: "दरिद्र व्यक्ति ... गरीब लोग"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 5:5 (#6)

"भूखे लोग खा लेते हैं"

यह वाक्यांश किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है। यह उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसके पास वह गुण है जिसे वह नाम देता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। इसे निरंतरता के लिए बहुवचन बनाना सहायक हो सकता है, जैसे प्यासे लोग। वैकल्पिक अनुवाद: "भूखे लोग खा जाते हैं" या "दरिद्र लोग खा जाते हैं।"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 5:5 (#7)

"वरन् कँटीली बाड़ में से भी निकाल लेते हैं"

निहितार्थ यह है कि यदि बीनने वाले मूर्ख व्यक्ति के खेत में कँटीली बाड़ में उग रहे अनाज को भी इकट्ठा करते हैं, तो वे पूरे खेत का सारा अनाज ले लेंगे। इसका आगे का निहितार्थ यह है कि मूर्ख व्यक्ति और उनके परिवार के लिए कुछ भी नहीं बचेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अनाज का हर अन्तिम दाना ले जाते हैं, उनके और उनके परिवार के लिए कुछ भी नहीं छोड़ते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 5:5 (#8)

"और प्यासा उनके धन के लिये फंदा लगाता है"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे प्यासे, अर्थात् गरीब लोग, सचमुच धन के लिए हाँफते हैं (हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में फंदा लगाता है वाक्यांश के स्थान पर हाँफते हैं का प्रयोग हुआ है), जैसे कि धन कुछ ऐसा हो जिसे वे अपनी प्यास बुझाने के लिए पी सकते हैं। उनका मतलब है कि वे धन की लालसा करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और गरीब लोग उनके धन की लालसा करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 5:5 (#9)

"और प्यासा उनके धन के लिये फंदा लगाता है"

एलीपज संकेत में कह रहे हैं कि प्यासे लोग, जो मूर्ख लोगों के धन की लालसा करते हैं, वास्तव में उसे प्राप्त कर लेते हैं।

वे ऐसा उनकी पूरी फसल को बीनकर और शायद अन्य तरीकों से करते हैं, जिन्हें एलीपज विशेष रूप से उल्लेख नहीं करते। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और गरीब लोग उनकी सम्पत्ति ले लेते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:6 (#1)

"क्योंकि"

एलीपज ने अभी जो कहा है उसे अपने बड़े तर्क के साथ जोड़ने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं कि अथूब को विचार करना चाहिए कि परमेश्वर उन्हें क्यों दण्डित कर रहे होंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे व्यक्ति की तरह मत बनो जो परमेश्वर का आदर और पालन नहीं करता, क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:6 (#2)

"विपत्ति धूल से उत्पन्न नहीं होती,"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे विपत्ति और परेशानी सचमुच धूल या जमीन से आ सकते हैं। वह उनकी तुलना पौधों से कर रहे हैं जैसे कि जंगली घास जो मिट्टी में अचानक उग सकते हैं, भले ही किसान ने उनके बीज न बोए हों। तुलना का उद्देश्य यह है कि जंगली घास कहीं से भी उगते हुए प्रतीत होते हैं, जबकि परेशानी और दुख का एक पहचानने योग्य स्रोत होता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, दोनों समानांतर पंक्तियों को मिलाकर: "परेशानी निश्चित रूप से यूँ ही नहीं आ जाती"

देखें: रूपक

अथूब 5:6 (#3)

"विपत्ति धूल से उत्पन्न नहीं होती,"

यदि परेशानी और दुख यूँ ही घटित नहीं होते हैं, इसका निहितार्थ यह है कि उनका कारण वह आक्रोश और नाराजगी है जिसके खिलाफ एलीपज ने पद 2 में अथूब को चेतावनी दी थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में संकेतित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक काव्यात्मक समानान्तर के रूप में: "वास्तव में

आक्रोश ही परेशानी का कारण होता है, हाँ, नाराजगी ही दुख का कारण होती है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:7 (#1)

"परन्तु (क्योंकि)"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **परन्तु** शब्द का प्रयोग हुआ है। एलीपज **क्योंकि** शब्द का उपयोग उस कारण का परिचय देने के लिए कर रहे हैं जिसके लिए वह कहते हैं कि परेशानी यूँ ही नहीं होती है। इसका कारण ज्ञात है: लोग अपने लिए परेशानी पैदा करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह इसलिए कहता हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:7 (#2)

"मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न हुआ है,"

एलीपज का मानना है कि अथूब तब समझेंगे जब वह दो चीजों का नाम लेने से जिन्हें वह सत्य मानते हैं, उनका मतलब है कि पहला भी उतना ही सत्य है जितना कि दूसरा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य का जन्म परेशानी के लिए ही हुआ है, ठीक वैसे ही जैसे लौ के पुत्र उड़ने के लिए उठते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:7 (#3)

"मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न हुआ है"

यहाँ **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग समस्याओं के लिए उत्पन्न होते हैं"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्लियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 5:7 (#4)**"मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न हुआ है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों में अपने लिए परेशानी उत्पन्न करने की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 5:7 (#5)**"चिंगारियाँ {आग की लपटों के पुत्र}**"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **आग की लपटों के पुत्र** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **चिंगारियाँ शब्द** का प्रयोग हुआ है। एलीपज चिंगारियों का वर्णन इस प्रकार कर रहे हैं जैसे वे **आग की लपटों के पुत्र हों**, अर्थात् जैसे आग ने चिंगारियों को जन्म दिया और उन्हें बाहर भेजा। आपकी भाषा में चिंगारियों का वर्णन करने के लिए अपनी खुद की एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप अर्थ को सीधे भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और चिंगारियाँ"

देखें: रूपक

अथूब 5:7 (#6)**"ऊपर ही ऊपर को उड़ जाती हैं"**

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि चिंगारियाँ हवा की धाराओं द्वारा ऊपर की ओर उड़ती हैं। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऊपर की ओर उड़ना"

देखें: मुहावरा

अथूब 5:8 (#1)**"मैं तो परमेश्वर ही को खोजता रहूँगा"**

जोर देने के लिए, एलीपज सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द **खोजता रहूँगा** में निहित है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके ही सकते हैं।

हैं। अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन ऐसे गहन सर्वनाम स्वयं का उपयोग करके करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से परमेश्वर की खोज करूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 5:8 (#2)**"मैं तो परमेश्वर ही को खोजता रहूँगा"**

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर वास्तव में एक खोई हुई वस्तु हों जिन्हें अथूब को **खोजना** और ढूँढ़ने का प्रयास करना चाहिए। उनका मतलब है कि अथूब को परमेश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए और परमेश्वर से पूछना चाहिए कि उन्होंने कैसे परमेश्वर को नाराज किया है और दण्ड के पात्र बने हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं परमेश्वर से प्रार्थना करता और उनसे पूछता कि वे मुझे क्यों दण्ड दे रहे हैं!"

देखें: रूपक

अथूब 5:9 (#1)**"बड़े काम" - "आश्वर्यकर्म"**

एलीपज विशेषणों **बड़े** और **आश्वर्यकर्म** का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार की वस्तुओं का अर्थ देने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप दोनों मामलों में **काम** शब्द जोड़ सकते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन अर्थ दिखाने के लिए करता है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:9 (#2)**"जिनकी थाह नहीं लगती"**

एलीपज का यह मानना है कि भले ही लोग यह जानने का प्रयास करें कि परमेश्वर **बड़े काम** कैसे करते हैं, वे इसे जानने में सफल नहीं हो सकते। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो खोजे नहीं जा सकते" या "जो कोई समझ नहीं सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:9 (#3)

"आश्र्यकर्म"

एलीपज कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो अद्भुत कार्य करते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 5:10 (#1)

"वही ... करता" - "और ... बरसाता"

सर्वनाम वही परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर वही हैं जो देते हैं ... और भेजते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 5:10 (#2)

"पृथ्वी के ऊपर {चेहरे पर}"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ पृथ्वी के चेहरे वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आइ.आर.वी अनुवाद में पृथ्वी के ऊपर वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे पृथ्वी और खेतों का वास्तव में एक चेहरा हो। उनका मतलब उनकी सतहों से है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी की सतह ... खेतों की सतह"

देखें: रूपक

अथूब 5:11

"नम्र लोगों को ऊँचे स्थान पर बैठाता है,"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच निम्न लोगों और जो लोग शोक मना रहे हैं, उन्हें ऊँचे स्थानों पर रखेंगे। उनका मतलब है कि परमेश्वर उनकी रक्षा करेंगे और उन्हें आदर देंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर निम्न लोगों को आदर देते हैं और शोक मना रहे लोगों की रक्षा करते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 5:11 (#2)

"नम्र"

एलीपज विशेषण नम्र का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निम्न लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:11 (#3)

"बचते हैं"

यदि आपकी भाषा में बचते हैं के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ वे सुरक्षित रहते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:12 (#1)

"धूर्त"

एलीपज विशेषण धूर्त का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का समानार्थी वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धूर्त लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:12

"और उनके हाथों से कुछ भी बन नहीं पड़ता"

एलीपज परमेश्वर द्वारा धूर्तों की कल्पनाओं को विफल करने के परिणाम को प्रस्तुत करने के लिए और शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में दिग्गित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि उनके हाथ कुछ हासिल न कर सकें"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:12 (#3)

"और उनके हाथों से कुछ भी बन नहीं पड़ता"

यहाँ, हाथ रूपक रूप में लोगों की क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे इसे पूरा करने में सक्षम नहीं हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:13 (#1)

"बुद्धिमानों को उनकी धूर्ता ही में फँसाता है"

एलीपज यह कह रहे हैं कि बुद्धिमानों की धूर्ता वास्तव में एक जाल है जिसका उपयोग परमेश्वर उन्हें फँसाने के लिए करते हैं। उनका आशय है कि परमेश्वर उन्हें उनके दुष्ट कार्यों के परिणाम भुगतने के लिए बाध्य करते हैं, जिनसे वे दूसरों को कष्ट देना चाहते थे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चतुर लोगों को उनके अपने दुष्ट कार्यों के परिणाम भुगतने के लिए बाध्य करना"

देखें: रूपक

अथूब 5:13 (#2)

"बुद्धिमानों"

एलीपज विशेषण बुद्धिमानों का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चतुर लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:13 (#3)

"और कुटिल लोगों की युक्ति दूर की जाती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और धोखा देनेवालों की युक्ति को शीघ्र करना"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 5:13 (#4)

"और कुटिल लोगों की युक्ति दूर की जाती है"

एलीपज परमेश्वर के द्वारा धूर्त की कल्पनाओं को विफल करने के परिणाम को प्रस्तुत करने के लिए और शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि धोखा देने वालों की योजना को विफल किया जा सके" या "ताकि वह धोखा देने वालों की योजना को विफल कर सके"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:13 (#5)

"और कुटिल लोगों की युक्ति दूर की जाती है"

जब एलीपज कहते हैं कि परमेश्वर धोखेबाज लोगों की योजनाओं को जल्दी पूरा करते हैं, तो उनका मतलब संभवतः यह है कि परमेश्वर उनकी योजनाओं को असफल कर देते हैं, उन्हें समय से पहले पूरा कर, जब वे तैयार नहीं होतीं, उस बिन्दु तक जहाँ उन्हें प्रभावी होना चाहिए। इसका तात्पर्य यह है कि परमेश्वर उन योजनाओं को विफल कर देते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:14 (#1)

"उन पर दिन को अंधेरा छा जाता है,"

एलीपज ऐसा कह रहे हैं जैसे कि पिछले वचन में वर्णित बुद्धिमान और कुटिल लोग दिन के समय में भी अंधेरे में हैं और अपना रास्ता नहीं खोज पा रहे हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें यह समझने से रोकते हैं कि उनकी दुष्ट योजनाओं को कैसे सफल बनाया जाए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इन बुद्धिमान और कुटिल लोगों को यह समझने से रोकते हैं कि उनकी दुष्ट योजनाओं को कैसे सफल बनाया जाए।"

देखें: रूपक

अथूब 5:15 (#1)

"दरिद्रों" - "बलवानों"

एलीपज विशेषणों दरिद्रों और बलवानों का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि कुछ प्रकार के लोगों का अर्थ निकाला

जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग ... बलशाली लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:15

"उनके वचनरूपी तलवार से"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि बुद्धिमान और कुटिल लोग, जिनका उन्होंने पद 13 में वर्णन किया, मानो उनके मुँह में सचमुच एक तलवार हो। वह उन बातों का जिक्र कर रहे हैं जो ये लोग दरिद्र को चोट पहुँचाने के लिए कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन बातों से जो वे दरिद्र को चोट पहुँचाने के लिए कहते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 5:15 (#3)

"और ... के हाथ से"

यहाँ, हाथ व्यक्ति की क्षमता का प्रतीक है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... की शक्ति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:16

"इसलिए कंगालों को आशा होती है"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि कंगालों के पास आशा होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और गरीब के पास आशा होती है"

देखें: मुहावरा

अथूब 5:16 (#2)

"कंगालों को"

एलीपज विशेषण कंगालों का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती

है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति के लिए जो दरिद्र है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 5:16 (#3)

"कंगालों को"

यह वाक्यांश किसी विशेष व्यक्ति का उल्लेख नहीं करता है। यह किसी भी ऐसे व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसमें वह गुण होता है जिसका यह नाम लेता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो निर्धन हैं"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 5:16 (#4)

"और कुटिल मनुष्यों (अन्याय) का मुँह बन्द हो जाता है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ कुटिल मनुष्यों की जगह अन्याय शब्द का प्रयोग हुआ है। हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में कुटिल मनुष्यों वाक्य क्या प्रयोग हुआ है। अथूब अन्याय के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित चीज हो जो अपना मुँह बन्द कर सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग अब उनके खिलाफ अन्यायपूर्ण दावे नहीं करते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 5:16 (#5)

"और कुटिल मनुष्यों"

एलीपज संभवतः अनुवादित शब्द और का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि कंगालों के पास आशा है क्योंकि अब अन्य लोग उनके खिलाफ अन्यायपूर्ण दावे नहीं करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि अन्याय"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:17 (#1)

"वह मनुष्य"

यहाँ मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी" या "कोई भी व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होती हैं

अथूब 5:17 (#2)

"इसलिए तू सर्वशक्तिमान की ताड़ना को तुच्छ मत जान"

एलीपज इसलिए शब्द का उपयोग यह इंगित करने के लिए कर रहे हैं कि अथूब को परमेश्वर की ताड़ना का तिरस्कार नहीं करना चाहिए क्योंकि वह धन्य हैं जिन्हें परमेश्वर सुधार रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए सर्वशक्तिमान की ताड़ना का तिरस्कार न करें।"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 5:17 (#3)

"तुच्छ मत जान"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण मत और नकारात्मक क्रिया तुच्छ जानना शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "सराहना कर"

देखें: दोहरी नकारात्मकता

अथूब 5:18 (#1)

"क्योंकि वही घायल करता, और वही पट्टी भी बाँधता है,"

एलीपज ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच लोगों को घायल करता और घाव देते हैं और फिर उन्हें चिकित्सा प्रदान करते हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर लोगों को सुधारने के लिए बाधाओं और कष्टों (जिसमें शारीरिक बीमारियाँ भी शामिल हो सकती हैं) का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्पिलफाइड ट्रान्सलेशन एक तरीका प्रस्तुत करता है जिससे ऐसा किया जा सकता है।

देखें: रूपक

अथूब 5:18 (#2)

"वही घायल करता"

जोर देने के लिए, एलीपज सर्वनाम वही का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द घायल करता में निहित है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में वह चोट पहुँचाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

Job 5:18 (#3)

"और वही अपने हाथों से चंगा भी करता है"

एलीपज परमेश्वर के एक हिस्से, उनके हाथों, का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वे संपूर्ण रूप से चंगा करने के कार्य में शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे स्वयं चंगा करते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 5:19 (#1)

"वह तुझे छः विपत्तियों से छुड़ाएगा"

एक व्यापक बयान बनाने के लिए, एलीपज एक संख्या का नाम ले रहे हैं जो उनके बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा रहे हैं। यह इब्री कविता में एक सामान्य तरीका था। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपको हर मुसीबत से बचाएँगे और आपका नुकसान नहीं होने देंगे।"

देखें: कविता

अथूब 5:19

"वरन् सात से भी तेरी कुछ हानि"

एलीपज एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में इस वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि आपकी भाषा में

यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से शब्द प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सात संकटों में हानि"

देखें: पदलोप

अथूब 5:19

"तेरी कुछ हानि न होने पाएगी"

एलीपज हानि के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो अथूब को छू सकती है। अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ हानि तुझे छू नहीं पाएगी वाक्य का प्रयोग हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको कोई हानि नहीं होगी"

देखें: मानवीकरण

अथूब 5:20 (#1)

"वह तुझे मृत्यु से ... बचा लेगा"

एलीपज ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच अथूब को मृत्यु से बचाने के लिए छुड़ाती देंगे, विशेषकर एक अकाल के दौरान। उनका मतलब है कि परमेश्वर अथूब को भूख से मरने से बचाएँगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आपको भूख से मरने से बचाएँगे"

देखें: रूपक

अथूब 5:20 (#2)

"और युद्ध में तलवार की धार से"

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और युद्ध में वह आपको उनके हाथों से छुड़ाएँगे।"

देखें: पदलोप

अथूब 5:20

"तलवार की धार से"

यहाँ, धार शब्द क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। एलीपज कह रहे हैं कि चाहे तलवार उनके खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल की जाए परमेश्वर अथूब को बचाएँगे। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तलवार से चोट लगने से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:20 (#4)

"तलवार"

यह वाक्य किसी विशेष तलवार का उल्लेख नहीं करता है। यह किसी भी ऐसे तलवार का उल्लेख करता है जिसे कोई अथूब के खिलाफ हथियार के रूप में उपयोग कर सकता है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी तलवार"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 5:20

"तलवार"

एलीपज एक प्रकार के हथियार, तलवार, का उपयोग सभी प्रकार के हथियारों के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी हथियार"

देखें: उपलक्षण

अथूब 5:20 (#6)

"तलवार"

एलीपज युद्ध में दुश्मनों का उल्लेख उन हथियारों के साथ कर रहे हैं जिनका उपयोग वे दुश्मन करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके शत्रु"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:21 (#1)

"तू वचनरूपी कोड़े से"

एलीपज इस स्वामित्व रूप का उपयोग वचनरूपी (अंग्रेजी अनुवाद में जीभ) के बारे में बात करने के लिए कर रहे हैं जैसे कि लोग इसे कोड़े की तरह उपयोग करेंगे। वह एक कोड़े के बारे में बात नहीं कर रहे हैं जिसे जीभ उपयोग करेंगी।

वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई अपनी जीभ को कोड़े की तरह उपयोग करता है,"

देखें: स्वामित्व

अथूब 5:21

"तू वचनरूपी [जीभ] कोड़े से"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **जीभ** शब्द का प्रयोग हुआ है। एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे **जीभ** सचमुच एक **कोड़ा** हो जिसे कोई अथूब को नुकसान पहुँचाने के लिए इस्तेमाल कर सकता है। उनका मतलब है कि वे ऐसी बातें कहेंगे जिनका उद्देश्य उन्हें चोट पहुँचाना है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाशकारी भाषण से"

देखें: रूपक

अथूब 5:21 (#3)

"तू... बचा रहेगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यदि आपको यह बताना है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपको छिपाएँगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 5:21 (#4)

"तू... बचा रहेगा"

एलीपज इस तरह बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर वास्तव में अथूब को उन चीजों से छुपा लेंगे जो लोग उसे चोट पहुँचाने के लिए बात करते हैं। उनका मतलब है कि जब लोग ऐसी बातें कहेंगे परमेश्वर अथूब की रक्षा करेंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सुरक्षित रहेंगे" या "परमेश्वर आपकी रक्षा करेंगे।"

देखें: रूपक

अथूब 5:21

"जब विनाश आए"

एलीपज **विनाश** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित चीज हो जो लोगों के पास **आती** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी चीजें जो आपके विनाश का कारण बन सकती हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 5:21 (#6)

"जब विनाश आए"

यदि आपकी भाषा में **विनाश** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी चीजें जो आपके विनाश का कारण बन सकती हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:22 (#1)

"तू उजाड़ और अकाल के दिनों में हँसमुख रहेगा"

निहितार्थ यह है कि अथूब **उजाड़ और अकाल** पर हँसमुख रहेगा क्योंकि भले ही वे खतरनाक लग सकते हैं, अथूब जानते होंगे कि परमेश्वर उनकी रक्षा करेंगे और इसलिए वे उनके खतरे को गम्भीरता से नहीं लेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप खुशी से महसूस करेंगे कि परमेश्वर आपको विनाश और अकाल से बचाएँगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 5:22 (#2)

"उजाड़ ... में"

यदि आपकी भाषा में **उजाड़** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन चीजों पर जो आपको नष्ट कर सकती हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:22 (#3)

"और तुझे जंगली जन्तुओं से डर न लगेगा"

एलीपज किसी विशेष जंगली जन्तुओं का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका तात्पर्य कोई भी जानवर है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप किसी भी जंगली जन्तु से भयभीत नहीं होंगे"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 5:23 (#1)

"वरन् मैदान के पथर भी तुझ से वाचा बाँधे रहेंगे,"

इस पद में एलीपज यह कारण बता रहे हैं कि उन्होंने पिछले पद में अथूब से क्यों कहा कि वह "पृथ्वी के जंगली जन्तुओं से भयभीत नहीं होंगे।" आपकी भाषा में इसे अधिक स्वाभाविक रूप से इस प्रकार रखा जा सकता है: "क्योंकि पृथ्वी के जंगली जन्तु आपके लिए शान्ति से रहेंगे, और यहाँ तक कि खेत के पथरों के साथ भी आपकी वाचा होगी।"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 5:23 (#2)

"वरन् मैदान के पथर भी तुझ से वाचा बाँधे रहेंगे"

एलीपज मैदान के पथर के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह जो जीवित चीजें हों और अथूब के साथ वाचा कर सकती हों। उनका मतलब है कि परमेश्वर पथरों को अथूब के खेतों पर गिरने या लुढ़कने से रोकेंगे या मिट्टी के नीचे से उभरने से रोकेंगे, जिससे खेत कम उपजाऊ हो सकते हैं या उन्हें हटाने के लिए अतिरिक्त श्रम की आवश्यकता हो सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपके खेतों को पथरों से बर्बाद होने से रोकेंगे।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 5:23 (#3)

"और वन पशु तुझ से मेल रखेंगे"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर मैदान के पशुओं को आपके साथ शान्ति से रहने देंगे" या "और परमेश्वर मैदान के पशुओं को आपको नुकसान पहुँचाने से रोकेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 5:23 (#4)

"और वन पशु"

एलीपज किसी विशेष पशु का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब किसी भी और सभी पशुओं से है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैदान के पशु"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 5:24 (#1)

"तेरा डेरा कुशल से है"

यदि आपकी भाषा में कुशल के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका डेरा सुरक्षित है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 5:24 (#2)

"तेरा डेरा"

एलीपज डेरा के माध्यम से अथूब के घर (अर्थात्, उनके परिवार और उनकी सम्पत्ति) का उल्लेख कर रहे हैं जिसमें वे रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका घर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 5:24 (#3)

"तब कोई वस्तु खोई न होगी"

एलीपज का अप्रत्यक्ष रूप से मतलब यह है कि जब अथूब अपनी भेड़शाला का निरीक्षण करने जाते हैं, तो उन्हें यह देखना नहीं मिलेगा कि उनकी कोई भेड़ गायब है (उदाहरण के लिए, जंगली पशुओं ने उन्हें मार डाला या किसी ने उन्हें चुरा लिया)। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपको यह देखने नहीं मिलेगा कि कोई भेड़ गायब है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 5:24 (#4)**"तब कोई वस्तु खोई न होगी"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक, जिसमें नकारात्मक कण न और नकारात्मक क्रिया खोई शामिल हैं। इसका अनुवाद करने के लिए आप एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपको पता चलेगा कि आपकी सभी भेड़ें वहाँ मौजूद हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथ्यूब 5:25**"मेरे बहुत वंश होंगे"**

मूल भाषा में यहाँ वंश के स्थान पर बीज शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ, बीज का अर्थ "वंशज" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके वंशज बहुत अधिक होंगे"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 5:25 (#2)**"और मेरी सन्तान पृथ्वी की धास के तुल्य बहुत होंगी"**

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपकी संतान पृथ्वी के धास के समान होगी।"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 5:25 (#3)**"और मेरी सन्तान पृथ्वी की धास के तुल्य बहुत होंगी"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे पृथ्वी की धास बहुत प्रचुर मात्रा में होती है, वैसे ही अथ्यूब की संतानें भी बहुत अधिक होंगी। यदि यह आपके लिए भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपकी संतानें, जैसे पृथ्वी की धास हैं, बहुत अधिक होंगी।"

देखें: उपमा

अथ्यूब 5:26 (#1)**"तू... कब्र को पहुँचेगा"**

एलीपज की अभिव्यक्ति, कब्र को पहुँचेगा का अर्थ यहाँ पर "मरना" हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप इस संसार से विदा हो जाएँगे।"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 5:26 (#2)**"जैसे पूलियों का ढेर समय पर खलिहान में रखा जाता है"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जब अथ्यूब का मरने का समय आएगा, तो उन्होंने एक पूर्ण और संतोषजनक जीवन जिया होगा, ठीक वैसे ही जैसे कि पूलियों का ढेर जो समय पर काटा जाता है, पका हुआ और पूरी तरह से विकसित होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परिपक्व और सिद्ध, उस अनाज की तरह जो अच्छी तरह पकने पर काटा जाता है"

देखें: उपमा

अथ्यूब 5:27**"हमने खोज खोजकर ऐसा ही पाया है"**

हमने से, एलीपज का मतलब है स्वयं और अन्य बुद्धिमान लोग, लेकिन अथ्यूब नहीं, जिनसे वह बात कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में उस शब्द के विशिष्ट रूप का उपयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथ्यूब 5:27 (#2)**"तू... ध्यान में रख"**

जोर देने के लिए, एलीपज सर्वनाम तू का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द ध्यान में रख में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसे निश्चित रूप से जानिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6 की सामान्य टिप्पणी

संरचना और स्वरूप

यह अध्याय एलीपज को अथूब के उत्तर की शुरुआत है।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

रूपक

अथूब इस अध्याय में अपने दर्द और निराशा को व्यक्त करने के लिए कई अलग-अलग रूपकों का उपयोग करते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह अपने मित्रों से नाराज़ है, जो कठिन समय में उनकी सहायता करने वाले थे (देखें: रूपक)।

पद 16-20 में, अथूब अपने मित्रों की छवि को एक सूखी धारा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। चूंकि अथूब पद 21 में इस छवि का अर्थ फिर से स्पष्ट करते हैं, इसलिए आपको पद 16-20 में अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता नहीं है।

आलंकारिक प्रश्न

अथूब इस अध्याय में तीव्र बयान या विस्मयादिबोधक बनाने के लिए अक्सर प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। यह जोर अथूब की प्रतिक्रिया को एलीपज के प्रति अधिक प्रभावशाली बनाने में मदद करता है। (देखें: आलंकारिक प्रश्न)

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

"तुम" का बहुवचन

पद 21 से शुरू होकर, अथूब अपने मित्रों को सीधे संबोधित करता है। इसलिए जब वह उस पद से लेकर अध्याय के अंत तक **तुम** शब्द का प्रयोग करता है, तो वह शब्द बहुवचन है। अगर आपकी भाषा में यह भेद है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन का प्रयोग करें।

अथूब 6:2 (#1)

"भला होता कि मेरा खेद तौला जाता,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका **खेद** और **विपत्ति** को सचमुच **तौला** जा सकता है। उनका मतलब है कि वे यह साबित करना चाहते हैं कि उनकी विपत्ति इतनी बड़ी है कि यह उनकी महसूस की जा रही और व्यक्त की जा रही व्यथा को सही ठहराती है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"काश मैं यह साबित कर पाता कि मेरी विपत्ति उस मात्रा की व्यथा को सही ठहराती है जो मैं महसूस कर रहा हूँ और दिखा रहा हूँ।"

देखें: रूपक

Job 6:2 (#2)

"भला होता कि मेरा खेद तौला जाता,"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश कि कोई मेरी पीड़ा को पूरी तरह से तौलता और मेरी विपत्ति को तराजू में रखता।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Job 6:2 (#3)

"भला होता कि मेरा खेद तौला जाता,"

तराजू शब्द एक उपकरण का वर्णन करता है जो किसी वस्तु के वजन को मापने या दो वस्तुओं के वजन की तुलना करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें एक केन्द्रीय स्तम्भ होता है जिसके साथ एक आड़ा डण्डा होता है जिससे दो तरे लटके होते हैं। जब तक कि आड़ा डण्डा समतल न हो जाए, एक तरे में एक वस्तु रखी जा सकती है और दूसरे तरे में ज्ञात वजन रखे जाते हैं जिसका अर्थ है कि दोनों तरे में समान वजन है। या एक वस्तु को एक तरे में और दूसरी वस्तु को दूसरे तरे में रखा जा सकता है; जो तबा नीचे लटका होता है उसमें भारी वस्तु होती है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि **तराजू** क्या होता है, तो आपके अनुवाद में आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काश कोई मेरी पीड़ा और मेरी विपत्ति को तराजू पर तौलता।"

देखें: ज्ञातों का अनुवाद करें

Job 6:2 (#4)

"तौला जाता... तराजू में रखी जाती"

शब्द **तौला जाता** एक दोहराई गई क्रिया का अनुवाद करते हैं। अथूब जोर देने के लिए "तौलना" क्रिया को दोहरा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में इस वाक्य बनावट का उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: दोहराव

अथूब 6:3 (#1)

"वह समुद्र की रेत से भी भारी ठहरती"

अथूब अपनी पीड़ा का उल्लेख करने के लिए सर्वनाम वह का उपयोग कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी पीड़ा समुद्र की रेत से भी भारी होगी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:3 (#2)

"मेरी बातें उतावली से हुई हैं"

अथूब अपने बातों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे एक जीवित वस्तु हों जिन्होंने उनके दोस्तों को उतावला किया हो। उनका मतलब है कि उन्होंने स्वयं उतावलापन किया या उनसे जोर से बात की। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपसे बात करते समय उतावला हुआ"

देखें: मानवीकरण

अथूब 6:4 (#1)

"सर्वशक्तिमान के तीर मेरे अन्दर चुभे हैं,"

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच तीर उनके अन्दर विष के साथ मारे हों। उनका मतलब है कि जो बुरी बातें उनके साथ हुई हैं, जिनके लिए वे परमेश्वर को जिम्मेदार मानते हैं, वे उन्हें पीड़ा दे रही हैं और उन्हें निराश महसूस करा रही हैं, जैसे कि वे विष से मर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सर्वशक्तिमान द्वारा किए गए कार्यों के कारण बुरी तरह पीड़ित हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 6:4 (#2)

"सर्वशक्तिमान के तीर मेरे अन्दर चुभे हैं,"

अथूब अपने भीतर के एक हिस्से का उल्लेख करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो उनकी प्रेरणाओं और आकांक्षाओं का केन्द्र है, जिसे वह अपनी आत्मा कहते हैं। वह किसी अलग अलौकिक अस्तित्व, उससे संबंधित

आत्मा का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान ने मेरे साथ जो किया है, उसके कारण मेरा मनोबल बुरी तरह से पीड़ित हो रहा है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 6:4 (#3)

"पैठ गया है"

मूल में यहाँ "अथूब की आत्मा विश पी रही है" लिखा है। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी आत्मा सचमुच उन तीरों से विष पी रही हो जो उन्हें लगे हैं। वह इस रूपक के सन्दर्भ में यह कहना चाहते हैं कि उनकी आत्मा विष को अवशोषित कर रही है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अवशोषित कर रही है"

देखें: रूपक

अथूब 6:4 (#4)

"परमेश्वर की भयंकर बात मेरे विरुद्ध पाँति बाँधे हैं"

अथूब परमेश्वर की भयंकर बात के बारे में बात कर रहे हैं, जैसे वे चीजें जो वह मानते हैं कि परमेश्वर उन्हें डराने के लिए कर रहे हैं, जैसे कि वे जीवित चीजें हों जो उनके विरुद्ध पाँति बाँधे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कई चीजें कर रहे हैं जो मुझे बहुत डराती हैं।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 6:5 (#1)

"जब जंगली गदहे को घास मिलती, तब क्या वह रेंकता है?"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या जंगली गदहा घास पर रेंकता है? वास्तव में, क्या बैल अपने चारे पर चिंघाड़ता है?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:5 (#2)

"और {यदि} बैल चारा पाकर क्या डकारता है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **यदि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **और** शब्द का उपयोग हुआ है। अथूब एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए **यदि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बैल अपने चारे पर नहीं चिंधाड़ता, क्या वह ऐसा करता है?"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:5 (#3)

"जंगली गदहे को धास मिलती, तब क्या वह रेंकता है?"

अथूब एक कहावत का उद्धरण दे रहे हैं या कहावत बना रहे हैं, जो जीवन में सामान्यतः सत्य होती है। यह कहावत एक रूपक तुलना करती है: जिस प्रकार पशु खाना होने पर जोर से शिकायत नहीं करते हैं, वैसे ही अथूब इतनी जोर से विरोध नहीं कर रहे होते अगर सचमुच उनके साथ कुछ गम्भीर रूप से गलत न होता। लेकिन चूंकि अथूब ने पहले ही पद 3 में इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से कह दिया है ("इसलिए मेरे शब्द उग्र हो गए"), आपको इसे यहाँ समझाने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि, आप स्वयं कहावत का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि यह एक कहावत के रूप में पहचानी जाए और आपकी भाषा और संस्कृति में अर्थपूर्ण हो। यदि आपके पाठक यह नहीं पहचान पाएँगे कि **जंगली गदहा** या **बैल** क्या है, तो आप अपने अनुवाद में ऐसे पशुओं का उपयोग कर सकते हैं जिन्हें आपके पाठक पहचानेंगे।

देखें: नीतिवचन

अथूब 6:6 (#1)

"जो फीका है क्या वह बिना नमक खाया जाता है?"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना नमक के बेस्वाद नहीं खाया जाएगा! और अण्डे की सफेदी में कोई स्वाद नहीं होता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:6 (#2)

"जो फीका है क्या वह बिना नमक खाया जाता है?"

अथूब एक कहावत का उद्धरण दे रहे हैं या कहावत बना रहे हैं, जो जीवन में आमतौर पर सत्य होती है। यह कहावत एक रूपक तुलना करती है: जैसे कुछ खाद्य पदार्थों को खाने के लिए मसाला आवश्यक होता है, वैसे ही जीवन में कुछ स्थितियों के बारे में व्यक्तिपूर्वक बात करना आवश्यक होता है ताकि उन्हें सहन किया जा सके। अथूब ने पहले ही इस बात को स्पष्ट रूप से तीसरे वचन में कहा है ("मेरी बातें उतावली से हुईं"), लेकिन शायद इस मामले में सम्बन्ध उतना स्पष्ट नहीं होगा जितना कि पिछले वचन में था। इसलिए आप इस सम्बन्ध को अधिक स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप स्वयं कहावत का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि वह आपकी भाषा और संस्कृति में एक कहावत के रूप में पहचानी जाए और अर्थपूर्ण हो। यदि आपकी संस्कृति में लोग **अण्डे** की सफेदी नहीं खाते, तो आपके अनुवाद में आप ऐसा भोजन उपयोग कर सकते हैं जिसे आपके पाठक पहचान सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इन परेशानियों को भावनात्मक रूप से बात किए बिना सहन नहीं कर सकता, जैसे लोग बिना मसाले के बेस्वाद भोजन नहीं खा सकते।"

देखें: नीतिवचन

अथूब 6:6 (#3)

"जो फीका है क्या वह बिना नमक खाया जाता है?"

अथूब विशेषण **फीका** का उपयोग कर रहे हैं, जिसका इस सन्दर्भ में अर्थ है "बिना स्वाद के," जो एक विशेष प्रकार के भोजन को दर्शाने के लिए एक संज्ञा के रूप में उपयोग हुआ है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या बिना नमक के बेस्वाद भोजन खाया जाएगा?"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 6:6 (#4)

"जो फीका है क्या वह बिना नमक खाया जाता है?"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या लोग बिना नमक के बेस्वाद भोजन खा सकते हैं?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

देखें: मुहावरा

अथूब 6:6 (#5)**"क्या {यदि} अण्डे की सफेदी में भी कुछ स्वाद होता है"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ यदि शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका उपयोग नहीं हुआ है। अथूब एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक विपरीत उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अण्डे के सफेद भाग में कोई स्वाद नहीं है, है ना?"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:7 (#1)**"मैं {मेरा प्राण} ... नहीं चाहता"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **मेरा प्राण** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **मैं** शब्द का उपयोग हुआ है। अथूब अपने एक हिस्से, अपने **प्राण**, का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व दर्शने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने इनकार कर दिया है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 6:7 (#2)**"छूना"**

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। अथूब एक कहावत का उद्धरण देते हुए, जो भोजन को उदाहरण के रूप में उपयोग करती है, अपने वास्तविक भोजन के बारे में बात करने की ओर बढ़ रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन को छूना"

देखें: पदलोप

अथूब 6:7 (#3)**"छूना"**

इस सन्दर्भ में, **स्पर्श** शब्द का अर्थ "खाना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन करना"

अथूब 6:7 (#4)**"वही"**

सर्वनाम वही उन परेशानियों को सन्दर्भित करता है जो अथूब अनुभव कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी परेशानियाँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:7 (#5)**"मानो मेरे लिये घिनौना {रोग} आहार ठहरी है"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **रोग** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **घिनौना** शब्द का उपयोग हुआ है। इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे **रोग** किसी व्यक्ति को इतना बुरा महसूस करा सकता है कि वह खाने में असमर्थ हो जाए, वैसे ही अथूब की परेशानियाँ उन्हें इतना बुरा महसूस करा रही हैं कि वह खाने में असमर्थ हो रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे इतना बुरा महसूस करा रही हैं जैसे मैं बीमार हूँ"

देखें: उपमा

अथूब 6:7 (#6)**"आहार"**

अथूब उन **आहार** के साथ सम्बन्ध द्वारा खाने का उल्लेख कर रहे हैं जो लोग खाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं खाता हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 6:8 (#1)**"भला होता कि मुझे मुँह माँगा वर मिलता"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ कथन में प्रश्नवाचक रूप का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में विस्मयादिबोधक कथन का उपयोग हुआ है। अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप

अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विसम्यादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काश कोई मेरी विनती पूरी कर दे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 6:8 (#2)

"भला होता कि मुझे मुँह माँगा वर मिलता"

अथ्यूब अपने वर के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो उन्हें मिल सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन मेरी विनती पूरी करेगा" या "काश कोई मेरी माँग को पूरा कर दे"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 6:9 (#1)

"कि परमेश्वर प्रसन्न होकर मुझे कुचल डालता,"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ दो कथनों को और शब्द के साथ जोड़ा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यह एक ही कथन है जिसमें और शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। यह वाक्य दो क्रियाओं को और के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। क्रिया प्रसन्न होकर बताती है कि अथ्यूब किस प्रकार आशा करता है कि परमेश्वर उन्हें कुचल देंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर मुझे इच्छापूर्वक कुचल दें" या "और परमेश्वर कुचलने के लिए सहमत हों"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथ्यूब 6:9 (#2)

"और हाथ बढ़ाकर"

यहाँ, हाथ एक व्यक्ति की क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपनी शक्ति का उपयोग करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 6:9 (#3)

"मुझे काट डालता"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह एक शाखा हों जिसे परमेश्वर पेड़ से काट डालते ताकि उन्हें समाप्त कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे मार डालें"

देखें: रूपक

अथ्यूब 6:10 (#1)

"यही मेरी शान्ति का कारण"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस वाक्य के अन्तिम वाक्यांश को पहले रख सकते हैं, क्योंकि यह पहले और दूसरे वाक्यांशों का कारण बताता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने पवित्र जनों के वर्चनों को नहीं छुपाया है, इसलिए यह अब भी मेरी सांत्वना होने पाए; भले ही परमेश्वर मुझे न बछरें यह मुझे दर्द में भी खुश रहने में सक्षम बनाए।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथ्यूब 6:10 (#2)

"यही मेरी शान्ति का कारण"

यदि आपकी भाषा में शान्ति के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह मुझे अब भी सांत्वना प्रदान करे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 6:10 (#3)

"वह उन्हें न बछरों"

यह कथन हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं पाया जाता है परन्तु यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर न बछरों"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 6:10 (#4)**"वह न बछो"**

यह कथन हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं पाया जाता है परन्तु यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। अथ्यूब यह नहीं चाहते कि परमेश्वर उन्हें न बछों। वह अप्रत्यक्ष रूप से इस सम्भावना का उल्लेख कर रहे हैं कि परमेश्वर उन्हें न बछों। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि अगर परमेश्वर मुझे न बछों"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 6:10 (#5)

"मैंने उस पवित्र के वचनों का कभी इन्कार नहीं किया"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच पवित्र के वचनों को इन्कार कर सकते थे। उनका मतलब है कि उन्होंने परमेश्वर के लोगों के आदेशों को ऐसा नहीं माना जैसे कि मानो वे अस्तित्व में नहीं हैं। दूसरे शब्दों में, उन्होंने उनका पालन किया है और इस पुस्तक के इस बिन्दु तक, उन्होंने उन्हें प्रश्न नहीं किया है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने पवित्र जन के कथनों की अवज्ञा नहीं की है या उनसे प्रश्न नहीं किया है" या "मैंने परमेश्वर के आदेशों की अवज्ञा नहीं की है या उनसे प्रश्न नहीं किया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 6:10 (#6)

"मैंने उस पवित्र के वचनों का कभी इन्कार नहीं किया"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण नहीं और नकारात्मक क्रिया इन्कार शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने परमेश्वर के आदेशों का पालन किया है" या "मैंने परमेश्वर के आदेशों पर विश्वास रखा है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथ्यूब 6:10 (#7)**"पवित्र"**

अथ्यूब विशेषण पवित्र का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि परमेश्वर का वर्णन किया जा सके कि परमेश्वर कैसे हैं। अनफोलिडिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इसको दिखाने के लिए जन शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस अभिव्यक्ति का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जो पवित्र है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 6:11 (#1)**"मुझ में बल ही क्या है कि मैं आशा रखूँ?"**

अथ्यूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पास प्रतीक्षा करने की पर्याप्त शक्ति नहीं है! और मुझे अपने जीवन को उसके अन्त से आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 6:11 (#2)**"कि मैं आशा रखूँ"**

अथ्यूब का अर्थ है कि उनके पास प्रतीक्षा करने या सहन करने की शक्ति नहीं है जब तक कि उन्हें वे दीर्घकालिक आशीर्वाद नहीं मिल जाते जो एलीपज ने कहा था कि उन्हें मिलेंगे यदि वे अपनी बात परमेश्वर को समर्पित करते हैं। आप अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करने के लिए अपने अनुवाद में यह संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि मैं उन आशीर्वादों की प्रतीक्षा करूँ" या "कि मैं उन आशीर्वादों को प्राप्त करने तक सहन कर सकूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 6:12 (#1)**"क्या (यदि) मेरी दृढ़ता पत्तरों के समान है?"**

दोनों मामलों में, अथ्यूब प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक विपरीत उत्तर की अपेक्षा करता है। अंग्रेजी अनुवाद में यदि शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यदि नहीं पाया जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "मेरी शक्ति पत्थरों की शक्ति नहीं है, है ना? मेरा शरीर पीतल नहीं है, है ना?"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:12 (#2)

"क्या मेरी दृढ़ता पत्थरों के समान है?"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी ताकत पत्थरों की ताकत नहीं है! मेरा शरीर पीतल नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:12 (#3)

"क्या मेरा शरीर पीतल का है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका शरीर सचमुच पीतल हो। वे वास्तव में एक तुलना कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा शरीर पीतल जितना टिकाऊ नहीं है, है ना?" या "मेरा शरीर पीतल जितना टिकाऊ नहीं है!"

देखें: रूपक

अथूब 6:13 (#1)

"क्या {यदि} मैं निराधार नहीं हूँ,"

अथूब नकारात्मक उत्तरों की अपेक्षा करने वाले प्रश्नों को प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं। अंग्रेजी अनुवाद में यदि शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यदि नहीं पाया जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मेरी सहायता मुझमें नहीं है, और क्या आत्मबल मुझसे छीन ली गई है?"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:13 (#2)

"क्या मैं निराधार नहीं हूँ,"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मेरी सहायता मुझमें नहीं है, और क्या आत्मबल मुझसे छीन ली गई है?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:13 (#3)

"क्या काम करने की शक्ति मुझसे दूर नहीं हो गई"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरी परेशानियों ने मुझसे पहल करने की क्षमता छीन ली है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 6:13 (#4)

"काम करने की शक्ति"

यदि आपकी भाषा में काम करने की शक्ति के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी ओर से खुद के लिए कार्य करने की क्षमता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 6:14 (#1)

"जो पड़ोसी पर कृपा नहीं करता"

यदि आपकी भाषा में कृपा के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यक्ति निराश हो उसके मित्र को निष्ठापूर्वक उसकी सहायता करनी चाहिए।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 6:14 (#2)

"जो पड़ोसी {निराश} पर"

अंग्रेजी अनुवाद में **निराश** शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **पड़ोसी** शब्द पाया जाता है। अथ्यूब विशेषण **निराशाजनक** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निराश व्यक्ति के लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 6:14 (#3)

"जो पड़ोसी पर कृपा"

अंग्रेजी अनुवाद का यह कथन "विश्वासयोग्य वाचा" हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं पाया जाता। अथ्यूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मित्र से वाचा विश्वासयोग्य होनी चाहिए।"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 6:14 (#4)

"वह सर्वशक्तिमान का भय मानना छोड़ देता है"

इसका अर्थ अप्रत्यक्ष रूप से हो सकता है: (1) कि एक मित्र को एक निराश व्यक्ति के प्रति विश्वासयोग्य रहना चाहिए, भले ही वह व्यक्ति परमेश्वर के भय को त्याग दे (जैसा कि अथ्यूब के मित्र मानते हैं कि उसने किया)। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही वह निराश व्यक्ति परमेश्वर के भय को त्याग दे" (2) कि यदि एक मित्र एक निराश व्यक्ति के प्रति विश्वासयोग्य नहीं रहता है, तो वह मित्र परमेश्वर के भय को त्याग देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यथा वह मित्र परमेश्वर के भय को त्याग देता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 6:14 (#5)

"वह सर्वशक्तिमान का भय मानना छोड़ देता है"

अथ्यूब भय शब्द का उपयोग परमेश्वर के प्रति आदर को दर्शने के लिए कर रहे हैं, जो व्यक्ति को परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे

इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि अगर वे सर्वशक्तिमान का आदर और आज्ञा पालन नहीं करते" या "अन्यथा वे सर्वशक्तिमान का आदर और आज्ञा पालन नहीं करते"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 6:15 (#1)

"मेरे भाई"

अथ्यूब अपने तीन दोस्तों के लिए **भाई** शब्द का रूपक रूप में उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मित्र"

देखें: रूपक

अथ्यूब 6:15 (#2)

"मेरे भाई"

अथ्यूब अपने मित्रों के बारे में तीसरे व्यक्ति में बात कर रहे हैं, भले ही वे उपस्थित हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे प्रिय मित्रों"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथ्यूब 6:15 (#3)

"नाले के समान विश्वासघाती हो गए हैं"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे कि एक नाले के समान के रूप में पानी का एक अच्छा स्रोत प्रतीत हो सकता है, लेकिन फिर शुष्क मौसम में विफल हो जाता है। इसी प्रकार, अथ्यूब के मित्र प्रोत्साहन देने के लिए आए थे, लेकिन उन्होंने कोई प्रोत्साहन नहीं दिया। यदि यह आपके भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रोत्साहन देने का दिखावा करके विश्वासघात किया है, जैसे एक मौसमी धारा जो पानी देने का दिखावा करती है लेकिन फिर शुष्क मौसम में विफल हो जाती है।"

देखें: उपमा

अथ्यूब 6:15 (#4)

"उन नालों के समान जिनकी धार सूख जाती है"

इस सन्दर्भ में, अभिव्यक्ति धार सूख जाती है का अर्थ सूख जाना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मौसमी धाराओं की तरह, वे सूख जाते हैं" या "मौसमी धाराओं की तरह, वे सूख जाते हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:15 (#5)

"नालों के समान जिनकी धार सूख जाती है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके दोस्त सचमुच सूख गए हैं या मरुभूमि की धारा की तरह सूख जाते हैं। उनका मतलब है कि अन्त में, वे वह प्रोत्साहन देने में असफल रहते हैं जिस प्रोत्साहना का उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से वादा किया था जब वे उनसे मिलने आए थे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त में उनके पास कोई सहायता देने के लिए नहीं है, जैसे मौसमी धाराओं के लिए एक नाला जो सूख जाता है" या "अन्त में आपके पास कोई सहायता देने के लिए नहीं है, जैसे मौसमी धाराओं के लिए एक नाला जो सूख जाता है।"

देखें: रूपक

अथूब 6:16 (#1)

""

इस वचन में, अथूब ठण्ड के मौसम में मरुभूमि की धाराओं की स्थिति का वर्णन करते हैं, और अगले वचन में, वह गर्म मौसम में धाराओं की स्थिति के साथ उसका विरोधाभास करते हैं। इस विरोधाभास को दिखाने के लिए, आप वचन 16-17 को जोड़ सकते हैं। यह कुछ इस तरह हो सकता है: "ठण्ड के मौसम में, ये धाराएँ अपने नाले के ऊपर बर्फ से काली हो जाती हैं, वास्तव में, बर्फ उस नाले को ढक देती है। लेकिन गर्म मौसम में जलधाराएँ सूख कर लुप्त हो जाती हैं, गर्मी उन्हें पूरी तरह सुखा देती है।"

देखें: संयुक्त पद

अथूब 6:16 (#2)

"वे बर्फ के कारण काले से हो जाते हैं,"

सर्वनाम वे दोनों मामलों में उन धाराओं के "नाले" को सन्दर्भित करता है जिनका अथूब ने पिछले वचन में वर्णन किया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक

हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ये धाराएँ अपने नाले पर बर्फ से अंधकारमय हैं; वह नाला हिम से छिपा हुआ है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:16 (#3)

"उनमें हिम छिपा रहता है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे मरुभूमि की धारा एक जीवित वस्तु हो जो सर्दियों में स्वयं को हिम से छुपा लेती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हिम इस धारा को ढक लेती है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 6:17 (#1)

"धाराएँ लोप हो जाती हैं"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "सूखापन उन्हें नष्ट कर देता है ... गर्मी उन्हें समाप्त कर देती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 6:18 (#1)

"वे धूमते-धूमते सूख जातीं"

इसका अर्थ यह है कि ये वे {नाले} सूखे मौसम में पानी की तलाश में अपने सामान्य मार्गों को छोड़ रहे हैं। मार्गों के साथ स्थित नखलिस्तान संभवतः सूख गए हैं, और नाले उन स्थानों पर जा रहे हैं जहाँ उन्हें उमीद है कि धाराएँ अभी भी बह रही हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नाले पानी की तलाश में अपने मार्ग से हट जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 6:18 (#2)

"वे ... बहकर {ऊपर जाकर}"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ ऊपर जाकर वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में बहकर शब्द का

प्रयोग हुआ है। अभिव्यक्ति ऊपर जाकर निश्चित रूप से उच्च चढ़ाई की यात्रा को इंगित नहीं करती है। इस सन्दर्भ में, इसका अर्थ शायद नाले का मार्ग छोड़कर बिना पथ के मरुभूमि में जाना है। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बाहर जाते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:19 (#1)

"तेमा के बंजारे देखते रहे"

अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेमा के बंजारे पानी की तलाश में थे।"

देखें: पदलोप

अथूब 6:19 (#2)

"तेमा के" - "शेबा"

तेमा और शेबा शब्द क्षेत्रों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 6:19 (#3)

"उनका रास्ता देखा"

सर्वनाम उनका का सन्दर्भ मरुभूमि की धाराओं से है जिनके बारे में अथूब बात कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पानी की धाराओं को खोजने की आशा करना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:20 (#1)

"वे लज्जित हुए," - "उनके मुँह सूख गए"

अनुवादित अभिव्यक्तियाँ वे लज्जित हुए और उनके मुँह सूख गए निष्क्रिय मौखिक अभिव्यक्तियों की तरह लग सकती हैं, और यदि आपकी भाषा ऐसी अभिव्यक्तियों का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा

में स्वाभाविक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें शर्म महसूस हुई ... लेकिन सूखी धारा का बिछोना उन्हें भ्रमित कर गया" देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 6:20 (#2)

"{उनके} वहाँ पहुँचकर"

सर्वनाम उनके धारा बिछोना को सन्दर्भित करता है जहाँ बंजारे पानी की आशा करते थे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "धारा बिछोना तक जहाँ वे पानी की आशा करते थे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:21 (#1)

"उसी प्रकार अब तुम भी कुछ न रहे [क्योंकि]"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में वह शब्द नहीं पाया जाता। अथूब यह समझाने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं कि उनके मित्र किस प्रकार उन मरुभूमि की धाराओं के समान हैं जिन्हें वह वर्णन कर रहे थे, जैसा कि उन्होंने पद 15 में कहा था। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे संकेतित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप इन धाराओं के समान हैं क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 6:21 (#2)

"तुम भी" - "देखकर" - "तुम डर गए हो"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, **तुम** शब्द यहाँ और अध्याय के शेष भाग में बहुवचन है **क्योंकि** अथूब इसका उपयोग अपने तीन मित्रों को सम्बोधित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 6:21 (#3)

"तुम भी कुछ न रहे"

अथूब अपने मित्रों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे **कुछ न रहे**, जैसे एक धारा का अस्तित्व समाप्त हो जाता है जब

उसका सारा पानी सूख जाता है। उनका मतलब है कि उनके दोस्त उन्हें कोई सहायता नहीं दे रहे हैं, जैसे एक सूखी धारा उस बंजारे की सहायता नहीं करेगी जिसे मरुभूमि में पानी की आवश्यकता हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे कोई सहायता नहीं दे रहे हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 6:21 (#4)

"मेरी विपत्ति देखकर तुम डर गए हो"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से यह कह रहे हैं कि उनके मित्र सोचते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें एक विपत्ति से पीड़ित किया है और इसलिए वे उन्हें सांत्वना देने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर वे उनका पक्ष लेंगे तो परमेश्वर उन्हें भी पीड़ित करेंगे। यदि यह सहायक होगा तो आप अपने पाठकों के लिए इसे अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सोचते हैं कि परमेश्वर ने इस विपत्ति को भेजा है और इसलिए आप मेरी सहायता करने से डरते हैं क्योंकि आपको लगता है कि अगर आप ऐसा करेंगे तो परमेश्वर आपको दण्डित करेंगे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 6:22 (#1)

"क्या मैंने तुम से कहा था, 'मुझे कुछ दो?'"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैंने आपसे नहीं कहा, 'मुझे कुछ दीजिए!' या, 'अपने धन से मुझे एक उपहार दीजिए!'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:22 (#2)

"क्या मैंने तुम से कहा था, 'मुझे कुछ दो?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हों। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैंने आपसे कहा था कि आप मुझे कुछ दें? या अपनी सम्पत्ति से मुझे एक उपहार दें?" या "मैंने आपसे यह नहीं कहा कि आप मुझे कुछ दें या अपनी सम्पत्ति से मुझे एक उपहार दें?"

देखें: उद्धरणों के भीतर उद्धरण

अथूब 6:23

"या 'मुझे सतानेवाले के हाथ से बचाओ?'"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैंने आपसे यह नहीं कहा, 'मुझे शत्रु के हाथ से बचाओ!' या, 'उपद्रव करनेवालों के हाथ से मुझे बचाओ!'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:23 (#2)

"या 'मुझे सतानेवाले के हाथ से बचाओ?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैंने आपसे मुझे शत्रु के हाथ से बचाने या उपद्रव करनेवालों के हाथ से बचाने के लिए कहा?" या "मैंने आपसे मुझे शत्रु के हाथ से बचाने या उपद्रव करनेवालों के हाथ से बचाने के लिए नहीं कहा!"

देखें: उद्धरणों के भीतर उद्धरण

अथूब 6:23 (#3)

"सतानेवाले के हाथ से?"

यहाँ, हाथ एक व्यक्ति की क्षमता और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शत्रु की शक्ति से?" या, "उपद्रव करनेवालों की शक्ति से?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 6:24 (#1)

"मैं चुप रहूँगा"

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित किया चुप रहूँगा में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप

अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से चुप रहूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:24 (#2)

"मैंने किस बात में चूक की है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह सचमुच सही रास्ते से चूक सकते थे। उनका मतलब है कि वह कुछ गलत कर सकते थे। अगर आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो मैंने गलत किया है"

देखें: रूपक

अथूब 6:25 (#1)

"सच्चाई के वचनों"

यदि आपकी भाषा में **सच्चाई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खरे वचन"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 6:25 (#2)

"परन्तु तुम्हारे विवाद से क्या लाभ होता है"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आपके सुधारने से कुछ भी सही नहीं होता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:25 (#3)

"परन्तु तुम्हारे विवाद से क्या लाभ होता है"

जोर देने के लिए, अथूब एक ऐसी रचना का उपयोग कर रहे हैं जिसमें एक विषय और उसकी क्रिया एक ही मूल से आती है। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए उसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है।

वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आपकी प्रयासित सुधार वास्तव में क्या हासिल करती है?" या "आपकी प्रयासित सुधार वास्तव में कुछ भी हासिल नहीं करती है!"

देखें: कविता

अथूब 6:26 (#1)

"क्या तुम बातें पकड़ने की कल्पना करते हो"

अथूब कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप सोचते हैं कि मेरे शब्दों को सुधारना चाहिए, और क्या आप निराश व्यक्ति के शब्दों की तुलना हवा से करते हैं?"

देखें: पदलोप

अथूब 6:26 (#2)

"क्या तुम बातें पकड़ने की कल्पना करते हो"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप सोचते हैं कि मेरे शब्दों को सही करें, और आप एक निराश व्यक्ति के शब्दों की तुलना हवा से करते हैं?" या "आप केवल मुझे गलत साबित करना चाहते हैं; आप विश्वास नहीं करते कि मैं इन निराशाजनक बातों को कहने में सही हूँ!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:26 (#3)

"निराश जन की बातें तो वायु के समान हैं"

यदि अथूब कह रहे हैं कि उनके मित्र उनकी बातों की तुलना हवा से कर रहे हैं, तो अथूब एक तुलना कर रहे हैं। तुलना का उद्देश्य यह है कि अथूब के मित्र उनकी बातों को तुच्छ मानते हैं, जिनका वायु से अधिक महत्व नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या आप निराश व्यक्ति की बातों को हवा के समान महत्वहीन मानते हैं?"

देखें: उपमा

Job 6:27 (#1)**"तुम अनाथों पर चिढ़ी डालते"**

अथ्यूब यह मानते हैं कि उनके मित्र समझेंगे कि वह अपनी संस्कृति की दो प्रथाओं का उल्लेख कर रहे हैं। यदि कोई पुरुष, जो दूसरों का ऋणी था, मर जाता था, तो उसके लेनदार उसके बच्चों को ऋण की भरपाई के लिए दास के रूप में लेने का दावा कर सकते थे। अथ्यूब यह वर्णन कर रहे हैं कि कैसे ऐसे लेनदार **चिढ़ी डाल सकते हैं** यह निर्धारित करने के लिए कि उनमें से कौन एक विशेष बच्चे को दास के रूप में प्राप्त करेगा। अथ्यूब यहाँ उस प्रथा का भी उल्लेख कर रहे हैं जिसमें किसी को दासत्व में बेच दिया जाता है ताकि ऋण की भरपाई की जा सके। आप अपने पाठकों को इस सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने में मदद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप चिढ़ी डालते हैं यह देखने के लिए कि आप में से कौन एक बच्चे को दास के रूप में प्राप्त करेगा, जिसका पिता, जो आपका ऋणी था, मर गया है, और आप एक मित्र के लिए सबसे अच्छी कीमत प्राप्त करने की कोशिश करते हैं जिसे आप दासत्व में बेच रहे हैं ताकि उसके ऋण की भरपाई की जा सके।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 6:27 (#2)**"तुम अनाथों पर चिढ़ी डालते"**

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे उनके मित्र सचमुच यह तय करने के लिए **चिढ़ी डालेंगे** कि उनमें से किसके पास एक **अनाथ बच्चा** दास के रूप में होगा और एक **मित्र** को दासत्व में बेचने के लिए कीमत पर **मोलभाव** करेंगे। अथ्यूब का यह मतलब नहीं है कि उनके मित्र वास्तव में ये काम कर रहे हैं; वह एक तुलना कर रहे हैं। इसका संकेत है कि ये विशेष रूप से निर्दियी कार्य हैं जो एक असहाय अनाथ या एक मित्र के साथ किए जाते हैं, और अथ्यूब कह रहे हैं कि उनके मित्र उनके प्रति उतने ही निर्दियी हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। इसे करने का एक तरीका अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन प्रस्तुत करता है।

देखें: रूपक

अथ्यूब 6:27 (#3)**"अनाथों"**

अथ्यूब विशेषण **अनाथों** को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है।

यदि नहीं, तो आप इसे समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पिता-विहीन संतान" या "एक अनाथ"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 6:28 (#1)**"इसलिए अब कृपा करके मुझे देखो,"**

अथ्यूब अपने मित्रों से एक प्रतीकात्मक कार्य करने के लिए कह रहे हैं, जिससे वे सीधे उनकी ओर देखें ताकि वे भी उन्हें सीधे चेहरे पर देख सकें। अथ्यूब यह निर्देश इसलिए देना चाहते हैं ताकि वे जो कह रहे हैं उसकी ईमानदारी को नाटकीय रूप से दिखा सकें। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब, तैयार रहो, मेरी ओर देखो, ताकि मैं तुम्हें सीधे देख सकूँ और दिखा सकूँ कि मैं सत्य बोल रहा हूँ।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 6:28 (#2)**"निश्चय मैं तुम्हारे सामने कदापि झूठ न बोलूँगा"**

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि अथ्यूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। विशेष रूप से, वह शापथ का पहला भाग बोल रहा है और दूसरे भाग को समझकर छोड़ा जा रहा है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि मैं आपके सामने झूठ बोलूँ, तो परमेश्वर मुझे कठोर दण्ड दें।" (2) कि अथ्यूब प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए **यदि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक विपरीत उत्तर की उम्मीद करता है। अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **यदि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में वह शब्द नहीं पाया जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में संकेतित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैं आपके सामने झूठ नहीं बोलूँगा, क्या मैं?"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 6:28 (#3)**"निश्चय मैं तुम्हारे सामने कदापि झूठ न बोलूँगा"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **चेहरों** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **तुम्हारे सामने** वाक्य

उपयोग किया गया है। अथूब अपने दोस्तों के एक हिस्से, उनके चेहरों, का उपयोग कर रहे हैं, ताकि वे सभी उन्हें देखने के कार्य में शामिल हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अगर मैं आपसे झूठ बोलूँ जबकि आप मुझे देख रहे हों"

देखें: उपलक्षण

अथूब 6:29 (#1)

"{फिरो},"- "[हाँ, फिरो]"

हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **फिरो** शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह चाहते हैं कि उनके मित्र सचमुच **फिरें** और एक अलग दिशा में जाएँ। उनके कहने का मतलब है कि वह चाहते हैं कि वे उनके साथ अलग तरीके से व्यवहार करना शुरू करें। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथ अलग तरीके से व्यवहार करना शुरू करें ... हाँ, मेरे साथ अलग तरीके से व्यवहार करें"

देखें: रूपक

अथूब 6:29 (#2)

"कुछ अन्याय न होने पाए"

यदि आपकी भाषा में **अन्याय** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथ अन्यायपूर्ण तरीके से व्यवहार न करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 6:29 (#3)

"अन्याय न होने पाए"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक वाक्यांश का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण न और नकारात्मक संज्ञा **अन्याय** शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय हो" या "मुझे न्यायपूर्ण व्यवहार दें"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 6:29 (#4)

"फिर इस मुकद्दमे में मेरा धर्म ज्यों का त्यों बना है"

सर्वनाम इस अथूब के कारण को सन्दर्भित करता प्रतीत होता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी धार्मिकता अभी भी मेरे कारण में है" या "मेरा कारण अभी भी धार्मिक है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 6:30 (#1)

"क्या मेरे वचनों में कुछ कुटिलता है?"

अथूब इन दोनों वाक्यों में जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन वाक्यों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी जीभ पर कोई अन्याय नहीं है! मेरा मुँह अधर्म को पहचानता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 6:30 (#2)

"क्या मेरे वचनों {जीभ} में कुछ कुटिलता है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **जीभ** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में वचनों शब्द का प्रयोग हुआ है। अथूब उस बात का उल्लेख कर रहे हैं जो वे **जीभ** के माध्यम से कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैंने जो कहा है उसमें कोई अन्याय है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 6:30 (#3)

"[यदि] क्या मैं दुष्टा नहीं पहचान सकता"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **यदि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका प्रयोग नहीं हुआ है। अथूब एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए **यदि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक विपरीत उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा मुँह अधर्म को पहचानता है, क्या ऐसा नहीं है?"

देखें: मुहावरा

अथूब 6:30 (#4)

"क्या मैं {मेरा मुँह} दुष्टा नहीं पहचान सकता"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ मेरा मुँह वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में मैं शब्द का प्रयोग हुआ है। अथूब अपने मुँह के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो **दुष्टा पहचान सकता** है। उनका मतलब है कि वह स्वयं पहचान सकते हैं कि उनके मुँह से कही गई कोई बात नैतिक रूप से गलत होगी या नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पहचानता हूँ अगर मैं दुष्टा की बात बोलता हूँ, क्या ऐसा नहीं है?" या "निश्चित रूप से मैं पहचान सकता हूँ कि मैं अधर्म बोलता हूँ, क्या ऐसा नहीं है?"

देखें: मानवीकरण

अथूब 6:30 (#5)

"दुष्टा"

यदि आपकी भाषा में **अधर्म** के विचार के लिए कोई अमूर्त भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अधर्मी हैं" या "जो नैतिक रूप से गलत हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और स्वरूप

इस अध्याय में, अथूब एलीपज के पहले भाषण का उत्तर देना समाप्त करते हैं और वह एलीपज के साथ अपने संवाद के प्रकाश में परमेश्वर को भी सीधे संबोधित करते हैं।

- पद 1-6: अथूब एलीफज को उत्तर देना जारी रखते हैं
- पद 7-21: अथूब सीधे परमेश्वर को संबोधित करते हैं

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

रूपक

अथूब इस अध्याय में कई अलग-अलग छवियों का उपयोग करते हैं यह बताने के लिए कि वह जो महसूस कर रहे हैं और अनुभव कर रहे हैं वह कैसा है। (देखें: रूपक)

आलंकारिक प्रश्न

अथूब इस अध्याय में अक्सर प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं ताकि वह एलीपज और परमेश्वर के लिए जो बातें कह रहे हैं, उन्हें जोर देकर प्रस्तुत कर सकें। टिप्पणियाँ सुनाव देती हैं कि इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कैसे किया जा सकता है, यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो। (देखें: आलंकारिक प्रश्न)

अथूब 7:1 (#1)

"क्या मनुष्य को पृथ्वी पर कठिन सेवा करनी नहीं पड़ती?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य के लिए पृथ्वी पर कठिनाई है! हाँ, उसके दिन एक मजदूर के दिनों की तरह है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:1 (#2)

"क्या मनुष्य को पृथ्वी पर कठिन सेवा करनी नहीं पड़ती?"

यदि आपकी भाषा में **कठिन सेवा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति के लिए पृथ्वी पर जीवन कठिन है!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7:1 (#3)

"मनुष्य को"

यहाँ पर **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा

का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति को"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 7:1 (#4)

"क्या उसके दिन मजदूर के से नहीं होते?"

अथूब इस तुलना का प्रयोग यह कहने के लिए कर रहा है कि जिस प्रकार एक **मजदूर** (अर्थात्, शारीरिक श्रम के लिए दिन के हिसाब से नियुक्त किया गया व्यक्ति) के दिन लंबे और कठिन होते हैं, उसी प्रकार उसके दिन भी लंबे और कठिन हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक विस्मयादिबोधक के रूप में: "हाँ, उसके दिन लंबे और कठिन होते हैं, जैसे कि एक मजदूर के!"

देखें: उपमा

अथूब 7:2 (#1)

"जैसा कोई दास छाया की अभिलाषा करे,"

इस तुलना का तात्पर्य, जैसा कि अथूब अगले पद में स्पष्ट करता है, यह है कि जिस प्रकार एक **दास** और एक **मजदूर** को राहत की इच्छा करते हुए लम्बे समय तक कष्ट सहना पड़ता है, उसी प्रकार अथूब को भी राहत के बिना लम्बे समय तक कष्ट सहना पड़ा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक गुलाम एक लंबे, गर्म दिन के दौरान शाम के आने की कामना करता है, और जैसे एक मजदूर दिन के अंत तक भुगतान के लिए इंतजार करता है"

देखें: उपमा

अथूब 7:2 (#2)

"छाया"

अथूब **छाया** शब्द का उपयोग शाम के संदर्भ में कर रहे हैं, जब सूर्य आकाश में नीचे होता है और छायाएं पृथ्वी को ढक लेती हैं। विशेष रूप से, वह काम के दिन के अंत का संकेत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शाम" या "काम के दिन का अंत"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:3 (#1)

"वैसा ही मैं अनर्थ के महीनों का स्वामी बनाया गया हूँ"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि किसने यह कार्य किया है, तो संदर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे व्यर्थता के महीनों का उत्तराधिकारी बनाया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 7:3 (#2)

"वैसा ही मैं अनर्थ के महीनों का स्वामी बनाया गया हूँ"

अथूब इन **अनर्थ** के महीनों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि उन्हें सचमुच **स्वामी** बनाया गया हो। उनका मतलब है कि वह इस समय के दौरान व्यर्थता सहन कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं व्यर्थता के समय को सहन कर रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 7:3 (#3)

"वैसा ही मैं अनर्थ के महीनों का स्वामी बनाया गया हूँ"

यदि आपकी भाषा में **अनर्थ** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक ऐसा समय अनुभव कर रहा हूँ जिसमें जीवन व्यर्थ प्रतीत होता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7:3 (#4)

"वैसा ही मैं अनर्थ के महीनों का स्वामी बनाया गया हूँ"

अथूब की पुस्तक की कथा से ऐसा प्रतीत नहीं होता कि इस बिंदु पर **महीनों** बीत चुके हैं जब से अथूब ने अपनी भयानक विपत्तियों का अनुभव करना शुरू किया। इसलिए ऐसा लगता है कि अथूब **महीनों** शब्द का उपयोग एक अवधि के रूप में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने व्यर्थता का समय सहा है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:3 (#5)

"और मेरे लिये क्लेश से भरी रातें ठहराई गई हैं"

हिन्दी अनुवाद में सर्वनाम का उपयोग नहीं किया गया है। (सर्वनाम वे एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशिष्ट संकेत नहीं होता है।) अथूब इस अनिश्चित संरचना का उपयोग इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कर रहे हैं कि उनके लिए क्या ठहराई हुई है, बजाय इसके कि किसने इसे नियुक्त किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और परेशानियों की रातें मेरे लिए नियुक्त की गई हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 7:4 (#1)

"जब मैं लेट जाता"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से उस समय का उल्लेख कर रहे हैं जब वह रात में सोने के लिए लेटते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। आपकी भाषा में इसकी अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप यहां अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं सोने के लिए लेटता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:4 (#2)

"मैं कब उठूँगा?"

अथूब यह प्रश्न जानकारी प्राप्त करने के लिए या यह निर्णय लेने के लिए नहीं पूछ रहे हैं कि उसे सुबह कब उठना चाहिए। वह जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आशा करता हूँ कि यह एक लंबी और कठिन रात नहीं होगी!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:4 (#3)

"छटपटाते-छटपटाते थक जाता हूँ"

अथूब अपने बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक बर्तन हों जो हलचल से भरा हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं लगातार उलट-पलट करता रहता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 7:5 (#1)

"मेरी देह कीड़ों और मिट्टी के ढेलों से ढकी हुई है"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे कि वह सचमुच कीड़े और मिट्टी के ढेले अपने शरीर पर कपड़ों की तरह पहने हुए हैं। उनका मतलब है कि यह चीजें उनके पूरे शरीर पर फैली हुई हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा माँस कीड़े और धूल के ढेलों से ढका हुआ है"

देखें: रूपक

अथूब 7:5 (#2)

"मेरी देह कीड़ों और मिट्टी के ढेलों से ढकी हुई है"

अथूब किसी विशेष कीड़े या धूल के ढेले का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह साधारण तौर में कीड़े और धूल के ढेलों की बात कर रहे हैं। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। "मेरा माँस कीड़ों और धूल के ढेलों से ढका हुआ है"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 7:5 (#3)

"मेरी देह"

अथूब अपने एक हिस्से, अपनी देह, का उपयोग अपने पूरे शरीर का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा शरीर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 7:5 (#4)

"मेरा चमड़ा सिमट जाता, और फिर गल जाता है"

अथूब उन फोड़ों का उल्लेख कर रहे हैं जिनसे परमेश्वर ने दोष लगानेवाले को उसे पीड़ित करने की अनुमति दी, जैसा कि [2:7](#) में वर्णित है। यदि यह आपके पाठकों के लिए

सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा फूटती है और मुझे हुए फोड़े के कारण सड़ जाती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:6 (#1)

"मेरे दिन जुलाहे की ढरकी से अधिक फुर्ती से चलनेवाले हैं"

यह कहने के लिए कि उनके दिन कितनी तेजी से बीत रहे हैं अथूब अपने दिन की तुलना एक जुलाहे की ढरकी से कर रहे हैं, जो बुनकरों के लिए धागे की आपूर्ति को संग्रहीत और जारी करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। यू.एस.टी. इसे करने का एक तरीका प्रस्तुत करता है।

देखें: उपमा

अथूब 7:6 (#2)

"मेरे दिन... अधिक फुर्ती से चलनेवाले हैं"

अथूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं, वह समय जब वह पृथ्वी पर जीवित रहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन अधिक तेजी से समाप्त हो रहा है"

देखें: मुहावरा

अथूब 7:6 (#3)

"ढरकी"

एक ढरकी एक लकड़ी का उपकरण है जिसका उपयोग बुनकर बुनाई के समय करते हैं ताकि सूत को रखें और खोल सकें, जबकि इसे करघे पर लगे अन्य सूत के धागों के माध्यम से आगे और पीछे किया जा सके। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि ढरकी क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुनाई के लिए एक उपकरण" या "वस्त्र जल्दी बनाने के लिए एक उपकरण"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 7:6 (#4)

"और निराशा में बीते जाते हैं"

यदि आपकी भाषा में आशा के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं यह आशा नहीं कर सकता कि मेरे जीवन का अंत अच्छा होगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7:7 (#1)

"याद कर"

इस भाषण के इस बिंदु तक, जिसे उन्होंने 6:1 में शुरू किया था, अथूब अपने तीन दोस्तों को संबोधित कर रहे थे, और इसलिए सर्वनाम आप बहुवचन था और आदेशात्मक रूप द्वितीय पुरुष बहुवचन थे। हालांकि, यहां आदेशात्मक याद कर एकवचन है क्योंकि अब अथूब परमेश्वर को संबोधित कर रहे हैं, जैसा कि वह इस भाषण के शेष भाग में करेंगे। इसलिए, यदि आपकी भाषा में यह भेद किया जाता है, तो अपने अनुवाद में द्वितीय पुरुष एकवचन आदेशात्मक का उपयोग करें। आप यह भी स्पष्ट रूप से संकेत दे सकते हैं कि अथूब अब परमेश्वर को संबोधित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, याद रखें"

देखें: 'आप' के रूप — बहुवचन

अथूब 7:7 (#2)

"याद कर"

यह एक आदेशात्मक वाक्य है, लेकिन यह एक आदेश के बजाय एक विनम्र विनती को संप्रेषित करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो एक विनम्र विनती को संप्रेषित करता है। इसे स्पष्ट करने के लिए "कृपया" जैसे शब्द जोड़ना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे परमेश्वर, कृपया याद करें"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 7:7 (#3)

"मेरा जीवन वायु ही है"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे उनका जीवन वास्तव में एक वायु के समान हो। संभवतः उनका मतलब यह है कि जिस प्रकार एक व्यक्ति द्वारा छोड़ी गई हवा शीघ्र ही नष्ट हो जाती है, उसी

प्रकार उसका जीवन भी शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा"

देखें: रूपक

अथूब 7:7 (#4)

"मैं अपनी आँखों से कल्याण फिर न देखूँगा"

अथूब अपनी आँख का उपयोग कर रहे हैं, जो देखने के कार्य में उनके पूरे अस्तित्व का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं भलाई को देखने के लिए वापस नहीं आऊंगा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 7:7 (#5)

"मैं अपनी आँखों से कल्याण फिर न देखूँगा"

इस संदर्भ में, फिर न देखूँगा का अर्थ है कुछ फिर से करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं फिर से भलाई को नहीं देख पाऊंगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 7:7 (#6)

"मैं अपनी आँखों से कल्याण फिर न देखूँगा"

इस संदर्भ में, देखूँगा का अर्थ है इसे अनुभव करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं फिर से भलाई को अनुभव नहीं कर पाऊंगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 7:7 (#7)

"मैं अपनी आँखों से कल्याण फिर न देखूँगा"

यदि आपकी भाषा में कल्याण के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं फिर से अच्छी चीजों का अनुभव नहीं कर पाऊंगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7:8 (#1)

"जो मुझे अब देखता है उसे मैं फिर दिखाई न दूँगा"

जैसा कि पद के दूसरे भाग में संकेत मिलता है, अथूब अप्रत्यक्ष रूप से यह बता रहे हैं कि उनके मरने के बाद क्या होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे अभी देख रहे हैं, उनकी आँखें तब मुझे नहीं देखेंगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:8 (#2)

"जो मुझे अब देखता है"

अथूब परमेश्वर के एक भाग, अर्थात् उसकी आँख, का प्रयोग सम्पूर्ण परमेश्वर की दृष्टि को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे देख रहे हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 7:8 (#3)

"जो मुझे अब देखता है"

हालांकि अथूब ने परमेश्वर से बात करना शुरू कर दिया है, यहाँ वह परमेश्वर के बारे में तीसरे व्यक्ति में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे पहले व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो मुझे देखते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 7:8 (#4)

"तेरी आँखें मेरी ओर होंगी"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर अथूब को खोजेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे खोज रहे होंगे"

देखें: मुहावरा

अथूब 7:9 (#1)**"जैसे बादल छटकर लोप हो जाता है"**

अथूब संभवतः यह कह रहे हैं: (1) जब एक बार बादल छट जाता है, तो वह हमेशा के लिए लोप हो जाता है। वही बादल फिर कभी आकाश में नहीं बनेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जब एक बार बादल गायब हो जाता है, तो वह हमेशा के लिए चला जाता है" (2) जोर देने के लिए छटकर और लोप जैसी समान अभिव्यक्तियों का उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बादल पूरी तरह से गायब हो जाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:9 (#2)**"नहीं लौट सकता"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण नहीं और क्रिया लौट शामिल है, जो अथूब के अनुसार जीवन की वास्तविकता के विपरीत है। वैकल्पिक अनुवाद: "वहाँ रहता है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 7:10 (#1)**"और न अपने स्थान में फिर मिलेगा"**

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, वह अपने निवास स्थान पर फिर से नहीं रहेगा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 7:11 (#1)**"इसलिए मैं अपना मुँह बन्द न रखूँगा"**

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम मैं का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द न रखूँगा में मौजूद है। अथूब जोरदार घोषणात्मक रूप का भी उपयोग कर रहे हैं जब वह कहते हैं मैं बोलूँगा। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए इसी तरह के वाक्य उपयोग होते हैं, तो आप अपने अनुवाद में उनका उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से अपने मुँह को नहीं रोकूँगा; मैं निश्चित रूप से बोलूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 7:11**"मैं अपना मुँह बन्द न रखूँगा"**

अथूब मुँह शब्द का उपयोग जो वह अपने मुँह से कहेंगे उस संदर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो कहना चाहता हूँ उसे सीमित नहीं करूँगा" या "मैं बोलने से नहीं रुकूँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:11 (#3)**"मैं अपना मुँह बन्द न रखूँगा"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक वाक्यांश का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण न और नकारात्मक क्रिया रखूँगा शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वतंत्र रूप से बोलूँगा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 7:11 (#4)**"अपने मन का खेद खोलकर कहूँगा;"**

अथूब अपने शरीर के अंग अपने मन, का उपयोग यह दर्शनि के लिए कर रहे हैं कि वह पूरी तरह से बोलने और शिकायत करने के कार्य में लगे हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी पीड़ा में बोलूँगा; हाँ, मैं अपनी कड़वाहट में शिकायत करूँगा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 7:11 (#5)**"अपने मन का खेद खोलकर कहूँगा"**

यदि आपकी भाषा खेद और कड़वाहट के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बोलूँगा, क्योंकि मैं कष्ट में हूँ; हाँ, मैं शिकायत करूँगा, क्योंकि मैं कड़वाहट में हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 7:12 (#1)

""क्या मैं समुद्र हूँ, या समुद्री अजगर हूँ,"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं समुद्र या समुद्री राक्षस नहीं हूँ, इसलिए तुझ को मुझ पर पहरा लगाने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:12 (#2)

"समुद्र, या समुद्री अजगर"

समुद्री अजगर की चर्चा के लिए अथूब का सामान्य परिचय देखें और देखें कि आपने 3:8 में लिव्यातान नाम का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्री राक्षस जो अराजकता से जुड़ा हुआ है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:12 (#3)

"तू... पहरा बैठाता है"

अथूब भविष्य काल का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि परमेश्वर किसी आवश्यकता के कारण कुछ करेंगे। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने का अपना तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आपको पहरा बैठना पड़ा"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 7:13 (#1)

""जब जब मैं सोचता हूँ कि मुझे खाट पर शान्ति मिलेगी,"

आपकी भाषा में यहां अप्रत्यक्ष उद्धरण होना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं कहता हूँ कि मेरा बिछौना मुझे आराम देगा और मेरा बिछौना मेरी शिकायतें दूर करेगा"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 7:13 (#2)

"बिछौने पर मेरा खेद कुछ हलका होगा"

अथूब खाट और बिछौने शब्दों का उपयोग कर रहे हैं, जो सोने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं, जैसे लोग सोफे या बिस्तर पर सोते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी नींद मुझे आराम देगी, हाँ, मेरी नींद मेरी शिकायत को दूर कर देगी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:13 (#3)

"मुझे खाट पर शान्ति मिलेगी,"

अथूब अपने खाट और अपने बिछौने की बात कर रहे हैं, जिसका अर्थ उनकी नींद, है, जैसे वह जीवित चीजें हो जो उन्हें शान्ति दे सकती हैं और उनकी शिकायत को दूर कर सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं सो रहा हूँ, तब मैं आराम से रहूँगा, हाँ, जब मैं सो रहा हूँ तब मैं शिकायत नहीं करूँगा"

देखें: मानववीकरण

अथूब 7:15 (#1)

"मेरा जी... चाहता है"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने जी, का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व को चुनने के कार्य में व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं चुनता हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 7:15 (#2)

"फांसी"

फांसी शब्द का अर्थ है किसी व्यक्ति के गले को दबाकर उसकी सांस रोककर मारना। यदि आपके पाठक इस शब्द से परिचित नहीं हैं, तो आपके अनुवाद में आप एक सरल अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "साँस रोकना"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 7:15 (#3)**"जीवन से मृत्यु को अधिक चाहता है"**

अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, मेरे प्राण मेरी हड्डियों के बजाय मृत्यु को चुनते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 7:15 (#4)**"जीवन से मृत्यु को अधिक चाहता है"**

अथूब **जीवन/हड्डियाँ** (हिंदी अनुवाद में हड्डियाँ शब्द का उपयोग नहीं किया गया है) शब्द का अर्थ जीवन दर्शा रहे हैं, क्योंकि लोग पृथ्वी पर जीते हुए अपनी हड्डियों से समर्थित होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन के स्थान पर" या "इस पृथ्वी पर जीते रहने के स्थान पर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:16 (#1)**"मुझे... घृणा आती है"**

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे मेरा जीवन घृणित लगता है" या "मुझे जीवित रहना घृणित लगता है"

देखें: पदलोप

अथूब 7:16 (#2)**"मैं सर्वदा जीवित रहना नहीं चाहता"**

अथूब भविष्य काल का उपयोग कर रहे हैं यह बताने के लिए कि वह क्या चाहते हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने का अपना तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं हमेशा के लिए नहीं जीऊंगा" या "मैं हमेशा के लिए नहीं जीना चाहता"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 7:16 (#3)**"मैं सर्वदा जीवित रहना नहीं चाहता"**

अथूब यहाँ जोर देने के लिए एक सामान्यीकरण के रूप में **सर्वदा** कहते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना बेहतर होगा, तो आप जोर देने के लिए इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से लंबे समय तक जीना नहीं चाहता"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 7:16 (#4)**"मुझे छोड़ दे"**

अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग परमेश्वर से यह कहने के लिए कर रहे हैं कि वह उसे परेशान करना बंद करें। आपकी भाषा में भी इसी अर्थ वाली एक अभिव्यक्ति हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे अकेला छोड़ दें"

देखें: मुहावरा

अथूब 7:16 (#5)**"साँस सा है"**

अथूब **साँस** शब्द का अनुवाद इस अर्थ में कर रहे होंगे: (1) कि उनके दिन क्षणिक हैं, क्योंकि साँस या धूध जल्दी गायब हो जाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षणिक हैं" (2) कि उनके दिन निरर्थक हैं, क्योंकि साँस अस्थायी होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "निरर्थक हैं"

देखें: रूपक

अथूब 7:17 (#1)**"मनुष्य क्या है कि तू उसे महत्त्व दे"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। प्रश्न अगले पद में जारी रहता है, लेकिन इस पद को एक अलग वाक्य बनाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य इतना महत्वपूर्ण नहीं है कि आप उसे बढ़ावा दें या उन पर अपना हृदय लगाएं"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:17 (#2)**""मनुष्य क्या है कि तू उसे महत्त्व दे"**

अथूब यहाँ भविष्य काल का उपयोग किए होंगे: (1) यह वर्णन करने के लिए कि परमेश्वर को क्या करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य क्या है, कि आप उसे बढ़ाएं, कि आप अपना हृदय उस पर लगाएं" या, एक कथन के रूप में, "मनुष्य इतना तुच्छ है कि आपको उसे नहीं बढ़ाना चाहिए या अपना हृदय उस पर नहीं लगाना चाहिए" (2) यह वर्णन करने के लिए कि परमेश्वर सामान्यतः क्या करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य क्या है, कि आप उसे बढ़ाते हैं और कि आप अपना हृदय उस पर लगाते हैं"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 7:17 (#3)**""और अपना मन उस पर लगाए"**

यहाँ, मन विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुमको अपना मन उन पर लगाना चाहिए" या "और तुमको उन पर ध्यान देना चाहिए"

देखें: रूपक

अथूब 7:18 (#1)**""और प्रति भोर को उसकी सुधि ले"**

अथूब भविष्य काल का प्रयोग अपने विश्वास के अनुसार परमेश्वर को क्या करना चाहिए इस विषय को बताने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने का अपना तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप उन्हें सुबह में देखने आएं और क्षणों में उनकी परीक्षा लें"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 7:18 (#2)**""और प्रति भोर को उसकी सुधि ले"**

उस प्रश्न को जारी रखते हुए जो उन्होंने पिछले पद में शुरू किया था अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको भोर में उसे देखने और क्षणों में उसकी परीक्षा लेने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:19 (#1)**""तू कब तक मेरी ओर आँख लगाए रहेगा"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काश आप मुझसे जल्द ही नजरें हटा लेते! काश आप मंद पड़ जाते जब तक मैं अपना थूक निगल न लूं"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:19 (#2)**""और इतनी देर के लिये भी मुझे न छोड़ेगा कि मैं अपना थूक निगल लूँ?"**

यहाँ इतनी देर शब्द का एक विशेष अर्थ है। अथूब परमेश्वर से यह नहीं पूछ रहे हैं, "क्या आप केवल तब छोड़ेंगे जब मैं अपना थूक निगलूँगा?" वह पूछ रहे हैं, "क्या आप कृपया इतना समय देंगे कि मैं अपना थूक निगल सकूँ?" यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे एक वैकल्पिक अनुवाद के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 7:19 (#3)**""कि मैं अपना थूक निगल लूँ"**

अथूब कि मैं अपना थूक निगल लूँ का उपयोग एक छोटे समय को दर्शने के लिए कर रहे हैं, क्योंकि थूक निगलने में केवल थोड़ी ही देर लगती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल एक छोटे समय में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 7:20 (#1)**""मैंने पाप तो किया होगा,"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "यदि मैंने पाप किया है, तो मैंने आपके लिए, जो मनुष्य को देख रहे हैं, कुछ भी नहीं किया है! आपको मुझे निशाना नहीं बनाना चाहिए था!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:20 (#2)

"तूने क्यों मुझे को अपना निशाना बना लिया है"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच एक निशाना हों, जिसे परमेश्वर तीरों या बरछे से मार रहे हों। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें उन पापों के लिए दंडित कर रहे हैं जो उन्होंने किए हो सकते हैं। यदि आपके भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे इस तरह क्यों दंडित कर रहे हैं?" या, एक विस्मयादिबोधक के रूप में, "आपको मुझे इस तरह दंडित करने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: रूपक

अथूब 7:20 (#3)

"यहाँ तक कि मैं अपने ऊपर आप ही बोझ हुआ हूँ"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच एक भारी वजन या बोझ उठा रहे हों। वह जीवन को अधिक कठिन बनाने की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, क्या मैं अपना ही जीवन अधिक कठिन बना रहा हूँ?"

देखें: रूपक

अथूब 7:20 (#4)

"यहाँ तक कि मैं अपने ऊपर आप ही बोझ हुआ हूँ"

पारंपरिक हस्तलिपियों के इब्रानी बाइबल में एक हाशिये की टिप्पणी यह दर्शाती है कि लिपिकारों ने इस पठन को "क्या मैं तेरे लिए बोझ हूँ" से बदलकर मैं अपने आप के लिए बोझ हूँ कर दिया। लिपिकारों ने यह परिवर्तन इस असुविधाजनक सुझाव से बचने के लिए किया कि एक मनुष्य के पाप का प्रभाव परमेश्वर पर हो सकता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उसमें प्रयुक्त पाठ का उपयोग कर सकतें हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यूएलटी. के पठन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, क्या मैं तेरे लिए बोझ हूँ?" या "मैं तेरे लिए बोझ नहीं हूँ!"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 7:20 (#5)

"यहाँ तक कि मैं अपने ऊपर आप ही बोझ हुआ हूँ"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच अपने लिए या परमेश्वर के लिए एक बोझ हों। उसका मतलब यह है कि वह वास्तव में अपने लिए या परमेश्वर के लिए जीवन को अधिक कठिन नहीं बना रहा है, जैसा कि बोझ तब होता है जब किसी को उसे उठाना पड़ता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने जीवन को अधिक कठिन नहीं बना रहा हूँ!" या "मैं आपके जीवन को अधिक कठिन नहीं बना रहा हूँ!"

देखें: रूपक

अथूब 7:21 (#1)

"और तू क्यों मेरा अपराध क्षमा नहीं करता? और मेरा अधर्म क्यों दूर नहीं करता?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं क्योंकि दूसरे वाक्य में अथूब उस कारण को प्रस्तुत करते हैं जो वह पहले वाक्य में कहते हैं कि परमेश्वर को क्या करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "जल्द ही मैं धूल में लेट जाऊँगा, और आप मुझे पूरी लगन से खोजेंगे, लेकिन मेरा अस्तित्व नहीं रहेगा। तो आप मेरे अपराध को क्षमा क्यों नहीं करते और मेरी अधर्म को दूर क्यों नहीं करते?"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 7:21 (#2)

"और तू क्यों मेरा अपराध क्षमा नहीं करता? और मेरा अधर्म क्यों दूर नहीं करता?"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से सुझाव दे रहे हैं कि परमेश्वर उन्हें क्षमा कर दें ताकि वह उस थोड़े समय के दौरान जब वह अपनी भी पृथ्वी पर जीवित रहेंगे, एक अच्छा संबंध बना सकें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे अपराध को क्यों नहीं क्षमा करेंगे और मेरी अधर्मता को दूर क्यों नहीं करेंगे ताकि हम एक अच्छा संबंध बना सकें?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 7:21 (#3)

"और तू क्यों मेरा अपराध क्षमा नहीं करता? और मेरा अधर्म क्यों दूर नहीं करता"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको मेरे अपराध को क्षमा करना चाहिए और मेरे पाप को दूर करना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 7:21 (#4)

"अब तो मैं मिट्टी में सो जाऊँगा"

अथूब **मिट्टी** में सो जाऊँगा के मुहावरे का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह मर जाएंगे, क्योंकि इस संस्कृति में जो लोग मरते थे, उन्हें कब्र में रखकर जमीन या **मिट्टी** में दफनाया जाता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जल्द ही मर जाऊँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 8 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और प्रारूप

इस अध्याय में, अथूब के मित्र बिल्दद, अध्याय 6 और 7 में अथूब द्वारा कही गई बातों का उत्तर देते हैं।

यूलटी इस अध्याय की पांक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

बिल्दद ने अथूब को उनके अपने शब्दों में उत्तर दिया

7:21 में, अपने भाषण के अंत में, अथूब ने सुझाव दिया कि परमेश्वर शायद उन्हें यन से ढूँढ़ेगा। 8:5 में, बिल्दद अपने उत्तर में कहते हैं कि वास्तव में अथूब को ही परमेश्वर को यन से ढूँढ़ने की आवश्यकता है। अपने पाठकों को यह समझने में मदद करने के लिए कि बिल्दद कैसे अथूब के अपने शब्दों में उत्तर दे रहे हैं, आप बिल्दद की अभिव्यक्ति यन से ढूँढ़ेगा का उसी तरह अनुवाद करना चाह सकते हैं जैसा आपने इसे 7:21 में अथूब द्वारा उपयोग किए जाने पर किया था।

उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अपने भाषण में, बिल्दद अथूब को उनके पूर्वजों की बुद्धिमत्ता पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। पद 11-22 में, वह संभवतः पारंपरिक शिक्षाओं से उद्धरण दे रहे हैं। टिप्पणियाँ सुझाव देती हैं कि यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से एक प्रत्यक्ष उद्धरण के अंदर दूसरा उद्धरण रख सकती है, तो इन पदों को एक द्वितीयक उद्धरण के रूप में विरामित करने की संभावना है।

अथूब 8:2 (#1)

"तू कब तक ऐसी-ऐसी बातें करता रहेगा?"

बिल्दद कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम कब तक ये बातें कहते रहोगे, और तुम्हारे मुँह के शब्द कब तक प्रचंड वायु बनेंगे"

देखें: पदलोप

अथूब 8:2 (#2)

"तू कब तक ऐसी-ऐसी बातें करता रहेगा?"

बिल्दद जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें ये बातें नहीं कहनी चाहिए, और तुम्हारे मुँह के शब्द प्रचंड वायु नहीं बनने चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 8:2 (#3)

"तेरे मुँह की बातें"

बिल्दद **मुँह** शब्द का इस्तेमाल बोलने के लिए कर रहा है, जिसका संबंध लोगों के मुँह से बोलने के तरीके से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके द्वारा बोले गए शब्द" या किसी अन्य संभावना के लिए अगली टिप्पणी देखें।

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 8:2 (#4)**"तेरे मुँह की बातें"**

ऐसा लग सकता है कि इस अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी है जिसे आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वाभाविक होगा। अगर ऐसा है, तो आप इसे छोटा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके शब्द" या "आप क्या कहते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना

अथूब 8:2 (#5)**"और" - प्रचण्ड वायु सी रहेगी?"**

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो अथूब के **शब्द** सचमुच एक **प्रचंड हवा** हों। उसका मतलब है कि अथूब बहुत सी बातें जोर देकर कह रहा है, लेकिन वे सारगम्भित नहीं हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... इतना आग्रहपूर्ण लेकिन इतना अवास्तविक"

देखें: रूपक

अथूब 8:3 (#1)**"क्या परमेश्वर अन्याय करता है?"**

यदि आपकी भाषा **न्याय** और **धार्मिकता** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर ऐसे काम करता है जो न्यायपूर्ण नहीं हैं? क्या सर्वशक्तिमान ऐसे काम करता है जो धार्मिक नहीं हैं?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 8:3 (#2)**"क्या परमेश्वर अन्याय करता है?"**

बिलदद जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर न्याय को विकृत नहीं करता है! नहीं, सर्वशक्तिमान धार्मिकता को विकृत नहीं करता है!" या, सकारात्मक रूप से, "परमेश्वर हमेशा वही करता है जो

न्यायपूर्ण है! हाँ, सर्वशक्तिमान हमेशा वही करता है जो धार्मिक है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 8:4 (#1)**"तो उसने उनको उनके अपराध का फल भुगताया है।"**

अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर उसने उन्हें उनके पापों के अधीन कर दिया" या "फिर उन्होंने उन्हें उनके पापों के नियंत्रण में कर दिया"

देखें: मुहावरा

अथूब 8:4 (#2)**"तो उसने उनको उनके अपराध का फल भुगताया है।"**

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो अथूब के **बच्चों** के पाप कोई जीवित चीज़ थी जिसने उन पर शक्ति का प्रयोग किया और उन्हें मार डाला। उसका वास्तव में मतलब है कि परमेश्वर ने अथूब के बच्चों को उनके पापों के लिए दण्डित करने के लिए मार डाला। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर परमेश्वर ने उन्हें उनके पापों के लिए मार कर दण्डित किया"

देखें: मानवीकरण

अथूब 8:5 (#1)**"तो भी यदि तू आप परमेश्वर को यत्न से ढूँढ़ता"**

जोर देने के लिए, बिलदद सर्वनाम आप का उल्लेख कर रहा है, जिसका अर्थ किया यत्न से ढूँढ़ता में पहले से ही मौजूद है। यदि आपकी भाषा जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में उस निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को लाने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप स्वयं परमेश्वर की खोज में तत्पर हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 8:5 (#2)**"और सर्वशक्तिमान से गिङ्गिङ्गाकर विनती करता"**

बिलदद कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अगर आप सर्वशक्तिमान से निवेदन करते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 8:6 (#1)

"निर्मल और धर्मी"

निर्मल और धर्मी शब्दों का मतलब एक जैसा ही है। बिलदद जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश से जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में धार्मिक"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 8:6 (#2)

"तो निश्चय वह तेरे लिये जागता"

लिये जागता भाव का एक संभावित अर्थ है "जागना।" अगर आपके क्षेत्र में पहले से ही बाइबल का कोई अनुवाद है, तो उसमें कुछ इस तरह लिखा हो सकता है। बिलदद इस तरह बोल रहा है मानो परमेश्वर सो रहा हो और जब उसे एहसास हुआ कि अथूब को मदद की ज़रूरत है और वह इसके लायक है, तो वह सचमुच जाग गया होगा। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आपकी मदद करने के लिए जल्दी आएगा"

देखें: रूपक

अथूब 8:6 (#3)

"तेरी धार्मिकता का निवास"

बिलदद अथूब के एक पहलू उसकी धार्मिकता का उपयोग करके उसे एक धार्मिक व्यक्ति के रूप में पूरी तरह से व्यक्त कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक धार्मिक व्यक्ति के रूप में आपका निवास"

देखें: उपलक्षण

अथूब 8:6 (#4)

"तेरी धार्मिकता का निवास"

बिलदद उस स्थिति के बारे में बात कर रहा है जिसके बारे में उसका मानना है कि अथूब एक धर्मी व्यक्ति के रूप में योग्य होगा, जैसे कि वह स्थिति वास्तव में एक निवास स्थान या स्थान थी जहाँ अथूब रहता था। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको जीवन में उस स्थिति में वापस लाएं जिसका एक धर्मी व्यक्ति हकदार है"

देखें: रूपक

अथूब 8:7 (#1)

"चाहे तेरा भाग पहले छोटा ही रहा हो"

चूँकि, जैसा कि 1:3 में कहा गया है, अथूब पहले एक विशाल क्षेत्र में सबसे महान व्यक्ति था, ऐसा नहीं है कि उसकी पहले, यानी उसकी पिछली स्थिति, छोटी थी। बिलदाद वास्तव में जो कह रहा है उसके शास्त्रिक अर्थ के विपरीत संचार करना चाहता है। उसका मतलब है कि अथूब की पिछली स्थिति, भले ही महान थी, भविष्य में अथूब द्वारा अनुभव की जाने वाली बहुत बड़ी समृद्धि की तुलना में छोटी लगेगी यदि वह लगन से परमेश्वर की खोज करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि आपकी पिछली स्थिति महान थी, लेकिन आपका भविष्य इतना महान होगा कि पिछली स्थिति ऐसी लगेगी जैसे कि वह छोटी थी"

देखें: विरोधाभास

अथूब 8:7 (#2)

"परन्तु अन्त में तेरी बहुत बढ़ती होती।"

बिलदद अथूब के अंत की बात कर रहा है, यानी जीवन में उसकी अंतिम स्थिति, मानो वह कोई जीवित चीज़ हो जो बढ़ सकती है। उसका मतलब है कि अंत में अथूब की समृद्धि बहुत बढ़ जाएगी। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी अंत में आपकी समृद्धि बहुत बढ़ जाएगी"

देखें: मानवीकरण

अथूब 8:8 (#1)

"पिछली पीढ़ी के लोगों से तो पूछ"

बिलदद ऐसे बोल रहे हैं मानो अथ्यूब सचमुच पिछली पीढ़ियों के लोगों से सलाह मांग सकता हो। उसका मतलब है कि अथ्यूब को उस ज्ञान पर विचार करना चाहिए जो उन लोगों ने परंपरा के माध्यम से अपने वंशजों को दिया है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पारंपरिक ज्ञान पर विचार करें जो पिछली पीढ़ियों ने हमें दिया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:8 (#2)

"उनके पुरखाओं"

बिलदद पुरखा शब्द का इस्तेमाल "पूर्वजों" के लिए कर रहा है। अगर आपके पाठक इसे गलत समझ रहे हैं, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पूर्वज"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:9 (#1)

"क्योंकि हम तो कल ही के हैं, और कुछ नहीं जानते"

बिलदाद कह रहे हैं कि वह, अथ्यूब और उनके दो अन्य मित्र कल ही पैदा हुए हैं और उन्हें कुछ भी नहीं पता। वह इन दोनों बातों को ज़ोर देने के लिए अतिशयोक्ति के रूप में कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप ज़ोर देने को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम बहुत लंबे समय से जीवित नहीं हैं और हम बहुत कुछ नहीं जानते हैं"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 8:9 (#2)

"क्योंकि हम - और कुछ नहीं जानते"

हम से बिलदद का तात्पर्य स्वयं से, अन्य मित्रों से और अथ्यूब से है, जिससे वह बात कर रहा है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अपने अनुवाद में उन शब्दों के समावेशी रूप का प्रयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथ्यूब 8:9 (#3)

"और पृथ्वी पर हमारे दिन छाया के समान बीतते जाते हैं"

बिलदद ऐसे बोल रहे हैं मानो उनके और अथ्यूब तथा अन्य मित्रों के पृथ्वी पर बिताए दिन सचमुच एक छाया हो। उसका मतलब है कि जैसे छाया थोड़े समय के लिए ही दिखाई देती है, वैसे ही लोग भी थोड़े समय के लिए ही पृथ्वी पर होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पारंपरिक ज्ञान पर विचार करें जो पिछली पीढ़ियों ने हमें दिया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:9 (#4)

"और पृथ्वी पर हमारे दिन छाया के समान बीतते जाते हैं"

बिलदद एक विशिष्ट समय को संदर्भित करने के लिए दिनों शब्द का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर हमारा समय एक छाया है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 8:10 (#1)

"क्या वे लोग तुझ से शिक्षा की बातें न कहेंगे?"

सर्वनाम वे लोग "पिछली पीढ़ियों" को संदर्भित करते हैं, अर्थात्, वे पूर्वज जिनका वर्णन बिलदद ने पद 8 में किया है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या पिछली पीढ़ियाँ तुम्हें नहीं सिखाएँगी? हमारे पूर्वज तुमसे बातें करेंगे, और अपने हृदय से वे शब्द निकालेंगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 8:10 (#2)

"क्या वे लोग तुझ से शिक्षा की बातें न कहेंगे?"

बिलदद ऐसे बोल रहे हैं मानो अथ्यूब के पूर्वज उसे सिखाएँगे और उससे बात करेंगे। उसका मतलब शाब्दिक रूप से यह नहीं है। इसके बजाय, उसका मतलब है कि अथ्यूब उस संचित ज्ञान से सीख सकता है जो परंपरा के माध्यम से उनके पूर्वजों से उन्हें मिला है। बिलदद अपने भाषण के बाकी हिस्सों में इस पारंपरिक शिक्षा का सारांश देगे। खासकर अगर आपकी संस्कृति में पूर्वजों की आराधना का चलन है, तो अपने अनुवाद में इस अर्थ को स्पष्ट करना सुनिश्चित करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप उनसे प्राप्त पारंपरिक शिक्षाओं से बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह ऐसा होगा जैसे वे आपसे बात कर रहे हों और अपने दिल से शब्द निकाल रहे हों"

देखें: मुहावरा

अथूब 8:10 (#3)

"क्या वे लोग तुझ से शिक्षा की बातें न कहेंगे?"

बिलदद जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विसम्यादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे निश्चित रूप से आपको सिखाएंगे।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 8:10 (#4)

"क्या वे अपने मन से बात न निकालेंगे?"

बिलदद ऐसे बोल रहे हैं मानो पूर्वज सचमुच अपने मनो से बात निकालेंगे, मानो उनके मन ऐसे पात्र हों जिनमें शब्द हों और मानो शब्द भौतिक वस्तुएँ हों जिन्हें कोई व्यक्ति सामने ला सकता है। वह मन शब्द का इस्तेमाल किसी व्यक्ति के विचारों और भावनाओं के लिए कर रहा है। वह कह रहा है कि परंपरा के माध्यम से पूर्वजों ने अपने सबसे प्रिय विश्वासों और जीवन में सीखे गए सबसे गहन पाठों को आगे बढ़ाया है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे आपके साथ अपनी सबसे प्रिय अंतर्दृष्टि साझा करेंगे"

देखें: उपमा

अथूब 8:11 (#1)

"क्या कछार की घास पानी बिना बढ़ सकती है?"

यहाँ से अध्याय के अंत तक, बिलदद पूर्वजों की शिक्षा को उद्धृत कर रहा होगा। यह एक दूसरे स्तर का उद्धरण होगा, क्योंकि पुस्तक पहले से ही बिलदद के भाषण को उद्धृत कर रही है। यदि आपको लगता है कि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप परंपरा से इस संभावित उद्धरण की शुरुआत को दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न या परंपरा से इंगित कर सकते हैं जिसका उपयोग आपकी भाषा दूसरे स्तर के उद्धरण की शुरुआत को इंगित करने के लिए करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

अथूब 8:11 (#2)

"क्या कछार की घास पानी बिना बढ़ सकती है?"

बिलदद जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का कथनों या विसम्यादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सरकण्डा दलदल के बिना नहीं बढ़ता। एक नरकट पानी के बिना नहीं बढ़ता।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 8:11 (#3)

"सरकंडा"

सरकण्डा शब्द एक लंबा, ईख जैसा पौधा के लिए इस्तेमाल किया गया है जो उथले पानी में उगता है। यदि आपके पाठक सरकण्डा के बारे में नहीं जानते हैं, तो आप अपने अनुवाद में अपने क्षेत्र में किसी तुलनीय पौधे का नाम इस्तेमाल कर सकते हैं, या आप कोई सामान्य अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नरकट" या "एक नरकुल"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 8:12 (#1)

"चाहे वह हरी हो"

यदि आपकी भाषा में हरी के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। विचार यह है कि दलदली पौधे अपने जीवन चक्र के अंत में सूख जाते हैं और रंग खो देते हैं, जबकि यह एक युवा पौधा है जो अभी भी रंगीन है और बढ़ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "युवा और बढ़ रहा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 8:12 (#2)

"तो भी वह और सब भाँति की घास से पहले ही सूख जाती है"

बिलदद को लगता है कि अथूब समझ जाएगा कि उसका मतलब यह है कि एक युवा, बिना कटा हुआ नरकट भी पानी के बिना सूख जाता है। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन पानी के बिना यह किसी भी अन्य पौधे से पहले सूख जाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 8:12 (#3)

"तो भी वह और सब भाँति की घास से पहले ही सूख जाती है"

बिलदद ने ज़ोर देने के लिए सामान्यीकरण के रूप में **सब भाँति की** कहा है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप ज़ोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन पानी के बिना यह बहुत जल्दी सूख जाता है"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 8:13 (#1)

"परमेश्वर के सब बिसरानेवालों की गति ऐसी ही होती है"

बिलदद लोगों के साथ होने वाली घटनाओं के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वे सचमुच रास्ते हों जिन पर वे लोग चल रहे हों। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वही है जो उन सभी के साथ होता है जो परमेश्वर को भूल जाते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:13 (#2)

"और भक्तिहीन की आशा टूट जाती है"

यदि आपकी भाषा में **आशा** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं होती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अधर्मी वह नहीं पाएंगे जिसकी वे आशा करते हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 8:13 (#3)

"भक्तिहीन"

बिलदाद एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण **भक्तिहीन** का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "**ईश्वरविहीन व्यक्ति**"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 8:14 (#1)

"उसकी आशा का मूल कट जाता है"

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो भक्तिहीन व्यक्ति का आशा सचमुच टूट जाता है और मानो भक्तिहीन व्यक्ति का आशा सचमुच मकड़ी का जाला (**मकड़ी का घर**) हो। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसका भरोसा निराधार साबित होता है और जिसका भरोसा अविश्वसनीय होता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:14 (#2)

"उसकी आशा का मूल कट जाता है"

यदि आपकी भाषा में **आत्मविश्वास** और **भरोसे** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे भरोसा है कि कुछ चीजें होंगी, लैकिन वे नहीं होती हैं; वह कुछ लोगों और चीजों पर भरोसा करता है कि वे उसकी मदद करेंगे, लैकिन वे नहीं करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 8:14 (#3)

"और" - "वह मकड़ी का जाला ठहरता है"

बिलदद **मकड़ी का जाला** का इस्तेमाल किसी कमज़ोर और अविश्वसनीय चीज़ को दर्शाने के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप तुलना के तौर पर इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जिसका भरोसा मकड़ी के जाले जितना कमज़ोर और अविश्वसनीय है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 8:15 (#1)

"चाहे वह अपने घर पर टेक लगाए परन्तु वह न ठहरेगा;"

बिलदद एक अधर्मी व्यक्ति के बारे में इस तरह बात कर रहा है जैसे कि वह सचमुच **अपने घर** का टेका लेता है और उसे ऐसे गिरा देता है कि उसकी मरम्मत कभी न हो सके। घर अधर्मी व्यक्ति की संपत्ति और स्थिति को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी व्यक्ति को अपनी संपत्ति और

स्थिति को खोने में ज्यादा समय नहीं लगता है और उन्हें वापस पाने की कोई उम्मीद नहीं होती है"

देखें: रूपक

अथूब 8:15 (#2)

"परन्तु वह न ठहरेगा;"

अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में इन नकारात्मक कथनों के स्थान पर सकारात्मक कथनों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह ढह जाता है ... लेकिन यह ढहा हुआ ही रहता है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 8:15 (#3)

"परन्तु वह न ठहरेगा;"

बिलदद एक नास्तिक व्यक्ति के घर के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे कि वह एक जीवित चीज़ हो जो अपने आप उठ सकती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह इसे फिर से सीधा खड़ा नहीं कर सकता" या "लेकिन वह इसे ठीक नहीं कर सकता"

देखें: मानवीकरण

अथूब 8:16 (#1)

"वह धूप पाकर हरा भरा हो जाता है,"

बिलदद अब एक अधर्मी व्यक्ति के बारे में ऐसे बात करता है जैसे वह एक पौधा हो। अधर्मी लोगों द्वारा आनंदित की जाने वाली अस्थायी समृद्धि को दर्शनि के लिए, वह इस पौधे के फलने-फूलने का वर्णन करता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ तुलना के रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अधर्मी व्यक्ति पहले एक पौधे की तरह पनप सकता है जिसे भरपूर धूप मिल रही हो और जिसकी शाखाएँ उस पूरे बगीचे में फैल जाती हैं जिसमें इसे लगाया गया है"

देखें: रूपक

अथूब 8:16 (#2)

"वह धूप पाकर हरा भरा हो जाता है"

यहाँ शब्द का अर्थ है "सामने" या "किसी चीज़ की उपस्थिति में"। बिलदद का अर्थ है कि पौधा इसलिए हरा-भरा है क्योंकि उसे भरपूर धूप मिलती है। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसे भरपूर धूप मिलती है"

देखें: रूपक

अथूब 8:17 (#1)

"उसकी जड़ कंकड़ों के ढेर में लिपटी हुई रहती है"

बिलदद अधर्मी व्यक्ति और उसकी अस्थायी समृद्धि के बारे में इस तरह बात करना जारी रखता है जैसे कि वह एक पौधा हो। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी व्यक्ति पहले सुरक्षित हो सकता है, जैसे एक पौधा जिसकी जड़ें पत्थरों के ढेर के चारों ओर लिपटी होती हैं, एक पौधा जो पत्थरों के बीच मजबूती से जड़ जमाता है"

देखें: रूपक

अथूब 8:17 (#2)

"उसकी जड़ कंकड़ों के ढेर में लिपटी हुई रहती है"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अपनी जड़ों को पत्थरों के ढेर के चारों ओर लपेटता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 8:17 (#3)

"और वह पत्थर के स्थान को देख लेता है"

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो यह पौधा रहने के लिए घर की तलाश कर रहा हो। उसका मतलब है कि यह पौधा चट्टानों के बीच सुरक्षित जगह पर स्वाभाविक रूप से अपनी जड़ें जमा लेता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह चट्टानों के बीच सुरक्षित जगह पर अपनी जड़ें जमा लेता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 8:18 (#1)**"जब"**

इस पद में, बिलदद पिछले दो पदों में वर्णित समृद्धि और अधर्मी व्यक्ति के अपरिहार्य विनाश के बीच अंतर को दर्शा रहा है। अपने अनुवाद में, आप इस पद को इस तरह से पेश कर सकते हैं जो इस अंतर को और अधिक स्पष्ट रूप से इंगित करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जब"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

अथूब 8:18 (#2)**"वह अपने स्थान पर से नाश किया जाए"**

सर्वनाम वह अपने पहले और तीसरे उदाहरणों में उस पौधे को संदर्भित करता है जिसका वर्णन बिलदद कर रहा है, और यह अपने दूसरे उदाहरण में उस स्थान को संदर्भित करता है जिस पर पौधा था। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई ऐसे पौधे को उसके स्थान से नष्ट कर देता है, तो वह स्थान जहाँ वह पहले रहता था, उसे अस्वीकार कर देगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

Job 8:18 (#3)**"यह कहकर मुँह मोड़ लेगा, मैंने उसे कभी देखा ही नहीं"**

आपकी भाषा में यहाँ अप्रत्यक्ष उद्धरण रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इनकार करेगा कि उसने कभी इसे देखा था"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 8:18 (#4)**"उससे यह कहकर मुँह मोड़ लेगा, मैंने उसे कभी देखा ही नहीं"**

बिलदद पौधे के स्थान के बारे में इस तरह से बात कर रहा है जैसे कि वह कोई जीवित चीज़ हो जो चीज़ों को पहचान सके और बोल सके। इस वाक्यांश का अर्थ [7:10](#) में "उसका स्थान उसे फिर कभी नहीं पहचान पाएगा" वाक्यांश के अर्थ के समान है। इस मामले में, बिलदद कह रहा है कि पौधे को इतनी अच्छी तरह से हटा दिया जाएगा कि उसके पिछले स्थान को यह विश्वास हो जाएगा कि वह शुरू से ही वहाँ था ही नहीं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो

आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा होगा जैसे कि वह कभी वहाँ था ही नहीं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 8:19 (#1)**"उसकी आनन्द भरी चाल"**

बिलदद का वास्तव में मतलब अपने शब्दों के शाब्दिक अर्थ के विपरीत बात करना है। वह जोर देने के लिए इस तरह से बोल रहा है। उसका मतलब यह नहीं है कि अधर्मी व्यक्ति को वास्तविक आनंद मिलता है। ऐसे व्यक्ति के पास अस्थायी समृद्धि हो सकती है, लेकिन फिर वह अपने जीवन जीने के तरीके के परिणामस्वरूप दुःख का अनुभव करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने मार्ग का दुःख"

देखें: विरोधाभास

अथूब 8:19 (#2)**"उसकी आनन्द भरी चाल यही है"**

बिलदद इस बारे में बात कर रहा है कि एक व्यक्ति किस तरह से जीवन जीता है, मानो वह एक रास्ता या **मार्ग** हो जिस पर वह व्यक्ति चल रहा है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके चाल-चलन से उत्पन्न होने वाला दुःख"

देखें: रूपक

अथूब 8:19 (#3)**"फिर उसी मिट्टी में से दूसरे उगेंगे"**

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो अधर्मी व्यक्ति कोई पौधा हो। जब वह कहता है कि धूल (यानी, जमीन) से **अन्य** पौधे उग आएंगे, तो उसका मतलब है कि जब अधर्मी व्यक्ति का आचरण उसके विनाश का कारण बनेगा, तो दूसरे लोग उसकी जगह ले लेंगे। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दूसरे लोग उसका स्थान और उसकी संपत्ति ले लेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 8:20 (#1)

"परमेश्वर न तो खरे मनुष्य को निकम्मा जानकर छोड़ देता है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक को अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें नकारात्मक कण न और नकारात्मक क्रिया छोड़ शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हमेशा निर्दोष को स्वीकार करेगे"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 8:20 (#2)

"खरे मनुष्य"

बिलदद खरे शब्द का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो निर्दोष है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 8:20 (#3)

"और न बुराई करनेवालों को सम्भालता है"

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर दुष्टों को सचमुच संभालता है ताकि वे नीचे न गिरें। उसका मतलब है कि परमेश्वर उन लोगों को मजबूत या समर्थन नहीं देता जो बुराई करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह दुष्टों की मदद नहीं करेगा"

देखें: रूपक

अथूब 8:21 (#1)

"वह तो तुझे हँसमुख करेगा;"

बिलदद कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "वह फिर से तुम्हारे मुँह को हँसी से भर देगा, और वह तुम्हारे होठों को जयजयकार से भर देगा"

देखें: पदलोप

अथूब 8:21 (#2)

"वह तो तुझे हँसमुख करेगा"

मूल में हँसी से मुँह भरना लिखा है जो हिंदी में अनुपस्थित है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह फिर भी तुम्हें बहुत आनंद से जयजयकार कराएगा"

देखें: रूपक

अथूब 8:21 (#3)

"वह तो तुझे हँसमुख करेगा; और तुझ से जयजयकार कराएगा"

बिलदद अथूब एक हिस्से, उसके मुख का इस्तेमाल कर रहा है, जो अथूब के हँसने और खुशी से जयजयकार के सभी कामों का संकेत देता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुम्हें फिर भी बहुत खुशी से हँसाएगा और बहुत खुशी के जयजयकार से भर देगा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 8:22 (#1)

"तेरे बैरी लज्जा का वस्त्र पहनेगे"

बिलदद ऐसे बोल रहा है मानो अथूब के दुश्मन सचमुच लज्जा अपने कपड़ों की तरह पहनेगे। उसका मतलब है कि जब परमेश्वर अथूब का सम्मान करेगा और उसे बहाल करेगा, तो वे अथूब का विरोध करने के लिए बहुत शर्मिदा होंगे। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत शर्मिदा होंगे"

देखें: रूपक

अथूब 8:22 (#2)

"और दुष्टों का डेरा कहीं रहने न पाएगा"

बिलदद दुष्टों की एक संपत्ति, जिस डेरा में वे रहते हैं, का उपयोग उनकी सारी संपत्ति और समुदाय में उनकी स्थिति के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दुष्ट बिना किसी स्थिति या साधन के होंगे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 8:22 (#3)

"दुष्टों"

बिलदद एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में **दुष्ट** विशेषण का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 8:22 (#4)

"कहीं रहने न पाएगा"

यदि आपने दूसरे स्तर के उद्धरण के रूप में पद 11-22 को विराम चिह्न के रूप में लगाने का निर्णय लिया है, तो इस उद्धरण के अंत को दूसरे स्तर के समापन उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न के साथ इंगित करें, जिसका उपयोग आपकी भाषा दूसरे स्तर के उद्धरण के अंत को इंगित करने के लिए करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

अथूब 9 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और प्रारूप

यह अध्याय अथूब की बिलदद के पहले भाषण के प्रति प्रतिक्रिया है। [8:5](#) में, बिलद ने अथूब से कहा कि उन्हें परमेश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए। इसके जवाब में, अथूब इस अध्याय में विरोध करते हैं कि एक मनुष्य परमेश्वर से प्रार्थना नहीं कर सकता।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

वाग्मितापूर्ण प्रश्न

पद 5-10 में, अथूब परमेश्वर की सामर्थ के बारे में कथनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं। ये विशेष कथन उस मुख्य कथन को दर्शाते हैं जो अथूब पद 4 में देते हैं कि "परमेश्वर बुद्धिमान और अति सामर्थी है"। इस प्रकार के कथनों की श्रृंखला को वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) कहा जाता है। यदि आपके पाठक

समझेंगे कि अथूब क्या कर रहे हैं, तो आप इस वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का अनुवाद और प्रारूप यूएलटी की तरह कर सकते हैं। यदि वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का रूप आपके पाठकों के लिए परिचित नहीं होगा, तो आप मुख्य कथन को इस तरह प्रारूपित कर सकते हैं कि यह एक सारांश कथन दिखाए जो अथूब के कहने का समग्र अर्थ दिखाता है। आप फिर वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) के प्रत्येक वाक्य को अलग पंक्ति में रख सकते हैं। प्रारूप कुछ इस तरह दिख सकता है: परमेश्वर बुद्धिमान हैं और अति सामर्थी हैं (उसके विरोध में हठ करके कौन कभी प्रबल हुआ है?),

जो पहाड़ों को हटा देते हैं और वे नहीं जानते, जो अपने क्रोध में उन्हें उलट देते हैं, जो पृथकी को उसकी जगह से हिला देते हैं और उसके खम्भों को कांपने पर मजबूर कर देते हैं जो सूर्य से कहते हैं और वह नहीं उगता, और तारों पर मुहर लगाते हैं, जो आकाशमण्डल को अकेले ही फैलाते हैं और समुद्र की लहरों पर चलते हैं, जो सप्तर्षि, मृगशिरा और कचपचिया और दक्षिण के नक्षत्रों को बनाते हैं, जो बड़े-बड़े कार्य करते हैं जिनका कोई पता नहीं लगा सकता और इतने आश्वर्यकर्म करते हैं जिनकी कोई गिनती नहीं कर सकता।

अथूब 9:2 (#1)

"परन्तु मनुष्य परमेश्वर की वृष्टि में कैसे धर्मी ठहर सकता है"

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मनुष्य परमेश्वर की वृष्टि में धर्मी नहीं ठहर सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 9:2 (#2)

"मनुष्य"

यहाँ पुलिंग शब्द **मनुष्य** का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथ्यूब 9:3 (#1)

"चाहे वह उससे मुकद्दमा लड़ना भी चाहे"

वचन के इस भाग में, सर्वनाम वह "एक मनुष्य" को सन्दर्भित करता है और सर्वनाम उससे परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। इसे आपके पाठकों के लिए स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई मनुष्य परमेश्वर से मुकद्दमा लड़ना भी चाहे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 9:3 (#2)

"उससे मुकद्दमा लड़ना"

अथ्यूब मानते हैं कि बिल्दद समझेंगे कि वह मुकद्दमा शब्द का उपयोग परमेश्वर के विरुद्ध औपचारिक न्यायिक शिकायत को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। इस संस्कृति में, लोग ऐसी शिकायतें समाज के अगुओं के सामने सार्वजनिक स्थानों, जैसे कि नगर के फाटक पर करते थे। प्रत्येक पक्ष अगुओं की उपस्थिति में एक-दूसरे से प्रश्न पूछता था, जो फिर उस विषय पर चर्चा करते थे और समाधान करने के लिये निर्णय लेते थे। अथ्यूब सम्भवतः वर्णन कर रहे हैं कि कैसे उन्होंने 29:21-23 में ऐसे विषयों में एक अगुए के रूप में भाग लिया। आपकी भाषा में इस प्रक्रिया के लिये एक अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को कचहरी में ले जाना" या "परमेश्वर के विरुद्ध आरोप लगाना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 9:3 (#3)

"मनुष्य ... उत्तर न दे सकेगा"

हिन्दी बाइबल में संज्ञा "मनुष्य" पहले से ही दी गई है, इसलिए यहाँ "वह" का सर्वनाम नहीं है। यहाँ चाहे तो "मनुष्य" के लिये सर्वनाम "वह" का उपयोग कर सकते हैं। और "परमेश्वर" के लिये "उसे" शब्द छोड़ा गया है, इसलिए यहाँ "उसे" जोड़ा गया है। वचन के इस भाग में, (1) सर्वनाम वह मनुष्य को सन्दर्भित करता है और सर्वनाम उसे परमेश्वर को सन्दर्भित कर सकता है। यह सम्भव लगता है, क्योंकि परमेश्वर के ज्ञान और शक्ति का वर्णन करने के बाद, अथ्यूब 9:14 में पूछते हैं

कि वे परमेश्वर को कैसे उत्तर दे सकते हैं और 9:32 में कहते हैं कि परमेश्वर "मेरे तुल्य मनुष्य नहीं है कि मैं उससे वाद-विवाद कर सकूँ।" वैकल्पिक अनुवाद: "एक मनुष्य परमेश्वर से वाद-विवाद नहीं करेगा" (2) सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित कर सकता है और सर्वनाम उसे एक मनुष्य को सन्दर्भित कर सकता है। यह भी एक सम्भावना है, क्योंकि अथ्यूब 30:20 में विरोध करते हैं कि परमेश्वर उनकी नहीं सुनते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मनुष्य की नहीं सुनते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 9:3 (#4)

"मनुष्य ... उत्तर न दे सकेगा"

यदि अथ्यूब का अर्थ है कि एक मनुष्य परमेश्वर को उत्तर नहीं दे सकता, तो वह भविष्य काल का उपयोग यह बताने के लिये कर रहे हैं कि एक व्यक्ति जो करने में सक्षम हो। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने का अपना तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उन्हें उत्तर नहीं दे सका" या "वह उन्हें उत्तर देने में सक्षम नहीं होगा"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथ्यूब 9:3 (#5)

"हजार बातों में से एक"

हजार बातों में से एक ... न अभिव्यक्ति (अर्थात्, हजार में से एक बार भी नहीं) जोर देने के लिए उपयोग किया गया एक अतिशयोक्तिपूर्ण कथन है। यह सम्भव नहीं है कि कचहरी की बात में एक पक्ष दूसरे पक्ष से हजार प्रश्न पूछे। अथ्यूब का अर्थ है कि कोई व्यक्ति परमेश्वर को संतोषजनक उत्तर देने का एक भी तरीका नहीं ढूँढ़ पाएगा, चाहे परमेश्वर कितने भी प्रश्न पूछें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाहे वे कितने भी प्रश्न पूछें"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 9:4 (#1)

"परमेश्वर बुद्धिमान ... है"

हिन्दी बाइबल में सर्वनाम "वह" के स्थान पर संज्ञा "परमेश्वर" लिखा हुआ है। यहाँ चाहे तो संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम "वह" का उपयोग कर सकते हैं। सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हृदय में बुद्धिमान है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 9:4 (#2)

"परमेश्वर बुद्धिमान और अति सामर्थी है"

हिन्दी बाइबल में "हृदय" शब्द नहीं है। मूल में यहाँ पाठकों को समझाने के लिये "हृदय" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, हृदय विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के विचार बुद्धिमान हैं और वे अति सामर्थी हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 9:4 (#3)

"और अति सामर्थी है"

हिन्दी बाइबल ने यहाँ "पराक्रमी" शब्द को छोड़ दिया है, पर एक ही वाक्यांश में द्विरावृति को स्पष्ट किया है। लेकिन पाठकों को द्विरावृति की अवधारणा को समझाने के लिये यह "सामर्थी" शब्द के साथ जोड़ा गया है। पराक्रमी और सामर्थी शब्द समान अर्थ रखते हैं। अथ्यूब इन दोनों शब्दों का उपयोग जोर देने के लिये कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिये यह स्पष्ट हो, तो आप इस जोर को एक ही वाक्यांश या द्विरावृति के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पराक्रमी और सामर्थी"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथ्यूब 9:4 (#4)

"उसके विरोध में हठ करके कौन कभी प्रबल हुआ है"

अथ्यूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के विरोध में हठ करके कभी प्रबल नहीं हुआ है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 9:4 (#5)

"उसके विरोध में हठ करके"

अथ्यूब सम्भवतः परमेश्वर के विरुद्ध दोष लगाने की बात कर रहे हैं जब वह उस व्यक्ति की बात करते हैं जिसने परमेश्वर के विरोध में हठ कर लिया, क्योंकि जो व्यक्ति दोष लगाता है उसने करुणा न दिखाने का निर्णय लिया है। बल्कि, उस व्यक्ति ने न्याय की माँग करने का निर्णय लिया है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन पर दोष लगाया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 9:4 (#6)

"कभी प्रबल हुआ है"

प्रबल से, अथ्यूब सम्भवतः यह कहना चाहते हैं कि कोई भी हानि, अर्थात्, कचहरी का मुकद्दमा जीतना और दूसरे पक्ष से मुआवजा प्राप्त करना, बजाय इसके कि स्वयं मुआवजा देना पड़े। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुकद्दमा जीत लिया"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 9:5 (#1)

"वह तो पर्वतों को अचानक हटा देता है"

जब अथ्यूब परमेश्वर द्वारा पर्वतों को हटाने का उल्लेख करते हैं, तो वे सम्भवतः भूकम्पों का वर्णन कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसा कि यूएसटी (अनफोलिंगर्वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन) करता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 9:5 (#2)

"वह तो पर्वतों को अचानक हटा देता है"

सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ही वह हैं जो पर्वतों को हटाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:5 (#3)

"और उन्हें पता भी नहीं लगता"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि पर्वतों को पता नहीं लगता कि परमेश्वर उन्हें हटाने वाले हैं। इस स्थिति में, अथूब पर्वतों के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे जीवित वस्तुएँ हों जो पता कर सकती हैं कि क्या होने वाला है। (2) सामान्यतः लोग नहीं जानते कि परमेश्वर पर्वतों को हटाने वाले हैं। इस स्थिति में, उन्हें एक अनिश्चित सर्वनाम होगा जिसका वर्तमान सन्दर्भ में कोई विशेष संकेत नहीं है। किसी भी तरह से, विचार यह है कि परमेश्वर पर्वतों को बिना किसी के या किसी वस्तु के जानने से पहले हटा देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अचानक" या "अप्रत्याशित रूप से"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:5 (#4)

"वह क्रोध में"

मूल भाषा में पाया जाने वाला शब्द "नाक" हिन्दी बाइबल में नहीं दिया गया है, जिसका अर्थ क्रोध होता है। पाठकों को स्पष्ट समझाने के लिये सीधे "क्रोध" शब्द का उपयोग किया गया है। जैसा कि अथूब के सामान्य परिचय में चर्चा की गई है, अथूब **क्रोध (नाक)** शब्द का उपयोग कोप के लिये कर रहे हैं, क्योंकि क्रोध में एक व्यक्ति अपनी नाक से जोर से साँस लेते हैं। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष हिस्से से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में उस शरीर के हिस्से का उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने कोप में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 9:6 (#1)

"और उसके खम्मे काँपने लगते हैं"

इस संस्कृति के लोगों का मानना था कि पृथ्वी को खम्मे थामे हुए हैं। आप अपने अनुवाद में खम्मों का उल्लेख बनाए रख सकते हैं, जिससे यह आपके पाठकों को एक अलंकारिक अभिव्यक्ति प्रतीत हो सकती है। वैकल्पिक रूप से, आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से भी प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और गहरे भूमिगत स्थान से कम्पा देना।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:7 (#1)

"उसकी आज्ञा बिना सूर्य उदय होता ही नहीं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो कुछ दिनों तक **सूर्य** सचमुच उदय न हुआ हो। उनका अर्थ सम्भवतः यह है कि उन दिनों बादलों के कारण सूरज दिखाई नहीं देता था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो यह निर्धारित करते हैं कि सूरज चमकेगा या बादल उसे ढक लेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 9:7 (#2)

"और वह तारों पर मुहर लगाता है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर ने कुछ रातों में **तारों** पर सचमुच एक मुहर लगा दी हो। उनका अर्थ सम्भवतः यह है कि उन रातों में बादलों से ढकने के कारण तारे दिखाई नहीं देते। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह कुछ रातों में सितारों को चमकने से रोकते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 9:8 (#1)

"वह आकाशमण्डल को अकेला ही फैलाता है"

इस संस्कृति के लोग मानते थे कि **आकाशमण्डल** (अर्थात् आकाश) एक ठोस वस्तु थी जिसे परमेश्वर ने पृथ्वी को ढकने

के लिये एक ढाँचे पर फैलाया था। उदाहरण के लिए, 40:22 कहता है, "जो आकाश को मलमल के समान फैलाता और ऐसा तान देता है जैसा रहने के लिये तम्बू ताना जाता है।" आप अपने अनुवाद में परमेश्वर के **आकाशमण्डल को**... फैलाता है के सन्दर्भ को बनाए रख सकते हैं, और यह आपके पाठकों को एक अलंकारिक अभिव्यक्ति लग सकती है। वैकल्पिक रूप से, आप अर्थ को सीधे भी व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल परमेश्वर ने आकाश को बनाया और वह समुद्र की लहरों पर चलते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 9:8 (#2)

"और समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों पर चलता है"

जैसा कि 7:12 में एक टिप्पणी समझाता है, इस संस्कृति के लोग समुद्र को अराजकता का क्षेत्र मानते थे। जब अथ्यूब परमेश्वर के समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों पर चलता की बात करते हैं, तो वह ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर अपने पैरों से अराजकता की शक्तियों को सचमुच रौंद रहे हों। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हों, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अराजकता की जलीय शक्तियों को वश में करना"

देखें: रूपक

अथ्यूब 9:9 (#1)

"सप्तर्षि, मृगशिरा और कचपचिया"

सप्तर्षि, मृगशिरा, और कचपचिया शब्द आकाश में स्थित तारों के नक्षत्रों के नाम हैं। आपकी संस्कृति में इन नक्षत्रों के लिये अपने शब्द हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सप्तर्षि, मृग, और कृतिका"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथ्यूब 9:9 (#2)

"और दक्षिण के नक्षत्रों"

इस संस्कृति के लोग मानते थे कि परमेश्वर प्राकृतिक शक्तियों को नक्षत्रों में रखते थे। उदाहरण के लिए, 45:19-5 कहता है कि परमेश्वर ने आकाश में सूर्य के लिये "एक मण्डप खड़ा किया है," जिससे सूर्य "दुल्हे के समान अपने कक्ष से

निकलता है।" 135:7 इसी तरह से परमेश्वर को उनके "भण्डार" से पवन निकालने का सन्दर्भ देता है। अथ्यूब 37:9 में, एलीहू कहता है कि "दक्षिण दिशा से बवण्डर आता है।" इसलिए यहाँ दक्षिण के नक्षत्रों का सन्दर्भ सम्भवतः उस स्थान से है, जहाँ माना जाता था कि परमेश्वर ने तारों के सभी नक्षत्रों को रखा था और जहाँ से परमेश्वर उन्हें हर रात बाहर लाते थे। आप अपने अनुवाद में इन नक्षत्रों का सन्दर्भ बनाए रख सकते हैं और यह आपके पाठकों को एक अलंकारिक अभिव्यक्ति की तरह लग सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। अथ्यूब सम्भवतः उनके कक्षों को नक्षत्रों के साथ सम्बन्ध के आधार पर उल्लेख कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सभी अन्य नक्षत्रों"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 9:10 (#1)

"बड़े कर्म" - "और आश्वर्यकर्म"

अथ्यूब विशेषण बड़े और कृदन्त आश्वर्यकर्म को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं, जिससे कुछ विशेष प्रकार की बातों का अर्थ निकलता है। यूएलटी (अनफोलिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इसे दिखाने के लिये वस्तुएँ शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण और कृदन्त का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समानार्थी शब्दों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चमलकार ... और अद्भुत"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 9:12 (#1)

"जब वह छीनने लगे, तब उसको कौन रोकेगा?"

अथ्यूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह कुछ छीन ले, तो कोई उसे वापस नहीं ला सकता। कोई उनसे नहीं पूछ सकता, 'आप क्या कर रहे हैं?'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 9:12 (#2)**"तब उसको कौन रोकेगा"**

तब उसको कौन रोकेगा का अर्थ वह छीनने लगे वाक्यांश के अर्थ पर निर्भर करता है। इस वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर कुछ छीन लेते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन उनसे वापस करा सकता है" (2) कि परमेश्वर छोड़ देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन उन्हें वापस ला सकता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:12 (#3)**"कौन उनसे कह सकता है कि तू यह क्या करता है"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन उनसे पूछ सकता है कि वे क्या कर रहे हैं"

देखें: उद्धरणों के भीतर उद्धरण

अथूब 9:12 (#4)**"तू यह क्या करता है"**

परमेश्वर को चुनौती देने वाला व्यक्ति जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा होगा। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको ऐसा नहीं करना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 9:13 (#1)**"परमेश्वर अपना क्रोध ठंडा नहीं करता"**

देखें कि आपने वचन 5 में **क्रोध** शब्द का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपनी आँखें लाल करना बन्द नहीं करेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 9:13 (#2)**"परमेश्वर अपना क्रोध ठंडा नहीं करता"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर सचमुच अपने क्रोध को ठंडा कर रहे हैं। अथूब वास्तव में यह वर्णन कर रहे हैं कि परमेश्वर कैसे क्रोधित होना बन्द कर सकते हैं (हालाँकि इस विषय में वे नहीं करेंगे)। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर क्रोधित होना बन्द नहीं करेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 9:13 (#3)**"परमेश्वर अपना क्रोध ठंडा नहीं करता"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक सकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का क्रोध अभी भी बना रहेगा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 9:13 (#4)**"रहब के"**

रहब शब्द समुद्री अजगर का एक और नाम है। समुद्री अजगर पर चर्चा के लिये अथूब की सामान्य प्रस्तावना देखें, और यह देखें कि आपने [3:8](#) में लिव्यातान नाम का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्री अजगर जो अराजकता से जुड़ा है"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 9:13 (#5)**"रहब के सहायकों"**

जब अथूब **रहब के सहायकों** की बात करते हैं, तो इसका अर्थ सम्भवतः समुद्र की लहरें हैं, क्योंकि वे [9:8](#) में, अराजकता पर विजय पाने के सन्दर्भ में कहते हैं कि परमेश्वर समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों पर चलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अराजक समुद्री लहरें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:13 (#6)**"उसके पाँव तले झुकना"**

अथूब रहब के सहायकों की बात कर रहे हैं, जिसका अर्थ सम्भवतः समुद्र की लहरे है, जैसे कि वे कोई जीवित वस्तु हो जो परमेश्वर के सामने झुक सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके नियंत्रण में हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:14 (#1)**"फिर मैं क्या हूँ, जो उसे उत्तर द्वृँ"**

फिर मैं क्या हूँ एक अभिव्यक्ति है जो यह संकेत देती है कि जो कुछ भी इसके बाद आता है, वह उस बात से अधिक महत्वपूर्ण है जो उस व्यक्ति ने अभी कहा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो भला मैं उसे क्या उत्तर दे सकता हूँ"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:14 (#2)**"फिर मैं क्या हूँ, जो उसे उत्तर द्वृँ,"**

जोर देने के लिये, अथूब सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया उत्तर द्वृँ में निहित है। यदि आपकी भाषा में निहित सर्वनामों को जोर देने के लिए स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर मेरे जैसा एक साधारण मनुष्य उसे कैसे उत्तर दे पाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:14 (#3)**"बातें छाँट छाँटकर उससे"**

अथूब बातें छाँट छाँटकर अभिव्यक्ति का उपयोग परमेश्वर के विरुद्ध एक मुकद्दमा प्रस्तुत करने के सन्दर्भ में कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा करने के लिये सही बातें छाँट कर करना होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विरुद्ध मुकद्दमा लड़ा"

देखें: लक्षणांकार

अथूब 9:15 (#1)**"चाहे मैं निर्दोष भी होता परन्तु उसको उत्तर न दे सकता"**

हिन्दी बाइबल में वाक्य क्रिया विशेषण से शुरू होता है पर अंग्रेजी बाइबल में सर्वनाम से शुरू होता है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ सर्वनाम "जिसे" का उपयोग किया जा रहा है। सर्वनाम जिसे पाठ को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं निर्दोष होता, तब भी मैं परमेश्वर को उत्तर देने का प्रयास न करता।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:15 (#2)**"चाहे मैं निर्दोष भी होता"**

इस सन्दर्भ में निर्दोष से अथूब का निहित तात्पर्य यह है कि वह एक मुकद्दमे में अन्यायपूर्वक पीड़ित पक्ष है। आपकी भाषा में इसके लिये कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं सही होता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 9:15 (#3)**"मैं अपने मुद्दई से गिङ्गिङ्गाकर विनती करता"**

अथूब का निहित तात्पर्य यह है कि वह परमेश्वर से अपने मुद्दई के रूप में विनती करेंगे। वह किसी अन्य विधि के

अधिकारी से यह विनती करने की बात नहीं कर रहे हैं कि वह उनके और परमेश्वर के बीच न्याय करे। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने न्यायी के रूप में परमेश्वर से करुणा की विनती करूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:16 (#1)

"वह मेरी बात सुनता है"

हिन्दी बाइबल में "कान लगाना" के बदले "बात सुनता" लिखा है। यहाँ पाठकों को समझाने के लिये "कान लगाना" का उपयोग किया गया है। अथूब बात सुनता (कान लगाना) अभिव्यक्ति का उपयोग सुनने का अर्थ समझाने के लिए कर रहे हैं, जैसा कि लोग अपने कानों से सुनते हैं। हालाँकि, इस विशिष्ट अभिव्यक्ति का अर्थ ध्यानपूर्वक सुनना है, अर्थात् ध्यान देना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ध्यान दे रहे थे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 9:16 (#2)

"मेरी बात"

अंग्रेजी बाइबल में "मेरी आवाज़" लिखा है, परन्तु हिन्दी बाइबल में इसका सीधा अर्थ "मेरी बात" लिखा है। हिन्दी बाइबल में "मेरी आवाज़" का सामान्य अर्थ "मेरी बात" है। अथूब अपने एक भाग, अपनी बात (आवाज़), का उपयोग स्वयं को बोलने के कार्य में दर्शाने के लिये कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं कह रहा था"

देखें: उपलक्षण

अथूब 9:17 (#1)

"आँधी चलाकर"

जब अथूब कहते हैं कि यदि वह परमेश्वर को चुनौती देते, तो परमेश्वर उन्हें तोड़ डालने (नष्ट करने) के लिये एक आँधी या प्रचण्ड तूफान भेजते, तो सम्भव है कि अथूब इस तूफान का

उपयोग उन विभिन्न कष्टों का प्रतिनिधित्व करने के लिये कर रहे हो, जो परमेश्वर उन्हें अनुभव करने के लिये उत्पन्न करेंगे। हालाँकि, चूँकि परमेश्वर पुस्तक के अन्त में अथूब के पास एक प्रचण्ड तूफान में आते हैं, इसलिए आपके अनुवाद में आँधी शब्द को प्रतीकात्मक रूप से व्याख्या करने के बजाय बनाए रखना उचित होगा।

देखें: रूपक

अथूब 9:18 (#1)

"वह मुझे साँस भी लेने नहीं देता है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मुझे कड़वाहट से भरता है, और ऐसा करके, वह मुझे साँस भी लेने नहीं देता है"

देखें: जोड़ — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 9:18 (#2)

"मुझे साँस भी लेने ... देता है"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ विश्राम करना है ताकि परिश्रम या लम्बे समय तक बोलने के बाद फिर से नियमित रूप से साँस ली जा सके। आपकी भाषा में इसके लिये एक अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चैन की साँस लेना"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:18 (#3)

"मुझे कड़वाहट से भरता है"

अथूब अपने विषय में इस प्रकार बोल रहे हैं मानो वह एक बरतन हो जिसे परमेश्वर कड़वाहट से भरते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मुझे बहुत कड़वाहट देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 9:18 (#4)**"वह ... मुझे कड़वाहट से भरता है"**

यदि आपकी भाषा में **कड़वाहट** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मेरे जीवन को बहुत कड़वा बना देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 9:19 (#1)**"यदि सामर्थ की चर्चा हो," - "और यदि न्याय की चर्चा हो"**

यदि ... की किसी विचाराधीन विषय को प्रस्तुत करने वाली अभिव्यक्ति है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह सामर्थ की बात हो ... या यदि यह न्याय की बात हो"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:19 (#2)**"वह कहेगा मुझसे कौन मुकद्दमा लड़ेगा"**

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी उनसे मुकद्दमा नहीं लड़ सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 9:20 (#1)**"मैं निर्दोष ही क्यों न हूँ"**

देखें कि आपने 9:15 में **निर्दोष** शब्द का अनुवाद कैसे किया है। इस सन्दर्भ में, **निर्दोष** शब्द का अर्थ निहित रूप से किसी मुकद्दमे में अन्यायपूर्वक पीड़ित पक्ष होने का वर्णन करती है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने

अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सही ही क्यों न हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 9:20 (#2)**"अपने ही मुँह से दोषी ठहरूँगा"**

अथूब **मुँह** शब्द का उपयोग उस सन्दर्भ में कर रहे हैं जो वह अपने मुँह से कहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने कहा, वही मुझे दोषी ठहराएगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 9:20 (#3)**"अपने ही मुँह से दोषी ठहरूँगा"**

अथूब अपने **मुँह** के विषय में ऐसे बोल रहे हैं मानो वह एक जीवित वस्तु हो जो उन्हें **दोषी ठहरा** सकती है। उनका तात्पर्य यह है कि उन्होंने जो कहा उसके लिये परमेश्वर उन्हें दोषी ठहराएँगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मेरी कही हुई बातों के लिये मुझे दोषी ठहराएँगे"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:21 (#1)**"अपना भेद नहीं जानता"**

इस सन्दर्भ में, **जानता** शब्द का अर्थ है किसी बात का ध्यान रखना या किसी बात के विषय में चिन्तित होना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे अपने प्राण की चिन्ता नहीं है"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:21 (#2)**"अपना भेद {प्राण} नहीं जानता"**

हिन्दी बाइबल में "प्राण" शब्द को छोड़ दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ "प्राण" शब्द उपयोग किया गया है। अथूब अपने अस्तित्व का एक हिस्सा, अर्थात् अपने प्राण, का उपयोग पूरे अस्तित्व को दर्शनी के लिये कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने विषय में चिन्तित नहीं हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 9:22 (#1)**"बात तो एक ही है"**

बात तो एक ही है अभिव्यक्ति का अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर सबके साथ समान व्यवहार करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों के साथ केवल एक ही रीति से व्यवहार करते हैं" (2) अथूब चाहे धर्मी हो या अधर्मी, उनके साथ भी वैसा ही होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "चाहे मैं भला रहूँ या बुरा, मेरे साथ केवल एक ही बात होगी"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:22 (#2)**"इससे मैं यह कहता हूँ"**

अथूब ने ये विशिष्ट शब्द पहले नहीं कहीं हैं, यद्यपि ये उनके भाषण में अब तक कहीं गई बातों का सारांश हैं। इसलिए आपकी भाषा में इसे प्रत्यक्ष उद्धरण बनाना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसीलिए मैं कहता आ रहा हूँ कि परमेश्वर खरे और दुष्ट दोनों को नाश करते हैं"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 9:22 (#3)**"खरे और दुष्ट"**

अथूब खरे और दुष्ट विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ विशेष प्रकार के लोगों को दर्शनी के लिये कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खरे लोग और दुष्ट लोग दोनों"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 9:23 (#1)**"विपत्ति से अचानक मरने लगते हैं"**

अंग्रेजी बाइबल में "कोड़ा" शब्द रूपक के रूप में दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसके स्थान पर सीधे "विपत्ति" शब्द दिया गया है। पाठकों को इसे समझाने के लिये यहाँ रूपक का प्रयोग किया जाएगा। अथूब उन विपत्तियों के विषय में बात कर रहे हैं जो लोग जीवन में अनुभव करते हैं, मानो वे सचमुच एक **विपत्ति (कोड़ा)** या चाबुक हों जो उन्हें दण्डित कर रही हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विपत्तियाँ अचानक लोगों को मारने लगती हैं"

देखें: रूपक

अथूब 9:23 (#2)**"निर्दोष लोगों के जाँचे"**

यदि आपकी भाषा में जाँचे के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निर्दोष लोग जब जाँच से होकर निकलते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 9:23 (#3)**"निर्दोष लोगों"**

अथूब विशेषण **निर्दोष** को संज्ञा के रूप में एक विशेष समूह के लोगों को दर्शनी के लिये उपयोग कर रहे हैं। यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इसको दिखाने के

लिये लोगों शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इसी प्रकार हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग जो निर्देश हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 9:24 (#1)

"देश दुष्टों के हाथ में दिया गया है"

यहाँ, **हाथ** शक्ति और नियंत्रण का प्रतिनिधित्व करता है जो लोगों के पास किसी वस्तु पर होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथकी को दुष्टों के अधीन कर दिया गया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 9:24 (#2)

"देश दुष्टों के हाथ में दिया गया है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना है कि कर्ता कौन है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने देश को दुष्टों के हाथ में दे दिया है" या "परमेश्वर ने देश को दुष्टों के नियन्त्रण में कर दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 9:24 (#3)

"देश ... दिया गया है"

अथूब **देश** शब्द का उपयोग उन लोगों के लिये कर रहे हैं जो उस देश में रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग देश में रहते हैं, उन्हें ... दे दिया गया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 9:24 (#4)

"परमेश्वर उसके न्यायियों की आँखों को मूँद देता है"

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच **न्यायियों** के आँखों को मूँद रहे हो। उनका अर्थ है कि परमेश्वर इन न्यायियों को सच्चाई (सिधाई) से मुकदमा लड़ने की समझ से वंचित कर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह न्यायियों को रोकते हैं कि वे मुकदमे का निर्णय सच्चाई से करना न समझें"

देखें: रूपक

अथूब 9:24 (#5)

"वही न हो तो"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक माना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह परमेश्वर नहीं करते, तो कौन करता है"

देखें: पदलोप

अथूब 9:25 (#1)

"मेरे दिन हरकारे से भी अधिक वेग से चले जाते हैं; वे भागे जाते हैं"

अथूब अपने जीवन के **दिन** की बात इस प्रकार कर रहे हैं जैसे वे कोई जीवित वस्तु हों, जो वेग से दौड़ और **भाग** सकती हैं। इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) कि अथूब अपने दिनों को शीघ्रता से व्यतीत कर रहे हैं, अर्थात् वे अपने जीवन के अन्त की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अपने दिनों को बहुत तेजी से व्यतीत कर रहा हूँ" (2) कि अथूब के हर एक दिन तेजी से बीत जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे हर एक दिन बहुत छोटे लगते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:25 (#2)**"उनको कल्याण कुछ भी दिखाई नहीं देता"**

यहाँ, जैसे [7:7](#) में, कल्याण देखूँगा का अर्थ उसे अनुभव करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कल्याण अनुभव नहीं करते"

देखें: मुहावरा

अथूब 9:25 (#3)**"उनको कल्याण कुछ भी दिखाई नहीं देता"**

अथूब कल्याण विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के अनुभव को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अच्छी बातों का अनुभव नहीं करते हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 9:25 (#4)**"उनको कल्याण कुछ भी दिखाई नहीं देता"**

अथूब अपने जीवन के दिन की बात ऐसे कर रहे हैं जैसे वे कोई जीवित वस्तु हों जो अच्छी बातें अनुभव कर सकती हैं या उन्हें अनुभव करने में असफल हो सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने दिनों में अच्छी बातें अनुभव नहीं करता"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:26 (#1)**"वे ... से सरकण्डों की नावों के समान चले जाते हैं"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उनके जीवन के दिन सचमुच पानी पर सरकण्डा की नावों के साथ चले जाते हों। जैसे पिछले वचन में, उनका अर्थ है कि उनके दिन बहुत शीघ्रता से बीत रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप

इसका अर्थ सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे दिन उतनी ही तेजी से समाप्त हो रहे हैं जितनी तेजी से एक सरकण्डे की नाव पानी पर फिसलती है" या "मेरे प्रत्येक दिन उतनी ही तेजी से बीत रहे हैं जितनी तेजी से एक सरकण्डे की नाव पानी पर फिसलती है"

देखें: रूपक

अथूब 9:26 (#2)**"अहेर पर झपटते हुए उकाब के समान"**

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जिन्हें कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण करने के लिये आवश्यक माना जाता है। सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जितनी तेजी से एक उकाब भोजन पर झपटता है"

देखें: पदलोप

अथूब 9:26 (#3)**"अहेर"**

अंग्रेजी बाइबल में "भोजन" शब्द दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में "अहेर" शब्द दिया गया है, जो उस प्रकार के आहार को दर्शाता है जिसे उकाब खाता है। इसे पाठकों को आसानी से समझाने के लिये सरलता से लिखा गया है। यहाँ पाठकों को दोनों अर्थ में समझाने के लिये उपलक्षण का उपयोग किया जा सकता है। अथूब एक सामान्य शब्द, **अहेर (भोजन)**, का उपयोग एक विशेष प्रकार के भोजन के लिये कर रहे हैं, जिस प्रकार **उकाब** पकड़कर खाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका शिकार"

देखें: उपलक्षण

अथूब 9:27 (#1)**"यदि मैं कहूँ, 'मैं विलाप करना भूल जाऊँगा,'"**

आपकी भाषा में यहाँ अप्रत्यक्ष उद्धरण होना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं स्वयं से कहूँ कि मुझे विलाप करना भूल जाना चाहिए और उदासी छोड़कर अपना मन प्रफुल्लित करना चाहिए"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथ्यूब 9:27 (#2)

"मैं विलाप करना भूल जाऊँगा"

जब अथ्यूब अपने उदासी बदलने (अर्थात्, उनके चेहरे के भाव) की बात करते हैं, तो उनका अर्थ है कि वह अलग महसूस करेंगे, जिससे उनके चेहरे का भाव भी बदल जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे इस विषय में अलग महसूस करने दें"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 9:28 (#1)

"मैं अपने सब दुःखों से डरता हूँ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैं तो जानता हूँ, कि आप मुझे निर्दोष न ठहराएँगे, मैं अपने सब दुःखों से डरूँगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथ्यूब 9:28 (#2)

"मैं अपने सब दुःखों से डरता हूँ"

अथ्यूब अप्रत्यक्ष रूप से उन दुःखों की बात कर रहे हैं, जिनका वह तब भी अनुभव करेंगे जब परमेश्वर उन्हें उन कार्यों के लिये दोषी ठहराकर दण्ड देंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अब भी उन सभी दुःखों से डरूँगा, जिन्हें मैं आपके दण्ड के कारण अनुभव करूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 9:28

"तू मुझे निर्दोष न ठहराएगा"

सर्वनाम तू एकवचन है क्योंकि यह तीन मित्रों के बजाय परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। इसलिए, यदि आपकी भाषा इस भेद को दर्शाती है, तो अपने अनुवाद में द्वितीय व्यक्ति एकवचन का उपयोग करें। हालाँकि इस भाषण में अब तक अथ्यूब यह विरोध कर रहे थे कि वह परमेश्वर के साथ अपना मुकद्दमा लड़ नहीं सकते, लेकिन यहाँ वह परमेश्वर को सीधे सम्बोधित कर रहे हैं, जैसा कि उन्होंने 7:7-21 में किया था और जैसा कि वह इस भाषण में आगे 10:2-22 में करेंगे। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, आप मुझे निर्दोष नहीं ठहराएँगे"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथ्यूब 9:29 (#1)

"मैं तो दोषी ठहरूँगा;"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि अथ्यूब जोर देने के लिये जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा का कोई वक्ता ऐसा नहीं करता, तो अपने अनुवाद में आप यह संकेत दे सकते हैं कि अथ्यूब वास्तव में क्या कहना चाहते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सोचते हैं कि मैं दोषी हूँ! तो क्यों" (2) कि बिना जोर देने के उद्देश्य से, अथ्यूब यह वर्णन कर रहे हैं कि वे मानते हैं कि परमेश्वर उन्हें कैसे देखेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि परमेश्वर मुझे वैसे भी दोषी मानेंगे, तो क्यों"

देखें: व्यंग

अथ्यूब 9:29 (#2)

"मैं तो दोषी ठहरूँगा"

अथ्यूब जोर देने के लिये सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही उस शब्द में सम्मिलित है जिसका अनुवाद ठहरूँगा है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिये निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक दोषी व्यक्ति हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:29 (#3)**"फिर व्यर्थ क्यों परिश्रम करूँ"**

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लिये व्यर्थ परिश्रम करने का कोई कारण नहीं है"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 9:29 (#4)**"व्यर्थ क्यों परिश्रम करूँ"**

परिश्रम से, अथूब का अप्रत्यक्ष रूप से अपनी निर्दोषता सिद्ध करने के लिये कठिन मेहनत करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं अपनी निर्दोषता सिद्ध करने के लिये व्यर्थ में कठिन परिश्रम करूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:30 (#1)**"चाहे मैं हिम के जल में स्नान करूँ"**

अथूब काल्पनिक रूप से किसी ऐसी बात को बोल रहे हैं, जिसे वह प्रतीकात्मक कार्य के रूप में कर सकते हैं ताकि यह दिखा सकें कि वह सचमुच में निर्दोष हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं हिम के जल से अपने आपको धोऊँ और खार से अपने हाथों को शुद्ध करूँ ताकि यह दिखा सकूँ कि मैं कितना निर्दोष हूँ"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 9:30 (#2)**"हिम के जल में"**

इसका तात्पर्य यह है कि ताजा पिघलता हुआ **हिम** का जल बहुत शुद्ध होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत शुद्ध पानी के साथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:30 (#3)**"खार से"**

खार शब्द एक सफाई करने वाला पदार्थ को दर्शाता है, जो कुछ पौधों को जलाने के बाद राख से बनाया जाता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि खार क्या है, तो अपने अनुवाद में आप अपनी संस्कृति में किसी समान पदार्थ का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक प्रभावी सफाई करने वाले पदार्थ से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 9:31 (#1)**"तो भी तू मुझे गड्ढे में डाल ही देगा"**

अथूब काल्पनिक रूप से ऐसी बात बोल रहे हैं, जिसे वह मानते हैं कि परमेश्वर एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में करेंगे ताकि यह दिखाएँ कि परमेश्वर उन्हें निर्दोष के बजाय दोषी मानते हैं। यदि आपके पाठकों के लिये यह सहायक हो, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे गड्ढे में डाल देंगे ताकि यह दिखाएँ कि आप मुझे कितना दोषी मानते हैं।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 9:31 (#2)**"तू मुझे ... डाल ही देगा"**

तू शब्द यहाँ एकवचन है क्योंकि अथूब एक बार फिर से परमेश्वर को सीधे सम्बोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 9:31 (#3)**"गड्डे में"**

गड्डे से, अथूब का तात्पर्य अप्रत्यक्ष रूप से एक गन्दे पानी से भरा गड्डा है जो उनके शरीर को पूरी तरह से गन्दा कर देगा। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गन्दे पानी से भरे गड्डे में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:31 (#4)**"और मेरे वस्त्र भी मुझसे धिन करेंगे"**

अथूब अपने वस्त्र के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे कोई जीवित वस्तु हों, जो उनसे धिन कर सकता है। उनका तात्पर्य यह है कि गड्डे का पानी उनके शरीर को इतना गन्दा कर देगा कि उनके अपने वस्त्र भी उनके शरीर पर नहीं रहना चाहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरा शरीर बहुत गन्दा हो जाएगा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 9:33 (#1)**"जो हम दोनों पर अपना हाथ रखे"**

न्यायी (न्यायाधीश) किसी मुकद्दमे में विरोधी पक्षों पर अपना हाथ रखते थे ताकि यह प्रतीकात्मक कार्य से दिखा सके कि वह उन्हें अपने न्यायिक अधिकार के अधीन ला रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हम दोनों पर अपना हाथ रखे ताकि यह दिखा सके कि उन्हें हमारे मुकद्दमे का निर्णय लेने का अधिकार है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 9:34 (#1)**"वह अपना सोंटा मुझ पर से दूर करे"**

सर्वनाम वह एक न्यायी (न्यायाधीश) को सन्दर्भित करता है, जो अथूब के मुकद्दमे में परमेश्वर के विरुद्ध निर्णय ले सकते हैं, और सर्वनाम अपना परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा कोई न्यायी (न्यायाधीश) नहीं है जो परमेश्वर के सोंटे और परमेश्वर के डर को मुझ पर से दूर कर सके"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 9:34 (#2)**"अपना सोंटा"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच में उन्हें दण्ड देने के लिये सोंटा या लाठी का उपयोग कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका दण्ड"

देखें: रूपक

अथूब 9:34 (#3)**"उसकी भय देनेवाली बात मुझे न घबराए"**

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जिन्हें कई भाषाओं में वाक्य का पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में ये शब्द स्पष्ट होंगे, तो आप वाक्य में इससे पहले के शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनका भय मुझ पर से दूर कर, ताकि यह मुझे घबराहट में न डाले"

देखें: पदलोप

अथूब 9:35 (#1)**"तब मैं उससे निडर होकर कुछ कह सकूँगा"**

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से यह कह रहे हैं कि वह ये बातें तब करते यदि उनके और परमेश्वर के बीच कोई न्याय करने वाला होता। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हमारे बीच कोई न्याय करने वाला होता, तो मैं निर छोड़ कर कुछ कहता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 9:35 (#2)

"मैं ... कह सकूँगा"

अथूब एक सुनिश्चित क्रियात्मक रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में ऐसा कोई रूप हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप इस जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से बोलूँगा"

अथूब 9:35 (#3)

"मैं अपनी दृष्टि में ऐसा नहीं हूँ"

व्याख्याकार निश्चित नहीं हैं कि इस अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है। यह सम्भवतः इसका अर्थ हो सकता है: (1) वैकल्पिक अनुवाद: "इस समय परिस्थितियाँ मेरे अनुकूल नहीं हैं" (2) वैकल्पिक अनुवाद: "इस समय, मैं ऐसा करने वाला व्यक्ति नहीं हूँ"

देखें: मुहावरा

अथूब 10 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और प्रारूप

इस अध्याय में, अथूब बिल्डर के पहले भाषण का उत्तर देना समाप्त करते हैं। जैसा कि उन्होंने अध्याय 7 में किया था, अथूब अपने मित्र के साथ बातचीत के संदर्भ में परमेश्वर से बात करते हैं। हालांकि इस मामले में, अथूब यह वर्णन करते हैं कि वह परमेश्वर से क्या कहेंगे, बजाय इसके कि वह सीधे परमेश्वर को संबोधित करें।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर पाठ के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

आलंकारिक प्रश्न

इस अध्याय में कई स्थानों पर, अथूब अपनी गहरी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। हो सकता है आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं हो। टिप्पणी इन प्रश्नों के अनुवाद के अन्य तरीकों का सुझाव देगी। (देखें: आलंकारिक प्रश्न)

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

विस्तृत उद्धरण

पद 2 से शुरू होकर अध्याय के अंत तक, अथूब यह उद्धृत करते हैं कि वह परमेश्वर से क्या कहेंगे यदि वह उनके साथ अपनी बात पर बहस कर सकते। यदि आपकी भाषा स्वाभाविक रूप से एक प्रत्यक्ष उद्धरण को दूसरे के अंदर नहीं रखती, तो आप अथूब के कहे को अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। पद 2 पर एक टिप्पणी सुझाव देती है कि इसे कैसे आरंभ किया जाए। आप पूरे अध्याय के शेष भाग में इसी विषय का पालन कर सकते हैं।

अथूब 10:1 (#1)

"मेरा प्राण जीवित रहने से उकताता है" - "मैं अपने मन की कड़वाहट के मारे"

अथूब अपने एक हिस्से, अपनी आत्मा का इस्तेमाल अपने पूरे व्यक्तित्व के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी कड़वाहट में ... थक गया हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 10:1 (#2)

"मैं अपने मन की कड़वाहट के मारे बातें करूँगा"

इस अभिव्यक्ति में, किसी चीज़ को खुद पर छोड़ देने का मतलब है उसे रोकना नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं खुद को रोके बिना शिकायत करूँगा।"

देखें: मुहावरा

अथूब 10:2 (#1)**"मैं परमेश्वर से कहूँगा, मुझे दोषी न ठहरा"**

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, यह एक उद्धरण के भीतर एक लंबे उद्धरण की शुरूआत है। अथूब अपने मित्रों को बता रहा है कि वह परमेश्वर को क्या बताना चाहता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका और अध्याय के बाकी हिस्सों का अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर कोई उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर से कहूँगा कि वह मुझे दोषी न ठहराए बल्कि मुझे बताए कि वह मुझ पर क्या आरोप लगा रहा है।"

देखें: उद्धरण के अंदर उद्धरण

अथूब 10:2 (#2)**"मैं परमेश्वर से कहूँगा, मुझे दोषी न ठहरा"**

यदि आप अथूब द्वारा कहे गए उस कथन को, जो वह परमेश्वर से कहेंगा, एक प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद करने का निर्णय लेते हैं, तो आप उद्धरण के आरंभ को दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्न से या किसी अन्य विराम चिह्न या परिपाटी से इंगित कर सकते हैं, जिसका प्रयोग आपकी भाषा में दूसरे स्तर के उद्धरण के आरंभ को इंगित करने के लिए किया जाता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

अथूब 10:2 (#3)**"मुझे दोषी न ठहरा"**

अथूब का स्पष्ट अर्थ यह है कि वह नहीं चाहता कि परमेश्वर उसे यह बताए बिना दोषी ठहराए कि वह उसे क्यों दोषी ठहरा रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे बताए बिना मुझे दोषी न ठहराओ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:3 (#1)**"क्या तुझे अंधेर करना है?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको, मुझ पर अत्याचार करना, अपने हाथों के कामों को तुच्छ समझना, और दुष्टों की योजनाओं पर प्रकाश डालना अच्छा नहीं समझना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:3 (#2)**"अपने हाथों के बनाए हुए"**

अथूब परमेश्वर के एक अंग, उनके हाथों का उल्लेख कर रहा है, जिसका अर्थ है कि वह किसी चीज़ को बनाने के लिए काम करने में पूरी तरह से लगा हुआ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपना स्वयं का कार्य"

देखें: उपलक्षण

अथूब 10:3 (#3)**"दुष्टों की युक्ति को सफल करके"**

अथूब कहता है कि परमेश्वर सफल करके, जो मूल में चमकना दिया है, जिसका मतलब है कि परमेश्वर के चेहरे पर चमक और अनुमोदन की अभिव्यक्ति होगी। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन दुष्टों की योजनाओं पर तू मुस्कुराता है"

देखें: रूपक

अथूब 10:3 (#4)**"और दुष्टों की युक्ति को सफल करके"**

अथूब स्वीकृति देने और दिखाने के एक हिस्से, स्पष्ट रूप से मुस्कुराने के कार्य का उपयोग स्वीकृति देने के पूरे कार्य को दर्शाने के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आप दुष्टों की योजना को स्वीकार करते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 10:3 (#5)**"दुष्टों"**

अथूब एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में **दुष्टों** विशेषण का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 10:4 (#1)**"क्या तेरी देहधारियों की सी आँखें हैं?"**

अथूब **आँखें** शब्द का इस्तेमाल जानने और समझने के लिए कर रहा है, क्योंकि लोग अक्सर चीज़ों को देखकर ही जानते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप सिर्फ़ उन चीज़ों को जानते और समझते हैं जिन्हें लोग अपनी आँखों से देख सकते हैं?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:4 (#2)**"क्या तेरी देहधारियों की सी आँखें हैं?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी आँखें मांस की नहीं हैं! तुम मनुष्य के देखने के अनुसार नहीं देखते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:4 (#3)**"क्या तेरी देहधारियों की सी आँखें हैं?"**

अथूब द्वारा **शरीर** की अभिव्यक्ति के उपयोग का अर्थ "मानव" है, जो कि मनुष्यों के शरीर के प्रकार से संबंधित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपके पास मानवीय आँखें हैं?" या "आपके पास मानवीय आँखें नहीं हैं!"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:4 (#4)**"क्या तेरा देखना मनुष्य का सा है?"**

अथूब शब्द "क्या" का प्रयोग एक ऐसे प्रश्न को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिसका उत्तर नकारात्मक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप लोगों की तरह नहीं देखते?"

देखें: मुहावरा

अथूब 10:4 (#5)**"क्या तेरा देखना मनुष्य का सा है?"**

यहाँ मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा लोग करते हैं"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 10:5 (#1)**"क्या तेरे दिन मनुष्य के दिन के समान हैं?"**

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से पूछ रहे हैं कि क्या परमेश्वर के पास मनुष्य के समान **दिन** और **वर्ष** की संख्या है, न कि क्या परमेश्वर उसी प्रकार के **दिन** और **वर्ष** का अनुभव करते हैं जैसा लोग करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपके दिनों की संख्या उसी प्रकार है जैसे एक व्यक्ति के दिनों की संख्या होती है, या आपके वर्षों की संख्या उसी प्रकार है जैसे एक मनुष्य के वर्षों की संख्या होती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:5 (#2)**"क्या तेरे दिन मनुष्य के दिन के समान हैं?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं, इस वाक्य को निम्नलिखित दो आयतों में जारी न रखें। वैकल्पिक अनुवाद:

"आपके दिन किसी मनुष्य के दिनों जैसे नहीं हैं! नहीं, आपके वर्ष किसी व्यक्ति के वर्षों जैसे नहीं हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:5 (#3)

"क्या तेरे दिन मनुष्य के दिन के समान हैं"

अथूब दिन और वर्ष शब्दों का इस्तेमाल किसी व्यक्ति के जीवनकाल को दर्शनि के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप दोनों वाक्यांशों को मिलाकर उनका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुम्हारा जीवनकाल लोगों के जीवन जैसा छोटा है" या "क्या तुम्हारा जीवनकाल मनुष्यों जैसा छोटा नहीं है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:5 (#4)

"मनुष्य"

इस पद में, शब्द मनुष्य के दो उदाहरण दो अलग-अलग शब्दों का अनुवाद करते हैं जिनका मूलतः एक ही अर्थ है। इसका एक सामान्य अर्थ है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुष और स्त्री दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नश्वर ... एक मानव"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 10:5 (#5)

"के दिन के समान हैं"

अगर यह आपकी भाषा में ज्यादा स्वाभाविक होगा, तो आप यहाँ दिन के बजाय "वर्ष" कह सकते हैं। इससे इस आयत के दो हिस्सों के बीच समानता बनी रहेगी और अर्थ में कोई खास बदलाव नहीं आएगा। (मूल पाठ "वर्षों" रहा होगा; कई अनुवादों में ऐसा कहा गया है।) वैकल्पिक अनुवाद: "के वर्षों की तरह"

देखें: समानांतरता

अथूब 10:5 (#6)

"या तेरे वर्ष पुरुष के समयों के तुल्य हैं,"

अथूब या शब्द का प्रयोग एक ऐसे प्रश्न को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिसका उत्तर नकारात्मक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपके वर्ष मनुष्य के दिनों के समान नहीं हैं?"

देखें: मुहावरा

अथूब 10:6 (#1)

"कि तू मेरा अधर्म ढूँढ़ता"

इस आयत और पिछले आयत में, अथूब स्पष्ट रूप से पूछ रहा है कि क्या परमेश्वर यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने पाप किया है या नहीं, क्योंकि मनुष्य के पास जीने के लिए केवल थोड़ा समय है और इससे पहले कि मनुष्य मर जाए परमेश्वर यह जानना चाहते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या इसलिए आप मेरी बुराई की खोज करते हैं और मेरे पाप की तलाश करते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:6 (#2)

"कि तू मेरा अधर्म ढूँढ़ता"

इन दो वाक्यांशों का मतलब एक जैसा है। अथूब वाक्यांशों में व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए दोहराव का उपयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि परमेश्वर यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि उसने पाप किया है या नहीं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप इतनी उत्सुकता से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि मैंने क्या पाप किया है" या "क्या इसलिए आप इतनी उत्सुकता से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मैंने पाप किया है"

देखें: समानांतरता

अथूब 10:6 (#3)

"कि तू मेरा अधर्म ढूँढ़ता"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यदि आप प्रश्नों को कथन

या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद करने के लिए पिछली आयत से वाक्य को जारी नहीं रखना चाहते हैं, तो यह एक नया वाक्य होगा। आप इसे अगली आयत में जारी न रखने का विकल्प भी चुन सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको मेरे अधर्म की तलाश करने और मेरे पाप की तलाश करने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:7 (#1)

"तुझे तो मालूम ही है, कि मैं दुष्ट नहीं हूँ"

मूल में यहाँ अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। जो हिंदी में नहीं पाया जाता है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यदि आप प्रश्न को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद करने के लिए पिछली आयत से वाक्य को जारी नहीं रखना चाहते हैं, तो यह एक नया वाक्य होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "आखिरकार, आप जानते हैं कि मैं दुष्ट नहीं हूँ, और कोई भी मुझे आपके हाथ से नहीं बचा सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:7 (#2)

"तुझे तो मालूम ही है"

इस अभिव्यक्ति में, मालूम का अर्थ "के अतिरिक्त" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही आप जानते हों कि"

देखें: मुहावरा

अथूब 10:7 (#3)

"और तेरे हाथ से कोई छुड़ानेवाला नहीं!"

इसका तात्पर्य यह प्रतीत होता है कि परमेश्वर को यह जानने के लिए तत्काल प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है कि अथूब ने पाप किया है या नहीं, क्योंकि अथूब परमेश्वर से बच नहीं सकता। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं आपसे बच नहीं सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:7 (#4)

"तेरे हाथ से"

अथूब द्वारा परमेश्वर के एक अंग, उनके हाथ के उपयोग का तात्पर्य अथूब को अपराधी के रूप में पकड़ने के कार्य में परमेश्वर के पूरे अस्तित्व शामिल होना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपसे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 10:8 (#1)

"तूने अपने हाथों से मुझे ठीक रचा है और जोड़कर बनाया है"

शब्द 'ठीक रचा' और 'जोड़कर बनाया' का अर्थ समान है। अथूब जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, आपके हाथों ने मुझे बनाया है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 10:8 (#2)

"तूने अपने हाथों से"

अथूब परमेश्वर के एक अंग, उनके हाथों का उपयोग कर रहा है, जिसका अर्थ है कि अथूब को बनाने के कार्य में परमेश्वर की सम्पूर्णता का शामिल होना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप"

देखें: उपलक्षण

अथूब 10:9 (#1)

"तूने मुझ को गुँधी हुई मिट्टी के समान बनाया"

इस तुलना का मतलब यह है कि परमेश्वर ने अथूब के शरीर को मिट्टी की तरह ढाला जैसे कोई मिट्टी की चीज़ बनता है। अथूब यह नहीं कह रहा है कि परमेश्वर ने उसे मिट्टी की तरह बनाया है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मेरे शरीर को वैसे ही गढ़ा जैसे कोई मिट्टी को गढ़ता है!"

देखें: उपमा

अथ्यूब 10:9 (#2)

"क्या तू मुझे फिर धूल में मिलाएगा?"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए कृपया मुझे फिर से धूल में न बदलो!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 10:10 (#1)

"क्या तूने मुझे दूध के समान उण्डेलकर"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मुझे दूध की तरह डाला है और पनीर की तरह जमाया है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 10:10 (#2)

"क्या तूने मुझे दूध के समान उण्डेलकर"

इस तुलना का मतलब यह है कि जैसे कोई दूध को छानकर उसे दही में बदल देता है और पनीर बनाता है, वैसे ही परमेश्वर ने अथ्यूब को बनाया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने ही मुझे बनाया है, जैसे कोई दूध से पनीर बनाता है।"

देखें: उपमा

अथ्यूब 10:11 (#1)

"फिर तूने मुझ पर चमड़ा और माँस चढ़ाया"

आम तौर पर कोई भी व्यक्ति किसी चीज के बाहरी हिस्से से पहले उसके अंदरूनी हिस्से का निर्माण करता है, इसलिए आपको चमड़ा और माँस के बारे में जानकारी से पहले हड्डियों और नसों के बारे में जानकारी देना ज्यादा स्वाभाविक लग सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तूने मुझे हड्डियों और नसों से बुना और फिर मुझे त्वचा और माँस के साथ ढका।"

देखें: सूचना संरचना

अथ्यूब 10:11 (#2)

"तूने मुझ पर चमड़ा और माँस चढ़ाया"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर ने उन्हें सचमुच चमड़ा और माँस से ढक दिया हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तूने मेरे शरीर को त्वचा और माँस से ढक दिया है।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 10:11 (#3)

"और हड्डियाँ और नसें गूँथकर मुझे बनाया है।"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उन्हें हड्डियों और नसों के साथ गूँथ दिया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपने मुझे हड्डियों और नसों की सहायक कंकाल प्रणाली प्रदान की है।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 10:12 (#1)

"तूने मुझे जीवन दिया, और मुझ पर करुणा की है"

दिया का तात्पर्य यह है कि परमेश्वर ने इन चीजों को अथ्यूब के साथ ही बनाया ताकि वे उसके साथ रहें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मेरे साथ जीवन और वाचा की वफादारी को भेजा" या "आपने सुनिश्चित किया कि मैं जीवन और वाचा की वफादारी का अनुभव करूँ।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 10:12 (#2)

"और तेरी चौकसी से"

यदि आपकी भाषा में चौकसी के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस संदर्भ में, चौकसी शब्द यह संकेत नहीं देता है कि परमेश्वर ने अथ्यूब के साथ अस्थायी रूप से समय बिताया, बल्कि यह कि वह हमेशा उसके साथ मौजूद था। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपकी उपस्थिति"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 10:12 (#3)**"मेरे प्राण"**

अथ्यूब अपने एक हिस्से, अपने प्राण का इस्तेमाल अपने पूरे अस्तित्व के लिए कर रहा है, जिसमें उसके जीवित होने पर ज़ोर दिया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं" या "मेरा जीवन"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 10:13 (#1)**"तो भी तूने ऐसी बातों को अपने मन में छिपा रखा"**

अथ्यूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर ने सचमुच उसके **हृदय** में **कुछ बातें छिपा** रखी हों। यहाँ, **हृदय** विचारों और उद्देश्यों को दर्शाता है। अथ्यूब का मतलब है कि परमेश्वर गुप्त रूप से कुछ चीज़ों की योजना बना रहा था। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आप गुप्त रूप से इन बातों की योजना बना रहे थे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 10:13 (#2)**"कि तूने ऐसा ही"**

कि तूने ऐसा ही का अर्थ है "यह वही है जो आप सोच रहे थे।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वही है जो आप सोच रहे थे"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 10:14 (#1)**"और अधर्म करने पर मुझे निर्दोष न ठहराएगा"**

अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसे सकारात्मक अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझे मेरे अधर्म के लिए दोषी ठहराएँगे"

देखें: दोहरी नकारात्मकता

अथ्यूब 10:14 (#2)**"और अधर्म करने पर मुझे निर्दोष न ठहराएगा"**

इसका तात्पर्य यह है कि यदि परमेश्वर अथ्यूब को **निर्दोष** घोषित नहीं करता तो परमेश्वर उसे उसके **अधर्म** के लिए दण्डित करता। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझे मेरे अधर्म के लिए दण्डित करेगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 10:15 (#1)**"यदि मैं दुष्टा करूँ तो मुझ पर हाय!"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस पद के अंत में यह वाक्यांश रख सकते हैं कि मैं **अपना सिर नहीं उठाऊँगा**, क्योंकि इस वाक्यांश के बाद आने वाली बात उस परिणाम का कारण बताती है जिसका यह वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और भले ही मैं धर्मी हूँ, फिर भी मैं अपमान से भरा हूँ—हाँ, मेरी पीड़ा देखिए!—मैं अपना सिर नहीं उठाऊँगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

अथ्यूब 10:15 (#2)**"मैं सिर न उठाऊँगा"**

अथ्यूब कह रहा है कि वह अपना **सिर नहीं उठाएगा** (अर्थात्, वह नीचे देखेगा) यह एक प्रतीकात्मक कार्य है जो यह व्यक्त करता है कि उसे शर्म आ रही है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। आपकी संस्कृति में समान अर्थ वाले कुछ शारीरिक हाव-भाव हो सकते हैं जिनका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अभी भी शर्म से नीचे देखूँगा" या "मैं अभी भी शर्म से अपनी आँखें ढँक लूँगा" या "मैं अभी भी शर्मिदा होऊँगा"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 10:15 (#3)**"क्योंकि मैं अपमान से भरा हुआ हूँ"**

ज़ोर देने के लिए, अथ्यूब अपने बारे में ऐसे बोल रहा है मानो वह एक बर्तन हो जिसे **अपमान** से भरा जा सकता है। अगर

यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ज़ोर देने के तरीके को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बहुत अपमानित महसूस करता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 10:15 (#4)

"अपने दुःख पर ध्यान रखता हूँ।"

आज्ञासुचक शब्द 'ध्यान' एक वचन है क्योंकि अथूब परमेश्वर को संबोधित कर रहा है, न कि अपने तीन मित्रों की। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह अंतर है तो अपने अनुवाद में द्वितीय-पुरुष एक वचन का उपयोग करें। संबोधित व्यक्ति को निर्दिष्ट करना भी सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर, मेरी पीड़ा को देखो"

देखें: 'आप' के रूप — एक वचन

अथूब 10:15 (#5)

"ध्यान रखता"

अथूब शब्द 'ध्यान' का अर्थ "विचार करने" के लिए इस्तेमाल कर रहा है, जिसका संबंध लोगों द्वारा देखी जा रही चीज़ों पर विचार करने के तरीके से है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, विचार करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:16 (#1)

"और चाहे सिर उठाऊँ"

मूल में सिर के स्थान में सर्वनाम यह आया है जो अथूब के सिर को संदर्भित करता है, जिसके बारे में उसने पिछली आयत में कहा था कि वह नहीं उठाएगा। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरा सिर उठना चाहिए।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 10:16 (#2)

"और चाहे सिर उठाऊँ"

अथूब अपने सिर के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो वह कोई जीवित चीज़ हो जो अपने आप उठ सकती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ़-

साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या मुझे अपना सिर उठाना चाहिए" या "और अगर मैंने अपना सिर उठाया"

देखें: मानवीकरण

अथूब 10:16 (#3)

"तू सिंह के समान मेरा अहेर करता है,"

इस तुलना का मतलब यह है कि जैसे सिंह अपने शिकार का लगातार पीछा करता है, वैसे ही, अथूब कह रहा है, परमेश्वर भी उसका लगातार पीछा करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरा लगातार पीछा करते हैं जैसे सिंह अपने शिकार का पीछा करता है"

देखें: उपमा

अथूब 10:16 (#4)

"मेरा अहेर करता है, और फिर मेरे विरुद्ध आश्वर्यकर्मों को करता है।"

इस अभिव्यक्ति में, शब्द फिर मेरे का अर्थ है कुछ फिर से करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक बार फिर आप मेरे खिलाफ खुद को अलग करेंगे"

देखें: मुहावरा

अथूब 10:16 (#5)

"मेरा अहेर करता है, और फिर मेरे विरुद्ध"

अथूब का निहितार्थ यह है कि परमेश्वर अथूब को असाधारण तरीकों से दण्डित करके खुद को अलग पहचान देगा। ([निर्ग 3:20](#) में इसी क्रिया का उपयोग उन विपत्तियों का वर्णन करने के लिए किया गया है जो परमेश्वर ने मिस्रियों के विरुद्ध भेजी थीं।) यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इस अर्थ को इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझे दंडित करने के लिए और महान कार्य करेंगे" या "आप मुझे और प्रभावशाली तरीकों से दंडित करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 10:17 (#1)

"तू मेरे सामने अपने नये-नये साक्षी ले आता है"

इस पद में, अथ्यूब यह वर्णन करना जारी रखता है कि उसका मानना है कि परमेश्वर क्या करेगा यदि वह अपना "सिर" उठाए (अर्थात्, यदि वह ऐसा व्यवहार करे जैसे कि उसे शर्मिदा होने की कोई बात नहीं है), जैसा कि उसने 10:15 में कहा था। अथ्यूब यहाँ साक्षी शब्द का उपयोग इस अर्थ में कर सकता है: (1) परमेश्वर अथ्यूब के विरुद्ध आरोप लगाएगा, जैसे कि परमेश्वर वास्तव में एक गवाह हो जो अथ्यूब के विरुद्ध किसी मुकदमे में गवाही दे रहा हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझ पर और भी गलत काम करने का आरोप लगायेगे" (2) वे दुख जो परमेश्वर अथ्यूब को अनुभव करवायेगे, क्योंकि इस संस्कृति के लोगों का मानना था कि दुख इस बात का सबूत है कि परमेश्वर किसी को गलत काम करने के लिए दंडित कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे और भी अधिक पीड़ा पहुँचायेगे"

देखें: उपमा

अथ्यूब 10:17 (#2)

"मुझ पर सेना पर सेना चढ़ाई करती है।"

यह वाक्यांश पर से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक ही विचार व्यक्त करता है। अथ्यूब शब्द चढ़ाई का उपयोग यह इंगित करने के लिए कर रहा है कि उसे लगता है कि परमेश्वर उसके विरुद्ध एक के बाद एक सेना भेज रहा है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक समान वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "और" का उपयोग नहीं किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे खिलाफ नई सेनाएँ भेजते रहते हैं।"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथ्यूब 10:17 (#3)

"और मुझ पर सेना पर सेना चढ़ाई करती है।"

अथ्यूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर सचमुच उसके विरुद्ध एक के बाद एक सेना भेज रहा है। उसका मतलब है कि उसे लगता है कि परमेश्वर उस पर लगातार हमला करता रहता है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझ पर लगातार हमला करते रहते हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 10:18 (#1)

"तूने मुझे गर्भ से क्यों निकाला?"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको मुझे गर्भ से बाहर नहीं लाना चाहिए था!"
देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 10:18 (#2)

"तूने मुझे गर्भ से क्यों निकाला?"

अथ्यूब अपने जन्म का वर्णन करने के लिए परमेश्वर द्वारा उसे गर्भ से बाहर लाने की बात कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मुझे जन्म क्यों दिया?" या "आपको मुझे जन्म नहीं देना चाहिए था!"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 10:18 (#3)

"नहीं तो मैं वहीं प्राण छोड़ता"

देखें कि आपने 3:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश मैं मर गया होता"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 10:18 (#4)

"और कोई मुझे देखने भी न पाता।"

यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई मुझे कभी नहीं देखता।"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 10:19 (#1)

"और पेट ही से कब्र को पहुँचाया जाता।"

अथ्यूब के द्वारा पेट शब्द का प्रयोग जन्म और वह कब्र शब्द का प्रयोग मृत्यु को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काश मैं जन्म लेते ही मर जाता"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:19 (#2)

"पहुँचाया जाता।"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश कोई मुझे ले आता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 10:20 (#1)

"क्या मेरे दिन थोड़े नहीं?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे दिन बहुत कम हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 10:20 (#2)

"मुझे छोड़ दे, और मेरी ओर से मुँह फेर ले,"

अभिव्यक्तियाँ छोड़ दे और मेरी ओर से मुँह फेर ले का मतलब एक जैसा है। अथूब जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए मुझे पीड़ा देना बंद करो"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 10:20 (#3)

"मेरी ओर से मुँह फेर ले"

व्याख्याकार निश्चित नहीं हैं कि इस वाक्यांश का क्या अर्थ है। यह संभव है कि अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और इन दुखों को मुझसे दूर करो"

देखें: पदलोप

अथूब 10:20 (#4)

"कि मेरा मन थोड़ा शान्त हो जाए"

अथूब परमेश्वर से यह नहीं कह रहा है कि उसका मन थोड़ा शान्त होने दे; बल्कि, अथूब कह रहा है कि अगर परमेश्वर उसे पीड़ा देना बंद कर दें तो वह क्या करेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और फिर मैं थोड़ा मुस्कुरा पाऊँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:20 (#5)

"कि मेरा मन थोड़ा शान्त हो जाए"

अथूब शान्त शब्द का इस्तेमाल खुशी या तसल्ली पाने के लिए कर रहा है, जो खुशी या तसल्ली पाने वाले लोगों के मुस्कुराने के तरीके से जुड़ा हुआ है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे थोड़ी तसल्ली का अनुभव करने दे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:20 (#6)

"कि मेरा मन थोड़ा शान्त हो जाए"

इस पद में, शब्द थोड़ा उसी शब्द का अनुवाद करता है जिसका अनुवाद शब्द कुछ करता है। आपकी भाषा आपको अपने अनुवाद में इसे दिखाने की अनुमति दे सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे कुछ पलों के लिए शान्त रहने दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 10:21 (#1)

"अर्थात् घोर अंधकार के देश में, और मृत्यु की छाया में"

अंधकार और मृत्यु की छाया शब्दों का अर्थ एक जैसा है। अथूब जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घोर अंधकार की भूमि पर" या "उस स्थान पर जहाँ बहुत अंधेरा है"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 10:21 (#2)

"अर्थात् घोर अंधकार के देश में, और मृत्यु की छाया में"

अथूब घोर अंधकार और मृत्यु की छाया शब्दों का प्रयोग मृतकों के निवास स्थान को इंगित करने के लिए कर रहा है, जिसे इस संस्कृति के लोग बहुत अंधकारमय स्थान मानते थे, क्योंकि यह सूर्य के प्रकाश से दूर था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृतकों के निवास स्थान"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 10:22 (#1)

"और जहाँ प्रकाश भी ऐसा है जैसा अंधकार"

सर्वनाम ऐसा निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) मृतकों के निवास में जो भी हल्की रोशनी हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और जहाँ रोशनी अंधकार की तरह चमकती है" या "और जहाँ केवल रोशनी बहुत हल्की है" (2) वह भूमि जिसका अथूब वर्णन कर रहे हैं, अर्थात्, मृतकों का निवास। मृतकों के निवास में अंधेरे के साथ एक अंतर खींचने के लिए, अथूब इस तरह से बोल रहा होगा जैसे कि एक अच्छी तरह से प्रकाशित जगह चमकती है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस जगह कोई रोशनी नहीं है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 10:22 (#2)

"और जहाँ प्रकाश भी ऐसा है जैसा अंधकार"

यदि आपने पद्यांश 2-22 को दूसरे स्तर के प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद करने का निर्णय लिया है, तो इस वाक्य के अंत में उस उद्धरण के अंत को दूसरे स्तर के समापन उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न या परिपाठी से इंगित करें जिसका उपयोग आपकी भाषा दूसरे स्तर के उद्धरण के अंत को इंगित करने के लिए करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

अथूब 11 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

इस अध्याय में, अथूब के मित्र सोपर अध्याय 9 और 10 में कही गई अथूब की बातों का उत्तर देते हैं।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

सोपर ने अथूब को उनके अपने शब्दों में उत्तर दिया

- [9:12](#) में, अथूब ने परमेश्वर के बारे में पूछा, यह सुझाव देते हुए कि जब परमेश्वर निर्दयता से कार्य करें तो, "उसको कौन रोकेगा?" सोपर [11:10](#) में अपने उत्तर में अथूब के अपने शब्दों में जवाब देते हुए कहते हैं कि परमेश्वर वास्तव में न्यायसंगत कार्य करें तो, "कौन उसको रोक सकता है?"
- [10:15](#) में, अथूब कहते हैं कि वह अपना सिर नहीं उठाएंगे, वह शर्मिदा होकर ही कार्य करते रहेंगे, क्योंकि परमेश्वर उन्हें दण्डित कर रहे हैं, भले ही वह निर्दोष है। [11:15](#) में सोपर जवाब में कहते हैं कि अगर अथूब पश्चाताप करते हैं और क्षमा के लिए प्रार्थना करते हैं, तो वह निश्चय अपना मुँह निष्कलंक दिखा सकेंगे।
- [10:22](#) में, अथूब कहते हैं कि वह मरेंगे और मृत्यु के अंधकार के देश में जाएंगे। सोपर [11:17](#) में जवाब में कहते हैं कि अथूब का जीवन अभी अंधकारमय लग सकता है, लेकिन अगर वह परमेश्वर की ओर मुड़ते हैं तो यह दोपहर से भी अधिक प्रकाशमान और भोर सा खुशहाल हो जाएगा।

अपने पाठकों की सहायता करने के लिए कि सोपर को सराहें कि कैसे अथूब के अपने शब्दों में उत्तर दे रहे हैं, आप सोपर की अभिव्यक्तियों का अनुवाद उन्हीं स्थानों पर उसी तरह करना चाह सकते हैं जैसे आपने पहले अथूब की समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किया था। टिप्पणी इसे करने के तरीके सुझाएगी।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

आलंकारिक प्रश्न

इस अध्याय में कई स्थानों पर, सोपर ने अथ्यूब को चुनौती देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग किया है। हो सकता है कि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग न हो। टिप्पणी इन प्रश्नों के अनुवाद के अन्य तरीकों का सुझाव देगी। (देखें: आलंकारिक प्रश्न)

अथ्यूब 11:2 (#1)

"बहुत सी बातें जो कही गई हैं, क्या उनका उत्तर देना न चाहिये?"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोई भी इन सभी बातों का उत्तर नहीं देगा? या कोई बहुत बात करने वाले व्यक्ति को सही ठहराएगा?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 11:2 (#2)

"बहुत सी बातें जो कही गई हैं, क्या उनका उत्तर देना न चाहिये?"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत बातों का उत्तर दिया जाना चाहिए! बकवादी मनुष्य धर्मी नहीं ठहराया जायेगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 11:2 (#3)

"बहुत सी बातें जो कही गई हैं, क्या उनका उत्तर देना न चाहिये?"

सोपर बातें का उपयोग संगति द्वारा कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि अथ्यूब ने निर्दोष रूप से शब्दों का उपयोग करके क्या कहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे उन बहुत सी बातों का उत्तर देना होगा जो तूने कहीं हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 11:2 (#4)

"यदि क्या यह बकवादी मनुष्य धर्मी ठहराया जाए?"

हिंदी आई.आर.वी में ऐसा अनुवाद है परन्तु अंग्रेजी अनुवाद में यदि शब्द का उपयोग किया गया है। सोपर प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बकवादी मनुष्य धर्मी नहीं होगा, क्या वह होगा?"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 11:2 (#5)

"क्या यह बकवादी {होठों} मनुष्य धर्मी ठहराया जाए?"

मूल में होठों शब्द उपयोग किया गया है। सोपर शब्द होठों (बकवादी) का उपयोग बातचीत के संदर्भ में कर रहा है, क्योंकि लोग बात करते समय अपने होठों का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोई व्यक्ति इसलिए धर्मी होगा क्योंकि वह धार्मिक होने के बारे में बहुत बात करता है?" या "क्या कोई व्यक्ति इसलिए धर्मी नहीं होगा क्योंकि वह धार्मिक होने के बारे में बहुत बात करता है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 11:2 (#6)

"क्या यह बकवादी मनुष्य धर्मी ठहराया जाए?"

इस भाषण में, सोपर अथ्यूब को जवाब दे रहा है, और वह उसे बाकी भाषण में सीधे "तू" के रूप में संबोधित करेंगे। परन्तु यहाँ शुरूआत में वह अथ्यूब के बारे में तीसरे व्यक्ति में बात कर रहे हैं, भले ही वह वास्तव में अथ्यूब से बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू धार्मिक होने की बात करके उचित ठहराया जायेगा?"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथ्यूब 11:3 (#1)

"क्या तेरे बड़े बोल के कारण लोग चुप रहें?"

सोपर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे बड़े बोल लोगों को चुप नहीं कर सकते! किसी को तेरे ठट्ठा करने के लिए तुझे शर्मिंदा करना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 11:3 (#2)

"और जब तू ठट्ठा करता है"

सोपर का अर्थ है कि अथ्यूब ने परमेश्वर का ठट्ठा उड़ाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब तू परमेश्वर का मजाक बनाये?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 11:4 (#1)

""तू तो यह कहता है, 'मेरा सिद्धान्त शुद्ध है,'"

सोपर का स्पष्ट अर्थ है कि अथ्यूब ने ये बातें परमेश्वर से कही हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तू परमेश्वर से कहा है, 'मेरा सिद्धान्त निर्दोष है, और मैं तेरी दृष्टि में शुद्ध/पवित्र हूँ'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 11:4 (#2)

""तू तो यह कहता है, 'मेरा सिद्धान्त शुद्ध है,'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तूने परमेश्वर से कहा है कि तेरा सिद्धान्त शुद्ध है और तू उनकी दृष्टि में पवित्र हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथ्यूब 11:4 (#3)

""मेरा सिद्धान्त शुद्ध है,"

सोपर कहते हैं कि अथ्यूब ने ऐसे बात की है जैसे कि उनका सिद्धान्त वास्तव में शुद्ध था और उनका चाल-चलन वास्तव में पवित्र था, अर्थात्, शारीरिक रूप से गंदा नहीं था। यदि यह

आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा सिद्धान्त सही है, और मैं धर्मी हूँ"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:4 (#4)

"मैं परमेश्वर की दृष्टि में"

सोपर देखने का अर्थ समझाने के लिए दृष्टि शब्द का उपयोग कर रहे हैं। दृष्टि, ध्यान, दृष्टिकोण, और निर्णय का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे दृष्टिकोण में"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 11:5

""परन्तु भला हो, कि परमेश्वर स्वयं बातें करें"

यह हिंदी आई.आर.वी. अनुवाद है लेकिन अंग्रेजी में प्रश्न भाव का उपयोग हुआ है। परमेश्वर को बात करने कौन देगा (अंग्रेजी अनुवाद के अनुसार), यह प्रश्न इच्छा को प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस प्रश्न का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं जो इच्छा व्यक्त करता है, यहाँ से शुरू होकर अगले पद की शुरुआत तक जारी रहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि परमेश्वर बोलें और तुम्हारे विरुद्ध अपना मुँह खोलें"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 11:5 (#2)

""परन्तु भला हो, कि परमेश्वर स्वयं बातें करें... मुँह खोले"

अभिव्यक्तियाँ बातें और मुँह खोले समान अर्थ रखते हैं। सोपर जोर देने के लिए इन दोनों अभिव्यक्तियों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने का कोई और तरीका व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दिल से चाहता हूँ कि परमेश्वर तुझे बताएँ कि तू गलत हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथ्यूब 11:5 (#3)

"और तेरे विरुद्ध मुँह खोले।"

सोपर बोलने की प्रक्रिया के पहले भाग, अपना मुँह खोलना, पूरी बात करने की प्रक्रिया का अर्थ स्पष्ट करने के लिए उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और बात करें"

देखें: उपलक्षण

अथूब 11:6 (#1)

"और तुझ पर बुद्धि की गुप्त बातें प्रगट करे"

यदि आपने पिछले पद में इस वाक्य की शुरुआत को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवादित किया है, तो यहाँ वाक्य के अंत का उसी प्रकार अनुवाद करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुझ पर ज्ञान के रहस्यों की घोषणा करें!"

देखें: मुहावरा

अथूब 11:6 (#2)

"कि उनका मर्म तेरी बुद्धि से बढ़कर है"

यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि तेरी समझ से दोगुनी है" या "परमेश्वर की बुद्धि तेरी समझ से दो गुना महान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:6 (#3)

"कि उनका मर्म तेरी बुद्धि से बढ़कर है"

अभिव्यक्ति बढ़कर से, सोपर का मतलब वास्तव में अत्यधिक से था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि तेरी समझ से कहीं अधिक महान है"

देखें: मुहावरा

अथूब 11:6 (#4)

"इसलिए जान ले, कि परमेश्वर तेरे अधर्म में से बहुत कुछ भूल जाता है"

सोपर ऐसा कह रहे हैं मानो परमेश्वर वास्तव में अथूब के कुछ अधर्म को भूल रहे हों। उनका तात्पर्य है कि परमेश्वर अथूब द्वारा किए गए कुछ पापों को अनदेखा कर रहे हैं और इसलिए उन्हें सभी पापों के लिए दंडित नहीं कर रहे हैं। सोपर यह नहीं

कह रहे हैं कि परमेश्वर के ज्ञान या स्मृति की कोई सीमा है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तेरे कुछ अपराधों को अनदेखा कर रहे हैं" या "परमेश्वर तुझे तेरे सभी पापों के लिए दण्डित नहीं कर रहे हैं"।

देखें: रूपक

अथूब 11:7 (#1)

"क्या तू परमेश्वर का गूढ़ भेद पा सकता है?"

यहाँ शब्द पा का अर्थ "समझना" है और अंग्रेजी में खोजना शब्द भी आया है जिसका अर्थ है विचार करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू विचार के माध्यम से परमेश्वर को समझ पायेगा?"

देखें: मुहावरा

अथूब 11:7 (#2)

"क्या तू परमेश्वर का गूढ़ भेद पा सकता है?"

सोपर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम परमेश्वर को खोजकर नहीं पा सकते!" या "तुम परमेश्वर को विचार करने के माध्यम से नहीं समझ सकते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 11:7 (#3)

"और क्या तू सर्वशक्तिमान का मर्म पूरी रीति से जाँच सकता है?"

अंग्रेजी के अनुवाद में क्या के स्थान पर यदि शब्द का उपयोग किया गया है। सोपर प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। (और यहाँ जाँच शब्द का अर्थ "समझना" है।) यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम कभी भी सर्वशक्तिमान को पूर्णता तक नहीं समझ सकते हो, क्या तुम समझोगे?"

देखें: मुहावरे

अथ्यूब 11:7 (#4)

"और क्या तू सर्वशक्तिमान का मर्म पूरी रीति से जाँच सकता है?"

यदि आपकी भाषा में **पूरी रीति** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सर्वशक्तिमान को कभी भी पूरी तरह से नहीं समझ सकते, क्या तुम समझ पाओगे?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 11:7 (#5)

"और क्या तू सर्वशक्तिमान का मर्म पूरी रीति से जाँच सकता है?"

सोपर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम सर्वशक्तिमान को कभी भी पूरी तरह से नहीं समझ सकते हो!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 11:8 (#1)

""रह आकाश सा ऊँचा है; तू क्या कर सकता है?"

सोपर कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि, आकाश की ऊँचाई के समान है! तू इसे समझने के लिए क्या कर सकता है? परमेश्वर की बुद्धि, अधोलोक से भी गहरी है! तू इसके बारे में क्या जान सकता है?"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 11:8 (#2)

""रह आकाश सा ऊँचा है; तू क्या कर सकता है... अधोलोक?"

सोपर सृष्टि के उच्चतम और निम्नतम बिंदुओं, **आकाश** और **अधोलोक**, का उपयोग करके उन्हें और उनके बीच की हर चीज़ को, अर्थात् पूरी सृष्टि को, दर्शा रहा है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर की बुद्धि पूरी तरह से व्यापक है, जैसे कि यह वास्तव में बहुत लंबी और बहुत चौड़ी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर की बुद्धि पूरी तरह से व्यापक है" (2) कि परमेश्वर की बुद्धि सृष्टि की हर चीज़ को समझती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर की बुद्धि पूरी सृष्टि को समझती है"

जैसे कि यह वास्तव में बहुत ऊँची और बहुत गहरी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि पूरी तरह से व्यापक है! तू क्या कर सकता है? तू क्या जान सकता है?" (2) कि परमेश्वर की बुद्धि सृष्टि की हर चीज़ को समझती है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि पूरी सृष्टि को समझती है! तू क्या कर सकता है? तू क्या जान सकता है?"

देखें: विभज्योतक

अथ्यूब 11:8 (#3)

""तू क्या कर सकता है?"

सोपर जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू परमेश्वर की बुद्धि को समझने के लिए कुछ नहीं कर सकता! ... तू इसके बारे में ज्यादा कुछ जान नहीं सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 11:9 (#1)

""उसकी माप पृथ्वी से भी लम्बी है"

सोपर स्वर्ग के नीचे और अधोलोक के ऊपर सृष्टि के दो मुख्य घटकों, **पृथ्वी** और **समुद्र**, का उपयोग पूरी सृष्टि को चित्रित करने के लिए कर रहा है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर की बुद्धि पूरी तरह से व्यापक है, जैसे कि यह वास्तव में बहुत लंबी और बहुत चौड़ी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर की बुद्धि पूरी तरह से व्यापक है" (2) कि परमेश्वर की बुद्धि सृष्टि की हर चीज़ को समझती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर की बुद्धि पूरी सृष्टि को समझती है"

देखें: विभज्योतक

अथ्यूब 11:10 (#1)

""परमेश्वर बीच से गुजरे"

अंग्रेजी के अनुवाद में परमेश्वर के स्थान पर वह शब्द उपयोग किया गया है। सर्वनाम **वह** परमेश्वर को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 11:10 (#2)**"बन्दी बना ले और अदालत में बुलाए"**

सोपर स्पष्ट रूप से परमेश्वर द्वारा किसी के विरुद्ध अपने आरोपों को सुनने और उस व्यक्ति पर निर्णय सुनाने के लिए समूह को इकट्ठा करने का उल्लेख कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और किसी को कैद करते हैं और उस व्यक्ति का न्याय करने के लिए सभा बुलाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:10 (#3)**"तो कौन उसको रोक सकता है?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर कोई उन्हें वापस नहीं ला सकता..."

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 11:10 (#4)**"तो कौन उसको रोक सकता है?"**

देखें कि आपने इस वाक्यांश का [9:12](#) में कैसे अनुवाद किया। सोपर अथूब के अपने शब्दों का उसके खिलाफ उपयोग कर रहा है, इसलिए आपके पाठकों के लिए इस वाक्यांश का यहाँ उसी तरह अनुवाद करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर कौन उन्हें रोक सकता है?" या "फिर कोई उन्हें नहीं रोक सकता!"

देखें: रूपक

अथूब 11:10 (#5)**"तो कौन उसको रोक सकता है?"**

यहाँ [9:12](#) में आपने यह संकेत दिया हो सकता है कि अथूब कह रहे थे कि कोई भी परमेश्वर को यह कहकर नहीं रोक सकता कि कुछ करना गलत होगा। यदि ऐसा है, तो यहाँ आप यह संकेत दे सकते हैं कि सोपर इसके जवाब में क्या सुझाव दे रहे हैं, कि परमेश्वर सही और गलत को मनुष्यों से कहीं बेहतर जानते हैं और उन्हें यह सुनने की आवश्यकता नहीं है कि वह क्या कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर कौन उन्हें

रोक सकता है, क्योंकि वह मनुष्यों से कहीं बेहतर जानते हैं और उन्हें सुनने की आवश्यकता नहीं है?" या "फिर कोई उन्हें रोक नहीं सकता, क्योंकि वह मनुष्यों से कहीं बेहतर जानते हैं और उन्हें उनकी सुनने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:11 (#1)**"वह पाखण्डी मनुष्यों का भेद जानता है"**

यदि आपकी भाषा में **पाखण्डी** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग बेकार हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 11:11 (#2)**"और अनर्थ काम को बिना सोच विचार किए भी जान लेता है"**

सोपर जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह निश्चित रूप से जब उसे देखेगा तो अधर्म को भी ध्यान देगा।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 11:11 (#3)**"जान लेता है"**

शब्द जान लेता का अर्थ यह है कि परमेश्वर केवल **अधर्म** को ध्यान नहीं करेंगे, बल्कि उससे बढ़कर कार्य करेंगे। यह दर्शाता है कि परमेश्वर **अधर्म** करने के लिए लोगों को दंडित करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके लिए लोगों को दंडित करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:12 (#1)**"निर्बुद्धि मनुष्य बुद्धिमान हो सकता है"**

जोर देने के लिए, सोपर वह कह रहे हैं जो वह वास्तव में नहीं कहना चाहते। जंगली गदहे का बच्चा कभी भी मनुष्य से

उत्पन्न नहीं होगा, और इसलिए, सोपर का मतलब है कि निर्बुद्धि मनुष्य कभी भी बुद्धि प्राप्त नहीं करेगा, अर्थात् वह बुद्धिमान नहीं बनेगा। यदि आपकी भाषा के वक्ता जोर देने के लिए इसका उपयोग उसके लिए नहीं करते जो वह वास्तव में नहीं कहना चाहता, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत कर सकते हैं कि सोपर का वास्तव में क्या मतलब है। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु निर्बुद्धि मनुष्य कभी भी बुद्धि प्राप्त नहीं करेगा, जैसे कि जंगली गदहे का बच्चा कभी भी मनुष्य से उत्पन्न नहीं हो सकता।"

देखें: व्यंग

अथ्यूब 11:12 (#2)

"निर्बुद्धि मनुष्य"

सोपर यह कह रहे हैं जैसे कोई **मनुष्य** सचमुच अंदर से निर्बुद्धि हो सकता है। उनका मतलब है कि ऐसा व्यक्ति बुद्धिमत्ता की कमी रखता है। आपकी भाषा में ऐसा कोई समान वाक्यांश हो सकता है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु खाली दिमाग वाला व्यक्ति" या "परन्तु वह व्यक्ति जो बुद्धिमत्ता की कमी रखता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:12 (#3)

"बुद्धिमान हो सकता है"

यहाँ बुद्धिमान व्यक्ति के विचारों का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए बुद्धिमान हो सकता है का अर्थ है बुद्धिमान बनना। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान बन जायेगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:12 (#4)

"यद्यपि मनुष्य जंगली गदहे के बच्चा के समान जन्म ले"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मनुष्य जंगली-गदहे के बच्चे का पिता बनेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 11:13 (#1)

"यदि तू अपना मन शुद्ध करे"

जोर देने के लिए, सोपर सर्वनाम **तू** का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द **शुद्ध** में मौजूद है। सोपर यहाँ जो सुझाव दे रहे हैं कि अथ्यूब कर सकते हैं, और जिस "निर्बुद्धि मनुष्य" को उन्होंने पिछले पद में वर्णित किया था, वह नहीं कर पाएंगे, के बीच विरोधाभास उत्पन्न कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग करना चाह सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जैसे तेरे लिए, यदि तू अपना मन तैयार करता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 11:13 (#2)

"यदि तू अपना मन शुद्ध करे"

इस उदाहरण में, मन व्यक्ति की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू परमेश्वर पर भरोसा करने का संकल्प लेता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:13 (#3)

"और परमेश्वर की ओर अपने हाथ फैलाए"

सोपर सुझाव दे रहे हैं कि अथ्यूब परमेश्वर की ओर अपने **हाथ फैलाकर** प्रार्थना की मुद्रा अपना सकते हैं। आप अपनी संस्कृति की प्रार्थना की मुद्रा का वर्णन अपने अनुवाद में कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके सामने अपना सिर झुकाएं" या "और उनसे प्रार्थना करें"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 11:14 (#1)

"और यदि कोई अनर्थ काम तुझ से हुए हो उसे दूर करे"

सोपर का मतलब है कि अथ्यूब शायद अनर्थ कर रहे हैं और अगर वह कर रहे हैं, तो उन्हें रुक जाना चाहिए। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर तू अधर्म कर रहा है, तो ऐसा करना बंद कर दें"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:14 (#2)

"और अपने डेरों में कोई कुटिलता न रहने दे"

सोपर कुटिलता के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह जीवित वस्तु हो जो उन्हीं डेरों में रह सकती है जिनमें अथ्यूब और उनका घराना रह रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। शब्द डेरा हो सकता है: (1) अथ्यूब के पूरे जीवन का चित्रण हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, सुनिश्चित कर कि तू कोई अधर्म नहीं कर रहा है" (2) अथ्यूब के घराने का संदर्भ। वैकल्पिक अनुवाद: "और सुनिश्चित कर कि तेरे घराने में कोई भी अधर्म नहीं कर रहा है"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 11:14 (#3)

"और अपने डेरों में कोई कुटिलता न रहने दे"

यदि आपकी भाषा में कुटिलता के विचार के लिए कोई अमृत संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, सुनिश्चित कर कि तू कुछ भी ऐसा नहीं कर रहा है जो धर्म के अनुरूप नहीं है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 11:15 (#1)

"तब तो तू निश्चय अपना मुँह निष्कलंक दिखा सकेगा"

सोपर सुझाव दे रहे हैं कि अथ्यूब बिना किसी चिंता के अपना मुँह...दिखा सकेंगे, यह दर्शनी के लिए कि कोई कलंक दिखाई नहीं देगा और वह किसी भी चीज़ से शर्मिदा नहीं थे। अथ्यूब ने [10:15](#) में कहा था कि वह ऐसा नहीं कर सकते, और इसलिए सोपर अथ्यूब को उनके अपने शब्दों में जवाब दे रहे हैं। आपके पाठकों को यह समझने में सहायता करने के लिए कि सोपर क्या कर रहे हैं, आप इस अभिव्यक्ति का अनुवाद उसी तरह कर सकते हैं जैसे आपने [10:15](#) में तुलनीय अभिव्यक्ति का अनुवाद किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे अब शर्मिदित होने की आवश्यकता नहीं होगी"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 11:15 (#2)

"निष्कलंक"

सोपर ऐसा बोल रहे हैं जैसे अथ्यूब के चेहरे पर सचमुच कलंक हो और वह परमेश्वर से प्रार्थना करने पर दूर हो जाएगा। यह कलंक वास्तव में शर्म का कारण दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना किसी शर्मिदगी के"

देखें: रूपक

अथ्यूब 11:15 (#3)

"और तू स्थिर होकर कभी न डरेगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि कार्य कौन करेगा, तो संदर्भ से पता चलता है कि यह परमेश्वर होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर तुझे स्थापित करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 11:15 (#4)

"कभी न डरेगा।"

सोपर का अप्रत्यक्ष अर्थ यह है कि अथ्यूब को परमेश्वर से और कोई डर नहीं रहेगा। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुझे यह डर नहीं रहेगा कि परमेश्वर तुझे और दंडित करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 11:16 (#1)

"तू उसे उस पानी के समान स्मरण करेगा जो बह गया हो।"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे जल बह जाता है (उदाहरण के लिए, नदी में बहता हुआ) और चला जाता है, वैसे ही अथ्यूब की मुसीबत भी चली जाएगी और वह उसे बिल्कुल भी याद नहीं करेगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू इसे बिल्कुल भी याद नहीं करेगा, जैसे नदी में जल बह जाता है और फिर कभी नहीं दिखता।"

देखें: उपमा

अथूब 11:17 (#1)

"और तेरा जीवन दोपहर से भी अधिक प्रकाशमान होगा"

सोपर दोपहर शब्द का उपयोग संबंध के माध्यम से दोपहर के समय के सूर्य का अर्थ बताने के लिए कर रहा है, अर्थात्, सूर्य जब वह आकाश में सबसे ऊँचा और प्रकाशमान होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जीवन दोपहर के सूर्य से भी अधिक प्रकाशमान होगा।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 11:17 (#2)

"और तेरा जीवन दोपहर से भी अधिक प्रकाशमान होगा"

सोपर अथूब के जीवन के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वह सचमुच एक सूर्य की तरह कोई वस्तु हो, जो आकाश में प्रकाशमान हो सकता है। यह कहकर कि अथूब का जीवन आकाश में दोपहर के सूर्य से भी ऊँचा उठेगा, उनका मतलब है कि यह बहुत उज्ज्वल होगा। शोभा, खुशहाल समझि का प्रतिनिधित्व करती है। यदि यह आपकी भाषा में अर्धिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तेरा जीवन फिर से बहुत खुशहाल हो जाएगा, जैसे कि यह दोपहर के सूर्य से भी अधिक प्रकाशमान हो।"

देखें: रूपक

अथूब 11:17 (#3)

"और चाहे अंधेरा भी हो तो भी वह भोर सा हो जाएगा"

काव्यात्मक समानता में, सोपर एक बार फिर, इस उदाहरण में भोर का प्रकाश खुशी की दर्शनी के लिए उपयोग कर रहे हैं। यह अथूब की वर्तमान दुर्दशा के विपरीत है, जिसे सोपर अंधेरे के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सोपर एक बार फिर अथूब को उनके अपने शब्दों से जवाब दे रहे हैं। यहाँ अनुवादित अंधेरा उसी मूल से है जैसा कि यू.एल.टी. [10:22](#) में "गड़बड़" के रूप में अनुवाद करता है। अपने पाठकों को यह समझने में सहायता करने के लिए कि सोपर क्या कर रहे हैं, आप यहाँ इस शब्द का उसी तरह अनुवाद कर सकते हैं जैसा आपने वहाँ किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे जीवन की दुर्दशा अब अस्पष्टता की तरह महसुस हो सकती है, परन्तु यह खुशी में बदल जाएगी, जैसे भोर, अंधेरे को प्रकाश में बदल देती है।"

देखें: रूपक

अथूब 11:18 (#1)

"और अपने चारों ओर देख देखकर।"

सोपर का स्पष्ट अर्थ है कि अथूब चारों ओर देखकर, देखेगा कि कोई खतरा नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तू चारों ओर देखेगा और देखेगा कि कोई खतरा नहीं है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:18 (#2)

"तू निर्भय विश्राम कर सकेगा"

सोपर अप्रायक्ष रूप से उस समय का उल्लेख कर रहे हैं जब अथूब रात में विश्राम कर सकेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। आपकी भाषा में यहाँ उपयोग करने के लिए आपकी अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू सुरक्षित रूप से सोने के लिए लेट जायेगा" या "तू सुरक्षित रूप से बिछोने पर जायेगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:18 (#3)

"तू निर्भय विश्राम कर सकेगा"

यदि आपकी भाषा में निर्भय के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू बिना डर के लेट सकेगा।"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

अथूब 11:19 (#1)

"और जब तू लेटेगा,"

सोपर का अर्थ यह है कि अथूब रात में सोने के लिए लेटेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तू रात में सोने के लिए लेटेगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 11:19 (#2)

"और बहुत लोग तुझे प्रसन्न करने का यत्न करेंगे"

सोपर यह कह रहे हैं जैसे बहुत लोग सचमुच अथूब को प्रसन्न करेंगे, जैसे कोई व्यक्ति किसी को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा हो। सोपर का मतलब है कि अथूब फिर से प्रभावशाली बन जाएंगे और लोग उनका पक्ष प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत लोग तेरी कृपा प्राप्त करने की कोशिश करेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 11:20 (#1)

"परन्तु दुष्ट लोगों की आँखें धुँधली हो जाएँगी।"

सोपर मृत्यु का उल्लेख कर रहे हैं, जो लोगों की आँखों के उस तरीके से जुड़ा है जब वे मरने वाले होते हैं (या तो वृष्टि का धुँधला होना या अच्छी तरह से न देख पाना)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु दुष्ट मर जाएँगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 11:20 (#2)

"और उन्हें कोई शरणस्थान न मिलेगा"

सोपर शरणस्थान की बात कर रहे हैं जैसे कि यह जीवित चीज़ हो जो नष्ट (मूल में न मिलेगा के स्थान में नष्ट का उपयोग हुआ है) हो सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वे मरने से बच नहीं पाएँगे"

देखें: मानवीकरण

अथूब 11:20 (#3)

"और उनकी आशा यही होगी कि प्राण निकल जाए"

सोपर वाक्यांश प्राण निकल जाए का उपयोग कर रहा है, जिसका अर्थ है "साँस छोड़ना," जो मृत्यु को दर्शाता है। यह मृत्यु का उल्लेख करने का सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई वाक्यांश हो सकता है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पास मृत्यु के

अलावा कोई आशा नहीं होगी" या "उनके पास मरने के अलावा कोई आशा नहीं रह जाएगी।"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 12 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय सोपर के पहले भाषण के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया की शुरुआत है। (अथूब की प्रतिक्रिया अध्याय 13 और 14 में जारी रहती है।)

- पद 1-6: अथूब अपने तीनों मित्रों से बात करते हैं और विरोध करते हैं कि वे उन्हें कुछ भी नया नहीं बता रहे हैं जो वह पहले से नहीं जानते हैं।
- पद 7-12: अथूब विशेष रूप से सोपर से बात करते हैं और जोर देकर कहते हैं कि सोपर ने अपने भाषण में जो कुछ भी अभी कहा है, वह संसार में सामान्य ज्ञान है और कुछ ऐसा है जिसे वह स्वयं जानते हैं।
- पद 13-25: अथूब वर्णन करते हैं कि परमेश्वर इतने सामर्थी हैं कि कोई भी उनके कार्यों का विरोध नहीं कर सकता।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

"तुम" का बहुवचन और एकवचन

शब्द "तुम" पद 1-3 में बहुवचन है, क्योंकि अथूब अपने तीनों मित्रों को संबोधित कर रहे हैं। शब्द "आप" पद 7-8 में एकवचन है, क्योंकि अथूब सोपर को संबोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो इन स्थानों पर बहुवचन और एकवचन रूपों का उपयोग करें।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी)

पद 13-14 में, अथूब परमेश्वर की सामर्थ्य के बारे में कथनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं। ये विशेष कथन उस मुख्य कथन को दर्शाते हैं जो अथूब पद 4 में देते हैं कि "परमेश्वर बुद्धिमान और अति सामर्थी है"। इस प्रकार के कथनों की श्रृंखला को वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) कहा जाता है। यदि आपके पाठक समझेंगे कि अथूब क्या कर रहे हैं, तो आप

इस वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का अनुवाद और प्रारूप यूएलटी की तरह कर सकते हैं। यदि वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का रूप आपके पाठकों के लिए परिचित नहीं होगा, तो आप मुख्य कथन को इस तरह प्रारूपित कर सकते हैं कि यह एक सारांश कथन दिखाए जो अथ्यूब के कहने का समग्र अर्थ दिखाता है। आप फिर वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) के प्रत्येक वाक्य को अलग पंक्ति में रख सकते हैं। प्रारूप कुछ इस तरह दिख सकता है:

उनके पास बुद्धि और पराक्रम हैं; उनके पास युक्ति और समझ है। देखो, वह ढा देते हैं, और यह फिर बनाया नहीं जाता; वह जिस मनुष्य को बंद करते हैं, और वह फिर नहीं खुलता। देखो, वह वर्षा को रोकते हैं और जल सूख जाता है, और वह जल को छोड़ते हैं और पृथ्वी उलट जाती है। उनके पास सामर्थ और खरी बुद्धि हैं; उनके पास धोखा देनेवाला और धोखा खाने वाला है; वह मत्रियों को लूटकर बँधुआई में ले जाते हैं, और वह न्यायियों को मूर्ख बनाते हैं। वह राजाओं का अधिकार तोड़ देते हैं और उनकी कमर पर बंधन बंधवाते हैं; वह याजकों को लूटकर बँधुआई में ले जाते हैं, और वह सामर्थियों को उलट देते हैं, वह विश्वासयोग्य पुरुषों से बोलने की शक्ति और पुरनियों से विवेक की शक्ति हर लेते हैं, वह हाकिमों को अपमान से लादते हैं, और बलवानों के हाथ ढीले करते हैं, वह अंधियारे की गहरी बातों को प्रकट करते हैं, और मृत्यु की छाया को प्रकाश में लाते हैं, वह जातियों को बढ़ाते हैं, और उनको नाश करते हैं; वह उनको फैलाते हैं और बँधुआई में ले जाते हैं, वह पृथ्वी के मुख्य लोगों की बुद्धि उड़ा देते हैं और उनको निर्जन स्थानों में जहाँ रास्ता नहीं है, भटकाते हैं। वे बिन उजियाले के अंधेरे में टटोलते फिरते हैं और वह उन्हें ऐसा बना देता है कि वे मतवाले के समान डगमगाते हुए चलते हैं।

अथ्यूब 12:2 (#1)

"निःसन्देह मनुष्य तो तुम ही हो"

ज़ोर देने के लिए, अथ्यूब जो कहना चाह रहे हैं उसके विपरीत कह रहे हैं। अगर आपकी भाषा का कोई वक्ता ऐसा नहीं करता, तो आप अपने अनुवाद में बता सकते हैं कि अथ्यूब का वास्तव में क्या मतलब है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम ऐसे बोल रहे हैं जैसे तुम ही सब कुछ जानते हैं और जैसे कि सारी बुद्धि तुम्हारे पास ही है, लेकिन यह सच नहीं है।"

देखें: व्यंग

अथ्यूब 12:2 (#2)

"तुम ही हो"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, यहाँ और अगले दो पदों में **तुम शब्द बहुवचन है क्योंकि अथ्यूब अपने तीन मित्रों का उल्लेख कर रहे हैं।** इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें। अन्य भाषाओं में बहुवचन संदर्भ को इंगित करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम तीनों ही वह लोग हो"

देखें: 'आप' के रूप — बहुवचन

अथ्यूब 12:2 (#3)

"मनुष्य तो तुम ही हो"

सम्भवतः अथ्यूब यह कह रहे हैं (जबकि उनका मतलब इसके विपरीत हो सकता है): (1) कि उनके तीन मित्र इतने बुद्धिमान हैं कि उनकी राय ही वास्तव में महत्वपूर्ण है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम वे लोग हो जिनकी राय महत्वपूर्ण है" (2) कि उनकी सलाह में, उनके तीन मित्र अपने लोगों की सामूहिक बुद्धि को व्यक्त कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने हमारे पूरे लोगों की बुद्धि को व्यक्त किया है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 12:2 (#4)

"तब बुद्धि भी जाती रहेगी"

अथ्यूब **बुद्धि** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित चीज हो जो जाती रहेगी (नष्ट हो सकती है)। वह व्यंग्य में कह रहे हैं कि उनके मित्र ही वास्तव में बुद्धिमान लोग हैं और इसलिए जब वे नहीं रहेंगे तो पृथ्वी पर कोई बुद्धि नहीं बचेगी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वास्तव में, तुम पृथ्वी पर एकमात्र बुद्धिमान हो"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 12:3 (#1)

"तुम्हारे समान मुझ में भी समझ है"

यहाँ, समझ विचारों का प्रतिनिधित्व करता है, और इस संदर्भ में, विशेष रूप से बुद्धिमान विचारों का। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पास भी आपकी तरह ही बुद्धि है"

देखें: रूपक

अथूब 12:3 (#2)

"मैं तुम लोगों से कुछ नीचा नहीं हूँ"

अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वे अपने दोस्तों से कमतर नहीं हैं। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप इसका अर्थ भी स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुमसे कम नहीं हूँ" या "मैं तुमसे निम्न नहीं हूँ।"

देखें: मुहावरा

अथूब 12:3 (#3)

"कौन ऐसा है जो ऐसी बातें न जानता हो?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, ऐसी बातें हर किसी के साथ होती हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 12:3 (#4)

"कौन ऐसा है जो ऐसी बातें न जानता हो?"

अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि उनके मित्रों ने जो बातें कही हैं, वे सभी को ज्ञात हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हर कोई ऐसी बातें जानता है" या "और हर कोई उन बातों को जानता है जो तुमने कही हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 12:4 (#1)

"मैं परमेश्वर से प्रार्थना करता था, और वह मेरी सुन लिया करता था"

अथूब वास्तव में अपने लिए मैं और मेरी सर्वनाम का उपयोग कर रहे हैं। अगर यह आपकी भाषा में ज्यादा स्पष्ट हो, तो आप इसे प्रथम-व्यक्ति सर्वनामों का उपयोग करके अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जिनके पाँव फिसलते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 12:4 (#2)

"हँसी"

अथूब हँसी शब्द का प्रयोग हँसी की वस्तु, यानी उपहास की वस्तु के अर्थ में कर रहे हैं। आपकी भाषा में कोई ऐसी शब्द हो सकती है जिसका प्रयोग आप इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए अपने अनुवाद में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हँसी का पात्र"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:4 (#3)

"धर्मी और खरा—हँसी"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, एक धर्मी और निर्दोष व्यक्ति, हँसी का पात्र बन गया हूँ!"

देखें: पदलोप

अथूब 12:5 (#1)

"सुखी"

अथूब विशेषण सुखी का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो सुखी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 12:5 (#2)

"और जिनके पाँव फिसलते हैं"

अथूब कुछ लोगों के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे उनका पाँव सचमुच फिसल रहा हो और वे गिरने वाले हों। अथूब संभवतः उन लोगों का वर्णन कर रहे हैं जो कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, और वे कह रहे हैं कि जो लोग सुखी हैं, वे विश्वास करते हैं कि वे संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि परमेश्वर उन्हें उनके पापों के लिए दण्ड दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक

अनुवाद: "वे विश्वास करते हैं कि जब लोग जीवन में संघर्ष करते हैं, तो ऐसा इसलिए होता है क्योंकि परमेश्वर उनके पापों के लिए उन्हें दंडित कर रहे हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 12:5 (#3)

"और जिनके पाँव फिसलते हैं"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य का पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप संदर्भ से इन शब्दों को प्रदान कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें लगता है कि यह तैयार है।"

देखें: पदलोप

अथूब 12:5 (#4)

"जिनके पाँव फिसलते हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सोचते हैं कि परमेश्वर ने इसे तैयार किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 12:6 (#1)

"डाकुओं के डेरे कुशल क्षेम से रहते हैं"

अथूब इन डाकुओं के डेरे के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे जीवित चीजें हों जो कुशल क्षेम हो सकती हैं। डाकुओं की एक मूल्यवान संपत्ति का उल्लेख करके, अथूब का मतलब है कि डाकु स्वयं समृद्ध होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लुटेरे समृद्धि में रहते हैं।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:6 (#2)

"बहुत ही निडर"

अथूब बहुवचन रूप **बहुत ही निडर** का उपयोग कर रहे हैं यह दर्शने के लिए कि ये परमेश्वर को क्रोध दिलाने वाले अत्यधिक सुरक्षा का अनुभव करते हैं। आपकी भाषा में भी बहुवचन रूप का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पूर्ण सुरक्षित है"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 12:6 (#3)

"अर्थात् उनका ईश्वर उनकी मुट्ठी में रहता है"

यहाँ, मुट्ठी उस शक्ति और नियंत्रण को दर्शाता है जो किसी व्यक्ति के पास किसी चीज़ पर होता है। आपकी भाषा में भी कुछ ऐसा ही भाव हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति के लिए जो सोचता है कि परमेश्वर उनके नियंत्रण में हैं" या "उस व्यक्ति के लिए जो सोचता है कि उनके जीवन पर उनका नियंत्रण परमेश्वर से अधिक है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:7 (#1)

"पशुओं से तो पूछ और वे तुझे सिखाएँगे,"

अथूब किसी घटना के घटित होने की स्थिति बताने के लिए आदेशात्मक वाक्य का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे एक शर्तात्मक वाक्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब यदि तुम जानवरों से पुछो, तो उनमें से एक तुमको सिखाएगा, और यदि तुम आकाश के पक्षियों से पुछो, तो उनमें से एक तुमको बताएगा।"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 12:7 (#2)

"पशुओं से तो पूछ और वे तुझे सिखाएँगे,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे सोपर सचमुच **पशुओं** और **पक्षियों** के साथ बातचीत कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम वास्तव में जानवरों से पूछ सकते, तो उनमें से एक तुमको सिखाता, और यदि तुम वास्तव में आकाश के पक्षियों से पूछ सकते, तो उनमें से एक तुमको बताता।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:7 (#3)

"तो पूछ"

सर्वनाम तुझे और क्रियापद में निहित "तुम" (पूछ) यहाँ और अगले पद में एकवचन हैं क्योंकि अथूब सीधे अपने एक मित्र से बात कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें। अथूब शायद सोपर को संबोधित कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने 11:8-9 में कहा था कि अथूब सारी सृष्टि में खोज कर भी परमेश्वर की बुद्धि को नहीं समझ पाया। अथूब इसके जवाब में कह रहे हैं कि परमेश्वर के तरीके पशुओं और पक्षियों के लिए सामान्य ज्ञान हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब, सोपर, पूछ"

देखें: 'आप' के रूप — बहुवचन

अथूब 12:7 (#4)

"और वे तुझे सिखाएँगे"

अथूब का अर्थ है कि पशु और पक्षी परमेश्वर के मार्गों को सिखाएँगे और बताएँगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनमें से एक तुमको परमेश्वर के मार्ग सिखाएँगे ... और उनमें से एक तुमको परमेश्वर के मार्ग घोषित करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:7 (#5)

"आकाश के पक्षियों"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैवैकल्पिक अनुवाद: "आकाश के पक्षियों से पूछो"

देखें: पदलोप

अथूब 12:7-8 (#1)

""

11:9 में, सोपर ने सृष्टि के दो मुख्य घटकों, पृथ्वी और समुद्र का उपयोग पूरी सृष्टि के लिए किया। यहाँ 12:7-8 में, अथूब सोपर को उनके अपने शब्दों में जवाब दे रहे हैं। अथूब की भाषा अधिक विस्तृत है, और इसलिए यह अधिक जोरदार है। अथूब सृष्टि के तीन घटकों (भूमि के पशु, आकाश के पक्षी, और समुद्र की मछली) के निवासियों का उपयोग पृथ्वी के साथ-साथ पूरी सृष्टि के लिए कर रहा है। इसे दिखाने के लिए, आप पद 7-8 के लिए संयुक्त पद बना सकते हैं। यह कुछ इस तरह कह सकता है: "तुम सृष्टि में कहाँ भी जाकर किसी प्राणी से—यहाँ तक कि धरती से भी—परमेश्वर के मार्गों के बारे में पूछ सकते हैं, और वह प्राणी तुमको उनके बारे में समझा सकेगा"

देखें: संयुक्त पद

अथूब 12:8 (#1)

""पृथ्वी पर ध्यान दे, तब उससे तुझे शिक्षा मिलेगी,"

अथूब किसी घटना के घटित होने की स्थिति बताने के लिए आज्ञासूचक वाक्य का प्रयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे एक शर्तीय वाक्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू पृथ्वी से बातें करता, तो वह तुझे सिखाती; समुद्र की मछलियाँ तुझे बतातीं"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 12:8 (#2)

""पृथ्वी पर ध्यान दे, तब उससे तुझे शिक्षा मिलेगी,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे सोपर वास्तव में पृथ्वी और मछली के साथ संवाद कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर तुम धरती से बात कर पाते, तो वह तुमको सिखाती। अगर तुम समुद्र की मछलियों से बात कर पाते, तो वे तुमको बतातीं।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:8 (#3)

""तब उससे तुझे शिक्षा मिलेगी,"

एक बार फिर अथूब का तात्पर्य स्पष्ट रूप से यह है कि पृथ्वी और मछलियों से परमेश्वर के मार्गों की शिक्षा मिलेगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"और यह तुम्हें परमेश्वर के मार्ग सिखाएगा; समुद्र की मछलियाँ तुम्हें परमेश्वर के मार्ग बताएंगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:8 (#4)

"और समुद्र की मछलियाँ भी तुझ से वर्णन करेंगी"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या समुद्र की मछलियों से पूछो, और वे तुम्हें बताएंगी"

देखें: पदलोप

अथूब 12:9 (#1)

"कौन इन बातों को नहीं जानता"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न-रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये सभी जानते हैं कि यहोवा के हाथ ने यह किया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 12:9 (#2)

"कौन इन बातों को नहीं जानता"

अथूब उन जीवों के बारे में बात कर रहे हैं जिन्हें उन्होंने पिछले दो पदों में वर्णित किया है, मानो वे **जान** सकते हैं कि यहोवा ने क्या किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""इन सभी प्राणियों में से कौन है जो तुम्हें नहीं बता सकता, यदि तुम वास्तव में उनसे बात कर पाओ,"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:9 (#3)

"कि यहोवा ही ने अपने हाथ से इस संसार को बनाया है"

यहाँ, **हाथ** उस शक्ति और नियंत्रण को दर्शाता है जो किसी व्यक्ति के पास किसी चीज़ पर है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मानवता के सभी प्राणियों का जीवन"

कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा ने अपनी शक्ति से यह किया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:9 (#4)

"इस संसार को बनाया"

संदर्भ में, **संसार** शब्द संभवतः अथूब के विपत्ति को दर्शाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे विपत्ति का कारण बना है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:10 (#1)

"उसके हाथ में एक-एक"

यहाँ, **हाथ** उस शक्ति और नियंत्रण को दर्शाता है जो किसी के पास किसी चीज़ पर है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पास शक्ति है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:10 (#2)

"और एक-एक देहधारी मनुष्य"

इस उदाहरण में, अथूब शब्द **और** का उपयोग किसी ऐसी चीज़ पर ज़ोर देने के लिए कर रहे हैं जो पिछले वाक्यांश में शामिल है, न कि कुछ अतिरिक्त प्रस्तुत करने के लिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में झंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम से पहले: "मनुष्य के सभी शरीरों की साँस सहित"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 12:10 (#3)

"और एक-एक देहधारी मनुष्य की आत्मा"

आत्मा शब्द का अर्थ "जीवन" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मानवता के सभी प्राणियों का जीवन"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:10 (#4)

"और एक-एक देहधारी मनुष्य की आत्मा"

अथूब अपने देह के एक हिस्से, अपने आत्मा, का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और प्रत्येक व्यक्ति का जीवन"

देखें: उपलक्षण

अथूब 12:10 (#5)

"और एक-एक देहधारी मनुष्य की आत्मा"

यहाँ पर मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक महिला और पुरुष का जीवन" या "प्रत्येक व्यक्ति का जीवन"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 12:11 (#1)

"जैसे"- "क्या वैसे ही कान से वचन नहीं परखे जाते"

इस उदाहरण में, अथूब शब्द जैसे और वैसे का उपयोग कर रहे हैं यह कहने के लिए कि यह वाक्यांश उतना ही सत्य है जितना कि पिछला वाक्यांश। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे तालू भोजन का स्वाद चखता है, क्या कान शब्दों को नहीं परखता?"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 12:11 (#2)

"क्या वैसे ही कान से वचन नहीं परखे जाते"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "निश्चित रूप से कान शब्दों को उसी तरह परखते हैं जैसे तालू अपने भोजन का स्वाद लेता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 12:11 (#3)

"क्या वैसे ही कान से वचन नहीं परखे जाते"

अथूब कान की बात कर रहे हैं जैसे कि यह वचन की परख स्वयं कर सकता है। वह सुनने को दर्शाने के लिए कान का उपयोग कर रहे हैं, और उनका मतलब है कि लोग खुद दूसरों के शब्दों को परखते हैं या उन पर विचार करते हैं जब वे उन्हें सुनते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या लोग दूसरों के शब्दों को सुनकर उन पर विचार नहीं करते, जैसे लोग अपने मुँह से अपने भोजन का स्वाद पहचानते हैं?"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:11 (#4)

"वचन"

अथूब वचन का उपयोग उन बातों के लिए कर रहे हैं जो लोग शब्दों के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 12:11 (#5)

"क्या वैसे ही कान से वचन नहीं परखे जाते"

हालाँकि अथूब एक सामान्य कथन के रूप में बयान दे रहे हैं, लेकिन वह स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि उनके मित्रों ने उनसे क्या कहा है और उन्होंने इसके बारे में क्या निर्णय लिया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने आपकी कही गई बातों पर विचार किया है और निर्णय लिया है कि यह सच नहीं है, जैसे लोग अपने मुँह से अपने भोजन का स्वाद पहचानते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:11 (#6)**"जैसे जीभ से भोजन चखा जाता है"**

अथूब **जीभ** या मुँह के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वह खुट ही स्वाद **चखा** सकता हो। उनका मतलब है कि लोग अपने मुँह से उस भोजन का स्वाद पहचानते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे लोग अपने मुँह से भोजन का स्वाद पहचानते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 12:12 (#1)**"बूढ़ों में बुद्धि पाई जाती है,"**

हालाँकि इस पद में अथूब एक और सामान्य कथन दे रहे हैं, लेकिन वह खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में संदर्भित कर रहे हैं, जिसने लंबे अनुभव के माध्यम से बहुत ज्ञान प्राप्त किया है। आगे का निहितार्थ यह है कि हालाँकि सोपर ने [11:8](#) में उनसे पूछा था, "तू कहाँ समझ सकता है?" अथूब यहाँ इस बात पर ज़ोर दे रहे हैं कि वह वास्तव में जीवन के बारे में बहुत कुछ जानते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप इन बातों को अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने लंबे समय तक जीवन जिया है और मैंने अनुभव के माध्यम से बहुत ज्ञान प्राप्त किया है, इसलिए मैं वास्तव में जीवन के बारे में बहुत कुछ जानता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:12 (#2)**"बूढ़ों में बुद्धि पाई जाती है"**

यदि आपकी भाषा में **बुद्धि** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वृद्ध लोग बुद्धिमान होते हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 12:12 (#3)**"बूढ़ों में"**

अथूब विशेषण **बूढ़ों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक निश्चित प्रकार के लोगों के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वृद्ध लोगों के पास" या "बुजुर्ग लोगों के पास"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 12:12 (#4)**"और लम्बी आयु वालों में समझ होती तो है"**

मुहावरा **लम्बी आयु** का अर्थ लंबा जीवन है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, जिन्होंने एक लंबा जीवन जिया है, उनके पास समझ होती है।"

देखें: मुहावरा

अथूब 12:13 (#1)**"परमेश्वर में पूरी बुद्धि और पराक्रम पाए जाते हैं;"**

कुछ भाषाओं में सर्वनाम का इस्तेमाल हुआ है जो परमेश्वर को संदर्भित करता है। अथूब अब एक "बूढ़े" व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं, जैसा कि पिछले पद में किया था। इसके बजाय, वे परमेश्वर के बारे में अपने ज्ञान का वर्णन कर रहे हैं, जो लंबे समय तक जीवित रहे हैं और जिनमें बहुत बुद्धि है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जानता हूँ कि परमेश्वर के पास ज्ञान और शक्ति है; मैं जानता हूँ कि परमेश्वर के पास परामर्श और समझ है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 12:13 (#2)**"परमेश्वर में पूरी बुद्धि और पराक्रम पाए जाते हैं"**

यदि आपकी भाषा में **बुद्धि**, पराक्रम, युक्ति, और समझ के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर बुद्धिमान और पराक्रमी हैं; वे सब कुछ समझते हैं और जानते हैं कि क्या करना है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 12:13 (#3)**"परमेश्वर में पूरी बुद्धि और पराक्रम पाए जाते हैं;"**

जैसा कि निम्नलिखित पद स्पष्ट करते हैं, अथूब स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि ये गुण केवल परमेश्वर के हैं और परमेश्वर इन्हें

मनुष्यों के साथ साझा नहीं करते। इस अर्थ में, ऐसा लगता है कि अथूब परमेश्वर की प्रशंसा कर रहे हैं, उसी समय, अथूब परमेश्वर के बारे में कुछ हद तक शिकायत भी कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के पास इतना ज्ञान और शक्ति है कि कोई भी मनुष्य उनका विरोध नहीं कर सकता; परमेश्वर किसी को यह नहीं समझता कि वह किसी परिस्थिति को कैसे समझते हैं या वह इसके बारे में क्या करने जा रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:14 (#1)

"देखो,"—"जिसको वह ढा दे, वह फिर बनाया नहीं जाता;"

इन दोनों उदाहरणों में, अथूब उस स्थिति का वर्णन करने के लिए जो वह बता रहे हैं **देखो** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वे तोड़ते हैं, तो यह पुनर्निर्मित नहीं होता; यदि वे किसी पुरुष पर खुद को बंद करते हैं, तो यह नहीं खोला जाता।"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 12:14 (#2)

"वह फिर बनाया नहीं जाता;"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी पुनर्निर्माण नहीं करता ... और कोई भी नहीं खोलता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 12:14 (#3)

"जिस मनुष्य को वह बन्द करे, वह फिर खोला नहीं जाता"

इस संदर्भ में, **बन्द** और **खोलने** का अर्थ कैद और रिहाई से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक व्यक्ति को कैद करते हैं, और वह व्यक्ति रिहा नहीं होता" या "यदि वह एक व्यक्ति को कैद करते हैं, तो कोई भी उस व्यक्ति को रिहा नहीं करता।"

देखें: मुहावरा

अथूब 12:14 (#4)

"जिस मनुष्य"

यहाँ शब्द **मनुष्य** का एक सामान्य अर्थ है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुष और महिला दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष या महिला" या "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 12:15 (#1)

"देखो, जब वह वर्षा को रोक रखता है तो जल सूख जाता है;"

इन दोनों उदाहरणों में, अथूब शब्द **देखो** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि जिस स्थिति का वह वर्णन कर रहे हैं, उसके तहत क्या होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वे जल को रोकते हैं, तो वे सूख जाते हैं; यदि वे उन्हें भेजते हैं, तो वे भूमि को उलट देते हैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 12:15 (#2)

"तब पृथ्वी उलट जाती है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे जल सचमुच पृथ्वी को उलट देंगे या उसे उल्टा कर देंगे। उनका मतलब है कि जल पूरी तरह से भूमि को ढक लेंगे ताकि वहाँ अब कोई भूमि न रहे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे पूरी तरह से भूमि को बाढ़ में डुबो देते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 12:16 (#1)

"उसमें सामर्थ्य और खरी बुद्धि पाई जाती है;"

यदि आपकी भाषा में **सामर्थ्य** और **खरी बुद्धि** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञानी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 12:16 (#2)

"धोखा देनेवाला और धोखा खानेवाला"

अथ्यूब उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो सही तरीके से नहीं जी रहे हैं, जैसे कि वे धोखा दे रहे हों या उस रास्ते से हट रहे हों जिस पर उन्हें चलना चाहिए। वह उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो दूसरों को गलत काम करने के लिए प्रेरित करते हैं, जैसे कि वे उनके धोखा खाने का कारण बन रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो सही तरीके से नहीं जीते और वे जो दूसरों को सही तरीके से जीने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:16 (#3)

"धोखा देनेवाला और धोखा खानेवाला दोनों उसी के हैं"

इसका अर्थ यह है कि यदि कोई व्यक्ति धोखा दे रहा है या गलत कर रहा है, तो वह व्यक्ति यह कहकर अपने कार्यों का बहाना नहीं बना सकता कि किसी और ने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। जिसने गलत करने का चुनाव किया है, वह परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी है, और जिसने उसे गलत करने के लिए प्रेरित किया, वह भी परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गलत करते हैं और जो उन्हें गलत करने के लिए प्रेरित करते हैं, दोनों परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 12:16 (#4)

"धोखा देनेवाला और धोखा खानेवाला दोनों उसी के हैं"

अथ्यूब सभी लोगों के लिए दो पूरक प्रकार के लोगों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई अपने कार्यों और दूसरों को जो वे करने के लिए प्रेरित करते हैं, उसके लिए परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी हैं।"

देखें: मविभज्योतक

अथ्यूब 12:17 (#1)

"वह मंत्रियों को लूटकर बँधुआई में ले जाता"

सर्वनाम वह परमेश्वर को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मंत्रियों को नग्न भगाता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 12:17 (#2)

"वह मंत्रियों को लूटकर बँधुआई में ले जाता"

किसी को लूटकर ले जाना, जैसा कि विजयी सेनाएँ इस समय युद्ध के कैदियों के साथ करती थीं, एक प्रतीकात्मक कार्य था जो दर्शाता था कि विजेता ने बंदी को अपनी संस्कृति में उसकी पिछली स्थिति से वंचित कर दिया था। मंत्रियों के मामले में, उनकी शक्ति और अधिकार पहले उनके पद के वस्त्र द्वारा दर्शाए जाते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मंत्रियों के उन वस्त्रों को छीन लेते हैं जो उनके पद के अधिकार और शक्ति को दर्शाते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 12:17 (#3)

"वह मंत्रियों को लूटकर बँधुआई में ले जाता"

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच मंत्रियों को लूटकर ले जाते हैं। उनका अर्थ है कि परमेश्वर की बुद्धि इतनी महान है कि यह सबसे बुद्धिमान मनुष्यों की बुद्धि को भी लजित कर देती है, मानो उन्हें पद से हटा देती है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की बुद्धि इतनी महान है कि यह सबसे बुद्धिमान मनुष्यों की बुद्धि को भी लजित कर देती है।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:17 (#4)

"और न्यायियों को मूर्ख बना देता है"

इसका तात्पर्य शायद यह है कि परमेश्वर न्यायियों को मूर्ख प्रतीत कराते हैं क्योंकि वे उनसे कहीं अधिक बुद्धिमान हैं, न कि यह कि परमेश्वर न्यायियों के मन को प्रभावित करते हैं

ताकि वे अब बुद्धिमानी से सोच न सकें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर न्यायियों को मूर्ख प्रतीत कराते हैं क्योंकि परमेश्वर उनसे कहीं अधिक बुद्धिमान हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:18 (#1)

"वह राजाओं का अधिकार तोड़ देता है"

इसका निहितार्थ यह हो सकता है: (1) कि राजा किसी को बंदी बनाने के लिए उस पर **अधिकार** (अर्थात्, बेड़ियाँ) डाल सकते हैं, लेकिन परमेश्वर उस व्यक्ति को मुक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक राजा किसी को कँद कर सकता है, लेकिन परमेश्वर उस व्यक्ति को मुक्त कर सकता है" (2) कि राजा कुछ शाही **अधिकार** का प्रतीक पहन सकते हैं (अर्थात्, उनके शरीर के चारों ओर बंधी हुई कोई चीज़), जैसे कि एक कमरबंद या जंजीर, लेकिन परमेश्वर उनका अधिकार छीन लेते हैं और उसके इस प्रतीक को हटा देते हैं। यह अर्थ पिछले पद में अथूब द्वारा कही गई बात के समान होगा जिसमें परमेश्वर सलाहकारों के अधिकार के वस्तों को हटा देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर राजाओं के शाही पट्टियों को उतार देते हैं" या "परमेश्वर उन शाही अधिकार की जंजीरों को हटा देते हैं जो राजा पहन रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 12:18 (#2)

"वह राजाओं का अधिकार तोड़ देता है"

चाहे यह परमेश्वर द्वारा उन लोगों की बेड़ियों को हटाने का संदर्भ हो जिन्हें राजाओं ने कैद किया है या परमेश्वर द्वारा राजाओं द्वारा पहने गए शाही अधिकार के प्रतीकों को हटाने का, यह एक प्रतीकात्मक कार्य है जो दर्शाता है कि परमेश्वर राजाओं का अधिकार छीन रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इस कार्य की महत्ता समझ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे राजाओं का अधिकार छीन लेते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 12:18 (#3)

"और उनकी कमर पर बन्धन बन्धवाता है"

किसी की **कमर** के चारों ओर **बन्धन** लपेटना उसे गुलाम की तरह कपड़े पहनाना है। यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो दिखाती है कि व्यक्ति दास बन गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन्हें दास बना देते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 12:19 (#1)

"वह याजकों को लूटकर बँधुआई में ले जाता"

देखें कि आपने [12:17](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर याजकों से उन वस्तों को छीन लेते हैं जो उनके पद के अधिकार और शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 12:19 (#2)

"और सामर्थियों को"

अथूब विशेषण **सामर्थियों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यह शब्द बहुवचन है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो लोग अपने पदों पर लंबे समय से जमे हुए हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 12:20 (#1)

"वह विश्वासयोग पुरुषों से बोलने की शक्ति"

अथूब **बोलने** का उपयोग भाषण के संदर्भ में कर रहे हैं। वह भाषण का उपयोग उन **विश्वासयोग** लोगों द्वारा कही गई बातों के लिए कर रहे हैं, अर्थात् वे जो सलाह देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन लोगों की सलाह को अमान्य कर देते हैं जिन पर भरोसा किया जा रहा है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 12:20 (#2)**"वह विश्वासयोग्य पुरुषों से बोलने की शक्ति"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन लोगों की सलाह को अस्वीकार करते हैं जिन पर राजा भरोसा करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 12:21**"वह हाकिमों को अपमान से लादता,"**

जोर देने के लिए, अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे अपमान एक तरल पदार्थ हो जिसे परमेश्वर सचमुच हाकिमों पर डाल सकते हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर इन राजकुमारों को दूसरों का आदर खोने पर मजबूर कर देते हैं और उन्हें पूर्ण तिरस्कार का अनुभव कराते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कुलीनों को पूरी तरह से अपमानित करते हैं!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:21 (#2)**"और बलवानों के हाथ ढीले कर देता है"**

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच बलवानों के हाथ को ढीले कर देते हैं, यानी जैसे ये पराक्रमी लोग अपने वस्त्र बाँध लेते हैं ताकि वे कठिन काम कर सकें, लेकिन परमेश्वर उनके वस्त्रों को फिर से ढीला कर देते हैं ताकि वे वे काम न कर सकें। अथ्यूब का मतलब है कि परमेश्वर इतने शक्तिशाली हैं कि जब वे कार्य करते हैं, तो सबसे शक्तिशाली लोग भी उनकी तुलना में कमज़ोर प्रतीत होते हैं। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर इतने शक्तिशाली हैं कि जब वे कार्य करते हैं, तो सबसे शक्तिशाली लोग भी तुलना में कमज़ोर प्रतीत होते हैं!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:21 (#3)**"बलवानों"**

अथ्यूब विशेषण बलवानों का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। यह शब्द बहुवचन है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग जो पराकर्मी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 12:22**"वह अंधियारे की गहरी बातें प्रगट करता,"**

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर वास्तव में उन चीजों को प्रगट कर रहे हैं जो अंधियारे में छिपी हुई हैं, ताकि उन्हें देखा जा सके। यदि यह आपके लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर गहरी चीजों को प्रकट करते हैं जो मनुष्यों के लिए अस्पष्ट हैं; हाँ, वे लोगों को उन चीजों को समझने में मदद करते हैं जो स्पष्ट नहीं हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:22 (#2)**"वह अंधियारे की गहरी बातें प्रगट करता"**

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि जो बातें समझने में कठिन हैं, वे सचमुच गहरी हैं, यानी जमीन के नीचे इतनी दूर हैं कि लोग उन्हें देख या पहुँच नहीं सकते। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उन चीजों के बारे में सत्य प्रकट करते हैं जो समझने में कठिन हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 12:22 (#3)**"गहरी बातें"**

अथ्यूब विशेषण गहरी को संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार की वस्तुओं को दर्शनि के लिए उपयोग कर रहे हैं। यह शब्द बहुवचन है; आई.आर.वी इसे बातें शब्द जोड़कर दिखाता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वस्तुएं जो गहरी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 12:24 (#1)

"बुद्धि"

यहाँ, बुद्धि विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ"

देखें: रूपक

अथूब 12:24 (#2)

"और उनको निर्जन स्थानों में जहाँ रास्ता नहीं है, भटकाता है"

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच अगुवों को निर्जन स्थानों में भटकने के लिए मजबूर करते हैं। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे उन्हें भ्रमित कर देते हैं ताकि वे सही काम करने का तरीका न जान सकें"

देखें: रूपक

अथूब 12:25 (#1)

"वे बिन उजियाले के अंधेरे में टटोलते फिरते हैं;"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे ये अगुवे, जिनकी समझ परमेश्वर छीन लेते हैं, सचमुच अंधेरे में टटोलते फिरते हैं, जैसे उनके पास कोई उजियाला नहीं है जिससे वे देख सकें कि कहाँ जाना है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यह समझने में सक्षम नहीं हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए।"

देखें: रूपक

अथूब 12:25 (#2)

"कि वे मतवाले के समान डगमगाते हुए चलते हैं"

इस तुलना का मतलब यह है कि जिस तरह एक मतवाला बिना यह जाने कि वह कहाँ जा रहा है, विभिन्न दिशाओं में भटकता रहता है, उसी तरह ये अगुवे एक निश्चित, सही योजना बनाने में सक्षम हुए बिना एक के बाद एक काम करते रहेंगे। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उन्हें लक्ष्यहीन कार्य करने के लिए विवश करता है, जैसे एक शराबी लक्ष्यहीन भटकता है"

देखें: उपमा

अथूब 13 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय सोपर के पहले भाषण पर अथूब की प्रतिक्रिया की निरंतरता है।

- पद 1-19: अथूब अपने मित्रों से शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनके बारे में अनुचित रूप से बात की है
- पद 20-28: अथूब परमेश्वर के सामने अपनी बात रखना शुरू करते हैं। वह परमेश्वर से अनुरोध करते हैं कि वह उन्हें दंडित करना बंद करें और उन पापों को प्रकट करें जिनकी वजह से परमेश्वर उसे इतने अधिक कष्ट दे रहे हैं।

यू.एल.टी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर पाठ के शेष भाग की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

##इस अध्याय में अनुवाद की समस्याएँ

एकवचन और बहुवचन "तुम"

पद 1-19 में "तुम" और "तुम्हारा" शब्द और आज्ञावाचक क्रियाओं में निहित "तुम" सभी बहुवचन हैं, क्योंकि इन पदों में अथूब अपने तीन मित्रों को संबोधित कर रहा है। पद 20-28 में ये रूप एकवचन हैं, क्योंकि अथूब परमेश्वर को संबोधित कर रहा है। यदि आपकी भाषा एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर बताती है, तो अध्याय के इन विभिन्न भागों में उपयुक्त रूपों का प्रयोग करें।

"उसका पक्षपात करना (उसका मुँह उठाना)" (पद 8),
"अपना मुँह फेर लेता" (पद 24)

ये अभिव्यक्तियाँ एक सांस्कृतिक प्रथा को दर्शाती हैं। इस संस्कृति में, जब कोई व्यक्ति राजा की उपस्थिति में आता था, तो वह विनम्रता से जमीन की ओर देखता था। यदि राजा उससे प्रसन्न होते, तो राजा उसका "चेहरा उठाते," अर्थात्, उसे ऊपर देखने के लिए कहते (उदाहरण के लिए, उसकी ठुङ्गी के नीचे उंगली रखकर, या मौखिक आदेश के साथ) यह संकेत देने के लिए कि वह सीधे राजा को देख सकता है। इस तरह राजा यह दिखाते कि वह इस व्यक्ति को पसंद करते हैं। किसी का मुँह उठाने का संदर्भ किसी व्यक्ति के प्रति पक्षपात दिखाने का अर्थ बन गया। यही अर्थ पद 8 में है, जहाँ अथूब कहता है कि उसके मित्र उसके मामले को निष्पक्ष रूप से नहीं देख रहे हैं बल्कि परमेश्वर के प्रति पक्षपात दिखा रहे हैं।

इसी तरह, यदि कोई किसी से "अपना मुँह फेर लेता" (अर्थात्, अपना मुँह मोड़ लेता ताकि वह उस व्यक्ति को न देख सकें), तो यह एक चिन्ह होता कि वह उस व्यक्ति से प्रसन्न नहीं है। "मुँह फेरने" की अभिव्यक्ति का अर्थ "अरुचि दिखाना" बन गया, भले ही कोई वास्तव में किसी से नज़रे न हटा रहा हो। यही अथूब का अर्थ है पद 24 में जब वह परमेश्वर से पूछता है, "तू किस कारण अपना मुँह फेर लेता है" इन पदों की टिप्पणियाँ इन अभिव्यक्तियों के अनुवाद के तरीकों का सुझाव देती हैं।

अथूब 13:1 (#1)

"मैं यह सब कुछ अपनी आँख से देख चुका""

अथूब अपने एक हिस्से, अपनी आँख, का उपयोग देखने के कार्य में अपने सम्पूर्ण अस्तित्व को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। वे अपने एक और हिस्से, अपने कान, का उपयोग सुनने के कार्य में अपने सम्पूर्ण अस्तित्व को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने स्वयं सब कुछ देखा है; मैंने स्वयं सुना और समझा है।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 13:1 (#2)

"सब कुछ"

अथूब शब्द **सब कुछ** का उपयोग उन सभी बातों के लिए कर रहे हैं जो उनके मित्रों ने उन्हें बताई हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी तुम तीनों ने मुझे बताया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 13:2 (#1)

"जो कुछ तुम जानते हो" - "तुम लोगों से कुछ कम"

शब्द **तुम** यहाँ और पद 13 तक बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप — बहुवचन

अथूब 13:2 (#2)

"मैं भी जानता हूँ"

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम **मैं** का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द **जानता** में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं, जैसे गहन सर्वनाम "खुद" का उपयोग करना। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं खुद भी जानता हूँ। मैं खुद कम नहीं हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

अथूब 13:2 (#3)

"मैं तुम लोगों से कुछ कम नहीं हूँ"

देखें कि आपने 12:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुमसे कम नहीं हूँ" या "मैं तुमसे हीन नहीं हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 13:3 (#1)

"मैं तो सर्वशक्तिमान से बातें करूँगा"

अथूब इस भविष्यद्वानी का उपयोग अपनी इच्छा व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सर्वशक्तिमान से बात करना चाहता हूँ" या "मैं सर्वशक्तिमान से बात करना पसंद करूँगा"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 13:4 (#1)

"परन्तु तुम लोग झूठी बात के गढ़नेवाले हो"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके मित्र सचमुच उन पर झूठ का लेप कर रहे हों (अंग्रेजी अनुवाद में उपयोग हुआ है) अर्थात्, उन्हें झूठ से इस तरह ढक रहे हों जैसे किसी सतह पर पलस्तर किया जाता है। आपकी भाषा में भी ऐसा कोई मुहावरा हो सकता है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम लोग मुझ पर झूठ का लेप लगा रहे हो।"

देखें: रूपक

अथूब 13:4 (#2)**"तुम सब के सब निकम्मे वैद्य हो"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके मित्र वास्तव में चिकित्सक या वैद्य हों, जो उन्हें किसी बीमारी से ठीक करने का प्रयास कर रहे हों, परन्तु असफल हो रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी तुमने कहा है उससे तुम में से किसी ने भी मेरी कोई सहायता नहीं की है।"

देखें: रूपक

अथूब 13:5 (#1)**"भला होता, कि तुम बिल्कुल चुप रहते"**

देखें कि आपने भला होता अभिव्यक्ति का [11:5-6](#) में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "काश तुम चुप रहते, तो कितना अच्छा होता!"

देखें: मुहावरा

अथूब 13:5 (#2)**"कि तुम बिल्कुल चुप रहते"**

अथूब एक क्रिया को दोहरा रहे हैं, जिसका अर्थ है चुप रहना, ताकि उसकी अभिव्यक्ति को और अधिक तीव्र किया जा सके। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो यहाँ ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है।

वैकल्पिक अनुवाद: "तुम पूरी तरह से चुप हो जाते।"

देखें: पुनरावृत्ति करें

अथूब 13:5 (#3)**"और इससे तुम बुद्धिमान ठहरते"**

यदि आपकी भाषा में बुद्धिमान के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सबसे बुद्धिमानी भरा कार्य होगा जो तुम कर सकते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञा

अथूब 13:6 (#1)**"और मेरी विनती की बातों पर कान लगाओ"**

मूल भाषा में कान की जगह यहाँ होठों शब्द आया है। अथूब अपने एक अंग, होठों, का उपयोग बोलने के कार्य में अपने सम्पूर्ण अस्तित्व का अर्थ देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे मामले की पैरवी करते समय मैं जो कह रहा हूँ, उस पर ध्यान दो"

देखें: उपलक्षण

अथूब 13:7 (#1)**"'"क्या तुम परमेश्वर के निमित्त टेढ़ी बातें कहोगे"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने परमेश्वर के लिए अनुचित रूप से बात की है! तुमने उनके लिए कपटपूर्ण बात की है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:8 (#1)**"'"क्या तुम उसका पक्षपात करोगे?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने उनका पक्षपात किया है! तुमने परमेश्वर के लिए विनती की है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:8 (#2)**"क्या तुम उसका पक्षपात करोगे?"**

मूल भाषा में यहाँ उसका चेहरा उठाना कहावत का उपयोग किया गया है। हिंदी अनुवाद में कहावत का अर्थ बताया गया है। जैसा कि इस अध्याय कि सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, चेहरा उठाना का अर्थ है किसी के प्रति अनुग्रह या पक्षपात दिखाना है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप उनका मुखड़ा ऊपर उठाएंगे?" या "आप उनका मुखड़ा ऊपर उठा रहे हैं!"

देखें: कहावत

अथूब 13:8 (#3)

"परमेश्वर के लिये मुकद्दमा चलाओगे"

अथूब के मुकद्दमा शब्द का अर्थ "दरबारी मामले में तर्क करना" है। वह सुझाव दे रहे हैं कि उनके मित्र उन्हें निष्पक्ष रूप से सलाह नहीं दे रहे हैं बल्कि, उनके खिलाफ परमेश्वर का पक्ष ले रहे हैं, भले ही, जैसा कि वह देखते हैं, उनके पास परमेश्वर के खिलाफ एक वैध मामला है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुम मेरे खिलाफ परमेश्वर का पक्ष लोगे?" या "तुम मेरे खिलाफ परमेश्वर का पक्ष ले रहे हो!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 13:9 (#1)

"क्या यह भला होगा, कि वह तुम को जाँचे?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उचित नहीं है कि वह तुमको परखें! तुम उन्हें धोखा नहीं दे सकते जैसे तुम एक पुरुष को धोखा दे सकते हो।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:9 (#2)

"क्या यह भला होगा, कि वह तुम को जाँचे?"

अथूब का मतलब है कि यह उनके मित्रों के लिए **अच्छा** नहीं होगा यदि परमेश्वर उन्हें **जाँचना** चाहें, क्योंकि परमेश्वर यह जान लेंगे कि वे उनके बारे में सत्य नहीं बोल रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि परमेश्वर तुमको परखना चाहें, तो वे जान लेंगे कि तुम उनके बारे में सत्य नहीं बोल रहे हो, और यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 13:9 (#3)

"कोई मनुष्य"

मूल भाषा में यहाँ पुरुष शब्द आया है। यहाँ **मनुष्य** शब्द का सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष या एक महिला" या "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

अथूब 13:10 (#1)

"तो वह निश्चय तुम को डाँटेगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम गुप्त रूप से पक्षपात कर रहे थे, तो वह तुमको फटकारेगा।"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

अथूब 13:10 (#2)

"तो वह निश्चय तुम को डाँटेगा"

मूल भाषा में यहाँ अथूब **डाँटना** क्रिया का उपयोग दो बार किया गया है, ताकि वह जिस विचार को व्यक्त करते हैं उसे तीव्र कर सकें। हिंदी अनुवाद में इसे केवल एक ही बार लिखा गया है और जोर देने के लिए अन्य तरीके का उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह निश्चित रूप से डाँटेंगे"

देखें: पुनरावृत्ति

अथूब 13:10 (#3)

"पक्षपात करो"

देखें कि आपने [13:8](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम पक्षपात कर रहे थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 13:11 (#1)

"क्या तुम उसके माहात्म्य से भय न खाओगे?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका ऐश्वर्य निश्चित रूप से तुमको भयभीत करेगा और उनका डर निश्चित रूप से तुम पर पड़ेगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:11 (#2)

"क्या उसका डर तुम्हारे मन में न समाएगा?"

अथूब डर के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जी सक्रिय रूप से उनके दोस्तों में समा सकती है, इसका अर्थ या या तो उन्हें अभिभूत करना या उन पर कब्जा करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या तुम उससे अत्यधिक नहीं डरोगे?"

देखें: देहधारण

अथूब 13:12 (#1)

"तुम्हारे स्मरणयोग्य नीतिवचन राख के समान हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके दोस्तों द्वारा उद्धृत किए गए नीतिवचन सचमुच राख के समान हों। चूंकि इस संस्कृति में कचरा जलाकर राख में बदल दिया जाता था, अथूब का मतलब सम्भवतः यह है कि ये नीतिवचन व्यर्थ हैं, कम से कम उनकी स्थिति में लागू नहीं होते। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो यादगार नीतिवचन तुम कह रहे हो, वे मेरे लिए व्यर्थ हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 13:12 (#2)

"तुम्हारे गढ़ मिट्टी ही के ठहरे हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके मित्रों की परमेश्वर की ओर से दी गई दलीलें सचमुच मिट्टी की बनी हुई हों। वह शायद यह कहना चाहते हैं कि, वे मिट्टी की तरह नाजुक हैं और अगर उन पर प्रहार किया जाए तो वे टूट जाएंगी। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई मुहावरा हो सकता है जिसे आप अपने

अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई तुम्हें चुनौती दे, तो तुम्हारी दलीलें बिखर जाएंगी"

देखें: रूपक

अथूब 13:13 (#1)

"फिर मुझ पर जो चाहे वह आ पड़े"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कुछ सचमुच उन पर आ सकता है। उनका मतलब है कि कुछ उनके साथ हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं इसके परिणामों को स्वीकार करूँगा, चाहे वे जो भी हों।"

देखें: रूपक

अथूब 13:14 (#1)

"मैं क्यों अपना माँस अपने दाँतों से चबाऊँ?"

अथूब अपने दोस्तों से एक ऐसा सवाल पूछ रहे हैं जिसका जवाब उन्हें पहले से पता है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि वह जवाब दे सकें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुमको बताता हूँ कि मैं अपने दाँतों में माँस क्यों चबा रहा हूँ, हाँ, अपनी जान अपने हाथों में रख रहा हूँ।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:14 (#2)

"मैं क्यों अपना माँस अपने दाँतों से चबाऊँ?"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच अपने माँस को अपने दाँतों से चबा रहे हों। यह छवि एक पशु की है जो अपने मुँह में उस शिकार को ले जा रहा है जिसे उसने पकड़ा और मारा है। जब तक पशु शिकार को सुरक्षित अपने मांद में नहीं ले जाता, शिकार असुरक्षित रहता है और यह जोखिम होता है कि कोई दूसरा पशु आकर उसे न ले जाए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं क्यों अपनी देह को जोखिम में डालता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 13:14 (#3)**"मैं क्यों अपना माँस अपने दाँतों से चबाऊँ?"**

अथूब अपने एक हिस्से, अपने माँस, का उपयोग स्वयं को पूरा दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं को जोखिम में क्यों डाल रहा हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 13:14 (#4)**"और क्यों अपना प्राण हथेली पर रखूँ?"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच अपने प्राण को अपनी हथेली में लिए हुए हैं, जहाँ यह फिर से असुरक्षित होगी, जैसा कि इस पद के पिछले भाग में दर्शाया गया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी जान खतरे में डाल रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 13:15 (#1)**"वह मुझे घात करेगा, मुझे कुछ आशा नहीं, तो भी मैं अपनी चाल-चलन का पक्ष लूँगा"**

अथूब एक शर्तीय सम्बन्ध का वर्णन करने के लिए कथन रूप का उपयोग कर रहे हैं, अर्थात् यह कहने के लिए कि यदि परमेश्वर एक विशेष कार्य करते हैं वह क्या करेंगे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "चाहे परमेश्वर मेरा घात भी करें, उनमें मेरी आशा बनी रहेगी; फिर भी परमेश्वर के सामने मैं अपना पक्ष प्रस्तुत करूँगा"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक शर्तें

अथूब 13:15 (#2)**"अपनी चाल-चलन"**

अथूब यह व्यक्त कर रहे हैं कि वह ऐसे जी रहे थे जैसे वह किसी मार्ग या रास्ते पर चल रहे हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे आचरण"

देखें: रूपक

अथूब 13:15 (#3)**"तो भी मैं (उनके चेहरे के सामने) अपनी चाल-चलन का पक्ष लूँगा"**

मूल भाषा में, यहाँ **चेहरे के सामने** वाक्य का उपयोग किया गया है, जो एक व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जिस तरह से लोग किसी उपस्थित व्यक्ति के चेहरे को देख सकते हैं। हिंदी अनुवाद में इसे छोड़ा गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी उपस्थिति में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:16 (#1)**"और यह ही मेरे बचाव का कारण होगा"**

यदि आपकी भाषा में **बचाव** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यही वास्तव में मुझे बचाएगा।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 13:16 (#2)**"भक्तिहीन"**

अथूब विशेषण **भक्तिहीन** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक अधर्मी व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 13:16 (#3)**"उसके सामने"**

यहाँ शब्द **सामने** एक व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे लोग किसी व्यक्ति के सामने उपस्थित हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी उपस्थिति में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:17 (#1)**"सुनो... कान में पड़े"**

अथूब सुनने की क्रिया को दोहराकर उसके महत्व को बढ़ा रहा है। यदि आपकी भाषा में शब्दों को दोहराकर जोर दिया जा सकता है, तो यहाँ ऐसा करना उचित होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है।

देखें: पुनरावृत्ति

अथूब 13:17 (#2)

"और मेरी विनती"

अथूब विनती का उपयोग उस बात को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो वे परमेश्वर के सामने अपने बचाव में कहने वाले हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो मैं कहने वाला हूँ वह हो सकता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:17 (#3)

"और मेरी विनती तुम्हारे कान में पड़े"

अथूब सुनने या सुनवाई के अर्थ में कान शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक नए वाक्य के रूप में: "हाँ, मेरी विनती को ध्यान से सुनिए!"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:18 (#1)

"मैं निर्दोष ठहरूँगा"

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम मैं का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया निर्दोष मैं मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए अप्रकट सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से निर्दोष हूँ" या "मैं निश्चित रूप से निर्दोष निकलूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 13:19 (#1)

"कौन है जो मुझसे मुकद्दमा लड़ सकेगा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे नहीं लगता कि कोई मुझसे सफलतापूर्वक तर्क कर सकता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:19 (#2)

"तो"

अथूब उस स्थिति का वर्णन करने के लिए तो शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो उस स्थिति में होगा जिसके बारे में उन्होंने अभी बताया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई मुझे गलत साबित करता है,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 13:19 (#3)

"छोड़ूँगा"

देखें कि आपने 3:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और समाप्त होना"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 13:20 (#1)

"दो ही काम"

इस बिन्दु पर अपने भाषण में, अथूब अपने तीन मित्रों से बात करना बन्द कर देते हैं और सीधे परमेश्वर को सम्बोधित करना शुरू करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे परमेश्वर, कृपया मेरे लिए केवल दो बातें करें।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 13:20 (#2)

"कर" - "तुझ से"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, शब्द मेरे लिए और आदेशात्मक कर में निहित "तू"

एकवचन हैं क्योंकि अब अथूब सीधे परमेश्वर को सम्बोधित करना शुरू कर रहे हैं। वे इस अध्याय के शेष भाग और पूरे अध्याय 14 में परमेश्वर से बात करना जारी रखते हैं। इसलिए, यदि आपकी भाषा में एकवचन रूप में दूसरे व्यक्ति के सर्वनाम और आदेशवाचक क्रियाओं का भेद किया जाता है, तो यहाँ से अध्याय 14 के अन्त तक उसी रूप का उपयोग करें।

देखें: 'तुम' के रूप — एकवचन

अथूब 13:20 (#3)

"तुझ से"

यहाँ शब्द **तुझ से** किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी उपस्थिति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:21 (#1)

"अपनी ताड़ना मुझसे दूर कर ले"

मूल भाषा में यहाँ **हाथ** (हिंदी अनुवाद में ताड़ना) शब्द आया है, **हाथ** एक व्यक्ति की शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी शक्ति का उपयोग करके मुझे कष्ट देना बन्द करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:21 (#2)

"और अपने भय से"

अथूब **भय** शब्द का उपयोग उस चीज़ के सन्दर्भ में कर रहे हैं जो किसी व्यक्ति को भय का अनुभव कराती है, परमेश्वर की अद्भुत उपस्थिति। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपकी भय योग्य उपस्थिति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 13:23 (#1)

"मुझसे कितने अधर्म के काम और पाप हुए हैं?"

हालांकि **अधर्म, पाप, और अपराध** जैसे शब्द समान अर्थ रखते हैं, अथूब जरूरी नहीं कि इन तीनों शब्दों का एक साथ उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हों। इन शब्दों द्वारा वर्णित गतिविधियों के प्रकारों में थोड़ा अन्तर है, और अथूब इन विभिन्न गतिविधियों को सम्भावित गलत कार्यों के विशिष्ट उदाहरणों के रूप में नामित कर सकते हैं ताकि सभी प्रकार के गलत कार्यों का वर्णन किया जा सके। इसे दिखाने के लिए, आपके अनुवाद में आप गलत कार्यों के लिए अपनी भाषा में तीन अलग-अलग शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप सामान्य अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। आप चाहे तो, प्रश्न और आदेश को एक विनम्र निवेदन में बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मुझे बताएँ कि मैंने कौन से पाप, गलतियाँ या अपराध किए होंगे" या "कृपया मुझे बताएँ यदि मैंने किसी भी तरह से गलत किया है क्या"

देखें: द्विरावृत्ति

अथूब 13:24 (#1)

"तू किस कारण अपना मुँह फेर लेता है"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, अभिव्यक्ति अपना मुँह फेर लेता का अर्थ है किसी के प्रति अप्रसन्नता या शत्रुता प्रकट करना। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे प्रति शत्रुता क्यों प्रकट करते हैं?"

देखें: मुहावरा

अथूब 13:25 (#1)

"क्या तू उड़ते हुए पत्ते को भी कँपाएगा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको एक उड़ते हुए पत्ते को डराने की आवश्यकता नहीं है! आपको सूखी पराली का पीछा करने की आवश्यकता नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 13:25 (#2)

"क्या तू उड़ते हुए पत्ते को भी कँपाएगा?"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच उड़ते हुए पत्ते और सूखे डंठल हों। अपनी तुलना इन चीजों से करके, वह यह दर्शा रहे हैं कि वह नाजुक और महत्वहीन हैं और परमेश्वर

को उनके विरुद्ध इतनी शक्ति से विरोध करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, विस्मयादिबोधक के रूप में: "आपको किसी ऐसे व्यक्ति को डराने की आवश्यकता नहीं है जो मेरे जितना नाजुक है! आपको किसी ऐसे व्यक्ति का पीछा करने की आवश्यकता नहीं है जो मेरे जितना महत्वहीन है!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 13:25 (#3)

"उड़ते हुए पत्ते"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। अथ्यूब एक पत्ते का उल्लेख कर रहे हैं जो हवा द्वारा उड़ाया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्ता जो हवा से उड़ रहा है" या "एक पत्ता जिसे हवा इधर-उधर उड़ा रही है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 13:26 (#1)

"तू मेरे लिये कठिन दुःखों की आज्ञा देता है"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके खिलाफ दुःखों की आज्ञा दे रहे हों। इस संस्कृति में, यह किसी के खिलाफ औपचारिक रूप से कानूनी आरोप दर्ज करने का तरीका था। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझ पर बड़े अपराधों का आरोप लगाते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 13:26 (#2)

"तू मेरे लिये कठिन दुःखों की आज्ञा देता है"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे कि वे बातें जो परमेश्वर उनके खिलाफ बोल रहे हैं, वह बहुत कठिन हैं। उनका मतलब है कि ये ऐसी बातें हैं जो किसी को अप्रिय महसूस करवा सकती हैं, जैसे कि कड़वा खाना या पेय। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझ पर भयानक अपराधों का आरोप लगाते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 13:26 (#3)

"और मेरी जवानी के अधर्म का फल मुझे भुगता देता है"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उन्हें एक भुगतान करवा रहे हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें उनकी युवा अवस्था में किए गए गलत कामों के लिए दण्डित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझे मेरी युवा अवस्था के पापों के लिए दण्डित करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 13:26 (#4)

"और मेरी जवानी के अधर्म का फल मुझे भुगता देता है"

अथ्यूब अप्रत्यक्ष रूप से सुझाव दे रहे हैं कि परमेश्वर को उनके जवानी में किए गए कार्यों के लिए सख्ती से न्याय नहीं करना चाहिए, क्योंकि जवान अपरिपक्व और आवेगी होते हैं और वे बिना उस आत्मसंयम और ज्ञान के गलत काम करते हैं जो वयस्कों में होना चाहिए। बाइबल इस उष्टिकोण को [25:7](#) में भी व्यक्त करती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इस संकेत को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझ पर मेरी युवावस्था की अपरिपक्व गलतियों के लिए कठोर न्याय करते हैं, जो उचित नहीं है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 13:27 (#1)

"और मेरे पाँवों को काठ में ठोंकता"

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उनके पैरों को काठ में डाल दिया हो। उनका मतलब है कि परमेश्वर ने उन्हें मामूली गलतियों के लिए सख्ती से दण्डित करके उनकी गतिविधियों को बहुत सीमित कर दिया है। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मामूली गलतियों के लिए मुझे दण्डित करके मेरी गतिविधियों को सख्ती से सीमित कर दिए हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 13:27 (#2)

"मेरी सारी चाल-चलन देखता रहता है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि उनके कार्य करने के तरीके वास्तव में वे रास्ते हों जिन पर वह चल रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मेरे हर काम को देखते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 13:27 (#3)

"और मेरे पाँवों की चारों ओर सीमा बाँध लेता है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि परमेश्वर वास्तव में उनके पैरों को लैकर कुछ कर रहे हों। व्याख्याकार इस छवि के सही अर्थ को लेकर निश्चित नहीं हैं। अथूब इस प्रकार बोल सकते हैं जैसे: (1) जैसे परमेश्वर ने ज़मीन पर रेखाएँ खींच दी हों ताकि अथूब को उन्हीं चिह्नित स्थानों पर कदम रखना पड़े। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे केवल कुछ छोटे स्थानों पर कदम रखने की अनुमति देते हैं" या "आप मुझे बिना दण्डित किए सीमित संख्या में चीजें करने की अनुमति देते हैं" (2) जैसे परमेश्वर ने उनके पैरों पर कोई चिह्न लगा दिया हो ताकि वह जहाँ भी जाएँ, परमेश्वर उनके पदचिह्नों को आसानी से पहचान सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे सभी कार्यों को बारीकी से देखते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 13:28 (#1)

"जो नाश हो जाती है"

अथूब अपने बारे में तीसरे व्यक्ति में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे पहले व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं सङ्ग जाता हूँ"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 13:28 (#2)

"जो नाश हो जाती है"

अथूब उस शब्द जो का उपयोग कर रहे हैं ताकि वे अपने अनुभव कर रहे कष्टों के परिणाम को प्रस्तुत कर सकें, जिन्हें वे परमेश्वर से मिली सज्जा मानते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सङ्ग जाती है" या "मैं सङ्ग जाता हूँ"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 14 सामान्य टिप्पणी

##संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय सोपर के पहले भाषण के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया का निष्कर्ष प्रस्तुत करता है।

- पद 1-12: अथूब कहते हैं कि परमेश्वर को मनुष्यों पर इतना ध्यान नहीं देना चाहिए, क्योंकि उनकी ज़िंदगी छोटी और कष्टमय होती है।
- पद 13-17: अथूब इस बारे में विचार करते हैं कि यदि परमेश्वर उन्हें जीवन में वापस ला सकें और फिर से उनके प्रति मित्रवत हो सकें तो यह कैसा होगा।
- पद 18-22: अथूब निराशापूर्ण रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि वह संभवतः मर जाएंगे और मानव समुदाय से हमेशा के लिए अलग हो जाएंगे।

यूएलटी ने इस अध्याय की पंक्तियों को शेष पाठ की तुलना में पृष्ठ पर दाईं ओर रखा है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

पुनरुत्थान

अथूब उस समय में रहते थे जब लोगों को यह निश्चित रूप से ज्ञात नहीं था कि मृतकों का पुनरुत्थान होगा या नहीं, इसलिए अथूब अपने भाषणों में इसके बारे में अनुमान लगाते हैं। कभी-कभी वह इसके बारे में अधिक आशान्वित होते हैं, और अन्य समय में वह इसके बारे में कम आशान्वित होते हैं। आपके अनुवाद में, यह प्रतिबिबित करें कि वह क्या महसूस कर रहे हैं और कह रहे हैं। उनके शब्दों को पुनरुत्थान के बारे में एक आत्मविश्वासी घोषणा बनाने के लिए समायोजित करना आवश्यक नहीं है।

इस अध्याय में अनुवाद से संबंधित समस्याएँ

एकवचन और बहुवचन "तुम"

शब्द "तुम" और "तुम्हारा" और आज्ञावाचक क्रियाओं में निहित "तुम" इस अध्याय में एकवचन हैं, क्योंकि अथूब परमेश्वर को संबोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर होता है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

"पुरुष" का सामान्य अर्थ

इस अध्याय में कई स्थानों पर, अथूब ने "पुरुष" शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया है जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। आपके अनुवाद में "पुरुष और महिलाएँ" कहना या अपनी भाषा में ऐसे शब्द का प्रयोग करना उपयोगी हो सकता है जिसमें स्पष्ट रूप से पुरुष और महिला, दोनों शामिल हों, जैसे "लोग", "मनुष्य" या "मानव"।

अथूब 14:1 (#1)

"मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है"

अथूब कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होता है, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। हालांकि, अथूब जानबूझकर निर्देश में संक्षिप्त हैं ताकि मनुष्य की स्थिति को दयनीय रूप में वर्णित किया जा सके, इसलिए आप इस कथन का अनुवाद कम शब्दों में कर सकते हैं जितना कि आपकी भाषा सामान्यतः उपयोग करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्री से जन्मा मनुष्य, कुछ दिनों का होता है और समस्याओं से भरा होता है।"

देखें: पदलोप

अथूब 14:1 (#2)

"मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्री से उत्पन्न होने वाला हर बच्चा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 14:1 (#3)

"मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है"

अथूब वाक्यांश स्त्री से उत्पन्न का उपयोग यह दर्शनी के लिए कर रहे हैं कि लोग नश्वर हैं। दूसरे शब्दों में, जैसे वे स्वाभाविक रूप से जन्म लेते हैं, वैसे ही वे स्वाभाविक रूप से मरेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नश्वर मनुष्य"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 14:1 (#4)

"मनुष्य जो स्त्री से उत्पन्न होता है"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणीयों में चर्चा की गई है, यहाँ और पूरे अध्याय में "पुरुष" शब्द (अंग्रेजी अनुवाद में आया है) का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो सभी ऐसे मामलों में आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "नश्वर मानव"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

अथूब 14:1 (#5)

"उसके दिन थोड़े और दुःख भरे हैं"

अथूब का मतलब यह नहीं है कि आमतौर पर लोग केवल कुछ दिनों तक जीवित रहते हैं। वह 'दिन' शब्द का प्रयोग समय के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका जीवन छोटा है और यह समस्याओं से भरा हुआ है।"

देखें: मुहावरा

अथूब 14:1 (#6)

"और दुःख भरे हैं"

अथूब मनुष्य के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक पात्र हो जिसे दुःख से भरा गया हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लगातार परेशान रहते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 14:2 (#1)

"वह फूल के समान खिलता, फिर जोड़ा जाता है, और"

ये दोनों वाक्यांश समान बातें व्यक्त करते हैं। अथूब पुनरावृत्ति का उपयोग उस विचार पर जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वाक्यांश व्यक्त करते हैं। चूंकि अथूब दो अलग-अलग छवियों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह मददगार हो सकता है कि वाक्यांशों को और के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ा जाए ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले के समान विचार व्यक्त कर

रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आता है और फूल की तरह मुरझा जाता है; हाँ, वह छाया की तरह जाता रहता है और स्थिर नहीं रहता।"

देखें: समानांतरता

अथूब 14:2 (#2)

"वह छाया की रीति पर ढल जाता, और कहीं ठहरता नहीं"

इस सन्दर्भ में, शब्द **ठहरता** का अर्थ एक स्थान पर स्थिर रहना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह एक छाया की तरह जाता रहता है; वास्तव में, वह स्थिर नहीं रहता।"

देखें: मुहावरा

अथूब 14:3 (#1)

"फिर क्या तू ऐसे पर दृष्टि लगाता है?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उसका उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। इसे दो वाक्यों में बनाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और फिर भी, ऐसे व्यक्ति पर आप अपनी नज़र रखते हैं! आप मुझे अपने साथ न्याय के कटघरे में खड़ा करते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 14:3 (#2)

"फिर क्या तू ऐसे पर दृष्टि लगाता है?"

अथूब वाक्यांश **दृष्टि लगाता** का उपयोग देखने के आशय से कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपको सच में ऐसे प्राणियों को देखना आवश्यक है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 14:3 (#3)

"क्या तू... दृष्टि लगाता"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणीयों में चर्चा की गई है, शब्द **तू** यहाँ एकवचन हैं क्योंकि अथूब परमेश्वर को सीधे

सम्बोधित कर रहे हैं। इसलिए अपने अनुवाद में इन सर्वनामों के एकवचन रूपों का उपयोग करें और यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो इस अध्याय में हर जगह ऐसा ही करें।

देखें: 'तुम' के रूप — एकवचन

अथूब 14:4 (#1)

"अशुद्ध वस्तु से शुद्ध वस्तु को कौन निकाल सकता है?"

जोर देने के लिए, अथूब एक प्रश्न पूछ रहे हैं और फिर स्वयं ही उसका उत्तर दे रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी अशुद्ध में से शुद्ध नहीं निकाल सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 14:4 (#2)

"अशुद्ध वस्तु से शुद्ध वस्तु को कौन निकाल सकता है?"

अथूब विशेषण **शुद्ध** और **अशुद्ध** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, सम्बवत्: कुछ प्रकार के लोगों के बारे में बताने के लिए। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति अशुद्ध है, इसलिए कोई भी व्यक्ति शुद्ध व्यक्ति को सहन और खड़ा नहीं कर सकता।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 14:4 (#3)

"अशुद्ध वस्तु से शुद्ध वस्तु को कौन निकाल सकता है?"

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे पापी लोग वास्तव में **अशुद्ध** या गंदे होते हैं और जैसे जो लोग पापी नहीं हैं वे वास्तव में **शुद्ध** होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति पापी है, इसलिए कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं हो सकता जो पापी न हो और किसी को उठा सके।"

देखें: रूपक

अथूब 14:5 (#1)

"मनुष्य के दिन नियुक्त किए गए हैं"

मूल भाषा में यहाँ मनुष्य के स्थान पर उनके शब्द आया है, सर्वनाम उनके सामान्य अर्थ में एक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, जैसा कि पद 2 में है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मनुष्य के दिन निर्धारित है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

अथूब 14:5 (#2)

"मनुष्य के दिन नियुक्त किए गए हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने उनके दिन निर्धारित किए गए हैं" या "आप यह निर्धारित करते हैं कि प्रत्येक मनुष्य कितने दिन जीवित रहेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 14:5 (#3)

"और उसके महीनों की गिनती तेरे पास लिखी है"

अभिव्यक्ति तेरे पास लिखी है यह दर्शाता है कि सम्बोधित व्यक्ति के पास निर्णय लेने की शक्ति और अधिकार हैं। आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके महीनों की संख्या आपके अधीन है" या "उसके महीनों की संख्या आप निर्धारित करते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 14:6 (#1)

"उससे अपना मुँह फेर ले, कि वह आराम करे"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उससे नजरें फेर लें, ताकि वह आराम पाए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

अथूब 14:6 (#2)

"कि वह आराम करे"

अथूब के इस भाषण के सन्दर्भ में, शब्द आराम करे का अर्थ है लगातार इस चिंता से मुक्त होना कि परमेश्वर देख रहे हैं और मामूली उल्लंघन पर न्याय करेंगे और दण्डित करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""ताकि वह लगातार आपके दण्ड के भय के बिना जी सके"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 14:6 (#3)

"जब तक कि वह मजदूर के समान अपना दिन पूरा न कर ले"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि एक मजदूर, अर्थात्, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे दिन के हिसाब से शारीरिक श्रम के लिए रखा गया है, कठिन काम करता है, लेकिन उसे पता होता है कि यह केवल थोड़े समय के लिए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक वह अपने कठिन लेकिन छोटे जीवन को जीना समाप्त नहीं करता है"

देखें: उपमा

अथूब 14:6 (#4)

"अपना दिन पूरा न कर ले"

अथूब एक मनुष्य के संक्षिप्त जीवन के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि यह वास्तव में केवल एक दिन हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने संक्षिप्त जीवन को जीता है"

देखें: रूपक

अथूब 14:7 (#1)

"वृक्ष के लिये तो आशा रहती है, कि चाहे वह काट डाला भी जाए,"

यदि आपकी भाषा में आशा के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे क्रिया "आशा" के साथ व्यक्त हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग आशा कर

सकते हैं कि यदि एक पेड़ काटा जाता है, तो यह फिर से अंकुरित होगा और जीवित रहेगा।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 14:7 (#2)

"वह काट डाला भी जाए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई इसे काट भी डाले"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 14:8 (#1)

"और उसका ढूँठ मिट्टी में सूख भी जाए"

अथूब का अर्थ है कि वह पेड़ का ढूँठ जिसे वह उदाहरण के रूप में उपयोग कर रहे हैं, धीरे-धीरे मरने लगता है। यदि पेड़ पूरी तरह से मर गया होता, तो यह पुनर्जीवित नहीं हो सकता था, जैसा कि वह अगले पद में वर्णन करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसका ढूँठ सूखने भी लगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 14:9 (#1)

"वर्षा की गन्ध"

अथूब उस पेड़ के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वह वास्तव में वर्षा की गन्ध को सूंघ सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे ही जमीन गीली होगी,"

देखें: मानवीकरण

अथूब 14:9 (#2)

"उससे शाखाएँ फूटेंगी"

अथूब किसी विशेष शाखा का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका वास्तव में मतलब है कि पेड़ के ढूँठ से कई शाखाएँ या अंकुर निकलेंगे। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और इससे कई अंकुर निकलेंगे"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 14:9 (#3)

"पौधे के समान"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से एक छोटे पौधे का उल्लेख कर रहे हैं, जो तेजी से बढ़ता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे छोटे पौधे करते हैं" या "जैसे कि यह एक छोटा पौधा हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 14:10 (#1)

"परन्तु मनुष्य"

इस पद में, मनुष्य शब्द के दो उपयोग अलग-अलग शब्दों से अनुवादित किए गए हैं, जिनका अर्थ मूल रूप से समान है। ये पुल्लिंग शब्द एक सामान्य अर्थ रखते हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा में ऐसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक नश्वर ... एक मानव प्राणी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

अथूब 14:10 (#2)

"मर जाता"

देखें कि आपने 3:11 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और चला जाता है"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 14:10 (#3)

"तब वह कहाँ रहा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह पूरी तरह से चला गया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 14:11 (#1)

""

यह पद उस वाक्य की शुरुआत है जिसे अथूब अगले पद की शुरुआत में पूरा करते हैं। पूरा वाक्य एक तुलना करता है। इसे दिखाने के लिए, आप पद 11-12 के लिए एक संयुक्त पद बना सकते हैं। इसके भीतर, यह वाक्य कुछ इस प्रकार कह सकता है: "जिस प्रकार किसी झील का जल लुप्त हो जाता है और कोई नदी धीरे-धीरे सूखकर समाप्त हो जाती है, उसी प्रकार मनुष्य लेट जाता है और फिर नहीं उठता।"

देखें: संयुक्त पद

अथूब 14:11 (#2)

"सूखते-सूखते सूख जाता है"

शब्द **सूखते-सूखते** और **सूख जाता** समान अर्थ रखते हैं। अथूब जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धीरे-धीरे पूरी तरह सूख जाता है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 14:12 (#1)

"वैसे ही मनुष्य लेट जाता और फिर नहीं उठता"

अथूब **लेट जाता** का उपयोग मृत्यु का उल्लेख करने के लिए एक हल्के रूप में कर रहे हैं, और **उठना** का अर्थ "जीवन में वापस आना" है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कुछ अभिव्यक्तियाँ हो सकती हैं जिन्हें आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुज़र जाते हैं और इस जीवन में वापस नहीं आते"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 14:12 (#2)

"फिर नहीं उठता"

अथूब मृत लोगों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे सो रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मृत रहेंगे; उन्हें जीवन में वापस नहीं लाया जाएगा।"

देखें: रूपक

अथूब 14:12 (#3)

"वह न जागेगा"

सर्वनाम **वह** और सर्वनाम **उसकी** दोनों ही उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो मर जाते हैं। भाषण के इस बिन्दु तक, अथूब "पुरुष" का उल्लेख करके लोगों की मृत्यु के बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप निरंतरता के लिए इस वाक्य में एक वचन सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जागेंगे नहीं, वे अपनी नींद से नहीं उठेंगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

अथूब 14:12 (#4)

"और न उसकी नींद टूटेगी।"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई उन्हें उनकी नींद से नहीं जगाएगा" या "और कोई उसे उसकी नींद से नहीं जगाएगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 14:13 (#1)

"भला होता कि तू मुझे अधोलोक में छिपा लेता,"

देखें कि आपने **भला होता कि** का अनुवाद [11:5-6](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद (एक विस्मयादिबोधक के रूप में): "काश आप मुझे अधोलोक में छिपा देते, {कि} आप मुझे तब तक छिपाए रखता जब तक आपका क्रोध न थम जाए, {कि} आप मेरे लिए एक सीमा निर्धारित करते और मुझे याद करते!"

देखें: मुहावरा

अथूब 14:13 (#2)

"जब तक तेरा कोप ठंडा न हो जाए"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर का **कोप** सचमुच **ठंडा** हो सकता है और किसी अन्य दिशा में जा सकता है। अथूब वास्तव में यह कहना चाहते हैं कि परमेश्वर का क्रोध शांत हो जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका

अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक आप मुझ पर क्रोधित होना बन्द नहीं करते"

देखें: रूपक

अथ्यूब 14:13 (#3)

"और मेरे लिये समय नियुक्त करके फिर मेरी सुधि लेता"

इसका अप्रत्यक्ष अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर अधोलोक में अथ्यूब के बिताए समय के लिए समय निर्धारित करेंगे, इससे पहले कि परमेश्वर उनकी सुधि लें (अगली टिप्पणी में "सुधि" शब्द की व्याख्या देखें)। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप तय करेंगे कि मुझे अधोलोक में कितना समय बिताना होगा इससे पहले कि आप मुझे याद करें" (2) कि परमेश्वर भविष्य में किसी विशेष समय को चुनेंगे जब वे अथ्यूब की सुधि लेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप एक विशेष समय चुनेंगे जब आप मुझे याद करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 14:13 (#4)

"फिर मेरी सुधि लेता"

अथ्यूब एक विशेष अर्थ में सुधि शब्द का उपयोग कर रहे हैं। वह यह सुझाव नहीं दे रहे हैं कि परमेश्वर कुछ भूल सकते हैं या उनके ज्ञान या स्मृति की कोई सीमा है। बल्कि, ऐसे सन्दर्भों में, "सुधि" शब्द का अर्थ है यह जानना कि किसी को सहायता की आवश्यकता है और उस व्यक्ति की सहायता करना। (उदाहरण के लिए, [उत्त 8:1](#) कहता है कि जल प्रलय के चरम पर, "परमेश्वर ने नूह और जितने जंगली पशु और घेरलू पशु उसके संग जहाज में थे, उन सभी की सुधि ली: और परमेश्वर ने पृथ्वी पर पवन बहाई, और जल घटने लगा।") यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरी सहायता करें"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 14:14 (#1)

"यदि मनुष्य मर जाए तो क्या वह फिर जीवित होगा?"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि अगर एक मनुष्य मर जाता है, तो क्या वह फिर से जीवित हो सकता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 14:14 (#2)

"अपनी कठिन सेवा के सारे दिन"

अथ्यूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी कठिनाई के समय के दौरान"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 14:14 (#3)

"अपनी कठिन सेवा के सारे दिन"

यदि आपकी भाषा में कठिन के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय के दौरान जब मेरे लिए परिस्थितियाँ कठिन होती हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 14:14 (#4)

"अपनी कठिन सेवा के सारे दिन"

चूंकि अथ्यूब ने [7:1](#) में कहा कि एक व्यक्ति पृथ्वी पर "कठिन सेवा" का अनुभव करता है, इस वाक्यांश में वह शायद अप्रत्यक्ष रूप से पृथ्वी पर जीवन का उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक मैं इस पृथ्वी पर जीवित हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 14:14 (#5)

"आशा लगाए रहता"

चूंकि अथ्यूब इस पद की शुरुआत में सुझाव देते हैं कि लोग मरने के बाद फिर से जी सकते हैं, और चूंकि वे पृथ्वी पर अपने वर्तमान जीवन का वर्णन कठिन सेवा के रूप में करते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि मेरा छुटकारा से उनका मतलब उनकी मृत्यु है, जो सम्भवतः एक बेहतर जीवन की ओर ले जाएगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं धैर्यपूर्वक मरने और फिर एक बेहतर जीवन जीने

की प्रतीक्षा करूँगा" या "मैं आशा के साथ उम्मीद करूँगा कि मरने के बाद मैं एक बेहतर जीवन जीऊँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 14:15 (#1)

""तू मुझे पुकारता, और मैं उत्तर देता हूँ"

इस पद में, अथ्यूब यह वर्णन कर रहे हैं कि पिछले पद में वर्णित स्थिति के तहत क्या होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इस पद की शुरुआत में एक जोड़ने वाला शब्द जोड़ सकते हैं। यदि वह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा तो आप भविष्य काल के बजाय सम्भावित काल का उपयोग भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब आप पुकारेंगे, और मैं उत्तर दूँगा। आप अपने हाथों के कार्य की लालसा करेंगे।"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 14:15 (#2)

""तू मुझे पुकारता, और मैं उत्तर देता हूँ"

यहाँ अथ्यूब उन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं जो बहुत समान हैं उन शब्दों से जो उन्होंने [13:22](#) में परमेश्वर को अपनी बात रखने के लिए चुनौती देने के लिए उपयोग किए थे। लेकिन अब उनका मतलब है कि वह और परमेश्वर एक मित्रापूर्वक तरीके से बातचीत करेंगे। आपके पाठकों को इस भाषा के उपयोग की सराहना करने में सहायता करने के लिए, यहाँ के शब्दों का उसी तरह अनुवाद करना सहायक होगा जैसा आपने उन्हें [13:22](#) में अनुवाद किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 14:15 (#3)

""और मैं उत्तर देता हूँ"

जोर देने के लिए, अथ्यूब सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द उत्तर देता हूँ में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके ही सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं खुशी से आपको उत्तर दूँगा!"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

अथ्यूब 14:15 (#4)

""तुझे अपने हाथ के बनाए हुए काम"

अथ्यूब परमेश्वर के एक अंग, उनके हाथ, का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि अथ्यूब की रचना में परमेश्वर की सम्पूर्णता शामिल है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जिसे आपने बनाया"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 14:16 (#1)

""परन्तु अब तू मेरे पा-पा को गिनता है,"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके उठाए गए कदमों की गिनती करेंगे। वे ऐसे जीने की बात कर रहे हैं जैसे वे एक रास्ते पर चल रहे हों। अथ्यूब [13:27](#) में कहीं गई बात की ओर संकेत करते हैं, कि परमेश्वर उनके चाल-चलन को देख रहे थे और उन जगहों को चिह्नित कर रहे थे जहाँ उन्हें कदम रखना था। यहाँ अथ्यूब का अर्थ ही सकता है: (1) कि जब परमेश्वर उनसे नाराज़ नहीं रहेंगे, तो यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे ठीक हैं परमेश्वर ध्यानपूर्वक देखेंगे कि वे क्या कर रहे हैं, लेकिन परमेश्वर यह देखने के लिए नहीं देखेंगे कि वे गलत कर रहे हैं या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब आप ध्यानपूर्वक देखेंगे कि मैं क्या कर रहा हूँ लेकिन आप यह देखने के लिए नहीं देखेंगे कि मैं गलत कर रहा हूँ या नहीं" (2) कि परमेश्वर वर्तमान में उनकी गतिविधियों को सीमित कर रहे हैं, लेकिन जब परमेश्वर उनसे नाराज़ नहीं रहेंगे, तो परमेश्वर उन्हें इतनी बारीकी से नहीं देखेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "अब आप मेरी गतिविधियों को सीमित कर रहे हैं ताकि मैं जरा भी गलत न कर सकूँ, लेकिन तब आप मुझे इतनी बारीकी से नहीं देखेंगे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 14:16 (#2)

""क्या तू मेरे पाप की ताक में लगा नहीं रहता?"

अथ्यूब अपने पाप शब्द का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व और पाप करने की क्रिया को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप यह देखने के लिए मेरी निगरानी नहीं करेंगे कि मैं कहीं गलत तो नहीं कर रहा हूँ?"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 14:17 (#1)

"मेरे अपराध छाप लगी हुई थैली में हैं,"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे अपराधों को एक थैली में मुहरबंद करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 14:17 (#2)

"मेरे अपराध छाप लगी हुई थैली में हैं,"

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके अपराधों को एक थैली में छाप लगा कर रख देंगे। उनका अर्थ है कि परमेश्वर उनके अपराधों को क्षमा कर देंगे और उन्हें अब और नहीं देखेंगे, जैसे कि वे वहाँ से छिपे और अप्राप्य हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे अपराधों को पूरी तरह से क्षमा कर देंगे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 14:17 (#3)

"और तूने मेरे अधर्म को सी रखा है"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच में उनके अधर्म को सी रखा है। एक बार फिर उनका अर्थ है कि परमेश्वर उन्हें क्षमा करेंगे और उनके अधर्म को अब और नहीं देखेंगे, जैसे कि वह वहाँ से छिपा हुआ हो। अथ्यूब वही शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं जैसा 13:4 में किया था, जहाँ उन्होंने कहा था कि उनके मित्र उन्हें झूठ से सी रहे थे। वहाँ उनका अर्थ था कि जब वह धर्मी थे, उनके मित्र उन्हें पापी दिखा रहे थे। यहाँ उनका अर्थ है कि परमेश्वर उन्हें धर्मी दिखाएँगे क्योंकि परमेश्वर ने उनके सभी पापों को क्षमा कर दिया होगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप मुझे धर्मी दिखाएंगे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 14:18 (#1)

""

यह पद उस वाक्य की शुरुआत है जिसे अथ्यूब अगले पद में पूरा करते हैं। पूरा वाक्य एक तुलना करता है। इसे दिखाने के लिए, आप पद 18-19 के लिए एक संयुक्त पद बना सकते हैं। यह कुछ इस तरह कह सकता है: "किन्तु जैसे गिरता हुआ पर्वत ढह जाता है और एक चट्टान अपनी जगह से खिसक जाती है, जैसे जल पत्थरों को घिस देता है और उसकी बाढ़ पृथकी की मिट्टी को बहा ले जाती है, वैसे ही तू मनुष्य की आशा को नष्ट कर देता है।"

देखें: संयुक्त पद

अथ्यूब 14:18 (#2)

"और"

अथ्यूब शब्द और का उपयोग एक मजबूत विरोधाभास को इंगित करने के लिए कर रहे हैं, जो मृत्यु के बाद परमेश्वर के साथ नए जीवन और मेल-मिलाप की सम्भावना के बीच है, जिसके बारे में वे पद 14-17 में चर्चा कर रहे थे, और जो उन्हें मनुष्य की वास्तविक स्थिति प्रतीत होती है, जिसे वे इस अध्याय के शेष भाग में वर्णित करेंगे। अपने अनुवाद में, इस मजबूत विरोधाभास को एक स्वाभाविक तरीके से इंगित करें।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथ्यूब 14:18 (#3)

"पहाड़ भी गिरते-गिरते नाश हो जाता है"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई पहाड़ सचमुच गिर रहा हो। उनका अर्थ है कि पहाड़ की ऊँचाई कम हो रही है क्योंकि कटाव हो रहा है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कटता हुआ पहाड़ ढह जाता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 14:18 (#4)

"और चट्टान अपने स्थान से हट जाती है"

अथ्यूब किसी विशेष चट्टान का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका तात्पर्य सामान्य चट्टानों से है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और चट्टानें अपनी जगहों से खिसक जाती हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 14:18 (#5)**"और चट्टान अपने स्थान से हट जाती है"**

इस वाक्यांश का अर्थ [7:10](#) में "न अपने स्थान में फिर मिलेगा" और [8:18](#) में "जब वह अपने स्थान पर से नाश किया जाए" जैसे वाक्यांशों के समान हो सकता है। जोर चट्टान के हिलने पर नहीं बल्कि उसके अब अपने स्थान में न होने पर हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और हाँ, यहाँ तक कि बड़ी चट्टानें भी लुप्त हो जाती हैं।"

देखें: मुहावर

अथूब 14:19 (#1)**"और भूमि की धूलि उसकी बाढ़ से बहाई जाती है"**

यहाँ सर्वनाम उसकी, पृथ्वी को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी की बाढ़ उसकी धूल को धो देती है" या "जब पृथ्वी में बाढ़ आती है, तब वह उसकी धूल को धो देती है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

अथूब 14:20 (#1)**"तू सदा उस पर प्रबल होता"**

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे प्रत्येक व्यक्ति जीवनभर परमेश्वर के साथ संघर्ष करता हो और परमेश्वर प्रत्येक व्यक्ति पर उसके जीवनभर प्रबल होते हों। अथूब शायद यह कहना चाहते हैं कि लोग जीने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन परमेश्वर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अन्ततः एक निश्चित समय के बाद मरना ही होगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जीवनभर लोगों के शरीर को धका देते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 14:20 (#2)**"और वह जाता रहता है"**

अथूब "मर जाता है" का अर्थ व्यक्त करने के लिए **जाता रहता है** का उपयोग कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह गुजर जाता है"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 14:20 (#3)**"तू उसका चेहरा बिगाड़कर"**

अभिव्यक्ति उसका चेहरा बिगाड़कर एक व्यक्ति के चेहरे पर झुर्रियों के आने का वर्णन करती है जैसे-जैसे वह व्यक्ति उम्रदराज होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके चेहरे को झुर्रियों वाला बनाता"

देखें: मुहावरा

अथूब 14:20 (#4)**"उसका चेहरा बिगाड़कर"**

अथूब उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के एक हिस्से चेहरा बिगाड़कर का उपयोग झुर्रियों वाला बनने के लिए, पूरी प्रक्रिया के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें उम्रदराज बनाना"

देखें: उपमा

अथूब 14:20 (#5)**"उसे निकाल देता है"**

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से वर्णन कर रहे हैं कि परमेश्वर कैसे किसी व्यक्ति को जीवित लोगों के समाज से मृतकों के निवास स्थान की ओर निकलते हैं। अथूब इस अलगाव का अधिक विस्तार से वर्णन अगले दो पदों में करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप उसे जीवित लोगों के समाज से मृतकों के निवास स्थान की ओर भेजते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 14:21 (#1)**"उसके पुत्रों"**

यहाँ पर पुत्रों शब्द का एक सामान्य अर्थ है जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं

दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चे"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

अथूब 14:22 (#1)

"केवल उसकी अपनी देह को दुःख होता है"

अथूब एक व्यक्ति के अंगों, जैसे उसकी देह और उसका प्राण, का उपयोग शोक और विलाप करने वाले पूरे व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अकेले अपने लिए शोक करते हैं, हाँ, वे अकेले अपने लिए विलाप करते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15 सामान्य टिप्पणी

संरचना और प्रारूप

इस अध्याय में, अथूब के मित्र एलीपज फिर से उनसे बात करते हैं। इस बार वह पहले से अधिक दृढ़ता से बोलते हैं।

- पद 1-10: एलीपज तर्क करते हैं कि पारंपरिक बुद्धि की अंतर्दृष्टि उनके पक्ष में है।
- पद 11-16: एलीपज तर्क करते हैं कि अथूब को हठपूर्वक यह नहीं कहना चाहिए कि वह धर्मी है।
- पद 17--19: एलीपज अथूब को पारंपरिक बुद्धि की अंतर्दृष्टियों पर विचार करने के लिए आमत्रित करते हैं।
- पद 20-35: एलीपज पारंपरिक बुद्धि की अंतर्दृष्टियों का उल्लेख करते हैं।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दार्दी और रखता है, क्योंकि यह कविता है।

अथूब 15:2 (#1)

"क्या बुद्धिमान को उचित है कि अज्ञानता के साथ उत्तर दे"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या

विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यह पद एक प्रश्न की शुरुआत है जो अगले पद में जारी रहता है, लेकिन यदि आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद करते हैं, तो इसे अपने अनुवाद में एक अलग वाक्य बनाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बुद्धिमान व्यक्ति हवा के ज्ञान से उत्तर नहीं देता या अपने पेट को पूर्वी हवा से नहीं भरता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 15:2 (#2)

"क्या बुद्धिमान को उचित है कि अज्ञानता के साथ उत्तर दे"

एलीपज तीसरे व्यक्ति में अथूब के बारे में बात कर रहा है, भले ही वह उससे सीधे बात कर रहा हो। वह कह रहा है कि अथूब खुद एक बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हो सकता, क्योंकि वह इस तरह से बात कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बता सकता हूँ कि आप एक बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हैं, क्योंकि आपने हवा के ज्ञान के साथ उत्तर दिया है, हाँ, आपने अपना पेट पूर्वी पवन से भर लिया है!"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 15:2 (#3)

"क्या बुद्धिमान को उचित है कि अज्ञानता के साथ उत्तर दे"

एलीपज एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण बुद्धिमान का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या बुद्धिमान व्यक्ति उत्तर देगा?"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 15:2 (#4)

"कि अज्ञानता के साथ उत्तर दे, या ...पूर्वी पवन से भरे"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो अथूब का ज्ञान सचमुच हवा से बना हो। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप यूएस.टी. प्रतिरूप के अनुसार, सरल भाषा का भी

इस्तेमाल कर सकते हैं। एलीपज का मतलब हो सकता है: (1) कि अथ्यूब बहुत बात कर रहा है, तेज आवाज निकाल रहा है, लेकिन कुछ भी ठोस बात नहीं कह रहा है, जैसे हवा जोर से चलती है लेकिन वह केवल हवा है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी धमक के साथ" (2) कि अथ्यूब जो कह रहा है वह सारहीन है, मानो वह हवा हो जिसे वायु चारों ओर उड़ा रही हो। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी खोखली बातों के साथ"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:2 (#5)

"या अपने अन्तःकरण को पूर्वी पवन से भरे?"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो अथ्यूब ने सचमुच अपना पेट पूर्वी पवन से भर लिया हो। इस स्थान पर, पूर्व से आने वाली हवा रेगिस्तान से गर्म हवा लेकर आती थी। एलीपज इस छवि का उपयोग करके अथ्यूब को गहरी साँस लेते हुए वित्रित कर रहा है ताकि वह विस्तार से बोल सके और फिर बोलते समय गर्म हवा बाहर निकाल सके। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप यू.एस.टी. प्रतिरूप के अनुसार, सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, एक बुद्धिमान व्यक्ति इतनी गर्म हवा से भरा नहीं होगा!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:3 (#1)

"क्या वह निष्फल वचनों से, या व्यर्थ बातों से वाद-विवाद करे?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यह पद पिछले पद में शुरू हुए प्रश्न की निरंतरता है, लेकिन इसे अपने अनुवाद में एक अलग वाक्य बनाना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, एक बुद्धिमान व्यक्ति ऐसे शब्द से तर्क नहीं करता जो लाभ नहीं पहुँचाता या ऐसे शब्दों से जो लाभ नहीं देते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 15:3 (#2)

"क्या वह निष्फल वचनों से, या व्यर्थ बातों से वाद-विवाद करे?"

एलीपज वचनों और बातों का इस्तेमाल करके वही कह रहा है जो अथ्यूब शब्दों का इस्तेमाल करके कह रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी बातें कहकर तर्क करना जिनसे कोई फ़ायदा नहीं होता और ऐसे बयान देना जिनसे कोई फ़ायदा नहीं होता"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:4 (#1)

"वरन् तू परमेश्वर का भय मानना छोड़ देता"

जोर देने के लिए, एलीपज सर्वनाम तू का उल्लेख कर रहा है, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द छोड़ देता में मौजूद है। यदि आपकी भाषा जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से बता सकती है, तो आप अपने अनुवाद में उस निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को लाने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप भय को पूरी तरह से नष्ट कर रहे हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 15:4 (#2)

"भय"

भय से एलीपज का तात्पर्य परमेश्वर के भय से है, अर्थात परमेश्वर के प्रति श्रद्धापूर्ण सम्मान। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का भय" या "परमेश्वर के प्रति श्रद्धापूर्ण सम्मान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:4 (#3)

"वरन् तू परमेश्वर का भय मानना छोड़ देता"

यहाँ चेहरा शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। एलीपज इस शब्द का इस्तेमाल उस भक्ति का वर्णन करने के लिए कर रहा है जैसे एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अर्पित करता है वैसे ही परमेश्वर को अर्पित करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के प्रति व्यक्तिगत भक्ति"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:5 (#1)

"तू अपने मुँह से अपना अर्धम प्रगट करता है"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो अथूब अर्धम को अपने मुँह से प्रगट कर रहा हौ। उसका मतलब है कि अथूब अपने पाप को क्षमा करने के लिए परमेश्वर के बारे में गलत बातें कह रहा है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप अपने अर्धम को माफ़ करने के लिए बातें कह रहे हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 15:5 (#2)

"तू अपने मुँह से अपना अर्धम प्रगट करता है"

एलीपज के द्वारा उपयोग किए गए मुँह अर्थ बोलना या बात करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जानबूझकर चालाक की तरह बोल रहे हैं" या "आप जानते हैं कि आप धोखे से बोल रहे हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:5 (#3)

"धूर्त लोगों"

एलीपज एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में **धूर्त विशेषण** का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धूर्त लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 15:6 (#1)

"परन्तु तेरा मुँह ही तुझे दोषी ठहराता है"

एलीपज अथूब के मुँह के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वे जीवित चीज हो जो उसे दोषी ठहरा सकती है और उसके खिलाफ साक्षी दे सकती हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो कहते हैं उससे यह स्पष्ट है कि आप गलत हैं; मुझे इसे साबित करने की ज़रूरत नहीं है। वास्तव में, आप जो कहते हैं वह प्रमाण देता है कि आप गलत हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 15:7 (#1)

"क्या पहला मनुष्य तू ही उत्पन्न हुआ?"

एलीपज ज़ोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप पहले मनुष्य के रूप में पैदा नहीं हुए थे! आपकी उत्पत्ति पहाड़ों से भी पहले नहीं हुई"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 15:7 (#2)

"क्या पहला मनुष्य तू ही उत्पन्न हुआ?"

एलीपज अथूब को स्पष्ट रूप से चुनौती दे रहा है कि वह खुद को बाकी सभी से ज्यादा बुद्धिमान न समझे, क्योंकि आखिरकार, वह बाकी सभी से बड़ा नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप बाकी सभी से ज्यादा बुद्धिमान हैं, क्योंकि आप हमारे समुदाय के अन्य बुद्धिमान लोगों से बड़े नहीं हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 15:7 (#3)

"क्या पहला मनुष्य तू ही उत्पन्न हुआ?"

एलीपज ज़ोर देने के लिए अपनी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कह रहा है क्योंकि वह अथूब को चुनौती देता है कि वह खुद को दूसरों से ज्यादा बुद्धिमान न समझे। अगर आपकी भाषा बोलने वाला इस तरह की अतिशयोक्ति नहीं करता, तो आप ज़ोर देने के तरीके को दूसरे रीति से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप बाकी सभी लोगों से ज्यादा बुद्धिमान हैं, क्योंकि आप हमारे समुदाय के अन्य बुद्धिमान लोगों से बड़े नहीं हैं"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 15:7 (#4)

"क्या पहला मनुष्य तू ही उत्पन्न हुआ?"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी

अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप पहले व्यक्ति हैं जो कभी जीवित रहे हैं?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 15:7 (#5)

"पहला मनुष्य"

यहाँ पुरुषवाचक शब्द **मनुष्य** का सामान्य अर्थ है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुष और महिला दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "पहला मानव"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 15:7 (#6)

"क्या तेरी उत्पत्ति पहाड़ों से भी पहले हुई"

यह पूछकर कि क्या अथूब पहाड़ियों की उपस्थिति से पहले बनाया गया था, एलीपज़ पूछ रहा है कि क्या अथूब पहाड़ियों के साथ ही, यानी बहुत पहले बनाया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या तुम तब बने जब पहाड़ियाँ बनीं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:7 (#7)

"क्या तेरी उत्पत्ति पहाड़ों से भी पहले हुई"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या जब परमेश्वर ने पहाड़ बनाए, तब उसने तुम्हें भी बनाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 15:7 (#8)

"पहाड़ों"

एलीपज पृथ्वी के एक हिस्से, इसके पहाड़ों, का उपयोग पूरी पृथ्वी का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं जैसा कि परमेश्वर ने इसे बनाया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो

आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15:8 (#1)

"क्या तू परमेश्वर की सभा में बैठा सुनता था?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप परमेश्वर की सलाह नहीं सुनते हैं! आप बुद्धि को अपने तक सीमित नहीं रख सकते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 15:9 (#1)

"तू ऐसा क्या जानता है जिसे हम नहीं जानते?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कुछ भी नहीं जानते जो हम नहीं जानते! आप कुछ भी नहीं समझते जो हम नहीं समझते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 15:9 (#2)

"तुझ में ऐसी कौन सी समझ है जो हम में नहीं?"

एलीपज कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप क्या समझते हैं जो हम नहीं समझते?"

देखें: पदलोप

अथूब 15:9 (#3)

"जो हम में नहीं"

इस संदर्भ में, हम में अभिव्यक्ति समझ को इंगित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ

स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे हम नहीं समझते हैं"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 15:10 (#1)

"हम लोगों में तो पक्के बाल वाले और अति पुरनिये मनुष्य हैं"

एलीपज विशेषणों का इस्तेमाल पक्के बाल वाले और पुरनिये संज्ञाओं के रूप में कुछ खास तरह के लोगों के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस्तेमाल उसी तरह हो सकता है। अगर नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समान वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सफेद बालों वाले और वृद्ध लोग दोनों"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 15:10 (#2)

"हम लोगों में तो पक्के बाल वाले और अति पुरनिये मनुष्य हैं"

पक्के बाल वाले और पुरनिये शब्दों का मतलब एक जैसा ही है। एलीपज ज़ोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह ज़्यादा स्पष्ट होगा, तो आप ज़ोर देने की बात को एक ही वाक्यांश से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे वरिष्ठ लोग"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथ्यूब 15:10 (#3)

"हम लोगों में"

इस संदर्भ में, हम लोगों में अभिव्यक्ति सहमति को इंगित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे साथ सहमत"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 15:10 (#4)

"जो तेरे पिता से भी बहुत आयु के हैं"

एलीपज इस विशेषण वाक्यांश का उपयोग संज्ञा वाक्यांश के रूप में लोगों के एक निश्चित समूह को इंगित करने के लिए

कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस वाक्यांश का अनुवाद किसी समतुल्य वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो आपके पिता से भी अधिक आयु के हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 15:10 (#5)

"जो तेरे पिता से भी बहुत आयु के हैं।"

एलीपज आयु शब्द का इस्तेमाल यह बताने के लिए कर रहा है कि कोई व्यक्ति कितने समय तक जीवित रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो आपके पिता से उम्र में बड़े हैं" या "वे लोग जो आपके पिता से बड़े हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:11 (#1)

"परमेश्वर की शान्तिदायक बातें, और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं, क्या ये तेरी दृष्टि में तुच्छ हैं?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको लगता है कि परमेश्वर की सांत्त्वनाएँ आपके लिए बहुत छोटी हैं। आपको ऐसा लगता है कि आपके प्रति कोमलता से बोले गए शब्द के बारे में भी आप ऐसा ही महसूस करते हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 15:11 (#2)

"परमेश्वर की शान्तिदायक बातें, और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं, क्या ये तेरी दृष्टि में तुच्छ हैं?"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो अथ्यूब ने सचमुच परमेश्वर की शान्ति को तुच्छ माना हो। उसका मतलब है कि अथ्यूब उन्हें महत्वपूर्ण नहीं मानता। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप परमेश्वर की शान्ति को महत्वहीन मानते हैं" या "आप परमेश्वर की सांत्त्वनाओं को महत्वहीन मानते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:11 (#3)**"परमेश्वर की शान्तिदायक बातें"**

यदि आपकी भाषा में शान्तिदायक के विचार के लिए एक अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर आपको सांत्वना प्रदान कर रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 15:11 (#4)**"और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं"**

अथ्यूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोमलता से कहा गया वचन तुम्हारे लिए छोटा है"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 15:11 (#5)**"और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं"**

एलीपज वचन का इस्तेमाल उन शब्दों के लिए कर रहा है जो वह और उसके दूसरे दोस्त उपयोग करके अथ्यूब से कह रहे हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या जो हम तुम्हें कोमलता से बता रहे हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:11 (#6)**"और जो वचन तेरे लिये कोमल"**

अगर आपकी भाषा में कोमल शब्द के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या जो हम आपको विनम्रता से बता रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 15:11 (#7)**"और जो वचन तेरे लिये कोमल हैं"**

ऐसा नहीं लगता है कि अथ्यूब के मित्र उससे **कोमलता** से बात कर रहे हैं। एलीपज ने अभी-अभी कहा है कि वह दुष्ट और दोषी है, और अन्य मित्रों ने भी ऐसी ही बातें कही हैं। एलीपज का मतलब यह हो सकता है: (1) कि वह और अन्य मित्र अथ्यूब से यथासंभव कोमलता से बात करने की कोशिश कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या वे शब्द जिनके द्वारा आपके मित्र आपसे यथासंभव कोमलता से बात कर रहे हैं" (2) कि अथ्यूब के परमेश्वर की कोमलता के प्रति स्पष्ट उपेक्षा को देखते हुए, वह और अन्य मित्र अथ्यूब के साथ बहुत कोमल रहे हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शायद हमें आपसे और भी सख्ती से बात करने की ज़रूरत है!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:12 (#1)**"तेरा मन क्यों तुझे खींच ले जाता है?"**

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। (यह उस वाक्य की शुरुआत है जिसे एलीपज अगले पद में पूरा करता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारा हृदय तुम्हें बहका न ले और तुम्हारी आँखें चमक न जाएँ"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 15:12 (#2)**"तेरा मन क्यों तुझे खींच ले जाता है?"**

एलीपज अथ्यूब के मन के बारे में ऐसे बोल रहा है मानो वह कोई जीवित चीज़ हो जो उसे खींच सके। वह अथ्यूब के मन का उपयोग उसकी भावनाओं को दर्शाने के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप खुद को इतना भावुक क्यों होने दे रहे हैं" या, एक कथन के रूप में, "आपको खुद को इतना भावुक नहीं होने देना चाहिए"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 15:12 (#3)**"और तू आँख से क्यों इशारे करता है?"**

एलीपज क्रोध के बारे में बात कर रहा है, जिस तरह से एक व्यक्ति जो क्रोधित है उसकी आँख इशारे करती या प्रकाश

देती हुई दिखाई देती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम इतने क्रोधित क्यों हो" या एक कथन के रूप में, "और तुम्हें इतना क्रोधित नहीं होना चाहिए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:13 (#1)

"तू भी अपनी आत्मा परमेश्वर के विरुद्ध करता है"

एलीपज अथूब के एक हिस्से, उसकी **आत्मा** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि वह परमेश्वर के विरुद्ध जाने के कार्य में पूरी तरह से शामिल है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम परमेश्वर के विरुद्ध हो जाओ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15:13 (#2)

"और अपने मुँह से व्यर्थ बातें निकलने देता है"

एलीपज ने **बातें** का इस्तेमाल करके अथूब द्वारा कही गई बातों के लिए किया है और **मुँह** शब्द का इस्तेमाल करके बोलने का मतलब बताया है। वह यह सुझाव दे रहा है कि अथूब द्वारा कही गई बातें अनुचित हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ऐसी अनुचित बातें कहें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:14 (#1)

"मनुष्य है क्या कि वह निष्कलंक हो?"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य शुद्ध नहीं हो सकता! एक महिला से पैदा हुआ व्यक्ति धर्मी नहीं हो सकता!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

अथूब 15:14 (#2)

"मनुष्य"

यहाँ पर **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मानव"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथूब 15:14 (#3)

"क्या कि निर्दोष हो सके"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो जो लोग गलत काम नहीं किए हो, वे सचमुच **पवित्र** हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह निर्दोष हो"

देखें: रूपक

अथूब 15:14 (#4)

"जो स्त्री से उत्पन्न हुआ"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई व्यक्ति जिसे किसी महिला ने जन्म दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 15:14 (#5)

"जो स्त्री से उत्पन्न हुआ"

एलीपज मानव नश्वरता के बारे में बात कर रहा है, जिस तरह से लोग शारीरिक रूप से **उत्पन्न** होते हैं और निहितार्थ से, मरेंगे भी। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नश्वर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:15 (#1)

"वह ... विश्वास नहीं करता"

सर्वनाम वह परमेश्वर को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर भरोसा नहीं करता"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

अथूब 15:15 (#2)

"अपने पवित्रों पर"

एलीपज पवित्रों की अभिव्यक्ति का उपयोग स्वर्गदूतों को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, जिस तरह से स्वर्गदूत पवित्र हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने स्वर्गदूतों में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:15 (#3)

"और स्वर्ग भी उसकी दृष्टि में निर्मल नहीं है"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो जो चीज़ें शुद्ध हैं वास्तव में पवित्र हैं, यानी शारीरिक रूप से अशुद्ध नहीं हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और स्वर्ग भी शुद्ध नहीं हैं"

देखें: रूपक

अथूब 15:15 (#4)

"और स्वर्ग भी उसकी दृष्टि में निर्मल नहीं है"

स्वर्ग से एलीपज का तात्पर्य संभवतः आकाश से है, जो एक सृजित वस्तु है और इसलिए सीमित है तथा सिद्धता में असमर्थ है। यह असंभव है कि एलीपज स्वर्ग का, जो परमेश्वर के निवास है उसका उल्लेख कर रहा हो, तथा कह रहा हो कि यह शुद्ध नहीं है, जिसका अर्थ है "निर्मल"। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और स्वर्ग भी शुद्ध नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 15:15 (#5)

"उसकी दृष्टि में"

एलीपज दृष्टि शब्द का इस्तेमाल आँखों के बारे में बताने के लिए कर रहा है। दृष्टि का अर्थ ध्यान, दृष्टिकोण और निर्णय है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके दृष्टिकोण से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 15:16 (#1)

"फिर मनुष्य अधिक घिनौना और भ्रष्ट है"

फिर एक अभिव्यक्ति है जो इंगित करती है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह उस व्यक्ति द्वारा अभी-अभी कही गई बात से कहीं अधिक है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घृणित और भ्रष्ट लोगों की तो बात ही क्या है"

देखें: मुहावरा

अथूब 15:16 (#2)

"फिर मनुष्य अधिक घिनौना और भ्रष्ट है"

एलीपज कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "घृणित और भ्रष्ट लोग उसकी दृष्टि में कितने शुद्ध हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 15:16 (#3)

"घिनौना और भ्रष्ट"

एलीपज कुछ खास तरह के लोगों के लिए संज्ञा के रूप में घृणित और भ्रष्ट विशेषणों का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समान वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घृणित और भ्रष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 15:16 (#4)

"घिनौना और भ्रष्ट"

घृणित और भ्रष्ट शब्दों का मतलब एक जैसा ही है। एलीपज़ जोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह ज़्यादा स्पष्ट हो, तो आप एक ही वाक्यांश से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य, जो बहुत दुष्ट हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथ्यूब 15:16 (#5)

"और भ्रष्ट है"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और भ्रष्ट"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 15:16 (#6)

"जो कुटिलता को पानी के समान पीता है!"

एलीपज, अथ्यूब से बात करते समय जब वह ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करता है जो कुटिलता को पानी की तरह पीता है तो वह स्पष्ट रूप से अथ्यूब की ओर संकेत करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि आप जैसा व्यक्ति जो कुटिलता को पानी की तरह पीता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:16 (#7)

"जो कुटिलता को पानी के समान पीता है"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो अथ्यूब सचमुच कुटिलता पी रहा हो जिस तरह वह पानी पीता है। उसका मतलब है कि अथ्यूब उत्सुकता और स्वेच्छा से गलत काम करता है, जिस तरह प्यासे लोग उत्सुकता और स्वेच्छा से पानी पीते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आदमी जो स्वतंत्र रूप से अधर्म करता है" या "तुम्हारे जैसा आदमी जो स्वतंत्र रूप से अधर्म करता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:18 (#1)

"वे ही बातें जो बुद्धिमानों ने अपने पुरखाओं से सुनकर बिना छिपाए बताया हैं।"

एलीपज यह सुझाव नहीं दे रहा है कि बुद्धिमानों ने अपने पुरखाओं से कुछ छिपाया होगा। उसका मतलब है कि उन्होंने अपने पुरखाओं से जो सीखा है, उसे घोषित किया है और अपनी पीढ़ी के लोगों से कुछ भी नहीं छिपाया है। यह जानकारी कि बुद्धिमानों ने जो सीखा है, उसे वाक्य के अंत में ले जाना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमानों ने अपने पिताओं से जो सीखा है, उसे घोषित किया है और छिपाया नहीं है"

देखें: सूचना संरचना

अथ्यूब 15:18 (#2)

"बुद्धिमानों"

एलीपज विशेषण बुद्धिमान का उपयोग संज्ञा के रूप में लोगों के एक निश्चित समूह को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धिमान लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 15:18 (#3)

"अपने पुरखाओं से"

हालाँकि पुरखाओं शब्द पुल्लिंग है, एलीपज इस शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल हैं। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसमें स्पष्ट रूप से पुरुष और महिला दोनों शामिल हों। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पूर्वजों से"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं।

अथ्यूब 15:19 (#1)

"केवल उन्हीं को देश दिया गया था"

उन्हीं द्वारा, एलीपज का अर्थ है "पैतृक" या पूर्वज जिनका उसने पिछली आयत में वर्णन किया है, और देश से उसका अभिप्राय संभवतः एदोम और विशेष रूप से उसके गृह नगर तेमान से है, जो अपनी बुद्धि के लिए प्रसिद्ध था (देखें [यिम](#))

[49.7](#))। यह कहने से कि केवल वे पूर्वज ही वहाँ रहते थे और उनके बीच कोई अजनबी नहीं जाता था, उसका मतलब है कि उनकी बुद्धि बाहरी प्रभावों से कम नहीं हुई थी। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे बुद्धिमान पूर्वज तेमान में अकेले रहते थे, जहाँ उनकी बुद्धि का कम करने के लिए कोई बाहरी प्रभाव नहीं था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:19 (#2)

"देश दिया गया था"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने भूमि प्रदान की"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 15:20 (#1)

"दुष्ट जन जीवन भर पीड़ा से तड़पता है"

एलीपज एक खास समय को संदर्भित करने के लिए **जीवन भर** शब्द का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टों के पूरे जीवनकाल में"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 15:20 (#2)

"दुष्ट जन"

एलीपज एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में **दुष्ट** विशेषण का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 15:20 (#3)

"तड़पता है"

एलीपज का तात्पर्य यह है कि दुष्ट व्यक्ति दर्द से तड़पेगा क्योंकि परमेश्वर उसे उसके पाप के लिए दण्ड देगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर के दंड के दर्द से तड़प रहा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:20 (#4)

"और उपद्रवी के वर्षों की गिनती ठहराई हुई है"

एलीपज कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जितने वर्ष उसे अपने पापों के लिए दण्ड भोगना होगा, वे उपद्रवी के लिए आरक्षित हैं"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 15:20 (#5)

"गिनती ठहराई हुई है"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें ठहरा दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 15:21 (#1)

"उसके कान में डरावना शब्द गूँजता रहता है"

एलीपज ने **कान** शब्द का प्रयोग सुनने के संबंध में किया है। यह कहने से कि दुष्ट व्यक्ति के **कान में डरावना शब्द गूँजता रहता है**, एलीपज का मतलब संबंध से है कि व्यक्ति उस डर का अनुभव करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह भयानक चीजों का अनुभव करता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:21 (#2)

"कुशल के समय"

कुशल शब्द का अर्थ "शांति" भी हो सकता है। एलीपज शायद यह वर्णन कर रहा है: (1) कैसे दुष्ट लोग कुछ समय के लिए समृद्ध हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि वह समृद्ध हो सकता है," (2) कैसे दुष्ट लोग कुछ समय के लिए कुशलता का आनंद ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह शांति से होता है,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:21 (#3)

"नाश करनेवाला उस पर आ पड़ता है"

एलीपज बता रहा है कि दुष्ट लोग किस तरह अपनी संपत्ति के विनाश और नुकसान का अनुभव करते हैं, और वह उस विनाश के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वह एक जीवित चीज़ हो जो दुष्टों पर आ पड़ता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी संपत्ति अचानक नष्ट हो जाती है" या "वह अचानक अपनी संपत्ति खो देता है"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 15:22 (#1)

"उसे अंधियारे में से फिर निकलने की कुछ आशा नहीं होती"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो यह दुष्ट व्यक्ति सचमुच ऐसी जगह चला गया है जहाँ अंधकार है और मानो वह दुष्ट व्यक्ति यह विश्वास नहीं करता कि वह वहाँ से निकल सकता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे विश्वास नहीं है कि उसकी परेशानियाँ कभी खत्म होंगी"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:22 (#2)

"उसे अंधियारे में से फिर निकलने की कुछ आशा नहीं होती"

अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसे सकारात्मक भाव से अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मानता है कि उसे हमेशा परेशानियाँ होंगी"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथ्यूब 15:22 (#3)

"और तलवार उसकी घात में रहती है"

यह संभव है कि पद का यह दूसरा भाग बताता हो कि दुष्ट लोग क्या विश्वास करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह डरता है कि उसे तलवार के लिए चुना गया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:22 (#4)

"और तलवार उसकी घात में रहती है"

आगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर ने उसे तलवार के लिए चुना है" या "और परमेश्वर ने निर्धारित किया है कि कोई उसे तलवार से मार देगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 15:22 (#5)

"तलवार"

एलीपज एक तरह के घातक हथियार, तलवार का इस्तेमाल कर रहा है, जिसका मतलब हिंसक मौत है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हिंसक मृत्यु"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:23 (#1)

"वह रोटी के लिये मारा-मारा फिरता है"

अगर यह आपकी भाषा में ज़्यादा स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि इसमें उद्धरण के भीतर कोई उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह रोटी के लिए भटक रहा है, पूछ रहा है कि वह कहाँ है" या "वह रोटी के लिए भटक रहा है, सोच रहा है कि उसे यह कहाँ मिलेगी"

देखें: उद्धरण और उद्धरण

अथूब 15:23 (#2)**"रोटी के लिए"**

एलीपज एक तरह के भोजन, **रोटी** का इस्तेमाल आम तौर पर भोजन के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन के लिए"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15:23 (#3)**"अंधकार का दिन"**

एलीपज **दिन** शब्द का इस्तेमाल किसी खास समय को संदर्भित करने के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार का समय"

देखें: मुहावरा

अथूब 15:23 (#4)**"अंधकार का दिन"**

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो यह दुष्ट व्यक्ति जानता है कि एक समय आ रहा है जब दिन के समय सचमुच **अंधकार** छा जाएगा। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़ी मुसीबत का समय"

देखें: रूपक

अथूब 15:23 (#5)**"मेरे पास ही है।"**

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर ने उसके लिए तैयार किया है वह निकट है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 15:23 (#6)**"मेरे पास ही है।"**

एलीपज के द्वारा उपयोग की गई **मेरे पास** अभिव्यक्ति का अर्थ "निकट" है, और उसका मतलब समय के निकट है न कि स्थान के निकट। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तैयार है और बस होने ही वाला है"

देखें: मुहावरा

अथूब 15:24 (#1)**"संकट और दुर्घटना से उसको डर लगता रहता है"**

एलीपज संकट और दुर्घटना के बारे में ऐसे बोल रहा है मानो वे जीवित चीज़ें हों जो किसी दुष्ट व्यक्ति को डरा सकती हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इस बात से इतना डरता है कि उसके साथ क्या होने वाला है कि वह लगातार संकट और पीड़ा महसूस करता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 15:24 (#2)**"संकट और दुर्घटना से उसको डर लगता रहता है"**

संकट और **दुर्घटना** शब्दों का मतलब एक जैसा ही है। एलीपज ज़ोर देने के लिए दोनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप एक ही वाक्यांश से ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़ा संकट उसे डराता है" या "वह इस बात से इतना डरता है कि उसके साथ क्या होने वाला है कि वह लगातार बहुत परेशान महसूस करता है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 15:24 (#3)**"वे उस पर प्रबल होते हैं"**

वे सर्वनाम यहाँ **संकट** और **दुर्घटना** को दर्शाता है। एलीपज इन दो समान चीजों के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वे एक ही चीज हों। आपकी भाषा आपको अपने अनुवाद में ऐसा करने की अनुमति दे सकती है। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उस पर हावी हो जाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 15:25 (#1)**"क्योंकि उसने तो परमेश्वर के विरुद्ध हाथ बढ़ाया है"**

जब एलीपज कहता है कि दुष्ट व्यक्ति ने अपना हाथ बढ़ाया है, तो उसका मतलब विशेष रूप से यह है कि उसने ऐसा हाथ बढ़ाया है जिसमें तलवार या कोई और हथियार है। दूसरे शब्दों में, इस अभिव्यक्ति का मतलब किसी के खिलाफ लड़ना है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने परमेश्वर के विरुद्ध लड़ाई लड़ी है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 15:26 (#1)**"और सिर उठाकर और अपनी मोटी-मोटी ढालें दिखाता हुआ घमण्ड से उस पर धावा करता है"**

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच इस तरह से परमेश्वर पर हमला करेगा। वह वास्तव में उस अहंकारी आत्मविश्वास का वर्णन करने के लिए तुलना कर रहा है जिसके साथ एक दुष्ट व्यक्ति परमेश्वर की अवहेलना करता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसे शाब्दिक कथन के बजाय तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर का विरोध इस तरह करता है मानो वह एक योद्धा हो जो अहंकार से परमेश्वर पर हमला कर रहा हो, उसे विश्वास हो कि उसकी मोटी ढाल उसकी रक्षा करेगी"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:26 (#2)**"अपनी... उस पर धावा करता है"**

सर्वनाम अपनी दुष्ट व्यक्ति को संदर्भित करता है, जबकि सर्वनाम उस परमेश्वर को संदर्भित करता है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट व्यक्ति परमेश्वर के खिलाफ दौड़ता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 15:26 (#3)**"सिर उठाकर"**

यह अभिव्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति के रवैये को संदर्भित करती है जो अपनी गर्दन सीधी और सिर ऊंचा रखता है, अपनी मुद्रा के साथ अहंकारी आत्मविश्वास प्रदर्शित करता है। यदि यह

आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अहंकारपूर्वक" देखें: मुहावरा

अथ्यूब 15:26 (#4)**"और अपनी मोटी-मोटी ढालें दिखाता हुआ घमण्ड से उस पर धावा करता है"**

शब्द मोटी-मोटी, ढाल के बाहरी गोल हिस्से का वर्णन करता है। एक योद्धा ढाल के इस हिस्से का सामना दुश्मन के खिलाफ करता है, ढाल को मोटे गोले के अंदर एक हथा से पकड़ते हैं। यदि ढाल में मोटे गोले का आवरण होता है, तो यह योद्धा को तलवारों और भालों के वार से बचाता है, और यह योद्धा को ढाल का उपयोग करके प्रतिद्वंद्वी को ज़मीन पर गिराने में सहायक होता है। यदि आपके पाठक ढाल के मोटे आवरण से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने अनुवाद में एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास है कि वह अपनी मोटी ढाल का उपयोग खुद को बचाने और अपने प्रतिद्वंद्वी पर हमला करने के लिए कर सकता है"

देखें: अज्ञात का अनुवाद करें

अथ्यूब 15:26 (#5)**"मोटी-मोटी ढालें दिखाता हुआ"**

एलीपज इस आयत में उस मोटी-मोटी ढाल के बारे में बात करता है जिसका इस्तेमाल दुष्ट व्यक्ति परमेश्वर के खिलाफ करेगा, लेकिन अगली आयत में वह संकेत देता है कि दुष्ट व्यक्ति वास्तव में "मोटा" है और इसलिए युद्ध के लिए शारीरिक रूप से तैयार नहीं है। इसलिए जबकि एलीपज यहाँ सुझाव देता है कि दुष्ट व्यक्ति एक दुर्जय शत्रु है, वह वास्तव में जो कह रहा है उसका उल्टा मतलब रखता है, जैसा कि अगली आयत बताती है। अपने पाठकों को इसे पहचानने में मदद करने के लिए, यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द है जिसका अर्थ "मोटा" और "मांसल" दोनों हो सकता है, तो आपके अनुवाद में उस शब्द का उपयोग करना उचित होगा।

देखें: व्यंग

अथ्यूब 15:26 (#6)**"ढालें दिखाता हुआ"**

मोटी-मोटी और ढालें के बहुवचन रूपों का उपयोग करके, एलीपज दुष्ट व्यक्ति को इस तरह चित्रित करता है जैसे कि वह

एक सेना हो या जैसे कि वह सेना की कमान संभाल रहा हो। आपकी भाषा में एकवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी ढाल की मोटाई"

देखें: बहुवचन का असामान्य उपयोग

अथूब 15:27 (#1)

"इसलिए कि उसके मुँह पर चिकनाई छा गई है"

एलीपज दुष्ट व्यक्ति के दो हिस्सों, उसके मुँह और उसकी कमर का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहा है कि उसका पूरा शरीर मोटा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि वह बहुत मोटा है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15:27 (#2)

"इसलिए कि उसके मुँह पर चिकनाई छा गई है"

इसका तात्पर्य यह है कि दुष्ट व्यक्ति का चेहरा मोटा है और कमर पर चर्बी है क्योंकि वह बहुत खाता है और आलसी रहता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बहुत मोटा है क्योंकि वह बहुत खाता है और आलसी जीवन जीता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 15:28 (#1)

"और... उनमें बस गया है"

एलीपज और शब्द का प्रयोग यह वर्णन करने के लिए कर रहा है कि परमेश्वर का असफल विरोध करने के बाद दुष्ट के साथ क्या होता है। पिछली आयत में, एलीपज दुष्ट व्यक्ति की पिछली समृद्धि का वर्णन कर रहा था। इस आयत में, वह वर्णन कर रहा है कि अपनी समृद्धि खोने के बाद दुष्ट व्यक्ति के साथ क्या होता है। निहितार्थ यह हो सकता है कि दुष्ट व्यक्ति को न केवल इसलिए परित्यक्त स्थानों पर रहने की आवश्यकता है क्योंकि वह गरीब है, बल्कि इसलिए भी कि वह बहिष्कृत है, अर्थात्, क्योंकि दूसरों ने उसे अस्वीकार कर दिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर वह गरीब और बहिष्कृत हो जाता है, और इसलिए"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 15:29 (#1)

"और न उसकी सम्पत्ति बनी रहेगी"

देखें कि आपने [14:2](#) में ठहरता नहीं का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसका धन नहीं बचेगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 15:29 (#2)

"ऐसे लोगों के खेत की उपज भूमि की ओर न झुकने पाएगी"

देखें कि आपने [1:10](#) में सम्पत्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके पास मवेशियों के बड़े झुंड नहीं होंगे" या "और उसके पास मवेशियों के बड़े झुंड नहीं होंगे"

देखें: रूपक

अथूब 15:29 (#3)

"उसकी सम्पत्ति"

सर्वनाम उसकी दुष्ट लोगों को संदर्भित करता है। चूंकि एलीपज इस पद के पहले भाग में एक दुष्ट व्यक्ति के बारे में एकवचन में बात करते हैं, इसलिए आपकी भाषा में यहां भी एकवचन का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी सम्पत्ति"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 15:30 (#1)

"वह अंधियारे से कभी न निकलेगा"

देखें कि आपने [15:22](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी परेशानियाँ कभी खत्म नहीं होंगी"

देखें: रूपक

अथूब 15:30 (#2)

"और उसकी डालियाँ आग की लपट से झुलस जाएँगी"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो दुष्ट व्यक्ति सचमुच एक पौधा या झाड़ी हो जिसके डालियों को आग झुलसा सकती है या जला सकती है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप

इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह निश्चित रूप से नष्ट हो जाएगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:30 (#3)

"मुँह की श्वास से वह उड़ जाएगा।"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो पौधों को सुखाने वाली गर्म हवा वास्तव में परमेश्वर के मुंह से निकली सांस हो। (यही छवि बाइबल में अन्यत्र भी दिखाई देती है, उदाहरण के लिए, [यशा 40:7](#) में, "जब यहोवा की सांस उस पर चलती है, तब घास सूख जाती है, और फूल मुरझा जाता है") यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर उसे नष्ट कर देगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:30 (#4)

"के मुँह"

सर्वनाम के परमेश्वर को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के मुख"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

अथ्यूब 15:30 (#5)

"वह उड़ जाएगा"

एलीपज के द्वारा उपयोग किए उड़ जाएगा का अर्थ "मरना" है। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह गुजर जाएंगे" या "और वह मर जाएंगे"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 15:31 (#1)

"वह अपने को धोखा देकर व्यर्थ बातों का भरोसा न करे, क्योंकि उसका प्रतिफल धोखा ही होगा।"

यदि आपकी भाषा व्यर्थ बातों और प्रतिफल के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "उन्हें उन चीजों पर भरोसा नहीं करना चाहिए जिनका कोई मूल्य नहीं है... क्योंकि बदले में उन्हें ऐसी चीजें मिलेंगी जिनका कोई मूल्य नहीं है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 15:32 (#1)

"वह उसके नियत दिन से पहले पूरा हो जाएगा"

एलीपज का मानना है कि अथ्यूब समझ जाएगा कि उसके दिन से उसका मतलब दुष्टों के मरने का दिन है। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उसके मरने का दिन नहीं होता" या "उसके मरने का समय आने से पहले"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 15:32 (#2)

"पूरा हो जाएगा"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा होगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 15:32 (#3)

"उसकी डालियाँ हरी न रहेंगी"

एलीपज दुष्ट व्यक्ति के पौधे या झाड़ी की तरह होने की पिछली आयत की छवि को जारी रख रहा है। वह इस पौधे या झाड़ी के जीवित होने की बात कर रहा है, क्योंकि अगर यह जीवित होता तो इसकी शाखाएँ अंदर से हरी होतीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वह मर जाएगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 15:33 (#1)

"दाख के समान उसके कच्चे फल झड़ जाएँगे"

इन तुलनाओं का उद्देश्य यह है कि दुष्ट व्यक्ति अपने प्रयासों में सफल नहीं हो पाएंगे। वे सभी असफल हो जाएंगे, जैसे कि एक दाख की बेल अपने अंगूरों को पोषण देने में सक्षम नहीं

हो सकती है और इसलिए वे **कच्चे ही झड़** जाएंगे, और जैसे कि एक जैतून का वृक्ष के फूल वसंत में ठंड के मौसम के कारण **गिर** सकते हैं और उस वर्ष कोई फल नहीं दे सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके प्रयास विफल हो जाएँगे, जैसे कि वह एक अंगूर की बेल हो जिसने अपने अंगूर खो दिए क्योंकि वह उन्हें पोषण नहीं दे सका या एक जैतून का पेड़ जो कोई फल नहीं देता क्योंकि उसके फूल वसंत में ठंड के मौसम के कारण गिर जाते हैं"

देखें: उपमा

अथ्यूब 15:33 (#2)

"दाख के समान उसके कच्चे फल झड़ जाएँगे, और उसके फूल जैतून के वृक्ष के समान गिरेंगे"

एलीपज ऐसे बोलता है मानो अंगूर की बेल खुद ही अपने अंगूरों को **झड़ देगी** और जैतून का पेड़ खुद ही अपने फूलों को **गिरा देगी**। उसका मतलब है कि दाख बेल से गिर जाएँगे और फूल पेड़ से गिर जाएँगे। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक अंगूर की बेल की तरह होगा जिसके अंगूर झड़ जाते हैं और एक जैतून का पेड़ जिसके फूल गिर जाते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 15:34 (#1)

"भक्तिहीन"

एलीपज विशेषण **भक्तिहीन** का उपयोग संज्ञा के रूप में लोगों के एक निश्चित समूह को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "**भक्तिहीन लोग**"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 15:34 (#2)

"कुछ बन न पड़ेगा"

इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) कि भक्तिहीन लोगों के सचमुच कोई संतान नहीं होगी या उनके कोई संतान नहीं होगी जो जीवित बच जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके कोई संतान नहीं होगी जो जीवित बच जाए" (2) कि भक्तिहीन

लोगों से उत्पन्न कुछ भी स्थायी नहीं होगी, मानो उनके कोई वंशज ही नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ भी उत्पन्न नहीं कर पाएंगे जो स्थायी बना रहे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:34 (#3)

"उनके तम्बू आग से जल जाएँगे"

एलीपज ऐसे बोल रहे हैं जैसे **आग** सचमुच इन **तंबुओं** को निगल जाएगी या खा जाएगी। उनका मतलब है कि आग उन्हें नष्ट कर देगी। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आग रिश्वत के तंबुओं को नष्ट कर देती है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:34 (#4)

"घूस... उनके तम्बू आग से जल जाएँगे"

एलीपज घूस शब्द का इस्तेमाल उन लोगों के लिए कर रहा है जो रिश्वत देते और मांगते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आग घूस लेने वालों के तंबू को नष्ट कर देती है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:34 (#5)

"और जो घूस लेते हैं, उनके तम्बू आग से जल जाएँगे"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो घूस लेने वाले लोगों के **तंबू** सचमुच **आग** में जलकर राख हो जाएँगे। उसका मतलब है कि वे किसी न किसी तरह से नष्ट हो जाएँगे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घूस लेने वाले लोगों के तंबू नष्ट हो जाएँगे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 15:34 (#6)

"और जो घूस लेते हैं, उनके तम्बू आग से जल जाएँगे"

एलीपज दुष्ट लोगों की एक संपत्ति, **तंबू** जिसमें वे रहते हैं, उसका उपयोग उनकी सारी संपत्ति और समुदाय में उनकी स्थिति बताने के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में

सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने 8:22 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो लोग धूस लेते हैं वे बिना किसी पदवी या साधनों के रह जाएंगे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 15:35 (#1)

"उनको उपद्रव का गर्भ रहता, और वे अनर्थ को जन्म देते हैं"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो दुष्ट लोग सचमुच ऐसी महिलाएँ हों जिनके बच्चे उपद्रव, अनर्थ और छल से भरे हों। उसका मतलब है कि दुष्ट लोग अपने जीवन में ये चीज़ें उत्पन्न करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बुरे काम करने के बारे में सोचते हैं और वे दुष्ट काम करते हैं, हाँ, वे जानबूझकर दूसरों को धोखा देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 16 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय एलीपज के दूसरे भाषण के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया की शुरुआत है। पद 1-6 में, अथूब शिकायत करते हैं कि उनके मित्रों ने अपनी सलाह से उनकी मदद नहीं की है। पद 7-22 में, अथूब वर्णन करते हैं कि उन्हें लगता है परमेश्वर ने उन्हें कष्ट दिया है। अथूब संक्षेप में पद 7 और 8 में परमेश्वर को सीधे संबोधित करते हैं।

यूलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

"साक्षी," "वकील," और "मध्यस्थ"

पद 19-21 में, अथूब परमेश्वर से स्वर्ग में उनका पक्ष रखने के लिए किसी की आवश्यकता का वर्णन करते हैं। यह संभवतः वही व्यक्ति है जिसे अथूब अपने "छुड़ानेवाले" के रूप में 19:25 में संबोधित करते हैं। हालांकि अथूब मसीह के बारे में जानबूझकर भविष्यवाणी करते हुए प्रतीत नहीं होते, लेकिन जिस भूमिका का वह वर्णन करते हैं, वह यीशु के स्वर्ग में लोगों के लिए मध्यस्थता करने के तरीके के समानांतर है। वह कहते हैं कि ऐसा व्यक्ति गवाही देगा कि उन्होंने गलत नहीं किया (उनका "साक्षी" होगा), उनका पक्ष लेगा (उनका "वकील" होगा), और परमेश्वर से प्रार्थना करेगा कि उन्हें

दंडित न करें (उनका "मध्यस्थ" होगा)। अपने अनुवाद में, ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने वाले शब्दों का उपयोग करते जो आपकी संस्कृति में किसी अन्य व्यक्ति के लिए ये कार्य करता हो। (देखें: मध्यस्थता और गवाही)

इस अध्याय में अनुवाद सम्बंधी समस्याएँ

एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर

पद 1-8 में, अथूब कभी-कभी "तुम" के एकवचन रूप का उपयोग एलीपज या परमेश्वर को संबोधित करने के लिए करते हैं और कभी-कभी "तुम" के बहुवचन रूप का उपयोग अपने तीनों मित्रों को एक साथ संबोधित करने के लिए करते हैं। टिप्पणी में यह बताया गया है कि वह प्रत्येक उदाहरण में कौन सा रूप उपयोग कर रहे हैं ताकि यदि आपकी भाषा एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर करती है, तो आप अपने अनुवाद में उपयुक्त रूप का उपयोग कर सकें।

अथूब 16:2 (#1)

"तुम सब के सब"

जैसा कि संदर्भ से पता चलता है, यहाँ तुम शब्द बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीन मित्रों को संदर्भित करने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए अगर आपकी भाषा में यह अंतर है तो अपने अनुवाद में बहुवचन का इस्तेमाल करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:2 (#2)

"निकम्मे शान्तिदाता हो"

अथूब इस स्वामित्व रूप का उपयोग यह कहने के लिए नहीं कर रहे हैं कि उनके मित्र निकम्मे को शान्ति प्रदान कर रहे हैं। वह इस रूप का उपयोग यह कहने के लिए कर रहे हैं कि उनके शान्तिदाता बनने के प्रयास में, वे उन्हें और अधिक प्रेशानी दे रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रेशान करने वाले शान्तिदाता"

देखें: स्वामित्व

अथूब 16:3 (#1)

"क्या व्यर्थ बातों का अन्त कभी होगा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहे हैं। दि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का कथनों या

विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि तुम हवा के ये शब्द बोलना बंद कर दो! मुझे नहीं लगता कि कोई भी चीज़ तुमको जवाब देने के लिए मजबूर करती है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 16:3 (#2)

"व्यर्थ बातों का"

अथूब अपने शब्दों में एलीपज को उत्तर दे रहे हैं। देखें कि आपने 15:2 में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मिथ्या शब्दों का" या "ऐसी डींग का"

देखें: रूपक

अथूब 16:3 (#3)

"तू"- "उत्तर देता है"

यहाँ पर शब्द 'तू' एकवचन है क्योंकि अथूब इसका इस्तेमाल केवल एलीपज के लिए कर रहे हैं, जिसने अभी-अभी उससे बात की है। इसलिए अगर आपकी भाषा में यह अंतर है तो अपने अनुवाद में एकवचन का इस्तेमाल करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:4 (#1)

"यदि तुम्हारी दशा मेरी सी होती"

अथूब अपने एक भाग, दशा का इस्तेमाल अपने सभी मित्रों के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम मेरी जगह होते"

देखें: उपलक्षण

अथूब 16:4 (#2)

"""तुम्हारी सी"

शब्द **तुम्हारी** इन सभी उदाहरणों में बहुवचन है क्योंकि अथूब इसका उपयोग अपने तीन मित्रों के लिए कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में बहुवचन का प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:4 (#3)

"मैं भी तुम्हारे विरुद्ध बातें जोड़ सकता"

अथूब **बातें** शब्द का उपयोग उन बातों को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो वे शब्दों के माध्यम से कहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक के बाद एक बातें कहता रहूँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 16:4 (#4)

"और तुम्हारे विरुद्ध सिर हिला सकता"

किसी पर **सिर हिलाना** अस्वीकृति का प्रतीकात्मक कार्य है। आपकी संस्कृति में इस क्रिया का वही अर्थ हो सकता है। यदि नहीं, तो आपकी संस्कृति में कोई ऐसा समान इशारा हो सकता है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अपनी उंगली तुम्हारी ओर उठाऊँगा"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 16:5 (#1)

"""वरन् मैं अपने वचनों से तुम को हियाव दिलाता,"

जोर देने के लिए, अथूब जो कहना चाह रहे हैं वह उसके विपरीत कह रहे हैं। उन्हें नहीं लगता कि उनके मित्र वास्तव में उन्हें मजबूत कर रहे हैं या उन्हें राहत दे रहे हैं। अगर आपकी भाषा का कोई वक्ता ज़ोर देने के लिए जो कहना चाहता है उसके विपरीत नहीं कहते हैं, तो आप अपने अनुवाद में बता सकते हैं कि अथूब वास्तव में क्या कहना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ऐसी बातें कहूँगा जो तुम कह रहे हो, यह सोचकर कि मैं तुम्हें मजबूत कर रहा हूँ और तुम्हें दिलासा दे रहा हूँ, हालाँकि ऐसी बातें कहने से वास्तव में तुम्हें बुरा लगेगा, जैसा कि तुम मुझे बुरा महसूस करा रहे हो"

देखें: व्यंग

अथूब 16:5 (#2)

"मैं अपने वचनों से तुम को हियाव दिलाता"

शब्द **तुम** यहाँ बहुवचन है क्योंकि अथूब इसका उपयोग अपने तीन मित्रों के लिए कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में बहुवचन का प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:5

"मैं अपने वचनों से"

अथूब बोलने के लिए वचनों और बातों शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने कहा, और जो बातें मैंने बोलीं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 16:6 (#1)

"मेरा दुःख कुछ कम न होगा"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेरे दुख को कम नहीं करता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 16:6 (#2)

"मेरा दुःख कुछ कम न होगा"

अंग्रजी भाषा में यहाँ प्रश्नवाचक रूप का प्रयोग हुआ है। अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दर्द को दूर नहीं करता है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 16:7 (#1)

"उसने मुझे थका दिया है"

सर्वनाम उसने सबसे अधिक संभावना है कि परमेश्वर को संदर्भित करता है, क्योंकि निम्नलिखित सर्वनाम उसने स्पष्ट रूप से परमेश्वर को संबोधित करता प्रतीत होता है। ऐसा लगता है कि अथूब अपने मित्रों से बात करने से हटकर तीसरे व्यक्ति में परमेश्वर का उल्लेख कर रहे हैं, और फिर वह सीधे दूसरे व्यक्ति में परमेश्वर को संबोधित करता हुआ प्रतीत होते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो

सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे परमेश्वर, आपने मुझे थका दिया है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 16:7 (#2)

"उसने मेरे सारे परिवार को उजाड़ डाला"

शब्द उसने यहाँ एकवचन है क्योंकि अथूब इसका उपयोग परमेश्वर को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अनुवाद में एकवचन का प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:8 (#1)

"और उसने जो मेरे शरीर को सूखा डाला है—"

अथूब इस तरह बोल रहे हैं जैसे उनकी सूखी हुई स्थिति और उनका दुबलापन एक जीवित चीज़ के रूप में उनकी साक्षी दे रहे हों और उनके खिलाफ गवाही दे रहे हों। उनका मतलब है कि लोग उन्हें पाप का दोषी मानते हैं क्योंकि वे विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें एक बीमारी से दण्डित किया है, जिसके कारण उनका वजन कम हो गया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्योंकि तूने मुझे ऐसी बीमारी से पीड़ित किया है जिससे मैं दुर्बल हो गया हूँ, लोग इसे इस बात का प्रमाण मानते हैं कि मैंने पाप किया है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 16:8 (#2)

"और उसने जो मेरे शरीर को सूखा डाला है"

यहाँ आप शब्द एकवचन है क्योंकि अथूब इसका इस्तेमाल परमेश्वर को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। इसलिए अगर आपकी भाषा में यह अंतर है तो अपने अनुवाद में एकवचन का इस्तेमाल करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 16:8 (#3)

"मेरे विरुद्ध खड़ा होकर मेरे सामने"

यहाँ शब्द विरुद्ध खड़ा होकर का अर्थ हो सकता है: (1) अथूब ने, अपने एक हिस्से का इस्तेमाल, अपने पूरे व्यक्तित्व

का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे विरुद्ध" (2) शब्द मेरे सामने के एक खास अर्थ में, एक धर्मी व्यक्ति के रूप में अथूब की प्रतिष्ठा को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी भली प्रतिष्ठा के विरुद्ध"

देखें: उपलक्षण

अथूब 16:9 (#1)

"उसने क्रोध में आकर मुझ को फाड़ा और मेरे पीछे पड़ा है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर वास्तव में एक जंगली पशु हों जो उनके पीछे पड़ा हो और उन्हें फाड़ दिया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक जंगली जानवर की तरह मुझे फाड़ रहे हैं और हमला कर रहे हैं"

देखें: रूपक

अथूब 16:9 (#2)

"उसने क्रोध में आकर मुझ को फाड़ा और मेरे पीछे पड़ा है"

चूंकि जंगली जानवर अपने शिकार को फाड़ने से पहले उस पर हमला करता है, इसलिए इन वाक्यों के क्रम को उलटना ज्यादा स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने मुझ पर हमला किया है और मुझे फाड़ दिया है।"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 16:9 (#3)

"वह मेरे विरुद्ध दाँत पीसता"

यह क्रिया तीव्र क्रोध को व्यक्त करती है। यदि आपकी संस्कृति में भी ऐसा ही कोई भाव है, तो आप इसे अपने अनुवाद में यहाँ इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। आप इस इशारे का अर्थ भी बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मुझ पर इतना क्रोधित है कि वह अपने दाँत पीसते हैं।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 16:9 (#4)

"मेरा बैरी मुझ को आँखें दिखाता है"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर, जिन्हें वह मानते हैं कि उनके प्रति एक बैरी की तरह व्यवहार कर रहे हैं, सचमुच अपनी आँखें दिखा रहे हैं। अथूब का मतलब है कि परमेश्वर उस पर आगे हमला करने के तरीकों को पहचानने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि अथूब बच न जाए, अपनी आँखों को उस पर केंद्रित कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी आँखों को मुझ पर गहराई से केंद्रित करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 16:10 (#1)

"अब लोग मुझ पर मुँह पसारते हैं"

किसी की ओर मुँह खोलना एक प्रतीकात्मक क्रिया थी जो उपहास व्यक्त करती थी। अगर आपकी संस्कृति में भी ऐसा ही कोई भाव है, तो आप इसे अपने अनुवाद में इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। आप इस भाव का अर्थ भी बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरा उपहास करने के लिए अपना मुँह खोलते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 16:10 (#2)

"मुँह पसारते"

क्योंकि अथूब कई लोगों की बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में मुँह के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने मुँह से"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 16:11 (#1)

"के हाथ में"

यहाँ, हाथ उस शक्ति और नियंत्रण को दर्शाते हैं जो लोगों के पास किसी चीज़ पर होती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप एक समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "की शक्ति"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 16:11 (#2)**"दुष्ट लोगों"**

अथूब विशेषण दुष्ट लोगों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष समूह के लोगों को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट जन"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 16:11 (#3)**"फेंक दिया है"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर उन्हें दुष्ट लोगों के हाथ में सचमुच फेंक दिया हो। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें छोड़ रहे हैं ताकि दुष्ट लोग उनके साथ जो करना चाहें, कर सकें। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मुझे छोड़ देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 16:12 (#1)**"...और उसने मुझे चूर चूरकर डाला,"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर ने वास्तव में उसे चूर चूर कर दिया हो, उसे कई हिस्सों में तोड़ दिया हो, और उसकी गर्दन पकड़कर उसे झङ्कझङ्कार कर टुकड़े-टुकड़े कर दिया हो। उनका अर्थ है कि परमेश्वर ने उनके जीवन की हर महत्वपूर्ण चीज, उनके परिवार, उनकी सेहत, और उनकी संपत्ति को नष्ट कर दिया है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसे एक तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, या आप सीधे अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन उन्होंने मेरे परिवार, मेरी सेहत, और मेरी संपत्ति को नष्ट कर दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 16:12 (#2)**"फिर उसने मुझे अपना निशाना बनाकर खड़ा किया है"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उन्हें निशाना बनाकर रखा है। (वह इस रूपक को अगले पद की पहली पंक्ति में जारी रखते हैं।) उनका मतलब है कि ऐसा लगता है जैसे परमेश्वर ने उन्हें जानबूझकर नुकसान पहुँचाया है। यदि

आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसे तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, ऐसा लगता है जैसे उन्होंने मुझे जानबूझकर नुकसान पहुँचाया है।"

देखें: रूपक

अथूब 16:13 (#1)**"उसके तीर मेरे चारों ओर उड़ रहे हैं"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि तीर, जिन्हें परमेश्वर ने आदेश दिया है, सचमुच उन्हें चारों ओर से घेर लिया है। उनका मतलब है कि परमेश्वर ने उन्हें कई अलग-अलग परेशानियों का अनुभव कराया है। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट हो और यदि आपने पिछले पद की अंतिम पंक्ति में भी सरल भाषा का उपयोग किया हो तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने मुझे कई परेशानियों का अनुभव कराया है।"

देखें: रूपक

अथूब 16:13 (#2)**"...वह निर्दय होकर मेरे गुर्दों को बेधता है, और मेरा पित्त भूमि पर बहाता है"**

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि यह तीर से उनके महत्वपूर्ण अंगों में मारकर उन्हें बेरहमी से मारना चाहते हैं। (यह कहकर कि परमेश्वर भूमि पर उसका पित्त बहाते हैं, अथूब का मतलब है कि परमेश्वर के तीर ने उनके यकृत के साथ-साथ उनके गुर्दे को भी छेद दिया है, क्योंकि जिगर पित्त का उत्पादन करता है और अगर जिगर छेद दिया जाए तो वह तरल शरीर से बाहर निकल जाएगा।) यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे निर्दयता से मुझे मारने के लिए मेरे महत्वपूर्ण अंगों में तीर मार रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 16:13 (#3)**"...वह निर्दय होकर मेरे गुर्दों को बेधता है,"**

अथूब का यह मतलब नहीं है कि तीरों ने सचमुच उनके गुर्दे और जिगर को भेद दिया है। वह तीर का रूपक को जारी रखते हुए यह संकेत दे रहे हैं कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे परमेश्वर उन्हें निर्दयता से मारने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वे संभवतः बच नहीं सकते। यदि आपकी भाषा में यह

अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे ऐसा लगता है जैसे परमेश्वर मुझे निर्दयता से मारने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे मैं संभवतः बच नहीं सकता।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 16:13 (#4)

"वह" - "निर्दय होकर" - "बेधता"

सर्वनाम वह परमेश्वर को संदर्भित करता है। अथ्यूब का मतलब है कि परमेश्वर यह कार्य प्रतीकात्मक तीर के माध्यम से कर रहे हैं, जिनका वे पिछले वाक्य में वर्णन करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप बहुवचन सर्वनाम का उपयोग यह दिखाने के लिए कर सकते हैं कि यह तीर के रूपक का ही विस्तार है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे गुरुं छेदते हैं और छोड़ते नहीं; वे मेरे पिता को जमीन पर उंडेल देते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 16:14 (#1)

"वह शूर के समान मुझ पर धावा करके"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक शहर के चारों ओर एक रक्षात्मक दीवार हों और परमेश्वर उस धावा दे रहे हों। उनका मतलब है कि जो कष्ट लगातार वे झेल रहे हैं, वे उन्हें कमज़ोर बना रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मुझे लगातार कष्ट देते हैं जो मुझे कमज़ोर बना रहे हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 16:14 (#2)

"धावा करके मुझे चोट पर चोट पहुँचाकर"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर इस दीवार में कई अलग-अलग जगहों पर धावा करके छेद कर रहे हैं (जो अथ्यूब को दर्शाता है)। यदि आप अपने अनुवाद में छवि का प्रतिनिधित्व करना चुनते हैं, तो वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी दीवार में कई अलग-अलग स्थानों पर छेद कर रहे हैं" (2) कि इस दीवार में छेद करने में सफल होने के बाद, परमेश्वर उसी स्थान पर बार-बार प्रहार करते हैं ताकि उस छेद को बड़ा किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी दीवार में छेद को लगातार बड़ा कर रहे हैं"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 16:14 (#3)

"वह शूर के समान मुझ पर धावा करके"

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके खिलाफ दौड़ रहे हों, जैसे एक शूर शत्रु सैनिक पर हमला करने के लिए दौड़ता है। अथ्यूब एलीपज को उनके अपने शब्दों में जवाब दे रहे हैं। [15:26](#) में, एलीपज ने उसी छवि का उपयोग किया था यह बताने के लिए कि कैसे दुष्ट लोग परमेश्वर का विरोध करते हैं। यदि आपने उस पद में छवि का उपयोग किया है या उसे तुलना के रूप में प्रस्तुत किया है, तो आप यहाँ भी इसी तरह की छवि का अनुवाद कर सकते हैं। यदि आपने वहाँ सरल भाषा का उपयोग किया है, तो आप यहाँ भी इसी तरह की भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बड़ी तीव्रता से मेरा विरोध करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 16:15 (#1)

"मैंने अपनी खाल पर टाट को सी लिया है"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने सचमुच टाट को अपनी खाल पर सी लिया हो। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि वे लगातार शोक में हैं, जैसे कि वे टाट (शोक का एक चिन्ह) इतनी बार पहनते हैं कि ऐसा लगता है कि वह उनकी त्वचा पर सी गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लगातार शोक में हूँ" (2) कि वह वास्तव में टाट पहन रहे हैं (हालाँकि पुस्तक की शुरुआत में कहानी ऐसा नहीं कहती है) और यह उनके फोड़ों के कारण उनकी त्वचा से चिपक गया है, जैसे कि यह उनकी त्वचा पर सिल दिया गया हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो टाट दुःख में पहनता आ रहा हूँ वह मेरी त्वचा से चिपक गया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 16:15 (#2)

"और अपना बल मिट्टी में मिला दिया है"

बाइबल संस्कृति में लोग एक पशु के बल (मूल में "सींग" का उपयोग हुआ है) का उपयोग शक्ति और सम्मान का प्रतिनिधित्व करने के लिए करते थे। जब वे ऐसा करते थे, तो वे मनुष्यों के बारे में ऐसे बात करते थे जैसे उनके पास जानवरों की तरह सींग हों। उदाहरण के लिए, भजन [112:9](#) यहोवा से डरने वाले व्यक्ति के बारे में कहता है, "उसका सींग आदर के साथ ऊँचा किया जाएगा।" अथ्यूब इस छवि का उपयोग विपरीत तरीके से कर रहे हैं यह कहने के लिए कि वे अपमान सह रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप

अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं बहुत अपमान सह रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 16:16 (#1)

"और मेरी आँखों पर घोर अंधकार छा गया है"

अथूब इस तथ्य का वर्णन कर रहे हैं कि वह ठीक से सो नहीं पा रहे हैं, जिसका संबंध उस व्यक्ति की आँखों के चारों ओर काले धेर बनने से है जो नींद की कमी से पीड़ित है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और नींद की कमी से मेरी आँखों के चारों ओर काले धेरे हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 16:17 (#1)

"तो भी मुझसे कोई उपद्रव नहीं हुआ है"

अथूब मुझसे शब्द का उपयोग अपने हाथों के लिए कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वे उपद्रव करने की संभावित क्रिया में अपने पूरे अस्तित्व का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कोई हिंसा नहीं की है।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 16:17 (#2)

"पवित्र"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी प्रार्थना वास्तव में पवित्र हो, अर्थात् जैसे यह एक भौतिक पदार्थ हो जिसमें कुछ और मिला न हो। उनका मतलब है कि जब वे प्रार्थना करते हैं, तो उनका मतलब वही होता है जो वह कहते हैं और सिवाय परमेश्वर से ईमानदारी से बात करने के उनका कोई अन्य उद्देश्य नहीं होता। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ईमानदार है"

देखें: रूपक

अथूब 16:18 (#1)

"हे पृथ्वी, तू मेरे लहू को न ढाँपना"

अथूब कुछ ऐसा बोल रहे हैं जिसे वह जानते हैं कि वह उन्हें नहीं सुन सकती, यानी पृथ्वी। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि वह जो उनके साथ हो रहा है उसके बारे में अपनी भावनाओं को प्रकट कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आशा करता हूँ कि जब मैं मर जाऊँ, तो मेरा लहू पृथ्वी पर दिखाई देता रहे"

देखें: संबोधन

अथूब 16:18 (#2)

"हे पृथ्वी, तू मेरे लहू को न ढाँपना"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि उन्हें सचमुच मार दिया जाएगा और जैसे उनका लहू जमीन पर गिरकर पृथ्वी में समा जाएगा जब तक कि कुछ इसे रोक न दे। उनका मतलब है कि वे एक घातक अपराध के शिकार की तरह हैं जिसमें वे न्याय के हकदार हैं, लेकिन एक जोखिम है कि उन्हें न्याय नहीं मिलेगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो मेरे साथ हो रहा है उसके लिए न्याय प्राप्त करना चाहता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 16:18 (#3)

"और मेरी दुहाई कहीं न रुके"

संभावना है कि अथूब इस पद्यांश के इस भाग में पृथ्वी को संबोधित कर रहे हैं। एक बार फिर वह यह निर्देश दे रहे हैं ताकि यह दिखा सकें कि उनके साथ जो हो रहा है, उसके बारे में वह कितनी दृढ़ता से महसूस करते हैं। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि पृथ्वी उन्हें सुन सकती है और यह सुनिश्चित कर सकती है कि अथूब की दुहाई उसके किसी भी स्थान पर न रुके ताकि उसका उत्तर न दिया जाए। संदर्भ स्पष्ट करता है कि यह न्याय के लिए एक पुकार है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं आशा करता हूँ कि मेरी न्याय के लिए पुकार का उत्तर दिया जाए और वह छिपी न रहे।"

देखें: संबोधन

अथूब 16:19 (#1)

"अब भी स्वर्ग में मेरा साक्षी है"

इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में चर्चा देखें कि साक्षी और गवाह शब्दों का अनुवाद कैसे किया जाए, जो दोनों एक ही

व्यक्ति का वर्णन करते हैं, कोई ऐसा व्यक्ति जिससे अथूब को उम्मीद है कि वह स्वर्ग में उनके लिए मध्यस्थता करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस व्यक्ति ने मेरा पक्ष लिया है वह स्वर्ग में परमेश्वर के सामने मेरा मुद्दा प्रस्तुत कर रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 16:19 (#2)

"ऊपर है"

अथूब शब्द **ऊपर** का उपयोग स्वर्ग के लिए कर रहे हैं, जो पृथ्वी से बहुत ऊपर है। बहुवचन रूप शायद इन ऊँचाइयों को उनके वर्ग के सर्वोच्च उदाहरण के रूप में पहचानता है। यानी, जबकि पहाड़ की चोटी पर होना किसी को एक प्रभावशाली स्थिति देता है, स्वर्ग से शासन करना परमेश्वर को सर्वोच्च प्रभावशाली स्थिति देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे ऊँचे स्वर्ग में हैं" या "स्वर्ग में हैं, जहाँ वह सर्वोच्च रूप से शासन करते हैं"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 16:20 (#1)

"मेरे मित्र मुझसे धृणा करते हैं"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि अथूब के मन में यहाँ एक व्यक्ति है, जिसे उन्होंने पिछले पद में अपना "साक्षी" और "गवाह" कहा था। कुछ अनुवादों में मित्रों को मध्यस्थ भी कहा गया है। जबकि **मध्यस्थों** और **मित्रों** के शब्द बहुवचन में हैं, ऐसा लगता है कि अथूब अनिश्चित व्यक्ति को इंगित करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी इसी तरह बहुवचन रूपों का उपयोग किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इसका अर्थ किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक निश्चित मध्यस्थ है जो मेरा मित्र है" (2) अथूब कह रहा है कि जिस तरह से यह "गवाह" और "साक्षी" उसका पक्ष लेंगे, उसके विपरीत उसके मित्र उसका उपहास कर रहे हैं। मध्यस्थ शब्द का अनुवाद "उपहास करने वाले" का भी हो सकता है (हालाँकि अथूब इसे [33:23](#) में "बिचर्वई" के अर्थ में फिर से उपयोग करते हैं)। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मित्र मेरा मजाक उड़ा रहे हैं"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 16:20 (#2)

"मैं परमेश्वर के सामने आँसू बहाता हूँ"

अथूब अपने **आँसू** का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वे रोने के कार्य में पूरी तरह से शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर से करुणा के लिए आँसू बहाकर प्रार्थना कर रहा हूँ!"

देखें: उपलक्षण

अथूब 16:21 (#1)

"सज्जन का"

जब वह इस पद्यांश के पहले भाग में **सज्जन** का उल्लेख करते हैं, तो अथूब तीसरे व्यक्ति में अपने बारे में बात करते हुए प्रतीत होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे पहले व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 16:21 (#2)

"और आदमी का मुकद्दमा उसके पड़ोसी के विरुद्ध लड़े"

अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में इससे स्पष्टता आती है, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मनुष्य का पुत्र अपने पड़ोसी के लिए बहस करता है"

देखें: पदलोप

अथूब 16:21 (#3)

"और आदमी का मुकद्दमा उसके पड़ोसी के विरुद्ध लड़े"

इस उदाहरण में, अथूब शब्द **और** का उपयोग यह कहने के लिए कर रहे हैं कि जिस वाक्यांश को यह प्रस्तुत करता है वह पिछले वाक्यांश की तरह ही सत्य है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे मनुष्य का पुत्र अपने पड़ोसी के लिए तर्क करता है"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 16:21 (#4)

"और आदमी का मुकद्दमा उसके पड़ोसी के विरुद्ध लड़े"

हालाँकि आदमी और सज्जन शब्द पुलिंग हैं, वाक्यांश आदमी का मुकद्दमा एक सामान्य अर्थ रखता है और इसका मतलब "एक मनुष्य" होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक मनुष्य दूसरे मनुष्य की ओर से तर्क करता है"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथ्यूब 16:22 (#1)

"क्योंकि थोड़े ही वर्षों के बीतने पर"

अथ्यूब के द्वारा उपयोग किए गए "थोड़े ही वर्षों" का अर्थ "कुछ वर्षों" है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ वर्ष बीत जाएंगे"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 16:22 (#2)

"मैं उस मार्ग से चला जाऊँगा, जिससे मैं फिर वापिस न लौटूँगा"

जब अथ्यूब कहते हैं कि वह मार्ग पर जाएंगे और वापिस न लौटेंगे, तो उनका मतलब है कि वह मर जाएंगे। यह मृत्यु को संदर्भित करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं मर जाऊँगा" या "और फिर मैं मर जाऊँगा"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 17 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय एलीपज के दूसरे भाषण के प्रति अथ्यूब की प्रतिक्रिया का निष्कर्ष है। अथ्यूब अपने मित्रों की सलाह से निराशा व्यक्त करते हैं, वह यहाँवा से सहायता मांगते हैं, और चाहते हैं कि उनके पास आशा करने के लिए अच्छी चीजें होतीं।

यूलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

अथ्यूब 17:1 (#1)

"मेरा प्राण निकलने पर है, मेरे दिन पूरे हो चुके हैं"

अथ्यूब अतिशयोक्ति कर रहे हैं जब वह कहते हैं कि उनका प्राण निकलने पर है और उनके दिन पहले ही पूरे हो चुके हैं। उनका मतलब है कि यह लगभग ऐसा ही है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी आत्मा लगभग नष्ट हो चुकी है, मेरे दिन लगभग समाप्त हो चुके हैं"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 17:1 (#2)

"मेरा प्राण निकलने पर है, मेरे दिन पूरे हो चुके हैं"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी परेशानियों ने मेरी आत्मा को लगभग नष्ट कर दिया है और मेरे दिन समाप्त कर दिए हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 17:1 (#3)

"मेरा प्राण"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) अथ्यूब का जीवन। अथ्यूब अपने एक हिस्से, अपने प्राण, का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व के लिए कर रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: (2) "मेरा जीवन" अथ्यूब की ताकत और मनोबल। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी ताकत" या "मेरा मनोबल"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 17:1 (#4)

"मेरे दिन पूरे हो चुके हैं"

अथ्यूब एक विशेष अवधि, अपने जीवनकाल को संदर्भित करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन समाप्त हो गया है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 17:1 (#5)**"मेरे दिन पूरे हो चुके हैं"**

यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन लगभग समाप्त हो चुका है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 17:1 (#6)**"मेरे लिये कब्र तैयार है"**

मूल भाषा में यहाँ कब्रें शब्द बहुवचन में लिखा गया है पर हिन्दी में इसे एकवचन में कब्र के रूप में उपयोग किया गया है।

हालांकि कब्रें शब्द बहुवचन है, यह संभावना नहीं है कि अथ्यूब का मतलब है कि उन्हें एक से अधिक कब्र में दफनाया जाएगा। (1) अथ्यूब संभवतः अनिश्चित चीज को इंगित करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी बहुवचन रूप का उपयोग इसी तरह किया जाता होगा। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लिए कहीं एक कब्र तैयार है" (2) अथ्यूब कब्रिस्तान या समाधि स्थल की बात कर सकते हैं, क्योंकि ऐसे स्थान में कई कब्रें होती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कब्रिस्तान मेरे लिए तैयार है"

देखें: बहुवचन का असामान्य उपयोग

अथ्यूब 17:1 (#7)**"मेरे लिये कब्र तैयार है"**

मूल भाषा में यहाँ कब्रें शब्द को बहुवचन में लिखा गया है पर हिन्दी में इसे एकवचन में कब्र के रूप में उपयोग किया गया है।

अथ्यूब कह रहे हैं कि कब्रें उनके लिए तैयार हैं, जिसका अर्थ है कि शीघ्र ही उनकी मृत्यु होनेवाली है। यह, मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई समतुल्य अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शीघ्र ही मैं मरने वाला हूँ"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 17:2 (#1)**"वह ठट्ठा करनेवाले हैं"**

मूल में इस वाक्य के पूर्व यदि शब्द उपयोग किया गया है। अथ्यूब एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथ उपहास करने वाले हैं, हैं कि नहीं?"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 17:2 (#2)**"निश्चय जो मेरे संग हैं वह ठट्ठा करनेवाले हैं"**

मूल में इस वाक्य के पूर्व यदि शब्द उपयोग किया गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से मेरे साथ उपहास करने वाले हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 17:2 (#3)**"निश्चय जो मेरे संग हैं वह ठट्ठा करनेवाले हैं"**

ठट्ठा करनेवाले से, अथ्यूब संभवतः अपने मित्रों का जिक्र कर रहे हैं। भले ही मित्र उपस्थित हों, अथ्यूब उनके बारे में तृतीय पुरुष के रूप में बात कर रहे होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप तीनों ने मेरा मजाक उड़ाया है!"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथ्यूब 17:2 (#4)**"और उनका झगड़ा-रगड़ा मुझे लगातार दिखाई देता है"**

अथ्यूब दिखाई का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वह देखने के कार्य में पूरी तरह से शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, दूसरे व्यक्ति का उपयोग करते हुए: "हाँ, मैं सिर्फ आपकी उत्तेजनाओं को देख सकता हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 17:2 (#5)

"और उनका झगड़ा-रगड़ा मुझे लगातार दिखाई देता है"

यदि आपकी भाषा में झगड़ा-रगड़ा के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, मैं केवल आपको मुझे उकसाते हुए देख सकता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 17:2 (#6)

"उनका झगड़ा-रगड़ा मुझे लगातार दिखाई देता है"

इसका आशय यह है कि अथ्यूब के मित्र केवल उन्हें उकसा रहे हैं, उन्हें सांत्वना नहीं दे रहे, क्योंकि अन्यथा अथ्यूब उनकी सांत्वना को पहचान पाते। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने केवल मुझे उकसाया है, मुझे सांत्वना नहीं दी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 17:3 (#1)

"जमानत दे, अपने और मेरे बीच में तू ही जामिन हो"

शब्द **अपने** और आदेशात्मक **दे** में निहित "आप" और आदेशात्मक **जामिन हो** एकवचन है क्योंकि वे परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। इसलिए, यदि आपकी भाषा उस भेद को दर्शाती है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथ्यूब 17:3 (#2)

"जमानत दे, अपने और मेरे बीच में तू ही जामिन हो"

अथ्यूब इस तरह बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच **जमानत**, सकते हैं अर्थात्, अदालत में किसी मूल्यवान चीज़ को प्रत्याभूत करें, ताकि अथ्यूब की उपस्थिति और अच्छे चाल-चलन की जामिन दी जा सके। अथ्यूब इसी तरह बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके लिए **जामिन** बनेंगे, अर्थात्, व्यक्तिगत रूप से उनकी उपस्थिति और चाल-चलन की प्रत्याभूत देंगे। अथ्यूब इस तरह बोलते हैं, भले ही वे एक ही समय में कहते हैं कि परमेश्वर स्वयं उनका मुकदमा लड़ेंगे (यही **मेरे बीच में** का अर्थ है)। आपकी संस्कृति में भी ऐसा ही कोई रिवाज हो सकता है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते

है। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही आप मेरा मुकदमा लड़ रहे हों, कृपया मेरे लिए एक जमानत दे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 17:3 (#3)

"कौन है जो मेरे हाथ पर हाथ मारे"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप इसे एक कथन या एक विसम्यादिबोधक के रूप में अनुवादीत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मेरे साथ हाथ नहीं मिलाएंगा।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 17:3 (#4)

"कौन है जो मेरे हाथ पर हाथ मारे"

अथ्यूब एक व्यक्ति के दूसरे व्यक्ति के हाथ पर हाथ मारने की बात कर रहे हैं, जो इस कार्य का प्रतीक है कि वह उस दूसरे व्यक्ति के लिए जामिन के रूप में सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध थे। आपकी संस्कृति में भी ऐसा ही कोई प्रचलन हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं और आप इस क्रिया के महत्व को भी समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मुझसे हाथ मिलाकर यह वचन नहीं लेगा कि वह मेरा जामिन होगा।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 17:4 (#1)

"क्योंकि"

मूल भाषा में पिछले पद को जोड़ने के लिए **क्योंकि** का प्रयोग किया गया है परन्तु हिन्दी में सीधा कारण दिया गया है।

अथ्यूब ने पिछले पद में कहा कि उन्हें विश्वास है कि कोई और उनके लिए जामिन नहीं होगा, और इसका कारण बताने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मित्र मेरे जामिन नहीं होंगे क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 17:4 (#2)

"तूने उनका मन समझने से रोका है"

अथूब ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर ने उनके मित्रों के मन को सचमुच एक ऐसी जगह **रोका** दिया है जहाँ उनके मन **समझ** के संपर्क में भी नहीं आ सकते। इस चित्र के संदर्भ में, अथूब मन का उपयोग प्राण का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने उनके प्राण को समझ से दूर रखा है"

देखें: रूपक

अथूब 17:4 (#3)

"तू उनको प्रबल न करेगा"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उनके मित्रों को **प्रबल** करेंगे। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें आदर देंगे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप उन्हें आदर नहीं देंगे"

देखें: रूपक

अथूब 17:4 (#4)

"तू उनको प्रबल न करेगा"

अथूब का तात्पर्य यह है कि चूंकि परमेश्वर ने उनके मित्रों को यह समझने से रोका है कि वह निर्दोष हैं, परमेश्वर दोषी निर्णय देकर उनके मित्रों को आदर नहीं देंगे या **प्रबल** नहीं करेंगे, जिससे यह साबित हो कि मित्र जो कह रहे थे वह सही था। ऐसा करना त्रुटि को जीतने देना होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से संकेत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे दोषी करार देकर जो उन्होंने गलत तरीके से कहा है उसे सही साबित नहीं करेंगे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 17:5 (#1)

"जो अपने मित्रों को चुगली खाकर लूटा देता,"

अथूब एक ऐसी चीज़ का उल्लेख कर रहे हैं जिसका उपयोग परमेश्वर न्याय बनाए रखने के लिए करते हैं, उन लोगों को दंडित करना जो रिश्वत लेकर झूठी गवाही देते हैं, यह दर्शनी के लिए कि परमेश्वर न्याय कैसे बनाए रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आखिरकार, आप उन

लोगों को दंडित करके न्याय बनाए रखते हैं जो अदालत की कार्यवाही को भ्रष्ट करते हैं।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 17:5 (#2)

"उसके बच्चों की आँखें अंधी हो जाएँगी"

अथूब इस बारे में बात कर रहे हैं कि मरने वाले लोगों की आँखें कैसे अंधी हो जाती हैं (अब नहीं देखतीं) ताकि जो लोगों मरणावस्था में हैं उनके बारे में वर्णन कर सके। यह मृत्यु के बारे में बोलने का एक काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। या फिर आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बेटे निश्चित रूप से मर जाएंगे"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 17:5 (#3)

"उसके बच्चों "

यहाँ पर **बच्चों** का पुरुषवाचक शब्द एक सामान्य अर्थ में है जो पुत्रों और पुत्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चे"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 17:6 (#1)

"उसने ऐसा किया कि सब लोग मेरी"

सर्वनाम उसने परमेश्वर को संबोधित करता है। पद 3 और 4 में परमेश्वर से सीधे बात करने के बाद, अथूब अब फिर से परमेश्वर के बारे में तीसरे व्यक्ति रूप में बात करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन परमेश्वर ने मुझे बनाया है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 17:6 (#2)

"कि सब लोग मेरी उपमा देते हैं"

अथूब शब्द देते हैं का उपयोग कर रहे हैं जिसका अर्थ है कि लोग उन्हें नाम से एक उल्कृष्ट उदाहरण के रूप में उद्धृत कर रहे हैं, जो धार्मिक होने के कारण समृद्ध प्रतीत होते हैं किन्तु वास्तव में दुष्ट होने के कारण बर्बाद हो गए। आपकी भाषा में इस भाव के लिए एक अभिव्यक्ति हो सकती है जिसमें लोगों को उदाहरण के रूप में नाम से उद्धृत किया जाता है, जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के लिए एक कहावत"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 17:6 (#3)

"और लोग मेरे मुँह पर थूकते हैं"

लोग अथूब के मुँह पर थूकते थे, यह एक प्रतीकात्मक क्रिया थी जो उनके प्रति लोग अपनी धृणा दर्शनी के लिए कर रहे थे, क्योंकि वे उन्हें एक दुष्ट व्यक्ति मानते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग मेरे चेहरे पर भी थूक रहे हैं ताकि वे अपनी धृणा को दिखा सकें क्योंकि वे सोचते हैं कि मैं एक दुष्ट व्यक्ति हूँ।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 17:7 (#1)

"खेद के मारे मेरी आँखों में धुंधलापन छा गया है"

अथूब दृष्टि का अर्थ बताने के लिए आँखों शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे दुख के कारण ही मैं धुंधला सा देख पा रहा हूँ।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:7 (#2)

"छाया के समान"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे छाया अवास्तविक है, वैसे ही अथूब के अंग, अर्थात् उनके शरीर के हिस्से, बहुत पतले हो गए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छाया जीतने विरल हो गए हैं।"

देखें: उपमा

अथूब 17:8 (#1)

"सीधे लोग" - "और निर्दोष" - "भक्तिहीन"

अथूब विशेषणों सीधे, निर्दोष, और भक्तिहीन का उपयोग कुछ प्रकार के लोगों को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समानार्थक वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक लोग... और निर्दोष लोग... नास्तिक लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 17:9

"धर्मी लोग" - "शुद्ध काम करनेवाले"

अथूब विशेषण धर्मी और शुद्ध का उपयोग संज्ञा के रूप कुछ प्रकार के लोगों के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों के समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक लोग ... और जिनके हाथ शुद्ध हैं।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 17:9 (#2)

"तो" - "अपना मार्ग पकड़े रहेंगे"

अथूब इस बारे में बात कर रहे हैं कि परमेश्वर चाहते हैं कि एक व्यक्ति जीवन कैसे व्यतीत करे, या उस व्यक्ति के भविष्य के बारे में परमेश्वर ने जो योजना बनाई है, जैसे कि वह एक मार्ग या रास्ता जिस पर परमेश्वर चाहते हैं कि वो व्यक्ति चले। जब अथूब कहते हैं कि धर्मी लोग अपने मार्ग को पकड़े रहेंगे, तो उनका अर्थ है कि वह व्यक्ति उस रास्ते पर चलता रहेगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीते रहेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 17:9 (#3)

"शुद्ध काम करनेवाले"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि जिन लोग के काम भले हैं, उनके काम सचमुच शुद्ध हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और निर्दोष लोग"

देखें: रूपक

अथूब 17:9 (#4)**"सामर्थ पर सामर्थ पाते जाएँगे"**

जब अथूब कहते हैं कि भले लोग सामर्थ पर सामर्थ पाते जाएँगे, तो इस अभिव्यक्ति का मतलब है कि वे लगातार मजबूत होते जाएंगे। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अधिक मजबूत होते जाएंगे"

देखें: मुहावरा

अथूब 17:10 (#1)**"तुम सब के सब"**

अथूब अपने दोस्तों के बारे में तीसरे व्यक्ति के रूप में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सभी"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 17:10 (#2)**"मेरे पास आओ तो आओ"**

यह वाक्यांश दो शब्दों को तो के साथ जोड़कर एक ही विचार व्यक्त कर सकता है। शब्द **आओ** बताता है कि अथूब अपने मित्रों से किस तरह आने की उम्मीद रखते हैं। वे चाहते हैं कि वे उनके साथ "फिर से" संवाद करने का प्रयास करें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "तो" का उपयोग नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर से आओ"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथूब 17:10 (#3)**"तुम लोगों में एक भी बुद्धिमान"**

अथूब विशेषण **बुद्धिमान** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। यूएलटी इसे **व्यक्ति** शब्द जोड़कर इंगित करता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष

वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप में से कोई भी जो बुद्धिमान है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 17:11 (#1)**"मेरे दिन तो बीत चुके"**

अथूब अपने जीवन के एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए अर्थात् जीवनकाल के लिए, **दिन** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन लगभग समाप्त हो गया है"

देखें: मुहावरा

अथूब 17:11 (#2)**"मेरी मनसाएँ मिट गई"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी योजनाओं को पूरा नहीं कर सकूंगा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 17:11 (#3)**"जो मेरे मन में था"**

अथूब अपने **मन** के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो **मनसाएँ** रख सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे चीजें जिनकी मैंने गहराई से इच्छा की थीं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 17:12 (#1)**"वे रात को दिन ठहराते"**

अथूब जीवन में कठिन समय के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वे वास्तव में रात हों और जीवन में खुशहाल, समृद्ध समय के बारे में इस तरह जैसे वे वास्तव में **दिन** हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे दावा करते हैं कि जो मेरे साथ हो रहा है वह वास्तव में अच्छा है!"

देखें: रूपक

अथूब 17:12 (#2)

"वे कहते हैं"

सर्वनाम वे अथूब के दोस्तों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मित्र बदल जाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 17:12 (#3)

"वे रात को दिन ठहराते; वे कहते हैं"

मूल में "वे बदलते हैं" दिया गया है। जिसका मतलब है कि वे अपनी बातों को बदल देते हैं। अथूब अपने मित्रों के बारे में तीसरे व्यक्ति के रूप में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप, मेरे मित्र, बदलते हैं" या "आप बदल जाते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 17:12 (#4)

"अंधियारे के निकट उजियाला है"

कई अनुवादक विश्वास करते हैं कि इस वाक्य में, अथूब संक्षेप में बता रहे हैं कि उनके मित्र उन्हें क्या कह रहे हैं। आप अपने अनुवाद में इस वाक्य को प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कहते हैं, "अंधियारे के निकट उजियाला है"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 17:12 (#5)

"अंधियारे के निकट उजियाला है"

यहाँ **निकट** शब्द किसी चीज़ की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार की उपस्थिति के निकट प्रकाश है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:12 (#6)

"अंधियारे के निकट उजियाला है"

अथूब शायद एक नीतिवचन का उपयोग कर रहे हैं, जो जीवन में आमतौर पर सत्य मानी जाने वाली किसी बात के बारे में एक संक्षिप्त, लोकप्रिय कहावत है, यह बताने के लिए कि उनके दोस्त उन्हें क्या कह रहे हैं। या उनके दोस्त खुद इस नीतिवचन का उपयोग अथूब को सलाह देने में कर रहे होंगे। आपकी भाषा में भी समान कहावत हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोर से पहले हमेशा घोर अंधेरा होता है!"

देखें: नीतिवचन

अथूब 17:13 (#1)

"यदि मेरी आशा यह हो कि अधोलोक मेरा धाम होगा"

अथूब सोने के लिए **धाम** तैयार करने की एकल गतिविधि का उपयोग कर रहे हैं जिसका अर्थ है वो समस्य क्रिया जिसके द्वारा एक स्थान को घर बनाया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने मृतकों के क्षेत्र में अपना घर बना लिया है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 17:13 (#2)

"यदि मैंने अंधियारे में"

अथूब **अंधियारे** शब्द का उपयोग मृतकों के क्षेत्र, अधोलोक, के लिए कर रहे हैं, क्योंकि वहाँ अंधेरा होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मृतकों के क्षेत्र में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:14 (#1)

"यदि मैंने सङ्घाहट से कहा, 'तू मेरा पिता है'

मूल भाषा में **सङ्घाहट** के स्थान में **गङ्गा** शब्द उपयोग किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं गङ्गे को कहूँ कि वो मेरा पिता है" या "यदि मैं गङ्गे को अपना पिता कहूँ"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 17:14 (#2)

"यदि मैंने सङ्गाहट से कहा, 'तू मेरा पिता है'

यदि अथूब ने यह कहा, तो वह यह कह रहे होंगे कि **सङ्गाहट** उनका घर था, उसी तरह जैसे कोई व्यक्ति अपने पिता के घर में रहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं गङ्गा को कहूँ, 'तुम मेरा घर हो'"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:14 (#3)

"यदि मैंने सङ्गाहट से कहा, 'तू मेरा पिता है'

यदि अथूब इस तरह **सङ्गाहट** से एक प्रभवशाली वक्तव्य देने के लिए बात करते हैं, अर्थात् मृतकों के क्षेत्र से, तो वे कुछ ऐसी चीज़ से बात कर रहे हैं और ये जानते हैं की वो ना ही उन्हें सुन सकता है और समझ सकता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने कहा कि सङ्गाहट निश्चित रूप से मेरा घर बनने जा रहा था"

देखें: संबोधन

अथूब 17:14 (#4)

"और कीड़े से, 'तू मेरी माँ,' और 'मेरी बहन है'

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो। वैकल्पिक अनुवाद: "या आगर मैं कीड़े को बुलाऊँ और कहूँ, 'आप मेरी माँ हैं,' या, 'आप मेरी बहन हैं'"

देखें: पदलोप

अथूब 17:14 (#5)

"और कीड़े से, 'तू मेरी माँ,' और 'मेरी बहन है'

यदि अथूब ने यह एक **कीड़े** से कहा, जो कि कब्र में पाया जा सकता है, तो वह कह रहे होंगे कि कब्र उनका घर बनने जा रहा है, उसी तरह जैसे कोई व्यक्ति अपनी माँ और बहन के साथ घर साझा करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "या यदि मैं कीड़े को बोलता हूँ, 'मैं कब्र आपके साथ साझा करने जा रहा हूँ'" या "या यदि मैं कीड़े को बोलता हूँ, 'मैं कब्र में जैसे आप हैं, रहने जा रहा हूँ'"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:14 (#6)

"और कीड़े से, 'तू मेरी माँ,' और 'मेरी बहन है'

यदि अथूब यह जानते हुए कि कीड़ा कुछ सुन और समझ नहीं सकता फिर कुछ ऐसा कहते हैं तो वह एक प्रभवशाली बयान दे सके इसलिए इस तरह से एक **कीड़ा** से बात करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने कहा कि मैं निश्चित रूप से कब्र में जाने वाला हूँ"

देखें: संबोधन

अथूब 17:14 (#7)

"कीड़े से"

अथूब किसी विशेष **कीड़े** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब किसी भी कीड़े से है। इसे अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "कीड़े को"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 17:14 (#8)

"कीड़े से"

कीड़ा एक छोटा, बिना पैरों वाला जीव है जो जमीन के अंदर सुरंग बनाता है और मिट्टी को अपने पाचन तंत्र के माध्यम से गुजारता है ताकि मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों को निकाल सके। कीड़ों को जो कुछ भी जमीन के नीचे मिलता है, उसे वह अपने पाचन तंत्र के माध्यम से गुजारते हैं, जिसमें मृत शरीर भी शामिल होते हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि **कीड़ा** क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक समतुल्य जीव का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक छोटे सुरंग बनाने वाले जीव के लिए"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 17:15 (#1)**"तो मेरी आशा कहाँ रही?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब मेरे पास कोई वास्तविक आशा नहीं होगी। नहीं, मेरे पास कोई आशा नहीं होगी जिसे कोई देख सके!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 17:15 (#2)**"तो मेरी आशा कहाँ रही?"**

यदि आपकी भाषा में आशा के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब मेरे पास वास्तव में आशा करने के लिए कुछ नहीं होगा! किसी के देखने के लिए भी मेरे पास ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे मैं आशा रखूँ!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 17:16 (#1)**"वह तो अधोलोक में उतर जाएगी"**

मूल भाषा में इस पद को "क्या वे अधोलोक के द्वारों तक पहुँचेंगे?" के रूप में व्यक्त किया गया है जहाँ इसका अर्थ है अधोलोक के द्वार के करीब उतर जाएगी।

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर वे अधोलोक की द्वारों तक उतर जाएंगे! फिर हमारा विश्राम एक साथ धूल में होगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 17:16 (#2)**"वह ... उतर जाएगी"**

मूल भाषा में इस पद को बहुवचन में "क्या वे उतरेंगे?" के रूप में व्यक्त किया गया है जो आशा को संबोधित करता है।

सर्वनाम वे उस आशा को संदर्भित करता है जिसका उल्लेख अथूब ने पिछले पद में किया था। अथूब बहुवचन शब्द का उपयोग उस आशा के लिए कर रहे हो जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि वह नहीं होगी और उस आशा के लिए भी जिसे उन्होंने कहा था कि कोई नहीं देखेगा, भले ही मूल रूप से यह एक ही आशा है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप अपने अनुवाद में एकवचन सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह उतरेगा" या, एक कथन के रूप में, "फिर यह उतरेगा"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 17:16 (#3)**"अधोलोक में"**

मूल भाषा में "अधोलोक की सलाखों तक" इस प्रकार लिखा गया है, सलाखों का अर्थ है अधोलोक के द्वार।

अथूब सलाखों शब्द का उपयोग "द्वार" के लिए कर रहे हैं, क्योंकि सलाखे द्वार को बंद रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधोलोक के द्वार तक"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 17:16 (#4)**"अधोलोक में"**

मूल भाषा में "अधोलोक की सलाखों तक" इस प्रकार लिखा गया है, सलाखों का अर्थ है अधोलोक के द्वार।

अथूब निःसन्देह हो कर कह रहे हैं कि यदि उनकी आशा अधोलोक के सलाखों या द्वार तक चले गए, तो उन्हें वहाँ प्रवेश मिल जाएगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इग्नित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधोलोक में और वहाँ प्रवेश प्राप्त करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 17:16 (#5)**"और उस समेत मुझे भी मिट्टी में विश्राम मिलेगा"**

जब अथूब मिट्टी में विश्राम की बात करते हैं, तो उनका अर्थ मृत्यु है। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम साथ में खत्म हो जाएंगे" या
"क्या मेरी आशा मेरे साथ मर जाएगी"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 17:16 (#6)

"और उस समेत मुझे भी मिट्टी में विश्राम मिलेगा"

अथूब अपनी आशा के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो विश्राम कर सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मेरे पास इस जीवन में आशा करने के लिए कुछ और नहीं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

इस अध्याय में, अथूब के मित्र बिल्दद उससे दूसरी बार बात करते हैं। जैसे एलीपज ने अध्याय 15 में अथूब से अपने दूसरे भाषण में किया था, बिल्दद इस भाषण में अथूब से पहले की तुलना में अधिक दृढ़ता से बात करता है। उसी भाषा का उपयोग करते हुए जो अथूब ने अध्याय 16 और 17 में उपयोग की थी, बिल्दद खुद और अन्य दो मित्रों का बचाव करता है और अथूब को चेतावनी देता है कि परमेश्वर उन्हें गंभीर रूप से दण्डित करेंगे यदि वह दुष्ट बने रहते हैं (जैसा कि बिल्दद उन्हें मानता है)।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर पाठ के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

अथूब 18:2 (#1)

"तुम कब तक फंदे लगा लगाकर वचन पकड़ते रहोगे"

बिल्दद जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको अभी शब्दों का अन्त करना चाहिए!" या "ऐसी बातें कहते रहना आपके लिए मददगार नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 18:2 (#2)

"तुम कब तक फंदे लगा लगाकर वचन पकड़ते रहोगे"

बिल्दद वचन का उपयोग उसी अर्थ में कर रहे हैं, जैसा अथूब ने अपने शब्दों में कहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। बिल्दद अथूब को उसी भाषा में जवाब दे रहे हैं, जो अथूब ने 16:3 में उपयोग की थी। देखें कि आपने वहाँ "शब्दों का अन्त" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया; **फंदे लगा लगाकर वचन पकड़ते रहाँ हल्का सा परिवर्तन है।** वैकल्पिक अनुवाद: "आप कब तक बात करते रहोगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 18:2 (#3)

"तुम ... लगा लगाकर" - "चित्त लगाओ"

सर्वनाम तुम और आदेशात्मक चित्त लगाओ में निहित "आप" बहुवचन हैं। बिल्दद इन बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि वे अथूब को अपने शब्दों में जवाब दे रहे हैं और अथूब ने "आप सभी" (अर्थात् उनके तीन दोस्तों) को सम्बोधित किया था जब उन्होंने 16:3 में पूछा था, "क्या व्यार्थ बातों का अन्त कभी होगा?" बिल्दद अथूब को उन लोगों के एक दल के प्रतिनिधि के रूप में दिखा सकते हैं जो उनके जैसे सोचते और बोलते हैं। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "आप" के बीच अन्तर होता है, तो आपके अनुवाद में एकवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है।

देखें: बहुवचन का असामान्य उपयोग

अथूब 18:3 (#1)

"हम लोग ... क्यों पशु के तुल्य समझे जाते"

बिल्दद जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी नजर में हमें निर्बुद्धि पशुओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 18:3 (#2)

"हम लोग ... क्यों पशु के तुल्य समझे जाते"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आप हमें पशु क्यों समझते हैं?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:3 (#3)

"पशु के तुल्य"

बिल्दद इस तुलना का उपयोग यह कहने के लिए कर रहे हैं कि जिस तरह **पशु** समझ नहीं रखते, वैसे ही अथूब अपने मित्रों को समझ न रखने वाला मानते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पशु जिनके पास कोई समझ नहीं है"

देखें: उपमा

अथूब 18:3 (#4)

"तुम्हारी दृष्टि में"

मूल भाषा में यहाँ, **आँखों** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **दृष्टि** शब्द का प्रयोग हुआ है। बिल्दद दृष्टि का अर्थ समझाने के लिए **आँखों** का उपयोग कर रहे हैं। दृष्टि यहाँ ध्यान, दृष्टिकोण, और न्याय का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके दृष्टिकोण से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 18:3 (#5)

"तुम्हारी दृष्टि में"

यहाँ **तुम्हारी** शब्द बहुवचन है, जैसे पिछले वचन में "तुम" शब्द था। चूंकि बिल्दद अथूब को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो आपके अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है।

देखें: बहुवचन का असामान्य उपयोग

अथूब 18:4 (#1)

"हे अपने को क्रोध में फाड़नेवाले"

बिल्दद अथूब के बारे में तीसरे व्यक्ति में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे द्वितीय व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो अपनी नाक में खुद को फाड़ते हैं" या "अधिक क्रोधित होने वाले"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 18:4 (#2)

"हे अपने को क्रोध में फाड़नेवाले"

बिल्दद अपने शब्दों में अथूब को जवाब देना जारी रखता है। **16:9** में, अथूब ने ऐसे बात की जैसे परमेश्वर सचमुच एक जंगली पशु हों जिन्होंने अपने क्रोध में उन्हें **फाड़** दिया हो। बिल्दद कह रहे हैं कि वास्तव में अथूब ही हैं जो अपने क्रोध में खुद को फाड़ रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह आप ही हैं जो अपने क्रोध में खुद को फाड़ रहे हैं!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 18:4 (#3)

"क्या तेरे निमित्त पृथ्वी उजड़ जाएगी"

बिल्दद जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी आपके लिए नहीं उजाड़ी जाएगी, और चट्टान अपनी जगह से नहीं हिलेगी!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 18:4 (#4)

"क्या तेरे निमित्त पृथ्वी उजड़ जाएगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या लोग पृथ्वी को त्याग देंगे" या "क्या लोग पृथ्वी पर रहना बन्द कर देंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:4 (#5)**"और चट्टान अपने स्थान से हट जाएगी"**

बिल्दद अपने शब्दों में अथूब को जवाब देना जारी रखते हैं। 14:18-19 में, अथूब ने परमेश्वर से कहा, "तू मनुष्य की आशा को मिटा देता है," और इसकी तुलना उस तरीके से की जैसे "चट्टान अपने स्थान से हट जाती है।" यह एक भूकम्प या भूस्खलन का सन्दर्भ हो सकता है। बिल्दद यह संकेत दे रहे हैं कि अथूब अपनी व्यक्तिगत स्थिति की तुलना महान प्राकृतिक घटनाओं से करके अत्यधिक भव्यता दिखा रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी व्यक्तिगत स्थिति एक महान भूकम्प जैसी नहीं है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 18:5 (#1)**"दुष्टों का दीपक बुझ जाएगा"**

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति की खुशी और समृद्धि के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे सचमुच एक **दीपक** या **आग** की लौ हों। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग जो भी खुशी या समृद्धि का आनन्द लेते हैं, वह बहुत लम्बे समय तक नहीं टिकती।"

देखें: रूपक

अथूब 18:5 (#2)**"दुष्टों"**

बिल्दद विशेषण **दुष्टों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष समूह को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग" या, चूंकि बिल्दद बाद के वचन में एकवचन **उसकी** का उपयोग करते हैं, "एक दुष्ट व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 18:6 (#1)**"उसके डेरे में का उजियाला अंधेरा हो जाएगा,"**

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति की खुशी और समृद्धि के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वे चीजें वास्तव में एक **उजियाला** या **दीया** हों। वे अथूब को उनके अपने शब्दों में जवाब देना जारी रख रहे हैं। 17:12 में, अथूब ने कहा था कि उनके मित्र उन्हें बता रहे थे कि प्रकाश पास में होना चाहिए क्योंकि उनके जीवन में वर्तमान में बहुत अंधेरा था। बिल्दद यहाँ जवाब में कह रहे हैं कि दुष्ट लोग प्रकाश में हो सकते हैं, लेकिन जल्द ही उनके लिए अंधेरा हो जाएगा। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करने के लिए, यहाँ उसी भाषा का उपयोग करना सहायक हो सकता है जो आपने 17:12 में उपयोग की थी। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही एक दुष्ट व्यक्ति के पास प्रकाश हो, अंधेरा निकट है" या "भले ही एक दुष्ट व्यक्ति समृद्धि का अनुभव कर रहे हों, जल्द ही उन्हें इसके बजाय परेशानी होगी"

देखें: रूपक

अथूब 18:7 (#1)**"उसके बड़े-बड़े फाल छोटे हो जाएँगे"**

बिल्दद कमजोरी के एक चिह्न, एक धीमी होती चाल, का उपयोग सामान्यतः कमजोरी दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कमजोर हो जाएँगे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 18:7 (#2)**"उसके बड़े-बड़े फाल"**

बिल्दद इस स्वामित्व रूप का उपयोग **फाल** के बारे में बोलने के लिए कर रहे हैं जो **बड़े-बड़े** द्वारा चिह्नित किया गया हैं। आपके लिए इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए स्वामित्व के अलावा किसी अन्य रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी फुरतीली चाल"

देखें: स्वामित्व

अथूब 18:7 (#3)**"वह अपनी ही युक्ति के द्वारा गिरेगा"**

बिल्दद एक **युक्ति** के बारे में बात कर रहे हैं जो एक दुष्ट व्यक्ति बना सकता है, जैसे कि यह एक जीवित चीज हो जो उसे नीचे गिरा देगी, अर्थात उसे फेंक दे या उसे जमीन पर गिरा दे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ

को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसकी योजनाएँ अन्त में केवल उसे ही नुकसान पहुँचाएँगी"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:8 (#1)

"वह अपना ही पाँव जाल में फँसाएगा,"

बिल्दद ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच जाल या फन्डे में फँस जाएगा। उनका मतलब है कि ऐसा व्यक्ति उन परेशानियों का सामना करेगा जो उसे अपनी योजनाओं को पूरा करने से रोकेंगी। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उन परेशानियों का सामना करेगा जो उसे अपनी योजनाओं को पूरा करने से रोकेंगी।"

देखें: रूपक

अथूब 18:8 (#2)

"वह अपना ही पाँव जाल में फँसाएगा"

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति के पाँव के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वे एक जीवित चीज़ हों जो उसे जाल में फँसा सकते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि यदि दुष्ट व्यक्ति के पैर, उसकी आँखों और उसके मन के बजाय, यह निर्धारित कर रहे हैं कि वह कहाँ जा रहा है, तो वह अनजाने में खतरों में चला जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनजाने में एक जाल में चला जाएगा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:8 (#3)

"फँदों"

एक फँदा पशुओं के लिए एक प्रकार का जाल होता है। इसे बनाने के लिए लोग जमीन में एक गड्ढा खोदते हैं और उसे जाल से ढक देते हैं। फिर वे जाल के ऊपर पौधे की सामग्री बिखेर देते हैं ताकि यह प्रतीत हो सके कि गड्ढे के ऊपर की जमीन एक साधारण जमीन है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि फँदा क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक छिपा हुआ फँदा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 18:9 (#1)

"उसकी एड़ी फँदे में फँस जाएगी;"

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति के बारे में बोलते रहते हैं, जैसे कि वह सचमुच एक जाल या फँदे में फँस जाएगा। बजाय इसे अपने अनुवाद में बनाए रखने के यदि आपने पिछले वचन में इस छवि के अर्थ व्यक्त करने का निर्णय लिया था तो आप यहाँ अर्थ को फिर से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, एक दुष्ट व्यक्ति सफल नहीं हो पाएगा; वह असफल होगा क्योंकि वह अपने लिए सारी परेशानी उत्पन्न करता है।"

देखें: रूपक

अथूब 18:9 (#2)

"उसकी एड़ी फँदे में फँस जाएगी"

फँदा एक उपकरण था जिसका उपयोग इस संस्कृति के लोग पक्षियों को पकड़ने के लिए करते थे। यह फीते के ढीले फँदे से बना होता था। एक शिकारी फँदे के अन्दर बीज या अन्य चारा डालता था। जब कोई पक्षी चारा खाने के लिए फँदे के अन्दर आता था, तो शिकारी फीता खींचकर पक्षी को उसके पैरों से पकड़ लेता था। एक फँदे में एक तकनीक भी होती थी जिसमें पक्षी के फँदे के अन्दर कदम रखते ही स्वचालित रूप से सक्रिय हो जाती थी और खुद को बंद कर लेती थी। बिल्दद यह कह रहे हैं कि ऐसा दुष्ट व्यक्ति के साथ होगा, ताकि वह एड़ी से पकड़ा जाए। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि एक फँदा क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक उपकरण में कदम रखेगा जो उसके पैर को पकड़ लेगा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 18:9 (#3)

"जाल"

जाल का अर्थ पक्षियों या पशुओं को पकड़ने के लिए किसी उपकरण से है। अनुवादक इस उपकरण के बारे में पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं। बिल्दद द्वारा उपयोग किए गए शब्द से बुनाई का विचार आता है, इसलिए यह किसी प्रकार का जाल हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक जाल"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 18:10 (#1)

"फंदे की रस्सियाँ ... भूमि में, ... छिपा दिया गया है,"

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं, जैसे कि वह सचमुच रस्सी या जाल में फंस जाएगा। यदि आपने पिछले दो वर्चनों में इस छवि के अर्थ को व्यक्त करने का निर्णय लिया था, तो आप यहाँ इसे किसी अन्य तरीके से फिर से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: रूपक

अथूब 18:10 (#2)

"फंदे की रस्सियाँ" - "उसके लिये ... जाल रास्ते में"

इन स्वामित्व रूपों में, **फंदे की** और उसके रस्सी और जाल के विषयों के बजाय रस्तुएँ हैं। अर्थात्, बिल्दद दुष्ट व्यक्ति के स्वामित्व वाली रस्सी और जाल की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि उस रस्सी और जाल की बात कर रहे हैं जो दुष्ट व्यक्ति को पकड़ लेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "वह रस्सी जो उसे पकड़ लेगी ... और वह जाल जो उसे पकड़ लेगा, छिपा हुआ है।"

देखें: स्वामित्व

अथूब 18:10 (#3)

"फंदे की रस्सियाँ उसके लिये भूमि में, ... छिपा दिया गया है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जमीन उस रस्सी को छिपा रही है जो उसे पकड़ लेगी।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:10 (#4)

"फंदे की रस्सियाँ"

बिल्दद द्वारा **रस्सी**, का मतलब पक्षियों या पशुओं को पकड़ने के लिए एक अन्य उपकरण है। ऐसा लगता है कि वह पशुओं को पकड़ने के लिए किसी बड़े उपकरण का जिक्र कर रहे हैं, जो पक्षियों को पकड़ने वाले "फंदे" की तरह ही काम करेगा। एक शिकारी जमीन में **रस्सी** का एक फंदा छिपाता है और जैसे ही कोई पशु फंदे के अन्दर कदम रखता है, शिकारी रस्सी खींचकर उसे पकड़ सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे पकड़ने के लिए रस्सी का एक फंदा"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 18:10 (#5)

"उसके लिये भूमि में, और जाल रास्ते में"

बिल्दद कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके लिए रास्त में एक जाल छिपा हुआ है"

देखें: पदलोप

अथूब 18:10 (#6)

"और जाल"

यह स्पष्ट नहीं है कि बिल्दद यहाँ किसी विशेष प्रकार के जाल की बात कर रहे हैं। वह किसी भी उपकरण के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं जिससे पक्षी या पशु को पकड़ा जा सके। यदि आपकी भाषा में ऐसा कोई सामान्य शब्द है, तो इसे यहाँ आपके अनुवाद में उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 18:11 (#1)

"उसके पीछे पड़कर उसको भागाएँगी"

बिल्दद इन डरावनी वस्तुओं के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे एक जीवित चीज़ हों जो एक दुष्ट व्यक्ति के पीछे पड़ सकती हों, जैसे एक कुत्ता या भेड़िया करता है, उसके पैरों को काटकर उसे अक्षम कर सकती हैं ताकि वह सुरक्षा के लिए भाग न सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह इन परेशानियों से बच नहीं पाएँगे"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:12 (#1)

"उसका बल दुःख से घट जाएगा"

बिल्दद एक दुष्ट व्यक्ति के बल के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज़ हो जो घट सकती है। उनका मतलब है कि एक दुष्ट व्यक्ति की शक्ति मानो भूख के कारण कमज़ोर हो जाती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप

अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मानो भूख के कारण कमज़ोर हो जाते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:12 (#2)

"और विपत्ति... तैयार है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना है कि किसने यह कार्य किया है, तो संदर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर ने विपत्ति तैयार की है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:12 (#3)

"उसके पास"

बिल्द ऐसे बोल रहे हैं जैसे विपत्ति वास्तव में एक दुष्ट व्यक्ति के पास होती है। उनका मतलब है कि जैसे ही अवसर मिलेगा, विपत्ति उसे धेर लेगी। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे ही अवसर मिलेगा, विपत्ति उसे धेर लेगी।"

देखें: रूपक

अथूब 18:13 (#1)

"वह उसके अंग को खा जाएगी;"

सर्वनाम वह बाद में वचन में मृत्यु के पहलौठे को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप वचन के पहले भाग में संज्ञा वाक्यांश और वचन के दूसरे भाग में सर्वनाम रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु का पहलौठा उसकी त्वचा के हिस्सों को खाता है; यह उसके हिस्सों को खाता है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 18:13 (#2)

"मृत्यु का पहलौठा"

अभिव्यक्ति मृत्यु का पहलौठा का अर्थ है मृत्यु का सबसे प्रबल प्रकार या एक भयानक प्रकार की मृत्यु। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक घातक बीमारी"

देखें: मुहावरा

अथूब 18:13 (#3)

"उसके अंगों"

क्योंकि इस स्वामित्व रूप में सर्वनाम उसके दुष्ट व्यक्ति को सम्पूर्ण रूप में सन्दर्भित करता है, यह सम्भावना है कि अंगों शब्द उनके हाथों और उनके पैरों का वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके हाथ और उनके पैर"

देखें: स्वामित्व

अथूब 18:14 (#1)

"वह छीन लिया जाएगा" - "और ... पहुँचाया जाएगा"

यदि आतंक वास्तव में वह प्रतिनिधि है जो बिल्द बताता है कि वह दुष्ट व्यक्ति को उसके तम्बू से खींचता है, तो बिल्द आतंक के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित चीज हो जो ऐसा कर सकती है। वह वास्तव में यह कहना चाहते हैं कि वे आपदाएँ जो एक दुष्ट व्यक्ति को आतंकित करती हैं, उसे सुरक्षा और संरक्षा से वंचित कर देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आपदाएँ जो उसे आतंकित करती हैं, उसे दूर ले जाती हैं ... और वे उसे ले जाती हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:14 (#2)

"वह छीन लिया जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यदि आपको यह बताना है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ से यह प्रतीत होता है कि यह आतंक स्वयं ही सकता है, क्योंकि वचन के दूसरे भाग में आतंक को व्यक्तित्व प्रदान किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "आतंक उसे खींच लेता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:14 (#3)

"और वह भयंकरता के राजा के पास पहुँचाया जाएगा"

सर्वनाम वह संभवतः आतंक का सन्दर्भ देता है। सर्वनाम स्त्रीलिंग है, जैसा कि शब्द "आतंक" है, और इब्री वक्ता कभी-कभी स्त्रीलिंग सर्वनाम का उपयोग उन स्त्रीलिंग विषयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए करते थे जिन्हें उन्होंने अभी तक नाम नहीं दिया था लेकिन जो उनके मन में थे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और आतंक उसे उसके राजा के पास ले जाता है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 18:14 (#4)

"और वह भयंकरता के राजा के पास पहुँचाया जाएगा"

यदि सर्वनाम वह आतंक का उल्लेख करता है, तो बिल्दद आतंक के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो, एक सैनिक, जो एक पकड़े गए शत्रु को एक कैदी के रूप में उनके राजा के पास ले जा सकता है। एक बार फिर बिल्दद आतंक का उपयोग उन आपदाओं के लिए कर रहे होंगे जो एक दुष्ट व्यक्ति को आतंकित महसूस कराती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे आपदाएँ जो उसे आतंकित महसूस कराती हैं, उसे आतंक के राजा के पास ले जाती हैं।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 18:14 (#5)

"और वह भयंकरता के राजा के पास पहुँचाया जाएगा"

जैसे पिछले वचन में "मृत्यु का पहलौठा" अभिव्यक्ति है, यहाँ भयंकरता के राजा एक अतिशयोक्ति है। इसका अर्थ है सबसे भयानक भय, विशेष रूप से, मृत्यु। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे आपदाएँ जो उन्हें भयभीत करती हैं, अंततः उनकी मृत्यु का कारण बनती हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 18:15 (#1)

"वह उसके डेरे में वास करेगा"

इस वचन में सर्वनाम वह स्त्रीलिंग है, जैसे पिछले वचन में था, और इसलिए यह पुनः आतंक का सन्दर्भ दे सकता है। (हालांकि, व्याख्याताओं के पास इस वचन के अर्थ की विभिन्न व्याख्याएँ हैं।) वैकल्पिक अनुवाद: "आतंक उसके तम्बू में निवास करेगा।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 18:15 (#2)

"जो उसके यहाँ का नहीं है"

बिल्दद का अर्थ है कि डेरा अब दुष्ट व्यक्ति का नहीं रहेगा, संभवतः क्योंकि वह मर चुके होंगे ("भयंकरता के राजा," मृत्यु के कैदी, जैसा कि पिछले वचन में वर्णित है)। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो छोड़ दिया जाएगा क्योंकि वह मर चुके हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 18:15 (#3)

"उसके घर पर गन्धक छितराई जाएगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनके घर पर गन्धक बिखेरते हैं" या "परमेश्वर उनके घर को जलते हुए गन्धक की बारिश करके नष्ट करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 18:16 (#1)

"उसकी जड़ तो सूख जाएगी,"

बिल्दद ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि दुष्ट व्यक्ति सचमुच एक पेड़ हो जो नमी की कमी से मर जाता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जीवन के हर पहलू में असफल होते हैं और अन्त में वे मर जाते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 18:16 (#2)

"उसकी ... डालियाँ कट जाएँगी"

बिल्दद किसी विशेष डाली का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब पेड़ की हर डाली से है जिसका उपयोग वह दुष्ट व्यक्ति के प्रतीक के रूप में कर रहे हैं। यदि आप अपने

अनुवाद में इस छवि को बनाए रखते हैं, तो आपकी भाषा में बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी डालियाँ मुरझा जाती हैं।"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 18:17 (#1)

"उसका स्मरण"

बिल्द इस स्वामित्व रूप का उपयोग अन्य लोगों के स्मरण का अर्थ निकालने के लिए कर रहे हैं, न कि दुष्ट व्यक्ति की चीजों की सृति के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सृति"

देखें: स्वामित्व

अथूब 18:17 (#2)

"पृथ्वी पर से"

बिल्द पृथ्वी शब्द का उपयोग उन लोगों के सन्दर्भ में कर रहे हैं जो पृथ्वी पर निवास करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों में से जो पृथ्वी पर निवास करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 18:17 (#3)

"नाम"

यहाँ, नाम किसी व्यक्ति की प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिष्ठा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 18:17 (#4)

"पृथ्वी पर से"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ पर "पृथ्वी के मुख से" वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में पृथ्वी पर से वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। बिल्द ऐसे बोल रहे हैं जैसे भूमि की सतह वास्तव में उसका मुख हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भूमि की सतह पर से"

देखें: रूपक

अथूब 18:18 (#1)

"वह उजियाले से अंधियारे में ढकेल दिया जाएगा"

मूल भाषा में इस वाक्य के आरम्भ में "वे" शब्द का उपयोग किया गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। सर्वनाम वे एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट संकेत नहीं होता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें प्रकाश से अंधकार की ओर ले जाया जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 18:18 (#2)

"वह उजियाले से अंधियारे में ढकेल दिया जाएगा"

बिल्द जीवन को दर्शने के लिए उजियाले शब्द का उपयोग कर रहे हैं और मत्यु को दर्शने के लिए अंधियारे शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें जीवितों के बीच से मृतकों के निवास स्थान की ओर ले जाया जाएगा"

देखें: रूपक

अथूब 18:18 (#3)

"और जगत में से भी भगाया जाएगा"

अंग्रेजी अनुवाद में इस वाक्य के आरम्भ में सर्वनाम वे का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सर्वनाम वे का प्रयोग नहीं हुआ है क्योंकि यह निष्क्रिय वाक्य है। सर्वनाम वे एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट संकेत नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, उसे संसार से बाहर कर दिया जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 18:20 (#1)

"उसका दिन देखकर पश्चिम के लोग भयाकुल होंगे,"

बिल्दद सभी लोगों का उल्लेख करने के लिए दो समूहों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) वे लोग जो उस समय जीवित हैं जब परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को दण्डित करते हैं और वे लोग जो पहले से जीवित थे और जानते थे कि परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को दण्डित करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से परमेश्वर उन्हें दण्डित करते हैं, वह उन सभी सुनने वालों पर गहरी छाप छोड़ेगा" (2) वे लोग जो दुष्ट व्यक्ति के पश्चिम में रहते हैं और वे लोग जो दुष्ट व्यक्ति के पूर्व में रहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से परमेश्वर उन्हें दण्डित करते हैं, वह उनके चारों ओर रहने वाले लोगों पर गहरी छाप छोड़ेगा"

देखें: विभज्योतक

अथूब 18:20 (#2)

"पश्चिम के लोग" - "और पूर्व के निवासियों"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **बाद** के लोग और **पूर्व** के निवासियों वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **पश्चिम के लोग** और **पूर्व के निवासियों** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि बिल्दद उन लोगों की बात कर रहे हैं जो परमेश्वर द्वारा दुष्ट व्यक्ति को दण्डित करने के **बाद** और **पूर्व** में रहते हैं, तो वे उन विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ विशेष समूहों के लोगों को इंगित करने के लिए कर रहे हैं। अनफौलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन प्रत्येक मामले में यह सुझाव देने के लिए **लोग** शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समकक्ष वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग उसके बाद रहते हैं ... और जो लोग देख रहे हैं कि उसके साथ क्या होने वाला है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 18:20 (#3)

"उसका दिन"

बिल्दद **दिन** शब्द का उपयोग उस समय के लिए कर रहे हैं जिस समय दुष्ट व्यक्ति के साथ कुछ घटित होता है, एक ऐसा समय जब परमेश्वर उन्हें दण्डित करते हैं। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके साथ क्या होता है जब परमेश्वर उन्हें दण्डित करते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 18:20 (#4)

"भयाकुल होंगे"

बिल्दद ऐसे बोल रहे हैं जैसे **भयाकुल** सचमुच एक वस्तु हो जिसे लोग **पकड़** सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भयभीत हो जाएँगे"

देखें: रूपक

अथूब 18:21 (#1)

"निःसन्देह कुटिल लोगों के निवास ऐसे हो जाते हैं,"

बिल्दद ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि उन्होंने जिन सभी संकटों का वर्णन किया है, वे वास्तव में दुष्ट लोगों के निवास हैं, वह स्थान जहाँ वे रहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वही है जो दुष्टों के साथ होगा, हाँ, यह उस व्यक्ति की नियति है जो परमेश्वर को नहीं जानता है।"

देखें: रूपक

अथूब 18:21 (#2)

"कुटिल लोगों"

बिल्दद विशेषण **कुटिल** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 19 सामान्य टिप्पणी

संरचना और **रूपरेखा**

यह अध्याय बिल्दद के दूसरे भाषण के लिए अथूब की प्रतिक्रिया है। यह एक कियाज्ञम के रूप में संरचित है। (उस काव्य रूप की चर्चा के लिए अथूब के सामान्य परिचय में देखें।)

- पद 1-7: अथूब अपने मित्रों को उसके प्रति सहानुभूति न रखने के लिए डांटते हैं।
- पद 8-1: अथूब छवियों का उपयोग करके वर्णन करते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें कैसे कष्ट दिया है।
- पद 13-19: अथूब वर्णन करते हैं कि कैसे उनके परिवार और मित्रों ने उन्हें छोड़ दिया है।
- पद 20-21: अथूब छवियों का उपयोग करके वर्णन करते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें कैसे कष्ट दिया है।
- पद 22: अथूब अपने मित्रों को उनके प्रति सहानुभूति न रखने के लिए फटकारते हैं।
- पद 23-24: अथूब चाहता है कि लोग उसकी रक्षा सुनें और वह देखता है कि परमेश्वर उसे निर्दोष ठहराएंगे।

यूलाटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

अथूब का विश्वास

पद 25-27 में, अथूब इतने कष्ट सहने के बाद भी परमेश्वर में अपने अटूट विश्वास को दर्शता है। अथूब का मानना है कि भले ही परमेश्वर अभी उसके साथ अन्याय कर रहे हो, लेकिन अंततः परमेश्वर ही सही न्याय करेंगे। अथूब यह नहीं समझता कि परमेश्वर वास्तव में उसके साथ अन्याय नहीं कर रहे हैं। फिर भी, परमेश्वर में उसका विश्वास और भरोसा अद्भुत है। (देखें: विश्वास)

अथूब 19:2

"तुम कब तक मेरे प्राण को दुःख देते रहोगे"

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मेरे प्राण को दुःख दिया है और बातों से मुझे काफी समय तक चूर-चूर किया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 19:2 (#2)

"तुम ... दुःख देते रहोगे" - "और ... मुझे चूर-चूर करोगे"

यहाँ और पाँचवें वचन तक तुम शब्द बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 19:2 (#3)

"मेरे प्राण"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने प्राण, का उपयोग अपने सम्पूर्ण अस्तित्व के लिये कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 19:2 (#4)

"और बातों से मुझे चूर-चूर करोगे"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे उनके मित्र सचमुच उनके बातों से उन्हें (अथूब) चूर-चूर कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने बातों से मुझे बहुत निराश करोगे"

देखें: रूपक

अथूब 19:2 (#5)

"बातों से"

अथूब बातों का उपयोग अपने मित्रों द्वारा कहे गए बातों के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आप कह रहे हो उसके द्वारा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:3 (#1)**"दसों बार"**

दसों बार अभिव्यक्ति का अर्थ "बहुत बार," है न कि शाब्दिक रूप से दस बार, न अधिक न कम। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत बार"

देखें: मुहावरा

अथूब 19:3 (#2)

"तुम्हें लज्जा नहीं आती, कि तुम मेरे साथ कठोरता का बर्ताव करते हो"

इस वाक्य संरचना में, क्रिया कठोरता का बर्ताव क्रिया लज्जा ... आती पर निर्भर है। आपकी भाषा में एक अलग वाक्य संरचना का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझसे कठोरता से बर्ताव करने में लज्जाते नहीं"

देखें: वाक्य संरचना

अथूब 19:4 (#1)**"वह भूल तो मेरे ही सिर पर रहेगी"**

व्याख्याकार निश्चित नहीं हैं कि इस कथन से अथूब का क्या तात्पर्य है। उनका तात्पर्य हो सकता है: (1) कि कोई भी ऐसा पाप जो उन्होंने किया हो, वह उनका व्यक्तिगत विषय होगा। यह उनके मित्रों को सार्वजनिक रूप से पापी ठहराने के लिये किए गए डॉट से मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरा व्यक्तिगत विषय होगा" (2) कि केवल वही यह निश्चित रूप से जानते होंगे कि उन्होंने पाप किया है या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह निश्चित करना मेरा काम होगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:5 (#1)**"तुम सचमुच मेरे विरुद्ध अपनी बड़ाई करते हो"**

देखें कि आपने [17:4](#) में बड़ाई शब्द के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरे दुःखों

के आधार पर यह बताना चाहते हैं कि आप सही हैं और मैं गलत हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:6 (#1)**"और मुझे अपने जाल में फँसा लिया है"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर द्वारा बिछाया गया जाल सचमुच में उनको फँसा लिया हो। अथूब बिल्दद को उसके ही शब्दों में जवाब दे रहे हैं, परन्तु अथूब जाल को दुष्टों के न्यायपूर्वक दण्ड के स्थान पर निर्दोषों के अन्यायपूर्वक दण्ड का प्रतीक बना रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, उन्होंने मुझे निर्दोष होने पर भी अन्यायपूर्वक दण्ड दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 19:7 (#1)**"मैं उपद्रव! उपद्रव! चिल्लाता रहता हूँ"**

उपद्रव अभिव्यक्ति सामान्यतः कठोर बर्ताव को सन्दर्भित करती है, जिसमें वास्तविक उपद्रव शामिल है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चिल्लाता रहता हूँ, 'कोई मेरे साथ कठोर बर्ताव कर रहा है'

देखें: मुहावरा

अथूब 19:7**"मैं उपद्रव! उपद्रव! चिल्लाता रहता हूँ"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं विरोध करता हूँ कि कोई मेरे साथ कठोर बर्ताव कर रहा है"

देखें: उद्धरणों के भीतर उद्धरण

अथूब 19:7 (#3)**"परन्तु कोई नहीं सुनता"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु कोई मुझे उत्तर नहीं देता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 19:7 (#4)**"परन्तु कोई न्याय नहीं करता"**

यदि आपकी भाषा में न्याय के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु कोई यह सुनिश्चित नहीं करता कि मेरे साथ न्यायोचित व्यवहार किया जाए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 19:8 (#1)**"उसने मेरे मार्ग को ऐसा रूधा है कि मैं आगे चल नहीं सकता"**

अथूब अपने जीवन के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक मार्ग या रास्ता हो जिस पर वह चल रहे थे, और वह ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने उस रास्ते को रोकने के लिये एक दीवार बना (**रूधा**) दी ही ताकि वह उस पर आगे न बढ़ सकें। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने [3:23](#) में इसी प्रकार की छवि का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे अपनी कष्टों पर जय पाकर अपना नियमित जीवन फिर से शुरू करने से रोका है"

देखें: रूपक

अथूब 19:8 (#2)**"और मेरी डगरें अंधेरी कर दी हैं"**

एक समान छवि में, अथूब अपनी गतिविधियों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे डगरें हों जिन पर वे चल रहे थे, और वे ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने उन डगरों पर इतना अंधेरा कर दिया था कि वे उन पर चल नहीं सकते थे क्योंकि वे नहीं देख सकते थे कि वे कहाँ जा रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर ने मुझे सही काम करने से रोक दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 19:9 (#1)**"मेरा वैभव उसने हर लिया है"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे कि वैभव या आदर जो उनके पास पहले था, वह सचमुच में एक वस्तु था जिसे परमेश्वर ने उनसे हर लिया। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने वह आदर छीन लिया जो पहले मेरे पास था"

देखें: रूपक

अथूब 19:9 (#2)**"और मेरे सिर पर से मुकुट उतार दिया है"**

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे उन्होंने पहले सचमुच में एक **मुकुट** पहना हुआ था, जो शासन के अधिकार का प्रतीक है, और परमेश्वर ने वह मुकुट उनके **सिर** से **उतार** दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, उन्होंने मुझे उस अधिकार से वंचित कर दिया जो पहले मेरे पास था"

देखें: रूपक

अथूब 19:9 (#3)**"मेरे सिर पर ... मुकुट"**

अथूब इस अधिकारवाचक का उपयोग प्रतीकात्मक रूप से उस मुकुट के विषय में बोलने के लिये कर रहे हैं जो उन्होंने पहले कभी अपने सिर पर पहना था। सन्दर्भ में, **मेरे सिर पर**

... मुकुट वाक्यांश का अर्थ अथूब के सिर का सबसे ऊपरी हिस्सा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मुकुट जो मैंने एक समय अपने सिर पर पहना था"

देखें: स्वामित्व

अथूब 19:10

"उसने चारों ओर से मुझे तोड़ दिया"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच में एक भवन हों और परमेश्वर ने उन्हें पूरी तरह से **तोड़** दिया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने मेरे जीवन में सब कुछ नाश कर दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 19:10

"बस मैं जाता रहा"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच **जा चुके हों** या उस स्थान को छोड़ दिया हो जहाँ वह पहले रहते थे। देखें कि आपने इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद [14:20](#) में कैसे किया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। अथूब उस घटना के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे शीघ्र ही घटने की आशा कर रहे हैं, जैसे कि वह पहले ही हो चुकी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं मरने पर हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 19:10 (#3)

"और मेरी आशा को उसने वृक्ष के समान उखाड़ डाला है"

अथूब इस तुलना का उपयोग यह कहने के लिये कर रहे हैं कि जैसे कोई वृक्ष पूरी तरह से उखाड़ दिए जाने के बाद फिर

से नहीं उगता, वैसे ही वे मानते हैं कि परमेश्वर ने उनकी आशा हमेशा के लिये छीन ली है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने मेरी आशा को हमेशा के लिये छीन लिया है, जैसे एक उखड़ा हुआ वृक्ष फिर कभी नहीं उगता"

देखें: उपमा

अथूब 19:10 (#4)

"और मेरी आशा को उसने वृक्ष के समान उखाड़ डाला है"

यदि आपकी भाषा में आशा के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने मुझे फिर कभी आशा करने नहीं दी, जैसे कि एक उखड़ा हुआ वृक्ष फिर कभी नहीं उगता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 19:11

"उसने मुझ पर अपना क्रोध भड़काया है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच अपने क्रोध को **भड़काया** हो या आग लगा दी हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने स्वयं मुझ पर बहुत क्रोध किया"

देखें: रूपक

अथूब 19:12 (#1)

"उसके दल इकट्ठे होकर"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच में एक नगर हों और परमेश्वर ने उस नगर को धेराबदी के लिये **दल** भेजी हो, जो **मोर्चा बाँधते हैं** ताकि वे उसकी दीवारों को पार करके उस पर चढ़ाई कर सकें। अथूब सम्भवतः उन विपत्तियों के विषय में बोल रहे हैं जो वह अनुभव कर रहे हैं, जैसे कि वे दल हों जिन्हें परमेश्वर ने उन पर चढ़ाई करने के लिये भेजा हो। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे कई प्रकार

की विपत्तियों का अनुभव कराया है, और वे मुझे और अधिक दुःख दे रही हैं"

देखें: रूपक

अथूब 19:12 (#2)

"और मेरे डेरे के चारों ओर छावनी डालते हैं"

अथूब एक सैर्य-दल की छवि को बनाए रखते हैं, लेकिन इसे, अलग तरीके से बोलते हुए थोड़ा बदलते हैं, जैसे वह सचमुच एक डेरा हों, जिसके चारों ओर एक शत्रु सेना ने छावनी डाली हो। अथूब सम्भवतः अपने आपको उन कई सैनिकों में से एक के रूप में देख रहे हैं जो डेरे में रह रहे हैं, और जिनकी छावनी को एक शत्रु सेना ने घेर लिया है। या फिर अथूब डेरा शब्द का उपयोग केवल अपने रहने के स्थान, अर्थात् अपने जीवन, के लिये कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, मैं अपने जीवन के कई अलग-अलग पहलुओं में विपत्तियों का सामना कर रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 19:13 (#1)

"उसने मेरे भाइयों को मुझसे दूर किया है"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने उनके भाइयों को उनसे दूर कर दिया हो। अथूब सचमुच में उनके साथ अपने रिश्ते की घटती हुई गुणवत्ता के विषय में कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने मेरे भाइयों को मुझसे दूर हो जाने के लिये बाध्य किया है"

देखें: रूपक

अथूब 19:13 (#2)

"मेरे भाइयों"

अथूब सम्भवतः भाइयों शब्द का उपयोग कुटुम्बियों के लिये कर रहे हैं, जिनमें पुरुष और स्त्री दोनों शामिल हो सकते हैं, जो वास्तव में उनके सहोदर भाई या बहन नहीं हो सकते हैं। आपकी भाषा में इस शब्द या इसके समकक्ष शब्द का

उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इसका अर्थ सरल भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे कुटुम्बी"

देखें: मुहावरा

अथूब 19:13 (#3)

"और जो मेरी जान-पहचान के थे, वे बिलकुल अनजान हो गए हैं"

अंग्रेज़ी बाइबल में "मुड़ गए" लिखा है जिसका हिन्दी बाइबल में सीधा अर्थ "अनजान" के रूप में व्यक्त किया है। यहाँ पाठकों को समझाने के लिये "मुड़ गए" शब्द का उपयोग रूपक के रूप में किया जाएगा। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके जान-पहचान के लोग सचमुच अनजान (**मुड़ गए**) हो चुके हैं, अर्थात् वे दूसरी दिशा में मुड़ गए हो ताकि वे उन्हें देखन सकें या उनसे दूर चले गए हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे जाननेवाले अब ऐसा व्यवहार करते हैं मानो वे मुझे जानते ही नहीं हैं"

देखें: रूपक

अथूब 19:14 (#1)

"और मेरे प्रिय मित्र मुझे भूल गए हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके प्रिय मित्र सचमुच में उन्हें भूल गए हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे कि वे मुझे कभी नहीं जानते थे"

देखें: रूपक

अथूब 19:15 (#1)

"जो मेरे घर में रहा करते थे"

अंग्रेज़ी बाइबल में "अतिथि" शब्द का उपयोग किया गया है, लेकिन हिन्दी बाइबल में इसे छोड़ दिया गया है। परन्तु पाठकों को समझाने के लिये "अतिथि" शब्द का उपयोग किया गया है। अथूब इस अधिकारवाचक का उपयोग उन लोगों का उल्लेख करने के लिये कर रहे हैं जो (**अतिथि**)

उनके घर मेरहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो कभी मेरे घर में अतिथि के रूप में ठहरे थे"

देखें: स्वामित्व

अथूब 19:15 (#2)

"उनकी दृष्टि में"

अंग्रेजी बाइबल में "आँखों" के लिये लक्षणालंकार का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे सीधे "दृष्टि" कहा गया है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ दोनों शब्दों का उपयोग किया जाएगा। अथूब **दृष्टि (आँखों)** का अर्थ समझाने के लिये आँखों का उपयोग कर रहे हैं। दृष्टि, बदले में, ध्यान, दृष्टिकोण, और न्याय का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके दृष्टिकोण से" या "जहाँ तक वे परवाह करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:16 (#1)

"जब मैं अपने दास को बुलाता हूँ, तब वह नहीं बोलता"

इस सन्दर्भ में, **बुलाता** शब्द का अप्रत्यक्ष अर्थ "**बुलवाना**" है, और **बोलता** का अप्रत्यक्ष अर्थ "**आज्ञा मानना**" है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इगीत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने सेवक को बुलवाता हूँ, परन्तु वह आज्ञा नहीं मानता और मेरे पास नहीं आता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:16 (#2)

"अपने दास को"

अथूब किसी विशेष **दास** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वे अपने सभी दासों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिये बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सेवकों को"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 19:16 (#3)

"मुझे उससे गिड़गिड़ाना पड़ता है"

अंग्रेजी बाइबल में "मुँह" शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में "गिड़गिड़ाना" शब्द लिखा गया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ दोनों शब्दों का उपयोग किया जाएगा। अथूब **गिड़गिड़ाना** (मुँह) शब्द का उपयोग इस अर्थ में कर रहे हैं कि उन्हें अपने मुँह से क्या कहना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे उनसे गिड़गिड़ाकर बोलना पड़ता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:17 (#1)

"मेरी साँस मेरी स्त्री को ... घिनौनी लगती है"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि अथूब अपने एक हिस्से, अपनी **साँस**, का उपयोग अपने पूरे अस्तित्व को दर्शाने के लिये कर रहे हैं। वचन 13-19 में, अथूब इस विषय में बात कर रहे हैं कि अब उनके सभी मित्र और कुटुम्बी उनके साथ ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे उन्हें जानते ही न हों। वचन 13 और 15 में, अथूब उन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं जो उस शब्द से सम्बन्धित हैं जिसका यूएलटी (अनफोल्डिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इस वचन में अनुवाद **अनजान** के रूप में करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी पत्नी के लिये अनजान समान हूँ" (2) कि अथूब सचमुच अपनी **साँस** का उल्लेख कर, कह रहे हैं कि उनकी बीमारी के कारण, यह दुर्गम्य है और उनकी पत्नी के लिये घिनौनी लगती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी बीमारी के कारण, मेरी साँस दुर्गम्य है और मेरी पत्नी के लिये घिनौनी लगती है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 19:17 (#2)

"बच्चे भी मुझे तुच्छ जानते हैं"

यह वाक्य यहाँ आनेवाले अगले वचन से लिया गया है। अंग्रेजी में "मेरा गर्भ" वाक्यांश दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल ने इस वाक्यांश को छोड़ दिया है। पाठकों को समझाने के लिये

यहाँ "मेरा गर्भ" जोड़ा गया है। अथूब का कहना है कि बच्चे (मेरा गर्भ) का अर्थ उनकी पत्नी की कोख से है। वे उन बच्चों की बात कर रहे हैं जिन्हें उन्होंने साथ में जन्म दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही हमने साथ में बच्चे को जन्म दिया और मैंने उनके साथ कृपा से व्यवहार किया"

देखें: स्वामित्व

अथूब 19:18 (#1)

"जब मैं उठने लगता, तब वे मेरे विरुद्ध बोलते हैं"

इसका अप्रत्यक्ष अर्थ हो सकता है: (1) जब अथूब बोलने के लिये खड़े होते हैं, तब कम आयु के लोग, जिन्हें आदरपूर्वक सुनना चाहिए (देखें [32:6-7](#)), उसके बजाय उनका विरोध करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं बोलने के लिये खड़ा होता हूँ, तब कम आयु के लोग अनादर के साथ मेरा विरोध करते हैं" (2) कि जब अथूब अपनी बीमारी के कारण संघर्ष करते हुए खड़े होने का प्रयास करते हैं, तब बच्चे उनका उपहास करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं खड़े होने के लिये संघर्ष करता हूँ, तब वे मेरा उपहास करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:19 (#1)

"मेरे सब परम मित्र"

अंग्रेजी में "मित्र" के साथ "सम्मति" शब्द जोड़ा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द नहीं दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ "सम्मति" शब्द जोड़ा गया है। अथूब इस अधिकारवाचक का उपयोग उन मित्र का वर्णन करने के लिये कर रहे हैं जिनसे उन्होंने सम्मति ली, अर्थात्, वे मित्र जिनके साथ उन्होंने अपने निजी विचार साझा किए और जिनसे सलाह मांगी। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मित्र जिन पर मैंने विश्वास किया"

देखें: स्वामित्व

अथूब 19:19 (#2)

"पलटकर मेरे विरोधी हो गए हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे विरुद्ध हो गए हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 19:20 (#1)

"मेरी खाल और माँस मेरी हड्डियों से सट गए हैं"

अथूब किसी विशेष हड्डी का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ उनकी सभी हड्डियों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिये बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी हड्डियाँ मेरी खाल और मेरे माँस से चिपकी हुई हैं"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 19:20 (#2)

"मेरी खाल और माँस मेरी हड्डियों से सट गए हैं"

अथूब इस प्रतिनिधि हड्डी के विषय में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो उनकी खाल और माँस से सट सकती है। उनका अर्थ है कि उनकी हड्डियाँ उनके खाल और माँस के ठीक पास हैं, अर्थात् बीच की सारी माँसपेशी नष्ट हो गई है। आपकी भाषा में ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप अर्थ को सीधे भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं केवल खाल और हड्डियाँ हूँ"

देखें: मानवीकरण

अथूब 19:20 (#3)

"और मैं बाल-बाल बच गया हूँ"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह किसी विपत्ति से बाल-बाल बच पाए हों, और वह वर्णन कर रहे हैं कि वह किसके साथ बच पाए। व्याख्याकारों के विचार इस विषय में भिन्न हो सकते हैं कि वह किस बात का वर्णन कर रहे हैं, लेकिन वे सामान्यतः इस बात से सहमत हैं कि इसका अर्थ महत्वहीन है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे पास लगभग कुछ भी नहीं बचा है"

देखें: रूपक

अथूब 19:21 (#1)

"मुझ पर दया करो, दया करो"

अथूब दया क्रिया को दोहरा रहे हैं ताकि वह विचार और अधिक तीव्र हो जाए जिसे यह व्यक्त करती है। यदि आपकी भाषा में शब्दों के तीव्रता के लिये दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उचित होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मुझ पर दया करें।"

देखें: पुनरावृति

अथूब 19:21 (#2)

"परमेश्वर ने मुझे मारा है"

अग्रेज़ी बाइबल में "परमेश्वर का हाथ" लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे हटा दिया गया है। लेकिन इसका अर्थ परमेश्वर का दुःख है, जो हिन्दी बाइबल में सीधे दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ लक्षणालंकार "परमेश्वर का हाथ" उपयोग किया जाएगा। यहाँ परमेश्वर ने मुझे मारा (परमेश्वर का हाथ) परमेश्वर के सामर्थ्य और कार्य का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपके लिये सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मुझे तीव्रता से दुःख दे रहे हैं।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:22 (#1)

"तुम परमेश्वर के समान क्यों मेरे पीछे पड़े हो?"

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको मेरा पीछा परमेश्वर के समान नहीं करना चाहिए! आपको मेरे माँस से तृप्त होना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 19:22 (#2)

"तुम परमेश्वर के समान क्यों मेरे पीछे पड़े हो"

इस तुलना का उद्देश्य यह दिखाना है कि जैसे परमेश्वर किसी का पीछा निरन्तर इस तरह करते हैं कि यह सुनिश्चित हो जाए कि पाप का उचित दण्ड मिले, वैसे ही अथूब के मित्र भी निरन्तर यह जोर दे रहे हैं कि उन्होंने पाप किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निरन्तर इस बात पर जोर क्यों देते हैं कि मैंने पाप किया है" या, एक कथन के रूप में, "आपको निरन्तर इस बात पर जोर नहीं देना चाहिए कि मैंने पाप किया है"

देखें: उपमा

अथूब 19:22 (#3)

"और मेरे माँस से क्यों तृप्त नहीं हुए"

अथूब सम्बन्धित: एक प्रचलित कहावत की ओर संकेत कर रहे हैं। इस संस्कृति में, यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति पर दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाता था, तो लोग कहते थे कि वह उस व्यक्ति के "टुकड़े खा रहा है"। अथूब यह सुझाव दे रहे हैं कि उनके मित्र इस अर्थ में उन्हें "खा रहे" हैं (अर्थात्, उन पर दुर्भावनापूर्ण आरोप लगा रहे हैं) और वे अब भी इतने से तृप्त नहीं हुए हैं जितना उनका माँस "खा चुके" हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप मुझ पर दुर्भावनापूर्ण दोष लगाना कभी बन्द नहीं करेंगे" या, एक कथन के रूप में, "हाँ, आपको मुझ पर दुर्भावनापूर्ण रूप से दोष लगाना बन्द कर देना चाहिए"

देखें: मुहावरा

अथूब 19:23 (#1)

"भला होता, कि मेरी बातें लिखी जातीं"

देखें कि आपने 11:5-6 में भला होता अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी इच्छा है कि मेरी बातें अब लिख दी जातीं! मेरी इच्छा है कि वे एक कुण्डलपत्र पर अकित की जातीं!"

देखें: मुहावरा

अथूब 19:23 (#2)**"भला होता, कि मेरी बातें लिखी जातीं"**

सन्दर्भ में, अथूब यह सुझाव दे रहे हैं कि यह वास्तव में सम्भव नहीं है, यद्यपि उनकी इच्छा है कि ऐसा हो। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरी बातें लिखी नहीं जा सकतीं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें एक कुण्डलपत्र पर अंकित नहीं किया जा सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:23 (#3)**"मेरी बातें लिखी जातीं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई मेरी बातों को लिखेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 19:23 (#4)**"मेरी बातें"**

अथूब बातें शब्द का उपयोग उन बातों के लिये कर रहे हैं जो वे अपने शब्दों के माध्यम से कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसको सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं कहता आ रहा हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:23 (#5)**"वे पुस्तक में लिखी जातीं"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वे अपनी बातों को सचमुच में किसी पुस्तक पर लिखवाना या नक्काशित करवाना चाहते हों। उनका अर्थ हो सकता है: (1) वे चाहते हैं कि कोई उन्हें सावधानीपूर्वक एक कुण्डलपत्र पर दर्ज करे। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एक कुण्डलपत्र पर दर्ज किए जाएँगे" (2) वे चाहते हैं कि कोई उन्हें तांबे के पत्र पर नक्काशे। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तांबे के पत्र पर नक्काशे जाएँगे"

देखें: रूपक

अथूब 19:23 (#6)**"वे ... लिखी जातीं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उन्हें ... लिखेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 19:24 (#1)**"लोहे की टाँकी ... से"**

टाँकी एक लोहे का औज़ार था जिसका उपयोग इस संस्कृति के लोग कठोर सतहों पर लेखन खुदाई करने के लिये करते थे। वे टाँकी पर किसी अन्य औज़ार, जैसे हथौड़े, से प्रहार करते थे ताकि सतह के छोटे-छोटे टुकड़ों को धीरे-धीरे हटाकर अक्षरों का निर्माण किया जा सके। बेहतर दृश्यता के लिये, वे कभी-कभी इन अक्षरों को सीसे से भर देते थे, जो एक नरम धातु होती थी और जिसे वे आकार में ढाल सकते थे। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि टाँकी क्या है, तो आप अपने अनुवाद में अपनी संस्कृति में प्रचलित किसी तुलनीय वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं या एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक छोटे लोहे के गढ़ने वाले औज़ार से"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 19:25 (#1)**"मुझे तो निश्चय है, कि"**

अंग्रेज़ी में "लेकिन" शब्द लिखा गया है, जबकि यह हिन्दी बाइबल में छोड़ा गया है। पाठकों को स्पष्ट करने के लिये यहाँ "लेकिन" शब्द का उपयोग किया जाएगा। अथूब उस शब्द का उपयोग कर रहे हैं जिसका अनुवाद लेकिन किया गया है, ताकि वह विरोधाभास दिखा सके — एक ओर, उन्होंने अभी सुझाव दिया कि, वह सम्भवतः असम्भव है, अर्थात् उनकी निर्दोषता के दावे आनेवाली पीढ़ियों के लिये लिखे नहीं जाएँगे, और दूसरी ओर, जिस बात को लेकर वे पूरी तरह आश्वस्त हैं,

वह यह है कि उनका छुड़ानेवाला अन्ततः उन्हें निर्दोष ठहराएंगे। अपने अनुवाद में, यदि आप चाहें, तो आप इस वचन की शुरुआत ऐसे कर सकते हैं जिससे यह विरोधाभास और अधिक स्पष्ट रूप से प्रगट हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन भले ही यह असम्भव है कि मेरे निर्दोष होने के दावे आनेवाली पीढ़ियों के लिये लिखे जाएँगे, तौभी मैं यह निश्चित रूप से जानता हूँ कि"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

अथूब 19:25 (#2)

"मुझे तो निश्चय है, कि"

जोर देने के लिये, अथूब सर्वनाम मुझे का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित शब्द निश्चय में निहित है। यदि आपकी भाषा में निहित सर्वनामों को जोर देने के लिये स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मैं भली-भाँति जानता हूँ कि"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 19:25 (#3)

"मेरा छुड़ानेवाला जीवित है"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से यह अर्थ प्रगट कर रहे हैं कि यद्यपि उन्हें अपनी मृत्यु की अपेक्षा है, फिर भी उनका छुड़ानेवाला उनका न्याय करने के लिये जीवित रहेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यद्यपि मैं जल्द मरने की अपेक्षा करता हूँ, मेरा छुड़ानेवाला अभी भी जीवित रहेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:25 (#4)

"मेरा छुड़ानेवाला"

एक छुड़ानेवाला वह कुटुम्बी होता था जो संकट या आवश्यकता में परिवार के सदस्य की सहायता के लिये आवश्यक सभी जिम्मेदारियाँ उठाता था। आपकी भाषा और संस्कृति में इस भूमिका को निभाने वाले व्यक्ति के लिये एक विशेष नाम हो सकता है, और आप अपने अनुवाद में उस नाम का उपयोग कर सकते हैं। आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कुटुम्बी जो मेरा न्याय करेंगे"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 19:25 (#5)

"मेरा छुड़ानेवाला"

जैसा कि अथूब अगले वचन में संकेत देते हैं, वे विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ही उनके छुड़ानेवाला होंगे। यह उसी प्रकार है जैसे अथूब [16:19](#) में स्वर्ग में एक "गवाह" होने की बात करते हैं और [17:3](#) में परमेश्वर से उनके "जामिन" होने की प्रार्थना करते हैं। चूँकि अथूब अगले वचन में परमेश्वर की बात करते हैं, आपको इस वचन में यह समझाने की आवश्यकता नहीं है कि परमेश्वर वही छुड़ानेवाला हैं जिनकी अथूब प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह भी हो सकता है कि अथूब छुड़ानेवाले का नाम तुरन्त न लेकर कुछ रहस्य और ध्यान उत्पन्न करना चाहते हों, और आपके पाठकों को वही अनुभव देना उचित होगा।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

अथूब 19:25 (#6)

"और वह अन्त में"

अथूब विशेषण अन्त को संज्ञा के रूप में एक निश्चित समय का संकेत देने के लिये उपयोग कर रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) एक "बाद का" समय, जब अथूब की मृत्यु हो चुकी होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी मृत्यु के बाद" (2) कि अथूब "अन्तिम" समय, संसार के अन्त का समय है। वैकल्पिक अनुवाद: "और संसार के अन्त में"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 19:25 (#7)**"वह ... खड़ा होगा"**

इस संस्कृति में, लोग तब खड़े होते थे जब वे कुछ बोलने वाले होते थे। यह एक प्रतीकात्मक कार्य था, जिससे वे यह संकेत देते थे कि उनके पास कहने के लिये कुछ महत्वपूर्ण है। खड़ा होना उन लोगों का ध्यान आकर्षित करता था जिन्हें वे अपनी बात सुनाना चाहते थे। इस सन्दर्भ में, छुड़ानेवाले के लिये जो महत्वपूर्ण बात कहनी थी, वह यह थी कि अथूब निर्दोष हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह खड़े होंगे और मेरे न्याय में बोलेंगे"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 19:25 (#8)**"पृथ्वी पर"**

अंग्रेजी में "धूल पर" दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे "पृथ्वी पर" लिखा गया है। हिन्दी बाइबल में इसे सीधे रूप में दिया गया है ताकि पाठक इसे समझ सकें, इसलिए इस वचन के वाक्यांश में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है। अथूब पृथ्वी का वर्णन करने के लिये **पृथ्वी (धूल)** शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जिसकी सतह पर धूल होती है। यह इस तथ्य का एक काव्यात्मक संकेत भी हो सकता है कि अथूब की मृत्यु हो चुकी होगी और "मिट्टी" में "विश्राम" कर रहे होंगे, जैसा कि उन्होंने [17:16](#) में कहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:26 (#1)**"और अपनी खाल के इस प्रकार नाश हो जाने के बाद भी"**

अंग्रेजी में यहाँ अनिश्चयवाचक सर्वनाम का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में सर्वनाम का उपयोग नहीं किया गया है। हिन्दी बाइबल में पहले से ही अर्थ स्पष्ट है, इसलिए उसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, ताकि पाठक इसे आसानी से समझ सकें। सर्वनाम (**वे**) एक अनिश्चयवाचक सर्वनाम है जिसका तलाल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट सन्दर्भ नहीं होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो

अनिश्चयवाचक सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब मेरी खाल हटा दी गई"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 19:26 (#2)**"और अपनी खाल के इस प्रकार नाश हो जाने के बाद भी"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई या कुछ सचमुच उनकी हड्डियों से खाल का नाश कर सकता है। उनका अर्थ हो सकता है: (1) कि उनका शरीर सड़ जाएगा, जिससे केवल हड्डियाँ रह जाएँगी। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह कि मेरे शरीर के सड़ जाने के बाद केवल मेरी हड्डियाँ रह जाएँगी" (2) कि कीड़े, जैसे कि उन्होंने [17:14](#) में उल्लेख किया, उनकी हड्डियों से खाल खा जाएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहाँ तक कि कीड़े मेरी हड्डियों से खाल खा जाने के बाद भी"

देखें: रूपक

अथूब 19:26 (#3)**"मैं शरीर में होकर"**

अथूब यह कह सकते हैं कि वह **परमेश्वर का दर्शन पाएँगे**: (1) अपने शरीर के दृष्टिकोण से, अर्थात् अपने शरीर के भीतर से। यह शरीर के पुनरुत्थान में विश्वास और भरोसे की अप्रत्यक्ष अभिव्यक्ति होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी मेरे पुनर्जीवित शरीर से" (2) अपने शरीर के बिना, अर्थात् मृत्यु के बाद आत्मा में। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर मृत्यु के बाद भी आत्मा में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:26 (#4)**"मैं ... परमेश्वर का दर्शन पाऊँगा"**

जैसा कि अध्याय 13 की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, इस संस्कृति में प्रजा से कोई भी व्यक्ति, राजा के चेहरे की ओर तभी देख सकता था जब वह राजा उस पर अनुग्रह करता। अथूब यहाँ उसी सांस्कृतिक आदर्श की ओर संकेत कर रहे हैं। इसका तात्पर्य यह है कि परमेश्वर अब उन्हें दोषी

नहीं ठहराएँगे, बल्कि यह स्वीकार करेंगे कि वह पहले से ही निर्दोष थे। अथूब ने पिछले वचन में यह संकेत दिया कि परमेश्वर उनकी निर्दोषता को पृथ्वी पर सभी के सामने सार्वजनिक रूप से स्वीकार करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर के चेहरे की ओर देख सकूँगा क्योंकि वह प्रमाण देंगे कि मैं निर्दोष हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 19:27 (#1)

"उसका दर्शन मैं आप अपनी आँखों से अपने लिये करूँगा"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। अथूब उस विचार को जोर देने के लिये पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं, जिसे ये वाक्यांश व्यक्त करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप उन्हें मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं बहुत ही स्पष्ट रूप से देखूँगा"

देखें: समानांतरता

अथूब 19:27 (#2)

"मैं ... आँखों से ... करूँगा"

जोर देने के लिये, अथूब सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही उस क्रिया में निहित है, जिसका अनुवाद **आँखों से ... करूँगा** किया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिये निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप यहाँ अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से देखूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 19:27 (#3)

"अपनी आँखों से अपने लिये करूँगा"

अथूब अपना एक हिस्सा, अपनी आँखों का उपयोग स्वयं को पूरी तरह देखने के कार्य को दर्शनि के लिये कर रहे हैं। आपकी भाषा में ऐसी कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका

आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी आँखों से देखूँगा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 19:27 (#4)

"और न कोई दूसरा"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को पूरा कर सकते हैं। इस सन्दर्भ में, **दूसरा** का अर्थ है "कोई और"। लेकिन यह उस बात का भी संकेत है जो अथूब ने वचन 15 में कही थी, कि जो लोग उन्हें जानते थे, अब उन्हें एक "अनजान" के रूप में देखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्हें देखने वाला कोई और नहीं होगा"

देखें: पदलोप

अथूब 19:27 (#5)

"मेरा हृदय अन्दर ही अन्दर चूर-चूर भी हो जाए"

यहाँ, **हृदय** भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। अथूब कह रहे हैं कि परमेश्वर को देखने के विचार से वे भावनाओं से अभिभूत हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस विचार से भावनाओं में अभिभूत हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 19:28 (#1)

"तुम जो कहते हो हम इसको क्यों सताएँ!"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के अंदर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप कहते हो कि आप अब भी मुझे सताओगे क्योंकि आप मानते हैं कि मुझ में तो धर्म का मूल पाया जाता है"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 19:28 (#2)**"तुम जो कहते हो"**

यहाँ तुम शब्द बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद दर्शाया जाता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 19:28 (#3)**"धर्म का मूल"**

अथूब कह रहे हैं कि उनके मित्र इस प्रकार बोल सकते हैं जैसे उनकी स्थिति सचमुच एक पौधा हो जिसका मूल हो। अगर यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समस्या का कारण"

देखें: रूपक

अथूब 19:28 (#4)**"मुझ में"**

ऐसा लगता है कि अथूब तीन मित्रों के इस काल्पनिक कथन को प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में शुरू करते हैं लेकिन इसे "उन में" के बदले **मुझ में** कहते हुए एक अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में समाप्त करते हैं। आपकी भाषा में उद्धरण को प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में समाप्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन में"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

अथूब 19:29 (#1)**"तलवार"**

अंग्रेजी में "चेहरा" शब्द तलवार के साथ लिखा गया है, लेकिन हिन्दी बाइबल में सिर्फ़ "तलवार" लिखा गया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ "चेहरा" शब्द का उपयोग लक्षणालंकार रूप में किया जाएगा। यहाँ **चेहरा** शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी

उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तलवार की उपस्थिति"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 19:29 (#2)**"तलवार"**

अथूब द्वारा उपयोग किए गए **तलवार** का अर्थ कठोर दण्ड के एक प्रकार, अर्थात् **तलवार** द्वारा मृत्यु दण्ड, सामान्य रूप से कठोर दण्ड है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर आपको कठोर दण्ड दे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 19:29 (#3)**"जलजलाहट से तलवार का दण्ड मिलता है"**

यदि आपकी भाषा में **जलजलाहट** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर लोगों के दुष्ट होने पर क्रोधित होते हैं, तब परमेश्वर उन्हें कठोर दण्ड देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 19:29 (#4)**"कि न्याय होता है"**

यदि आपकी भाषा में **न्याय** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर दुष्टता को न्यायपूर्वक दण्ड देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 20 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय अथूब के मित्र सोपर का दूसरा भाषण है। इस अध्याय में, सोपर पहले की तुलना में अधिक वढ़ता से अथूब से बात करते हैं।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद से संबंधित समस्याएँ

सोपर ने अथूब को उनके अपने शब्दों में उत्तर दिया

[7:8](#) में, जब अथूब परमेश्वर से याचना कर रहे थे, उन्होंने कहा, "जो मुझे अब देखता है उसे मैं फिर दिखाई न दूँगा; तेरी आँखें मेरी ओर होंगी परन्तु मैं न मिलूँगा।" [20:9](#) में सोपर दुष्ट व्यक्ति के बारे में कहते हैं, "जिसने उसको देखा हो फिर उसे न देखेगा।" [7:10](#) में अथूब ने अपने बारे में एक नश्वर व्यक्ति के रूप में कहा, "वह अपने घर को फिर लौट न आएगा, और न अपने स्थान में फिर मिलेगा।" [20:9](#) में सोपर दुष्ट व्यक्ति के बारे में कहते हैं, "अपने स्थान पर उसका कुछ पता न रहेगा।" दोनों मामलों में सोपर, अथूब के अपने शब्दों का उपयोग करते हुए यह सुझाव दे रहे हैं कि अथूब स्वयं एक दुष्ट व्यक्ति है।

इसी तरह, सोपर [20:27](#) में दुष्ट व्यक्ति के बारे में कहता है कि "आकाश उसका अर्धम प्रगट करेगा, और पृथ्वी उसके विरुद्ध खड़ी होगी।" एक साक्षी के रूप में [16:18](#) में, अथूब ने पृथ्वी से यह देखने के लिए कहा की उसे न्याय प्राप्त हुआ है, और [16:19](#) में, अथूब ने कहा कि उनके पास स्वर्गों में एक वकील है। इसलिए सोपर संभवतः अथूब को एक बार फिर उनके अपने शब्दों में जवाब दे रहा है, यह संकेत देते हुए कि अथूब स्वयं उस प्रकार के दुष्ट व्यक्ति हैं जिसका उन्होंने अपने भाषण में वर्णन किया है।

अपने पाठकों को यह समझने में सहायता करने के लिए सोपर को सराहें कि अथूब को उनके अपने शब्दों में कैसे जवाब दे रहे हैं, आप चाह सकते हैं कि इन उदाहरणों में सोपर जो कह रहे हैं उसका अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने पहले अथूब द्वारा कहे गए का अनुवाद किया था।

अशिष्ट छवियाँ जिनका सोपर उपयोग करता है

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, सोपर इस भाषण में अथूब से वढ़ता से बात करते हैं। वह कुछ छवियों का उपयोग करते हैं जो शारीरिक कार्यों से ली गई हैं, जिन्हें आपकी संस्कृति में लोग बाइबल अनुवाद में शामिल करने के लिए अशिष्ट मान सकते हैं। यदि ऐसा है, तो आप तुलनीय छवियों का उपयोग कर सकते हैं। सोपर [20:7](#) में दुष्ट व्यक्ति के बारे में कहते हैं, "वह अपनी विष्टा के समान सदा के लिये नाश हो

जाएगा।" आप कुछ और संदर्भित कर सकते हैं जो पूरी तरह से गायब हो जाता है, उदाहरण के लिए कह सकते हैं, "वह हमेशा के लिए नष्ट हो जाएगा जैसे धूल जिसे हवा उड़ा ले जाती है।" सोपर [20:15](#) में दुष्ट व्यक्ति के बारे में कहते हैं, "उसने जो धन निगल लिया है उसे वह फिर उगल देगा।" इसके बजाय आप कुछ ऐसा कह सकते हैं, "यद्यपि वह अमीर बन सकता है, परन्तु वह अपना सारा धन खो देगा।"

अथूब 20:2 (#1)

"इसलिए"

सोपर इसलिए शब्द का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह कारण प्रस्तुत कर सकें कि वह अथूब से फिर से क्यों बात कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यही कारण है"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 20:2 (#2)

"मेरा जी चाहता है कि उत्तर दूँ"

सोपर अपने **जी चाहने** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे एक जीवित चीज हों जो उन्हें उत्तर देने के लिए मजबूर कर सकती है, उनका मतलब है कि वे अथूब से फिर से बात करना चाहते हैं और जो कुछ अथूब ने अभी कहा है, उसके जवाब में वे जो सोच रहे हैं उसे साझा करना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे आपसे फिर से बात करने और आपको बताने की आवश्यकता है कि मैं क्या सोच रहा हूँ"

देखें: मानवीकरण

अथूब 20:2 (#3)

"इसलिए बोलने में फुर्ती करता हूँ"

यह अभिव्यक्ति अतिरिक्त जानकारी शामिल करती प्रतीत हो सकती है जो आपकी भाषा में व्यक्त करना स्वाभाविक नहीं होगा। यदि ऐसा है, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मुझे अत्यधिक उतावलापन महसूस हो रहा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

अथूब 20:3 (#1)

"मैंने ऐसी डाँट सुनी जिससे मेरी निन्दा हुई"

सोपर इस स्वामित्व रूप का उपयोग एक डाँट का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं, जिसे वह महसूस करते हैं कि इसने उन्हें निन्दित किया है। यह आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने ऐसी फटकार सुनी जिसने मेरा अपमान किया"

देखें: स्वामित्व

अथूब 20:3 (#2)

"और मेरी आत्मा अपनी समझ के अनुसार तुझे उत्तर देती है"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं मानो उनकी समझ में एक आत्मा हो, जो उन्हें उत्तर दे सकती है, अर्थात् यह उन्हें दिखाती है कि अथूब को कैसे उत्तर देना चाहिए। यदि आपकी भाषा में इसे सीधे कहना अधिक सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मेरे पास एक अच्छी समझ है जो मुझे यह समझने में सहायता करती है कि मुझे कैसे उत्तर देना चाहिए।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 20:4 (#1)

"क्या तू यह नियम नहीं जानता जो प्राचीन और उस समय का है"

सोपर जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। (यह प्रश्न अगले पद में भी जारी रहता है।) यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक वाक्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चय ही तुम यह बहुत पहले से जानते हो, जब से मनुष्य को पृथ्वी पर रखा गया है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 20:4 (#2)

"क्या तू यह नियम नहीं जानता जो प्राचीन और उस समय का है"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे अथूब को यह उस समय से पता होना चाहिए था, क्योंकि यह प्राचीन ज्ञान है। उनका तात्पर्य है कि अथूब मानव समाज के एक ऐसे सदस्य हैं, जिन्होंने इसे

तब से जाना है जब से यह अस्तित्व में आया। समाज के एक सदस्य के रूप में, अथूब को इसे जानना चाहिए क्योंकि यह पारंपरिक ज्ञान के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी उनके पास पहुँचा है। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहना अधिक सहायक हो, तो आप इसे सीधे अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से आप इस पारंपरिक ज्ञान से अवगत हैं जो हमें हमारे सबसे प्राचीन पूर्वजों से प्राप्त हुआ है।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 20:4 (#3)

"जब मनुष्य पृथ्वी पर बसाया गया"

सोपर यहाँ परमेश्वर के उन कार्यों का उल्लेख कर रहे हैं जब उन्होंने मनुष्य को बनाया और उन्हें पृथ्वी पर बसाया। इसका तात्पर्य परमेश्वर के संपूर्ण सृजन कार्य से है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट करने योग्य हो, तो आप इसे सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब से परमेश्वर ने मनुष्य की सृष्टि की।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 20:4 (#4)

"जब मनुष्य पृथ्वी पर बसाया गया"

यहाँ मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब से परमेश्वर ने मनुष्यों की सृष्टि की।"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

अथूब 20:5 (#1)

"दुष्टों की विजय क्षण भर का होता है,"

इस पद में, सोपर उस प्रश्न को पूरा करते हैं जो उन्होंने पिछले पद में शुरू किया था, और जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता हो, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक वाक्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि दुष्टों की विजय क्षणिक होती है और अर्धमियों का आनंद थोड़े समय के लिए ही रहता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 20:5 (#2)

"दुष्टों"

एक संज्ञा के रूप में एक निश्चित लोगों के समूह को दर्शनि के लिए सोपर विशेषण **दुष्टों** का उपयोग कर रहे हैं, जो बहुवचन है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 20:5 (#3)

"क्षण भर का"

सोपर इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि **दुष्टों** की **विजय** बहुत लंबे समय तक नहीं टिकती। उनका आशय यह है कि यह समय की दृष्टि से अधिक देर तक स्थिर नहीं रहती। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत लंबे समय तक नहीं टिकती"

देखें: मुहावरा

अथूब 20:5 (#4)

"भक्तिहीनों"

अथूब विशेषण **भक्तिहीनों** का उपयोग कर रहे हैं, जो एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनि के लिए संज्ञा के रूप में है। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अभक्त व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 20:5

"भक्तिहीनों"

सोपर किसी विशेष **भक्तिहीन** व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वे सभी भक्तिहीन लोगों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का

उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अभक्त लोग"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 20:6 (#1)

"चाहे ऐसे मनुष्य का माहात्म्य आकाश तक पहुँच जाए"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति वास्तव में इतना लंबा हो सकता है कि उसका सिर आकाश में बादलों की ऊंचाई तक पहुँच जाए। उनका तात्पर्य यह है कि एक दुष्ट व्यक्ति बहुत समृद्ध और शक्तिशाली हो सकता है। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करना उपयोगी हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यद्यपि एक दुष्ट व्यक्ति अत्यंत समृद्ध और शक्तिशाली हो जाए"

देखें: रूपक

अथूब 20:6 (#2)

"बादलों तक"

सोपर किसी विशेष **बादल** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वे उन कई बादलों की बात कर रहे हैं जो आकाश में दिखाई देते हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बादलों के निकट"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 20:7 (#1)

"अपनी विष्टा के समान"

इस तुलना का मुख्य बिंदु संभवतः वही है जिसे सोपर स्पष्ट रूप से व्यक्त कर रहे हैं कि एक दुष्ट व्यक्ति **सदा** के लिए नष्ट हो जाएगा, जैसे कि **विष्टा** हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। हालाँकि, इस तुलना का अर्थ यह भी हो सकता है कि जिस प्रकार लोग **विष्टा** को घृणित मानते हैं और उसे हटा देते हैं, उसी प्रकार लोग एक दुष्ट व्यक्ति को भी घृणास्पद समझेंगे और किसी भी रूप में उसकी स्मृति नहीं रखेंगे। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करना अधिक सहायक हो, तो आप इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई उसकी स्मृति नहीं रखेगा, क्योंकि लोग उसे अत्यंत घृणास्पद मानेंगे।"

देखें: उपमा

अथूब 20:7 (#2)**"वे पूछेंगे कि वह कहाँ रहा?"**

यदि आपकी भाषा में एक उद्धरण के भीतर दूसरे उद्धरण का उपयोग करना स्वाभाविक न हो, तो आप इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह पूछेंगे कि वह कहाँ चला गया"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 20:7 (#3)**"वह कहाँ रहा?"**

लोग जो उस दुष्ट व्यक्ति के बारे में पूछ रहे हैं, वे सवाल के रूप का इस्तेमाल जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अब सदैव के लिए चला गया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 20:8 (#1)**"वह स्वप्र के समान लोप हो जाएगा"**

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच लोप हो जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह गायब हो जाएगा"

देखें: रूपक

अथूब 20:8 (#2)**"स्वप्र के समान"**

इस तुलना का तात्पर्य यह है कि जैसे ही एक **स्वप्र** समाप्त होता है, स्वप्र देखने वाला व्यक्ति समझ जाता है कि वह वास्तविक नहीं था, उसी प्रकार दुष्ट व्यक्ति का अस्तित्व मानो कभी था ही नहीं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना सहायक हो, तो आप इसे सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे जैसे वह कभी था ही नहीं"

देखें: उपमा

अथूब 20:8 (#3)**"और किसी को फिर न मिलेगा"**

किसी एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशिष्ट संकेत नहीं देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई उन्हें नहीं ढूँढ पाएगा"

देखें: सर्वनाम —उनका उपयोग कब करें

अथूब 20:8 (#4)**"वह रहने न पाएगा"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह भाग जाएगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 20:8 (#5)**"वह रहने न पाएगा"**

सोपर ऐसा बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच रहने न पाएगा या भाग जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह गायब हो जाएगा"

देखें: रूपक

अथूब 20:9 (#1)**"जिसने उसको देखा हो फिर उसे न देखेगा"**

सोपर व्यक्ति के एक अंग, उसकी **आँख (देखा)**, का उपयोग पूरे व्यक्ति के देखने की क्रिया को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से बताना अधिक सहायक होगा, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी पहले उन्हें देखते थे, अब वे उन्हें देख नहीं पाएँगे"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 20:9 (#2)

"और अपने स्थान पर उसका कुछ पता न रहेगा"

जैसा कि अथ्यूब ने 7:10 में कहा, वैसे ही सोपर यहाँ एक व्यक्ति के निवास स्थान को एक जीवित वस्तु के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जो उस व्यक्ति को फिर कभी पता न रहेगा। विचार यह है कि वह स्थान, जहाँ व्यक्ति पहले रहता था, अब उसे फिर से देखने का अवसर नहीं मिलेगा क्योंकि वह उस स्थान पर कभी नहीं लौटेगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अब अपने पूर्व निवास स्थान में नहीं रहेंगे"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 20:10 (#1)

"उसके बच्चे कंगालों से भी विनती करेंगे,"

आप यह अधिक स्वाभाविक लग सकता है कि किसी दुष्ट व्यक्ति को अपने जीवनकाल में जो करना होगा, उस जानकारी को पहले रखा जाए, और उसके बाद यह बताया जाए कि उसकी मृत्यु के बाद उसके बच्चे क्या करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके हाथ उसकी संपत्ति लौटाएंगे, और उसके संतान दरिद्र को प्रतिफल देंगे।"

देखें: सूचना संरचना

अथ्यूब 20:10 (#2)

"और वह अपना छीना हुआ माल फेर देगा"

सोपर एक दुष्ट व्यक्ति के एक हिस्से, उसके हाथों द्वारा छीनाने, का उपयोग पूरे व्यक्ति के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपनी संपत्ति लौटा देंगे"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 20:10 (#3)

"और वह अपना छीना हुआ माल फेर देगा"

इसका तात्पर्य यह है कि यह माल एक दुष्ट व्यक्ति ने धोखाधड़ी या उत्पीड़न द्वारा प्राप्त किया है और उसे इसे फेर देना आवश्यक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "और उसे अपनी वह संपत्ति लौटानी होगी जो उसने छल और उत्पीड़न से प्राप्त की थी।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 20:11 (#1)

"उसकी हड्डियों में जगानी का बल भरा हुआ है"

सोपर एक दुष्ट व्यक्ति के एक हिस्से, उसकी हड्डियों, का उपयोग उसके पूरे शरीर को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका शरीर भर गया है"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 20:11 (#2)

"परन्तु वह उसी के साथ मिट्टी में मिल जाएगा"

सोपर के वह उसी ... मिट्टी में मिल जाएगा वाक्यांश का अर्थ "मरना" है। यह मृत्यु को संदर्भित करने का एक काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई वाक्यांश हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परंतु वह उसके साथ ही समाप्त हो जाएगा"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 20:11 (#3)

"परन्तु वह उसी के साथ मिट्टी में मिल जाएगा"

सोपर एक दुष्ट व्यक्ति के बल के बारे में इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो, जो मिट्टी में मिल सकता है या मृत्यु को प्राप्त कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परंतु वह अपनी युवावस्था और शक्ति के साथ ही मर जाएगा"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 20:12 (#1)

"बुराई उसको मीठी लगे"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच अपनी बुराई को अपने मुँह में रखकर उसका स्वाद चख सकता है और उसे मीठा पाता है। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक

स्पष्ट रूप से बताना सहायक हो, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दुष्टता का आनंद लेते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:12 (#2)

"चाहे बुराई उसको मीठी लगे"

यदि आपकी भाषा में 'बुराई' जैसे भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट चीजें उसके मुँह में मीठी लगती हैं" या "बुरे काम करने में उसे आनंद आता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 20:12 (#3)

"वह उसे अपनी जीभ के नीचे छिपा रखे"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति बुराई को अपनी जीभ के नीचे छिपा सकता है। यह चित्रण उस व्यक्ति का है जो किसी मीठी वस्तु को अपनी जीभ के नीचे इस तरह रखता है कि वह अधिक समय तक बना रहे और वह उसका स्वाद लेता रहे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे इसका आनंद लेते हैं" या "उन्हें बुरे काम करने में आनंद आता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:13 (#1)

"वह उसे बचा रखे और न छोड़े"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति वास्तव में बुराई को बचा रखते और उसे न छोड़ते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे अर्थ में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसे छोड़ने के लिए अनिच्छुक है" या "वह बुरे काम करना छोड़ने में हिचकिचाता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:13 (#2)

"वरन् उसे अपने तालू के बीच दबा रखे"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति वास्तव में बुराई को अपने तालू से चिपकाए रख सकता हो ताकि वह उसका आनंद ले सके। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परंतु वह इसका आनंद लेना जारी रखता है" या "परंतु वह बुरे काम करने का आनंद लेता रहता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:14 (#1)

"उसका भोजन उसके पेट में पलटेगा;"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति वास्तव में बुराई को खाता है और जब वह उसे पचाने लगता है तो वह नाग का सा विष की तरह कड़वा हो जाता है। सोपर इस रूपक के माध्यम से यह समझाना चाहते हैं कि दुष्ट व्यक्ति को बुराई करने का परिणाम कष्टदायक रूप में भुगतना पड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके दुष्ट कर्मों का परिणाम बहुत दुखदायी होता है, और वह उनसे बहुत पीड़ित होता है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:14 (#2)

"उसके अन्दर नाग का सा विष बन जाएगा"

शब्द नाग एक विशेष प्रकार के विषैले सांप का वर्णन करता है। यदि यह साँप या साँपों की धारणा आपके पाठकों के लिए अपरिचित हो, तो आप इसे सामान्य शब्द से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह साँप का विष बन जाता है" या "यह रेंगनेवाले जन्तु का विष हो जाता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथ्यूब 20:15 (#1)

"उसने जो धन निगल लिया है, उसे वह फिर उगल देगा;"

सोपर ऐसा कह रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच धन को निगल लेता है, लेकिन फिर उसे उगलना पड़ता है, मानो जैसे कि परमेश्वर उसे उसके पेट से जबरदस्ती बाहर निकाल देते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे सीधे इस प्रकार कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लालच करके धन इकट्ठा करता है, लेकिन अंत में वह सब खो देगा; परमेश्वर उसे उसका धन गवाने पर मजबूर कर देंगे।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:16 (#1)

"वे नागों का विष चूस लेगा"

सोपर ऐसा कह रहे हैं जैसे कोई दुष्ट व्यक्ति सचमुच नागों का विष चूस लेगा। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि सोपर पद 12 और 13 में दुष्ट व्यक्ति की छवि का उल्लेख कर रहे हैं, जो बुराई को मीठी समझकर उसे अपनी जीभ के नीचे छिपा लेता है और उसे छोड़ता नहीं, बल्कि उसे अपने तालू में दबाए रखता है। सोपर यह कह रहे होंगे कि जिस बुराई को वह संजोकर रखता है, वह अंततः उसके लिए विष बन जाएगी और उसे नष्ट कर देगी। वैकल्पिक अनुवाद: "अंत में, जिस बुराई को वह आनंद से संजोकर रखता है, वही उसे नष्ट कर देगी" (2) कि एक नाग दुष्ट व्यक्ति को डसेगा, और वह उसका विष ऐसे सोख लेगा जैसे उसने उसे चूस लिया हो। यह एक अधिक सामान्य अभिव्यक्ति होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ घातक उसे नष्ट कर देगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:16

"वह करैत के डसने से मर जाएगा"

सोपर यहाँ यह संकेत दे सकते हैं कि उनके समय के लोग यह मानते थे कि साँप की दो-मुँहीं जीभ तेज होती है और वह अपने शिकार को अपनी जीभ से छेदकर उसमें विष प्रविष्ट कर देता है। यदि सोपर यह समझते कि साँप वास्तव में अपने दाँतों से काटने के बाद विष छोड़ता है, तो **जीभ (डसने)** शब्द का प्रयोग सांप के मुँह और उसके विषदंतों के लिए किया गया होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "करैत के दाँत उसे मार डालेंगे" या "एक करैत उसे काटकर अपने विषदंतों से उसमें विष छोड़ देगा, जिससे उसकी मृत्यु हो जाएगी"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 20:16 (#3)

"नागों"

देखें कि आपने [20:14](#) में नाग शब्द का अनुवाद कैसे किया है। **करैत** एक प्रकार का विषैला साँप है। यदि ये साँप, या सामान्य रूप से साँप, पाठकों के लिए अपरिचित हैं, तो आप सामान्य शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "साँप ... विषैला साँप" या "रेंगनेवाले जन्तु ... विषैला रेंगनेवाला जन्तु"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथ्यूब 20:16 (#4)

"वह करैत"

सोपर किसी विशिष्ट विषैले साँप करैत का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका आशय कि साँप से है जो कि सी दुष्ट व्यक्ति को काट सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक विषैला साँप"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 20:17

"""वह नदियों"

सोपर इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे **नदियों** में वास्तव रूप से मधु और **दही** से बह सकते हैं। वह उन बहुतायत आशीषों की बात कर रहे हैं जो परमेश्वर धर्मी लोगों को देते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे प्रचुर मात्रा में मधु और दही की आशीषे जो परमेश्वर धर्मी लोगों को देते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:17 (#2)

"नदियों"

सोपर दो कृषि उत्पादों, मधु और **दही**, का कृषि उत्पादों के सामान्य रूप में उपयोग कर रहे हैं और इस प्रकार, इस संस्कृति में इसका सामान्य अर्थ धन है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह प्रचुर संपत्ति जिससे परमेश्वर धार्मिक लोगों को आशीष देते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 20:17 (#3)

"नदियों"

सोपर ने **नदियों** (नहरें, और झारने) शब्द इस्तेमाल किया है। यदि आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना आवश्यक हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गहराई से बहने वाली नदियाँ"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 20:18 (#1)**"जिसके लिये उसने परिश्रम किया"**

अगले पद और पद 10 से स्पष्ट होता है कि यहाँ "परिश्रम" से आशय उस धन से है जिसे दुष्ट व्यक्ति ने बुराई से अर्जित किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से अनुवाद में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी अनुचित तरीकों से अर्जित संपत्ति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 20:19 (#1)**"कंगालों"**

सोपर विशेषण कंगाल का प्रयोग संज्ञा के रूप में एक निश्चित समूह के लोगों को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का ऐसा उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसके लिए समानार्थी वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 20:19 (#2)**"जिसे उसने नहीं बनाया"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक सकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो किसी और ने बनाया" या "जो किसी और का था"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 20:20 (#1)**"लालसा के मारे उसको कभी शान्ति नहीं मिलती थी"**

यहाँ लालसा एक व्यक्ति की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करता है, और विशेष रूप से इस संदर्भ में, लोभी इच्छाओं को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करना हो, तो आप इसका सीधा अर्थ लिख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अपनी लोभी इच्छाओं की तृप्ति का अनुभव नहीं किया"

देखें: रूपक

अथूब 20:20 (#2)**"लालसा के मारे उसको कभी शान्ति नहीं मिलती थी"**

यदि आपकी भाषा में शान्ति जैसे भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता, तो आप इसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपनी लोभी इच्छाओं को कभी संतुष्ट नहीं कर सका"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 20:20 (#3)**"वह अपनी कोई मनभावनी वस्तु बचा न सकेगा"**

सोपर मनभावनी विशेषण को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ किसी विशेष प्रकार की वस्तु है। यू.एल.टी. इसे प्रस्तुत करने के लिए वस्तु शब्द जोड़ता है। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग नहीं किया जाता, तो आप इसे एक समानार्थी वाक्यांश के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उन वस्तुओं में से कोई भी नहीं बचा सकेगा, जिन्हें उसने चाहा था"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 20:20 (#4)**"वह अपनी कोई मनभावनी वस्तु बचा न सकेगा"**

यदि आपकी भाषा में नकारात्मक वाक्य को सकारात्मक रूप में अनुवाद करना अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे इस तरह व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपनी सभी मनभावनी वस्तुएँ खो देगा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 20:21 (#1)**"कोई वस्तु उसका कौर बिना हुए न बचती थी"**

इसका अप्रत्यक्ष अर्थ हो सकता है: (1) वैकल्पिक अनुवाद: "उनके खाने के बाद कुछ भी बाकी नहीं रहेगा" (2) वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लिए खाने को कुछ भी शेष नहीं रहेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 20:22 (#1)**"पूरी सम्पत्ति रहते"**

सोपर एक दुष्ट व्यक्ति की सम्पत्ति के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक बर्तन हो जो भरा जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहां तक कि अगर वह बहुत धनी हो जाते हैं,"

देखें: रूपक

अथूब 20:22 (#2)

"वह सकती में पड़ेगा"

सोपर इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि दुष्ट व्यक्ति को बहुत अधिक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा" या "उन्हें बहुत अधिक कष्ट का अनुभव होगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 20:22 (#3)

"तब सब दुःखियों के हाथ उस पर उठेगे"

सोपर विशेषण दुःखियों को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं जिससे वह एक विशिष्ट प्रकार के व्यक्तियों का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का इस प्रकार प्रयोग नहीं होता, तो आप इसे एक समानार्थक वाक्यांश से अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब हर उस व्यक्ति का हाथ उस पर उठेगा जो दुःख और पीड़ा में है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 20:22 (#4)

"तब सब दुःखियों के हाथ उस पर उठेगे"

यहां, हाथ व्यक्ति की शक्ति और गतिविधि का प्रतीक है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब हर संकट में डालने वाले व्यक्ति उसके विरुद्ध खड़े होंगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 20:22 (#5)

"तब सब दुःखियों के हाथ उस पर उठेंगे"

यहाँ सब एक सामान्यीकरण है, जिसका उपयोग सोपर अपने कथन पर जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि इसे अधिक स्पष्ट करना हो, तो इसे इस प्रकार अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग संकट पहुँचाते हैं, वे सब उसके विरुद्ध खड़े होंगे"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 20:23 (#1)

"ऐसा होगा, कि उसका पेट भरने पर होगा, परमेश्वर अपना क्रोध उस पर भड़काएगा,"

इस पद में एक सर्वनाम उसका दुष्ट व्यक्ति को संदर्भित करता है, जबकि एक संज्ञा है परमेश्वर जो स्वयं परमेश्वर को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब दुष्ट व्यक्ति अपना पेट भरने ही वाला होगा, तब परमेश्वर अपना क्रोध उस पर भड़काएंगे, हाँ, परमेश्वर उस व्यक्ति पर तब बरसेंगे जब वह व्यक्ति खा ही रहा होगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 20:23 (#2)

"वह उस पर पड़ेगा"

सोपर यह कह रहे हैं कि परमेश्वर का क्रोध सचमुच एक दुष्ट व्यक्ति पर आ पड़ेगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वे उसे भयंकर दंड देंगे"

देखें: रूपक

अथूब 20:23 (#3)

"रोटी खाने के समय"

अनुवाद कर रहे हैं कि सोपर इस अभिव्यक्ति से क्या कहना चाहते हैं, जिसे विभिन्न तरीकों से अनुवादित किया जा सकता है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे खा रहे हैं" (2) वैकल्पिक अनुवाद: "उनके देह पर" या "उनके शरीर पर" (3) वैकल्पिक अनुवाद: "उनके तीरों के साथ" या "उनके हथियारों के साथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान अंतर्निहित जानकारी

अथूब 20:24 (#1)

"वह लोहे के हथियार से भागेगा,"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं मानो अलग-अलग सैनिक लोहे के हथियार और पीतल के धनुष का उपयोग उस दुष्ट व्यक्ति पर हमला कर रहे हों, जिसका वह वर्णन कर रहे हैं। सोपर इन हथियारों का उपयोग खतरों को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से बताना अधिक उपयुक्त हो, तो आप अर्थ को सीधे प्रकट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक खतरे से बच सकते हैं, लेकिन दूसरा खतरा उन्हें पकड़ लेगा"

देखें: रूपक

अथूब 20:24 (#2)

"वह लोहे के हथियार से भागेगा,"

चूँकि पीतल का धनुष किसी भी लोहे के हथियार (जैसे तलवार या भाला) से अधिक शक्तिशाली और धातक होता है, सोपर का आशय यह है कि यदि कोई दुष्ट व्यक्ति एक संकट से बच भी जाए, तो उससे भी बड़ा संकट उसे घेर लेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह एक संकट से बच सकते हैं, लेकिन उससे भी बड़ा संकट उन्हें घेर लेगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 20:24 (#3)

"पीतल के धनुष"

सोपर धनुष शब्द का उपयोग इसके द्वारा छोड़े गए तीर के लिए कर रहे हैं। यदि आप इस छवि को अपने अनुवाद में बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक तीर जिसे कोई पीतल के धनुष से चलाता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 20:25 (#1)

"वह उस तीर को खींचकर अपने पेट से निकालेगा"

सोपर ऐसे बोल रहे हैं मानो किसी ने उस दुष्ट व्यक्ति पर तीर चला दिया हो, जिसे वह वर्णित कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधा

व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दुष्ट व्यक्ति यह महसूस करता है कि जो विपत्ति उस पर आ गई है, वह उसे नष्ट कर देगी।"

देखें: रूपक

अथूब 20:25 (#2)

"उसकी चमकीली"

सोपर चमकीली शब्द का प्रयोग तीर की धातु की नोक के लिए कर रहे हैं, जो सूर्य के प्रकाश में चमकती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तीर की नोक"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 20:25 (#3)

"भय उसमें समाएगा"

सोपर "भय" शब्द का बहुवचन रूप इस अर्थ में प्रयोग कर सकते हैं कि यह सबसे भयानक भय को दर्शाता है, अर्थात् मृत्यु, जैसा कि [18:14](#) में मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अत्यंत भयभीत है क्योंकि उसे एहसास हो रहा है कि वह मरने वाला है"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 20:26 (#1)

"घोर अंधकार छा जाएगा"

सोपर घोर को सामान्यीकरण के रूप में जोर देने के लिए कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यंत अंधकार छा जाएगा"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 20:26 (#2)

"घोर अंधकार छा जाएगा"

सोपर यहाँ अंधकार शब्द का उपयोग समस्याओं और विपत्तियों के दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़ी विपत्तियाँ छा जाएँगी"

देखें: रूपक

अथूब 20:26 (#3)**"घोर अंधकार छा जाएगा"**

यदि आपकी भाषा इस वाक्य को निष्क्रिय रूप में व्यक्त नहीं करती, तो इसे सक्रिय रूप में या किसी और स्वाभाविक तरीके से व्यक्त किया जा सकता है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि किसने यह कार्य किया है, तो संदर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उस पर बड़ी विपत्तियाँ को भेजा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 20:26 (#4)**"घोर अंधकार छा जाएगा"**

सोपर ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच **अंधकार** को छाए हुए हो, जो विपत्तियों का प्रतीक है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर ने उन विपत्तियों को सुरक्षित रखा है ताकि वह उस दुष्ट व्यक्ति की संचित सम्पत्ति को नष्ट कर दें। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उसके लिए भारी विपत्तियाँ सुरक्षित रखी हैं" (2) ऐसा मानो वे विपत्तियाँ किसी जानवर की तरह छाए हुए हों, जो उस दुष्ट व्यक्ति की सम्पत्ति पर झपटने के लिए तैयार हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भारी विपत्तियाँ घात लगाकर बैठी हैं"

देखें: रूपक

अथूब 20:26 (#5)**"उसके गड़े हुए धन"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन वस्तुओं के लिए जो वह संजोकर रखता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 20:26 (#6)**"वह ऐसी आग से भस्म होगा, जो मनुष्य की फूँकी हुई न हो"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आग जो बिना किसी के फूँके जल उठेगी, सब कुछ भस्म कर देगी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 20:26 (#7)**"वह ऐसी आग से भस्म होगा, जो मनुष्य की फूँकी हुई न हो"**

इसका निहितार्थ यह है कि इस आग को जलाने के लिए किसी भी मनुष्य ने फूँक नहीं मारी होगी; बल्कि परमेश्वर ही इस आग को भेजेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आग जो परमेश्वर भेजेंगे, उसे भस्म कर देगी" या "परमेश्वर आग भेजेंगे जो उसे भस्म कर देगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 20:26 (#8)**"वह ऐसी आग से भस्म होगा, जो मनुष्य की फूँकी हुई न हो"**

सोपर ऐसा बोल रहे हैं जैसे **आग** सचमुच इस दुष्ट व्यक्ति को **भस्म** कर देगी या खा जाएगी। छवि के संदर्भ में, उनका मतलब है कि आग उसे जला देगी, और आग की छवि स्वयं परमेश्वर को इस दुष्ट व्यक्ति को नष्ट करते हुए दर्शाती है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसे नष्ट कर देंगे"

देखें: रूपक

अथूब 20:26 (#9)**"उसी से उसके डेरे में जो बचा हो वह भी भस्म हो जाएगा"**

सोपर लगातार यहाँ ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि **आग** वास्तव में इस दुष्ट व्यक्ति और उसकी संपत्ति को **भस्म** कर देगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर उनके तंबू में सब कुछ पूरी तरह से नष्ट कर देंगे, कुछ भी नहीं छोड़ेंगे"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:26 (#10)

"और उसी से उसके डेरे में जो बचा हो वह भी भस्म हो जाएगा"

सोपर यहाँ दुष्ट व्यक्ति के डेरे को उसके सभी संसाधनों और संपत्तियों का प्रतीक मानते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, परमेश्वर उनकी सभी संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट कर देंगे, कुछ भी नहीं बचाएँगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 20:27 (#1)

"“आकाश उसका अर्धम प्रगट करेगा,”

सोपर यहाँ **आकाश** और **पृथ्वी** को ऐसे प्रस्तुत कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जो इस दुष्ट व्यक्ति के विरुद्ध गवाही दे सकते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आकाश बोल सकता, तो वह गवाही देता कि उसने उसके अर्धम को देखा है; यदि पृथ्वी बोल सकती, तो वह उसके विरुद्ध खड़ी हो जाती"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 20:27 (#2)

"और पृथ्वी उसके विरुद्ध खड़ी होगी"

सोपर का तात्पर्य है कि **पृथ्वी खड़ी होगी**, अर्थात् इस दुष्ट व्यक्ति के विरुद्ध स्वयं को उठाएगी ताकि उसके विरुद्ध आरोप लगाए या किसी कानूनी प्रक्रिया में साक्षी के रूप में कार्य करे। इस संस्कृति में, किसी व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा चलाने के लिए, लोग सार्वजनिक सभा में खड़े होकर आरोप लगाते थे। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति किसी मामले में प्रमाण प्रस्तुत करता, तो वह भी खड़ा होता। यहाँ सोपर कह रहे हैं कि पृथ्वी स्वयं गवाही देगी कि यह दुष्ट व्यक्ति दोषी है। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पृथ्वी खड़ी होकर उसके विरुद्ध आरोप लगाएगी" या "और पृथ्वी खड़ी होकर उसके विरुद्ध साक्षी देगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 20:28 (#1)

"उसके घर की बढ़ती जाती रहेगी"

सोपर उस **बढ़ती** की बात कर रहे हैं जो दुष्ट व्यक्ति के घर में है, जैसे कि वह एक जीवित वस्तु हो जो जाती रहेगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके घर की सम्पत्ति नष्ट हो जाएगी"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 20:28 (#2)

"बह जाएगी"

सोपर यहाँ दुष्ट व्यक्ति की **बढ़ती** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह कोई तरल पदार्थ हो जो **बह जाएगी**। यदि आपके भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे सीधे रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लुप्त होना" या "नष्ट होना"

देखें: रूपक

अथ्यूब 20:28 (#3)

"परमेश्वर के क्रोध के दिन"

जब परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को एक निश्चित दिन पर दंडित करेंगे, सोपर यहाँ **दिन** शब्द का उपयोग एक निश्चित समय को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे सीधे रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब परमेश्वर क्रोधित होकर उन्हें दंडित करेंगे"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 20:29 (#1)

"“उसके लिये परमेश्वर का ठहराया हुआ भाग यही है,”

सोपर यहाँ ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि परमेश्वर ने उसके लिये (दुष्ट व्यक्ति) एक निश्चित भाग निर्धारित किया हो, जो संभवतः पारिवारिक संपत्ति के एक भाग को दर्शाता है, और अंश (विरासत/मीरास) उसी प्रकार एक उत्तराधिकार को इंगित करता है। यदि आपके भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे सीधे रूप में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दुष्ट व्यक्ति के लिए परमेश्वर द्वारा ठहराया गया न्याय है, और परमेश्वर उन्हें इस प्रकार दंडित करेंगे।"

देखें: रूपक

अथूब 20:29 (#2)

"दुष्ट मनुष्य"

यहां मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुष और महिला दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 20:29 (#3)

"दुष्ट मनुष्य"

सोपर किसी विशेष दुष्ट मनुष्य या व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य तौर पर दुष्ट लोगों का उल्लेख कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 20:29 (#4)

"परमेश्वर की ओर से दुष्ट मनुष्य का अंश"

सोपर इस स्वामित्व रूप का उपयोग एक प्रतीकात्मक अंश या उत्तराधिकार का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जिसे परमेश्वर ने एक दुष्ट व्यक्ति के लिए नियुक्त किया है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर द्वारा नियुक्त उनकी विरासत" या "और वह विरासत जो परमेश्वर ने उनके लिए नियुक्त की है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 21 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय सोपर के दूसरे भाषण पर अथूब की प्रतिक्रिया है।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

माता-पिता या पूर्वजों के पापों के लिए दण्ड

जिस संस्कृति में अथूब की पुस्तक रची गई थी, उसमें लोग आमतौर पर मानते थे कि परमेश्वर किसी को उनके माता-पिता या पूर्वजों के पापों के लिए दण्डित कर सकते हैं। अथूब इस अध्याय के पद 19 में कहते हैं कि उनके तीन मित्र यही विश्वास करते हैं। हालांकि, लोगों के पापों का उनके बच्चों और वंशजों पर प्रभाव हो सकता है, पर परमेश्वर लोगों को उनके माता-पिता या पूर्वजों के पापों के लिए सीधे दण्डित नहीं करते। सुनिश्चित करें कि यह आपके अनुवाद में स्पष्ट है।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

संज्ञा के रूप में विशेषण "दुष्ट"

पद 7, 16, 17 और 28 में, अथूब ने सामान्यतः विशेषण "दुष्ट" का उपयोग लोगों के लिए संज्ञा के रूप में किया है। आपकी भाषा में विशेषण का इस तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समानार्थी वाक्यांश जैसे "दुष्ट लोग" के साथ कर सकते हैं।

अथूब 21:2 (#1)

"चित्त लगाकर"- "तुम्हारी शान्ति"

शब्द तुम्हारी और आज्ञार्थक चित्त लगाकर में निहित "तुम" बहुवचन हैं क्योंकि अथूब अपने तीन दोस्तों को संबोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 21:2 (#2)

"चित्त लगाकर मेरी बात सुनो"

अथूब यहाँ क्रिया सुनो या चित्त लगाकर सुनो का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जिस विचार को व्यक्त कर रहे हैं उसे तीव्रता प्रदान कर सकें। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे शब्दों को ध्यानपूर्वक सुनिए"

देखें: पुनरावृत्ति

अथूब 21:2 (#3)**"मेरी बात"**

अथूब बात का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह क्या कहने वाले हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं कहने जा रहा हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:2 (#4)**"तुम्हारी शान्ति"**

अथूब इस स्वामित्व रूप का उपयोग अपने मित्रों द्वारा दी जाने वाली शान्ति का वर्णन करने के लिए नहीं, बल्कि उस शान्ति का वर्णन कर रहे हैं जो वह चाहते हैं कि वे उन्हें प्रदान करें। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह शान्ति जो आप मुझे प्रदान करते हैं"

देखें: स्वामित्व

अथूब 21:3 (#1)**"मेरी कुछ तो सह लो" - "तब पीछे ठट्ठा करना"**

आज्ञार्थक क्रिया "मेरी कुछ तो सह लो" में निहित "तुम" बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीनों मित्रों से बात कर रहा है। लेकिन बाद में "तब पीछे ठट्ठा करना" में निहित सर्वनाम "तुम" एकवचन है क्योंकि अथूब विशेष रूप से सोपर को संबोधित कर रहा है। यदि आपकी भाषा एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच भेद करती है, तो इसका सही प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 21:3 (#2)**"कि मैं भी बातें करूँ"**

यहाँ "मैं भी बातें करूँ" में अथूब विशेष बल देने के लिए "मैं" सर्वनाम का प्रयोग कर रहे हैं, हालाँकि क्रिया "करूँ" में पहले से ही इसका अर्थ समाहित है। यदि आपकी भाषा में निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से बल दिया जा सकता है, तो ऐसा किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं भी अपनी बारी लेकर कहूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 21:3 (#3)**"तब पीछे ठट्ठा करना"**

अथूब यहाँ जोर देने के लिए, वह कह रहे हैं जो उनका मतलब नहीं है। यदि आपकी भाषा का कोई वक्ता ऐसा नहीं करते, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत दे सकते हैं कि अथूब वास्तव में क्या कहना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब मैं अपनी बात पूरी कर लूँ, तब भी आप मेरा उपहास करेंगे, जबकि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए"

देखें: व्यंग

अथूब 21:4 (#1)**"क्या मैं किसी मनुष्य की दुहाई देता हूँ?"**

अथूब यहाँ जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप उपयुक्त न हो, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी दुहाई किसी मनुष्य से नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:4 (#2)**"क्या मैं किसी मनुष्य की दुहाई देता हूँ?"**

यद्यपि मूल भाषा में मनुष्य शब्द पुल्लिंग है, अथूब यहाँ केवल किसी पुरुष की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसे नश्वर व्यक्ति के रूप में परमेश्वर के विपरीत उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी शिकायत किसी नश्वर व्यक्ति से नहीं है!"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 21:4 (#3)**"क्या मैं किसी मनुष्य की दुहाई देता हूँ?"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक सकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी शिकायत तो परमेश्वर ही से है!"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 21:4 (#4)**"फिर"**

अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। (कुछ भाषाएँ केवल "और यदि नहीं" कह सकती हैं जब एक प्रश्न का नकारात्मक उत्तर अपेक्षित होता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि मेरी शिकायत किसी नश्वर मनुष्य से नहीं बल्कि परमेश्वर से है"

देखें: पदलोप

अथूब 21:4 (#5)

"फिर मैं अधीर क्यों न होऊँ?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो मेरी साँस निश्चित रूप से कितनी छोटी हो सकती है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:4 (#6)

"फिर मैं अधीर क्यों न होऊँ?"

अथूब अपने अधीर होने का वर्णन कर रहे हैं (यानी, वह तेजी से साँस ले रहे हैं) इस बात को व्यक्त करने के लिए कि वह परेशान हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो मेरा मन क्यों न दुखी हो" या, एक बयान के रूप में, "तो मैं निश्चित रूप से दुखी रहूँगा!"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:5 (#1)

"चित्त लगाकर चकित हो" - "तले दबाओ"

अथूब यहाँ अपने तीनों मित्रों को सबोधित कर रहे हैं, इसलिए "चित्त लगाकर चकित हो" और "तले दबाओ" जैसे आदेशवाचक क्रियाओं का बहुवचन रूप उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन का भेद स्पष्ट करना आवश्यक हो, तो बहुवचन रूप का प्रयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 21:5 (#2)

"और अपनी-अपनी उँगली दाँत तले दबाओ"

चूंकि अथूब तीन लोगों से बात कर रहे हैं, यह आपकी भाषा में उँगली और दाँत के बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने हाथों को अपने मुँहों पर रखो"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 21:5 (#3)

"और अपनी-अपनी उँगली दाँत तले दबाओ"

उँगली को दाँत से दबाने का अर्थ है कि किसी व्यक्ति को बोलने से रोकता है। अथूब यह सुझाव दे रहे हैं कि उनके तीन मित्र इस प्रतीकात्मक क्रिया को करें ताकि यह संकेत मिले कि उनकी स्थिति इतनी दुखद और परेशान करने वाली है कि इसके बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप सब अपनी-अपनी उँगली दाँत तले दबाएँ, क्योंकि मेरी दशा इतनी भयानक और पीड़ादायक है कि इस पर कुछ कहने को शेष नहीं है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 21:6 (#1)

"मैं"- "स्मरण करता"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से उस समय का उल्लेख कर रहे हैं जब वे अपनी कष्टों को याद करते या उनके बारे में सोचते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं अपने कष्टों को याद करता हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 21:6 (#2)

"तब मैं घबरा जाता हूँ"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "तब भय से मेरा हृदय काँप उठता है!"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:6 (#3)**"और मेरी देह काँपने लगती है"**

अथूब काँपने के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो उनके देह को पकड़ सकती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरा देह काँपता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 21:6 (#4)**"और मेरा देह काँपने लगती है"**

अथूब अपने एक हिस्से, अपने देह, का उपयोग अपने पूरे शरीर का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरा संपूर्ण शरीर काँपने लगता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 21:7 (#1)**"क्या कारण है कि दुष्ट लोग जीवित रहते हैं"**

अथूब यहाँ प्रश्नवाचक रूप का उपयोग ज़ोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप स्वाभाविक नहीं लगे, तो इसे कथन या विस्मयादिबोधक वाक्य के रूप में अनुवादित किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टों का जीवित रहना, वृद्ध होना और शक्तिशाली बनना अनुचित है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:7 (#2)**"दुष्ट"**

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, यहाँ और इस अध्याय के कई अन्य स्थानों पर, अथूब दुष्ट विशेषण को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं, जिससे एक निश्चित समूह के लोगों का संकेत मिलता है। आपकी भाषा में यदि विशेषणों का इस प्रकार प्रयोग किया जा सकता है, तो आप इसे उसी रूप में रख सकते हैं। यदि नहीं, तो आप इसे एक उपयुक्त वाक्यांश के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 21:8 (#1)**"उनकी सन्तान"- "बने रहते हैं"**

यहाँ, शब्द सन्तान का उपयोग किया गया है। मूल भाषा में बीज शब्द का इस्तेमाल हुआ है जिसका मतलब "बच्चे" है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चे स्थापित हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 21:8 (#2)**"उनकी सन्तान"- "बने रहते हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके सन्तान बढ़ते जाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:8 (#3)**"उनके संग"**

यहाँ शब्द संग लोगों की उपस्थिति को दर्शाता है, क्योंकि लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी उपस्थिति में" या "उनके घरों में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:8 (#4)**"और उनके बाल-बच्चे उनकी आँखों के सामने बने रहते हैं।"**

अथूब दृष्टि का अर्थ समझाने के लिए आँखों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी सन्तान उनकी दृष्टि में रहती है।" या "और उनकी सन्तान वहाँ रहती है जहाँ वे उन्हें देख सकते हैं।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:8 (#5)**"और उनके बाल-बच्चे उनकी आँखों के सामने"**

अथूब यहाँ कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जिन्हें संदर्भ के अनुसार जोड़ना आवश्यक हो सकता है। आप इन शब्दों को संदर्भ से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट

होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी सन्तान उनकी दृष्टि में फलती-फूलती रहती है।"

देखें: पदलोप

अथूब 21:9 (#1)

"उनके घर में भयरहित कुशल रहता है"

यदि आपकी भाषा में **कुशल** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस उदाहरण में, अथूब एक विशेषण के अर्थ के साथ एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके घर कुशलपूर्ण हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 21:9 (#2)

"उनके घर"

अथूब घर शब्द का उपयोग करके दुष्ट लोगों के परिवारों का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके परिवारों"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:9 (#3)

"और परमेश्वर की छड़ी उन पर नहीं पड़ती"

अथूब छड़ी शब्द का उपयोग दण्ड के अर्थ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर उन्हें दंडित नहीं करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:10 (#1)

"उनका साँड़ गाभिन करता और चूकता नहीं,"

हालाँकि अथूब इस पद में एकवचन सर्वनाम का उपयोग करते हैं, वह किसी विशेष दुष्ट व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह अभी भी सामान्य तौर पर दुष्ट लोगों के बारे में बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में उनके अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बैल प्रजनन करते

हैं और वे असफल नहीं होते; उनकी गायें बछड़े देती हैं और उनका गर्भपात नहीं होता"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 21:11 (#1)

"वे अपने लड़कों को झूण्ड के झूण्ड बाहर जाने देते हैं"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जिस प्रकार चरवाहे अपनी भेड़-बकरियों को चरागाह में भेजते हैं, वैसे ही दुष्ट लोग, जिनका वर्णन अथूब कर रहे हैं, अपने छोटे बच्चों को उनके घरों के आसपास के खेतों में खेलने के लिए भेजते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने नन्हे बालकों को खुले में खेलने के लिए ऐसे छोड़ देते हैं जैसे चरवाहे अपने भेड़ों के झूण्ड को मैदान में चरने के लिए भेजते हैं"

देखें: उपमा

अथूब 21:11 (#2)

"वे अपने लड़कों को"

इसका तात्पर्य यह है कि दुष्ट लोग अपने **लड़कों** (छोटे बच्चों) को बाहर खेलने के लिए जाने देते हैं क्योंकि वे सुरक्षित हैं, जैसा कि अथूब ने पद 9 में कहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने छोटे लड़कों को बाहर खेलने की अनुमति इसलिए देते हैं क्योंकि वे बहुत सुरक्षित हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:11 (#3)

"और उनके बच्चे नाचते हैं"

इसका तात्पर्य यह है कि दुष्ट लोगों के बच्चे इसलिए नाचते हैं क्योंकि वे खुश और बेफिक्र हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे विस्तार से व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके बच्चे इसलिए नाचते हैं क्योंकि वे प्रसन्न और निश्चित हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:12 (#1)**"वे डफ और वीणा बजाते हुए"**

निहितार्थ यह है कि बच्चे इन वाद्ययंत्रों को बजाते हुए गाते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे डफ और वीणा ही बजाते हैं" या "वे डफलियाँ और वीणाएँ बजाते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:12 (#2)**"वे बजाते हुए" - "और आनंदित होते हैं"**

इस पद में, सर्वनाम वे दुष्ट लोगों के बच्चों को संदर्भित करते हैं, न कि स्वयं दुष्ट लोगों को। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चे बजाते हुए ... और वे बच्चे आनंदित होते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 21:12 (#3)**"डफ और वीणा,"**

यहाँ अथूब किसी विशेष डफ, वीणा या बांसुरी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि इन वाद्ययंत्रों को सामान्य रूप में संदर्भित कर रहे हैं। इसलिए, यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करने के लिए बहुवचन का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो, तो इसे इस तरह व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "डफलियाँ और वीणाएँ ... बांसुरियाँ"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 21:13 (#1)**"वे अपने दिन"**

अथूब यहाँ **दिन** शब्द का उपयोग एक विशेष अवधि को दर्शाने के लिए करते हैं, जिसका अर्थ है दुष्ट लोगों का संपूर्ण जीवनकाल। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका जीवनकाल"

देखें: मुहावरा

अथूब 21:13 (#2)**"पल भर ही में"**

निहितार्थ यह है कि दुष्ट लोग कष्टदायक, लंबी मृत्यु नहीं मरते। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शीघ्र और बिना कष्ट के"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:14 (#1)**"""तो भी वे परमेश्वर से कहते थे, 'हम से दूर हो!'"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे परमेश्वर से कहते हैं कि वे उनसे दूर हो जाएं क्योंकि वे उनके मार्गों का ज्ञान नहीं चाहते हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 21:14 (#2)**"हम से दूर हो"**

दुष्ट लोग ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे चाहते हैं कि परमेश्वर सचमुच उनसे दूर हो जाएँ। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे बारे में चिंता मत करो"

देखें: रूपक

अथूब 21:14 (#3)**"तेरी गति जानने की हमको इच्छा नहीं है"**

यदि आपकी भाषा में जानने के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हम आपके गति को जानना नहीं चाहते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 21:14 (#4)**"तेरी गति"**

दुष्ट लोग परमेश्वर की इच्छा को इस प्रकार प्रस्तुत कर रहे हैं मानो वह कई गति या पथों का समूह हो, जिन पर परमेश्वर चाहते हैं कि लोग चलें। यदि आपके भाषा में इसे स्पष्ट रूप से

व्यक्त करना अधिक उपयुक्त हो, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कैसे चाहते हैं कि लोग जीवन व्यतीत करें"

देखें: रूपक

अथूब 21:15 (#1)

"सर्वशक्तिमान क्या है, कि हम उसकी सेवा करें?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद जारी रख सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पूछते हैं कि सर्वशक्तिमान क्या है, कि उन्हें उनकी सेवा करनी चाहिए, और उन्हें क्या लाभ होगा, कि उन्हें उनसे प्रार्थना करनी चाहिए"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 21:15 (#2)

"सर्वशक्तिमान क्या है, कि हम उसकी सेवा करें?"

अथूब दुष्ट लोगों के वचनों को उद्धृत कर रहा है। यहाँ दुष्ट लोग शायद अब "परमेश्वर से" बात नहीं कर रहे हैं, जैसा कि पिछली पद में था, बल्कि वे परमेश्वर के बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक रूप से, वे परमेश्वर से बात कर रहे होंगे लेकिन तृतीय पुरुष में संबोधित कर रहे हैं। आप इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप क्या है, सर्वशक्तिमान, कि हम आपकी सेवा करें? और हमें क्या लाभ होगा, कि हम आपसे प्रार्थना करें?"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 21:15 (#3)

"सर्वशक्तिमान क्या है, कि हम उसकी सेवा करें?"

दुष्ट लोग इस प्रश्न को बल देने के लिए पूछ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग उपयुक्त न हो, तो इसे कथन या विस्मयादिबोधक रूप में अनुवाद किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान का कोई महत्व नहीं है, तो हमें उनकी सेवा करने की क्या आवश्यकता है! उनसे हमें कोई लाभ नहीं, तो हमें उनकी प्रार्थना करने की क्या आवश्यकता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:16 (#1)

"देखो, उनका कुशल उनके हाथ में नहीं रहता"

अथूब इस पद में दो कथन कर रहे हैं जो गहरी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। पिछले पद में, उन्होंने वर्णन किया कि कैसे दुष्ट लोग कहते हैं कि उन्हें परमेश्वर से प्रार्थना करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इससे उन्हें कोई लाभ नहीं होगा। अपने पहले कथन में, वह जोर देकर कहते हैं कि दुष्टों को जो भी लाभ या कुशलता मिलती है, उसे परमेश्वर ने उन्हें उदारता से दिए हैं, भले ही वे इसके योग्य नहीं हैं। अपने दूसरे कथन में, अथूब दुष्ट लोगों की उस विचार या परामर्श के खिलाफ जोरदार प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें वे कहते हैं कि उन्हें सर्वशक्तिमान की सेवा नहीं करनी चाहिए या उनसे प्रार्थना नहीं करनी चाहिए। यू एल टी इन वाक्यों के अंत में विस्मयादिबोधक विह लगाता है ताकि यह दिखाया जा सके कि वे गहरी भावना व्यक्त करते हैं। अपने अनुवाद में, अपनी भाषा के तरीके का उपयोग करें जिससे यह दिखाया जा सके।

देखें: विस्मयादिबोधक

अथूब 21:16 (#2)

"उनके हाथ में नहीं रहता"

अथूब शब्द हाथ का उपयोग शक्ति और नियंत्रण को दर्शने के लिए कर रहे हैं जो लोगों के पास किसी चीज़ पर होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह उनका स्वयं का बनाया हुआ नहीं है" या "क्या ऐसा कुछ नहीं है जो उन्होंने स्वयं प्राप्त किया हो"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:16 (#3)

"दुष्ट लोगों का विचार मुझसे दूर रहे"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह चाहते हैं कि दुष्ट लोगों के विचार सचमुच उनसे दूर हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दुष्टों के विचार से कोई संबंध नहीं रखना चाहता।"

देखें: रूपक

अथूब 21:17 (#1)

"कितनी बार ऐसे होता है कि दुष्टों का दीपक बुझ जाता है,"

अथूब यहाँ बल देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप उपयुक्त न हो, तो आप इन प्रश्नों को कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्टों का दीपक अक्सर नहीं बुझता! नहीं, उनकी विपत्ति उन पर अक्सर नहीं आती! परमेश्वर अपने क्रोध में उन्हें पीड़ा नहीं देता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:17 (#2)

"कितनी बार ऐसे होता है कि दुष्टों का दीपक बुझ जाता है"

अथूब यहाँ यह प्रकट कर रहा है मानो दुष्टों के पास सचमुच एक **दीपक** हो, जो **बुझ** सकता है। वह इस रूपक का उपयोग उनके मरने का संकेत देने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट रूप से व्यक्त करना हो, तो आप सीधे अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग कितनी बार मरते हैं?"

देखें: रूपक

अथूब 21:17 (#3)

"या उन पर विपत्ति आ पड़ती है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे विपत्ति सचमुच एक वस्तु हो जो लोगों पर **आ पड़ती है**। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या वे कितनी बार अपनी विपत्ति का सामना करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 21:17 (#4)

"उन पर विपत्ति"

ऐसा लग सकता है कि उन पर विपत्ति में अतिरिक्त जानकारी है जिसे आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वाभाविक होगा। अगर ऐसा है, तो आप इसे छोटा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपदा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

अथूब 21:17 (#5)

"कितनी बार, परमेश्वर क्रोध करके उनके हिस्से में शोक देता है"

मूल भाषा में सर्वनाम उसका और वह परमेश्वर के लिए उपयोग किया गया है। परंतु हिन्दी अनुवाद में संज्ञा परमेश्वर का उपयोग किया गया है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर अपने क्रोध में उन्हें शोक देते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 21:18 (#1)

"वे वायु से उड़ाए हुए भूसे की"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे प्रायः हवा के सामने उड़ती हुई भूसी या तुफ़ान द्वारा उड़ा ले जाए जाने वाले भूसे के समान नहीं होते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:18 (#2)

"वे वायु से उड़ाए हुए भूसे की,"

अथूब परमेश्वर के दण्ड की तुलना वायु और बवण्डर से कर रहे हैं, और वह दुष्ट लोगों की तुलना भूसे और भूसी से कर रहे हैं, जिन्हें तेज हवाएं जल्दी और पूरी तरह से उड़ा देती हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इसे सरल भाषा में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कितनी बार ऐसा होता है कि परमेश्वर उन्हें उनके पापों की सज्जा देने के लिए जल्दी और पूरी तरह से नष्ट कर देते हैं" या, एक कथन के रूप में, "परमेश्वर अक्सर उन्हें उनके पापों की सज्जा देने के लिए जल्दी और पूरी तरह से नष्ट नहीं करते हैं"

देखें: उपमा

अथूब 21:18 (#3)

"वे वायु से उड़ाए हुए"

यहाँ शब्द से का अर्थ है "की उपस्थिति में," जैसे कोई व्यक्ति किसी अन्य के सामने उपस्थित होता है और उसका चेहरा देखा जा सकता है। जब कहा जाता है कि कुछ हवा के सामने

है, तो इसका अर्थ है कि हवा उस पर बह रही है वैकल्पिक अनुवाद: "जब वायु उस पर प्रवाहित होती है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 21:19 (#1)

"परमेश्वर उसके अधर्म का दण्ड उसके बच्चों के लिये रख छोड़ता है"

चूँकि यह वाक्य अथ्यूब द्वारा इस भाषण के बाकी हिस्सों में कही गई बातों से सहमत नहीं है, इसलिए अथ्यूब एक लोकप्रिय कहावत का उद्धरण दे रहे होंगे जिससे वे जानते हैं कि सोपर सहमत होंगे (उदाहरण के लिए देखें, [20:10](#))। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कहते हैं, 'परमेश्वर उनके अपराध को उनके संतानों के लिए संचित रखते हैं'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 21:19 (#2)

"परमेश्वर उसके अधर्म का दण्ड उसके बच्चों के लिये रख छोड़ता है"

यदि आप स्पष्ट रूप से दर्शाना चाहते हैं कि यह एक प्रसिद्ध कहावत है जिसे अथ्यूब उद्धृत कर रहा है, और यदि आपकी भाषा में उद्धरण के भीतर उद्धरण रखना स्पष्ट नहीं होगा, तो इसे पुनः व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका मानना है कि परमेश्वर दुष्ट के अपराध का दण्ड उनके संतानों के लिए संचित रखते हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथ्यूब 21:19 (#3)

"परमेश्वर उसके अधर्म का दण्ड उसके बच्चों के लिये रख छोड़ता है"

यह कहावत **अधर्म** को किसी ऐसी चीज़ के रूप में प्रस्तुत करती है जिसे भविष्य में उपयोग के लिए संग्रहीत किया जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह रूपक स्पष्ट न हो, तो इसे सीधे शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनके किए गए अधर्मों को याद रखते और उसके लिए उनके पुत्रों को दंडित करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 21:19 (#4)

"उसके बच्चों के लिये"

मूल भाषा में **पुत्रों** शब्द आया है जो पुल्लिंग है। परंतु हिन्दी अनुवाद में यहाँ पर **बच्चों** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जिसमें पुरुष और महिला दोनों शामिल है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे इस तरह से अनुवाद कर सकते हैं जो इसे दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पुत्रों और पुत्रियों के लिए" या "उनके संतानों के लिए"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 21:19 (#5)

"वह उसका बदला उसी को दे, ताकि वह जान ले"

इस वाक्य में वह परमेश्वर को संदर्भित करता है, जबकि उसका और उसी दुष्ट व्यक्ति को। यदि यह स्पष्ट करना आवश्यक हो, तो इसे पुनः व्यक्त किया जा सकता है ताकि पाठकों को भ्रम न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को उसका प्रतिफल दें, और वह जान जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 21:19 (#6)

"वह उसका बदला उसी को दे"

यहाँ **बदला** शब्द का अर्थ "सज़ा देना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन्हें सज़ा दें"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 21:19 (#7)

"ताकि वह जान ले"

अथ्यूब का अर्थ है कि यदि परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को दंडित करेंगे, तो वह व्यक्ति जान लेगा कि वह पाप करने का दोषी है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह जान जाएगा कि वह पाप का दोषी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 21:20 (#1)

"दुष्ट अपना नाश अपनी ही आँखों से देखे"

यहाँ अथूब **आँखों** का प्रयोग पूरे व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं, क्योंकि देखने की क्रिया पूरे व्यक्ति से संबंधित है। यदि इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे सीधे शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है॥ वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट अपने विनाश को अपनी ही आँखों से देखें" देखें: उपलक्षण

अथूब 21:20 (#2)

"और सर्वशक्तिमान की जलजलाहट में से आप पी ले"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे की **सर्वशक्तिमान की जलजलाहट** एक तरल पदार्थ हो जिसे सचमुच एक दुष्ट व्यक्ति **पी सकता** है। उनका अभिप्राय भी है और वे चाहते भी हैं कि दुष्ट लोग उस क्रोध का अनुभव करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसे सर्वशक्तिमान के क्रोध का अनुभव होने दे" या "और सर्वशक्तिमान उन्हें अपने क्रोध द्वारा दंडित करें"

देखें: रूपक

अथूब 21:21 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ अथूब **क्योंकि** शब्द का उपयोग यह स्पष्ट करने के लिए कर रहे हैं कि पिछले दो पदों में उन्होंने यह क्यों कहा कि परमेश्वर को दुष्टों के संतानों को नहीं, बल्कि स्वयं दुष्टों को दंड देना चाहिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट व्यक्ति आप ही दुःख उठाए, क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 21:21 (#2)

"तो अपने बादवाले घराने से उसका क्या काम रहा"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उसके महीनों की संछा कट जाती है, तो उसके बाद उसके घर में कोई दिलचस्पी नहीं रहती!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:21 (#3)

"अपने"- "घराने से"

अथूब संभवतः घराने शब्द का प्रयोग दुष्ट व्यक्ति के कुटुंबी या परिवार के अर्थ में कर रहे हैं। पद 19 में अथूब ने जो लोकप्रिय कहावत कही थी, उससे यह प्रकट होता है कि परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को उसके बच्चों को कष्ट देकर दण्डित करेंगे, परन्तु अथूब यहाँ यह तर्क कर रहे हैं कि दुष्ट व्यक्ति के मरने के बाद, उन्हें इस बात की कोई चिन्ता नहीं होगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके परिवार में" या "उनके संतानों में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:21 (#4)

"जब उसके महीनों की गिनती कट चुकी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर उनके महीनों की संछा काट देते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:21 (#5)

"क्योंकि जब उसके महीनों की गिनती कट चुकी"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे दुष्ट व्यक्ति के जीवन के **महीनों की गिनती** सचमुच **काट** दी जाती हो, जैसे किसी पेड़ की शाखा काट दी जाती है। यदि आपके भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहना बेहतर हो, तो आप इसका अर्थ सीधा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उनके महीनों की गिनती समाप्त हो जाती है" या "जब उनका जीवनकाल समाप्त होता है" या "जब परमेश्वर उनका जीवनकाल समाप्त कर देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 21:22 (#1)

"क्या परमेश्वर को कोई ज्ञान सिखाएगा?"

अथूब यहाँ जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप उपयुक्त नहीं है, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी

परमेश्वर को ज्ञान नहीं सिखा सकता, क्योंकि वही तो ऊँचे पद पर रहनेवालों का न्याय करते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:22 (#2)

"ऊँचे पद पर रहनेवालों का "

अथूब संभवतः ऊँचे शब्द का उपयोग स्वर्गदूतों के संदर्भ में कर रहे हैं, जो स्वर्ग में उच्च स्थान रखते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वर्गदूत भी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:23 (#1)

"कोई तो"

यह सर्वनाम कोई किसी विशेष व्यक्ति को संदर्भित नहीं करता है। अथूब इसे एक प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए उपयोग कर रहे हैं, ताकि वह इसे पद 25 में वर्णित "और कोई" व्यक्ति से विरोधाभास में प्रस्तुत कर सकें। पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना लाभदायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 21:23 (#2)

"अपने पूरे बल में बड़े चैन और सुख"

इस अभिव्यक्ति में, पूरे बल शब्द किसी चीज के सार को दर्शाता है। आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी पूर्णता के चरम पर"

देखें: मुहावरा

अथूब 21:23 (#3)

"अपने पूरे बल में बड़े चैन और सुख"

यदि आपकी भाषा में चैन और सुख के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि वह अभी भी पूरी तरह स्वस्थ है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 21:23 (#4)

"अपने पूरे बल में बड़े चैन और सुख से"

अथूब यहाँ पूरे शब्द का उपयोग सामान्यीकरण के रूप में जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इसे अधिक स्पष्ट करने की आवश्यकता हो, तो इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पूरी तरह से चैन और सुख से है"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 21:23 (#5)

"अपने पूरे बल में बड़े चैन और सुख से"

अथूब यहाँ चैन और सुख जैसे समानार्थी शब्दों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। हालाँकि, इन दोनों शब्दों में थोड़ा अंतर है, चैन का संबंध निश्चिंतता और चिंता-मुक्त जीवन से है, जबकि सुख का संबंध समृद्धि और संपन्नता से है। आप जोर देने के लिए एक वाक्यांश के साथ दोनों शब्दों को व्यक्त कर सकते हैं, या आप दो शब्दों का उपयोग करके अर्थ के विभिन्न पहलुओं को उजागर कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बहुत आराम से रहता है" या "वह इतना समृद्ध है कि उन्हें किसी बात की चिंता नहीं है"

देखें: द्विरावृति

अथूब 21:24 (#1)

"उसकी देह दूध से भरी रहती हैं"

अनुवादकों द्वारा देह शब्द के उपयोग किया तो गया है परन्तु इसके अर्थ के बारे में वे पूरी तरह से यकीन या स्पष्ट नहीं हैं। एक संभावित व्याख्या यह है कि यह उन देहों का वर्णन करता है जिनका उपयोग लोग अपने मवेशियों से दूध निकालने करने के लिए करते हैं। यदि यही अर्थ है, तो अथूब इस व्यक्ति की समृद्धि के एक पहलू का उपयोग कर रहे हैं, यह तथ्य कि उनके मवेशी प्रचुर मात्रा में दूध देते हैं, यह संकेत देने के लिए कि व्यक्ति संपत्ति में समृद्ध है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मवेशी प्रचुर मात्रा में दूध देते हैं" या "वे बहुत समृद्ध हैं"।

देखें: उपलक्षण

अथूब 21:24 (#2)**"और उसकी हड्डियाँ गूदे से भरी रहती हैं"**

अथूब इस व्यक्ति के स्वास्थ्य के एक पहलू का उपयोग कर रहा है, यह तथ्य कि **उसकी हड्डियाँ** के गूदे स्वस्थ है, यह इंगित करने के लिए कि वह व्यक्ति सामान्य रूप से स्वस्थ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह बहुत स्वस्थ है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 21:24 (#3)**"भरी रहती हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "भरी हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:25 (#1)**"और कोई"**

देखें कि आपने [21:23](#) में "कोई तो" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "परंतु एक अन्य व्यक्ति"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 21:25 (#2)**"अपने जीव में कुद्धकुद्धकर"**

पद 23 में "बल" शब्द की तरह, इस अभिव्यक्ति में, शब्द **जीव** किसी चीज़ के सार को दर्शाता है। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कड़वाहट की गहराई में"

देखें: मुहावरा

अथूब 21:25 (#3)**"अपने जीव में कुद्धकुद्धकर"**

यदि आपकी भाषा में **कुद्धकुद्धकर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उनका जीवन बहुत कड़वा हो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 21:25 (#4)**"बिना सुख भोगे"**

अथूब यहाँ **बिना सुख भोगे**, उनका मतलब उन चीजों का अनुभव करे बिना ही। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने जीवन के सुख का अनुभव नहीं किया है"

देखें: रूपक

अथूब 21:25 (#5)**"बिना सुख भोगे"**

अथूब संज्ञा **सुख** का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार की वस्तु है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने अच्छी चीजों का अनुभव नहीं किया है" या "और उन्होंने अच्छी चीजों का आनंद नहीं लिया है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 21:26 (#1)**"वे दोनों बराबर मिट्टी में मिल जाते हैं"**

अथूब वाक्यांश **मिट्टी** में मिल जाते हैं का उपयोग "मरना" के अर्थ में कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई वाक्यांश हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे दोनों मर जाते हैं और दफना दिए जाते हैं।"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 21:26 (#2)**"और कीड़े उन्हें ढांक लेते हैं"**

अथूब किसी विशेष **कीड़े** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। अथूब सामान्य रूप से **कीड़े** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। आपकी

भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कीड़े दोनों को ढक लेते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 21:26 (#3)

"और कीड़े उन्हें ढांक लेते हैं"

इन मृत लोगों के शरीर पर कीड़ों के होने का मतलब यह है कि कीड़े उनके शरीर को खा रहे हैं। स्पष्टता के लिए, आप अपने लेख में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कीड़े उनके शरीर को खा रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:27 (#1)

"मैं तुम्हारी कल्पनाएँ जानता हूँ"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि वह जानते हैं कि जब उनके मित्र दुष्ट व्यक्ति के बारे में बात करते हैं तो वे अथूब के बारे में सोचते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे पता है कि जब आप किसी दुष्ट व्यक्ति की बात करते हैं, तो आप मेरे बारे में बात कर रहे हैं, और मुझे उन धारणाओं का पता है!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 21:27 (#2)

"तुम्हारी कल्पनाएँ"

शब्द **तुम्हारी** और **तुम** यहाँ बहुवचन हैं क्योंकि अथूब अपने तीन दोस्तों को संबोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें। अध्याय के शेष भाग में भी "तुम" और "तुम्हारे" शब्द बहुवचन हैं, विशेष रूप से पद 29 और 34 में।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 21:27 (#3)

"और उन युक्तियों को भी, जो तुम मेरे विषय में अन्याय से करते हो"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके दोस्त सचमुच अन्याय करेंगे, या युक्तियों को हिंसक रूप से अपनी जगह से खींच

लेंगे, ताकि उनका उपयोग उनके खिलाफ किया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे विचार जिन्हें आप मेरे खिलाफ उपयोग करने के लिए अनुचित रूप से अपनाते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 21:28 (#1)

"तुम कहते तो हो, 'रईस का घर कहाँ रहा?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आप यह पूछते हैं कि अत्याचारी का घर कहाँ है और दुष्टों के निवास का तम्बू कहाँ है?"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 21:28 (#2)

"रईस का घर कहाँ रहा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रईस का घर नष्ट हो चुका है! दुष्ट के निवास का तंबू मिट गया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:28 (#3)

"रईस का घर कहाँ रहा?"

इस उद्धरण में, जिसे अथूब अपने मित्रों को संबोधित करते हुए कह रहे हैं, उसके घर, एक **राजकुमार** की एक संपत्ति, और उनके **तम्बू**, दुष्टों की एक संपत्ति, के रूप में उपयोग करके उनकी सभी धन-संपत्ति और अंततः उनके जीवन को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, विस्मयादिबोधक रूप में: "अत्याचारी अब हमारे बीच नहीं रहे! दुष्ट अब हमारे बीच नहीं रहे!"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 21:28 (#4)**"रईस का घर कहाँ रहा?"**

यह उद्धरण निःसन्देह रूप से यह दर्शाता है कि रईस और दुष्ट अब जीवित नहीं हैं क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें उनके बुरे कार्यों के दंडस्वरूप मार डाला है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इस अर्थ को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अत्याचारी को दंड देकर उसका जीवन समाप्त कर देते हैं! परमेश्वर दुष्टों को दंड देकर उनका जीवन समाप्त कर देते हैं!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 21:28 (#5)**"रईस का घर कहाँ रहा?"**

अथ्यूब किसी विशेष रईस की बात नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप से रईसों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इसे बहुवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्याचारियों के घर कहाँ हैं?" या "अत्याचारी अब हमारे बीच नहीं रहते!" या "परमेश्वर अत्याचारियों को दंड देकर उनका जीवन समाप्त कर देते हैं!"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 21:28 (#6)**"दुष्टों के निवास के तम्बू कहाँ रहे?"**

अथ्यूब दुष्टों विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिससे वह लोगों के एक समूह को इंगित कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का ऐसा उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द को समानार्थी वाक्यांश से अनुवादित कर सकते हैं। चूँकि अथ्यूब एक से अधिक व्यक्ति की बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में "तम्बू" का बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तम्बू कहाँ हैं जिनमें दुष्ट लोग रहते थे?" या "दुष्ट लोग अब हमारे बीच नहीं रहते!" या "परमेश्वर दुष्टों को दंड देकर उनका जीवन समाप्त कर देते हैं!"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 21:28 (#7)**"दुष्टों के निवास के तम्बू"**

यदि आपकी भाषा में निवास के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तम्बू जिसमें दुष्ट वास करते थे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 21:29 (#1)**"परन्तु क्या तुम ने बटोहियों से कभी नहीं पूछा?"**

अथ्यूब बल देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने निश्चित रूप से मार्ग के यात्रियों से पूछा तो होगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 21:29 (#2)**"क्या आपने मार्ग के यात्रियों से नहीं पूछा?"**

अथ्यूब का आशय यह है कि उनके मित्रों ने अवश्य ही दूर-दूर तक यात्रा करने वाले लोगों से सुना होगा कि दुष्ट सदैव दंडित नहीं होते, जैसा कि वे दावा कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने राहगीरों से पूछा होगा, और उन्होंने आपको बताया होगा कि दुष्ट लोगों के साथ वास्तव में क्या होता है!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 21:29 (#3)**"बटोहियों से"**

अथ्यूब किसी विशेष बटोही के मार्ग का उल्लेख नहीं कर रहे हैं, बल्कि आमतौर पर सभी मार्गों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग सड़कों पर यात्रा करते हैं" या "जो लोग दूर-दूर तक यात्रा कर चुके हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 21:29 (#4)**"क्या तुम उनके इस विषय के प्रमाणों से अनजान हो"**

यह एक वाक्य की शुरुआत है जिसमें अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यह वाक्य अगले पद में जारी रहता है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको उनके संकेतों को मानना चाहिए।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 21:29 (#5)

"क्या" - "उनके"- "प्रमाणों से"

मूल भाषा में क्या के स्थान पर या शब्द इस्तेमाल किया गया है। अथ्यूब यहाँ प्रमाणों शब्द का उपयोग विशेष अर्थ से कर रहे हैं। इसका अर्थ सबूत या संकेत हैं जो किसी बात की सत्यता को दर्शाते हैं। संभवतः वह उन यात्रियों द्वारा सुनाई गई कहानियों की ओर संकेत कर रहे हैं, जिहोंने दुष्ट लोगों को देखा या उनके बारे में सुना है। अथ्यूब के अनुसार, ये कहानियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि वह सही है और उनके मित्र गलत हैं कि दुष्टों के साथ क्या होता है। (अथ्यूब अगली पद में इन कहानियों के विचार का वर्णन करते हैं।) यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट करने से मदद मिलेगी, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या ... दुष्ट लोगों के बारे में बताई गई कहानियों की सच्चाई"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 21:30 (#1)

"कि विपत्ति के दिन के लिये दुर्जन सुरक्षित रखा जाता है;"

इस पद में, अथ्यूब पिछले पद में शुरू किए गए वाक्य को पूरा करता है, जहाँ उसने ज़ोर देने के लिए प्रश्नात्मक रूप का उपयोग किया है। यदि आपने पिछले पद में कुछ ऐसा कहा है जैसे "आपको उनके चिन्हों को पहचानना चाहिए," तो आप इसे यू एल टी जैसा इस वाक्य को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि दुष्ट विपत्ति के दिन बचा लिया जाता है, कि क्रोध के दिन उन्हें बाहर लाया जाएँ।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 21:30 (#2)

"दुर्जन सुरक्षित रखा जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर दुर्जन को सुरक्षित रखते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 21:30 (#3)

"दुर्जन"

अथ्यूब विशेषण दुर्जन का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 21:30 (#4)

"विपत्ति के दिन"

अथ्यूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विपत्ति के समय" या "जब विपत्ति आती है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 21:30 (#5)

"महाप्रलय के समय"

अथ्यूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए समय शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विपत्ति के समय में"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 21:30 (#6)

"महाप्रलय के समय के लिये"

अथ्यूब महाप्रलय शब्द का उपयोग परमेश्वर के क्रोध में लोगों को दंडित करने के संदर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब परमेश्वर लोगों को दंडित करते हैं,"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:30 (#7)**"ऐसे लोग बचाए जाते हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। विचार यह है कि दुष्ट लोग उन लोगों के समूह से बचाए जाते हैं, जिन्हें परमेश्वर दंडित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन्हें बचाते हैं" या "परमेश्वर उन्हें दंडित नहीं करते"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:31 (#1)**"उसकी चाल उसके मुँह पर कौन कहेगा?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी उनके मुँह पर उनके चाल को नहीं बताता! उनके किए का पलटा कोई भी कैसे चुका सकता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:31 (#2)**"उसकी चाल"**

अथूब इस बारे में बात कर रहे हैं कि एक व्यक्ति कैसे जीता है, मानो वह कोई चाल, रास्ता या पथ हो जिस पर वह चल रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका जीवन जीने का तरीका"

देखें: रूपक

अथूब 21:31 (#3)**"उसके मुँह पर"**

यहाँ पर मुँह शब्द व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शनि के लिए प्रयुक्त हुआ है, क्योंकि जब कोई व्यक्ति उपस्थित होता है तो उसका चेहरा देखा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्तिगत रूप से उन्हें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 21:31 (#4)**"और उसने जो किया है, उसका पलटा कौन देगा?"**

जैसा कि पद 19 में है, यहाँ पलटा शब्द का अर्थ "दंड देना" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक कथन के रूप में: "परमेश्वर उन्हें उनके किए के लिए दंडित नहीं करते।"

देखें: मुहावरा

अथूब 21:32 (#1)**"तो भी वह कब्र को पहुँचाया जाता है"**

यहाँ शब्द "पहुँचाया जाता है" का अनुवाद वही है, जो पद 30 में "बचाए जाते हैं" के रूप में अनुवाद किया गया है। अथूब कह रहे हैं कि दुष्ट व्यक्ति न केवल परमेश्वर के दण्ड से बच जाते हैं, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक एक भव्य शोभायात्रा के साथ दफनाया भी जाता है (जिसका वर्णन अथूब अगले पद में और विस्तार से करते हैं)। आपकी भाषा में भी ऐसा कोई शब्द हो सकता है, जिसका उपयोग दोनों संदर्भों में किया जा सके, ताकि अथूब द्वारा प्रस्तुत विरोधाभास स्पष्ट हो।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथूब 21:32 (#2)**"तो भी वह कब्र को पहुँचाया जाता है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "तो भी लोग उसे कब्र तक पहुँचाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:32 (#3)**"और लोग उस कब्र की रखवाली करते रहते हैं"**

इसका तात्पर्य यह है कि लोग दुष्ट व्यक्ति के कब्र की रखवाली करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसे अच्छी स्थिति में रखा जाए और कोई इसे अपवित्र न करे। दूसरे शब्दों में, दुष्ट व्यक्ति को मृत्यु के बाद भी समाज में

आदरपूर्ण स्थान प्राप्त होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और समाज के लोग उसके कब्र की रखवाली करेंगे ताकि कोई इसे अपवित्र न कर सके"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 21:32 (#4)

"कब्र"

इस संस्कृति में, किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद विशेष आदर देने के लिए, लोग उनकी कब्र के द्वार पर पत्थरों या मिट्टी का टीला (मूल भाषा) बना सकते हैं। यदि आपके पाठक इस प्रथा से परिचित नहीं हैं, तो आप अपनी संस्कृति की एक तुलनीय प्रथा का नाम ले सकते हैं, या आप इसका अर्थ एक समानजनक अभिव्यक्ति के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका सम्माननीय कब्रिस्तान"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथ्यूब 21:33 (#1)

"नाले के ढेले"

अथ्यूब वाक्यांश नाले के ढेले का उपयोग करके उस कब्र टीले का उल्लेख कर रहे हैं जिसे दुष्ट व्यक्ति के शोक मनाने वाले उसकी कब्र पर बनाते हैं। वे नाले शब्द का उपयोग उस मार्ग के लिए कर रहे हैं जिससे होकर प्रवाह या धारा बहती है, जहाँ से लोग टीला बनाने के लिए मिट्टी के ढेले ले सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका कब्र टीला"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 21:33 (#2)

"उसको सुखदायक लगते हैं"

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे कि दुष्ट व्यक्ति, मृत्यु के बाद भी अपनी कब्र के टीले का आनंद ले सकता है और उसे सुखदायक पाता है। अथ्यूब का आशय यह है कि दुष्ट व्यक्ति को उसकी कब्र के टीले के साथ सम्मानित किए जाने में संतोष मिलता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें सम्मान मिलेगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 21:33 (#3)

"सब मनुष्य"

अथ्यूब सब शब्द का उपयोग सामान्यीकरण के रूप में जोर देने के लिए करते हैं। उनका मतलब है कि बड़ी संख्या में लोग दुष्ट व्यक्ति के शरीर को उसकी कब्र तक ले जाएंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक लंबी जुलूस"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 21:33 (#4)

"और जैसे पूर्वकाल के लोग अनगिनत जा चुके"

मूल भाषा में "उसके सम्मुख से जा चुके" को हिन्दी अनुवादों में सामिलित नहीं किया गया है। वाक्यांश उसके सम्मुख का अर्थ है "उसके सामने" या "उसके आगे।" यह दुष्ट व्यक्ति के अंतिम संस्कार जुलूस के लिए एक और संदर्भ है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसके सामने"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 21:33 (#5)

"पूर्वकाल के लोग अनगिनत"

अथ्यूब जोर देने के लिए सामान्यीकरण का उपयोग कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि बहुत बड़ी संख्या में लोग दुष्ट व्यक्ति के शव के आगे चलेंगे और उन्हें सम्मानपूर्वक उनकी कब्र तक ले जाएंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत बड़ी संख्या में लोग भी आगे चल रहे हैं।"

देखें: अतिशयोक्ति

अथ्यूब 21:34 (#1)

"इसलिए तुम क्यों मुझे व्यर्थ शान्ति देते हो"

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्वाचक रूप उपयुक्त नहीं है, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसी व्यर्थ सांत्वना दे रहे हैं आप!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 21:34 (#2)

"तुम्हारे उत्तरों में तो झूठ ही पाया जाता है"

अथूब यह कह रहे हैं कि जब वह अपने मित्रों के उत्तरों में से उन सभी बातों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जो केवल दिखने में सही लगती हैं लेकिन वास्तव में नहीं होती, तब अंत में जो बचता है, वह केवल झूठ होता है। यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय वाक्य का उपयोग स्वाभाविक नहीं होगा, तो आप इसे सक्रिय रूप में इस प्रकार अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम्हारे उत्तर झूठ के अलावा और कुछ नहीं हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 21:34 (#3)

"तुम्हारे उत्तरों में तो झूठ ही पाया जाता है"

यदि आपकी भाषा में झूठ के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप जो उत्तर दे रहे हैं, वह बिल्कुल असत्य है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 22 सामान्य टिप्पणी**संरचना और रूपरेखा**

यह अध्याय अथूब के मित्र एलीपज का तीसरा और अंतिम भाषण है। इस भाषण में वह जो कहते हैं, वह उनके पिछले दो भाषणों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली है। वह जोर देकर कहते हैं कि अथूब ने अवश्य ही कुछ गलत किया होगा, और वह कई विशिष्ट दृष्ट चीजों का सुझाव देते हैं जो अथूब ने की होगी।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

एलीपज अथूब को उनके ही शब्दों में उत्तर दे रहे हैं

इस अध्याय में कई स्थानों पर, एलीपज, अथूब को उनके अपने शब्दों से उत्तर देते हैं। अर्थात्, एलीपज उन्हीं अभिव्यक्तियों का उपयोग करते हैं जो अथूब ने पहले की थीं, लेकिन अलग अर्थ और तात्पर्य के साथ। आपके पाठकों को सहायता करने के लिए इसे सराहें, आप इन स्थानों पर एलीपज की अभिव्यक्तियों का उसी तरह अनुवाद करना चाह सकते हैं जैसे आपने पहले अथूब की समान अभिव्यक्तियों

का अनुवाद किया था। टिप्पणी इसे करने के तरीकों का सुझाव देगी।

अथूब 22:2 (#1)

"क्या मनुष्य से परमेश्वर को लाभ पहुँच सकता है"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई मनुष्य परमेश्वर को लाभ नहीं पहुँचा सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:2 (#2)

"मनुष्य"

यहाँ मूल भाषा में पुलिंग शब्द मनुष्य का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 22:3 (#1)

"क्या तेरे धर्मी होने से सर्वशक्तिमान सुख पा सकता है"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान के लिए यह आनंद की बात नहीं है कि तुम धर्मी हो! यह उसके लिए लाभ की बात नहीं है कि तुम अपने मार्गों को सिद्ध करते हो!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:3 (#2)

"तेरी चाल की खराई से क्या उसे कुछ लाभ हो सकता है"

एलीपज एक प्रश्न प्रस्तुत कर रहा है, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते

हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उसके लिए लाभदायक नहीं है कि तुम अपने मार्गों को सिद्ध करते हो"

देखें: मुहावरा

अथूब 22:3 (#3)

"तेरी चाल"

एलीपज इस बारे में बात कर रहा है कि एक व्यक्ति किस तरह से जीवन जीता है, मानो वह कई रास्तों या मार्गों पर चल रहा है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे जीवन का तरीका"

देखें: रूपक

अथूब 22:4 (#1)

"वह तो तुझे डाँटता है... तो क्या यह तेरी भक्ति के कारण है"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से परमेश्वर तुम्हारी भक्ति के कारण तुम्हें ताड़ना नहीं दे रहा है और न ही तुम्हारे साथ न्याय कर रहा है"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:4 (#2)

"यह तेरी भक्ति के कारण"

एलीपज भक्ति से अप्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर का भय, अर्थात् परमेश्वर के प्रति श्रद्धापूर्ण सम्मान। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके प्रति आपके श्रद्धापूर्ण आदर के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:5 (#1)

"क्या तेरी बुराई बहुत नहीं"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का

उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी बुराई बड़ी है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:5 (#2)

"तेरे अधर्म के कामों का कुछ अन्त नहीं"

एलीपज यहाँ कुछ अन्त नहीं वाक्यांश का उपयोग जोर देने के लिए एक सामान्यकरण के रूप में कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए इसे एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम असंख्य अधर्मों के दोषी हो"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 22:6 (#1)

क्योंकि ("तूने तो अपने भाई का बन्धक अकारण रख लिया है, और नंगे के वस्त्र उतार लिये हैं"

मूल भाषा में यह पद **क्योंकि** के साथ शुरू होता है, एलीपज यह नहीं कह रहा है कि अथूब ने निश्चित रूप से वे गलतियाँ की हैं जिनका वर्णन उसने इस पद और अगली तीन पदों में किया है। वह अथूब को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शब्द का उपयोग कर रहा है कि उसने क्या गलत की होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि परमेश्वर उसे किसी बात के लिए दण्ड दे रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शायद" या "यह विचार करो कि

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 22:6 (#2)

"तूने तो अपने भाई का बन्धक अकारण रख लिया है"

एलीपज द्वारा अकारण कहने का अर्थ यह हो सकता है कि अथूब को एक श्रमिक से ऋण के बदले वस्त्र को ज़मानत के रूप में लेने की आवश्यकता नहीं थी। एलीपज पद 8 में उल्लेख करता है कि अथूब एक धनी व्यक्ति था और वह इस प्रकार की छोटी हानि सहन कर सकता था, जबकि श्रमिक के लिए उसका बाहरी वस्त्र (जो पद के दूसरे भाग में वर्णित है) उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति हो सकती थी। एलीपज यह भी सुझाव दे सकता है कि वह श्रमिक भरोसेमंद था, और अथूब को उस पर विश्वास करना चाहिए था कि वह बिना किसी ज़मानत के ऋण चुका देगा। आपकी संस्कृति में ऋण और

ज़मानत से संबंधित ऐसे शब्द और प्रथाएँ हो सकती हैं जिन्हें आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं ताकि इस छिपे हुए अर्थ को स्पष्ट किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने अपने भाई को ऋण के बदले उसकी बाहरी वस्त्र को ज़मानत के रूप में देने के लिए मजबूर किया, जबकि तुम्हें इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:6

"आपके भाई"

एलीपज भाई शब्द का प्रयोग लाक्षणिक रूप से साथी मानव के अर्थ में कर रहा है। वह यह सुझाव दे रहा है कि अथूब को प्रत्येक मनुष्य के प्रति अपनापन महसूस करना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे साथी मनुष्य"

देखें: रूपक

अथूब 22:6 (#4)

"और नंगे के वस्त्र उतार लिये हैं"

जिनके पास बहुत कम कपड़े हैं, और यहाँ यही अर्थ प्रतीत होता है। उन लोगों के वस्त्रों की बात करना तर्कसंगत नहीं होगा जो पूरी तरह नग्न हों। विचार यह है कि अथूब ने किसी मज़दूर का बाहरी वस्त्र गिरवी रख लिया, जिसे वह रात में कंबल के रूप में भी उपयोग करता था, जिससे वह व्यक्ति पर्याप्त कपड़ों के बिना ठंड में रह गया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, आपने उस व्यक्ति को गर्म रहने के लिए पर्याप्त कपड़ों के बिना छोड़ दिया है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:7 (#1)

"थके हुए" - "और भूखे"

एलीपज विशेषणों थके हुए और भूखे का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों को दर्शाने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "थके हुए लोग ... और भूखे लोगों से"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 22:7 (#2)

"रोटी"

एलीपज एक प्रकार के भोजन, रोटी, का उपयोग भोजन के सामान्य अर्थ में कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन"

देखें: उपलक्षण

अथूब 22:8 (#1)

"जो बलवान था उसी को भूमि मिली,"

एलीपज का अर्थ हो सकता है: (1) कि अथूब स्वयं ये बलवान थे। उस स्थिति में वह अथूब के बारे में तृतीय पुरुष के रूप में बात कर रहा है, भले ही वह सीधे अथूब से बात कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे दूसरे व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही, एक बलवान के रूप में, पृथ्वी तुम्हारे लिए थी, और तुम उस पर ऐसे रहते जैसे कोई प्रतिष्ठित व्यक्ति" (2) कि अथूब ने बलवान और प्रतिष्ठित लोगों को पक्षपात दिखाया। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु तुमने बलवान और प्रतिष्ठित व्यक्ति के पक्ष में निर्णय लिया, जैसे पृथ्वी उनके लिए हो और वे उस पर रहते थे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 22:8 (#2)

"जो बलवान था उसी को भूमि मिली"

अभिव्यक्ति बलवान का अर्थ एक शक्तिशाली व्यक्ति होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शक्तिशाली व्यक्ति था, पृथ्वी उसके लिए थी" या "एक शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में, पृथ्वी तुम्हारे लिए थी"

देखें: मुहावरा

अथूब 22:8 (#3)

"उसी को भूमि मिली"

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे यह बलवान पूरी भूमि का स्वामी हो। वे सम्भवतः यह कहना चाहता है कि इस व्यक्ति (सम्भवतः अथूब) के पास बहुत सारी भूमि थी। यदि आपकी भाषा में यह अर्धिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए इसे

अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके पास बहुत भूमि थी"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 22:8 (#4)

"और जिस पुरुष की प्रतिष्ठा हुई थी"

अभिव्यक्ति प्रतिष्ठा का अर्थ है अनुग्रह प्राप्त करना या सम्मानित होना। (अध्याय 13 के सामान्य टिप्पणी में "प्रतिष्ठा हुई" वाक्यांश की चर्चा देखें।) वैकल्पिक अनुवाद: "और सम्मानित लोग निवास करते थे" या "और आप एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में निवास करते थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 22:8 (#5)

"प्रतिष्ठा हुई"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे लोग जिन्होंने सम्मान प्राप्त किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 22:9 (#1)

"और अनाथों की बाहें तोड़ डाली गई"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और तूने अनाथों की सहायता करने से इंकार कर दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 22:9 (#2)

"और अनाथों की बाहें तोड़ डाली गई"

एलीपज विशेषण अनाथों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक निश्चित प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी

समान शब्द या वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तूने अनाथों के हाथ तोड़ दिए हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 22:9 (#3)

"और अनाथों की बाहें तोड़ डाली गई"

एलीपज ऐसा बोल रहा है, जैसे अथूब ने सचमुच अनाथों की बाहें तोड़ डाली हो। उसका मतलब है कि अथूब ने अनाथों की मदद नहीं की है बल्कि उनके साथ ऐसा व्यवहार किया है जिससे वे और भी कमजोर और अधिक दीन-हीन हो गए हैं। (जैसा कि पिछले पद में, बलवान का प्रतीक है।) यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तूने अनाथों का फायदा उठाया है" या "और तूने अनाथों का शोषण किया है।"

देखें: रूपक

अथूब 22:10 (#1)

"इस कारण तेरे चारों ओर फँदे लगे हैं"

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे फँदे या जाल सचमुच अथूब को घेर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे कई प्रकार की समस्याएं हो रही हैं"

देखें: रूपक

अथूब 22:10 (#2)

"और अचानक डर के मारे तू घबरा रहा है"

एलीपज डर शब्द का उपयोग उन चीजों के लिए कर रहा है जो डर उत्पन्न करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और डरावनी चीजें अचानक तुझे घबरा देती हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 22:11 (#1)

"क्या तू अंधियारे को नहीं देखता"

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को

जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यही कारण है कि तुम अंधकार में हो और देख नहीं सकते"

देखें: पदलोप

अथूब 22:11 (#2)

"क्या तू अंधियारे को नहीं देखता"

एलीपज ऐसा बोल रहा है जैसे अथूब सचमुच अंधियारे में हैं और कुछ देख नहीं सकते। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यही कारण है कि तेरी परेशानियाँ इतनी बड़ी हैं कि तू नहीं जानता कि उनके बारे में क्या करना है!"

देखें: रूपक

अथूब 22:11 (#3)

"और उस बाढ़ को जिसमें तू डूब रहा है"

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे अथूब सचमुच बाढ़ में डूबे हुए हों। यदि यह आपकी भाषा में अंधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, यही कारण है कि तुम पूरी तरह से व्याकुल महसूस कर रहे हो।"

देखें: रूपक

अथूब 22:12 (#1)

"क्या परमेश्वर स्वर्ग के ऊँचे स्थान में नहीं है"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर स्वर्ग की ऊँचाई में हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:12 (#2)

"स्वर्ग के ऊँचे स्थान में"

एलीपज इस स्वामित्व रूप का उपयोग स्वर्ग के उच्चतम भाग का वर्णन करने के लिए कर रहा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उच्चतम स्वर्ग में" या "स्वर्ग में, आकाश के ऊपर"

देखें: स्वामित्व

अथूब 22:12 (#3)

"ऊँचे से ऊँचे तारों को देख कि वे कितने ऊँचे हैं"

वैकल्पिक अनुवाद: "और देख, तारे कितने ऊँचे हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 22:12 (#4)

"ऊँचे से ऊँचे तारों को देख कि वे कितने ऊँचे हैं"

इसका तात्पर्य यह है कि चूँकि परमेश्वर तारों से भी ऊपर हैं, और तारे अत्यधिक ऊँचाई में होते हैं, जो सबसे ऊँची चीज है जिन्हें लोग देख सकते हैं, तो परमेश्वर अत्यंत ऊँचे होंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तारों से भी ऊपर हैं, भले ही वह सबसे ऊँची चीज हैं जिन्हें हम देख सकते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:13 (#1)

"फिर तू कहता है, 'परमेश्वर क्या जानता है'

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु तुम कहते हो कि परमेश्वर नहीं जानते कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है और वे घने अंधकार में न्याय नहीं कर सकते।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 22:13 (#2)

"परमेश्वर क्या जानता है"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर नहीं जानते कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है? क्या वह घने अंधकार में न्याय नहीं कर सकते?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:13 (#3)

"क्या वह घोर अंधकार की आङ में होकर न्याय करेगा"

जैसा कि अगले पद से स्पष्ट है, एलीपज घोर अंधकार का उपयोग काले बादलों के सन्दर्भ में कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक कथन के रूप में: "वह लोगों का न्याय करने के लिए काले बादलों के माध्यम से नहीं देख सकता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 22:14 (#1)

"काली घटाओं से वह ऐसा छिपा रहता है कि वह कुछ नहीं देख सकता"

यदि आपने पिछले पद में इस उद्धरण का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में करने का निर्णय लिया था, तो आप इस पद में भी ऐसा कर सकते हैं। कई भाषाओं में प्रत्यक्ष उद्धरण के शब्दों को बदलना आवश्यक नहीं होता।

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

अथूब 22:14 (#2)

"कि वह कुछ नहीं देख सकता"

एलीपज का तात्पर्य है कि ऐसा कहकर, अथूब का मतलब है कि परमेश्वर यह नहीं देख सकता कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे नहीं देखते कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:14 (#3)

"वह तो आकाशमण्डल ही के ऊपर चलता फिरता है"

इसका तात्पर्य यह है कि क्योंकि आकाशमण्डल बादलों के ऊपर है, बादल परमेश्वर की पृथ्वी की दृष्टि को अवरुद्ध करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, वे आकाशमण्डल पर चलते हैं, जहाँ बादल उनकी पृथ्वी की दृष्टि को अवरुद्ध करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:15 (#1)

"क्या तू उस पुराने रास्ते को पकड़े रहेगा"

एलीपज जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विसम्यादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। यह वाक्य अगले दो पदों के लिए जारी रहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे उस पुराने मार्ग पर नहीं चलना चाहिए जिस पर अधर्मी लोग चले हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:15 (#2)

"क्या तू उस पुराने रास्ते को पकड़े रहेगा"

एलीपज इस बारे में बात कर रहा है कि लोग ऐसे जीते हैं जैसे वह कोई मार्ग या रास्ता हो जिस पर वे चल रहे हों। जब एलीपज अथूब से पूछता है कि क्या वह उसी मार्ग पर बने रहेंगे, तो उसका तात्पर्य यह है कि क्या अथूब वास्तव में उसी प्रकार जीना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तुम वैसे ही रहोगे जैसे अधर्मी लोग जीते हैं" या, एक कथन के रूप में, "तुम्हें वैसे नहीं जीना चाहिए जैसे अधर्मी लोग जीते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 22:15 (#3)

"वे अनर्थ करनेवाले"

यदि आपकी भाषा में अनर्थ के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 22:16 (#1)

"वे अपने समय से पहले उठा लिए गए"

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे ये "पापी लोग" सचमुच उठा लिए गए हों, जैसे कि वे लकड़ियों की एक गठरी हों जिसे किसी ने इकट्ठा किया हो। उसका मतलब है कि वे मर गए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मर गए"

देखें: रूपक

अथूब 22:16 (#2)**"वे अपने समय से पहले उठा लिए गए"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे मौत ने उठा लिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 22:16 (#3)**"अपने समय से पहले"**

एलीपज का अर्थ है कि ये दुष्ट लोग अपने समय से पहले ही मर गए। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इससे पहले कि उनका मरने का समय आया" या "जब वे ही युवा थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:16 (#4)**"और उनके घर की नींव नदी बहा ले गई"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "नदी ने उनकी नींव को बहा दिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 22:16 (#5)**"और उनके घर की नींव नदी बहा ले गई"**

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे ये दुष्ट लोग इमारतें हो जो तब ढह गए जब एक **नदी** ने उनकी **नींव** को नष्ट कर दिया। इस चित्र के माध्यम से यह संकेत दिया गया है कि वे लोग अचानक और हिंसक रूप से मर गए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वे अचानक और हिंसक तरीके से मरे।"

देखें: रूपक

अथूब 22:17 (#1)**"उन्होंने परमेश्वर से कहा था, 'हम से दूर हो जा'**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जिन्होंने परमेश्वर से दूर होने के लिए कहा और पूछा कि सर्वशक्तिमान उनके साथ क्या करेगे"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 22:17 (#2)**"हम से दूर हो जा"**

एलीपज इन दुष्ट लोगों को इस तरह बोलते हुए चित्रित करता है जैसे वे चाहते हैं कि परमेश्वर सचमुच उनसे **दूर हो जाए**। यदि यह आपके भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। देखें कि आपने [21:14](#) में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी चिंता मत करो"

देखें: रूपक

अथूब 22:17 (#3)**"और यह कि 'सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमारा क्या कर सकता है'**

दुष्ट लोग अपने बारे में तृतीय पुरुष के रूप में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे पहले व्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और, 'सर्वशक्तिमान हमारे साथ क्या करेंगे'"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 22:17 (#4)**"और यह कि 'सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमारा क्या कर सकता है'**

दुष्ट लोग जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और, 'सर्वशक्तिमान हमें कुछ नहीं करेगा!'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 22:17 (#5)

"और यह कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमारा क्या कर सकता है"

दुष्ट लोग अप्रत्यक्ष रूप से यह मान रहे हैं कि यदि वे बुरे काम करें तो भी सर्वशक्तिमान उन्हें दण्डित नहीं करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और, 'यदि हम बुरे काम करें तो भी सर्वशक्तिमान हमारे साथ कुछ नहीं करेगा'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:18 (#1)

"तो भी उसने उनके घर अच्छे-अच्छे पदार्थों से भर दिए"

सर्वनाम उसने परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। एलीपज वही बात दोहरा रहा है जो अथूब ने दुष्ट लोगों के बारे में 21:16 में कहा था, "उनका कुशल उनके हाथ में नहीं रहता" अर्थात् उनकी समृद्धि उनके अपने बनाने की नहीं है। एलीपज कह रहा है, जैसा कि अथूब ने कहा था, कि कोई भी अच्छाई जो दुष्टों को मिलती है, वह कुछ ऐसा है जो परमेश्वर ने उदारता से उन्हें दिया है, भले ही वे इसके योग्य नहीं हैं। एलीपज इस बिन्दु पर अथूब से सहमत है, परन्तु वह इसे एक अलग निष्कर्ष के समर्थन में उपयोग कर रहा है, कि अंततः परमेश्वर वास्तव में इस जीवन में दुष्टों को दण्डित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी परमेश्वर ने उनके घरों को अच्छाई से भर दिया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 22:18 (#2)

"तो भी उसने उनके घर अच्छे-अच्छे पदार्थों से भर दिए"

एलीपज विशेषण अच्छे-अच्छे को संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार की वस्तु के लिए उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा प्रयोग सम्भव न हो, तो आप इसे समान अर्थ देने वाले वाक्यांश से अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी उन्होंने उनके घरों को अच्छी चीजों से भर दिया।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 22:18 (#3)

"तो भी उसने उनके घर अच्छे-अच्छे पदार्थों से भर दिए"

एलीपज ने भर दिए शब्द का उपयोग जोर देने के लिए किया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने का कोई अन्य तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी उन्होंने उन्हें उदारतापूर्वक कई अच्छी चीजें दीं"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 22:18 (#4)

"परन्तु दुष्ट लोगों का विचार मुझसे दूर रहे"

एलीपज वही दोहरा रहा है जो अथूब ने 21:16 में कहा था। वह ऐसे बोल रहा है जैसे वह चाहता है कि दुष्ट लोगों का विचार सचमुच उससे दूर रहे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 21:16 में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए मैं दुष्टों के विचार से कुछ लेना-देना नहीं रखना चाहता"

देखें: रूपक

अथूब 22:19 (#1)

"धर्मी लोग देखकर"

एलीपज अप्रत्यक्ष रूप से यह कह रहा है कि धर्मी लोग देखते हैं कि दुष्ट लोगों के साथ क्या होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी लोग देखते हैं कि दुष्ट लोगों के साथ क्या होता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 22:19 (#2)

"धर्मी लोग" - "निर्दोष लोग"

एलीपज विशेषणों धर्मी लोग और निर्दोष लोग का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ खास तरह के लोगों के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक ... और निर्दोष लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 22:20 (#1)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

सर्वनाम जो इस भाग में उल्लेखित विरुद्ध उठे लोगों को सन्दर्भित करता है। आपकी भाषा में सर्वनाम को संख्या में एक रूप बनाना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। चूँकि एलीपज इन पदों में विरुद्ध उठे लोगों के बारे में बहुवचन में बात करता है, इसलिए "शत्रु" का उपयोग करना अधिक उपयुक्त हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हमारे शत्रु समाप्त नहीं हुए हैं? और आग ने उनकी सम्पत्ति को निगल लिया है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 22:20 (#2)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

एलीपज यह उद्धृत कर रहा है कि धर्मी और निर्दोष लोग उन दुष्ट लोगों के बारे में क्या कहते हैं जिन्हें परमेश्वर नष्ट कर देते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कहते हैं, 'क्या हमारे शत्रु नष्ट नहीं हो गए हैं? और आग ने उनकी संपत्ति को निगल लिया है!'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथ्यूब 22:20 (#3)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कहते हैं कि उनके शत्रु नष्ट हो गए हैं और आग ने उनकी सम्पत्तियों को निगल लिया है"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

अथ्यूब 22:20 (#4)

(यदि)"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

कुछ अनुवाद इस पद को यदि के साथ शुरू करते हैं, यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट जाते"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 22:20 (#5)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

धर्मी और निर्दोष लोग जोर देने के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे शत्रु काट दिए गए हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 22:20 (#6)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमारे विरोधियों को पराजित कर दिया है!"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 22:20 (#7)

"जो हमारे विरुद्ध उठे थे, निःसन्देह मिट गए"

एक अलग बिन्दु बनाने के लिए, कि परमेश्वर वास्तव में इस जीवन में दुष्ट लोगों का न्याय करते हैं, एलीपज वही दीहरा रहा है जो अथ्यूब ने 21:21 में कहा था। वहां अथ्यूब ने एक दुष्ट व्यक्ति के मरने की बात की जैसे कि वह सचमुच मिट गए हो, जैसे पेड़ से एक डाली। देखें कि आपने वहाँ समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमारे शत्रुओं के जीवन का अंत कर दिया है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:20 (#8)

"और उनका बड़ा धन आग का कौर हो गया है"

एलीपज निर्दोष और धर्मी लोगों के बारे में इस तरह से बोलता है जैसे कि आग ने दुष्ट लोगों के धन को नष्ट कर दिया हो। एलीपज उन्हें इस तरह से बोलते हुए चिह्नित करता है जैसे कि आग ने सचमुच संपत्ति को खा लिया हो या निगल लिया हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर

पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने अपनी सम्पत्ति खो दी है" या "और अब उनकी सम्पत्ति अन्य लोगों को मिल जाएगी"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:21 (#1)

"परमेश्वर से मेल मिलाप कर तब तुझे शान्ति मिलेगी"

एलीपज इस कथन की शुरुआत में अपने ही शब्दों और अथ्यूब के पिछले कथन के शब्दों को दोहरा रहा है। पद 2 में, एलीपज ने जोर दिया कि कोई व्यक्ति "परमेश्वर के लिए लाभ" नहीं हो सकता, अर्थात्, कोई व्यक्ति परमेश्वर की कृपा प्राप्त करने या परमेश्वर को बाध्य करने के लिए कुछ नहीं कर सकता। यहाँ एलीपज उसी क्रिया के एक अलग रूप का उपयोग करते हुए अथ्यूब को परमेश्वर के साथ मेल मिलाप करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। वह कहता है कि व्यक्ति कम से कम परमेश्वर के साथ एक अच्छा सम्बन्ध विकसित कर सकता है। अथ्यूब ने [21:19](#) में कहा कि वह चाहता था कि परमेश्वर दुष्ट लोगों को "बदला" दे, अर्थात् उन्हें दण्डित करें। एलीपज यहाँ उसी क्रिया का उपयोग करते हुए अथ्यूब को परमेश्वर के साथ शान्ति में रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, इस सुझाव के साथ कि इस उद्देश्य के लिए, अथ्यूब को जो भी गलतियाँ उन्होंने की हैं, उनके लिए जो भी आवश्यक हो, उसे करना चाहिए। आपकी भाषा में ऐसे शब्द हो सकते हैं जिन्हें आप यहाँ और [21:19](#) और [22:2](#) में इन सम्बन्धों को दिखाने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 22:21 (#2)

"तुझे शान्ति मिलेगी"

यदि आपकी भाषा में शान्ति के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके साथ शान्तिपूर्ण सम्बन्ध बना लो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 22:21 (#3)

"इससे"

वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम ये काम करते हो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 22:21 (#4)

"और इससे तेरी भलाई होगी"

एलीपज विशेषण भलाई का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहा है, जिसका अर्थ एक निश्चित प्रकार की वस्तु है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अच्छी चीजें तुम्हारे पास आएंगी"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 22:21 (#5)

"और इससे तेरी भलाई होगी"

एलीपज भलाई के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे यह एक जीवित चीज हो जो अथ्यूब के पास आ सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हें फिर से अच्छी चीजें मिलेंगी"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 22:22 (#1)

"उसके मुँह से शिक्षा सुन ले"

एलीपज मुँह शब्द का उपयोग परमेश्वर के द्वारा बोले गए शब्दों के सन्दर्भ में कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के वचनों से शिक्षा प्राप्त करो"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 22:22 (#2)

"और उसके वचन अपने मन में रख"

एलीपज ऐसा बोल रहा है जैसे अथ्यूब वास्तव में परमेश्वर के वचन को अपने मन में रख सकते हैं। वह मन का उपयोग स्मरण शक्ति को दर्शाने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, उनके वचनों को ध्यानपूर्वक स्मरण करो"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:22 (#3)**"और उसके वचन अपने मन में रख"**

एलीपज वचन शब्द का उपयोग परमेश्वर के कहे हुए शब्दों को दर्शाने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, जो वह कहता है उसे ध्यानपूर्वक स्मरण करो"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 22:23 (#1)**"तो तू बन जाएगा"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि वाक्यांश **और अपने तम्बू से कुटिल काम दूर करे**, जैसे वाक्यांश **यदि तू सर्वशक्तिमान परमेश्वर की ओर फिरके समीप जाए**, उस परिणाम का कारण बताता है जो अनुसरण करेगा, **तो तू बन जाएगा।** वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू अपने तम्बू से अधर्म को दूर करता है, तो तू बन जाएगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथ्यूब 22:23 (#2)**"तो तू बन जाएगा"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुझे सामर्थ्य प्रदान करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 22:23 (#3)**"तो तू बन जाएगा"**

एलीपज ऐसा बोल रहा है जैसे अथ्यूब एक इमारत हैं जिसे परमेश्वर तबाह होने के बाद फिर से बनाएंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तुझे फिर से स्वस्थ और समृद्ध बनाएँगे।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:23 (#4)**"और अपने तम्बू से कुटिल काम दूर करे"**

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे कुटिल काम कोई वस्तु हो जिसे अथ्यूब अपने निवास के तम्बू से कुछ दूर पर रख सकते हैं। इस छवि में, तम्बू अथ्यूब के जीवन का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तुम अपने जीवन से अधर्म को दूर कर दो"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:23 (#5)**"और अपने तम्बू से कुटिल काम दूर करे"**

यदि आपकी भाषा में **कुटिल काम** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू अधर्म के काम करना बन्द कर दे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 22:24 (#1)**"तू अपनी अनमोल वस्तुओं को धूलि पर ... डाल दे"**

एलीपज किसी चीज के घटित होने की स्थिति बताने के लिए एक आदेशवाचक वाक्य का उपयोग रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे एक शर्तीय वाक्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब यदि तू अपना सोना धूलि में रख दे, और ओपीर का कुन्दन धाराओं के पत्थरों के बीच रख दें"

देखें: आजाएँ — अन्य उपयोग

अथ्यूब 22:24 (#2)**"तू अपनी अनमोल वस्तुओं को धूलि पर...डाल दे"**

एलीपज ऐसे बोल रहा है जैसे वह चाहता है कि अथ्यूब सचमुच अपना **अनमोल वस्तुओं** फेंक दें, जिसमें वह कुन्दन भी शामिल है जो उनके पास **ओपीर** की भूमि से है, ताकि वह धूलि में और नालों के पत्थरों में गिर जाए। उसका मतलब है कि अथ्यूब को सुरक्षा के स्रोत के रूप में सोने पर निर्भर नहीं होना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, समानांतर बयानों को एकल बयान में मिलाकर और

समानांतरता के जोर को दूसरे तरीके से व्यक्त करते हुए:
"अब यदि तुम बिल्कुल भी सोने पर निर्भर नहीं रहते"

देखें: रूपक

अथूब 22:24 (#3)

"अनमोल वस्तुओं को धूलि पर... डाल दे"

एलीपज सम्पत्ति के सामान्य अर्थ में एक विशेष प्रकार की सम्पत्ति, अनमोल वस्तुओं (मूल भाषा में सोना) जिसमें ओपीर का कुन्दन भी शामिल है, का उपयोग सामान्य रूप से सम्पत्ति के अर्थ में कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपनी सारी सम्पत्ति त्याग दो" या "अब यदि तुम सम्पूर्ण धन पर निर्भर नहीं रहोगे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 22:24 (#4)

"ओपीर"

शब्द ओपीर एक स्थान का नाम है जिसने उच्च गुणवत्ता का सोना प्राप्त होता है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 22:24 (#5)

"ओपीर"

एलीपज कुछ शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ओपीर"

देखें: पदलोप

अथूब 22:24 (#6)

"ओपीर"

एलीपज ओपीर नाम का इस्तेमाल ओपीर देश के कुन्दन के अर्थ में कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ओपीर का कुन्दन रखो"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 22:25 (#1)

"तब सर्वशक्तिमान आप तेरी अनमोल वस्तु ...होगा"

एलीपज ऐसे बोल रहा है मानो सर्वशक्तिमान सचमुच अथूब के पास मौजूद कीमती धातुएँ हैं, जो अथूब के पास थीं। उनका मतलब है कि अथूब सर्वशक्तिमान को किसी भी अन्य चीज़ से अधिक महत्व देंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब तुम सर्वशक्तिमान को हर चीज़ से बढ़कर महत्व दो"

देखें: रूपक

अथूब 22:25 (#2)

"तेरी अनमोल वस्तु"

एलीपज सर्वोच्च उल्कृष्टता के सोने को इंगित करने के लिए अनमोल वस्तु का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा भी इस तरह के रूपों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी उत्तम से उत्तम सोना तुम्हारे पास हो, उससे भी अधिक मूल्यवान"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 22:25 (#3)

"चमकीली चाँदी"

एलीपज चमकीली का उपयोग उच्चतम गुणवत्ता की चाँदी को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी बहुवचन रूप का उपयोग इसी तरह होता होगा। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उच्चतम गुणवत्ता की चाँदी"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 22:26 (#1)

"और परमेश्वर की ओर अपना मुँह बेखटके उठा सकेगा"

[10:15](#) में, अथूब ने परमेश्वर से कहा, "मैं सिर न उठाऊँगा।" इसका मतलब है कि वह शर्मिदारी महसूस करने के प्रतीकात्मक कार्य के रूप में नीचे देखेंगे। यहाँ एलीपज जवाब देते हैं कि अथूब को अब ऐसा करने की आवश्यकता नहीं होगी। देखें कि आपने [10:15](#) में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुझे अब शर्म से परमेश्वर से दूर नीचे देखने की आवश्यकता नहीं होगी"

या "और तू आत्मविश्वास महसूस करेगा कि परमेश्वर तुझे स्वीकार करते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 22:27 (#1)

"और वह तेरी सुनेगा"

इस सन्दर्भ में, शब्द **सुनेगा** का अर्थ प्रार्थना को स्वीकार करना है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह तेरी प्रार्थना को स्वीकार करेंगे"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 22:27 (#2)

"और तू अपनी मन्त्रों को पूरी करेगा"

एलीपज मानता है कि अथ्यूब समझ जाएंगे कि **मन्त्रों** से उनका मतलब उन प्रतिज्ञाओं से है जो इस संस्कृति में कोई व्यक्ति परमेश्वर से करता है ताकि उसे मिली दयाओं को सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर सके। इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर अथ्यूब को ऐसी दयाएं प्रदान करेंगे और इसलिए उनके पास ऐसी मन्त्रों को पूरा करने का अवसर होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आपको परमेश्वर की उन दयाओं के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देने का अवसर मिलेगा जो उसने आपको दी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 22:28 (#1)

"जो बात तू ठाने वह तुझ से बन भी पड़ेगी"

एलीपज **बात** का उपयोग उस अर्थ में कर रहा है जो अथ्यूब अपने शब्दों से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुम जो होना चाहते हो, वह कहोगे।" या "और तुम जो करने की योजना बना रहे हो, वह कहोगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 22:28 (#2)

"वह तुझ से बन भी पड़ेगी"

इस सन्दर्भ में, शब्द **बन** भी पड़ेगी का अर्थ "घटना" है, जिसमें निश्चितता और स्थायित्व का विचार शामिल है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह निश्चित रूप से तेरे लिए होगा" या "और तू इसे निश्चित रूप से कर सकेगा"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 22:28 (#3)

"और तेरे मार्गों पर प्रकाश रहेगा"

एलीपज अथ्यूब की योजनाओं को इस तरह प्रस्तुत कर रहा है जैसे वे ऐसे **मार्ग** हों जिन पर वह चलेंगे। जब वह कहता है कि तेरे मार्गों पर **प्रकाश रहेगा**, तो उसका अर्थ है कि अथ्यूब को अपनी योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का स्पष्ट मार्ग दिखाई देगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुझे अपनी योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का स्पष्ट मार्ग दिखेगा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:29 (#1)

"मनुष्य जब गिरता है, तो तू कहता है की वह उठाया जाएगा"

एलीपज ऐसा बोल रहा है जैसे लोग सचमुच अथ्यूब को **नीचे** गिरा सकते हैं, यानी उन्हें **ऊँचाई** से या जमीन पर गिरा सकते हैं। वह इस प्रकार बोल रहा है मानो अथ्यूब परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा हो कि वह उसे वहाँ से उठा ले जहाँ लोगों ने उसे फेंक दिया था। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम कठिन परिस्थितियों में हो और तुम कहते हो, 'मेरी मदद करो'

देखें: रूपक

अथ्यूब 22:29 (#2)

"मनुष्य जब गिरता है"

मूल भाषा यहाँ, **मनुष्य** के स्थान पर **वे** सर्वनाम का उपयोग करती है जो एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग

नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तू नीचे गिराया जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 22:29 (#3)

"तो तू कहता है की वह उठाया जाएगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और तू परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वे तुझे उठाएं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 22:29 (#4)

"वह"- "बचाता है"

सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। एलीपज प्रार्थना के परिणामों के बारे में बात कर रहा है, जैसा कि उसने पद 27 में वर्णित किया है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर बचाएंगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 22:29 (#5)

"क्योंकि वह नम्र मनुष्य को बचाता है"

अथूब विशेषण वाक्यांश नम्र का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहा है, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का समानार्थी वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर दीन मनुष्य को बचाता है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 22:29 (#6)

"क्योंकि वह नम्र मनुष्य को बचाता है"

शब्द नम्र यह दर्शाता है कि व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में है और विनम्रता का अनुभव कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इस क्रिया के महत्व को इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर ... वह व्यक्ति

जो कठिन परिस्थितियों में होने के कारण विनम्रता का अनुभव करता है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 22:29 (#7)

"क्योंकि"- "नम्र मनुष्य"

एलीपज अथूब के बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब ... कठिन परिस्थितियाँ जिन्होंने तुझे विनम्र बना दिया है"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 22:30 (#1)

"वह बचाता है" - "तू छुड़ाया जाएगा"

इस पद के पहले भाग में सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है, जबकि पद के दूसरे भाग में सर्वनाम तू एक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो निर्दोष नहीं है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर बचाएंगे ... वास्तव में, वह व्यक्ति बचाया जाएगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 22:30 (#2)

"निर्दोष न हो"

अथूब विशेषण निर्दोष न हो का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहा है, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो निर्दोष नहीं हैं" या "वे लोग जो पाप के दोषी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 22:30 (#3)

"उसको भी वह बचाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, परमेश्वर उनकी रक्षा करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 22:30 (#4)

"तेरे शुद्ध कामों के कारण"

सम्भवतः एलीपज कामों का उपयोग "प्रार्थनाओं" के अर्थ में कर रहा है, क्योंकि इस संस्कृति में लोग प्रार्थना करते समय अपने हाथ उठाते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी प्रार्थनाओं की पवित्रता के माध्यम से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 22:30 (#5)

"तेरे शुद्ध कामों के कारण"

एलीपज मतलब है कि अथूब ने गलत काम नहीं किए होंगे, और इसलिए वे परमेश्वर से निर्दोष व्यक्ति के रूप में प्रार्थना कर सकते थे, जिनकी प्रार्थनाओं का परमेश्वर उत्तर देंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन प्रार्थनाओं के माध्यम से जो आप, एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में, उसके लिए करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 23 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय एलीपज के तीसरे और अंतिम भाषण के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया की शुरुआत करता है। अथूब की प्रतिक्रिया अगले अध्याय में जारी रहती है।

यूएलटी इस अध्याय की पांक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

कानूनी प्रक्रिया

इस अध्याय में, अथूब परमेश्वर के सामने अपनी निर्दोषता साबित करने के लिए एक कानूनी मामला प्रस्तुत करने की बात करता है। 9:3 में एक टिप्पणी बताती है कि इस संस्कृति में, लोग आमतौर पर ऐसे मामले समाज के अगुवों के सामने सावर्जनिक स्थानों जैसे कि नगर के फाटक पर प्रस्तुत करते थे। विवाद में शामिल प्रत्येक पक्ष अगुवों की उपस्थिति में दूसरे

पक्ष से प्रश्न करता था, और फिर अगुवे मामले पर चर्चा करते थे और तय करते थे कि कौन दोषी है और कौन निर्दोष। हालांकि, बाइबल यह भी संकेत देती है कि न्यायी भी जगह-जगह घूमकर मामले सुनते थे। उदाहरण के लिए, [1 शमूएल 7:16-17](#) कहता है कि शमूएल "प्रतिवर्ष बेतेल और गिलगाल और मिस्पा में घूम-घूमकर उन सब स्थानों में इसाएलियों का न्याय करता था।" अथूब परमेश्वर को इस प्रकार के न्यायाधीश के रूप में देख रहे हैं जो उनका मामला सुनेंगे। अपने अनुवाद में, उनकी भाषा को इस तरह से व्यक्त करें कि आपकी अपनी संस्कृति में कानूनी प्रक्रिया से परिचित पाठक समझ सकें कि अथूब क्या कह रहे हैं।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

"वह", "उसे" और "उसका"

इस अध्याय में सर्वनाम "वह", "उसे" और "उसका" परमेश्वर के लिए संदर्भित होते हैं। यूएसटी यह दर्शाता है कि अनुवाद में नियमित रूप से "परमेश्वर" का उपयोग कैसे किया जा सकता है ताकि यह स्पष्ट हो सके।

"मेरे हाथ" या "उसके हाथ" (23:2)

पद 2 में, इब्रानी हस्तलिपियाँ "मेरे हाथ" पढ़ती हैं। यूएलटी उस पाठ का अनुसरण करता है। इब्रानी बाइबल के कुछ प्राचीन अनुवादों में अन्य भाषाओं में "उसके हाथ" लिखा है, और कुछ आधुनिक संस्करणों में भी इसी पाठ का अनुसरण किया गया है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उसमें प्रयुक्त पाठ का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यूएलटी के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

अथूब 23:2 (#1)

"अब भी नहीं"

अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग अपने मित्रों को यह बताने के लिए कर रहा है कि उनके तर्कों ने उसकी स्थिति को बिलकुल भी नहीं बदला है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने मुझसे जो कुछ भी कहा है, उसके बावजूद,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 23:2 (#2)

"मेरी कुड़कुड़ाहट अब भी नहीं रुक सकती"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके साथ जो हुआ है उसके बारे में उनकी कुङ्कुङ्डाहट या बुरी स्वाद वाली है। छवि यह है कि जो वह कहते हैं वह इतना अप्रिय है कि जब वह इसे कहते हैं तो यह उनके मुंह में बुरा स्वाद छोड़ देता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पास शिकायत करने के लिए कई अप्रिय बातें हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 23:2 (#3)

"मेरे कष्ट मेरे कराहने से भारी है।"

अंग्रेजी के अनुवाद में कराहने के साथ हाथ का उल्लेख है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अपने हाथों से कराहने को दबाना। अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह अपनी कराह को दबाने के लिए अपने हाथ को जोर से दबा रहा हो। उसका मतलब है कि अभी तक उसने जो कुछ कहा है, उससे कहीं ज्यादा है जिसके बारे में वह कराह सकता है या शिकायत कर सकता है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी कराह को दबा रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 23:3 (#1)

"भला होता, कि मैं जानता कि वह कहाँ मिल सकता है"

देखें कि आपने 11:5-6 में मैं जानता का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश मैं जानता और मैं उसे पालता!"

देखें: मुहावरा

अथूब 23:3 (#2)

"मैं जानता कि वह कहाँ मिल सकता है, तब मैं उसके विराजने के स्थान तक जा सकता"

यह वाक्यांश तब मैं से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक ही विचार व्यक्त करता है। शब्द जानता कि बताता है कि अथूब किस तरह से परमेश्वर को पा सकेंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक समान वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "तब मैं का उपयोग नहीं किया गया है।" वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे पता था कि उसे कहाँ खोजना है।"

देखें: (हेंडियाडिस) द्विपद

अथूब 23:3 (#3)

"मैं जानता कि वह कहाँ मिल सकता है, तब मैं उसके विराजने के स्थान तक जा सकता!"

सर्वनाम वह और उसके परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे पता था कि परमेश्वर को कहाँ खोजना है ... वह स्थान जहाँ परमेश्वर रहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

अथूब 23:4 (#1)

"मैं उसके सामने"

यहाँ सामने शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी उपस्थिति में" या "व्यक्तिगत रूप से उसे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:4 (#2)

"मैं उसके सामने अपना मुकद्दमा पेश करता"

अंग्रेजी में मुकद्दमा से मुँह भरना लिखा गया है जो हिन्दी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथूब ऐसे बोल रहा है मानो मुकद्दमा ऐसी वस्तुएँ हों जिनसे वह सचमुच अपना मुँह भर सकता है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होता, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं बोलते समय बहुत से तर्क करता"

देखें: रूपक

अथूब 23:5 (#1)

"मैं जान लेता कि वह मुझसे उत्तर में क्या कह सकता है"

अथूब उत्तर का इस्तेमाल यह बताने के लिए कर रहा है कि परमेश्वर शब्दों का इस्तेमाल करके क्या कहेंगे। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जानता हूँ कि वह मुझे जवाब में क्या कहेंगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:6 (#1)

"क्या वह अपना बड़ा बल दिखाकर मुझसे मुकद्दमा लड़ता?"

अथूब एक विशिष्ट इब्रानी अभिव्यक्ति के कुछ शब्दों को छोड़ रहा है जो 1:8, 2:3, और 7:17 में पूर्ण रूप में दिखाई देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह केवल मुझ पर अपना ध्यान लगाएगा"

देखें: पदलोप

अथूब 23:6 (#2)

"क्या वह अपना बड़ा बल दिखाकर मुझसे मुकद्दमा लड़ता?"

देखें कि आपने 1:8, 2:3, और 7:17 में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह केवल वही विचार करेगा जो मैं कहना चाहता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 23:7 (#1)

"उससे"

उससे निहितार्थ यह है कि परमेश्वर की उपस्थिति में, जैसा कि अथूब ने पद 3 और 4 में बताया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की उपस्थिति में,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 23:7 (#2)

"सज्जन उससे विवाद कर सकते"

वह क्रिया को नियमित रूप से घटित होते हुए दर्शने के लिए कृदंत विवाद कर सकते का प्रयोग कर रहा है ताकि यह इंगित किया जा सके कि यह संभव है। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी लोग उससे तर्क कर सकते हैं"

देखें: कालों का अनियमित उपयोग

अथूब 23:7 (#3)

"सज्जन उससे विवाद कर सकते"

जब अथूब किसी सज्जन व्यक्ति के बारे में बात करता है तो वह संभवतः खुद के बारे में बात कर रहा होता है। उस स्थिति में, वह तीसरे व्यक्ति में खुद के बारे में बात कर रहा होगा। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे पहले व्यक्ति में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे जैसा एक ईमानदार व्यक्ति उसके साथ तर्क कर सकता है" या "मैं, एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में, उसके साथ तर्क कर सकता हूँ"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 23:7 (#4)

"सज्जन"

अथूब एक खास तरह के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण सज्जन का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ईमानदार व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 23:8 (#1)

""

इस आयत और अगली आयत में, अथूब चार मुख्य दिशाओं का उपयोग सृष्टि में हर जगह के लिए कर रहा है। वह हर जगह उस "स्थान" की तलाश करने की बात कर रहा है जहाँ परमेश्वर रहते हैं, जैसा कि उसने आयत 3 में वर्णित किया है। इसे दिखाने के लिए, आप आयत 8-9 के लिए एक आयत पुल बना सकते हैं। यह कुछ इस तरह कहा जा सकता है: "देखो, मैं सृष्टि में हर जगह जा सकता हूँ, और मैं परमेश्वर के काम करने के प्रमाण देख सकता हूँ, लेकिन मैं उसे व्यक्तिगत रूप से नहीं ढूँढ पाऊँगा"

देखें: संयुक्त पद

अथूब 23:9 (#1)

"जब वह बाई और काम करता है तब वह मुझे दिखाई नहीं देता"

कई व्याख्याकारों का मानना है कि जब अथूब उत्तर में परमेश्वर के काम करने का उल्लेख करता है, तो उसका अर्थ उत्तरी प्रकाश (औरोरा बोरेलिस) है। यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका

संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं उत्तरी प्रकाश को देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि ऐसी सुंदरता बनाने के लिए परमेश्वर अवश्य ही मौजूद होंगे, लेकिन अगर मैं उत्तर की ओर जाता, तो मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं देख पाता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 23:10 (#1)

"परन्तु वह जानता है, कि मैं कैसी चाल चला हूँ;"

अंग्रेजी अनुवाद में **चाल चला** के स्थान पर मार्ग शब्द का उपयोग हुआ है। अथूब इस बारे में बात कर रहा है कि वह किस तरह से जीवन जी रहा है, मानो वह कोई **मार्ग** हो जिस पर वह चल रहा हो। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं किस तरह से जीवन जी रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 23:10 (#2)

"और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूँगा।"

अथूब भूतकाल का प्रयोग किसी ऐसी बात को इंगित करने के लिए कर रहा है जिसके बारे में उसे आशा है कि भविष्य में ऐसा होगा। वह ऐसा यह वर्णन करने के लिए कर रहा है कि परिणाम के विषय में उनका क्या विश्वास है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप भविष्यकाल का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह मुझे परखेगा, तो मैं सोने के समान निकलूँगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

अथूब 23:10 (#3)

"और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूँगा।"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे असली सोने को ता लेने पर वह शुद्ध साबित होता है, वैसे ही परमेश्वर द्वारा अथूब को सुनने का अवसर देना यह दर्शाता है कि वह निर्दोष है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह मुझे परखेगा, तो यह दिखाएगा कि मैं निर्दोष हूँ, जैसे सोने को परखने से उसकी शुद्धता का पता चलता है"

देखें: उपमा

अथूब 23:11 (#1)

"मेरे पैर उसके मार्गों में स्थिर रहे;"

अंग्रेजी के अनुवाद में पैर के साथ थामने शब्द का उपयोग किया गया है। अथूब ऐसे बोल रहा है मानो उसने अपने पैर का इस्तेमाल हर उस जगह को थामने के लिए किया है जहाँ परमेश्वर ने कदम रखा था। उसका मतलब है कि वह ठीक उसी जगह चला है जहाँ परमेश्वर चला था, उसने अपने पैर ठीक उसी जगह रखे जहाँ परमेश्वर ने उसके पैर रखे थे। अथूब इस छवि का इस्तेमाल यह कहने के लिए कर रहा है कि उसने परमेश्वर की आज्ञा का ठीक से पालन किया है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने परमेश्वर की आज्ञा का ठीक से पालन किया है"

देखें: रूपक

अथूब 23:11 (#2)

"मैं उसी का मार्ग बिना मुड़े थामे रहा।"

अथूब यह बता रहा है कि परमेश्वर कैसा जीवन एक व्यक्ति को जीते हुए देखना चाहता है, मानो वह एक तरीका या **मार्ग** हो जिस पर व्यक्ति को चलना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने लगातार उसी तरह से जीवन जिया है जिस तरह से परमेश्वर चाहता है कि लोग जिएं"

देखें: रूपक

अथूब 23:12 (#1)

"उसकी आज्ञा का पालन करने से मैं न हटा"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह शारीरिक रूप से परमेश्वर की **आज्ञा** से दूर नहीं गया या उससे **हटा** नहीं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उसके होठों की आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया है" या, निश्चित रूप से, "मैंने उसके होठों की आज्ञा का पालन किया है"

देखें: रूपक

अथूब 23:12 (#2)

"और मैंने उसके वचन"

अथूब के द्वारा उपयोग किए गए **वचन** शब्द का अर्थ बोलना है, क्योंकि लोग बोलते समय अपने होठों का प्रयोग करते हैं।

यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस आज्ञा से जो उसने कही है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:12 (#3)

"और मैंने उसके वचन"

अथूब किसी खास वचन की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब सामान्य तौर पर परमेश्वर के वचनों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने जो आज्ञाएँ कही हैं"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 23:12 (#4)

"और मैंने उसके वचन"

अंग्रेजी अनुवाद में मुँह के वचन उल्लेखित है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथूब के द्वारा वचन शब्द का अर्थ परमेश्वर द्वारा दिए गये वचन है, और मुँह शब्द का अर्थ बोलना है, क्योंकि लोग बोलते समय अपने मुँह का इस्तेमाल करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मटदगार होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बातें उसके मुँह ने कही हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:12 (#5)

"और मैंने उसके वचन"

अंग्रेजी अनुवाद में मुँह के वचन उल्लेखित है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथूब परमेश्वर के एक भाग, उसके मुँह का उपयोग करके, बोलने की क्रिया में उसके सभी पहलुओं का अर्थ बता रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बातें उसने कही हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 23:12 (#6)

"अपनी इच्छा से कहीं अधिक"

इच्छा से, अथूब का तात्पर्य भोजन के अपने दैनिक भाग से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे द्वारा खाए जाने वाले भोजन से भी अधिक"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 23:13 (#1)

"एक ही बात पर अड़ा"

अथूब एक ऐसा शब्द छोड़ रहा है जिसकी कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए जरूरत होती है। संदर्भ से पता चलता है कि अथूब का मतलब है कि परमेश्वर एक मत के हैं, यानी उन्होंने एक बात का निश्चयपूर्वक फैसला किया है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप छूटे हुए शब्द को जोड़ सकते हैं। आपकी भाषा में कोई स्वाभाविक अभिव्यक्ति हो सकती है जो इस संदर्भ के अनुकूल हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह एक मन का है"

देखें: पदलोप

अथूब 23:13 (#2)

"और कौन उसको उससे फिरा सकता है?"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो कोई व्यक्ति परमेश्वर को एक दिशा में जाने से रोककर उसे दूसरी दिशा में फिरा दे रहा है। वह किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बोल रहा है जो परमेश्वर को अपना मन बदलने पर मजबूर कर सकता है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कौन उसे अपना मन बदलने पर मजबूर करेगा"

देखें: रूपक

अथूब 23:13 (#3)

"और कौन उसको उससे फिरा सकता है?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी उसे वापस नहीं मोड़ सकता" या "और कोई भी उसे अपना मन बदलने के लिए मजबूर नहीं कर सकता"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 23:13 (#4)

"जो कुछ उसका जी चाहता है वही वह करता है।"

अथूब परमेश्वर के एक भाग, उसके जी, का उपयोग परमेश्वर के सभी भागों के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह कुछ करना चाहता है, और वह इसे करता है" या "क्योंकि वह जो चाहता है वही करता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 23:14 (#1)

"जो कुछ मेरे लिये उसने ठाना है"

अंग्रेजी अनुवाद में **ठाना** शब्द के स्थान में 'आदेश' शब्द आया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि परमेश्वर ने उसके लिए क्या **आदेश** दिया है, न कि वह **आदेश** जो उसने स्वयं बनाया है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने मेरे लिए क्या आदेश दिया है" या "उसने मेरे साथ क्या करने का निर्णय लिया है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 23:14 (#2)

"जो कुछ मेरे लिये उसने ठाना है"

सर्वनाम जो कुछ संभवतः उन कष्टों को संदर्भित करता है जो अथूब पहले से ही अनुभव कर रहा है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि मेरे वर्तमान कष्ट उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं तो वह मुझे और भी कई कष्टों से पीड़ित करने में सक्षम है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 23:15 (#1)

"इस कारण मैं उसके समुख घबरा जाता हूँ;"

यहाँ **समुख** शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी व्यक्ति का मुख देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उसकी उपस्थिति में रहने से बहुत डरता हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:15 (#2)

"जब मैं सोचता हूँ"

अथूब स्पष्ट रूप से उस समय का उल्लेख कर रहा है जब वह **सोच सकता** था कि परमेश्वर उसके साथ क्या कर सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सोच रहा हूँ कि परमेश्वर मेरे साथ क्या कर सकता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 23:16 (#1)

"क्योंकि मेरा मन परमेश्वर ही ने कच्चा कर दिया"

यहाँ, मन भावनाओं और विशेष रूप से साहस की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। अथूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर ने सबमुच उसका मन **कच्चा** बना दिया हो। उसका मतलब है कि परमेश्वर ने उसे हिम्मत खोने पर मजबूर कर दिया है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर ने मुझे हिम्मत खोने पर मजबूर कर दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 23:17 (#1)

"क्योंकि"

अथूब ने पिछले दो आयतों में जिस कारण का वर्णन किया है, उसका परिचय देने के लिए शब्द '**क्योंकि**' का प्रयोग किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर से भयभीत हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 23:17 (#2)

""

अंग्रेजी अनुवाद में "मैं अलग नहीं किया गया" वाक्य का अतिरिक्त उपयोग किया गया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे अलग नहीं किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 23:17 (#3)

...

अंग्रेजी अनुवाद में "मैं अलग नहीं किया गया" वाक्य का अतिरिक्त उपयोग किया गया है जो हिंदी अनुवाद में नहीं पाया जाता है। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि उन्हें सचमुच **अलग कर दिया गया** हो, जैसे कि उदाहरण के लिए, वह पेड़ की एक डाली हों। वह मरने के बारे में बात कर रहे हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं नहीं मरा" या "परमेश्वर ने मुझे मरने नहीं दिया।"

देखें: रूपक

अथूब 23:17 (#4)

"और घोर अंधकार ने मेरे मुँह को ढाँप लिया है।"

इस उदाहरण में, वाक्यांश **मुँह** का अर्थ "सामने" या "समुख" है। यह स्थान के बजाय समय को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार के समय से पहले" या "अंधकार आने से पहले"।

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:17 (#5)

"और घोर अंधकार ने मेरे मुँह को ढाँप लिया है।"

अथूब मुसीबतों को दर्शनी के लिए अंधकार शब्द का इस्तेमाल कर रहा है। देखें कि आपने [20:26](#) में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "इन मुसीबतों के शुरू होने से पहले"

देखें: रूपक

अथूब 23:17 (#6)

"और घोर अंधकार ने मेरे मुँह को ढाँप लिया है।"

इस उदाहरण में, वाक्यांश ****मेरे मुँह को**** का अर्थ "सामने" होता है। यह स्थान या समय दोनों को संदर्भित कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अंधकार मेरे सामने की हर चीज़ को ढक लेता है" या "और अंधकार मेरे भविष्य में होने वाली हर चीज़ को ढक लेता है।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 23:17 (#7)

"और घोर अंधकार ने मेरे मुँह को ढाँप लिया है"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो अंधकार सचमुच उसके सामने की हर चीज़ को या भविष्य में उसके साथ होने वाली हर चीज़ को ढक रहा हो। वह **अंधकार** का इस्तेमाल, जैसे कि पहले पद में **अंधकार** का उपयोग हुआ है, मुसीबतों को दर्शनी के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जहाँ भी मैं देखता हूँ वहाँ मुसीबत है" या "और मैं केवल यह अनुमान लगा सकता हूँ कि मेरे साथ और भी मुसीबतें होंगी"

देखें: रूपक

अथूब 24 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय एलीपज के तीसरे और अंतिम भाषण के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया की निरंतरता है। अथूब की प्रतिक्रिया पिछले अध्याय में आरंभ हुई थी।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

दुष्ट लोगों पर परमेश्वर का न्याय

पद 1-17 में, अथूब विरोध करता है कि परमेश्वर दुष्टों का न्याय नहीं करते। वह दुष्टों द्वारा कमज़ोर, निर्दोष लोगों पर किए जाने वाले कई अत्याचारों का ज़िक्र करता है, और शिकायत करता है कि परमेश्वर ऐसे व्यवहार करते हैं मानो उन कामों में कुछ भी ग़लत न हो। लेकिन पद 18-24 में, अथूब वर्णन करता है कि परमेश्वर वास्तव में दुष्टों का न्याय कैसे करते हैं। इस स्पष्ट विरोधाभास का एक स्पष्टीकरण है। पूरे भाषण में, अथूब कह रहा है कि वह जानता है कि परमेश्वर अंत में दुष्टों का न्याय करेंगे, लेकिन उसे इस बात का बहुत दुःख है कि परमेश्वर अभी उनका न्याय और दण्ड नहीं देता ताकि वे कमज़ोर लोगों पर अत्याचार करना जारी न रख सकें। अपने अनुवाद में, आप ऐसी भाषा का प्रयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाएँ कि अथूब अध्याय के दोनों भागों में जो कहता है उस पर दृढ़ता से विश्वास करता है, क्योंकि वास्तव में उसका यह कहना सुसंगत है कि परमेश्वर अभी दुष्टों का न्याय नहीं करते और कि अंततः परमेश्वर ही दुष्टों का न्याय करेंगे। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि एक मिथ्याभास है, और बाइबल अन्य अंशों में भी इसका उल्लेख करती है। उदाहरण के लिए, [सभोपदेशक 8:11](#) कहता है कि चूँकि परमेश्वर ग़लत काम करने वालों को तुरंत सज़ा नहीं देते, इसलिए लोगों को लगता

है कि वे गलत काम करके भी बच निकलेंगे। लेकिन सभोपदेशक अगले पद में आगे कहता है कि अगर एक पापी सौ बुरे काम करके लंबी उम्र जी भी ले, तो भी परमेश्वर की आज्ञा मानना बेहतर है।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

"वे" के बदलते संदर्भ

अथूब इस पूरे अध्याय में "वे" शब्द का प्रयोग दुष्ट लोगों और उन गरीब लोगों, जिनका वे शोषण करते हैं, दोनों के लिए करता है। वह अक्सर यह नहीं बताता कि वह कब इस शब्द का संदर्भ बदल रहा है। टिप्पणी प्रत्येक पद में संदर्भ को दर्शाती है। अपने अनुवाद में, अपने पाठकों की सहायता के लिए, आप हर बार संदर्भ बदलने पर "दुष्ट लोग" या "गरीब लोग" निर्दिष्ट कर सकते हैं।

अथूब 24:1 (#1)

"सर्वशक्तिमान ने दुष्टों के न्याय के लिए समय क्यों नहीं ठहराया"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समय सर्वशक्तिमान द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए! जो उन्हें जानते हैं, उन्हें उनके दिन देखने चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 24:1 (#2)

"सर्वशक्तिमान ने"- "समय क्यों नहीं ठहराया"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान समय क्यों निर्धारित नहीं करते" या, एक विस्मयादिबोधक के रूप में, "सर्वशक्तिमान को समय निर्धारित करना चाहिए!"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:1 (#3)

"समय"

अथूब का अर्थ यहाँ न्याय के समय से है। (देखें अध्याय 23 के सामान्य टिप्पणियों में कैसे इस्त्राएल के न्यायी नियुक्त समय

पर विशेष स्थानों पर आते थे।) यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय के समय"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:1 (#4)

"और जो लोग उसका ज्ञान रखते हैं वे उसके दिन क्यों देखने नहीं पाते?"

इस सन्दर्भ में, देखने का अर्थ अनुभव करना है। देखें कि आपने 7:7 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो लोग उन्हें जानते हैं, वे उनके दिन क्यों नहीं अनुभव करते?"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:1 (#5)

"उसके दिन"

अथूब का अर्थ अप्रत्यक्ष रूप से उन दिनों से है जिन में परमेश्वर दुष्ट लोगों का न्याय करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे दिन जिन में परमेश्वर दुष्ट लोगों का न्याय करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:2 (#1)

"कुछ लोग भूमि की सीमा को बढ़ाते"

सर्वनाम कुछ लोग दुष्ट लोगों को सन्दर्भित करता है, न कि "जो परमेश्वर को जानते हैं" जैसा कि पिछले पद में है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। यही सन्दर्भ अगले दो पदों में भी जारी रहता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग सीमा चिह्न हटाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:2 (#2)

"कुछ लोग भूमि की सीमा को बढ़ाते"

अथूब का अर्थ है कि दुष्ट लोग दूसरों की भूमि चुराते हैं सीमा को हटाकर, जो सम्पत्ति की सीमाओं को दर्शाते हैं, और यह तर्क देते हैं कि उनकी सम्पत्ति उनके पड़ोसी की भूमि में जितनी वास्तव में है उससे अधिक फैली हुई है। यदि यह

आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सीमा चिन्हों को हटाकर दूसरों की भूमि चुराते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:2 (#3)

"भेड़-बकरियाँ छीनकर चराते हैं।"

अथूब किसी विशेष भेड़-बकरियों का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य रूप में उन झुंडों से है जिन्हें दुष्ट लोग विधवाओं और अनाथों जैसे कमज़ोर लोगों से चुरा लेते हैं, जिनका वे अगले पद में विशेष रूप से नाम लेते हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूपों का उपयोग करके व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे झुंडों को जब्त करते हैं और उन्हें चराते हैं।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:2 (#4)

"और"- "चराते हैं"

अथूब का अर्थ है कि दुष्ट लोग दूसरों के झुण्ड चुरा लेते हैं और उन्हें अपने झुण्ड के साथ चराते हैं जैसे कि वे हमेशा से उनके ही थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दूसरों के मर्वेशियों को अपने साथ मिला लेते हैं जैसे कि वे उनके ही थे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:3 (#1)

"वे अनाथों का गदहा हाँक ले जाते,"

अथूब किसी विशेष गदहों, अनाथ व्यक्ति, बैल, या विधवा का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप से उन पशुओं और लोगों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग उन गधों को ले जाते हैं जो अनाथों के हैं; वे विधवाओं के बैलों को गिरवी रख लेते हैं।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:3 (#2)

"अनाथों"

अथूब विशेषण अनाथों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष समूह के लोगों को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बच्चे जिनके पिता का निधन हो चुका है" या "अनाथ"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:3 (#3)

"बन्धक कर रखते हैं"

[22:6](#) पर दी गई टिप्पणी को देखें, जहाँ सम्पत्ति को **बन्धक (गिरवी)** रखने की सांस्कृतिक प्रथा के बारे में चर्चा की गई है। देखें कि आपने वहाँ समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:4 (#1)

"वे दरिद्र लोगों को मार्ग से हटा देते"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि दरिद्र लोग मुख्य सड़क या मार्ग पर चलने से बचते हैं ताकि उन दुष्ट लोगों से बच सकें जो उनका शोषण करते हैं। इस अर्थ में, ऐसा लगता है जैसे दुष्ट लोग सक्रिय रूप से दरिद्र लोगों को मार्ग से दूर कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग मुख्य मार्गों से दूर रहते हैं ताकि दुष्ट लोगों से बच सकें" (2) कि दुष्ट लोग मार्ग पर दरिद्र लोगों को धक्का देते हैं ताकि वे उनसे आगे बढ़ सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग मार्ग पर दरिद्र लोगों को धक्का देते हैं ताकि वे उनसे आगे बढ़ सकें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:4 (#2)

"दरिद्र लोगों" - "दीनों को"

अथूब विशेषणों **दरिद्र** और **दीनों** का उपयोग कुछ समूहों के लोगों के लिए संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जरूरतमंद लोग ... और गरीब लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:4 (#3)

"देश के दीनों को इकट्ठे छिपना पड़ता है।"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। दुष्ट लोग निहित करता हैं। अथूब केवल यह नहीं कह रहे हैं कि दरिद्र लोग दुष्टों से बचने के लिए खुद को छिपाते हैं; बल्कि यह कि दुष्ट लोग उन्हें उत्पीड़न से बचने के लिए छिपने पर मजबूर कर देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देश के सभी दीन लोगों को उन दुष्ट लोगों से बचने के लिए छिपना पड़ता है जो उन्हें उत्पीड़ित करेंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:5 (#1)

"दीन लोग जंगली गदहों के समान अपने काम को"-
"निकल जाते हैं"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि दुष्ट अत्याचारी लोगों से बचने की आवश्यकता दरिद्र लोगों को मनुष्य समाज से बहुत दूर जाने के लिए मजबूर करती है, जैसे जंगल में जंगली गदहे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे जंगल में जंगली गधे, मनुष्य समाज से बहुत दूर,"

देखें: उपमा

अथूब 24:5 (#2)

"निकल जाते हैं।"

यहाँ और पद 8 तक, सर्वनाम वे दीन लोगों को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दीन लोग निकल जाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:5 (#3)

"उनके बच्चों का भोजन"

सर्वनाम उनके किसी विशेष दीन व्यक्ति को सन्दर्भित नहीं करता है। अथूब का अर्थ सामान्य रूप से दीन लोगों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन

रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चों के लिए रोटी प्रदान करते हैं।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:5 (#4)

"उनके बच्चों का भोजन"

मूल भाषा में यहाँ रोटी शब्द आया है, अथूब एक प्रकार के भोजन, रोटी, का उपयोग सामान्य भोजन के रूप में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं, या आप उस प्रकार के भोजन का नाम ले सकते हैं जो लोग अराबा या मरुभूमि में पाएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उनके बच्चों को खिलाने के लिए जड़े और जड़ी-बूटियाँ प्रदान करते हैं।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 24:6 (#1)

""उनको खेत में चारा काटना"- "पड़ता है"

सर्वनाम उनको सन्दर्भित कर सकता है: (1) दुष्ट व्यक्ति जिसे अथूब ने पद के दूसरे भाग में उल्लेख किया है। यदि यही अर्थ है, तो पद के पहले भाग में दुष्ट व्यक्ति का उल्लेख करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दीन लोग अपने पशुओं के लिए चारा उस दुष्ट व्यक्ति के खेत से इकट्ठा करते हैं, और वे उसकी दाख की बारी में बीनते हैं।" (2) एक दीन व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "इन दीन लोगों में से प्रत्येक अपने चारे को खेत में इकट्ठा करता है, और वे सभी दुष्ट की दाख की बारी में बीनते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:6 (#2)

"और दुष्टों की"- "दाख"

अथूब विशेषण दुष्टों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक दुष्ट व्यक्ति की दाख की बारी"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:6 (#3)**"और दुष्टों की"- "दाख"**

अथूब किसी विशेष दुष्ट व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप से दुष्ट लोगों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और दुष्ट लोगों दाख की बारी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:7 (#1)**"नंगे"**

जैसा कि 22:6 में है, यहाँ नंगे शब्द का अर्थ बिना किसी वस्तु के नहीं है। बल्कि, जैसा कि सन्दर्भ से पता चलता है, इसका अर्थ है पर्याप्त वस्तु के बिना, इस मामले में बिना बाहरी वस्तु के जो कंबल के रूप में भी काम करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुले"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:7 (#2)**"बिना वस्तु"**

अथूब जिन दीन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, वे बिना वस्तु हो सकते हैं क्योंकि: (1) दुष्ट लोगों ने उनके बाहरी वस्तु गिरवी रख लिए हैं और उन्हें वापस नहीं किया है, जैसा कि एलीपज ने 22:6 में वर्णन किया है। यह सन्दर्भ के अनुकूल होगा, जिसमें अथूब यह बता रहे हैं कि दुष्ट लोग दीन लोगों पर कैसे अत्याचार करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना वस्तु क्योंकि दुष्ट लोगों ने उनके वस्तु गिरवी रख लिए हैं और उन्हें वापस नहीं किया है" (2) वे इतने दरिद्र हैं कि बाहरी वस्तु खरीदने में असमर्थ हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना बाहरी वस्तु क्योंकि वे इतने दरिद्र हो गए हैं कि उन्हें खरीदने में असमर्थ हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:8 (#1)**"और शरण न पाकर"**

इस उदाहरण में, न पाकर शब्द का अर्थ है "किसी अन्य के बिना।" यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्योंकि उनके पास कोई अन्य आश्रय नहीं है,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:8 (#2)**"चट्टान से लिपट जाते हैं।"**

अथूब किसी विशेष चट्टान का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य चट्टानों की बात कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे चट्टानों को गले लगाते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:8 (#3)**"चट्टान से लिपट जाते हैं।"**

अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि दीन लोग बारिश से बचने के लिए चट्टानों के पास सटकर बैठ जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे चट्टानों के पास सटकर बैठ जाते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:9 (#1)**"छीन लेते हैं" - "बन्धक लेते हैं"**

मूल भाषा में पद के पहले भाग में सर्वनाम वे और पद के दूसरे भाग में सर्वनाम वे दुष्ट लोगों को संदर्भित करते हैं, जिसका इस्तेमाल हिंदी अनुवाद में नहीं हुआ है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग छीन लेते हैं ... दुष्ट लोग एक प्रतिज्ञा बांधते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:9 (#2)**"अनाथ" - "दीन"**

अथूब विशेषण अनाथ और दीन का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पिता-विहीन बच्चे ... दरिद्र

लोग" या "जिन बच्चों के पिता का निधन हो गया है ... जो लोग दरिद्र हैं।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 24:9 (#3)

"कुछ दुष्ट लोग अनाथ बालक को माँ की छाती पर से छीन लेते हैं"

अथ्यूब का तात्पर्य है कि दुष्ट लोग अनाथ बच्चों को उनकी माँ की छाती से छीन लेते हैं, अर्थात् जब वे दूध पी रहे होते हैं, तो बच्चों को कर्ज के भुगतान में गुलाम के रूप में दावा करने के लिए ऐसा करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि दुष्ट लोग शिशुओं को उनकी माँ से छीन लेते हैं जब वे दूध पी रहे होते हैं, ताकि उन्हें ऋण के बदले दास बना सकें।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 24:9 (#4)

"और दीन लोगों से बन्धक लेते हैं"

देखें की आपने [22:6](#) में इसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे गरीबों से ऋण के लिए उनके बाहरी वस्त्रों को गिरवी के रूप में लेने की माँग करते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 24:10 (#1)

"वे फिरते हैं" - "ढोते हैं"

पद के पहले भाग में सर्वनाम वे और पद के दूसरे भाग में सर्वनाम वे दरिद्र लोगों को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग घूमते हैं ... दरिद्र लोग ढोते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 24:10 (#2)

"वे बिना वस्त नंगे फिरते हैं"

जैसा कि [22:6](#) में है, यहाँ नंगे शब्द का अर्थ बिना किसी वस्त के नहीं है। अथ्यूब उस परिणाम का वर्णन कर रहे हैं जो

उन्होंने पिछले पद के अन्त में कहा था, कि दुष्ट लोग दरिद्र से "गिरवी" रखवाते हैं, अर्थात् वे ऋण के बदले उनके बाहरी वस्त ले लेते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि दुष्ट लोग उनके बाहरी वस्तों को गिरवी रख लेते हैं, इसलिए वे मौसम की मार सहते हुए अधोवस्त में ही घूमते हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त वस्त नहीं होते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 24:10 (#3)

"और भूख के मारे, पूलियाँ ढोते हैं"

अथ्यूब किसी विशेष **पूलियाँ** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य पूलियों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और, भूखे, वे पूले ले जाते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 24:10 (#4)

"और भूख के मारे, पूलियाँ ढोते हैं"

अथ्यूब कह रहा है कि गरीब लोगों को दुष्ट लोगों के खेतों में अनाज की कटाई करके, दिन भर मज़दूरी करके अपना पेट भरने के लिए पैसे कमाने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन वे दीन लोग फिर भी भूखे रहते हैं, भले ही उनके चारों ओर इतना सारा भोजन हो, क्योंकि दुष्ट लोग अपने मजदूरों को उचित रूप से भुगतान या भोजन नहीं देते। आप अपने पाठकों के लिए यह संकेत कर सकते हैं कि "और वे भूखे रहते हैं, भले ही वे कटाई का काम करते हैं, क्योंकि जिन दुष्ट लोगों के खेतों में वे कटाई कर रहे हैं, वे उन्हें उचित रूप से भुगतान या भोजन नहीं देते।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 24:11 (#1)

"वे दुष्टों की दीवारों के भीतर तेल पेरते"

इस पद में, सर्वनाम वे दरिद्र लोगों को सन्दर्भित करता है और सर्वनाम उनके दुष्ट लोगों को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोगों की दीवारों के भीतर, दरिद्र

लोग तेल निकालते हैं; दरिद्र लोग दुष्ट लोगों के अंगूर के रस को निकालते हैं, लेकिन वे दरिद्र लोग प्यासे रहते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:11 (#2)

"वे... तेल पेरते"

अथूब उस तरीके का जिक्र कर रहे हैं जिससे मजदूर जैतून से तेल पेरते थे, जो इस संस्कृति में एक मुख्य भोजन था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। यदि आपके पाठक जैतून से परिचित नहीं हैं, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जैतून से तेल निकालते हैं" या "वे पौधों से तेल निकालने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:11 (#3)

"उनके कुण्डों में दाख रौदते हुए भी प्यासे रहते हैं"

अथूब यहाँ पर टिप्पणी कर रहे हैं कि कैसे दुष्ट लोग दरिद्र लोगों से अपने दाख रौदते हुए रस निकलवाते हैं लेकिन फिर उन्हें पीने के लिए कोई दाखरस नहीं देते। (इस संस्कृति में, पानी अक्सर पीने के लिए असुरक्षित होता था। लोग अपनी प्यास बुझाने के लिए दाखरस पीते थे, और क्योंकि दाखरस में मदिरा की मात्रा कम होती थी, वे बिना नशे में आए ऐसा कर सकते थे। अथूब यह नहीं कह रहे हैं कि दुष्ट लोगों को दरिद्र लोगों को दाखरस देना चाहिए ताकि वे नशे में आ सकें, बल्कि यह कि उन्हें अपनी प्यास बुझाने के लिए दाखरस देना चाहिए था।) देखें कि आपने पिछले पद में निहित अर्थ को कैसे व्यक्त किया, जहाँ अथूब ने वर्णन किया कि कैसे दरिद्र लोग अनाज ढोते हैं लेकिन भूखे रहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: 'वे प्यासे हैं, भले ही वे दाख से कुण्डों में रस निकलने का काम करते हैं, क्योंकि कुण्डों के दुष्ट मालिक लोग उन्हें प्यास बुझाने के लिए कोई दाखरस नहीं देते।'

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:12 (#1)

"वे"

यहाँ पर शब्द 'वे' का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग

कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष और स्त्रियाँ"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 24:12 (#2)

"और घायल किए हुओं का जी दुहाई देता है"

अथूब विशेषण घायल का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घायल लोगों का प्राण पुकारता है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:12 (#3)

"और घायल किए हुओं का जी दुहाई देता है"

अथूब एक घायल व्यक्ति के एक हिस्से, उसके जी, का उपयोग पूरे व्यक्ति के रोने के कार्य को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घायल लोग पुकारते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 24:12 (#4)

"और घायल किए हुओं का जी दुहाई देता है"

अथूब का अर्थ है कि ये लोग परमेश्वर से न्याय की याचना कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घायल लोग परमेश्वर से न्याय की याचना करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:12 (#5)

"परन्तु परमेश्वर मूर्खता का हिसाब नहीं लेता"

अथूब का तात्पर्य है कि ऐसा प्रतीत होता है कि परमेश्वर को दुष्ट लोगों के कार्यों में कुछ भी गलत नहीं लगता, और इसलिए परमेश्वर दरिद्र लोगों की न्याय की पुकारों के उत्तर में उन्हें दण्डित नहीं करते। आप अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट

करने के लिए अपने अनुवाद में यह संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन परमेश्वर उन दुष्ट लोगों को दण्डित नहीं करते जिन्होंने दरिद्र को कष्ट दिया है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:13 (#1)

"कुछ लोग" - "वे नहीं पहचानते" - "और न बने रहते हैं"

पद की शुरुआत में सर्वनाम कुछ लोग और बाद में पद में सर्वनाम वे उन दुष्ट लोगों का उल्लेख करते हैं जिनका वर्णन अथूब कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ये दुष्ट ... ये दुष्ट लोग ... और वे नहीं टिकते"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:13 (#2)

"उजियाले से बैर"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उजियाला एक व्यक्ति हो और ये दुष्ट लोग इससे बैर कर रहे हों। अथूब उजियाले का उपयोग यह दर्शनि के लिए कर रहे हैं कि परमेश्वर ने मनुष्यों को उनके जीवन जीने के तरीके के बारे में क्या प्रकट किया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के नैतिक प्रकाश के खिलाफ"

देखें: रूपक

अथूब 24:13 (#3)

"वे उसके मार्गों को नहीं पहचानते"

अथूब इस तरह बोल रहे हैं जैसे उजियाले ने कुछ मार्ग और पथ बनाए हैं जिन पर लोगों को चलना चाहिए। उनका अर्थ है कि परमेश्वर का प्रकाश लोगों को दिखाता है कि उन्हें अपने जीवन का चाल-चलन कैसे करना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उस जीवन के तरीके को नहीं पहचानते जो परमेश्वर ने लोगों को दिखाया है कि उन्हें उसका पालन करना चाहिए; नहीं, वे एक अलग तरीके से जीते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 24:13 (#4)

"वे उसके मार्गों को नहीं पहचानते"

यहाँ पहचानते शब्द का अर्थ "देखना" है, जिसमें स्वीकृति के साथ देखने का भाव है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उसके मार्गों की प्रशंसा नहीं करते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:13 (#5)

"और न उसके मार्गों में बने रहते हैं"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक सकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे उसके मार्गों को छोड़ देते हैं।"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 24:14 (#1)

"पौ फटते"

यह अभिव्यक्ति पौ फटते उस समय का वर्णन करती है जब दिन बस शुरू ही हो रही होती है। इतनी रोशनी होती है कि खूनी देख सके, लेकिन इतनी नहीं कि उसे पहचाना जा सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुबह की हल्की रोशनी में,"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:14 (#2)

"खूनी"- "उठकर"

अथूब किसी विशेष खूनी का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप से खूनियों को सन्दर्भित कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हत्यारे उठते हैं; वे मारते हैं ... वे चोरों की तरह हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:14 (#3)

"दीन दरिद्र मनुष्य"

अथूब विशेषण दीन और दरिद्र का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी

विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग और जरूरतमंद लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:14 (#4)

"दीन दरिद्र मनुष्य"

शब्द **दरिद्र** और **दीन** समान अर्थ रखते हैं। अथूब जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यन्त दरिद्र लोग"

देखें: द्विरावृत्ति

अथूब 24:14 (#5)

"और रात को चोर बन जाता है"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि **खूनी गिरफ्तारी** से बच जाता है क्योंकि वह अपना अपराध धुंधली रोशनी में और उस समय करता है जब लोग सो रहे होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह रात में एक चोर की तरह है, जिसे कोई भी उसका अपराध करते हुए नहीं देखता।"

देखें: उपमा

अथूब 24:15 (#1)

"व्यभिचारी... देखता रहता है"

अथूब **व्यभिचारी** के एक अंग, उसकी आँख, का उपयोग पूरे व्यक्ति के देखने के कार्य को दर्शने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और व्यभिचारी"

देखें: उपलक्षण

अथूब 24:15 (#2)

"व्यभिचारी"

अथूब किसी विशेष **व्यभिचारी** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह उस व्यवहार का वर्णन कर रहे हैं जो किसी भी व्यभिचारी

के लिए सामान्य होता है। आपकी भाषा में **व्यभिचारी** को अनिश्चित संज्ञा बनाना अधिक स्वाभाविक हो सकता है बजाय निश्चित संज्ञा के। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यभिचारी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:15 (#3)

"यह सोचकर कि कोई मुझ को देखने न पाए"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप से कह रहा है कि कोई उसे नहीं देखेगा"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

अथूब 24:15 (#4)

"कोई मुझ को देखने न पाए"

विशिष्ट व्यभिचारी किसी ऐसे व्यक्ति के एक एक अंग, उसकी आँख, का उपयोग कर रहा है, जो उसे **देख** सकता है, और यह पूरे व्यक्ति को **देखने** के कार्य के रूप में दर्शा रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई मुझे नहीं देखेगा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 24:15 (#5)

"और वह अपना मुँह छिपाए भी रखता है"

अथूब यहाँ किसी ऐसे **छिपने** की बात नहीं कर रहे हैं जो **व्यभिचारी** को देखने से रोक सके। वह एक भेष की बात कर रहे हैं जिसका उद्देश्य लोगों को यह पहचानने से रोकना है कि व्यभिचारी कौन है। आप इसे अपनी संस्कृति में परिचित तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपने कपड़े से अपना चेहरा ढक लेता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:16 (#1)

"वे... घरों में सेंध मारते"

सर्वनाम वे दुष्ट व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। चूँकि, जैसा कि बाकी पद से पता चलता है कि अथूब वास्तव में दुष्ट लोगों

के सामान्य व्यवहार का वर्णन कर कर रहे हैं, आप बहुवचन शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग घरों में घुसते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:16 (#2)

"वे अंधियारे के समय घरों में सेंध मारते"

इस संस्कृति में, घर मिट्टी या धूप में सुखाई गई ईंट से बने होते थे, इसलिए चोर आसानी से एक दीवार को खोदकर घर में प्रवेश कर सकते थे। यदि आपकी संस्कृति में घर अलग सामग्री से बने होते हैं जिनमें चोर खोद नहीं सकते, तो आप अपने अनुवाद में एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग घरों में सेंध लगाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:16 (#3)

"छिपे रहते हैं"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है "वे घर के अन्दर रहते हैं।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे घर के अन्दर रहते हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:16 (#4)

"वे उजियाले को जानते भी नहीं"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि दुष्ट लोग उजियाले से परिचित नहीं होते, और इसका कारण यह है कि वे तब अपने घरों से बाहर नहीं निकलते जब उजियाला होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तब बाहर नहीं निकलते जब प्रकाश होता है"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:16 (#5)

"वे उजियाले को जानते भी नहीं"

यहाँ उजियाले शब्द का अर्थ शाब्दिक है, क्योंकि अथूब इसे दिन के रूप में उपयोग कर रहे हैं, लेकिन इसमें नैतिक अर्थ

भी है, जैसा कि पद 13 में है, जहाँ अथूब ने कहा कि दुष्ट लोग उजियाले से बैर करते हैं, जिसका अर्थ है परमेश्वर का प्रकाश। यदि आपकी भाषा में "उजियाले" के लिए कोई ऐसा शब्द है जिसमें ये नैतिक अर्थ भी शामिल हैं, तो इसे आपके अनुवाद में यहाँ उपयोग करना उपयुक्त होगा।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:17 (#1)

"क्योंकि उन सभी को भोर"

अथूब क्योंकि शब्द का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि उन्होंने पिछले पद में क्यों कहा कि दुष्ट लोग दिन के समय बाहर नहीं जाते। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बाहर नहीं जाते क्योंकि उनके लिए सुबह"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 24:17 (#2)

"उन सभी को भोर का प्रकाश घर अंधकार सा जान पड़ता है"

अथूब यह कह रहे हैं कि भोर का प्रकाश वास्तव में दुष्ट लोगों के लिए घोर अन्धकार है। उनका अर्थ है कि वे सुबह से डरते हैं और उसे टालते हैं, जैसे ईमानदार लोग रात से डरते हैं और उसे टालते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सुबह से ऐसे डरते हैं जैसे वह गहरा अन्धकार हो।"

देखें: रूपक

अथूब 24:17 (#3)

"घोर अंधकार का भय वे जानते हैं"

सर्वनाम वे का सन्दर्भ दुष्ट लोगों से है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोगों के लिए ... उनमें से प्रत्येक के लिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:17 (#4)

"जानते हैं"

जैसा कि 24:13 में है, यहाँ जानते शब्द का अर्थ है "देखते हैं" इस संकेत के साथ कि वे स्वीकृति के साथ देखते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनमें से प्रत्येक मानते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:18 (#1)

"वे जल के ऊपर हलकी सी वस्तु के सरीखे हैं"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणीयों में चर्चा की गई है, अपने भाषण के इस बिन्दु पर, अथूब अप्रत्यक्ष रूप से दुष्ट लोगों की वर्तमान स्थिति और उनके अन्तिम भाग के बीच एक विरोधाभास खींचना शुरू करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी, वे हलके हैं"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथूब 24:18 (#2)

"वे जल के ऊपर हलकी सी वस्तु के सरीखे हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह जल के ऊपर वास्तव में हलके हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पानी की सतह पर हलके हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:18 (#3)

"वे जल के ऊपर हलकी सी वस्तु के सरीखे हैं"

अथूब यह कह रहे हैं कि दुष्ट लोग सचमुच ऐसे होते हैं जैसे कोई मलबा जो किसी धारा या नदी के पानी पर तैरता हो और तेजी से नीचे की ओर बह जाता हो। उनका अर्थ है कि दुष्ट लोग केवल थोड़े समय के लिए फलते-फूलते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। चूँकि अथूब अगले वाक्य में दुष्ट लोगों के बारे में बहुवचन में बात करता है, इसलिए आप इस वाक्य में भी बहुवचन का उपयोग करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग थोड़े समय के लिए ही फलते-फूलते हैं, फिर वे गायब हो जाते हैं, जैसे मलबा पानी के बहाव के साथ तेज़ी से बह जाता है"

देखें: रूपक

अथूब 24:18 (#4)

"और वे अपनी दाख की बारियों में लौटने नहीं पाते"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि कोई भी दुष्ट लोगों की दाख की बारियों में काम करने नहीं जाता। चूँकि अथूब ने पद 13 में कहा कि दरिद्र लोग उनकी दाख की बारियों में काम करते हैं, वह यहाँ भविष्य में दुष्ट लोगों के साथ क्या होगा, इसके बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी दाख की बारियां त्याग दी जाएंगी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 24:19 (#1)

"...जैसे सूखे और धूप से हिम का जल सूख जाता है"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। अथूब एक तुलना कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे सूखा और गर्मी बर्फ के पानी को समाप्त कर देते हैं, वैसे ही अधोलोक उन लोगों को समाप्त कर देता है जिन्होंने पाप किया है।"

देखें: पदलोप

अथूब 24:19 (#2)

"हिम का जल सूख जाता है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे गर्मी के मौसम में, सूखा और गर्मी पहाड़ों में पिघली हुई हिम के जल को वास्तव में सुखा देते हैं। उनका अर्थ है कि गर्मी इन जलों को वाष्पित कर देती है। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पिघली हुई बर्फ के जल को वाष्पित कर देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 24:20 (#1)

"माता भी उसको भूल जाती"

सर्वनाम उसको और उसे एक दुष्ट व्यक्ति को सन्दर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "माता भी दुष्ट व्यक्ति को भूल जाएंगी, कीड़े उस व्यक्ति को खाएंगे, उसे याद नहीं किया जाएगा।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 24:20 (#2)

"माता भी उसको भूल जाती"

मूल भाषा में यहाँ गर्भ शब्द आया है, अथ्यूब गर्भ शब्द का उपयोग उस माँ के सन्दर्भ में कर रहे हैं जिन्होने दुष्ट व्यक्ति को अपने गर्भ में धारण किया और उसे जन्म दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ तक दुष्ट व्यक्ति की बात है, यहाँ तक कि उसकी अपनी माँ भी उसे भूल जाएगी।"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 24:20 (#3)

"और कीड़े उसे चूसते हैं"

अनुवादित शब्द चूसते का अर्थ है आनन्द के साथ खाना। अथ्यूब एक व्यांगपूर्ण परिणाम का वर्णन कर रहे हैं जो दुष्ट लोग अनुभव करेंगे। अपने जीवन के दौरान, जैसा कि उन्होंने पहले कहा था, उनके पास तेल, दाखरस और अनाज था जिसका उन्होंने आनन्द लिया लेकिन दूसरों के साथ साझा नहीं किया। अब, मृत्यु के बाद, वे कीड़ों के लिए एक संतोषजनक भोजन प्रदान करते हैं जो उन्हें उनकी कब्रों में खाते हैं। आपकी भाषा में चूसते के समान एक शब्द हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: व्यंग

अथ्यूब 24:20 (#4)

"भविष्य में उसका स्मरण न रहेगा"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब कोई उन्हें याद नहीं करता और दुष्टता एक पेड़ की तरह होती है जिसे आंधी ने तोड़ दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 24:20 (#5)

"इस रीति टेढ़ा काम करनेवाला वृक्ष के समान कट जाता है"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे एक वृक्ष (उदाहरण के लिए, एक प्रबल आंधी के कारण) टूट सकता है, गिर सकता है और मर सकता है, वैसे ही एक दुष्ट व्यक्ति अपनी सम्पत्ति और प्रतिष्ठा को खो देगा और अन्ततः मृत्यु को प्राप्त होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक तूफान पेड़ को गिरा देता है और यह मर जाता है वैसे ही दुष्ट जन टूट जाता है।"

देखें: उपमा

अथ्यूब 24:21 (#1)

"वह बाँझ स्त्री को"- "लूटता"

सर्वनाम वह एक दुष्ट व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट व्यक्ति बाँझ को लूटता है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 24:21 (#2)

"वह"- "लूटता"

अथ्यूब ऐसा कह रहे हैं जैसे कि एक दुष्ट व्यक्ति सचमुच निःसंतान महिलाओं और विधवाओं को निगल जाएगा या खा जाएगा। उनका अर्थ है कि दुष्ट व्यक्ति उन्हें धोखा देगा और उनका शोषण करेगा, जैसा कि उन्होंने इस भाषण में पहले बताया था। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शोषण करने वाला"

देखें: रूपक

अथ्यूब 24:21 (#3)

"बाँझ स्त्री को जो कभी नहीं जनी"

अथ्यूब विशेषण बाँझ का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाँझ महिला, जो संतान नहीं जनी"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:21 (#4)**"बाँझ स्त्री को जो कभी नहीं जनी"**

यदि यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में अनावश्यक रूप से लम्बी या अस्वाभाविक लगती है, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाँझ स्त्री"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

अथूब 24:21 (#5)**"बाँझ स्त्री को जो कभी नहीं जनी"**

अथूब किसी विशेष बाँझ महिला का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य रूप उन महिलाओं से हैं जिनके बच्चे नहीं हुए हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "निःसंतान स्त्रियाँ"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:21 (#6)**"और विधवा से भलाई करना नहीं चाहता है"**

अथूब किसी विशेष विधवा का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह विधवाओं को सामान्य रूप से सन्दर्भित कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह विधवाओं के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 24:21 (#7)**"और विधवा से भलाई करना नहीं चाहता है"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसे एक सकारात्मक अभिव्यक्ति के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे विधवा स्त्री को नुकसान पहुँचाते हैं" या "और वे विधवाओं को नुकसान पहुँचाते हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 24:22 (#1)**"बलात्कारियों को भी परमेश्वर अपनी शक्ति से खींच लेता है"**

मूल भाषा में इस पद के पहले भाग में, सर्वनाम वह और उसका परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन परमेश्वर अपनी शक्ति से पराक्रमी को खींच लेते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:22 (#2)**"खींच लेता है"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उन लोगों को खींच लेते हैं जो बलात्कारी हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नष्ट कर देता है"

देखें: रूपक

अथूब 24:22 (#3)**"बलात्कारियों"**

अथूब विशेषण "बलात्कारियों" का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष दल के लोग हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""बलात्कारी लोग""

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 24:22 (#4)**"जो जीवित रहने की आशा नहीं रखता, वह भी फिर उठ बैठता है"**

अनुवादक इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि इस पद के दूसरे भाग में प्रयुक्त सर्वनाम वह किसकी ओर संकेत करता है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर बलात्कारियों के खिलाफ उठते हैं, ताकि उनमें से प्रत्येक यह समझ सके कि वे बर्बाद हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनके खिलाफ उठते हैं, ताकि उनमें से प्रत्येक जीवन से निराश हो जाए" (2) कि एक दुष्ट व्यक्ति कुछ समय के लिए उठता है या समृद्ध होता है, लैंकिन उसे लम्बे जीवन का कोई आश्वासन नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट व्यक्ति कुछ समय के लिए

समृद्ध हो सकता है, लेकिन उसे लम्बे जीवन का कोई आश्वासन नहीं है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:23 (#1)

"उन्हें ऐसे बेखटके कर देता है, कि वे सम्बले रहते हैं"

सर्वनाम उसकी परमेश्वर को सन्दर्भित करता है, और सर्वनाम उन्हें और वे दुष्ट व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। सर्वनाम उनकी दुष्ट लोगों को सामान्य रूप से सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर एक दुष्ट व्यक्ति को सुरक्षा देते हैं, और वह व्यक्ति समर्थित होता है, लेकिन परमेश्वर की दृष्टि दुष्ट लोगों के मार्गों पर होती है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:23 (#2)

"उन्हें ऐसे बेखटके कर देता है, कि वे सम्बले रहते हैं"

यदि आपकी भाषा में बेखटके कर देता है का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना पड़े कि यह क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ से पता चलता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसे सुरक्षा प्रदान करते हैं और वह बना रहता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:23 (#3)

"उन्हें ऐसे बेखटके कर देता है, कि वे सम्बले रहते हैं"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। अथूब पुनरावृत्ति का उपयोग करके इस विचार पर जोर दे रहे हैं कि वाक्यांश क्या व्यक्त करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप उन्हें मिला सकते हैं। जबकि अथूब को ऐसा लगता है कि परमेश्वर सक्रिय रूप से दुष्ट लोगों को सुरक्षा और समर्थन देते हैं, लेकिन वास्तव में आशय यह है कि परमेश्वर इसे मात्र होने देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर दुष्ट व्यक्ति को सुरक्षा का अहसास होने दे सकते हैं।"

देखें: समानांतरता

अथूब 24:23 (#4)

"और उसकी कृपादृष्टि उनकी चाल पर लगी रहती है"

अथूब परमेश्वर के एक हिस्से, उनकी दृष्टि, का उपयोग देखने के कार्य में सम्पूर्ण व्यक्तित्व को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यहाँ कृपादृष्टि, जागरूकता का प्रतिनिधित्व करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे उनके मार्गों को ध्यान से देखते हैं" या "लेकिन वे उनके मार्गों के प्रति बहुत जागरूक हैं।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 24:23 (#5)

"और उसकी कृपादृष्टि उनकी चाल पर लगी रहती है"

अथूब एक व्यक्ति के जीवन जीने के तरीके को ऐसे वर्णित कर रहे हैं जैसे वह कोई मार्ग या पथ हो जिस पर वह व्यक्ति चल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे भली-भांति जानते हैं कि दुष्ट लोग कैसे जी रहे हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 24:24 (#1)

"वे बढ़ते हैं"

सर्वनाम वे इस पुरे पद में दुष्ट लोगों को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे पहले उदाहरण में स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग ऊँचे उठते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 24:24 (#2)

"वे बढ़ते हैं"

अथूब दुष्ट लोगों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे सचमुच बढ़ते या उच्च पद पर उठाए गए हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे महानता प्राप्त करते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 24:24 (#3)**"वे बढ़ते हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे महानता प्राप्त करते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:24 (#4)**"थोड़ी देर"**

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि दुष्ट लोग **कुछ** समय के लिए ऊँचे होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ समय के लिए" (2) कि दुष्ट लोग **सीमित** अवधि तक ऊँचे होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सीमित सीमा तक"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 24:24 (#5)**"वे दबाए जाते"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, परमेश्वर उन्हें नीचा दिखाते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:24 (#6)**"जाते रहते हैं"**

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि ये "बलाकारी" लोग अब अस्तित्व में नहीं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अस्तित्व में नहीं रहते।"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:24 (#7)**"वे दबाए जाते"**

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे कि दुष्ट लोग सचमुच **दबाए जाते हों** या उन्हें एक निम्न स्थिति में ले जाया गया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। चूँकि यह वाक्यांश जाते रहते हैं के अर्थ को दोहराता है, ऐसा लगता है कि उनका अर्थ है कि वे मर जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, वे मर जाते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 24:24 (#8)**"""और सभी के समान रख लिये जाते हैं, और"**

वाक्यांश रख लिये जाते हैं का अर्थ हो सकता है: (1) एक विशेष इब्रानी अभिव्यक्ति जो मृत्यु का वर्णन करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोगों की तरह, वे मर जाते हैं; हाँ, अनाज की बालियों के शीर्ष की तरह, वे काट दिए जाते हैं" (2) अनाज की बालियों की तुलना का हिस्सा। उस स्थिति में, इसे शाब्दिक रूप से अनुवाद करना उचित होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोगों की तरह, वे एकत्र होते हैं और अनाज की बालियों के शीर्ष की तरह काट दिए जाते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:24 (#9)**"""और सभी के समान रख लिये जाते हैं, और"**

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: (1) "परमेश्वर उन्हें मृतकों के बीच इकट्ठा करते हैं, जैसे वह सभी लोगों के साथ करते हैं; हाँ, परमेश्वर उन्हें अनाज के बालियों के शीर्ष की तरह काटते हैं" या (2) "जैसे वह सभी लोगों के साथ करते हैं, परमेश्वर उन्हें इकट्ठा करते हैं और उन्हें अनाज के बालियों के शीर्ष की तरह काटते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 24:25 (#1)**"""क्या यह सब सच नहीं! कौन मुझे झुठलाएगा?"**

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि कोई मानता है कि मैंने जो कहा है वह सत्य नहीं है, तो मैं

उन्हें चुनौती देता हूँ कि वे मुझे गलत साबित करें और दिखाएँ कि मैंने जो कहा है वह मान्य नहीं है।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 24:25 (#2)

"क्या यह सब सच नहीं!"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि मैं जो कह रहा हूँ वह सत्य नहीं है।"

देखें: पदलोप

अथूब 24:25 (#3)

"कौन मेरी बातें निकम्मी ठहराएगा?"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ यह है कि किसी चीज़ का कोई मूल्य नहीं है, अर्थात् वह मान्य नहीं है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह प्रमाणित करे कि मेरे शब्द मान्य नहीं हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 24:25 (#4)

"मेरी बातें"

अथूब मेरी बातें का उपयोग उन बातों को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो वह शब्दों के माध्यम से कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने कहा है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 25 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय अथूब के मित्र बिल्डर का तीसरा और अंतिम भाषण प्रस्तुत करता है।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दार्दी और रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय की विशेष अवधारणाएँ

बिल्डर के भाषण का संक्षिप्तता

बिल्डर का यह भाषण, उनके पहले दो भाषणों की तुलना में बहुत छोटा है। यह उन तीन भाषणों की तुलना में भी बहुत छोटा है जो एलीपज ने इस पुस्तक में अब तक दिए हैं और दो भाषण जो सोपर ने दिए हैं। इसका संभावित कारण यह है कि अथूब के मित्रों के पास उन्हें कहने के लिए बातें समाप्त हो रही हैं। वास्तव में, सोपर तीसरा भाषण बिल्कुल नहीं देते। कथाकार 32:3 में कहते हैं कि तीनों मित्रों ने अथूब के तर्कों का "उत्तर न दे सकें"। बिल्डर के तीसरे भाषण की संक्षिप्तता और सोपर के तीसरे भाषण की अनुपस्थिति इसे नाटकीय बनाती है। चूंकि कथाकार अंततः एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हैं, इसलिए इस अध्याय के अंत में आपके अनुवाद में यह स्पष्टीकरण देना आवश्यक नहीं होगा जैसे, "और अथूब के मित्रों को उससे बस इतना ही कहना था।"

परमेश्वर की पवित्रता और मानवीय पाप

इस छोटे से भाषण में, बिल्डर परमेश्वर की पवित्रता और मानवीय पाप का वर्णन करते हैं। जबकि वह जो बातें कहते हैं वे सही हैं, वे अथूब के लिए आश्वस्त करने वाली नहीं हैं, क्योंकि वह वास्तव में धर्मी रहे हैं। (देखें: पवित्र और पाप और धर्मी)

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

बिल्डर एलीपज के शब्दों का उपयोग करता है

हालाँकि बिल्डर संक्षिप्त रूप से बोलता है, फिर भी वह एलीपज के पहले और दूसरे भाषणों के महत्वपूर्ण वाक्यांशों को दीहराता है। बिल्डर पद 4 में पूछता है, "फिर मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी कैसे ठहर सकता है? और जो स्त्री से उत्पन्न हुआ है वह कैसे निर्मल हो सकता है?" एलीपज ने पद 4:17 में भी इसी तरह पूछा था, "क्या नाशवान मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्मी होगा? क्या मनुष्य अपने सृजनहार से अधिक पवित्र हो सकता है?" और पद 15:14 में, "मनुष्य है क्या कि वह निष्कलंक हो? और जो स्त्री से उत्पन्न हुआ वह है क्या कि निर्दोष हो सके?" इसे दर्शाने के लिए, पद 25:4 के अपने अनुवाद में उन्हीं शब्दों का प्रयोग करना उपयोगी होगा जो आपने पद 4:17 और पद 15:14 में प्रयोग किए थे।

अथूब 25:2 (#1)

"प्रभुता करना और डराना यह उसी का काम है"

सर्वनाम उसी परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिये इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभुता और भय परमेश्वर के वश में हैं" या "परमेश्वर के अधिकार में प्रभुता और भय है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 25:2 (#2)

"प्रभुता करना और डराना यह उसी का काम है"

यह वाक्य दो शब्दों को और से जोड़कर एक ही विचार व्यक्त करता है। **डराना** शब्द बताता है कि परमेश्वर की प्रभुता उन लोगों में क्या प्रतिक्रिया उत्पन्न करती है जो उनकी शक्तिशाली और पवित्र चरित्र को पहचानते हैं। (इस सन्दर्भ में, शब्द **डराना** परमेश्वर के प्रति श्रद्धा और आदर और उनकी महानता के प्रति भय का वर्णन करता है।) यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को किसी समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "और" का उपयोग नहीं होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भयोग्य प्रभुता उनके साथ है" या "भयानक प्रभुता उनके साथ है"

देखें: द्विपद

अथूब 25:2 (#3)

"प्रभुता करना और डराना यह उसी का काम है"

यदि आपकी भाषा में **प्रभुता** और **डराना** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इस प्रकार शासन करते हैं कि बड़ा आदर उत्पन्न होता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 25:2 (#4)

"वह अपने ऊँचे-ऊँचे स्थानों में शान्ति रखता है"

शान्ति का अनुवादित शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था स्थापित करते हैं" (2) झगड़े की अनुपस्थिति। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो बिना विरोध के शासन करते हैं" या "वह जो बिना बलवा के शासन करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 25:2 (#5)

"अपने ऊँचे-ऊँचे स्थानों में"

देखें कि आपने [16:19](#) में इसी समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सबसे ऊँचे स्वर्ग में" या "स्वर्ग में, जहाँ वह सर्वोच्च रूप से शासन करते हैं"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 25:3 (#1)

"क्या उसकी सेनाओं की गिनती हो सकती?"

अथूब जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सेनाओं की कोई गिनती नहीं है! उनका प्रकाश सभी पर पड़ता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 25:3 (#2)

"क्या उसकी सेनाओं की गिनती हो सकती"

इस वचन में, बिल्दद परमेश्वर की महानता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि रात में आकाश में इतने तारे होते हैं कि उनकी गिनती नहीं की जा सकती, और दिन में सूरज सारी पृथ्वी पर प्रकाश फैलाता है। इसलिए, इस सन्दर्भ में **सेनाओं** शब्द अप्रत्यक्ष रूप से तारों को सन्दर्भित करता है, जैसे वे सैनिक हों। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तारों की कोई गिनती हो सकती है?" या "आकाश में गिनने के लिये असंख्य तारे हैं!"

देखें: रूपक

अथूब 25:3 (#3)

"और कौन है जिस पर उसका प्रकाश नहीं पड़ता"

बिल्दद प्रकाश शब्द का उपयोग सूरज के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और किस पर सूरज उदय नहीं होता?" या "और सूरज सभी पर चमकता है!"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 25:4 (#1)

"फिर मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी कैसे ठहर सकता है?"

बिल्दद जोर देने के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिये प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य परमेश्वर के सामने धर्मी नहीं हो सकता! स्त्री से जन्मा कोई शुद्ध नहीं हो सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 25:4 (#2)**"मनुष्य"**

यहाँ पुल्लिंग शब्द **मनुष्य** एक सामान्य अर्थ है, जो पुरुष और स्त्री दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 25:5 (#2)**"उसकी दृष्टि में"**

अंग्रेज़ी में "आँखें" शब्द लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसका अर्थ सीधे "दृष्टि" के रूप में दिया है। पाठकों को समझाने के लिये यहाँ "आँखें" शब्द का उपयोग किया जाएगा। बिल्दद दृष्टि का अर्थ समझाने के लिये **दृष्टि (आँखें)** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। दृष्टि, बदले में, ध्यान, दृष्टिकोण, और न्याय का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके दृष्टिकोण में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 25:6 (#1)**"फिर मनुष्य की क्या गिनती जो कीड़ा है"**

क्या गिनती एक अभिव्यक्ति है जो यह दर्शाती है कि आगे जो कहा जा रहा है, वह उससे अधिक महत्वपूर्ण है जो किसी व्यक्ति ने अभी कहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर मनुष्य की क्या तुलना जो कीड़ा है"

देखें: मुहावरा

अथूब 25:4 (#3)**"जो स्त्री से उत्पन्न हुआ है"**

देखें कि आपने [15:14](#) में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मनुष्य"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 25:5 (#1)**"चन्द्रमा भी अंधेरा ठहरता"**

बिल्दद का स्पष्ट अर्थ है कि परमेश्वर की पवित्रता की तुलना में, **चन्द्रमा** किसी शुद्ध, पवित्र वस्तु की तेज से भी **अंधेरा ठहरता** है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चन्द्रमा में कोई पवित्र तेज नहीं है"।

अथूब 25:6 (#2)**"फिर मनुष्य की क्या गिनती जो कीड़ा है"**

बिल्दद कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप सन्दर्भ से ये शब्द उपलब्ध करा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर कीड़े के समान मनुष्य की शुद्ध जनों में क्या गिनती हो सकती है"

देखें: पदलोप

अथूब 25:6 (#3)

"मनुष्य," - "और आदमी"

यद्यपि मनुष्य और आदमी शब्द पुलिंग हैं, यहाँ दोनों शब्दों का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिये सहायक हो, तो आप अपनी भाषा में ऐसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव जाति ... या मानव शिशु"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

अथूब 25:6 (#4)

"मनुष्य, कीड़ा"

बिल्ड ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि मनुष्य सचमुच में एक कीड़ा हो। वह सम्भवतः यह कहना चाहते हैं कि जैसे कीड़े तुच्छ होते हैं और मिट्टी में रहते हैं, वैसे ही मनुष्य भी तुच्छ हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुच्छ प्राणी"

देखें: रूपक

अथूब 25:6 (#5)

"आदमी ... जो केंचुआ है"

बिल्ड इसी तरह बोल रहे हैं जैसे मनुष्य सचमुच में एक केंचुआ हो। एक बार फिर इस तुलना का आधार यह प्रतीत होता है कि जैसे केंचुआ भूमि पर रहता है, वैसे ही परमेश्वर ने आरम्भ में मनुष्य को भूमि की मिट्टी से बनाया। इसलिए, यह मनुष्य की नक्षरता का एक समानांतर काव्यात्मक सन्दर्भ है। आपकी भाषा में छवि को दोहराने के बजाय एक स्पष्ट व्याख्यात्मक वाक्यांश के रूप में अनुवाद करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, अल्पविराम के बाद: "जिन्हें परमेश्वर ने भूमि की मिट्टी से बनाया है"

देखें: रूपक

अथूब 26 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय अथूब की विस्तृत प्रतिक्रिया के साथ शुरू होता है, पहले बिल्ड के अंतिम भाषण के लिए और फिर सामान्यतः उनके मित्रों के लिए। बिल्ड ने परमेश्वर की महानता के बारे में संक्षेप में बात की थी। अथूब दिखाते हैं कि वह वास्तव में एक धर्मी और भक्त पुरुष है, जो परमेश्वर की महानता की सराहना करते हैं, इसे इस अध्याय में अधिक विस्तार से और प्रभावशाली भाषा में वे वर्णन करते हैं। अथूब ने 12:3 में अपने मित्रों से कहा था कि उनके पास उतनी ही बुद्धि है जितनी उनके पास है, और वह इस अध्याय में इसे प्रदर्शित करते हैं।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर अधिक रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी)

पद 7-9 में, अथूब परमेश्वर के बारे में कथनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं जो एक समान रूप में हैं। इस प्रकार के कथनों की श्रृंखला को वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) कहा जाता है। यदि आपके पाठक समझेंगे कि अथूब क्या कर रहे हैं, तो आप इस वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का अनुवाद और प्रारूप यूएलटी की तरह कर सकते हैं। यदि वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का रूप आपके पाठकों के लिए परिचित नहीं होगा, तो आप उन्हें वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) के प्रत्येक वाक्य को अलग पक्ति में रखकर, उन्हें इसे सराहने में सहायता कर सकते हैं। देखें कि आपने अध्याय 12 में समान वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) के साथ क्या किया। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप लिटनी में प्रत्येक पद को एक अलग वाक्य बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप पद 7 शुरू कर सकते हैं, "परमेश्वर फैलाते हैं।" पद 7-9 की टिप्पणियाँ और भी सुझाव प्रदान करती हैं।

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

"वह", "उसे" और "उसका" का संदर्भ

इस अध्याय में सर्वनाम "वह", "उसे" और "उसका" सभी परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप स्पष्टता के लिए नियमित अंतराल पर संदर्भ निर्दिष्ट कर सकते हैं और "परमेश्वर" या "परमेश्वर का" कह सकते हैं।

अथूब 26:2 (#1)

"निर्बल जन की तूने क्या ही बड़ी सहायता की"

जोर देने के लिए, अथूब जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत कहते हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत कर सकते हैं कि अथूब का वास्तव में अर्थ क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने उस व्यक्ति की मदद नहीं की जिसके पास सामर्थ्य नहीं है! तू ने निर्बल हाथ की रक्षा नहीं की"

देखें: व्यंग

अथूब 26:2 (#2)

"निर्बल जन की तूने क्या ही बड़ी सहायता की"

अथूब अपने विषय में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने मेरी सहायता नहीं की, भले ही मैं निर्बल था! तुमने मुझे नहीं बचाया, भले ही मेरी बाँह में सामर्थ्य नहीं था"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 26:2 (#3)

"तूने ... सहायता की" - "तूने ... सम्भाला है"

इस पद में, तथा पद 3 और 4 में भी, **तू** शब्द एकवचन है क्योंकि अथूब सीधे बिल्दद को सम्बोधित कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 26:2 (#4)

"जिसकी बाँह में सामर्थ्य नहीं"

अथूब अपने एक अंग, अपनी बाँह का प्रयोग करके अपने सम्पूर्ण व्यक्तित्व का अर्थ ऐसे व्यक्त कर रहे हैं जैसे वह कठिनाइयों के समय सामर्थ्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद "एक सामर्थ्यहीन व्यक्ति" या "मैं, भले ही मुझमें कोई सामर्थ्य नहीं थी"।

देखें: उपलक्षण

अथूब 26:3 (#1)

"निर्बुद्धि मनुष्य को तूने क्या ही अच्छी सम्मति दी"

जोर देने के लिए, अथूब जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत कहना जारी रखते हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत कर सकते हैं कि अथूब का वास्तव में अर्थ क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने वास्तव में निर्बुद्धि मनुष्य को सम्मति नहीं दी! तुमने वास्तव में अधिक अंतर्दृष्टि प्रगट नहीं की"

देखें: व्यंग

अथूब 26:3 (#2)

"निर्बुद्धि मनुष्य को तूने क्या ही अच्छी सम्मति दी"

अथूब अपने विषय में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमने वास्तव में मुझे सम्मति नहीं दी, भले ही मैं निर्बुद्धि था"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 26:4 (#1)

"तूने किसके हित के लिए बातें कही?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने आपकी सहायता की होगी ये बातें कहने में! किसी अन्य की कही हुई बातें आपसे निकली होंगी!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 26:4 (#2)

"तूने किसके हित के लिये बातें कही?"

अथूब यह संकेत दे रहे हैं कि परमेश्वर ने बिल्दद को बोलने में सहायता की होगी, हालाँकि वास्तव में उनका यह अर्थ नहीं

था (अगली टिप्पणी देखें)। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने आपको वे बातें कहने में सहायता की होगी। परमेश्वर की कही हुई बातें आपसे निकली होंगी!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 26:4 (#3)

"तूने किसके हित के लिये बातें कही?"

जोर देने के लिए, अथूब जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा बोलने वाला ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत दे सकते हैं कि अथूब का वास्तव में अर्थ क्या है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप केवल मनुष्य की राय साझा कर रहे हैं! आपके पास परमेश्वर द्वारा दी गई कोई समझ नहीं है!"

देखें: व्यंग

अथूब 26:4 (#4)

"तूने किसके हित के लिये बातें कही"

अथूब **बातें** शब्द का उपयोग बिल्दद द्वारा अभी-अभी कहे गए शब्दों के अर्थ में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अवश्य ही आपको वह कहने में सहायता की होगी जो आपने कहा!" या, यह दिखाते हुए कि अथूब जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत कह रहे हैं, "आपने जो कहा वह केवल आपकी अपनी मानवीय राय थी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 26:4 (#5)

"और किसके मन की बातें तेरे मुँह से निकलीं"

अनुवादित **मन की बातें** वाक्यांश का अर्थ "आत्मा" भी हो सकता है, इसलिए इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) कि अथूब पद के पहले भाग के साथ एक समानांतर कथन बना रहे हैं, जिसमें वह मुँह से निकलने वाली शब्दों को मन की बातों के साथ जोड़ रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब

आपने बोला, तब आपसे कौन बात कर रहा था" या "और किसने आपको इतनी अच्छी तरह बोलने में सक्षम किया" या "ऐसा बिल्कुल नहीं है कि परमेश्वर आपको बोलने में सहायता कर रहे थे!" (2) अथूब सुझाव दे रहे हैं (जबकि वह जो कह रहे हैं उसके विपरीत अर्थ रखते हुए) कि एक स्वर्गदूत या परमेश्वर के आत्मा ने बिल्दद को यह कहने के लिए प्रेरित किया होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और किस आत्मा ने आपको इतनी अच्छी तरह बोलने के लिए प्रेरित किया" या "और क्या यह परमेश्वर का आत्मा नहीं था जिन्होंने आपको इतनी अच्छी तरह बोलने के लिए प्रेरित किया"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 26:5 (#1)

"बहुत दिन के मरे हुए लोग ... तड़पते हैं"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है कि इस समय से अपने भाषण में, अथूब परमेश्वर की महानता का वर्णन करना आरम्भ करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जहाँ तक परमेश्वर की महानता की बात है, मरे हुए लोग काँप उठते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 26:5 (#2)

"जलनिधि ... के तले"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि मरे हुए लोगों की आत्माएँ अपने निवास स्थान, अधोलोक में **तड़पती** हैं, जिसे वह अगले पद में विशेष रूप से नामित करते हैं, लेकिन इस पद में इसके स्थान से इसे पहचानते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके निवास स्थान से, जो समुद्र की गहराइयों में है, समुद्र में रहने वाले प्राणियों से भी नीचे है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 26:6 (#1)

"अधोलोक उसके सामने उघड़ा रहता है"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, इस वचन में सर्वनाम **उसके** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है, जैसे कि इस अध्याय में अन्य स्थानों पर "वह/उसने," "उसके," और "अपनी/उसकी" सर्वनाम भी करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे यहाँ और अध्याय के अन्य चयनित स्थानों पर स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवादः "अधोलोक परमेश्वर के सामने उघड़ा रहता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 26:6 (#2)

"अधोलोक उसके सामने उघड़ा रहता है"

अथूब **अधोलोक** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे मानों उसने सचमुच कोई वस्त्र नहीं पहना हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "अधोलोक परमेश्वर के सामने खुला है" या "परमेश्वर सीधे अधोलोक के अन्दर देख सकते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 26:6 (#3)

"और विनाश का स्थान ढँप नहीं सकता"

अंग्रेजी में "अबद्वोन" शब्द दिया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इस शब्द का अर्थ सीधे "विनाश" दिया गया है। "अबद्वोन" शब्द जिसका अर्थ **विनाश** है, अधोलोक का एक और नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 26:6 (#4)

"और विनाश का स्थान ढँप नहीं सकता"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि परमेश्वर को देखने से रोकने के लिए **विनाश के स्थान** को सचमुच ढँप दिया हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "और कुछ भी परमेश्वर को अबद्वोन (विनाश के स्थान) में देखने से नहीं रोक सकता है"

देखें: रूपक

अथूब 26:7 (#1)

"वह उत्तर दिशा को निराधार फैलाए रहता है,"

अथूब सृष्टि के दो मुख्य घटकों, आकाश (जिसे वह उत्तर दिशा कहते हैं) और पृथ्वी, का उल्लेख पूरी सृष्टि के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "जिन्होंने पूरी सृष्टि को बनाया जहाँ पहले कुछ भी नहीं था"

देखें: विभज्योतक

अथूब 26:7 (#2)

"वह उत्तर दिशा को निराधार फैलाए रहता है,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानों परमेश्वर ने सचमुच में उत्तर (आकाश) को निराधार पर फैला दिया हो और पृथ्वी को **बिना टेक** के लटका दिया हो। चौंके वह पद 11 में आकाश के "खम्मे" की बात करते हैं, इसलिए वह सम्भवतः सीधे यह नहीं कह रहे हैं कि आकाश और पृथ्वी खाली स्थान पर लटके हुए हैं। इसके बजाय, वह सम्भवतः यह कह रहे हैं कि परमेश्वर ने जलमय अव्यवस्था में व्यवस्था स्थापित करके आकाश और भूमि की सृष्टि की। अथूब पद 12 और 13 में इस बात को विशेष रूप से कहते हैं। वैकल्पिक अनुवादः "जिसने जलमय अव्यवस्था को व्यवस्थित करके आकाश और भूमि को बनाया"

देखें: रूपक

अथूब 26:7 (#3)

"वह ... फैलाए रहता है"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, यह एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न की शुरुआत है, जो पद 9 तक चलती है। इस सामग्री को किस तरह से प्रस्तुत किया जाएँ, इसके सुझावों के लिए उस चर्चा और वचन 7-9 की टिप्पणियाँ देखें जो आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

अथूब 26:7 (#4)**"वह ... फैलाए रहता है"**

सर्वनाम वह विनाश के स्थान को नहीं, परन्तु परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ही हैं ... जो फैलाए रहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 26:7 (#5)**"उत्तर"**

अथूब उत्तरी आकाश में चमकते नक्षत्रों के अर्थ में उत्तर शब्द का उपयोग कर रहे हैं, और आगे की संबद्धता द्वारा तारों के लिए और इससे भी आगे आकाश को संबद्ध करके, जहाँ तरे दिखाई देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाश"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 26:8 (#1)**"वह जल को अपनी काली घटाओं में बाँध रखता,"**

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो परमेश्वर सचमुच घटाओं का उपयोग जल को बाँधने या रोकने के लिए करते हों, जो अन्ततः वर्षा के रूप में उन घटाओं से पृथक् पर गिरता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक नए वाक्य के रूप में: "परमेश्वर घटाओं को बनाते हैं, जिनमें बहुत सारा जल होता है"

देखें: रूपक

अथूब 26:8 (#2)**"और बादल उसके बोझ से नहीं फटता"**

अथूब किसी विशिष्ट बादल की बात नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्यतः बादल, विशेष रूप से काली घटाओं से हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का प्रयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बादल"

रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु काली घटाएँ उस जल के बोझ से नहीं फटती"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 26:8 (#3)**"और बादल उसके बोझ से नहीं फटता"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जो जल उनमें है, बादलों को नहीं फाड़ता" या "परन्तु उस जल का भार बादलों को नहीं चीरता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 26:9**"चाँद"**

अंग्रेजी बाइबल में "चाँद का चेहरा" लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में "चेहरा" शब्द को हटा दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "चेहरा" शब्द जोड़ा गया है। अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे चाँद की सतह वास्तव में उनका चेहरा हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "की सतह"

देखें: रूपक

अथूब 26:9 (#2)**"बादल"**

अथूब किसी विशिष्ट बादल का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह उन सभी बादलों की बात कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर चाँद को छिपाने के लिए उपयोग करेंगे। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का प्रयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बादल"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 26:10 (#1)

"वहाँ तक उसने जलनिधि की सीमा ठहरा रखी है"

अंग्रेजी बाइबल में "चेहरा" लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में इसे हटा दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "चेहरे" को रूपक के रूप में उपयोग किया जाएगा। अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो जलनिधि या महासागरों की सतह वास्तव में उनका चेहरा हो। वह क्षितिज का वर्णन कर रहे हैं, जो जमीनी पर्यवेक्षक को महासागरों के विस्तार की सीमा प्रतीत होती है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने महासागरों की सतह पर एक सीमा निर्धारित की है"

देखें: रूपक

देखें: मानवीकरण

अथूब 26:11 (#2)

"थरथराते"

यह वाक्यांश दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक ही विचार व्यक्त करता है। चकित शब्द परमेश्वर की सामर्थ्य से अचम्भित होने को दर्शाता है और यह स्पष्ट करता है कि आकाश के खम्बे क्यों थरथराते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समान वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भय से काँपना"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 26:10 (#2)

"उजियाले और अंधियारे के बीच जहाँ सीमा बंधा है"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से यह अर्थ प्रगट कर रहे हैं कि परमेश्वर ने महासागरों के क्षेत्र पर जो सीमा निर्धारित की है, वह आकाश के गुम्बद के निचले भाग से मेल खाती है, जिसे इस संस्कृति के लोग एक ठोस वस्तु मानते थे। गुम्बद के नीचे, जिसमें सूर्य, चन्द्रमा और तारे चमकते थे, उजियला था। गुम्बद के परे अंधकार था। इसलिए अथूब उजियाले और अंधियारे के बीच जहाँ का उपयोग आकाश के सन्दर्भ में करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाश के गुम्बद के निचले भाग में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 26:12 (#1)

"वह ... रहब को छेद देता है"

देखें कि आपने 9:13 में रहब नाम का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उस समुद्री अजगर को हरा दिया जो अव्यवस्था से जुड़ा हुआ है"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 26:13 (#1)

"उसकी आत्मा से आकाशमण्डल स्वच्छ हो जाता है"

अथूब सम्बवतः ऐसे बोल रहे हैं मानो प्रचण्ड हवा, जो औँधी के बाद आकाश से बादलों को साफ कर देती है, परमेश्वर का आत्मा है। यद्यपि जिस शब्द का अनुवाद आत्मा हुआ है उसका अर्थ "हवा" या "साँस" भी हो सकता है, अथूब सम्बवतः परमेश्वर की शक्ति का वर्णन करने के लिए इसे एक काव्यात्मक रूपक के रूप में उपयोग कर रहे हैं, न कि एक शब्दशः कथन के रूप में। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर औँधी के बाद आकाश से बादलों को हटाने के लिए प्रचण्ड हवा भेजते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 26:13 (#2)

"भागनेवाले नाग"

भागनेवाले नाग अभिव्यक्ति समुद्री अजगर का एक और नाम है। ([यशा 27:1](#) में, समुद्री अजगर को "वेग और टेढ़े चलनेवाले सर्प" और लिव्यातान कहा गया है।) देखें कि आपने [3:8](#) में लिव्यातान नाम का और पिछले पद में रहब नाम का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्री अजगर जो अव्यवस्था से जुड़ा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 26:13 (#3)

"वह अपने हाथ से वेग से भागनेवाले नाग को मार देता है"

अथूब परमेश्वर के एक अंग, उनके हाथ का उल्लेख पूरे परमेश्वर के लिए कर रहे हैं, जब वह अव्यवस्था के अजगर से युद्ध करने की बात कर रहे हैं। उनका तात्पर्य यह है कि किसी हथियार, जैसे तलवार से, परमेश्वर ने उस अजगर को मार दिया अर्थात् मार डाला। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "युद्ध में, उहोंने अव्यवस्था के अजगर को मार डाला"

देखें: उपलक्षण

अथूब 26:14 (#1)

"उसकी गति के किनारे ही है"

अथूब उन कार्यों का वर्णन कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर करते हैं, मानो वे गति या पथ हों जिन पर परमेश्वर चल रहे थे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके कार्यों का एक छोटा सा हिस्सा है"

देखें: रूपक

अथूब 26:14 (#2)

"उसकी आहट फुसफुसाहट ही सी तो सुन पड़ती है"

अथूब सम्भवतः आहट शब्द का उपयोग शब्द की ध्वनि के अर्थ में कर रहे हैं और इस सन्दर्भ में फुसफुसाहट शब्द मन्द ध्वनि या सरसराहट को दर्शा सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हम उनकी कितनी धीमी फुसफुसाहट सुनते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 26:14 (#3)

"फिर उसके पराक्रम के गरजने का भेद कौन समझ सकता है"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्ववाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्ववाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, कोई भी उनके पराक्रम के गरजने का भेद नहीं समझ सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 26:14 (#4)

"उसके पराक्रम के गरजने"

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग गरजने का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं, जो पराक्रम से परिपूर्ण है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी शक्तिशाली गर्जन"

देखें: स्वामित्व

अथूब 27 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय बिल्दद और अन्य दो मित्रों के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया की निरंतरता है।

- पद 1-10: अथूब जोर देते हैं कि वह धार्मिक हैं और उसी तरह जीवन जीते रहेंगे।
- पद 11-23: अथूब वर्णन करते हैं कि परमेश्वर कैसे दुष्ट लोगों को दण्डित करते हैं

यूपूलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दार्दी और रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

"वह", "उसे" और "उसका" का संदर्भ

पद 14 से अध्याय के अंत तक, सर्वनाम "वह", "उसे" और "उसका" "दुष्ट पुरुष" को संदर्भित करते हैं, जिसका उल्लेख अथूब पहले पद 13 में करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप संदर्भ को स्पष्ट करने के लिए नियमित अंतराल पर "एक दुष्ट पुरुष" कह सकते हैं। टिप्पणी विभिन्न स्थानों पर ऐसा करने के तरीके सुझाती है।

अथूब 27:1 (#1)

"अथूब ने और भी अपनी गूढ़ बात उठाई और कहा"

वक्ता ऐसे बोल रहे हैं जैसे अथूब की गूढ़ बात या भाषण एक वस्तु हो जिसे वह ले सकते हैं या उठा सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब अथूब ने अपना भाषण जारी रखा, तो उन्होंने कहा" या "अथूब ने बोलना जारी रखा और उन्होंने कहा"

देखें: रूपक

अथूब 27:2 (#1)

"मैं परमेश्वर के जीवन की शपथ खाता हूँ जिसने मेरा न्याय बिगाड़ दिया,"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो तो, आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के जीवन की शपथ, जिन्होंने मेरा न्याय छीन लिया है; सर्वशक्तिमान के जीवन की शपथ, जिन्होंने मेरा जीवन कड़वा कर दिया है"

देखें: पदलोप

अथूब 27:2 (#2)

"मैं परमेश्वर के जीवन की शपथ खाता हूँ जिसने मेरा न्याय बिगाड़ दिया,"

अथूब अपनी संस्कृति के अनुसार एक शपथ ले रहे हैं। आपके अनुवाद में, आप इसे अपनी संस्कृति के अनुसार अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर की शपथ लेता हूँ, जिन्होंने मेरा न्याय बिगाड़ दिया है; मैं सर्वशक्तिमान की शपथ लेता हूँ, जिन्होंने मेरा जीवन कड़वा बना दिया है।"

देखें: शपथ का सूत्र

अथूब 27:2 (#3)

"जिसने मेरा न्याय बिगाड़ दिया"

अथूब अपने न्याय के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक वस्तु हो जिसे परमेश्वर ने बिगाड़ दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने मुझे न्याय से वंचित किया है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 27:3 (#1)

"कि"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **कि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उस शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। अथूब उस शब्द **कि** का उपयोग कर रहे हैं ताकि उस शपथ की सामग्री को प्रस्तुत किया जा सके, जिसे उन्होंने पिछले पद में शपथ खाना शुरू किया था। कुछ मामलों में, यदि आपने पिछले पद का अनुवाद इस प्रकार किया है कि यह आपकी संस्कृति में शपथ खाने के तरीके को दर्शाता है, तो आपको यहाँ **कि** शब्द शामिल करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आपने अथूब द्वारा इस शपथ को उनकी अपनी संस्कृति के अभ्यासों के अनुसार शपथ खाने के तरीके को दर्शाने का विकल्प चुना है, तो यह दिखाना सहायक हो सकता है कि वह **कि** शब्द का क्या अर्थ उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं शपथ खाता हूँ **कि**"

देखें: शपथ का सूत्र

अथूब 27:3 (#2)

"अब तक मेरी साँस बराबर आती है, और परमेश्वर का आत्मा मेरे नथुनों में बना है"

अथ्यूब साँस का उपयोग अपने नथुनों के साथ कर रहे हैं, जिसका अर्थ है सांस लेना और वह सांस लेने का उपयोग जीवित रहने के अर्थ में कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप अर्थ को सीधे भी बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब तक मैं जीवन की साँस लेता हूँ" या "और जब तक मैं जीवित हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 27:4 (#1)

"कि मेरे मुँह से कोई कुटिल बात न निकलेगी,"

यह शपथ का निष्कर्ष है जो अथ्यूब ले रहे हैं। इस संस्कृति में, लोग शपथ लेने के लिए एक शर्त के पहले भाग को कहते हैं लेकिन दूसरे भाग को नहीं। (लेकिन अध्याय 31 के अध्ययन नोट्स देखें, जो बताते हैं कि कैसे अथ्यूब उस अध्याय में ली गई शपथों में कई शर्तों के दूसरे भाग को भी कहते हैं।) यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप शर्त के निहित दूसरे भाग को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मेरे होंठ दुष्टा बोलते हैं, या यदि मेरी जीभ धोखा देती है, तो परमेश्वर मुझे कठोरता से दण्डित करें!"

देखें: शपथ का सूत्र

अथ्यूब 27:4 (#2)

"कि मेरे मुँह से कोई कुटिल बात न निकलेगी,"

अथ्यूब अपने मुँह और अपनी जीभ का उपयोग कर रहे हैं, जो बोलने के कार्य में उनके पूरे अस्तित्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं बुराई बोलूँ या धोखा दूँ"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 27:4 (#3)

"कि मेरे मुँह से कोई कुटिल बात न निकलेगी"

यदि आपकी भाषा में कुटिल बात और छल के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं कुछ भी ऐसा कहता हूँ जो दुष्टा या छलपूर्ण हो!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 27:5 (#1)

"परमेश्वर न करे कि मैं तुम लोगों को सच्चा ठहराऊँ"

अथ्यूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह कहने के लिए कर रहे हैं कि वह अपने मित्रों को सच्चा नहीं ठहराएँगे (अर्थात् यह मानना कि वे सही हैं) जैसे कि वह एक अपवित्र कार्य (परमेश्वर न करे) नहीं करेंगे अर्थात् ऐसा कुछ करेंगे जो उन्हें धार्मिक दृष्टिकोण से परमेश्वर के लिए अपमानजनक लगे। आपकी भाषा में एक समान अर्थ वाली अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर न करें कि मैं आपको सही ठहराऊँ" या "आपको सही ठहराना मुझसे यह दूर हो"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 27:5 (#2)

"तुम"

शब्द तुम यहाँ बहुवचन है क्योंकि अथ्यूब अपने तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथ्यूब 27:5 (#3)

"मेरा प्राण न छूटे"

देखें कि आपने प्राण न छूटे शब्द का 3:11 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पार कर जाता हूँ"

देखें: मंगल भाषण

अथ्यूब 27:5 (#4)

"मैं अपनी खराई से न हटूँगा"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी खराई, जिसका इस मामले में मतलब है कि वह इस बात पर दृढ़ हैं कि उन्होंने सही तरीके से काम किया है, एक ऐसा व्यक्ति जिसे वह दूर कर सकते हैं और कहीं और भेज सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहते रहूँगा कि मैंने सही तरीके से काम किया है!"

देखें: रूपक

अथ्यूब 27:6 (#1)

"मैं अपनी धार्मिकता पकड़े हुए हूँ और उसको हाथ से जाने न दूँगा"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी **धार्मिकता** वास्तव में एक वस्तु हो जिसे वह थामे हुए हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह जोर देकर कहता रहूँगा कि मैं धार्मिक हूँ।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 27:6 (#2)

"मेरा मन जीवन भर मुझे दोषी नहीं ठहराएगा"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका **मन**, जो इस सन्दर्भ में उनके विवेक का प्रतिनिधित्व करता है, एक व्यक्ति है जो उन्हें **दोषी नहीं ठहराएगा**। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा विवेक दोषी नहीं होगा।"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 27:6 (#3)

"मेरा मन जीवन भर मुझे दोषी नहीं ठहराएगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण नहीं और नकारात्मक क्रिया दोषी शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे विश्वास होगा कि मैंने सही तरीके से कार्य किया है।"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथ्यूब 27:6 (#4)

"मेरा मन जीवन भर"

अथ्यूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग अपने जीवनकाल का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। उनका मतलब है कि उनके जीवन के शुरुआती **दिनों** से लेकर वर्तमान तक की अवधि। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक मैं जीवित रहूँगा"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 27:7 (#1)

"मेरा शत्रु दुष्टों के समान,"

इस संस्कृति में, लोग यह स्पष्ट कर देते थे कि वे नहीं चाहते थे कि उनके साथ कुछ बुरा हो, यह कहकर कि वे चाहते थे कि यह उनके दुश्मनों के साथ हो। इससे यह प्रकट होता था कि वे अपने लिए इसके विपरीत चाहते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दुष्ट या अधर्मी जैसा कुछ भी नहीं बनना चाहता हूँ।"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 27:7 (#2)

"दुष्टों के समान,"

अथ्यूब विशेषण **दुष्टों** और **अधर्मी** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि कुछ प्रकार के लोगों का अर्थ निकाला जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समान वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे दुष्ट लोग ... जैसे अधर्मी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 27:7 (#3)

"और जो मेरे विरुद्ध उठता है वह कुटिलों के तुल्य ठहरे"

अथ्यूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो मेरे विरुद्ध उठ खड़ा हो, वह अधर्मी के समान हो।"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 27:7 (#4)

"और जो मेरे विरुद्ध उठता है"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह व्यक्ति सचमुच उठता है, यानी बैठने या लेटने की स्थिति से खड़ा हो, उन पर हमला करने के लिए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो मेरा विरोध कर रहा है"

देखें: रूपक

अथूब 27:8 (#1)

"जब परमेश्वर भक्तिहीन मनुष्य का प्राण ले ले, ... तो भी उसकी क्या आशा रहेगी"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भक्तिहीन मनुष्य के पास कोई आशा नहीं होती जब परमेश्वर उसे काट देते हैं, जब वह उसका जीवन ले लेते हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 27:8 (#2)

"उसकी क्या आशा रहेगी"

यदि आपकी भाषा में आशा के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भक्तिहीन मनुष्य किसके लिए आशा करता है" या, एक कथन के रूप में, "भक्तिहीन मनुष्य के पास आशा रखने के लिए कुछ नहीं है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 27:8 (#3)

"भक्तिहीन मनुष्य"

अथूब विशेषण भक्तिहीन का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का ऐसा उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समान वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक भक्तिहीन मनुष्य"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 27:8 (#4)

"जब परमेश्वर {वह} ... प्राण ले ले"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ सर्वनाम वह का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में परमेश्वर शब्द का उपयोग हुआ है। जैसा कि सन्दर्भ स्पष्ट करता है, सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है, पहले भाग में परमेश्वर का नाम लेकर और दूसरे भाग में सर्वनाम का उपयोग करके।

वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर उन्हें काट देते हैं, जब वह उनका जीवन ले लेते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 27:8 (#5)

"परमेश्वर ... प्राण ले ले"

देखें कि आपने 6:9 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उसे मारते हैं" या "परमेश्वर उसे मारते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 27:9 (#1)

"क्या परमेश्वर उसकी दुहाई सुनेगा"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनकी पुकार नहीं सुनेगे जब उन पर संकट आएगा।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 27:9 (#2)

"क्या परमेश्वर उसकी दुहाई सुनेगा"

अथूब शब्द सुनेगा को एक विशेष अर्थ में "उत्तर देगा" के लिए उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर उनकी सहायता के लिए पुकार का उत्तर देंगे"

देखें: मुहावरा

अथूब 27:9 (#3)

"जब वह संकट में पड़े"

अथूब संकट के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित चीज़ हो जो एक दुष्ट व्यक्ति पर पड़ सकती है (उदाहरण के लिए, जैसे कोई पशु अपने शिकार पर झपटता है)। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह मुसीबत का सामना करते हैं" या "जब वह मुसीबत में पड़ते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 27:10 (#1)

"क्या वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर में सुख पा सकेगा"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सर्वशक्तिमान में आनन्द नहीं लेंगे! वह हर समय परमेश्वर को नहीं पुकारेंगे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 27:11 (#1)

"तुम्हें"

शब्द **तुम्हें** यहाँ बहुवचन है क्योंकि अथूब अपने तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें यदि आपकी भाषा उस भेद को दर्शाती है।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 27:11 (#2)

"परमेश्वर के काम के विषय"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **हाथ** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **काम** शब्द का उपयोग हुआ है। यहाँ, **हाथ** एक व्यक्ति की गतिविधि का प्रतिनिधित्व करता है, इस सन्दर्भ में कि लोग अपने हाथों का उपयोग काम करने के लिए कैसे करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की गतिविधियों के बारे में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 27:11 (#3)

"सर्वशक्तिमान परमेश्वर की बात"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ सर्वशक्तिमान के पास **क्या** है वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **सर्वशक्तिमान परमेश्वर की बात** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह

सुझाव देने के लिए नहीं कर रहे हैं कि सर्वशक्तिमान के पास कुछ विशेष चीज़े हैं, अर्थात् वस्तुएँ जो उनकी उपस्थिति में हैं। बल्कि, यह अभिव्यक्ति उन चीज़ों को सन्दर्भित करती है जो सर्वशक्तिमान से सम्बन्धित हैं, अर्थात् उनके कार्य करने के विशेष तरीके। इस सन्दर्भ में, यह अभिव्यक्ति इस बात को सन्दर्भित करती है कि सर्वशक्तिमान वास्तव में दुष्टों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान कैसे कार्य करते हैं" या "सर्वशक्तिमान वास्तव में दुष्टों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 27:11 (#4)

"मैं न छिपाऊँगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक वाक्यांश का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण **न** और नकारात्मक क्रिया **छिपाऊँगा** शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं प्रकट करूँगा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 27:12 (#1)

"तुम लोग सब के सब उसे स्वयं देख चुके हो"

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम **तुम** का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया जानते हो में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप यहाँ अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन ऐसा गहन सर्वनाम **स्वयं** का उपयोग करके करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सभी ने इसे बहुत स्पष्ट रूप से देखा है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 27:12 (#2)

"तुम लोग सब के सब उसे स्वयं देख चुके हो"

इस सन्दर्भ में, **देख चुके हो** का अर्थ "अनुभव करना" है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट

रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सभी ने इसे निरन्तर अनुभव किया है"

देखें: मुहावरा

अथूब 27:12 (#3)

"फिर तुम व्यर्थ विचार क्यों पकड़े रहते हो"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए आपको इस व्यर्थता को व्यर्थ में नहीं बोलना चाहिए।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 27:12 (#4)

"फिर तुम व्यर्थ विचार क्यों पकड़े रहते हो"

जोर देने के लिए, अथूब एक संरचना का उपयोग कर रहे हैं जिसमें विषय और उसकी क्रिया एक ही मूल से आते हैं। आप अपनी भाषा में इसी संरचना का उपयोग करके यहाँ अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर आप यह निरर्थक बात क्यों बोल रहे हैं" या, एक कथन के रूप में, "आपको इसलिए यह निरर्थक बात नहीं बोलनी चाहिए।"

देखें: कविता

अथूब 27:13 (#1)

"दुष्ट मनुष्य का भाग परमेश्वर की ओर से यह है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि परमेश्वर द्वारा एक दुष्ट मनुष्य को दिया गया दण्ड वास्तव में एक भाग या वस्तुओं का हिस्सा है जो परमेश्वर ने उस व्यक्ति को दिया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वह दण्ड है जो परमेश्वर एक दुष्ट पुरुष को देते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 27:13 (#2)

"दुष्ट मनुष्य"

यहाँ पर मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 27:13 (#3)

"और उपद्रवियों का अंश जो वे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के हाथ से पाते हैं"

अथूब यह कह रहे हैं कि सर्वशक्तिमान द्वारा उपद्रवियों को दिया गया दण्ड वास्तव में एक अंश या उत्तराधिकार के समान है जो वह उन्हें सौंपते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह वह दण्ड है जो अत्याचारी सर्वशक्तिमान से प्राप्त करते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 27:14 (#1)

"चाहे उसके बच्चे गिनती में बढ़ भी जाएँ, तो भी तलवार ही के लिये बढ़ेंगे"

अथूब तलवार शब्द का उपयोग मृत्यु के अर्थ में कर रहे हैं, क्योंकि इस संस्कृति में लोग तलवार से दूसरों को मारते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही एक दुष्ट व्यक्ति के कई बच्चे हों, वे सभी मर जाएँगे।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 27:14 (#2)

"रोटी"

अथूब सामान्यतः भोजन के अर्थ में एक प्रकार के भोजन, रोटी का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 27:15 (#1)**"उसके जो लोग बच जाएँ वे मरकर कब्र को पहुँचेंगे"**

शब्द मरकर का अर्थ हो सकता है: (1) शाब्दिक रूप से मृत्यु। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जो लोग बच जाएँ उनकी मृत्यु होगी और उन्हें दफनाया जाएगा" (2) एक महामारी, इस स्थिति में अथ्यूब मृत्यु के लिए एक सामान्य शब्द का उपयोग कर रहे होंगे ताकि मृत्यु के एक विशेष कारण का संकेत हो सके। [यिर्म्याह 15:2](#) में इसी तरह का उपयोग है। उस स्थिति में अथ्यूब यह भी कह सकते हैं जैसे कि महामारी ने स्वयं जो लोग बच गए उनको दफनाया हो, जिसका अर्थ है कि यही उसकी मृत्यु का कारण बना। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके जो लोग बच जाएँ उनको एक महामारी द्वारा दफनाया जाएगा" या "एक महामारी उसके उत्तरजीवी को मार डालेगी"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 27:15 (#2)**"उसके जो लोग बच जाएँ"**

इसका अर्थ हो सकता है: (1) दुष्ट व्यक्ति का अन्तिम जीवित वंशज। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका अन्तिम उत्तरजीवी" या "उनकी वंशावली का अन्त" (2) कोई विशेष लोग जो बच जाएँ नहीं, बल्कि सामान्य तौर पर उनके जीवित वंशज। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके वंशज"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 27:15 (#3)**"और उसके यहाँ की विधवाएँ न रोएँगी"**

इस संस्कृति में, एक पुरुष एक से अधिक महिलाओं से विवाह कर सकता है, इसलिए **विधवाओं** से, अथ्यूब का अप्रत्यक्ष रूप से यह मतलब है कि इस "दुष्ट पुरुष" की एक से अधिक पत्नियाँ थीं। आप अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करना अधिक उपयुक्त पा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसकी विधवा स्त्री विलाप नहीं करेगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 27:16 (#1)**"चाहे वह रूपया धूलि के समान बटोर रखे"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे धूल प्रचुर मात्रा में होती है और धूलि में बड़ी मात्रा में धूल होती है, वैसे ही एक दुष्ट व्यक्ति रूपये की प्रचुर मात्रा और कपड़ों की बड़ी मात्रा प्राप्त

कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस बिन्दु को अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट व्यक्ति प्रचुर मात्रा में रूपया और बड़ी मात्रा में कपड़े प्राप्त करता है।"

देखें: उपमा

अथ्यूब 27:16 (#2)**"रूपया {चाँदी}**"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **चाँदी** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **रूपया** शब्द का उपयोग हुआ है। अथ्यूब सामान्य रूप से धन का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मूल्यवान वस्तु, **चाँदी** का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 27:17 (#1)**"परन्तु धर्मी" - "निर्दोष"**

अथ्यूब विशेषण **धर्मी** और **निर्दोष** का उपयोग संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समान वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन एक धर्मी व्यक्ति ... एक निर्दोष व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 27:18 (#1)**"उसने अपना घर मकड़ी का सा बनाया,"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि **मकड़ी** का घर, यानी उसका कोकून, बहुत नाजुक होता है, जैसे कि एक **रखवाले** द्वारा खेत में फसल की रखवाली के लिए ठहनियों से बनाई गई **झोपड़ी**। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो घर बनाते हैं, वह मकड़ी के कोकून जितना नाजुक होता है, उतना ही कमज़ोर जितना कि एक रखवाले द्वारा ठहनियों से बनाई गई झोपड़ी।"

देखें: उपमा

अथूब 27:18 (#2)

"उसने अपना घर मकड़ी का सा बनाया,"

जहाँ एक दुष्ट व्यक्ति का वास्तविक घर उपेक्षा के कारण वीरान हो सकता है और गिर सकता है, अथूब इस शब्द घर का उपयोग उस व्यक्ति के जीवन का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने लिए जो जीवन बनाते हैं, वह मकड़ी के कोकून जितना नाजुक है, जैसे कि एक रखवाले द्वारा शाखाओं से बनाई गई एक झोपड़ी।"

देखें: रूपक

अथूब 27:18 (#3)

"उसने अपना घर मकड़ी का सा बनाया"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ पतंगा शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में मकड़ी शब्द का उपयोग हुआ है। एक पतंगा एक उड़ने वाला कीट है जो आमतौर पर रात में सक्रिय रहता है। यह जीवन की शुरुआत एक बिना पंख वाले लार्वा के रूप में करता है। लार्वा अंततः अपने चारों ओर एक रेशम का कोकून बनाता है और उस कोकून के अन्दर, यह एक उड़ने वाले पतंगे में परिवर्तित हो जाता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि पतंगा क्या है, तो आपके अनुवाद में आप एक समान प्राणी के नाम का उपयोग कर सकते हैं जिसे आपके पाठक पहचानते हों और जो इसी तरह की एक नाजुक संरचना बनाता हो। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन मॉडल इसे करने का एक तरीका प्रस्तुत करता है।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 27:19 (#1)

"वह धनी होकर लेट जाए," - "आँख खोलते ही"

अथूब सोने और जागने की बात कर रहे हैं, जैसे लोग सोते समय बिस्तर में लेटते हैं और जागते समय अपनी आँखें खोलते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह समृद्ध होकर सोते हैं... वह जागते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 27:19 (#2)

"वह धनी होकर लेट जाए," - "आँख खोलते ही"

अथूब यह दिखाने के लिए अतिशयोक्ति कर रहे हैं कि एक दुष्ट व्यक्ति कितनी जल्दी अपनी सम्पत्ति खो देता है। वह ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह व्यक्ति अमीर होकर सोएगा और बिना कुछ लिए जाएगा, अर्थात् जैसे वह एक ही रात में अपनी सारी सम्पत्ति खो देगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अमीर हो सकता है ... केवल थोड़े समय के बाद"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 27:19 (#3)

"परन्तु वह बना न रहेगा"

अथूब कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे अमीर बने नहीं रहते।"

देखें: पदलोप

अथूब 27:19 (#4)

"वह जाता रहेगा"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है कि दुष्ट व्यक्ति के पास अब कोई सम्पत्ति नहीं रह गई है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह पाता है कि उसके पास अब कोई सम्पत्ति नहीं रह गई है।"

देखें: मुहावरा

अथूब 27:20 (#1)

"भय की धाराएँ उसे बहा ले जाएँगी"

अथूब इस तरह बोल रहे हैं जैसे एक धारा सचमुच एक दुष्ट व्यक्ति को बहा ले जाएँगी। उनका मतलब है कि वह व्यक्ति उतनी ही जल्दी और अप्रत्याशित रूप से नष्ट हो जाता है जितना कि अगर एक तूफान उसे उड़ा ले जाता। आपकी भाषा में इस स्वरूप को तुलना के रूप में प्रस्तुत करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जल्दी और अप्रत्याशित रूप से नष्ट हो जाता है, जैसे कि एक तूफान उसे रात में उड़ा ले गया हो।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 27:21 (#1)

"पूर्वी वायु उसे ऐसा उड़ा ले जाएगी, और वह जाता रहेगा"

अथ्यूब इस प्रकार बोलना जारी रखते हैं जैसे कि **वायु** वास्तव में एक दुष्ट व्यक्ति को उठा ले जाएगी और उसे दूर ले जाएगी। यदि आपने पिछले पद में इस स्वरूप को एक तुलना के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है, तो आप इस पद में भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, यह ऐसा है जैसे वह पूर्वी हवा उसे ले जाती है, उसे उसके घर से बाहर उड़ा देती है, ताकि वह चला जाए"

देखें: रूपक

अथ्यूब 27:21 (#2)

"पूर्वी वायु"

अथ्यूब एक ऐसी जगह पर रहते थे जहाँ **पूर्व** में मरुभूमि थी, इसलिए वह अप्रत्यक्ष रूप से मरुभूमि से आने वाली तेज़, गर्म हवा का उल्लेख कर रहे हैं। आपके अनुवाद में, आप अपने क्षेत्र में सबसे तेज़ और तूफानी हवाओं की दिशा का उल्लेख कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 27:22 (#1)

"क्योंकि परमेश्वर उस पर विपत्तियाँ बिना तरस खाए डाल देगा"

अथ्यूब इस हवा के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो खुद को एक दुष्ट व्यक्ति पर फेंक सकती है और उस पर तरस नहीं खा सकती, अर्थात् उसे कोई करुणा नहीं दिखा सकती। यदि आपने पिछले दो पदों में इस स्वरूप को एक तुलना के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है, तो आप इस पद में भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा है जैसे एक हिंसक हवा उसके खिलाफ लगातार बह रही है"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 27:22 (#2)

"वह भाग जाना चाहेगा"

अथ्यूब क्रिया "भाग जाना" को निर्देश में दोहरा रहे हैं (अंग्रेजी अनुवाद में) ताकि वह जिस विचार को व्यक्त कर रहे हैं उसे तीव्रता प्रदान कर सकें। यहाँ विशेष अर्थ यह है कि दुष्ट व्यक्ति इस प्रचण्ड हवा से बेताबी से भागने की कोशिश कर रहा है।

यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो यहाँ आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बेताबी से बचने की कोशिश करता है" या "ऐसा लगता है जैसे वह बेताबी से बचने की कोशिश कर रहा है"

देखें: दोहराव

अथ्यूब 27:22 (#3)

"उसके हाथ से"

यहाँ, **हाथ** शक्ति का प्रतीक है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी शक्ति से"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 27:23 (#1)

"लोग उस पर ताली बजाएँगे"

इस संस्कृति में, लोग नकारात्मक भावनाओं जैसे शोक, आक्रोश या उपहास व्यक्त करने के लिए प्रतीकात्मक क्रिया के रूप में अपने दोनों हाथों से एक साथ ताली बजाते थे। इस सन्दर्भ में, अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे हवा दुष्ट व्यक्ति का उपहास कर रही हो। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, विशेष रूप से यदि आपकी संस्कृति में लोग सकारात्मक भावनाओं जैसे स्वीकृति और प्रशंसा व्यक्त करने के लिए ताली बजाते हैं, तो आप अपने अनुवाद में इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। आप अपनी संस्कृति में उपहास व्यक्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी इशारे का नाम भी ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा है जैसे हवा उस पर उपहास में ताली बजा रही हो" या "ऐसा है जैसे हवा उस पर उपहास में उंगली उठा रही हो"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 27:23 (#2)

"और उस पर ऐसी सुसकारियाँ भरेंगे"

इस संस्कृति में, लोग उपहास व्यक्त करने के लिए सुसकारियों की धनि निकालते हैं। अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि हवा भी दुष्ट व्यक्ति पर उपहास कर रही हो, ऐसी आवाज़ निकालकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं

हैं। आप उस ध्वनि का नाम भी बता सकते हैं जिसे आपकी संस्कृति में लोग उपहास व्यक्त करने के लिए निकालते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उपहासपूर्ण फुफकारने की आवाज़ निकालता है" या "और उस पर उपहासपूर्वक हँसता है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 27:23 (#3)

"वह अपने स्थान पर"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि अथूब जिस हवा का वर्णन कर रहे हैं, वह घर के भीतर से दुष्ट व्यक्ति पर सुसकारियाँ भरती हैं, जिससे वह उसे छोड़ने के लिए विवश हो जाता है। (अथूब हवा के बारे में पद 21 में कहते हैं, "उसको उसके स्थान से उड़ा ले जाएगी।") वैकल्पिक अनुवाद: "उसके पूर्व घर के भीतर से, जिसे अब यह हवा घेर चुकी है" (2) कि हवा दुष्ट व्यक्ति पर सुसकारियाँ भरती हैं, अब जब वह अपने स्थान पर से बाहर है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसे अपना घर छोड़ना पड़ा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय बिल्ड और अन्य दो मित्रों के प्रति अथूब की प्रतिक्रिया का एक निरंतर भाग है। अपने भाषण के इस भाग में, अथूब चर्चा करते हैं कि लोग बुद्धि कैसे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने और उनके मित्रों ने बुद्धि के महत्व पर जोर दिया है (उदाहरण के लिए, 12:2, 15:8, और 26:3 में)। अथूब इस प्रभावशाली चर्चा के अंत में कहते हैं, "देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है, और बुराई से दूर रहना यही समझ है।" इसका तात्पर्य यह है कि अथूब, जो बुद्धि को बहुत महत्व देते हैं, परमेश्वर का अनादर नहीं करते, दुष्टा से दूर रहते, और इस प्रकार बुद्धि प्राप्त करने से वंचित नहीं होते। इसलिए इस अध्याय में, अथूब अपनी निर्दोषता का एक और महत्वपूर्ण बचाव प्रस्तुत करते हैं।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को शेष पाठ की तुलना में पृष्ठ के दाईं ओर अधिक रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

पद 13-18 में "यह" का संदर्भ

अथूब पद 12 में "बुद्धि" का विषय प्रस्तुत करता है। फिर, पद 14 से अध्याय के अंत तक, वह अधिकांश समय बुद्धि का

उल्लेख "यह" और "इसका" सर्वनामों के साथ करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो आप संदर्भ को स्पष्ट कर सकते हैं और नियमित अंतराल पर "बुद्धि" शब्द का उपयोग कर सकते हैं। टिप्पणी सुझाव देती है कि आप विभिन्न स्थानों पर इसे कैसे कर सकते हैं।

अथूब 28:1 (#1)

"स्थान होता है"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और निश्चित रूप से एक स्थान है"

देखें: पदलोप

अथूब 28:1 (#2)

"सोने के लिये भी स्थान होता है जहाँ लोग"

यहाँ, जहाँ लोग एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशिष्ट संदर्भ नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अनुवाद किसी ऐसे समतुल्य अभिव्यक्ति से कर सकते हैं जिसमें अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ सोना परिष्कृत किया जाता है" या "जहाँ लोग सोना परिष्कृत करते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:2 (#1)

"लोहा मिट्टी में से निकाला जाता"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग धूल से लोहा प्राप्त करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:2 (#2)

"मिट्टी में से"

अथूब भूमि के एक हिस्से, उसकी सतह पर मिट्टी का उपयोग भूमि के लिए कर रहे हैं। लोहा वास्तव में भूमि की गहराई से निकाला गया है। यदि यह आपकी भाषा में

उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: "भूमि से"

देखें: उपलक्षण

अथूब 28:2 (#3)

"और पत्थर पिघलाकर पीतल बनाया जाता है"

अथूब उस अयस्क की बात कर रहे हैं जिससे पीतल, पत्थर के रूप में पिघलाया जाता है, क्योंकि वह अयस्क एक प्रकार का पत्थर है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोगों ने अयस्क से पीतल गलाया"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 28:2 (#4)

"और पत्थर पिघलाकर पीतल बनाया जाता है"

शब्द "पिघलाकर" का अर्थ अयस्क को टुकड़ों में तोड़ना और उसे इतनी अधिक गर्मी पर पिघलाना है कि पीतल जैसी धातु उससे अलग हो जाए। यदि आपके पाठक पिघलाने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने अनुवाद में इसे एक सामान्य अभिव्यक्ति के साथ वर्णित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग अयस्क को तोड़ते हैं और उसमें से पीतल निकालने के लिए उसे पिघलाते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:3 (#1)

"अंधियारे को दूर कर"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि वह जिस व्यक्ति का वर्णन कर रहे हैं, वह या तो भूमिगत रोशनी लाता है, जहाँ अन्यथा अंधियारा होता है, या एक गहरा लम्बवत् छिद्र खोलता है जो प्रकाश को अंदर आने देता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भूमिगत मशाले लाना" या गहरा लम्बवत् छिद्र खोलना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:3 (#2)

"दूर-दूर तक खोद-खोदकर,"

सर्वनाम मनुष्य उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो कीमती धातुओं के लिए खनन कर रहा है। यह किसी ऐसे व्यक्ति को संदर्भित नहीं करता है जिसका उल्लेख अथूब ने पहले किया है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक खनिक, हर छोर तक, एक पत्थर की तलाश करता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:3 (#3)

"दूर-दूर तक खोद-खोदकर,"

अथूब यहाँ दूर-दूर तक को ज़ोर देने के लिए एक सामान्यीकरण के रूप में करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप ज़ोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक खनिक हर जगह खोजता है ताकि वह एक पत्थर खोजने की कोशिश कर सके"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 28:3 (#4)

"अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर"

अथूब इस स्वामित्व रूप का उपयोग एक पत्थर का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो केवल अंधियारे और घोर अंधकार में ही पाया जा सकता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्थर जो केवल अंधकार और गहरी अंधेरी जगहों में ही पाया जा सकता है।"

देखें: स्वामित्व

अथूब 28:3 (#5)

"अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर"

अथूब किसी विशेष पत्थर का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य तौर पर वह पत्थर है जिसमें कीमती धातु होती है, यानी अयस्क। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अयस्क जो केवल धुंधले और गहरे अंधकार में पाया जा सकता है"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 28:3 (#6)**"अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर"**

शब्द **अंधियारे** और **घोर अंधकार** समान अर्थ रखते हैं। अथ्यूब जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अयस्क जो केवल वहाँ पाया जा सकता है जहाँ बहुत अंधेरा हो"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथ्यूब 28:3 (#7)**"अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर"**

अथ्यूब गहरे भूमिगत स्थान को संदर्भित करने के लिए **अंधियारे** और **घोर अंधकार** वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं, जहाँ बहुत अंधेरा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""अयस्क जो केवल गहरा भूमिगत पाया जा सकता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 28:4 (#1)**"जहाँ लोग रहते हैं वहाँ से दूर वे खानि खोदते हैं"**

सर्वनाम वे फिर से उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो कीमती धातुओं के लिए खनन कर रहा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। चूँकि अथ्यूब इस पद के बाकी हिस्सों में बहुवचन रूपों का उपयोग करते हैं, आप यहाँ बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक खदानें खोलते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 28:4 (#2)**"जहाँ लोग रहते हैं वहाँ से दूर"**

यदि आपकी भाषा में रहते के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ लोग निवास करते हैं उससे दूर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 28:4 (#3)**"चलनेवालों के भूले-बिसरे हुए"**

अथ्यूब किसी विशेष चलनेवालों का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य तौर पर पैरों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पैरों से भूले हुए लोग"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 28:4 (#4)**"चलनेवालों के भूले-बिसरे हुए"**

अथ्यूब **चलनेवालों** की बात कर रहे हैं जैसे कि वह कोई जीवित चीज़ हो जिसे किसी चीज़ का पता न हो। (यही वह है जिसे यहाँ **भूले-बिसरे हुए** शब्द इंगित करता है।) यह इस बात का वर्णन कर सकता है: (1) खदानों का स्थान। अथ्यूब कह रहे होंगे कि वे दूरस्थ स्थानों में हैं जहाँ लोग नहीं जाते। इस मामले में **चलनेवालों** शब्द लोगों के यात्रा करने का प्रतिनिधित्व करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे स्थानों में जहाँ लोग नहीं जाते" (2) जिस तरह से लोग खदानों के ऊपर जमीन पर चलते हैं बिना यह महसूस किए कि खनिक उनके नीचे गहराई में काम कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद, एक नया वाक्य शुरू करते हुए: "खनिकों के ऊपर जमीन पर चलने वाले लोगों को एहसास नहीं होता कि वे वहाँ हैं"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 28:4 (#5)**"मनुष्यों से दूर"**

यहाँ **मनुष्यों** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों से दूर"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 28:4 (#6)**"लटके हुए झूलते रहते हैं"**

अथ्यूब का अर्थ है कि ये खनिक रस्सियों से **लटके हुए झूलते रहते हैं** ताकि खदानों में नीचे जा सकें। वह इस बात पर जोर दे रहे हैं कि लोग कीमती धातुओं को खोजने के लिए किस

प्रकार के जोखिम उठाते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपनी खदानों में उतरने के लिए रसियों से खतरनाक तरीके से लटकते और झूलते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:5 (#1)

"यह भूमि जो है, इससे रोटी तो मिलती है,"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस पद में, अथूब पृथ्वी की सतह पर होने वाली सामान्य गतिविधियों और पृथ्वी के नीचे खदानों में होने वाली असाधारण, खतरनाक गतिविधियों के बीच अंतर को चिह्नित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग पृथ्वी की सतह पर भोजन उगाते हैं, लेकिन सतह के नीचे, लोग पृथ्वी को आग जैसे साधनों से परिवर्तित करते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:5 (#2)

"रोटी"

अथूब एक प्रकार के भोजन, रोटी, का उल्लेख आम तौर पर भोजन के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन"

देखें: उपलक्षण

अथूब 28:5 (#3)

"मानो आग से उलट दिए जाते हैं"

अथूब इस तरह से बोल रहे हैं मानो खनिकों ने सचमुच धरती को उलट दिए हो, यानी जो नीचे था उसे ऊपर रख दिया हो। वह आम तौर पर इस बारे में बोल रहे हैं कि खनिक उस क्षेत्र को कैसे बदलते हैं जिसमें वे काम करते हैं। (कुछ मामलों में इसमें वास्तविक उलटना शामिल हो सकता है।) यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आग से भूभाग का आकार बदल जाता है" या "खनिक आग से भूभाग का आकार बदल देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 28:5 (#4)

"आग से उलट दिए जाते हैं"

अथूब मानते हैं कि उनके दोस्त समझेंगे कि वह आग शब्द का उपयोग एक प्राचीन खनन प्रथा के संदर्भ में कर रहे हैं। खनिक चट्टानों को गर्म करने के लिए खदानों की दीवारों के पास आग जलाते थे। फिर वे गर्म चट्टान पर पानी छिड़कते थे ताकि वह टूट जाए। इससे उन्हें अस्त्र निकालने में आसानी होती थी। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक चट्टानों को आग से गर्म करके और फिर उन्हें तोड़ने के लिए पानी डालकर भूभाग को नया आकार देते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:6 (#1)

"उसके पत्थर नीलमणि का स्थान हैं,"

सर्वनाम उसके और उसी पृथ्वी को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी के पत्थरों में नीलमणि होते हैं, और पृथ्वी की कुछ धूल में सोना होता है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:6 (#2)

"नीलमणि"

नीलमणि एक दुर्लभ और मूल्यवान नीला रत्न है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि नीलमणि क्या है, तो आपके अनुवाद में आप एक समान रत्न का नाम उपयोग कर सकते हैं जिसे वे पहचानेंगे, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूल्यवान रत्न"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:7 (#1)

"उसका मार्ग कोई माँसाहारी पक्षी नहीं जानता"

अथूब परोक्ष रूप से उस मार्ग का उल्लेख कर रहे हैं जिस पर खनिक रत्नों और कीमती धातुओं की खोज में धरती की गहराई में जाते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक धरती की गहराई में ऐसा रास्ता अपनाते हैं जिसे कोई तेज़ नज़र वाला शिकारी पक्षी भी नहीं देख सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:7 (#2)

"और किसी गिद्ध की दृष्टि उस पर नहीं पड़ी"

अथूब गिद्ध के एक हिस्से, उसकी दृष्टि का इस्तेमाल करके, उसके देखने के कार्य में उसके पूरे हिस्से का अर्थ बता रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और न ही बाज ने इसे देखा है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 28:7 (#3)

"और किसी गिद्ध की दृष्टि उस पर नहीं पड़ी"

अथूब किसी विशेष गिद्ध का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य गिद्धों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "न ही बाज़ों ने इसे देखा है"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 28:7 (#4)

"गिद्ध"

गिद्ध एक पक्षी है जो जानवरों और अन्य पक्षियों को खाता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि गिद्ध क्या है, तो आप अपने अनुवाद में एक समान पक्षी का नाम उपयोग कर सकते हैं जिसे वे पहचानेंगे, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक चील"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:8 (#1)

"उस पर हिंसक पशुओं ने पाँव नहीं धरा,"

अभिव्यक्ति हिंसक पशुओं एक व्यक्ति या पशु का वर्णन करती है जिसमें एक विशेष गुण होता है। शब्द हिंसक यह इंगित करता है कि अथूब जिन जानवरों का वर्णन कर रहे हैं, वे अपनी ताकत और उग्रता में आत्मविश्वासी हैं और अन्य जानवरों से नहीं डरते। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि जंगली जानवर भी, जिन्हें

कहीं जाने का कोई डर नहीं है, वे भी उस जगह पर नहीं गए हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 28:8 (#2)

"उस पर हिंसक पशुओं ने पाँव नहीं धरा"

सर्वनाम उस पर उस "पथ" को संदर्भित करता है जिसका वर्णन अथूब ने पिछली आयत में किया है, अर्थात्, वह मार्ग जिससे खनिक धरती में प्रवेश करते हैं। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस पथ पर नहीं चले"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:8 (#3)

"और न उससे होकर कोई सिंह कभी गया है"

अथूब किसी विशेष सिंह का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य तौर पर सिंहों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूप में व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और सिंह उसके ऊपर से नहीं गुज़रे"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 28:9 (#1)

"वह चकमक के पत्थर पर हाथ लगाता"

सर्वनाम वह एक खनिक को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है और आपकी भाषा में बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक चकमक पत्थर की ओर अपने हाथ बढ़ाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:9 (#2)

"वह चकमक के पत्थर पर हाथ लगाता,"

"हाथ लगाता" का अर्थ किसी पर हमला करना है। अथूब कह रहे हैं कि खनिक हमला करेंगे, यानी मूल्यवान सामग्रियों की तलाश में सबसे कठोर प्रकार की चटान को भी तोड़ देंगे। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका मतलब सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"खनिक मूल्यवान सामग्रियों की तलाश में सबसे कठोर प्रकार की चट्टान को भी तोड़ देते हैं; वे उलट देते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 28:9 (#3)

"और पहाड़ों को जड़ ही से उलट देता है"

अथूब पहाड़ों के नीचे की जमीन के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे उन पहाड़ों की जड़ें हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, बहुवचन रूप का उपयोग करते हुए: "वे पहाड़ों को उलट देते हैं, उनके नीचे गहराई तक खोदते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 28:9 (#4)

"और पहाड़ों को जड़ ही से उलट देता है"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे खनिक सचमुच पूरे पहाड़ों को उलट देते हैं। हो सकता है कि वह पहाड़ों शब्द का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में सामग्री को दर्शनी के लिए कर रहे हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं, और एक बार फिर आपकी भाषा में बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक पृथ्वी की गहराई से बड़ी मात्रा में सामग्री निकालते हैं।"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 28:10 (#1)

"वह चट्टान खोदकर नालियाँ बनाता, उसकी आँखों को हर एक अनमोल वस्तु दिखाई देती है"

सर्वनाम वह और उसकी एक खनिक को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपहोगी हो सकता है और आपकी भाषा में बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक चट्टानों के बीच से नहरें खोदते हैं और उनकी आँखें हर मूल्यवान वस्तु को देखती हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:10 (#2)

"उसकी आँखों को"- "दिखाई देती है"

अथूब एक खनिक के एक हिस्से, उसकी आँखों का उपयोग करके, उसके देखने के कार्य में उसके सभी पहलुओं का अर्थ बता रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह देखता है" या "वे देख रहे हैं।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 28:10 (#3)

"और" - "हर एक अनमोल वस्तु"

अथूब हर एक का उपयोग सामान्यीकरण के रूप में जोर देने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... चट्टानों में बहुत सी मूल्यवान वस्तुएँ होती हैं।"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 28:11 (#1)

"वह नदियों को ऐसा रोक देता है,"

सर्वनाम वह एक खनिक को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है और आपकी भाषा में बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक धाराओं को बहने से रोकते हैं और वे छिपी हुई वस्तुओं को प्रकाश में लाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:11 (#2)

"वह नदियों को ऐसा रोक देता है,"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे खनिक सचमुच पानी की धाराओं को रोक देता है। उनका मतलब है कि खननकर्ता अस्थायी रूप से नदियों को बांध देते हैं या उनके प्रवाह को मोड़ देते हैं ताकि वे पदार्थ उजागर हो जाएँ जो उनके पानी में आमतौर पर छिपे होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खनिक धाराओं को बांधते हैं या मोड़ते हैं ताकि उन वस्तुओं को उजागर किया जा सके जिन्हें सामान्यतः उनकी धाराएँ छुपाती हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 28:11 (#3)**"उजियाले में"**

अथ्यूब उजियाले शब्द का उपयोग किसी ऐसी चीज़ का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो दृष्टि में है, क्योंकि लोगों को चीज़ों को देखने के लिए प्रकाश की आवश्यकता होती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दृष्टि में"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 28:12 (#1)**"परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है?"**

अथ्यूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे बुद्धि, जिसे वह समझ भी कहते हैं, वास्तव में किसी स्थान में मिल सकती है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन बुद्धि कैसे प्राप्त की जा सकती है? कोई व्यक्ति समझ कैसे प्राप्त कर सकता है?"

देखें: रूपक

अथ्यूब 28:12 (#2)**"परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है?"**

अथ्यूब केवल जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि उनके श्रोता उन प्रश्नों पर उनके द्वारा अभी-अभी कही गई बातों के प्रकाश में विचार करें। यदि आपकी भाषा का कोई वक्ता उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करता है, तो आप इन प्रश्नों का कथनों के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब मैं चाहता हूँ कि तुम विचार करो कि बुद्धि कहाँ पाई जाती है। मैं चाहता हूँ कि तुम विचार करो कि समझ का स्थान कहाँ है" या "लेकिन अब मैं चाहता हूँ कि तुम विचार करो कि बुद्धि कैसे प्राप्त की जा सकती है। मैं चाहता हूँ कि तुम विचार करो कि एक व्यक्ति समझ कैसे प्राप्त कर सकता है"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 28:12 (#3)**""परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है?"**

अथ्यूब रत्नों और कीमती धातुओं को खोजने की कठिनाई और बुद्धि और समझ को खोजने की उससे भी अधिक कठिनाई के बीच एक अंतर्निहित तुलना कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग नहीं जानते हैं"

मैं इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन बुद्धि, रत्नों और कीमती धातुओं की तुलना में प्राप्त करना और भी कठिन है। समझ का स्थान जानना उन वस्तुओं को खोजने से भी अधिक कठिन है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप इस बात पर विचार करें कि कोई व्यक्ति बुद्धि कैसे प्राप्त कर सकता है!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 28:12 (#4)**"परन्तु बुद्धि कहाँ मिल सकती है?"**

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। अथ्यूब पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं ताकि वाक्यांशों द्वारा व्यक्त विचार पर जोर दिया जा सके। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप उन्हें जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन बुद्धि, रत्नों और कीमती धातुओं से भी अधिक कठिनाई से प्राप्त होती है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप इस बात पर विचार करें कि कोई बुद्धि को कैसे प्राप्त कर सकता है!"

देखें: समानांतरता

अथ्यूब 28:12 (#5)**"और समझ का स्थान कहाँ है?"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन समझ कहाँ प्राप्त होती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 28:13 (#1)**"मनुष्य को मालूम नहीं"**

यहाँ मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग नहीं जानते हैं"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 28:13 (#2)**"उसका मोल"**

अनुवादित शब्द **मोल** का निहितार्थ अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर ने बुद्धि कहाँ रखी है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका स्थान" (2) बुद्धि का मूल्य। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी कीमत"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:13 (#3)**"उसका मोल"**

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, सर्वनाम **उसका** यहाँ और अध्याय के शेष भाग में बुद्धि को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे विभिन्न बिंदुओं पर स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि का मोल"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:13 (#4)**"वह कहीं नहीं मिलती"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई इसे खोज नहीं सकता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:13 (#5)**"जीवनलोक में"**

अथूब विशेषण **जीवनलोक** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है एक निश्चित दल के लोग, जो पृथ्वी पर जीवित हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समानार्थी वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के बीच जो पृथ्वी पर रहते हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 28:14 (#1)**"अथाह सागर कहता है, 'वह मुझ में नहीं है'"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "गहराई कहती है कि उसमें बुद्धि नहीं है, और समुद्र कहता है कि वह उसके पास नहीं है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 28:14 (#2)**"गहराई कहती है, 'यह {मेरे} पास नहीं है'"**

अथूब महासागर की **गहराई** (अर्थात् समुद्र की गहराइयाँ) और **समुद्र** (संभवतः इसका व्यापक विस्तार) के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वे जीवित चीज़ें हों जो बोल सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि गहराई बोल सकती, तो वह कहती, 'मेरे पास बुद्धि नहीं है,' और यदि समुद्र बोल सकता, तो वह कहता, 'यह मेरे पास नहीं है।'"

देखें: मानवीकरण

अथूब 28:14 (#3)**"समुद्र भी कहता है, 'वह मेरे पास नहीं है'"**

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात को व्यक्त करते हैं। अथूब इस विचार पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं, जो वाक्यांश व्यक्त करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो, तो आप उन्हें मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गहरा और चौड़ा महासागर कहता है, 'यह मुझमें नहीं है।'"

देखें: समानांतरता

अथूब 28:15 (#1)**"शुद्ध सोने से वह मोल लिया नहीं जाता,"**

यदि आपकी भाषा में ये निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होते हैं, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति बुद्धि के बदले सोना नहीं दे सकता, और न ही इसके लिए चाँदी तौल सकता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:16 (#1)

"न तो उसके साथ ओपीर के कुन्दन की बराबरी हो सकती है;"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ओपीर के सोने से बुद्धि का मूल्य नहीं आंका जा सकता।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:16 (#2)

"और न अनमोल सुलैमानी पत्थर या नीलमणि की"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और न ही इसे अनमोल सुलैमानी पत्थर या नीलमणि के साथ मूल्यांकित किया जा सकता है" या "और न ही कोई इसकी कीमत कीमती सुलैमानी पत्थर या नीलमणि के साथ माप सकता है।"

देखें: पदलोप

अथूब 28:16 (#3)

"अनमोल सुलैमानी पत्थर या नीलमणि की"

सुलैमानी पत्थर एक मूल्यवान रत्न है जो कई रंगों में आता है, लेकिन इसे इसके काले रंग के लिए सबसे अधिक जाना जाता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि सुलैमानी पत्थर क्या है, तो आप अपने अनुवाद में एक समान रत्न के नाम का उपयोग कर सकते हैं जिसे वे पहचानेंगे, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने [28:6](#) में "नीलमणि" शब्द का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूल्यवान काले या नीले रत्नों के साथ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:17 (#1)

"न काँच"

काँच शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) एक सुंदर प्राकृतिक रूप, जो एक स्पष्ट या रंगीन खनिज ले सकता है, जिससे प्रकाश उसमें से होकर चमक सकता है। आपके पाठक शायद ऐसे खनिज से परिचित हों जो काँच बनाता है और यदि

ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में इसके नाम का यहाँ इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न काँच" (2) स्पष्ट, चमकदार काँच। वैकल्पिक अनुवाद: "न चमकदार काँच"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:18 (#1)

"मूँगे और स्फटिकमणि की उसके आगे क्या चर्चा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई मूँगा या स्फटिकमणि का उल्लेख नहीं करता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:18 (#2)

"मूँगे और स्फटिकमणि की उसके आगे क्या चर्चा"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इन शब्दों की संदर्भ से पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उन वस्तुओं की चर्चा होती है जो बुद्धि के बराबर मूल्यवान हो सकती हैं, तो मूँगा या स्फटिकमणि का उल्लेख भी नहीं किया जाता।"

देखें: पदलोप

अथूब 28:18 (#3)

"मूँगे"

मूँगे एक सुंदर, कठोर पदार्थ है जो महासागर की चट्टानों पर पाया जाता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि मूँगे क्या है, तो आप अपनी संरक्षित में किसी समान वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुंदर समुद्री सीपियाँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:18 (#4)

"और स्फटिकमणि"

शब्द स्फटिकमणि एक कीमती पत्थर का वर्णन करता है, जो अक्सर लाल-भूरा होता है, और जिसमें अन्य रंगों की धारियाँ और निशान होते हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि स्फटिकमणि क्या है, तो आप अपने अनुवाद में एक समान कीमती पत्थर के नाम का उपयोग कर सकते हैं जिसे वे पहचानेंगे। आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कीमती पत्थर"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:18 (#5)

"मोल माणिक से भी अधिक है"

शब्द माणिक शानदार रत्नों का वर्णन करता है जो अक्सर गहरे लाल होते हैं। यदि आपके पाठक माणिक के बारे में नहीं जानते हैं, तो आप अपने अनुवाद में किसी ऐसे रत्न के नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसे वे पहचान सकें। आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लाल रत्नों से भी अधिक है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:19 (#1)

"कूश देश के पद्मराग"

शब्द पद्मराग एक मूल्यवान रत्न का वर्णन करता है जो अक्सर नीला या पीला होता है। अगर आपके पाठक पद्मराग के बारे में नहीं जानते हैं, तो आप अपने अनुवाद में किसी ऐसे रत्न के नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसे वे पहचान सकें, या आप कोई सामान्य अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुश से आने वाले रत्न"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 28:19 (#2)

"कूश"

शब्द कूश एक स्थान का नाम है। यह प्राचीन समय में ऊपरी नील क्षेत्र के लिए प्रयुक्त नाम था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 28:19 (#3)

"न उससे शुद्ध कुन्दन की बराबरी हो सकती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुद्धि का मूल्य शुद्ध सोने के बराबर नहीं आंका जा सकता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:20 (#1)

"""फिर बुद्धि कहाँ मिल सकती है?"

देखें कि आपने [28:12](#) में समान प्रश्नों का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए लोगों को बहुत ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए कि बुद्धि कैसे प्राप्त की जाए। उन्हें समझ प्राप्त करने के तरीकों पर गहराई से विचार करना चाहिए।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 28:21 (#1)

"""वह सब प्राणियों की आँखों से छिपी है;"

अगर आपकी भाषा में इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी जीवित प्राणी की आँखें इसे नहीं देख सकतीं; यहाँ तक कि आकाश के पक्षी भी इसे नहीं देख सकते"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 28:21 (#2)

"की आँखों से"

अथूब जीवित प्राणियों के एक भाग, उनकी आँखों का उपयोग करके, देखने की क्रिया में उसके सभी अंगों का अर्थ बता रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दृष्टि से"

देखें: उपलक्षण

अथूब 28:22 (#1)

"""विनाश और मृत्यु कहती हैं,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश और मृत्यु कहते हैं कि उन्होंने इसे अपने कानों से एक अफवाह के रूप में सुना है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 28:22 (#2)

"विनाश और मृत्यु कहती हैं,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे विनाश और मृत्यु जीवित वस्तुएँ हों जो बोल सकती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि विनाश और मृत्यु बोल सकते, तो वे कहते, 'हमने इसके बारे में एक अफवाह अपने कानों से सुनी है।'

देखें: मानवीकरण

अथूब 28:22 (#3)

"विनाश और मृत्यु कहती हैं,"

शब्द विनाश और मृत्यु समान अर्थ रखते हैं। 26:6 की टिप्पणी में समझाया गया है कि विनाश, अधोलोक का एक और नाम है, जो मृतकों का निवास स्थान है। इस संदर्भ में, शब्द मृत्यु संभवतः मृतकों के निवास स्थान से जुड़ा हुआ है। अथूब इन दोनों शब्दों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधोलोक कहता है, 'मैंने इसके बारे में अपने कानों से एक अफवाह सुनी है।'"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 28:22 (#4)

"हमने उसकी चर्चा सुनी है"

वक्ताओं का मतलब है कि उन्होंने अपने कानों से बुद्धि के बारे में सुना है, लेकिन उन्होंने इसे अपनी आँखों से नहीं देखा है या व्यक्तिगत रूप से इसका सामना नहीं किया है। इसलिए सुनी शब्द का उपयोग, जो अन्यथा अतिरिक्त जानकारी की तरह लग सकता है क्योंकि यह धारणा पहले से ही सुनी गई शब्द में निहित है, वास्तव में कथन को सीमित करने का काम करती है, आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "हमने इसके बारे में केवल एक अफवाह सुनी है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना

अथूब 28:23 (#1)

"परमेश्वर उसका मार्ग समझता है,"

अथूब ऐसे बोलते हैं जैसे कि मानो बुद्धि सचमुच किसी स्थान पर पाई जा सकती है और वहाँ पहुँचने का कोई मार्ग है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर समझते हैं कि मनुष्य कैसे बुद्धि प्राप्त कर सकते हैं, हाँ, वह जानते हैं कि वे कैसे बुद्धिमान बन सकते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 28:23 (#2)

"उसका मार्ग"

अथूब इस स्वामित्व रूप का उपयोग, बुद्धि के मार्ग का वर्णन करने के लिए नहीं, बल्कि उस मार्ग का जो बुद्धि की ओर ले जाता है, कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मार्ग जो बुद्धि की ओर ले जाता है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 28:24 (#1)

"(क्योंकि)"

आप अपने अनुवाद में इस पद को पिछले पद से जोड़ने के लिए क्योंकि शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका इस्तेमाल आई.आर.वी में नहीं किया गया है। अथूब यह बताने के लिए क्योंकि शब्द का उपयोग कर रहे हैं कि उन्होंने पिछले पद में क्यों कहा कि परमेश्वर जानते हैं कि बुद्धि कहाँ मिलेगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को पता है कि बुद्धि कहाँ पाई जा सकती है क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 28:24 (#2)

"वह तो पृथ्वी की छोर तक ताकता रहता है,"

अथूब सृष्टि के दो मुख्य घटकों, पृथ्वी और आकाशमण्डल, का उपयोग पूरी सृष्टि का अर्थ समझाने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पूरी सृष्टि में सब कुछ देख सकते हैं"

देखें: विभज्योतक

अथूब 28:24 (#3)

"देखता-भालता है"

जोर देने के लिए, अथूब सर्वनाम वह का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया देखता-भालता में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वही है जो देखता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:25 (#1)

"जब उसने वायु का तौल ठहराया"

अथूब तौल शब्द का उपयोग "बल" के अर्थ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उन्होंने हवा के बल को निर्धारित किया"

देखें: मुहावरा

अथूब 28:25 (#2)

"और जल को नपुए में नापा"

अथूब अप्रत्यक्ष रूप से उस वर्षा जल का उल्लेख कर रहे हैं जो बादलों में होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और बादलों को माप के अनुसार वर्षा जल प्रदान करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 28:25 (#3)

"और जल को नपुए में नापा,"

अथूब ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने बादलों में सही मात्रा में वर्षा का जल डालने के लिए सचमुच एक नाप का उपयोग किया हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सावधानी से वर्षा के पानी को बादलों में बाँट दिया"

देखें: रूपक

अथूब 28:26 (#1)

"गर्जन और बिजली के लिये"

अथूब बिजली का अर्थ बिजली की चमक से जोड़कर इस्तेमाल करते हैं जो गरजने के साथ आती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिजली की चमक के लिए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 28:27 (#1)

"तब उसने बुद्धि को देखकर उसका बखान भी किया"

सर्वनाम उसने परमेश्वर को संदर्भित करता है, और सर्वनाम उसका बुद्धि को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तब परमेश्वर ने पहचाना कि बुद्धि क्या होगी, और उसने उसका वर्णन किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 28:28 (#1)

"“तब उसने मनुष्य से कहा,”

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने मनुष्य से कहा कि प्रभु का भय वास्तव में बुद्धि है और दुष्टा से मुड़ना समझदारी है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 28:28 (#2)

"मनुष्य से"

यहाँ पर मनुष्य शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और

महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मानवजाति के लिए"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 28:28 (#3)

"प्रभु का भय"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझसे डरना" या "मेरा आदर करना"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 28:28 (#4)

"और बुराई से दूर रहना यही समझ है"

यहोवा यह कह रहे हैं कि लोगों को शारीरिक रूप से बुराई से दूर जाना चाहिए। उनका मतलब है कि यदि लोग समझ प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें दुष्ट तरीकों से नहीं बल्कि अच्छे तरीकों से जीना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग समझदारी प्राप्त करेंगे यदि वे बुराई को अस्वीकार करेंगे"

देखें: रूपक

अथूब 29 सामान्य टिप्पणी

संरचना और रूपरेखा

यह अध्याय अथूब द्वारा अपने तीन दोस्तों को दी गई अंतिम प्रतिक्रिया का विस्तार है। इस अध्याय में, अथूब उस सम्मान और प्रभाव को याद करता है जो उसे प्राप्त था और जो उसने अपने समुदाय में इतने कष्ट झेलने से पहले प्राप्त किया था।

यूएलटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दार्दी और रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी)

पद 2-6 में, अथूब अपने वर्तमान कष्टों से अपने पूर्व जीवन के बारे में कई कथनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हैं। वह पद 2 में यह इच्छा व्यक्त करते हैं कि उनका जीवन फिर से वैसा हो सके, और पद 3-6 में वह कई वर्णन प्रस्तुत करते हैं, जिनमें

से प्रत्येक "जब" या "उस समय" से शुरू होता है। इस प्रकार के कथनों की श्रृंखला को एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) कहा जाता है। यदि आपके पाठक समझ सकते हैं कि अथूब क्या कर रहे हैं, तो आप इस वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का अनुवाद और स्वरूप यूएलटी की तरह कर सकते हैं। यदि वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) का स्वरूप आपके पाठकों के लिए परिचित नहीं होगा, तो आप प्रत्येक वाक्य को अलग पंक्ति में रखकर उन्हें इसे सराहने में सहायता कर सकते हैं। देखें कि आपने अध्याय 12 में समान वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) के साथ क्या किया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप वाग्मितापूर्ण प्रश्न (लिटनी) में प्रत्येक पद को एक अलग वाक्य बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप पद 3 की शुरुआत इस प्रकार कर सकते हैं, "उस समय।"

इस अध्याय में अनुवाद संबंधी समस्याएँ

पद 21-25 में "वे" का संदर्भ

अथूब ने पद 21-25 में "वे" का उपयोग एक अनिश्चित सर्वनाम के रूप में किया है, जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशिष्ट संदर्भ नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप स्पष्टता के लिए नियमित अंतराल पर "लोग" जैसे एक सामान्य संदर्भ निर्दिष्ट कर सकते हैं। टिप्पणी सुझाव देती है कि आप विभिन्न स्थानों पर ऐसा कैसे कर सकते हैं।

अथूब 29:1 (#1)

"अथूब ने और भी अपनी गूढ़ बात उठाई और कहा"

देखें कि आपने उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद [27:1](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जब अथूब ने अपनी बात जारी रखी, तब उन्होंने कहा" या "अथूब ने बोलना जारी रखा और उन्होंने कहा"

देखें: रूपक

अथूब 29:2 (#1)

"मेरी दशा बीते हुए महीनों की सी होती"

देखें कि आपने प्रगट करे का अनुवाद [11:5-6](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "ओह, काश मैं उन महीनों में होता जैसा मैं तब था"

देखें: मुहावरा

अथूब 29:2 (#2)

""मेरी दशा बीते हुए महीनों की सी होती,"

अथूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए महीने और दिन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा मैं अतीत में था, वैसा ही होना, जैसे उस समय जब परमेश्वर ने मुझे रखा था"

देखें: मुहावरा

अथूब 29:3 (#1)

""जब उसके दीपक का प्रकाश मेरे सिर पर रहता था,"

अथूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उनके ऊपर और चारों ओर एक दीपक जलाया ताकि वह अंधेरे में भी देख सकें कि कहाँ चलना है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर ने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया कि क्या करना है ताकि मैं भ्रमित करने वाली स्थितियों में भी सही निर्णय ले सकूँ"

देखें: रूपक

अथूब 29:3 (#2)

""मेरे सिर पर रहता था"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने सिर का उपयोग अपने सम्पूर्ण के लिए कर रहे हैं, जब वह ऐसे बोलते हैं जैसे परमेश्वर ने उनके ऊपर और चारों ओर एक दीपक का प्रकाश किया हो। वह संभवतः अपने सिर के संदर्भ में, अपने बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि वह दीया के सबसे करीब होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे ऊपर और चारों ओर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 29:4 (#1)

""वे तो मेरी जवानी के दिन थे"

अथूब एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब मैं अपनी जवानी में था"

देखें: मुहावरा

अथूब 29:4 (#2)

""जब परमेश्वर की मित्रता मेरे डेरे पर प्रगट होती थी"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर की मित्रता वास्तव में एक वस्तु हो जो उनके डेरे पर ठहरी हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर ने मित्रता में मेरे डेरे को धन्य किया"

देखें: रूपक

अथूब 29:4 (#3)

""मेरे डेरे"

जैसा कि अगले दो पद संकेत करते हैं, अथूब अपने परिवार का उल्लेख, उस डेरे के साथ कर रहे हैं जिसमें वह रहते थे और अपनी संपत्ति का उल्लेख, उसी डेरे के साथ कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने उन्हें रखा था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा परिवार और मेरी संपत्ति"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 29:5 (#1)

""और मेरे बच्चे मेरे चारों ओर रहते थे"

अथूब कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब जब मेरे बच्चे भी मेरे पास थे"

देखें: पदलोप

अथूब 29:6 (#1)

""तब मैं अपने पैरों को मलाई से धोता था"

अथूब यह कह रहे हैं कि उनके झुण्ड इतना अधिक दूध देते थे कि जहाँ भी वह जाते थे, वहाँ मलाई ही मलाई होती थी और जब वह कहीं भी चलते थे, तो ऐसा लगता था जैसे उनके पैर सचमुच मलाई में झूंके हों। वह यह भी कह रहे हैं कि उनके जैतून के पेड़ इतने अधिक जैतून देते थे कि ऐसा लगता था जैसे चट्टानों से उनके पास सचमुच तेल की धाराएँ बह रही हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट है, तो आप इसका अर्थ

स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मेरे ज्ञाण बहुत अधिक मात्रा में दूध देते थे और मेरे जैतून के पेड़ मेरे लिए बहुत अधिक मात्रा में तेल देते थे"

देखें: रूपक

अथूब 29:6 (#2)

"तब मैं अपने पैरों को मलाई से धोता था"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मलाई ने मेरे कदम नहलाये"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 29:6 (#3)

"और... चट्टानों"

अथूब किसी विशेष चट्टान का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका आशय सामान्यतः चट्टानों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और चट्टानें"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 29:7 (#1)

"जब-जब मैं नगर के फाटक... खुले स्थान में अपने बैठने का स्थान"

शहर के फाटक के पास सार्वजनिक चौक में बैठना एक प्रतीकात्मक कार्य था जिसके द्वारा अथूब ने दिखाया कि वह एक मान्यता प्राप्त सामुदायिक अगुवा था, वह उस समिति का सदस्य था जो शहर के निवासियों के कानूनी मामलों का निपटारा करती थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस कार्य की महत्ता समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने एक मान्यता प्राप्त सामुदायिक अगुवे के रूप में चौक में अपना स्थान ग्रहण किया"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 29:8 (#1)

"तब-तब जवान मुझे देखकर छिप जाते"

इस अभिव्यक्ति का मतलब यह नहीं है कि इन जवानों ने ऐसे छिपने के स्थान खोजे जहाँ कोई उन्हें पा न सके। इसका मतलब है कि वह उस स्थान से पीछे हट गए जहाँ अगुवे बैठे थे और भीड़ में मिल गए। विचार यह है कि अथूब के आने से पहले, उन्होंने सोचा कि वे अपने बुजुर्गों के बोलने के बाद विचार-विमर्श में कुछ योगदान दे सकते हैं, जैसा कि एलीहू इस पुस्तक में अध्याय 32 से शुरू करता है। लेकिन एक बार जब अथूब आ गए, तो उन्हें पता था कि उनकी बुद्धिमानी सलाह से मामले सुलझ जाएँगे और उन्हें योगदान देने की कोई आवश्यकता या अवसर नहीं होगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी है, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पीछे हट गए" या "आदर में एक तरफ हो गए"

देखें: मुहावरा

अथूब 29:8 (#2)

"और पुरनिये उठकर खड़े हो जाते थे"

जब अथूब पहुँचे, तो उठना और खड़ा होना एक प्रतीकात्मक क्रिया थी जो उनकी बुद्धि और समाज में उनके स्थान के प्रति आदर दिखाता था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और बुजुर्ग लोग उनके प्रति आदर में उठे और खड़े हो गए"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 29:8 (#3)

"उठकर खड़े हो जाते थे"

शब्द उठकर और खड़े हो जाते समान अर्थ रखते हैं। अथूब जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पैरों पर खड़े हो गए"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 29:9 (#1)

"बोलने से रुक जाते"

अथूब बोलने का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि इन हाकिमों ने उनके आने से पहले क्या कहा था। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से

व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बोलना बंद कर दिया"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 29:9 (#2)

"और हाथ से मुँह मूँदे रहते थे"

चूँकि अथ्यूब अनेक लोगों के बारे में बात कर रहा है, इसलिए आपकी भाषा में हाथ और मुँह के बहुवचन रूपों का प्रयोग करना अधिक स्वाभाविक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने अपने हाथों को अपने मुँह पर रखा" या "और उन्होंने अपने हाथों से अपने मुँह को ढक लिया"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 29:9 (#3)

"और हाथ से मुँह मूँदे रहते थे"

हाथ से मुँह ढकने से व्यक्ति बोल नहीं पाता। जबकि हाकिम ऐसा किए बिना भी अपनी बात बंद कर सकते थे, उन्होंने ऐसा अथ्यूब के प्रति सम्मान दिखाने के लिए एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में किया, जिससे यह संकेत मिलता था कि उनके द्वारा कही गई बातों से अधिक मूल्यवान कुछ भी नहीं था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने आदरपूर्वक यह दर्शन के लिए अपने हाथों से अपने मुँह ढक लिए कि जो वह कहेंगे उस से अधिक मूल्यवान कुछ भी नहीं होगा"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथ्यूब 29:10 (#1)

"आवाज़" - "और उनकी जीभ" - "तालू से"

क्योंकि अथ्यूब कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में आवाज़, जीभ और तालू के बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "... की आवाज़ें और उनकी जीभें ... उनके तालू तक"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 29:10 (#2)

"प्रधान लोग चुप रहते—उनकी जीभ तालू से सट जाती थी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रधानों ने अपनी आवाजें धीमी कर दी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 29:10 (#3)

"और उनकी जीभ तालू से सट जाती थी"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे प्रत्येक कुलीन की जीभ सचमुच उसके तालू से सट गई हो, अर्थात् उसके मुँह की छत से लग गई। उनका मतलब है कि उन्होंने कुछ नहीं कहा, क्योंकि अगर किसी की जीभ सचमुच इस तरह अटक जाती तो कोई भी कुछ नहीं कह सकता था। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने कुछ नहीं कहा"

देखें: रूपक

अथ्यूब 29:11 (#1)

"क्योंकि"

अथ्यूब ने यह बताने के लिए क्योंकि शब्द का उपयोग किया है कि उन्होंने पिछले पदों में क्यों कहा कि ये विभिन्न समूह के लोग उनके शहर के फाटक पर पहुँचने पर चुप हो गए। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सभी चुप हो गए क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 29:11 (#2)

"जब कोई मेरा समाचार सुनता, तब वह मुझे धन्य कहता था"

अथ्यूब समुदाय के प्रत्येक सदस्य के एक अंग का उपयोग कर रहे हैं, जैसे उनके कान, जो सुनने के कार्य में उनके पूरे अस्तित्व को दर्शाता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने मेरी बात सुनी और मुझे आशीष दी"

देखें: उपलक्षण

अथूब 29:11 (#3)

"जब कोई... सुनता"

यदि आप सुनने के अर्थ में **कान** शब्द को अपने अनुवाद में बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो आपकी भाषा में उस शब्द के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, क्योंकि अथूब कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके कानों ने सुना"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 29:11 (#4)

"तब वह मुझे धन्य कहता था"

अथूब का तात्पर्य स्पष्टतः यह था कि लोगों ने उसे ऐसी बुद्धिमानीपूर्ण, ईश्वरीय सलाह देने के लिए उसे धन्य कहा। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह मुझे इस प्रकार की बुद्धिमान, धार्मिक सलाह देने के लिए धन्य मानते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 29:11 (#5)

"और जब कोई मुझे देखता, तब मेरे विषय साक्षी देता था"

अथूब दृष्टि का अर्थ समझाने के लिए **देखता** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। दृष्टि, ध्यान, दृष्टिकोण और निर्णय का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब उन्होंने महसूस किया कि मैंने जो सलाह दी थी वह बुद्धिमानीपूर्ण थी, तो उन्होंने यह साक्षी दी कि मैंने सही बात कही थी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 29:11 (#6)

"और जब कोई मुझे देखता"

यदि आप सुनने के अर्थ में अपने अनुवाद में **कान** शब्द को बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो आपकी भाषा में उस शब्द के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, क्योंकि अथूब कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी ओँखों ने देखा"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 29:12 (#1)

"दुहाई देनेवाले" - "और अनाथ" - (उनके लिए)

अथूब विशेषण **दुहाई देनेवाले** और **अनाथ** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ कुछ प्रकार के लोग हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समकक्ष वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो दरिद्र थे... और वे लोग जो अनाथ थे... उनके लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 29:12 (#2)

"दुहाई देनेवाले"

शब्द **दुहाई देनेवाले** एक विशेषण है। यह उन लोगों को इंगित करता है जो पीड़ा से ग्रस्त हैं, न कि उन लोगों को जिन्हें दूसरों ने पीड़ा दी है। हालांकि, यदि आपकी भाषा निष्क्रिय क्रियात्मक रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो इस विचार को व्यक्त करने के लिए "पीड़ित" के अलावा किसी अन्य शब्द का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग जो पीड़ा से ग्रस्त थे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 29:13 (#1)

"जो नाश होने पर था मुझे आशीर्वाद देता था"

अथूब किसी विशेष व्यक्ति का जो **नाश** हो रहा था या किसी विशेष **विधवा स्त्री** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका आशय सामान्यतः इसी प्रकार के लोगों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग नष्ट हो रहे थे, उनका आशीर्वाद मुझ पर आया और मैंने विधवाओं के हृदयों को प्रसन्न किया"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 29:13 (#2)

"जो नाश होने पर था मुझे आशीर्वाद देता था"

अथूब उस **आशीर्वाद** के बारे में बात कर रहे हैं जो उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति से मिला था जो **नाश** हो रहा था, जैसे कि

वह एक जीवित चीज़ हो जो उन पर **आ सकती** थी। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग नाश हो रहे थे उन्होंने मुझे धन्य कहा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 29:13 (#3)

"और मेरे कारण विधवा आनन्द के मारे गाती थी"

अथूब एक **विधवा** के एक भाग, अर्थात् उसके **हृदय**, का प्रयोग उसकी सम्पूर्ण आनन्द अनुभूति को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यहाँ **हृदय** भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने विधवाओं को आनंदित किया" या "और मैंने विधवाओं को आनंदित होने का कारण दिया"

देखें: उपलक्षण

अथूब 29:14 (#1)

"मैं धार्मिकता को पहने रहा, और वह मुझे ढांके रहा"

अथूब क्रिया पहने रहा को दोहरा रहे हैं ताकि वह जो विचार व्यक्त करता है उसे और अधिक स्पष्ट कर सके। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने धार्मिकता को अपने चारों ओर लपेट लिया"

देखें: दोहराव

अथूब 29:14 (#2)

"मैं धार्मिकता को पहने रहा, और वह मुझे ढांके रहा"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उसने उस समय के दौरान खुद को **धार्मिकता** से **ढांक** लिया हो, जिसका वह वर्णन कर रहा है। इस संदर्भ में, वस्त्र की छवि एक व्यक्ति के चरित्र का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं धार्मिकता का पालन करने में बहुत सावधान था"

देखें: रूपक

अथूब 29:14 (#3)

"मैं धार्मिकता को पहने रहा, और वह मुझे ढांके रहा"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लोगों के साथ अपने व्यवहार में धर्मी होने के प्रति अत्यधिक सावधान था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 29:14 (#4)

"मेरा न्याय का काम मेरे लिये बागे और सुन्दर पगड़ी का काम देता था"

इस तुलना में, कपड़े एक बार फिर व्यक्ति के चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए भी सावधान था कि लोगों को न्याय मिले"

देखें: उपमा

अथूब 29:14 (#5)

"मेरा न्याय... था"

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का प्रयोग उस **न्याय** का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहे हैं जो उसे प्राप्त हुआ था, बल्कि उन न्यायपूर्ण निर्णयों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं, जिन्हें लेने में उन्होंने शहर के अगुवों की मदद की थी। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने शहर के अगुवों को उचित निर्णय लेने में मदद की थी"

देखें: स्वामित्व

अथूब 29:15 (#1)

"मैं अंधों के लिये आँखें, और लँगड़ों के लिये पाँव ठहरता था"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच **आँखें** और **पाँव** थे जिनकी अन्य लोगों को आवश्यकता थी। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उन लोगों की मदद के लिए चीजें देखीं और पढ़ीं जो देख नहीं सकते थे और मैं उन लोगों की

और से जगहों पर गया जो खुद उन जगहों पर नहीं जा सकते थे"

देखें: रूपक

अथूब 29:15 (#2)

"अंधों के लिये, लँगड़ों के लिये"

अथूब विशेषण अंधा और लंगड़ा को संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों के लिए उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधे लोगों के लिए ... लंगड़े लोगों के लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 29:16 (#1)

"दरिद्र लोगों का मैं पिता ठहरता था"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच दरिद्र लोगों के पिता रहे हों। उनका मतलब है कि उन्होंने एक पिता की भूमिका, एक रक्षक और समर्थक बनकर निभाई। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज़रूरतमंदों का रक्षक" या "ज़रूरतमंदों के लिए समर्थक"

देखें: रूपक

अथूब 29:16 (#2)

"दरिद्र लोगों का"

अथूब विशेषण दरिद्र का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि एक विशेष प्रकार के व्यक्ति का अर्थ निकाला जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज़रूरतमंद लोगों के लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 29:16 (#3)

"और जो मेरी पहचान का न था उसके मुकद्दमे का हाल मैं पूछताछ करके जान लेता था"

अथूब स्पष्ट रूप से एक ऐसे मुकद्दमे की बात कर रहे हैं जिसका विवरण उसे तब तक नहीं पता था जब तक कि कोई उसे निर्णय के लिए नगर के फाटक पर नहीं ले आया। अथूब को यह विवरण नहीं पता था क्योंकि वह उस व्यक्ति से, जो मामला ला रहा था, व्यक्तिगत रूप से परिचित नहीं थे। इसलिए वह मित्रता या पारिवारिक निष्ठा से प्रेरित नहीं थे, बल्कि केवल न्याय के हितों से प्रेरित थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिले, भले ही वह मेरा मित्र या रिश्तेदार न हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 29:17 (#1)

"मैं कुटिल मनुष्यों की डाढ़े तोड़ डालता,"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे कोई कुटिल व्यक्ति एक जंगली पशु हो जिसने एक कमज़ोर व्यक्ति को अपने दांतों में शिकार की तरह पकड़ रखा हो और जैसे उसने इस पशु की डाढ़े तोड़ दी हों ताकि वह अब कमज़ोर व्यक्ति को पकड़ न सके, जो सुरक्षित बाहर निकल जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब किसी अधर्मी व्यक्ति ने किसी कमज़ोर व्यक्ति को किसी अत्याचारी व्यवस्था में मज़बूर किया, तो मैंने अधर्मी व्यक्ति की उस व्यवस्था से उस कमज़ोर व्यक्ति को मुक्त करा दिया"

देखें: रूपक

अथूब 29:17 (#2)

"कुटिल"

अथूब विशेषण कुटिल का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ, एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी लोग और ... उनके दाँतों से"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 29:18 (#1)

"तब मैं सोचता था, '...और अपने ही बसेरे में मेरा प्राण छूटेगा'"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि इसमें उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने कहा कि मैं अपने घोंसले में मर जाऊँगा और मैं रेत के समान अपने दिनों को बढ़ाऊँगा"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 29:18 (#2)

"तब मैं सोचता था, '...और अपने ही बसेरे में मेरा प्राण छूटेगा'

क्योंकि अथूब को मृत्यु से पहले लम्बी आयु व्यतीत करनी थी, इसलिए दूसरे वाक्यांश को पहले वाक्यांश से पहले रखना, अधिक स्वाभाविक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं रेत की तरह अपने दिनों को बढ़ाऊँगा, और फिर मैं अपने घोंसले में मर जाऊँगा"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 29:18 (#3)

"मेरा... छूटेगा"

देखें कि आपने छूटा शब्द का अनुवाद [3:11](#) में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मर जाऊँगा"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 29:18 (#4)

"अपने ही बसेरे में"

अथूब अपने घर के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वह वास्तव में एक घोंसला हो जिसमें कोई पक्षी रहता हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अपने घर में"

देखें: रूपक

अथूब 29:18 (#5)

"मेरे दिन रेतकणों के समान अनगिनत होंगे"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे रेत असंख्य कणों से बनी होती है, वैसे ही अथूब को भी बहुत लंबे समय तक जीने की उम्मीद थी। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "जब मैंने बहुत दिनों तक जीवन व्यतीत कर लिया हो" या "जब मैंने लंबे समय तक जीवन जी लिया हो"

देखें: उपमा

अथूब 29:19 (#1)

"मेरी जड़ जल की ओर फैली,"

यदि आपने पिछले पद में इस उद्धरण का अनुवाद इस प्रकार करने का निर्णय लिया था कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो, तो आप यहाँ ऐसा करना जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा कि मेरी जड़ें पानी तक फैली हुई थीं और ओस मेरी डालियों पर ठहरी हुई थीं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 29:19 (#2)

"मेरी जड़ जल की ओर फैली,"

उन दिनों अथूब ने अपने बारे में इस प्रकार बात की जैसे वह सचमुच एक पेड़ थे जो स्वस्थ और हरा-भरा था क्योंकि उन्हें सारी नमी मिल रही थी जिसकी उन्हें आवश्यकता थी। चूंकि अथूब यह वर्णन कर रहे हैं कि वह क्या कहा करते थे, इसलिए आपके अनुवाद में इस छवि को बनाए रखना अच्छा हो सकता है, लेकिन यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा कि मैं एक ऐसे पेड़ की तरह था जो स्वस्थ और फलता-फूलता था क्योंकि उसे अपनी जड़ों के माध्यम से सारी नमी मिल रही थी, जो भूजल तक पहुँचती थी और रात में ओस के माध्यम से उसकी शाखाओं पर बनती थी"

देखें: रूपक

अथूब 29:19 (#3)

"मेरी जड़... और फैली" - "और मेरी डाली पर"

क्योंकि अथूब कई जड़ों और शाखाओं की बात कर रहे थे, इसलिए आपकी भाषा में यहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी जड़ें फैली हुई हैं ... मेरी शाखाएँ"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 29:19 (#4)**"और मेरी डाली पर ओस रात भर पड़ी रहेगी"**

अथ्यूब ऐसे बोल रहे थे जैसे ओस एक यात्री हो जो रात के लिए डाली पर ठहरने के लिए आया हो, जिसे वह अपने प्रतिनिधित्व के लिए पेड़ के रूप में उपयोग कर रहे थे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और रात में मेरी शाखाओं पर ओस बनती है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 29:20 (#1)**"मेरी महिमा ज्यों की त्यों बनी रहेगी,"**

यदि आप इस उद्धरण का अनुवाद इस प्रकार कर रहे हैं कि उद्धरण के भीतर कोई उद्धरण नहीं है, तो आप यहाँ ऐसा करना जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा कि मेरी महिमा मुझमें नई थी और मेरा धनुष मेरे हाथ में खिल उठा"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथ्यूब 29:20 (#2)**"मेरी महिमा ज्यों की त्यों बनी रहेगी"**

अथ्यूब का अर्थ है कि जो महिमा या आदर वह प्राप्त करते हैं, वह हमेशा ज्यों का त्यों बना रहता है, क्योंकि लोग उन्हें नए तरीकों से समानित करते रहते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग मुझे नए तरीकों से समानित करते रहते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 29:20 (#3)**"और मेरा धनुष मेरे हाथ में सदा नया होता जाएगा"**

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनके पास एक धनुष हो, एक हथियार जिसे वह तीरों के साथ इस्तेमाल करते थे और यह उनके हाथ में ऐसे ताजा खिलता है जैसे कोई डाली पेड़ के तने से अंकुरित होती है। (अथ्यूब उसी क्रिया का उपयोग करते हैं "पनपेगा" के लिए 14:7-9 में, जब नमी ज़मीन पर वापस लौटती है तो पेड़ पुनर्जीवित हो जाता है और अंकुरित होने लगता है।) उनका मतलब है कि धनुष, जो उनकी ताकत का प्रतिनिधित्व करता है, जीवंत और शक्तिशाली है। यदि

आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं दृढ़ता से मजबूत रहता हूँ"

देखें: रूपक

अथ्यूब 29:21 (#1)**"लोग मेरी ही ओर कान लगाकर ठहरे रहते थे"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि लोग यह सुनने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे कि मैं क्या कहूँगा, उन्होंने मेरी बात सुनी"

देखें: जोड़ें — कारण-ओर-परिणाम सम्बन्ध

अथ्यूब 29:21 (#2)**"लोग मेरी ही ओर कान लगाकर"**

मूल भाषा में, यहाँ एक अनिश्चित सर्वनाम वे हैं जिसका तत्काल संदर्भ कोई विशिष्ट व्यक्ति की ओर संकेत नहीं करता है। हिंदी अनुवाद में, सर्वनाम के स्थान पर सामूहिक सर्वनाम लोग का उपयोग किया गया है। (जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा किया गया है, अथ्यूब अध्याय के अंत तक इसी अनिश्चित अर्थ के साथ सर्वनाम "वे" का उपयोग करना जारी रखते हैं।) यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो यहाँ और निम्नलिखित पदों में आप इस शब्द का अनुवाद एक समान अभिव्यक्ति के साथ कर सकते हैं जिसमें अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने सुना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 29:22 (#1)**"जब मैं बोल चुकता था"**

अथ्यूब बोल शब्द का उपयोग उस बात को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो उन्होंने शब्दों का उपयोग करके कही है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने बोल लिया था"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 29:22 (#2)

"मेरी बातें उन पर मेंह के सामान बरसा करती थीं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी बातें सचमुच बरसा करती हों, अर्थात् उनके श्रोताओं पर बूँदों की तरह गिरती हों। उनका मतलब है कि यह उनके लिए ताज़गी और स्फूर्ति देने वाली थी, हल्की बारिश की तरह। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि वह सही सलाह दे रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जो मैंने कहा वह उनके लिए ताज़गी देने वाला था"

देखें: रूपक

अथूब 29:23 (#1)

"जैसे लोग बरसात की, वैसे ही मेरी भी बाट देखते थे"

इस तुलना का मतलब यह है कि जिस तरह लोग बारिश के बरसने और अपनी फसलों को पानी देने के लिए उत्सुक रहते हैं, उसी तरह अथूब के श्रोता भी उसे बोलते हुए सुनने के लिए उत्सुक थे। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग मेरी बातें सुनने के लिए उनने ही उत्सुक थे, जितने कि अपनी फसलों पर बारिश के बरसने का इंतज़ार करते हैं"

देखें: उपमा

अथूब 29:23 (#2)

"और जैसे बरसात के अन्त की वर्षा के लिये वैसे ही वे मुँह पसारे रहते थे"

अथूब यहाँ एक जटिल छवि का उपयोग कर रहे हैं। सबसे पहले, वह इस तरह बोल रहे हैं मानो उनकी बात सुनने वाले लोग वास्तव में ज़मीन हों। दूसरा, वह ज़मीन के बारे में बात कर रहे हैं जो बारिश को इस तरह सोख रही है मानो वह पानी पीने के लिए अपना मुँह खोल रही हो। अथूब का मतलब यह नहीं है कि लोगों ने बोलने के लिए अपना मुँह खोला; वह वास्तव में उन्हें सुनने का वर्णन कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, वह मेरी कही हर बात को सुनने के लिए उत्सुक थे, जैसे सूखी ज़मीन बाद की बारिश को सोख लेती है"

देखें: रूपक

अथूब 29:23 (#3)

"और जैसे बरसात के अन्त की वर्षा के लिये"

जिस क्षेत्र में अथूब की पुस्तक लिखी गई थी, वहाँ लोग पतझड़ में फसलें लगाते थे। उस समय बारिश से फसलें उगने में मदद मिलती थी। लेकिन किसान बाद में होने वाली बारिश पर निर्भर थे, जो एक अंतराल के बाद बसंत में होती थी, जिसके दौरान थोड़ी बारिश होती थी, ताकि फसलें परिपक्व हो सकें। इसे ऐसे तरीके से व्यक्त करें जो आपके पाठकों के लिए सार्थक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि सूखे मौसम के बाद फिर से बारिश होती है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 29:24 (#1)

"जब उनको कुछ आशा न रहती थी तब मैं हँसकर उनको प्रसन्न करता था"

उनको सर्वनाम उन लोगों को संदर्भित करता है जो निराशाजनक स्थितियों में थे और विश्वास नहीं करते थे कि उन्हें न्याय मिलेगा या सहायता प्राप्त होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उन लोगों पर मुस्कुराया जो हताश और आशाहीन महसूस करते थे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 29:24 (#2)

"जब उनको कुछ आशा न रहती थी तब मैं हँसकर उनको प्रसन्न करता था"

अथूब निराश लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए जो कुछ करते थे, उसका वर्णन कर रहे हैं, वह हँसकर उनको, जिसका अर्थ है, उन्होंने उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए जो कुछ किया। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उन लोगों को प्रोत्साहित किया जो हताश और निराश महसूस करते थे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 29:24 (#3)

"और कोई मेरे मुँह को बिगाड़ न सकता था"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उनके चेहरे से रोशनी चमक रही हो। वह एक खुशनुमा चेहरे के भाव का वर्णन कर रहे हैं जो उम्मीद और अनुकूल स्वभाव को दर्शाता है। अथूब चेहरे के

भावों के लिए एक और विशिष्ट छवि का भी उपयोग कर रहे हैं। इस संस्कृति में, लोग कहते थे कि अगर कोई व्यक्ति खुशनुमा भाव रखता है तो उसका चेहरा "खिल जाता है" लेकिन अगर वह उदास भाव रखता है तो उसका चेहरा "बिंगड़ जाता है"। अथूब का मतलब है कि उन्होंने उन लोगों की परिस्थितियों को अपने लिए हतोत्साहित नहीं होने दिया जिनकी वह मदद करना चाहते थे। अथूब दो छवियों को मिला रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके कारण उनके चेहरे की चमक कम नहीं हुई। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप एक अलग छवि का उपयोग कर सकते हैं जिसका यह अर्थ हो या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने उनकी परिस्थितियों को अपने लिए हतोत्साहित नहीं होने दिया"

देखें: रूपक

अथूब 29:25 (#1)

"मैं उनका मार्ग चुन लेता, और उनमें मुख्य ठहरकर बैठा करता था"

चूंकि अथूब ने अपने समुदाय के लोगों के लिए मार्ग चुना क्योंकि वह उनके मुखिया थे, इसलिए इन वाक्यांशों के क्रम को उलटना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक मुखिया के रूप में बैठा और मैंने उनका मार्ग चुना"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 29:25 (#2)

"मैं उनका मार्ग चुन लेता"

अथूब अपने समुदाय के लिए जो निर्धारित करते हैं उसके बारे में बात कर रहे हैं, मानो वह लोगों के लिए चलने का एक तरीका या मार्ग हो। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उन्हें सही काम करने के बारे में निर्देशित किया"

देखें: रूपक

अथूब 29:25 (#3)

"और उनमें मुख्य ठहरकर बैठा करता था"

अथूब यह वर्णन कर रहे हैं कि उन्होंने मुख्य/प्रधान का पद कैसे धारण किया, जिस तरह से वह एसे स्थान पर बैठे जो ऐसे अगुवा के लिए आरक्षित था। (वह इसी तरह से पद 7 में

"मेरे स्थान" का उल्लेख करते हैं।) यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उनका प्रधान था"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 29:25 (#4)

"और जैसा सेना में राजा... वैसा ही मैं रहता था"

इस संस्कृति में, राजा अपनी सेना के साथ सेनापति के रूप में मैदान में जाते थे। इस तुलना का उद्देश्य शायद यह है कि जिस तरह एक राजा का अधिकार उसकी सेना के भीतर निर्विवाद होता है, उसी तरह लोग अपने अगुवे के रूप में अथूब के निर्देशों पर सवाल नहीं उठाते थे। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सभी ने मेरे अधिकार का सम्मान किया"

देखें: उपमा

अथूब 29:25 (#5)

"जैसा विलाप करनेवालों के बीच शान्तिदाता"

अथूब ने यह तुलना यह स्पष्ट करने के लिए की कि उन्होंने समुदाय का नेतृत्व सौम्यता से और उनके सर्वोत्तम हितों के लिए किया। उन्होंने अपने अधिकार का प्रयोग मनमाने, निरंकुश तरीके से नहीं किया। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मैं एक अगुवे के रूप में सौम्य और उत्साहवर्धक था"

देखें: उपमा

अथूब 30 सामान्य टिप्पणी

संरचना और प्रारूप

यह अध्याय अथूब की अपने तीन मित्रों को अंतिम प्रतिक्रिया की निरंतरता है।

- पद 1-14: अथूब उस अनादर का वर्णन करते हैं जो उन्हें अब झेलना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने बहुत से दुर्भाग्य झेले हैं
- पद 15-19: अथूब अपने कष्टों का वर्णन करते हैं
- पद 20-23: अथूब सीधे परमेश्वर से शिकायत करते हैं कि परमेश्वर ने उनकी सहायता नहीं की है
- पद 34-31: अथूब वर्णन करते हैं कि वह कैसे कष्ट सह रहे हैं, भले ही उन्होंने दूसरों की मदद की जब वे कष्ट में थे

यूलाटी इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दार्दी और रखता है, क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ

पद 2-10 में "वे" का संदर्भ

पद 2-10 में, अथूब उन युवा पुरुषों के लिए "वे," "उन्हें," और "उनका" सर्वनाम का उपयोग करते हैं जो अब उनका अनादर करते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप स्पष्टता के लिए नियमित अंतराल पर इस संदर्भ को निर्दिष्ट कर सकते हैं। विभिन्न टिप्पणियाँ इसे करने के तरीकों का सुझाव देती हैं। (पद 5 में, जैसा कि एक टिप्पणी स्पष्ट करेगी, "वे" का एक उदाहरण अन्य लोगों को संदर्भित करता है।)

अथूब 30:1 (#1)

"परन्तु अब जिनकी अवस्था मुझसे कम है"

अथूब एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में कम अवस्था का विशेषण वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं। (वह अपनी वर्तमान स्थिति की तुलना कर रहे हैं, जिसमें युवा लोग अब उनका अनादर करते हैं, जिस तरह से "युवा पुरुष" पहले उनकी उपस्थिति से सम्मानपूर्वक पीछे हट जाते थे और "बूढ़े लोग" उनके सम्मान में खड़े हो जाते थे, जैसा कि उसने 29:8 में वर्णित किया है।) आपकी भाषा में भी उसी तरह विशेषणों का उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझसे बहुत छोटे हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 30:1 (#2)

"जिनके पिताओं को मैं अपनी भेड़-बकरियों के कुत्तों के काम के योग्य भी न जानता था।"

इस कथन का निहितार्थ यह है कि अब अथूब पर हँसने वाले युवकों के पिता बेकार और अक्षम थे। इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) कि अथूब इन लोगों को चरवाहे कुत्तों जैसे तुच्छ काम भी करने के लिए नहीं नियुक्त करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके पिताओं को मैं तुच्छ कामों के लिए भी नहीं रख सकता था।" (2) कि अथूब इन लोगों को अपने झुंड के चरवाहों के रूप में, अपने भेड़-कुत्तों के साथ काम करने के लिए विशेष रूप से नियुक्त नहीं करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके पिताओं को मैं चरवाहों के रूप में भी नियुक्त नहीं करूँगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:2 (#1)

"उनके भुजबल से मुझे क्या लाभ हो सकता था?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे उनके हाथों की ताकत का कोई उपयोग नहीं है!" या "उनके हाथों की ताकत मेरे लिए बेकार है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 30:2 (#2)

"उनके भुजबल से मुझे क्या लाभ हो सकता था?"

अथूब इन युवकों के एक अंग, उनके हाथों का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वे सभी काम करने के लिए शक्ति का उपयोग कर रहे हैं। जैसा कि शेष आयत से पता चलता है, इन युवकों में केवल कमज़ोर शक्ति है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे उनकी कमज़ोर शक्ति का कोई उपयोग नहीं है!" या "उनकी कमज़ोर शक्ति मेरे लिए बेकार है!"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:2 (#3)

"उनका पौरुष तो जाता रहा।"

अथूब बुद्धापे के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं मानो यह कोई जीवित वस्तु हो जो इन नौजवानों में खत्म हो गई हो। एलीपज 5:26 में “बुद्धापे” के लिए इसी शब्द का इस्तेमाल करता है। वहाँ इसका मतलब है परिपक्षता और उपलब्धि जो एक लंबे जीवन को अच्छी तरह से जीने से आती है। यहाँ यह शब्द उस जोश को इंगित करता है जो किसी व्यक्ति के पास उसकी युवावस्था में होता है जो उसे इतना लंबा जीवन जीने में सक्षम बनाता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने वह जोश खो दिया है जो उन्हें लंबा जीवन जीने में सक्षम बनाता” या “उन्होंने अपनी युवावस्था का जोश खो दिया है”

देखें: मानवीकरण

अथूब 30:2 (#4)

“उनका”

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, सर्वनाम **उनका** उन युवकों को संदर्भित करता है जो अब अथूब के साथ अपमानजनक व्यवहार करते हैं, जैसा कि पद 4-10 में सर्वनाम “वे”, “उन्हें” और “उनके” करते हैं। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन युवकों में”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 30:3 (#1)

“सूखी धूल फँकते हैं।”

अथूब **सूखी धूल** के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि वह भूमि में उगने वाली जड़ों का अर्थ बताता है, जैसा कि अगला पद स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना भी उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “ये युवा लोग उन जड़ों को कुतरते हैं जो उन्हें भूमि में मिलती हैं”

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 30:3 (#2)

“वे दरिद्रता और काल के मारे दुबले पड़े हुए हैं।”

काल शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) बीता हुआ समय। वैकल्पिक अनुवाद: “वह भूमि जो लंबे समय से सूखी है, एक बंजर और उजाड़” (2) दिन से पहले की रात का अधेरा।

वैकल्पिक अनुवाद: “बर्बाद और उजाड़ के अंधेरे में सूखी भूमि।”

देखें: मुहावरे

अथूब 30:3 (#3)

“दरिद्रता और काल के मारे दुबले पड़े हुए हैं।”

यह वाक्यांश **और** से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक ही विचार व्यक्त करता है। **दुबले** शब्द बताता है कि यह किस तरह की **बर्बादी** है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक समान वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिसमें “और” का उपयोग नहीं किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक उजाड़ बंजर भूमि में”

देखें: द्विपद (हॉंडियाडिस)

अथूब 30:4 (#1)

“लोनिया साग”

शब्द लोनिया साग एक प्रकार के फूल वाले पौधे का वर्णन करता है जिसकी पत्तियाँ खाने योग्य होती हैं। आपकी भाषा में इस पौधे के लिए अपना कोई नाम हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपके पाठक इस पौधे से परिचित नहीं हैं, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मरुभूमि के पौधे”

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 30:4 (#2)

“और झाऊ की जड़ें खाते हैं।”

चूँकि अथूब कई जड़ों के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में जड़ के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “और झाऊ के पेड़ों की जड़ें उनकी रोटी हैं”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 30:4 (#3)

“झाऊ”

झाऊ का पेड़ एक प्रकार की झाड़ी है जो रेगिस्तानी इलाकों में उगती है। यदि आपके पाठक इस झाड़ी से परिचित नहीं

हैं, तो आप अपने अनुवाद में किसी ऐसी ज्ञाड़ी के नाम का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसे वे पहचान सकें, या आप कोई सामान्य अभिव्यक्ति इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञाड़ियाँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 30:4 (#4)

"और ज्ञाऊ की जड़ें खाते हैं"

अथूब एक तरह के भोजन, रोटी का इस्तेमाल आम तौर पर भोजन के लिए कर रहा है। हालाँकि ज्ञाऊ के पेड़ की जड़ें खाने योग्य होती हैं, लेकिन उनका स्वाद कड़वा होता है और केवल एक हताश व्यक्ति ही उन्हें खा सकता है। इसलिए यहाँ एक अर्थ है कि अथूब जिन लोगों का वर्णन कर रहा है वे हताशा के कारण इन जड़ों को खाते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उनका भोजन है" या "यह उनके पास खाने के लिए सब कुछ है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:5 (#1)

"वे मनुष्यों के बीच में से निकाले जाते हैं"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग इन युवकों को बाहर निकाल देते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 30:5 (#2)

"बीच में से"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि इन युवकों को मानव समुदाय के बीच में से निकाल दिया गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समाज से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:5 (#3)

"उनके पीछे ऐसी पुकार होती है"

यहाँ सर्वनाम उनके एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका ताल्कालिक संदर्भ में कोई विशिष्ट संदर्भ नहीं है। इसका अर्थ है सामान्य रूप से समाज के लोग। (सर्वनाम उनके उन युवकों को संदर्भित करता है जिनका वर्णन अथूब कर रहे हैं।) यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अनुवाद किसी ऐसी समतुल्य अभिव्यक्ति से कर सकते हैं जिसमें अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग इन युवकों के पीछे चिल्लाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 30:5 (#4)

"जैसी चोर के पीछे"

अथूब लोगों द्वारा दूसरों को भगाने की बात कर रहे थे, इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक संभावित चोर पर लोगों द्वारा चिल्लाने का संदर्भ था, ताकि उसका ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो सके और वह चोरी करने से पहले ही भाग जाए। अथूब शायद उन लोगों की बात नहीं कर रहा है जो दूसरों को किसी चोर का पीछा करने और उसे पकड़ने के लिए चिल्लाते हैं, जो पहले ही कुछ चुरा चुका है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे वे किसी चोर को भगाने के लिए चिल्लाते हैं"

देखें: उपमा

अथूब 30:6 (#1)

"रहना पड़ता है"

यह वाक्यांश अथूब द्वारा पिछले पद में वर्णित परिणाम को इंगित करता है, "वे बीच से निकाल दिए जाते हैं।" इसे स्पष्ट रूप से इंगित करना और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, उन्हें जीवित रहना पड़ता है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 30:6 (#2)

"डरावने नालों में"

चूँकि अथूब कई नालों के बारे में बात कर रहा है, इसलिए आपकी भाषा में नाले के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नालों की ढलानों पर"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 30:6 (#3)

"भूमि के बिलों में"

अथूब ज़मीन के एक हिस्से, भूमि का इस्तेमाल ज़मीन के कुछ भाग के लिए कर रहा है। लोहा दरअसल भूमि की गहराई से लिया गया है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट तौर से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज़मीन के गड्ढों में"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:7 (#1)

"के बीच रेंकते"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो ये युवा सचमुच गधे की तरह रेंकते हैं। संभवतः उनका मतलब यह है कि वे भूख से कराह रहे हैं, जैसे जंगली जानवर भोजन की आवश्यकता होने पर चिल्लाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये युवा पुरुष भूख से कराहते हैं।" देखें: रूपक

अथूब 30:7 (#2)

"इकट्ठे पड़े रहते हैं।"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एक साथ इकट्ठा होते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 30:8 (#1)

"वे मूर्खों और नीच लोगों के वंश हैं"

अथूब किसी विशिष्ट मूर्ख या नामहीन व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य रूप से ऐसे लोगों से है। आपकी भाषा में इन अर्थों को बहुवचन रूपों का उपयोग करके व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्खों के पुत्र, वास्तव में, बिना नाम वाले लोगों के पुत्र"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 30:8 (#2)

"वे मूर्खों और नीच लोगों के वंश हैं जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे।"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। हालाँकि, आप इस विस्मयादिबोधक की ताकत दिखाने के लिए शब्दों को छोड़ भी सकते हैं, जिसके साथ अथूब इन युवकों के अपने वर्णन को समाप्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ये जवान मूर्खों के बेटे हैं। वास्तव में, वे बिना नाम वाले लोगों के बेटे हैं।"

देखें: पदलोप

अथूब 30:8 (#3)

"वे मूर्खों और नीच लोगों के वंश हैं जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे"

इस संदर्भ में, अभिव्यक्ति वंश का वर्णन ऐसे लोगों के बारे में है जो कुछ गुणों को साझा करते हैं। अथूब इस अभिव्यक्ति का उपयोग इन युवकों के व्यवहार और चरित्र का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से समान अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ मूर्ख शब्द किसी ऐसे व्यक्ति को इंगित नहीं करता है जिसके पास बुद्धि या शिक्षा की कमी है; इसका अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो परमेश्वर की अवज्ञा करना चुनता है, यह सोचकर कि इसका कोई परिणाम नहीं होगा। यहाँ नाम शब्द का अर्थ अच्छी प्रतिष्ठा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग मूर्खता से सोचते हैं कि वे परमेश्वर की अवज्ञा कर सकते हैं! कोई आश्र्य नहीं कि वे बिना प्रतिष्ठा वाले लोग हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 30:8 (#4)

"जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उन्हें देश से खदेड़ देते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 30:8 (#5)

"जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे"

अथूब एक तरीके का उल्लेख कर रहे हैं जिससे अधिकारी ऐसे युवा पुरुषों को समाज से बाहर कर सकते हैं, जैसे उन्हें कोड़े मारना। सभी तरीकों का अर्थ है जिनसे वे उन्हें बाहर निकालते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें भूमि से बाहर निकाला जाता है" या "लोग उन्हें देश से बाहर निकालते हैं।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:9 (#1)

"ऐसे ही लोग अब मुझ पर लगते गीत गाते"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि ये युवा लोग उसके बारे में अनादरपूर्वक गा रहे हैं। आपकी भाषा में ऐसा कोई शब्द हो सकता है जिसका उपयोग आप अपने अनुवाद में यह बताने के लिए कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके ताने-गीत का विषय"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:9 (#2)

"और मुझ पर ताना मारते हैं"

यहाँ ताना का अर्थ [17:6](#) में "उपमा" शब्द के अर्थ के समान है। अथूब का मतलब है कि ये युवा लोग उसका नाम लेकर उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में उद्धृत कर रहे हैं जो धर्मी होने के कारण समृद्ध प्रतीत होता था लेकिन जो वास्तव में दुष्ट होने के कारण बर्बाद हो गया। आपकी भाषा में लोगों को उदाहरण के रूप में नाम से उद्धृत करने की इस प्रथा के लिए एक अभिव्यक्ति हो सकती है और आप अपने अनुवाद में उस अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने [17:6](#) में "उपमा" शब्द का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:10 (#1)

"वे मुझसे घिन खाकर दूर रहते"

अथूब से घिन खाकर दूर रहते, यानी उसके पास न जाना या उससे बात न करना, एक प्रतीकात्मक कार्य था जो अनादर और अस्वीकृति को दर्शाता था। हालाँकि स्वाभाविक रूप से यह वही बात थी जो पहले युवा लोग अथूब के प्रति सम्मान

दिखाने के लिए करते थे, चुपके से उसकी उपस्थिति से दूर चले जाते थे, लेकिन अब इसका विपरीत अर्थ था। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपनी अस्वीकृति दिखाने के लिए मुझसे दूर रहते हैं" या "वे मुझसे दूर रहते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 30:10 (#2)

"मेरे मुँह पर थूकने से भी नहीं डरते"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण नहीं और नकारात्मक क्रिया रोकना शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन उन्होंने मेरे चेहरे पर थूका।"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 30:10 (#3)

"वे मेरे मुँह पर थूकने से भी नहीं डरते"

अथूब के चेहरे पर थूकना एक प्रतीकात्मक कार्य था जो उसके प्रति तिरस्कार दर्शाता था क्योंकि वह संभवतः एक पापी था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। देखें कि आपने [17:6](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन उन्होंने मेरे चेहरे पर तिरस्कारपूर्वक थूका"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 30:10 (#4)

"मेरे मुँह पर थूकने से भी नहीं डरते"

अथूब का यह मतलब नहीं है कि ये युवा पुरुष दूर से उस पर थूकते हैं, भले ही वह कहता है कि वे उससे दूर रहते हैं। उसका मतलब है कि जब उन्हें अपरिहार्य रूप से उसके पास से गुज़रना पड़ता है, तो वे इस अवसर का उपयोग उसके चेहरे पर थूकने के लिए करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन जब वे पास से गुज़रते हैं तो वे मेरे चेहरे पर तिरस्कारपूर्वक थूकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 30:11 (#1)**"परमेश्वर ने जो मेरी रस्सी खोलकर" - "वे मेरे सामने"**

मूल भाषा में, परमेश्वर के स्थान पर वह सर्वनाम का उपयोग किया गया है और सर्वनाम वे उन युवकों को संदर्भित करता है जिनका वर्णन अथूब कर रहे हैं। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुक्त कर दिया है ... इन युवकों को छोड़ दिया गया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

अथूब 30:11 (#2)**"परमेश्वर ने जो मेरी रस्सी खोलकर मुझे दुःख दिया है"**

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर ने किसी तरह से सचमुच में उस रस्सी को ढीला कर दिया है जो उसकी है या उससे संबंधित है। इसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि परमेश्वर ने अथूब के धनुष की डोरी को ढीला कर दिया है, ताकि धनुष अब उपयोगी न रहे। धनुष अथूब की ताकत को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने मेरी ताकत छीन ली है" (2) कि परमेश्वर ने उस रस्सी को ढीला कर दिया है, जो उस तम्बू को पकड़े हुए थी जिसमें अथूब रहता था, ताकि तम्बू ढह जाए। तम्बू अथूब के जीवन को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने मेरा जीवन बर्बाद कर दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 30:11 (#3)**"इसलिए वे मेरे सामने मुँह में लगाम नहीं रखते"**

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो लगाम सचमुच एक ऐसी वस्तु है जिसे लोग त्याग सकते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए वे बिना लगाम के काम करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:11 (#4)**"वे मेरे सामने मुँह"**

यहाँ सामने शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जिस तरह से लोग किसी मौजूद व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी उपस्थिति में"

अथूब 30:12 (#1)**"मेरी दाहिनी ओर बाजारू लोग उठ खड़े होते हैं"**

अथूब अपने दाहिने हिस्से को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे दाहिने हिस्से पर बाजारू लोग उठ खड़े हुए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 30:12 (#2)**"मेरी दाहिनी ओर बाजारू लोग उठ खड़े होते हैं"**

दाहिना भाग आमतौर पर सबसे खतरनाक पक्ष होता था, जिस पर दुश्मन सैनिक के पास जाना होता था, क्योंकि ज्यादातर सैनिक दाँए हाथ के होते थे और तलवार चलाने के लिए अपने दाँए हाथ और बाँहों का इस्तेमाल करते थे। इसका मतलब यह है कि इन नौजवानों को इस बात का कोई डर नहीं था कि अथूब उनके साथ क्या कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना किसी डर के बाजारू लोग उठ खड़े होते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:12 (#3)**"बाजारू लोग"**

मूल भाषा में, अथूब इन युवकों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं मानो वे किसी पक्षी या जानवर के झुंड हों। यह छवि अपरिपक्ष संतानों के समूह की है जो बैचैनी से इधर-उधर घूमते रहते हैं। हिंदी अनुवाद में इसके स्थान पर बाजारू लोग उपयोग किया गया है। आपकी भाषा में शायद कोई तुलनीय अभिव्यक्ति हो जिसे आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भीड़"

देखें: रूपक

अथूब 30:12 (#4)**"वे मेरे पाँव सरका देते हैं"**

अथूब अपने एक अंग, अपने पाँव का इस्तेमाल करके अपने चलने के कार्य में अपने पूरे शरीर का अर्थ बता रहे हैं। शायद

उनका मतलब यह है कि जब वह सङ्क पर चल रहे होते हैं और जब ये युवा पुरुष विपरीत दिशा से आ रहे होते हैं, तो वे सम्मानपूर्वक एक तरफ खड़े नहीं होते हैं ताकि वह आगे निकल जाए। इसके बजाय, वे उसे रास्ते से हटा देते हैं ताकि वे आगे निकल सकें। जब उसी दिशा में यात्रा करने वाले युवा पुरुष उससे आगे निकल जाते हैं, तो वे उसी तरह उसे एक तरफ धकेल देते हैं ताकि वे आगे निकल सकें। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सङ्कों पर, वे मुझे रास्ते से हटा देते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:12 (#5)

"और मेरे नाश के लिये अपने उपाय बाँधते हैं"

अथूब घेराबंदी के टीलों के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि वे हमलावर सेनाओं को शहरों में घुसने और उन्हें **नाश** करने के लिए सङ्क के या रास्ते प्रदान करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे खिलाफ घेराबंदी के टीले बनाते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 30:12 (#6)

"और मेरे नाश के लिये अपने उपाय बाँधते हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो वह कोई शहर हो और ये युवा लोग उस शहर को जीतने के लिए घेराबंदी के टीले बना रहे हों। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे मुझ पर हमला करने के तरीके खोजते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:13 (#1)

"वे भी मेरे रास्तों को बिगाड़ते"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो सचमुच कोई **रास्ता** है जिससे वह इन युवकों के हमलों से बच सकते हैं और वे उसे नष्ट कर रहे हैं ताकि अथूब उसका इस्तेमाल न कर सके। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मुझे भागने से रोकते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:13 (#2)

"और मेरी विपत्ति को बढ़ाते हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो **विपत्ति** सचमुच एक ऐसी वस्तु हो जिसे ये युवा आगे बढ़ा सकें, अपने गंतव्य तक पहुँचने के मार्ग पर आगे बढ़ सकें। उसका मतलब है कि उसके साथ हुई सभी बुरी चीज़ों के अलावा, वे उसके साथ और भी बुरी चीज़ों करते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे दुःखों को बढ़ाते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:13 (#3)

"जिनके कोई सहायक नहीं"

इसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि वे अथूब के साथ घृणित काम करते हैं जो कोई भी सभ्य व्यक्ति उनके साथ करने में शामिल नहीं होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे साथ ऐसे काम करते हैं जो कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करेगा" (2) कि वे घृणित लोग हैं। यह एक लोकप्रिय अभिव्यक्ति हो सकती है जो यह संकेत देती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे घृणित लोग हैं"

देखें: मुहावरे

अथूब 30:14 (#1)

"मानो बड़े नाके से घुसकर वे आ पड़ते हैं"

अथूब खुद को एक शहर और इन युवकों को एक घेराबंदी करने वाली सेना के रूप में चित्रित कर रहे हैं। वह पूरी ताकत से हमले का वर्णन कर रहे हैं: सेना ने शहर की दीवार में एक **बड़ा नाका** बना दिया है और सैनिक उसमें से निकल रहे हैं। अथूब इस छवि में कहते हैं कि वे आगे बढ़ते हैं, शायद समुद्र की लहरों की तरह, एक के बाद एक लहर। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये युवक बिना रोक-टोक के, बार-बार मुझ पर हमला करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:15 (#1)

"मुझ में घबराहट छा गई है"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। घबराहट शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) ऐसी चीज़ें जो डर या आतंक पैदा करती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथ भयानक चीज़ें होती रहती हैं" (2) आतंक या भय। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे बहुत डर लगता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 30:15 (#2)

"मुझे मैं घबराहट छा गई है, और मेरा रईसपन मानो वायु से उड़ाया गया है"

अथ्यूब इन घबराहट के बारे में ऐसे बोल रहे हैं मानो वे जीवित चीज़े हों जो उसका पीछा कर सकती हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक मुझे गरिमा से वंचित करता है"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 30:15 (#3)

"मेरा रईसपन मानो वायु से उड़ाया गया है"

इस तुलना का मतलब यह है कि जिस तरह तेज़ हवा लगातार हल्की वस्तुओं को बिना रुके उड़ाकर दूर ले जाती है, उसी तरह अथ्यूब जिस तरह के भय का सामना कर रहे हैं, वह लगातार उन्हें गरिमा से वंचित कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लगातार"

देखें: उपमा

अथ्यूब 30:15 (#4)

"और मेरा कुशल बादल के समान जाता रहा"

इस तुलना का मतलब यह है कि जैसे आसमान से बादल छेट जाते हैं, वैसे ही अथ्यूब के लिए छुटकारे की सारी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अब मुझे छुटकारे की कोई उम्मीद नहीं है"

देखें: उपमा

अथ्यूब 30:15 (#5)

"और मेरा कुशल बादल के समान जाता रहा"

अगर आपकी भाषा में कुशल के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अब मुझे कोई उम्मीद नहीं है कि कोई मुझे छुड़ाएगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 30:16 (#1)

"और अब मैं शोकसागर में झबा जाता हूँ; दुःख के दिनों ने मुझे जकड़ लिया है"

अथ्यूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उनका जीवन एक तरल पदार्थ हो जिसे एक बर्तन से बाहर डाला जा रहा हो ताकि जल्द ही उसमें कुछ भी न बचे। (हालाँकि क्रिया प्रतिवर्ती है, लेकिन इसका एक निष्क्रिय अर्थ है; अथ्यूब इस छवि के भीतर यह नहीं कह रहे हैं कि उनका जीवन अपनी पहल पर ऐसा कर रहा है।) यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा जीवन मेरे भीतर ही समाप्त हो रहा है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 30:16 (#2)

"दुःख के दिनों ने मुझे जकड़ लिया है"

अथ्यूब इन दिनों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं मानो वे जीवित वस्तुएँ हों जो उसे जकड़ सकती हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं लगातार कष्ट के दिनों का अनुभव कर रहा हूँ"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 30:16 (#3)

"दुःख के दिनों ने"

अगर आपकी भाषा में दुःख के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन दिनों में मैं दुःखी हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 30:17 (#1)

"रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं"

अथूब रात के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं मानो वह कोई जीवित वस्तु हो जो उनकी हड्डियों को छेद सकती हो। वह ऐसा उस दर्द का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो उसे रात में ज़्यादा महसूस होता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रात में, दर्द मेरी हड्डियों को छेद देता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 30:17 (#2)

"रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं"

अथूब अपने एक अंग, अपनी हड्डियों का इस्तेमाल दर्द महसूस करने की क्रिया में अपने पूरे शरीर को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रात में, दर्द मेरे शरीर को छेदता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:17 (#3)

"रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो दर्द सचमुच उनके शरीर को छेद रहा हो या उसमें छेद कर रहा हो। उनका मतलब है कि उन्हें दर्द की चुभन महसूस होती है जैसे कि वास्तव में कोई छुरा घोंपा जा रहा हो। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रात में, मुझे दर्द की चुभन महसूस होती है"

देखें: रूपक

अथूब 30:17 (#4)

"रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं और मेरी नसों में चैन नहीं पड़ती"

यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि अथूब का इस अभिव्यक्ति से क्या अर्थ है। वह 30:30 में इसी अभिव्यक्ति का उपयोग यह वर्णन करने के लिए करते हैं कि कैसे उनकी त्वचा, बीमारी से काली पड़ गई है, छिल रही है। तो यह उनके घावों से होने वाले दर्द का संदर्भ हो सकता है जो उनके शरीर में गहराई तक फैल रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा पर घावों से"

देखें: मुहावरा

अथूब 30:17 (#5)

"रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं और मेरी नसों में चैन नहीं पड़ती"

अथूब अपने द्वारा झेले जा रहे दर्द के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वह जीवित वस्तु हो जो उसे छेदती है और आराम कर सकती है (हालाँकि वे ऐसा नहीं करती हैं)। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दर्द ऐसा है जैसे कोई मुझे चबा रहा हो, और यह कभी नहीं रुकता"

देखें: मानवीकरण

अथूब 30:18 (#1)

"मेरी बीमारी की बहुतायत से"

अथूब अपने त्वचा की बीमारी की बहुतायत से नुकसान करने की इसकी शक्ति का स्पष्ट रूप से उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी गंभीर बीमारी के कारण,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:18 (#2)

"मेरे वस्त का रूप बदल गया है"

अथूब शायद अपनी त्वचा के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह उनका वस्त हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा बदल गई है" या "मेरी त्वचा विकृत हो गई है"

देखें: रूपक

अथूब 30:18 (#3)

"वह मेरे कुर्ते के गले के समान मुझसे लिपटी हुई है"

सर्वनाम वह अथूब की त्वचा की बीमारी को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा की बीमारी ने मुझे मेरे अंगरखे के पट्टे की तरह बांध रखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 30:18 (#4)

"वह मेरे कुर्ते के गले के समान मुझसे लिपटी हुई है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं मानो उनकी बीमारी उन्हें सचमुच बाँध रही हो, या उसे कसकर लपेट रही हो, जिस तरह से उनकी संस्कृति में एक व्यक्ति अंगरखा पहनता है और फिर उसके पट्टे को अपनी गर्दन के चारों ओर कसकर लपेटता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा की बीमारी मुझे लगातार पीड़ित करती है"

देखें: रूपक

अथूब 30:19 (#1)

"उसने मुझ को कीचड़ में फेंक दिया है"

सर्वनाम उसने पाठ को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे कीचड़ में डाल दिया है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 30:19 (#2)

"उसने मुझ को कीचड़ में फेंक दिया है"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं नानो परमेश्वर ने उन्हें सचमुच **कीचड़ में फेंक** दिया हो। इसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि अथूब **कीचड़ में फेंके** जाने की छवि का उपयोग अपने पद और प्रतिष्ठा के नुकसान को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे कमज़ोर परिस्थितियों में डाल दिया है" (2) कि अथूब उस तरीके का उल्लेख कर रहे हैं जिस तरह से वह शहर के बाहर राख के ढेर के बीच बैठकर अपने संकट को प्रदर्शित कर रहे हैं, जैसा कि 2:8 में वर्णित है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे इतना संकट में डाल दिया है कि मैं इस राख के ढेर में बैठा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 30:19 (#3)

"और मैं मिट्टी और राख के तुल्य हो गया हूँ"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह सचमुच धूल और राख जैसा हो गया हो। यह ही सकता है: (1) एक शारीरिक विवरण। अथूब का मतलब हो सकता है कि जिस ढेर पर वह बैठा है, वहाँ से धूल और राख उसके रिसते घावों के कारण उसकी

त्वचा पर चिपक गई है इसलिए अब वह शारीरिक रूप से खुद धूल और राख जैसा दिखता है। अथूब पिछले पद में अपने शरीर की उपस्थिति का वर्णन करता है और यह उस विवरण की निरंतरता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अब मैं धूल और राख बन गया हूँ" (2) एक तुलना। अथूब शायद कह रहा है कि किसी तरह से उसकी स्थिति धूल और राख की कुछ विशेषताओं से मिलती जुलती है, शायद ज़मीन पर पड़े होने की उसकी दीनता। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं बहुत अपमानित हूँ"

देखें: उपमा

अथूब 30:20 (#1)

"मैं खड़ा होता हूँ"

खड़ा होना एक प्रतीकात्मक क्रिया थी जिसके द्वारा इस समुदाय में कोई व्यक्ति इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता था कि उन्हें सहायता की आवश्यकता है। अथूब का मतलब यह हो सकता है कि वह मदद के लिए परमेश्वर से निवेदन करने के लिए ऐसा सचमुच करता है, या वह इस तरह बोल रहा हो सकता है जैसे कि वह ऐसा करता है जबकि वास्तव में वह किसी अन्य तरीके से मदद की गुहार लगाता है, जैसे कि प्रार्थना करके, जैसा कि वह पद के पहले भग में वर्णित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपका ध्यान आकर्षित करने और मदद की गुहार लगाने के लिए खड़ा हूँ"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 30:20 (#2)

"परन्तु तू मेरी ओर धूरने लगता है"

अथूब का तात्पर्य यह है कि परमेश्वर उसकी सहायता किए बिना उसे देखने के अलावा कुछ नहीं करता। आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आप केवल मेरी ओर देखते हैं और मेरी सहायता नहीं करते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:21 (#1)

"और अपने बलवन्त हाथ से"

यहाँ, परमेश्वर का **हाथ** उसकी शक्ति को दर्शाता है। अथूब इस अधिकारपूर्ण रूप का उपयोग यह वर्णन करने के लिए

कर रहा है कि कैसे परमेश्वर की **शक्ति** को सामर्थ द्वारा दर्शाया जाता है, अर्थात् परमेश्वर की शक्ति बहुत महान है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी महान शक्ति के साथ"

देखें: स्वामित्व

अथूब 30:22 (#1)

"तू मुझे वायु पर सवार करके उड़ाता है"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर उसे जमीन से ऊपर उठाने के लिए हवा का इस्तेमाल कर रहे हैं और मानो हवा उसे दूर ले जा रही है, मानो वह उस पर सवार हो जैसे कोई व्यक्ति घोड़े पर **सवार** होता है। वह ऐसे भी बोल रहा है मानो परमेश्वर उसे **इधर-उधर** उछालने के लिए **तूफान** का इस्तेमाल कर रहे हैं। उसका मतलब है कि परमेश्वर उसे इतना बड़ा संकट दे रहे हैं कि उसे लगता है कि ये सब उसके साथ हो रहा है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मुझे इतना बड़ा संकट दे रहे हो कि ऐसा लगता है जैसे कोई तूफानी हवा मुझे उठा रही है, मुझे दूर ले जा रही है और मुझे इधर-उधर उछाल रही है"

देखें: रूपक

अथूब 30:23 (#1)

"कि तू मुझे मृत्यु के वश में कर देगा"

इन दो वाक्यांशों का मतलब एक जैसा है। अथूब वाक्यांशों को व्यक्त करने वाले विचार पर ज़ोर देने के लिए दोहराव का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में "और" के अलावा किसी अच्युत शब्द का उपयोग करके इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "**मृत्यु** के लिए, हाँ, सभी जीवित लोगों के लिए नियुक्त घर के लिए"

देखें: समानांतरता

अथूब 30:23 (#2)

"कि तू मुझे मृत्यु के वश में कर देगा"

जैसा कि शेष पद से पता चलता है, अथूब शब्द **मृत्यु** का इस्तेमाल अधोलोक, मृतकों के निवास स्थान के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधोलोक के लिए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 30:23 (#3)

"और उस घर में पहुँचाएगा, जो सब जीवित प्राणियों के लिये ठहराया गया है"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो अधोलोक एक घर हो जिसमें मरे हुए लोग रहते हैं। उसका मतलब है कि यह वह जगह है जहाँ लोग मरने के बाद जाते हैं। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सभी जीवित लोगों के लिए नियत स्थान पर"

देखें: रूपक

अथूब 30:23 (#4)

"और उस घर में पहुँचाएगा, जो सब जीवित प्राणियों के लिये ठहराया गया है"

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग यह इंगित करने के लिए कर रहा है कि परमेश्वर ने अधोलोक को वह स्थान नियुक्त किया है जहाँ जीवित लोगों को मरने के बाद जाना है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उस स्थान पर जिसे परमेश्वर ने जीवित लोगों के मरने के बाद जाने के लिए नियुक्त किया है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 30:23 (#5)

"सब जीवित"

अथूब **जीवित** विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में एक निश्चित प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवित लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 30:24 (#1)

"तो भी क्या कोई गिरते समय हाथ न बढ़ाएगा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह निश्चित रूप से एक ढेर में से हाथ

फैलाता है! वह निश्चित रूप से चिल्लाता है क्योंकि वह मुसीबत में है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 30:24 (#2)

"तो भी क्या कोई गिरते समय हाथ न बढ़ाएगा?"

अथूब एक काल्पनिक स्थिति का उदाहरण दे रहा है और उसे अपनी स्थिति पर लागू कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई खंडहरों के ढेर में है, तो वह निश्चित रूप से हाथ बढ़ाता है, और उसी तरह मैं भी आपकी मदद के लिए पुकारता हूँ।"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 30:24 (#3)

"तो भी क्या कोई गिरते समय हाथ न बढ़ाएगा?"

किसी हताश स्थिति में हाथ बढ़ाना एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो सहायता के लिए गुहार का गठन करती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या कोई खंडहरों के ढेर में सहायता के लिए गुहार नहीं करता है?"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 30:24 (#4)

"और क्या कोई विपत्ति के समय दुहाई न देगा?"

अथूब शब्द "क्या" का प्रयोग एक ऐसे प्रश्न को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिसका उत्तर विपरीत है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसलिए चिल्लाता है क्योंकि वह संकट में है, है न"

देखें: मुहावरा

अथूब 30:25 (#1)

"क्या मैं उसके लिये रोता नहीं था, जिसके दुर्दिन आते थे?"

अथूब शब्द "क्या" का प्रयोग एक ऐसे प्रश्न को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिसका उत्तर विपरीत है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में

इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या मैं दिन के कठिन समय के लिए रोया नहीं?"

देखें: मुहावरा

अथूब 30:25 (#2)

"क्या मैं उसके लिये रोता नहीं था, जिसके दुर्दिन आते थे?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से दिन के कठिन समय के लिए रोया!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 30:25 (#3)

"और क्या दरिद्र जन के कारण मैं प्राण में दुःखित न होता था?"

अथूब एक निश्चित प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में दिन के कठिन विशेषण वाक्यांश का उपयोग कर रहा है। (इस वाक्यांश में, दिन शब्द एक समय को इंगित करता है, और आधिकारिक रूप यह दर्शाता है कि यह समय कठिनाई से चिह्नित था।) आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग उसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के लिए जो कठिन समय से गुज़र रहे थे"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 30:25 (#4)

"और क्या दरिद्र जन के कारण मैं प्राण में दुःखित न होता था?"

अथूब स्पष्ट रूप से यह सुझाव दे रहा है, चूँकि उसने मुसीबत में फँसे अन्य लोगों की मदद की थी, इसलिए अब जब वह खुद मुसीबत में है, तो उसके लिए परमेश्वर से मदद माँगना उचित है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी आमा ज़रूरतमंदों के लिए दुःखी है, इसलिए अब मेरे लिए आपसे मदद माँगना उचित है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:25 (#5)

"और क्या दरिद्र जन के कारण मैं प्राण में दुःखित न होता था?"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने प्राण का उपयोग करके अपने पूरे शरीर को सहानुभूतिपूर्वक दुःखित होने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने सहानुभूतिपूर्वक दुःख किया"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:26 (#1)

"जब मैं"

अथूब शब्द 'जब मैं' का प्रयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि वह क्यों कह रहा है कि वह वैध रूप से सहायता का आग्रह कर सकता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वैध रूप से मदद के लिए आग्रह कर सकता हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 30:26 (#2)

"जब मैं कुशल का मार्ग जोहता था, तब विपत्ति आ पड़ी"

अथूब **कुशल** और **विपत्ति** विशेषणों का इस्तेमाल संज्ञा के रूप में कुछ खास तरह की चीज़ों के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस्तेमाल उसी तरह हो सकता है। अगर नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समान वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अच्छी चीज़ों के लिए ... लेकिन इसके बजाय मेरे साथ बुरी चीज़ें हुईं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 30:26 (#3)

"और जब मैं उजियाले की आशा लगाए था, तब अंधकार छा गया"

अथूब ऐसे बोल रहे हैं जैसे सहायक चीज़ें संचमुच प्रकाश हों और हानिकारक चीज़ें संचमुच अंधकार हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सहायक चीज़ों की

अपेक्षा होती है, लेकिन इसके बजाय हानिकारक चीज़ें होती हैं"

देखें: रूपक

अथूब 30:27 (#1)

"मेरी अंतड़ियाँ निरन्तर उबलती रहती हैं"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अंदरूनी अंग उबल रहे हैं और उन्हें आराम नहीं मिल रहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 30:27 (#2)

"मेरी अंतड़ियाँ निरन्तर उबलती रहती हैं और आराम नहीं पातीं"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो उसकी **अंतड़ियाँ** संचमुच उबल गई ही और वे संचमुच **आराम** करने का कोई अवसर नहीं ले रही हो। इसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि उसके पेट में लगातार गर्भी और दर्द की अनुभूति होती है क्योंकि वह बहुत परेशान है और इससे उसका पाचन प्रभावित हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा पेट लगातार परेशान रहता है" (2) कि उसे लगातार क्रोध और हताशा की भावनाएँ होती हैं, जिसका प्रतिनिधित्व करने के लिए वह अपनी **अंतड़ियों** का उपयोग कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे लगातार क्रोध और हताशा महसूस होती है"

देखें: रूपक

अथूब 30:27 (#3)

"मेरे दुःख के दिन आ गए हैं।"

अथूब उन कठिन **दिनों** के बारे में बात कर रहा है जो वह अनुभव कर रहा है जैसे कि वे जीवित वस्तुएँ थीं जो उसका सामना कर सकती थीं। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दिन-ब-दिन कष्टों का सामना कर रहा हूँ" या "मैं दिन-ब-दिन कष्टों का अनुभव कर रहा हूँ"

देखें: मानवीकरण

अथूब 30:28 (#1)

"मैं शोक का पहरावा पहने हुए मानो बिना सूर्य की गर्मी के काला हो गया हूँ"

अथूब का मतलब है कि उसकी त्वचा की बीमारी ने, न कि सूरज ने, उसकी त्वचा को काला कर दिया है, जैसा कि वह पद 30 में स्पष्ट रूप से कहता है। निहितार्थ यह है कि यह काली त्वचा उसे ऐसा दिखाती है मानो वह एक शारीरिक श्रम करने वाला व्यक्ति है जो धूप में काम करता है। 1:6 यह सुझाव देता है कि इस संस्कृति में, धूप में काम करने वाले व्यक्ति को उस व्यक्ति की तुलना में कम सम्मान दिया जाता था जो दूसरों को बाहरी काम करने के लिए नियुक्त करता है और इसलिए उसकी त्वचा धूप से काली नहीं हुई है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी बीमारी से काली हुई त्वचा मुझे शारीरिक श्रम करने वाला व्यक्ति बनाती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:28 (#2)

"और मैं सभा में खड़ा होकर सहायता के लिये दुहाई देता हूँ।"

अथूब यहाँ पर अपनी प्रतिष्ठा को और अधिक नुकसान पहुँचाने का संकेत दे रहा है। उसे सार्वजनिक स्थान पर मदद के लिए अपील करनी पड़ी जहाँ लोग इकट्ठा होते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे सार्वजनिक रूप से मदद का निवेदन करके खुद को अपमानित करना पड़ा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 30:29 (#1)

"मैं गीदड़ों का भाई और शुतुर्मुर्गों का संगी हो गया हूँ"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह सचमुच गीदड़ों का भाई और शुतुर्मुर्गों का साथी बन गया हो। ये जंगली कुत्ते और जंगली पक्षी निर्जन क्षेत्रों में रहते हैं, और अथूब यह सुझाव दे रहा है कि वे अब उसके एकमात्र रिश्तेदार और मित्र हैं, क्योंकि वह एक बहिष्कृत व्यक्ति बन गया है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इतना बहिष्कृत हो गया हूँ कि ऐसा लगता है जैसे मैं अन्य लोगों से बहुत दूर रहता हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 30:29 (#2)

"शुतुर्मुर्गों का संगी हो गया हूँ"

इस संदर्भ में, अभिव्यक्ति संगी हो गया हूँ उन प्राणियों का वर्णन करती हैं जिनके कुछ गुण साझा हैं। शब्द का अर्थ जो भी हो, व्याख्याकार इस बात पर सहमत हैं कि संदर्भ शुतुर्मुर्ग से है। यदि आपकी भाषा इस तरह के पक्षी को नाम के बजाय वर्णनात्मक वाक्यांश से संदर्भित कर सकती है, तो आप अपने अनुवाद में उस वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शुतुर्मुर्ग के लिए"

देखें: मुहावरा

अथूब 30:29 (#3)

"मैं गीदड़ों का भाई और शुतुर्मुर्गों का संगी हो गया हूँ।"

शुतुर्मुर्ग एक बड़ा, भारी पक्षी है जो उड़ नहीं सकता लेकिन बहुत तेज़ दौड़ सकता है। यदि आपके पाठक शुतुर्मुर्ग से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने अनुवाद में एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े, उड़ने में असमर्थ, रेगिस्तानी पक्षी"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 30:30 (#1)

"मेरा चमड़ा काला होकर मुझ पर से गिरता जाता है"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों की संदर्भ से पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी त्वचा काली हो गई है और यह मेरे ऊपर से गिर रही है"

देखें: पदलोप

अथूब 30:30 (#2)

"और ताप के मारे मेरी हड्डियाँ जल गई हैं"

अथूब अपने शरीर के एक अंग, हड्डी का इस्तेमाल करके अपने पूरे शरीर के गर्म महसूस करने की क्रिया की ओर इशारा कर रहा है। वह संभवतः बुखार की गर्मी की ओर इशारा कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरा शरीर बुखार से तप रहा है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 30:31 (#1)

"इस कारण मेरी वीणा से विलाप और मेरी बाँसुरी से रोने की धनि निकलती है"

अथूब खुशी को दर्शने के लिए संगीत वाद्ययंत्रों, वीणा और बांसुरी का उपयोग कर रहा है, जिस तरह से लोग खुश होने पर संगीत बजाते हैं। वह शोक और रोने की आवाज़ का उपयोग दुःख को दर्शने के लिए कर रहा है, क्योंकि लोग दुःखी होने पर शोक मनाते हैं और रोते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं पहले खुश रहता था, अब मैं बहुत दुःखी हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब - अध्याय 31 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय अथूब की उनके तीन मित्रों के प्रति अन्तिम प्रतिक्रिया का निष्कर्ष है।

अनफोलिंग वर्ड लिट्रल टान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर पाठ के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक दार्द और स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय के महत्वपूर्ण अलंकार

प्रार्थना (लिटनी)

पद 1-34 और 38-40 में, अथूब अपनी निर्दोषता पर जोर देने के लिए कई शापथ लेते हैं। आमतौर पर वह "यदि" से शुरू होने वाले कथन का उपयोग करते हैं ताकि यह सुझाव दिया जा सके कि उन्होंने कुछ गलत किया हो सकता है, और फिर वह "हो सकता है" या "हो जाये" जैसे क्रियात्मक रूपों का उपयोग करके यह इच्छा व्यक्त करते हैं कि यदि उन्होंने वास्तव में ऐसा पाप किया है तो उन्हें उचित दण्ड मिले। कुछ मामलों में, दण्ड की इच्छा करने के बजाय, अथूब यह कारण देते हैं कि उन्होंने वर्णित पाप क्यों नहीं किया होगा। कुछ अन्य मामलों में, अथूब केवल "यदि" कथन कहते हैं, बाकी शर्तीय कथन को अनुमान लगाने के लिए छोड़ देते हैं। अध्याय के दौरान टिप्पणियाँ यह संकेत देतीं हैं कि अथूब अपने द्वारा किए गए प्रत्येक "यदि" कथन पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

इस प्रकार के समान बयानों की एक श्रृंखला को अंग्रेजी में लिटनी कहा जाता है, जिसका अर्थ है प्रार्थना। यदि आपके पाठक पहचानेंगे कि अथूब क्या कर रहे हैं, तो आप इस

लिटनी का अनुवाद और स्वरूपण उसी तरह कर सकते हैं जैसे अनफोलिंग वर्ड लिट्रल टान्सलेशन करता है। यदि लिटनी का रूप आपके पाठकों के लिए परिचित नहीं होगा, तो आप उन्हें लिटनी के प्रत्येक वाक्य को अलग पंक्ति में रखकर इसे सराहने में सहायता कर सकते हैं। देखें कि आपने अध्याय 9, 12, 26, और 29 में समान लिटनी के साथ क्या किया था। (देखें: [rc://ta/man/translate/figs-litany-and-rc://ta/man/translate/writing-oathformula](http://ta/man/translate/figs-litany-and-rc://ta/man/translate/writing-oathformula))

इस अध्याय की मुख्य अवधारणाएँ

पाप के लिए उचित दण्ड के प्रति अथूब की समझ

इस अध्याय में, अथूब जोर देकर कहते हैं कि उन्होंने धार्मिकता का पालन किया है यह इच्छा व्यक्त करते हुए कि यदि उन्होंने कोई अपराध किया हो, तो उन्हें उसके लिए उचित दण्ड मिले। अधिकांश मामलों में, अथूब स्वयं उस दण्ड को भुगतने के लिए तैयार हैं जिसका वह वर्णन करते हैं। लेकिन पद 9 और 10 में, अथूब कहते हैं कि यदि उन्होंने किसी अन्य पुरुष की पत्नी के साथ व्यभिचार किया है, तो अन्य पुरुष उनकी पत्नी के साथ सम्बन्ध बना सकते हैं। ऐसा लगता है कि अथूब चाहते हैं कि परमेश्वर उनकी पत्नी को उस चीज़ के लिए दण्डित करें जो उन्होंने स्वयं किया था। चूंकि पुस्तक अथूब को एक बुद्धिमान और धार्मिक व्यक्ति के रूप में वर्णित करती है, पाठकों को यह मानना चाहिए कि यह एक न्यायसंगत दण्ड होगा, लेकिन यह सही या उचित नहीं लगता। इसे समझने का एक तरीका यह हो सकता है कि अथूब कह रहे हैं कि यदि उन्होंने अपनी पत्नी के प्रति विश्वासघात किया है, तो उनकी पत्नी भी उनके प्रति विश्वासघात कर सकती है। यह वह आदर्श नहीं है जो बाइबल समग्र रूप से सिखाती है। मसीहियों के रूप में, हमें दूसरों से बदला नहीं लेना चाहिए कि उन्होंने हमारे साथ जो किया है, हम वही उनके साथ करें। लेकिन इस विशेष सन्दर्भ में, जिसमें अथूब अपनी निर्दोषता की निश्चितता के लिए शपथ ले रहे हैं, यदि उन्होंने अपनी पत्नी के प्रति विश्वासघात किया है, तो उनकी पत्नी का उनके प्रति विश्वासघात करना एक ऐसा दण्ड होगा जो अपराध के अनुरूप होगा, और अथूब अपनी निर्दोषता पर जोर दे रहे हैं यह कहकर कि वह उन दण्डों को प्राप्त करने के लिए तैयार हैं जो उनके द्वारा किए गए किसी भी अपराध के अनुरूप हैं।

Job 31:1 (#1)

"मैंने अपनी आँखों के विषय वाचा बाँधी है"

इस संस्कृति में, लोग कहते थे कि उन्होंने एक वाचा बाँधी है क्योंकि वाचा बाँधने में अक्सर एक समारोह शामिल होता था जिसमें दोनों पक्ष एक पशु को काटते थे और कटे हुए टुकड़ों के बीच से गुज़रते थे। [यिर्माह 34:18](#) ऐसे समारोह का उल्लेख करता है और [उपति 15:8-19](#) परमेश्वर को अब्राहम

के साथ इस तरह से वाचा बाँधते हुए वर्णित करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपनी आँखों के साथ एक वाचा बाँधी है"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:1 (#2)

"मैंने अपनी आँखों के विषय वाचा बाँधी है"

अथूब अपनी आँखों के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो वे जीवित हो जिनके साथ वह **वाचा** बाँध सकता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट तौर से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कुछ भी देखता हूँ, मैंने उसके बारे में संयम बरतने का संकल्प लिया है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:1 (#3)

"फिर मैं किसी कुँवारी पर क्यों आँखें लगाऊँ?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं किसी कुँवारी पर दृष्टि नहीं रखूँगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 31:1 (#4)

"फिर मैं किसी कुँवारी पर क्यों आँखें लगाऊँ?"

अथूब का स्पष्ट अर्थ है कि वह **वासनापूर्ण दृष्टि** से नहीं देखेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर मैं वासनापूर्ण दृष्टि से कैसे देखूँगा" या "मैं वासनापूर्ण दृष्टि से नहीं देखूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 31:1 (#5)

"किसी कुँवारी पर"

अथूब एक तरह की महिला, **कुँवारी** का इस्तेमाल आम तौर पर महिलाओं के लिए कर रहा है। वह यह नहीं कह रहा है कि अगर किसी महिला ने किसी के साथ यौन संबंध नहीं

बनाए हैं, तो वह उसे कामुक नज़र से नहीं देखेगा, लेकिन अगर किसी महिला ने यौन संबंध बनाए हैं, तो वह उसे कामुक नज़र से देख सकता है। अथूब एक कुँवारी का उल्लेख एक ऐसी महिला के उदाहरण के रूप में कर रहा है जिसे देखकर वह उस तरह से देखने के लिए प्रलोभित हो सकता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक महिला पर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:2 (#1)

"क्योंकि परमेश्वर स्वर्ग से कौन सा अंश और सर्वशक्तिमान ऊपर से कौन सी सम्पत्ति बाँटता है?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) आज्ञाकारिता के लिए एक अच्छा भाग और विरासत के रूप में पुरस्कार। ये शब्द आमतौर पर सकारात्मक अर्थ रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तब परमेश्वर से ऊपर से कोई भाग नहीं होगा और न ही सर्वशक्तिमान से ऊँचाइयों में कोई विरासत!" (2) एक बुरा भाग और विरासत, अर्थात् अवज्ञा के लिए एक दण्ड। इसका वही अर्थ होगा जो अथूब अगले पद में कहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तब परमेश्वर से ऊपर से भाग अच्छा नहीं होगा और न ही सर्वशक्तिमान से ऊँचाइयों में विरासत"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 31:2 (#2)

"क्योंकि परमेश्वर स्वर्ग से कौन सा अंश और सर्वशक्तिमान ऊपर से कौन सी सम्पत्ति बाँटता है?"

अर्थ के आधार पर (पिछली टिप्पणी देखें), अथूब इस तरह बोल रहा है मानो परमेश्वर की ओर से पुरस्कार या दंड वस्तुतः विरासत में एक हिस्सा या भाग होगा। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: (1) "ऊपर के परमेश्वर से पुरस्कार या सर्वशक्तिमान से आशीर्वाद" या (2) "ऊपर के परमेश्वर से दण्ड या सर्वशक्तिमान से ताड़ना"

देखें: रूपक

अथ्यूब 31:2 (#3)**"कौन सी सम्पत्ति बाँटता है?"**

अथ्यूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या विरासत क्या होगी"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 31:2 (#4)**"ऊपर से"**

देखें कि आपने [25:1](#) में इसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "सबसे ऊँचे स्वर्ग में"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथ्यूब 31:3 (#1)**"क्या वह कुटिल मनुष्यों के लिये विपत्ति"**

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आखिरकार, विपत्ति अधर्मियों के लिए है और दुष्टा करने वालों के लिए विपत्ति है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 31:3 (#2)**"कुटिल मनुष्यों के लिये"**

अथ्यूब विशेषण **कुटिल** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक निश्चित प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी लोगों के लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 31:3 (#3)**"अनर्थ काम करनेवालों के लिये"**

अगर आपकी भाषा में **अनर्थ काम करनेवालों** के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे काम करने वाले लोगों के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 31:4 (#1)**"क्या वह मेरी गति नहीं देखता"**

अथ्यूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चय परमेश्वर मेरे मार्ग देखता है और मेरे सब कदम गिनता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 31:4 (#2)**"मेरी गति"**

अथ्यूब इस बारे में बात कर रहा है कि वह किस तरह से जीवन जी रहा है, मानो यह उन मार्गों या **गति** की एक श्रृंखला हो जिन पर वह चल रहा है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कैसे जी रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथ्यूब 31:4 (#3)**"और क्या वह मेरे पग-पग नहीं गिनता?"**

जीवन को पर्थों की एक श्रृंखला के रूप में चित्रित करने के दौरान, अथ्यूब ऐसे बोल रहा है मानो परमेश्वर उसके द्वारा उठाए गए प्रत्येक **कदम** को सचमुच **गिन** रहा हो। **कदमों** से, संभवतः उसका मतलब व्यक्तिगत कार्यों से है और **गिनती** से, संभवतः उसका मतलब है कि परमेश्वर प्रत्येक का विशेष रूप से ध्यान करता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मेरे प्रत्येक कार्य पर ध्यान दो"

देखें: रूपक

अथ्यूब 31:5 (#1)**"यदि मैं व्यर्थ चाल चलता हूँ"**

अथ्यूब व्यर्थ के बारे में ऐसे बोल रहा है मानो वह कोई जीवित हो जिसके सहारे वह चल सकता था। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैंने झूठ के साथ खुद को पेश किया है"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 31:5 (#2)**"यदि मैं व्यर्थ चाल चलता हूँ"**

अगर आपकी भाषा में व्यर्थ चाल के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने अपने आप को बेर्इमानी से संचालित किया है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 31:5 (#3)**"या कपट करने के लिये मेरे पैर दौड़े हों"**

अथ्यूब अपने एक अंग, अपने पैर का इस्तेमाल करके अपने पूरे शरीर को जल्दबाजी या किसी काम को करने के लिए उत्सुक होने का संकेत दे रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या मैंने छल करने में जल्दबाजी की है"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 31:5 (#4)**"या कपट करने के लिये मेरे पैर दौड़े हों"**

अगर आपकी भाषा में कपट के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या मैंने उत्सुकता से कुछ धोखेबाज़ी की है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 31:6 (#1)**"तो मैं धर्म के तराजू में तौला जाऊँ"**

इस आयत में, अथ्यूब ने आयत 5, 7 और 8 में दिए गए अगर-तो कथन को बीच में ही रोक दिया। वह यह दावा करने के लिए ऐसा करता है कि अगर परमेश्वर उसका न्याय निष्पक्षता से करता है, तो परमेश्वर पहचान लेगा कि वह आयत 8 में वर्णित दंड या इस अध्याय में वर्णित किसी भी अन्य दंड के योग्य नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप आयत 5-6 के लिए एक आयत पुल बनाकर इस कथन को अगर-तो कथन से पहले रख सकते हैं। यह कुछ इस तरह कह सकता है: "अब यदि परमेश्वर मुझे धार्मिकता के तराजू में तौलता, तो वह मेरी खराई को जान लेता। यदि मैं झूठ के साथ चला हूँ या मेरे पैर ने छल करने की जल्दी की है"

देखें: संयुक्त पद

अथ्यूब 31:6 (#2)**"तो मैं धर्म के तराजू में तौला जाऊँ"**

अथ्यूब इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर उन्हें सचमुच एक तराजू में तौल रहे हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मेरा धार्मिकता के मानकों से न्याय करें"

देखें: रूपक

अथ्यूब 31:6 (#3)**"तो मैं धर्म के तराजू में तौला जाऊँ"**

अगर आपकी भाषा में धार्मिकता के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे मेरा सही तरीके से न्याय करने दो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 31:6 (#4)**"मेरी खराई"**

देखें कि आपने 2:3 में खराई शब्द का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि मैं सही तरीके से जीऊँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 31:7 (#1)**"यदि मेरे पग मार्ग से बहक गए हों"**

अथूब अपने एक हिस्से, एक कदम जो वह उठाएगा, का उपयोग अपने चलने के कार्य में अपने पूरे व्यक्तित्व को दर्शनी के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं मार्ग से भटक गया हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:7 (#2)

"यदि मेरे पाग मार्ग से बहक गए हों"

अथूब सही तरीके से जीने के बारे में बात कर रहा है जैसे कि यह एक ऐसा तरीका या मार्ग हो जिस पर लोगों को चलना चाहिए। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैं सही तरीके से जीने में विफल रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 31:7 (#3)

"मेरा मन"- "कुछ कलंक"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मेरा दिल ... अगर एक दाग"

देखें: पदलोप

अथूब 31:7 (#4)

"और मेरा मन मेरी आँखों की देखी चाल चला हो"

अथूब अपने मन और अपनी आँखों के बारे में ऐसे बात कर रहा है जैसे कि वे जीवित हों जो कहीं भी जा सकती हैं, आँखें पहले कहीं जाती हैं और दिल उसके पीछे। यहाँ अथूब अपने मन का इस्तेमाल अपनी इच्छाओं के लिए और अपनी आँखों का इस्तेमाल वह जो देखता है उसके लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या अगर मैंने कुछ ऐसा देखा है जो मेरा नहीं है लेकिन मैंने उसे अपने लिए चाहा है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:7 (#5)

"या मेरे हाथों में कुछ कलंक लगा हो"

जैसा कि 17:9 में है, अथूब ऐसे बोल रहा है मानो जो लोग गलत काम करने के लिए निर्दोष हैं उनके हाथ सचमुच साफ हैं, इसलिए जब वह अपने हाथों पर लगे दाग या कलंक की बात करता है, तो वह इस मुद्दे को उठा रहा है कि क्या उसने कुछ गलत किया है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या मैंने कुछ नैतिक रूप से गलत किया है"

देखें: रूपक

अथूब 31:8 (#1)

"तो मैं बीज बोऊँ, परन्तु दूसरा खाए"

अथूब का तात्पर्य यह है कि यदि उसने अभी सूचीबद्ध गलत कामों में से कोई भी किया है, तो उचित सजा यह होगी कि कोई और व्यक्ति उसके द्वारा बोए गए बीजों से उगने वाली फसल खाए। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे द्वारा बोए गए बीजों से उगने वाली फसल कोई और खाए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 31:9 (#1)

"यदि मेरा हृदय किसी स्त्री पर मोहित हो गया है"

जब अथूब इस बारे में बात करता है कि क्या उसका हृदय किसी स्त्री द्वारा मोहित हुआ है, तो वह एक ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर रहा है जिसका मतलब है किसी स्त्री द्वारा बहकाया जाना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मेरा दिल किसी स्त्री द्वारा बहकाया गया है"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:9 (#2)

"यदि मेरा हृदय किसी स्त्री पर मोहित हो गया है"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने हृदय, यानी अपनी इच्छाओं का इस्तेमाल, अपने सम्पूर्ण अस्तित्व और प्रलोभन के कार्य में कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैं किसी स्त्री के बहकावे में आ गया हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:9 (#3)**"यदि मेरा हृदय किसी स्त्री पर मोहित हो गया है"**

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। हालाँकि, अथूब के अर्थ का सटीक अनुवाद करने में सावधानी बरतें। अथूब ऐसी स्थिति का वर्णन नहीं कर रहा है जिसमें एक महिला अनिवार्य रूप से उसे बहकाने के लिए ज़िम्मेदार होगी। वह ऐसी स्थिति का वर्णन कर रहा है जिसमें वह अपनी नज़रों पर आम-नियंत्रण नहीं रखता (जैसा कि पद 1 में वर्णित है) और जिसमें उसने एक महिला की सुंदरता को उसे कुछ ऐसा करने के लिए लुभाने दिया जो वह जानता था कि गलत था। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैंने किसी महिला को मुझे लुभाने दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 31:9 (#4)**"और मैं अपने पड़ोसी के द्वार पर घात में बैठा हूँ"**

इसका तात्पर्य यह है कि यह महिला विवाहित है और अथूब उसके दरवाजे के बाहर छिपकर प्रतीक्षा करता रहा होगा कि वह दरवाजा खोले और उसे अपने घर में आने दे तथा वह उसके साथ उस समय यौन संबंध बनाए जब उसका पति बाहर था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने अपने पड़ोसी की पत्नी का इंतज़ार किया है कि वह मुझे अपने घर में आने दे ताकि मैं उसके साथ यौन संबंध बना सकूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 31:10 (#1)**"तो मेरी स्त्री दूसरे के लिये पीसे"**

अथूब शब्द **पीसना** इस्तेमाल करते हैं, जिसका अर्थ है अनाज पीसना, जिसका अर्थ है "रखैल बनना", क्योंकि रखैल अपने स्वामियों के लिए अनाज पीसने का काम करती थीं, जो उनके पति भी थे। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। इस पद की आगे की चर्चा के लिए इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी पत्नी किसी दूसरे आदमी की रखैल बन जाए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:10 (#2)**"और पराए पुरुष उसको भ्रष्ट करें"**

अथूब ने भ्रष्ट करें वाक्यांश का अर्थ "यौन संबंध बनाना" बताया है। यह किसी ऐसी बात को संदर्भित करने का एक सौम्य तरीका है जो आमतौर पर निजी तौर पर की जाती है। आपकी भाषा में शायद ऐसा ही कोई भाव हो जिसे आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दूसरे लोग उसके साथ सोएँ""

देखें: मंगल भाषण

अथूब 31:11 (#1)**"क्योंकि वह तो महापाप होता"**

सर्वनाम वह अथूब द्वारा पद 9 में वर्णित बातों को संदर्भित करता है, न कि पद 10 में वर्णित बातों को। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यदि मैं किसी दूसरे व्यक्ति की पत्नी के साथ यौन संबंध रखता, तो यह कामुकता होती"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 31:11 (#2)**"और न्यायियों से दण्ड पाने के योग्य अधर्म का काम होता"**

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग उस अधर्म का वर्णन करने के लिए कर रहा है जिसे **न्यायी** दण्डित करेंगे, न कि उस अधर्म का जो न्यायी करेंगे। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और न्यायाधीश निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को दण्डित करेंगे"

देखें: स्वामित्व

अथूब 31:12 (#1)**"क्योंकि"**

अथूब यह स्पष्ट करने के लिए **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं कि वह व्यभिचार क्यों नहीं करेंगे, न कि यह बताने के लिए कि न्यायी व्यभिचार को क्यों दंडित करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे अपने

अनुवाद में संकेत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं व्यभिचार नहीं करूँगा, क्योंकि मुझे पता है कि"
देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 31:12 (#2)

"क्योंकि वह ऐसी आग है"

सर्वनाम क्योंकि व्यभिचार को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यभिचार एक अग्नि है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 31:12 (#3)

"क्योंकि वह ऐसी आग है"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो व्यभिचार सचमुच आग हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बहुत विनाशकारी है"

देखें: रूपक

अथूब 31:12 (#4)

"क्योंकि वह ऐसी आग है जो जलाकर भस्म कर देती है"

अथूब उस आग के बारे में बात कर रहा है जिसका इस्तेमाल वह व्यभिचार को दर्शने के लिए कर रहा है, जैसे कि यह अपने रास्ते में आने वाली हर चीज़ को जला देती है, यहाँ तक कि अधीलोक को भी। जैसा कि [26:6](#) में बताया गया है, शब्द **अधीलोक** इसका प्रतिरूप माना जा सकता है। हालाँकि, इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है "विनाश" और अथूब शायद इसे उसी अर्थ में इस्तेमाल कर रहा है, यहाँ तक कि इस आग की छवि के भीतर भी। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तब तक जलता रहता है जब तक कि सब कुछ पूरी तरह से नष्ट न हो जाए"

देखें: रूपक

अथूब 31:12 (#5)

"और वह मेरी सारी उपज को जड़ से नाश कर देती है"

अथूब भी ऐसे बोल रहा है मानो व्यभिचार कुछ ऐसा हो जो उसकी पूरी फसल को नाश कर दे। वह शायद इस छवि का

उपयोग अपनी सारी संपत्ति के नुकसान को दर्शने के लिए कर रहा है। [नीतिवचन 6:26-35](#) संकेत देता है कि इस संस्कृति में, व्यभिचार के दोषी पाए गए पुरुषों को जुर्माना और मुआवजे के रूप में बड़ी रकम चुकानी पड़ सकती है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसकी कीमत मुझे सारी संपत्ति से चुकानी पड़ सकती है" या "और इससे मेरी सारी संपत्ति नष्ट हो सकती है"

देखें: रूपक

अथूब 31:13 (#1)

"जब मेरे दास व दासी ने मुझसे झगड़ा किया, तब यदि मैंने उनका हङ्क मार दिया है"

अगर आपकी भाषा में हङ्क मार दिया हो के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैं अपने पुरुष नौकर या अपनी महिला नौकर के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करना ज़रूरी नहीं समझता"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 31:14 (#1)

"तो जब परमेश्वर उठ खड़ा होगा, तब मैं क्या करूँगा?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो यदि परमेश्वर उठे या यदि वह आए, तो मैं कुछ भी नहीं कर पाऊँगा, मैं उसका उत्तर नहीं दे पाऊँगा"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 31:14 (#2)

"परमेश्वर उठ खड़ा होगा"

अथूब स्पष्ट रूप से पूछ रहा है कि अगर परमेश्वर उसके खिलाफ आरोप लगाने के लिए उठा या खड़ा हुआ तो वह क्या करेगा। जैसा कि [20:27](#) में बताया गया है, किसी के खिलाफ मामला शुरू करने के लिए, इस संस्कृति में लोग सार्वजनिक घौक में इकट्ठा हुए लोगों के बीच खड़े हो जाते थे। देखें कि आपने [20:27](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मेरे खिलाफ आरोप लगाने के लिए खड़ा हुआ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 31:14 (#3)

"और जब वह आएगा तब मैं क्या उत्तर दूँगा?"

अथूब एक विशेष अर्थ में आएगा शब्द का प्रयोग कर रहा है। जब इसे परमेश्वर पर लागू किया जाता है, तो यह शब्द अक्सर संकेत देता है कि परमेश्वर किसी व्यक्ति या समूह के जीवन में कार्रवाई करता है, चाहे ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए या दोषी लोगों को दंडित करने के लिए। उदाहरण के लिए, [रुत 1:6](#) कहता है कि नाओमी, जो अकाल के कारण इस्पाएल को छोड़कर चली गई थी, जब उसने सुना कि "यहोवा ने अपनी प्रजा के लोगों की सुधि ले के उन्हें भोजनवस्तु दी है" तो वह वहाँ लौट आई। यहाँ अर्थ यह है कि परमेश्वर अथूब के सेवकों की मदद करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए उसे दंडित करने के लिए "आएगा"। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या यदि वह मेरे सेवकों की सहायता करने के लिए आया"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:15 (#1)

"क्या वह उसका बनानेवाला नहीं जिसने मुझे गर्भ में बनाया?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्पयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आखिरकार, जिसने मुझे गर्भ में बनाया, उसने उसे भी बनाया। वास्तव में, उसी व्यक्ति ने हम दोनों को गर्भ में बनाया।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 31:15 (#2)

"क्या वह उसका" - "जिसने मुझे गर्भ में बनाया"

हालाँकि सर्वनाम उसका पुलिंग है, अथूब इस शब्द का उपयोग एक सामाय अर्थ में कर रहा है जो "पुरुष सेवक" और "महिला सेवक" दोनों को संदर्भित करता है, जिसका वर्णन वह पद 13 में करता है। यदि यह आपके पाठकों के

लिए उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा में एक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो इसे इंगित करेगी। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या ... ने मेरे पुरुष सेवक और मेरी महिला सेवक को बनाया" या "क्या ... ने उन्हें बनाया"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 31:15 (#3)

"क्या एक ही ने हम दोनों की सूरत गर्भ में न रची थी?"

हम शब्द से अथूब का तात्पर्य स्वयं और उसके सेवकों से है, न कि उन मित्रों से जिनसे वह बात कर रहा है, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद है तो अपने अनुवाद में उस शब्द के अनन्य रूप का प्रयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथूब 31:16 (#1)

"यदि मैंने कंगालों की इच्छा पूरी न की हो"

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग किसी ऐसी चीज़ का वर्णन करने के लिए कर रहा है जिसे कंगालों की इच्छा हो। इसका अर्थ यह है कि वे इसकी इच्छा इसलिए करेंगे क्योंकि उन्हें इसकी ज़रूरत थी। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ ऐसा जो गरीब चाहता था" या "कुछ ऐसा जिसकी गरीब को ज़रूरत थी"

देखें: स्वामित्व

अथूब 31:16 (#2)

"कंगालों"

अथूब एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में कंगाल विशेषण का उपयोग कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गरीब लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 31:16 (#3)

"या मेरे कारण विधवा की आँखें कभी निराश हुई हों,"

अथूब इस विधवा के एक हिस्से, उसकी आँखों, का उपयोग यह बताने के लिए कर रहा है कि वह मदद की तलाश में है, यानी मदद की उम्मीद और प्रतीक्षा कर रही है। अगर उसकी आँखें असफल होती, तो इसका मतलब होता कि उसने अपनी ज़रूरत की मदद पाने की उम्मीद छोड़ दी है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या अगर यह इतने लंबे समय तक किसी विधवा की मदद करने में लापरवाही बरती है कि उसने मदद पाने की उम्मीद छोड़ दी है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:16 (#4)

"विधवा"

अथूब किसी खास विधवा की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब है कोई भी विधवा जिसे मदद की ज़रूरत हो सकती है। आपकी भाषा में इस अर्थ को अनिश्चित उपपद का उपयोग करके व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक विधवा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 31:17 (#1)

"अनाथ"

अथूब विशेषण अनाथ का उपयोग संज्ञा के रूप में एक खास तरह के व्यक्ति के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनाथ व्यक्ति" या "अनाथ"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 31:17 (#2)

"अनाथ"

अथूब किसी विशेष अनाथ व्यक्ति की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब है कोई अनाथ जिसे भोजन की ज़रूरत हो सकती है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई अनाथ जिसे भोजन की ज़रूरत हो सकती है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 31:18 (#1)

"परन्तु"

अथूब परन्तु शब्द का इस्तेमाल यह बताने के लिए कर रहा है कि अगर उसने अभी-अभी वर्णित पाप किए हैं, तो उसे इस मामले में परिणाम निर्दिष्ट करने की भी आवश्यकता नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन मुझे यह कहने की भी आवश्यकता नहीं है कि अगर मैंने वे काम किए हैं, तो परमेश्वर को मेरे साथ क्या करना चाहिए, क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 31:18 (#2)

"मेरे लड़कपन ही से" - "और मैं जन्म ही से"

अथूब अतिशयोक्ति के रूप में जोर देने के लिए यह कहते हैं "मेरे लड़कपन ही से और और मैं जन्म ही से। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसे जोर देने के लिए अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे जीवन भर... और निरंतर"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 31:18 (#3)

"वह मेरे लड़कपन ही से मेरे साथ इस प्रकार पला" - "और मैं जन्म ही से विधवा को पालता आया हूँ"

सर्वनाम वह प्रतिनिधि अनाथ को संदर्भित करता है जिसका वर्णन अथूब ने पद 17 में किया है और सर्वनाम उसका प्रतिनिधि विधवा को संदर्भित करता है जिसका वर्णन उसने पद 16 में किया है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अनाथ मेरे साथ बढ़ा हुआ है ... मैंने विधवा का मार्गदर्शन किया है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 31:19 (#1)

"यदि मैंने किसी को वस्त्रहीन मरते हुए देखा"

अथूब वस्त्रहीन विशेषण का इस्तेमाल संज्ञा के रूप में एक खास तरह के व्यक्ति के लिए कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस्तेमाल उसी तरह हो सकता है। अगर नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज़रूरतमंद व्यक्ति के लिए"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 31:19 (#2)

"यदि मैंने किसी को वस्त्रहीन मरते हुए देखा"

अथूब किसी खास वस्त्रहीन व्यक्ति की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब है कोई भी व्यक्ति जिसे **ओढ़ने** की ज़रूरत हो सकती है, शायद उसका मतलब है कोई बाहरी वस्त्र जो कंबल जैसे भी काम आ सकता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में बता सकते हैं कि अथूब का मतलब किससे है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी व्यक्ति के लिए जिसे इसकी ज़रूरत है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 31:20 (#1)

"और उसने गर्म होकर मुझे आशीर्वाद न दिया हो"

चूंकि इस प्रतिनिधि ज़रूरतमंद व्यक्ति ने पहले अथूब द्वारा दिए गए वस्त्र से खुद को गर्म किया होगा और फिर इस व्यावहारिक मदद के लिए अथूब को आशीर्वाद दिया होगा, इसलिए इन खंडों के क्रम को उलटना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर उसने मेरी भेड़ों के ऊन से खुद को गर्म नहीं किया है और मेरी दयालुता के लिए मुझे आशीर्वाद नहीं दिया है"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 31:20 (#2)

"और उसने गर्म होकर मुझे आशीर्वाद न दिया हो"

अथूब इस प्रतिनिधि ज़रूरतमंद व्यक्ति के एक हिस्से, उसकी कमर का उपयोग अथूब को आशीर्वाद देने के कार्य में उसके पूरे हिस्से को दर्शनी के लिए कर रहा है। अथूब ने संभवतः इस व्यक्ति का प्रतीक कमर के क्षेत्र को चुना है क्योंकि यह वह क्षेत्र है जिसे कपड़े की ज़रूरत वाले व्यक्ति ने सबसे पहले ढका होगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि उसने मुझे आशीर्वाद नहीं दिया है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:20 (#3)

"और उसको अपनी भेड़ों की ऊन के कपड़े न दिए हों"

अथूब इस वाक्यांश का इस्तेमाल संबद्धता के आधार पर उस वस्त्र के लिए कर रहा है जिसे उसके घराने के किसी व्यक्ति ने अपनी भेड़ों द्वारा उत्पादित ऊन से बुना होगा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... एक गर्म ऊनी वस्त्र जो मैंने प्रदान किया"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:21 (#1)

"अनाथों के मारने को अपना हाथ उठाया हो"

मारने को हाथ उठाना, संभवतः मुट्ठी में बांधना, किसी के खिलाफ एक प्रतीकात्मक कार्य होगा जो व्यक्ति की इच्छाओं को पूरा न करने पर नुकसान पहुँचाने की धमकी देता है। इस संदर्भ में, यह एक ऐसा इशारा होगा जो अदालत में किसी विरोधी द्वारा अनुकूल शर्तों पर मामले को निपटाने के लिए सहमत न होने पर गंभीर परिणामों की धमकी देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैंने अनाथों को अपने पक्ष में मामला निपटाने के लिए धमकाने की कोशिश की है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 31:21 (#2)

"या यदि मैंने फाटक में अपने सहायक देखकर"

अथूब **फाटक** शब्द का उपयोग सामुदायिक कचहरी के संदर्भ में कर रहे हैं, जो नगर फाटक के पास सार्वजनिक चौक में अपनी बैठकें आयोजित करती थी। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने देखा कि कचहरी में कुछ लोग थे जो मेरा पक्ष लेंगे।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:22 (#1)

"तो मेरी बाँह कंधे से उखड़कर गिर पड़े"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, मेरी भुजा अपने जोड़ से अलग हो जाए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 31:23 (#1)**"क्योंकि"**

अथूब **क्योंकि** शब्द का इस्तेमाल यह बताने के लिए कर रहा है कि उसने जो अपराध बताए हैं, उनमें से कोई भी अपराध क्यों नहीं किया। अगर यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, मैंने उनमें से कोई भी काम नहीं किया, क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 31:23 (#2)**"परमेश्वर के प्रताप"**

अथूब इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग **परमेश्वर** द्वारा दुष्ट व्यक्ति के **विनाश** का वर्णन करने के लिए कर रहा है, न कि किसी चीज़ द्वारा परमेश्वर के विनाश का। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ज्ञान कि परमेश्वर दुष्ट लोगों को नष्ट करता है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 31:23 (#3)**"क्योंकि परमेश्वर के प्रताप के कारण मैं ऐसा नहीं कर सकता था"**

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। आप इन शब्दों की संदर्भ से पूर्ति कर सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। अथूब गरीबों की उपेक्षा करने और अनाथों को डराने का ज़िक्र कर रहा है, जैसा कि उसने पद 19-21 में वर्णन किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसकी महिमा के कारण, मैं उनमें से कोई भी करने में सक्षम नहीं था" या "और उसकी महिमा के कारण, मैं उनमें से कोई भी नहीं कर सकता था"

देखें: पदलोप

अथूब 31:24 (#1)**"यदि मैंने सोने का भरोसा किया होता"**

अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो तो आप इसका अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि इसमें उद्धरण के भीतर कोई

उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने उत्तम सोने से कहा कि यह मेरा भरोसा था"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

अथूब 31:24 (#2)**"यदि मैंने सोने का भरोसा किया होता"**

अगर अथूब ने इस तरह से उत्तम सोने से बात की होती, तो वह किसी ऐसी चीज़ से बात कर रहा होता जिसे वह जानता था कि वह उसे सुन नहीं सकता, ताकि वह मज़बूत तरीके से दिखा सके कि वह इसके बारे में कैसा महसूस करता है। अगर आपकी भाषा में वक्ता ऐसा नहीं करता, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने कहा है कि शुद्ध सोना मेरा भरोसा था"

देखें: संबोधन

अथूब 31:24 (#3)**"यदि मैंने सोने का भरोसा किया होता"**

अगर आपकी भाषा में **भरोसा** के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने कहा है कि मैं शुद्ध सोने पर भरोसा कर रहा था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 31:25 (#1)**"या अपने बहुत से धन या अपनी बड़ी कमाई के कारण आनन्द किया होता"**

इस उदाहरण में, अथूब शर्त के पहले भाग ("यदि") को बताकर शपथ ले रहा है, लेकिन दूसरे भाग ("तब") को नहीं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस शर्त के निहित दूसरे भाग को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। आप उसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जिसका उपयोग अथूब ने पद 11 और 28 में किया है, या आप सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्योंकि मेरे हाथ ने बहुत कुछ अर्जित किया था, तो न्यायी निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को दंडित करेंगे" या "और क्योंकि मेरे हाथ ने बहुत कुछ अर्जित किया था, तो मैं निश्चित रूप से दण्ड का पात्र हूँ"

देखें: शपथ का सूत्र

अथूब 31:25 (#2)

"या अपने बहुत से धन या अपनी बड़ी कमाई के कारण आनन्द किया होता"

अथूब धन अर्जित करने के कार्य में अपने एक हिस्से, हाथ का उपयोग अपने सम्पूर्ण रूप में कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने बहुत कुछ अर्जित किया था"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:25 (#3)

"बहुत"

अथूब ने धन-संपत्ति के अर्थ में संज्ञा के रूप में **बहुत अधिक** विशेषण का उपयोग किया है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाग्य"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 31:26 (#1)

"चमकते"

अथूब सूर्य के अर्थ में **चमकते** शब्द का प्रयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:26 (#2)

"चन्द्रमा को महाशोभा से चलते हुए देखकर"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो **चन्द्रमा** सचमुच आसमान में धूम रहा हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या चाँद आसमान में धूम रहा है"

देखें: रूपक

अथूब 31:27 (#1)

"मैं मन ही मन मोहित हो गया होता"

देखें कि आपने 31:9 में "मन" के "मोहित" के बारे में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं सूर्य या चंद्रमा की ओर आकर्षित हुआ"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:27 (#2)

"और अपने मुँह से अपना हाथ चूम लिया होता"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो उसका **हाथ** कोई जीवित वस्तु हो जो उसके **मुँह** को **चूम** सकता हो। उसका मतलब है कि अगर वह सूरज या चाँद की आराधना करना चाहता था, तो इस संस्कृति के रीति-रिवाजों का पालन करते हुए, उसने अपने हाथ को अपने मुँह से छूकर चूमा होगा और फिर उस चूमने को सूरज या चाँद की तरफ लहराया होगा। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। आप सामान्य भाषा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने सूरज या चाँद को चूमा था" या "और मैंने सूरज या चाँद की आराधना की थी"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:28 (#1)

"तो यह भी न्यायियों से दण्ड पाने के योग्य अधर्म का काम होता"

देखें कि आपने न्यायियों से **दंड पाने** वाक्यांश का 31:11 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "न्यायी निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को भी दंडित करेंगे"

देखें: स्वामित्व

अथूब 31:29 (#1)

"आनन्दित होता"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है खुद को किसी ऐसे व्यक्ति से बेहतर स्थिति में समझना जिसने दुर्भाग्य झेला हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या घमंड करना"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:29 (#2)

"यदि मैं अपने बैरी के नाश से आनन्दित होता, या जब उस पर विपत्ति पड़ी तब उस पर हँसा होता"

अथूब विपत्ति के बारे में ऐसे बोल रहा है मानो वह कोई जीवित हो जो किसी ऐसे व्यक्ति को पा सकती है जो उससे नफरत करता हो। यहाँ बुराई शब्द का अर्थ नैतिक गलती के बजाय "दुर्भाग्य" है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसे दुर्भाग्य सहना पड़ा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:29 (#3)

"या जब उस पर विपत्ति पड़ी तब उस पर हँसा होता"

यह उस शापथ का निष्कर्ष है जो अथूब इस आयत में ले रहा है। देखें कि आपने [31:25](#) में क्या किया, जहाँ अथूब उसी तरह शापथ में शर्त का दूसरा भाग नहीं बताता है जो वह ले रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि बुराई ने उसे पाया, तो न्यायाधीश निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को दंडित करेंगे" या "क्योंकि बुराई ने उसे पाया, तो मैं निश्चित रूप से दण्ड का पात्र हूँ"

देखें: शापथ का सूत्र

अथूब 31:30 (#1)

"परन्तु मैंने न तो उसको श्राप देते हुए, और न उसके प्राणदण्ड की प्रार्थना करते हुए अपने मुँह से पाप किया है"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो उसका तालू या मुँह कोई जीवित हो जिससे वह पाप करवा सकता था। उसका मतलब है कि उसने जो कुछ कहा, उसमें वह खुद भी पाप कर सकता था। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि मैंने कोई पापपूर्ण बात नहीं कही"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:31 (#1)

"यदि मेरे डेरे के रहनेवालों ने यह न कहा होता"

[31:25](#) और [31:29](#) की तरह, यहाँ अथूब अपनी शापथ में शर्त का दूसरा भाग नहीं बताता है। देखें कि आपने उन आयतों में क्या किया। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मेरे तम्बू के लोगों ने यह

नहीं कहा है, 'कौन है जो उसके यहाँ के माँस से तृप्त नहीं हुआ है?' तो न्यायी निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को दण्डित करेंगे" या "यदि मेरे तम्बू के लोगों ने यह नहीं कहा है, 'ऐसा कोई है क्या जो उसके यहाँ के माँस से तृप्त नहीं हुआ है?' तो मैं निश्चित रूप से दण्ड का पात्र हूँ"

देखें: शापथ का सूत्र

अथूब 31:31 (#2)

"यदि मेरे डेरे के रहनेवालों ने यह न कहा होता"

अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि इसमें उद्धरण के भीतर कोई उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मेरे तंबू के लोगों ने नहीं पूछा कि कौन है जो मेरे भोजन से संतुष्ट नहीं हुआ है!"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 31:31 (#3)

"मेरे डेरे के रहनेवालों"

अथूब डेरे शब्द का इस्तेमाल अपने घराने के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे घराने के लोग"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:31 (#4)

"मेरे डेरे के रहनेवालो"

हालाँकि अथूब [31:13](#) में अपने पुरुष और महिला सेवकों को अलग-अलग संदर्भित करता है, लेकिन अथूब यहाँ पुरुष शब्द का इस्तेमाल सामान्य अर्थ में कर रहा है जिसमें पुरुष और महिला, दोनों शामिल हैं। अगर यह आपके पाठकों के लिए मददगार होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसमें स्पष्ट रूप से पुरुष और महिला, दोनों शामिल हों। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे घराने के पुरुष और महिलाएँ" या "मेरे सेवक"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 31:31 (#5)

"ऐसा कोई कहाँ मिलेगा, जो इसके यहाँ का माँस खाकर तृप्त न हुआ हो?"

अथ्यूब के सेवक जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे होंगे। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। (इस संदर्भ में, पुस्तक में अन्यत्र के विपरीत, **कहाँ मिलेगा** यह अभिव्यक्ति इच्छा व्यक्त नहीं करती है। सेवक यह नहीं कह रहे हैं, "हम चाहते हैं कि कोई ऐसा हो जो संतुष्ट न हुआ हो।") वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं दिखा सकता जो उसके यहाँ के माँस से संतुष्ट न हुआ हो!" या, निश्चित रूप से, "हर कोई उसके यहाँ के माँस से संतुष्ट हो चुका है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 31:31 (#6)

"ऐसा कोई कहाँ मिलेगा, जो इसके यहाँ का माँस खाकर तृप्त न हुआ हो?"

जैसा कि अगली आयत में दिखाया गया है, अथ्यूब के सेवक भूखे लोगों के बारे में बात कर रहे होंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक भूखा व्यक्ति जो संतुष्ट नहीं हुआ है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 31:31 (#7)

"जो इसके यहाँ का माँस खाकर तृप्त न हुआ हो?"

अथ्यूब के सेवक **माँस** शब्द का प्रयोग माँस के अर्थ में करते थे और आगे चलकर सामान्य रूप से भोजन के अर्थ में। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके भोजन से"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 31:32 (#1)

"परदेशी को सङ्क पर टिकना न पड़ता था"

अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें नकारात्मक कण नहीं और नकारात्मक वाक्यांश रात भर बाहर रहा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने परदेशी को अपने घर में रहने की अनुमति दी है"

देखें: दोहरी नकारात्मकता

अथ्यूब 31:32 (#2)

"परदेशी को सङ्क पर टिकना न पड़ता था; मैं बटोही के लिये अपना द्वार खुला रखता था"

अथ्यूब किसी विशिष्ट परदेशी या किसी विशिष्ट यात्री की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब परदेशी और सामान्य रूप से यात्री है। आपकी भाषा में इस अर्थ को, बहुवचन रूपों का उपयोग करके व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परदेशी रात भर नहीं रुका है ... यात्रियों के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 31:32 (#3)

"मैं बटोही के लिये अपना द्वार खुला रखता था"

अथ्यूब आतिथ्य प्रदान करने के लिए जो कुछ करता था, अपने दरवाजे खोलता था, उसका अर्थ आतिथ्य प्रदान करने के पूरे कार्य से है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने यात्रियों को आतिथ्य प्रदान किया है"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 31:33 (#1)

"आदम के समान"

अनुवादित शब्द **आदम** का अर्थ हो सकता है: (1) भले ही यह पुलिंग शब्द है, लेकिन सामान्य रूप से मानवता के लिए उपयोग किया गया है, जिसमें पुरुष और महिला, दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा लोग करते हैं" (2) आदम, पहला मनुष्य जिसे परमेश्वर ने बनाया और जिसने परमेश्वर से छिपने की कोशिश की जब उसे एहसास हुआ कि उसने पाप किया है। (हालांकि, कई व्याख्याकार सवाल करते हैं कि क्या अथ्यूब उत्पत्ति की पुस्तक से परिचित रहा होगा।) वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोगों के समान"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 31:33 (#2)

"यदि मैंने आदम के समान अपना अपराध छिपाकर अपने अधर्म को ढाँप लिया हो"

अथ्यूब ऐसे बोल रहा है मानो **अपराध** कोई ऐसी वस्तु हो जिसे वह अपने सीने में छिपा सकता हो। आपकी भाषा में भी कुछ ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में

इस्तेमाल कर सकते हैं। आप सामान्य भाषा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपने पापों के अपराध को अपने अंदर छिपाकर छुपाया है" या "मैंने अपने पापों को किसी को न बताकर छुपाया है कि मैं क्या करने का दोषी हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 31:34 (#1)

"मैं द्वार से बाहर न निकला"

अथूब अपने पापों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने, **द्वार से बाहर जाने** आदि कार्यों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के संपूर्ण कृत्य के रूप में प्रयोग करता है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपने पाप को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया"

देखें: उपलक्षण

अथूब 31:34 (#2)

"मैं द्वार से बाहर न निकला"

यह उस शपथ का निष्कर्ष है जो अथूब इस आयत में ले रहा है। देखें कि आपने [31:25](#) में क्या किया, जहाँ अथूब इसी तरह शपथ में शर्त का दूसरा भाग नहीं बताता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दरवाजे से बाहर नहीं गया, तो न्यायी निश्चित रूप से ऐसे अधर्म को दण्डित करेंगे" या "मैं दरवाजे से बाहर नहीं गया, तो मैं निश्चित रूप से दण्ड का पात्र हूँ"

देखें: शपथ का सूत्र

अथूब 31:35 (#1)

"भला होता कि मेरा कोई सुननेवाला होता"

देखें कि आपने [11:5-6](#) में **मेरा कोई** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "काश मेरे पास कोई होता जो मेरी बात सुनता!"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:35 (#2)

"सुननेवाला होता"

मेरी बात **सुननेवाला** से अथूब का तात्पर्य है कि कोई निष्क्रिय व्यक्ति न्यायिक अर्थ में उसके मामले की "सुनवाई" कर रहा

है और उसका न्याय कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई निष्क्रिय व्यक्ति जो मेरे और परमेश्वर के बीच न्याय करेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 31:35 (#3)

"भला होता कि जो शिकायतनामा मेरे मुद्दई ने लिखा है वह मेरे पास होता"

ऐसा प्रतीत होता है कि इस संस्कृति में, कानूनी कार्यवाही में दोनों पक्ष अपने तर्क लिखित रूप में प्रस्तुत करेंगे और वे उन्हें प्रमाणित करने के लिए अपने नाम या **चिह्न** के साथ हस्ताक्षर करेंगे। अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह अपनी गवाही के लिखित अभिलेख पर अपना चिह्न लगा रहा है ताकि यह घोषित कर सके कि उसने अभी जो कुछ भी कहा है वह सच है। (ऐसा लगता है कि उसने वास्तव में अपनी सारी गवाही लिखित रूप में नहीं रखी है, क्योंकि यह वास्तविक न्यायालय कार्यवाही नहीं है और परमेश्वर कोई संगत लिखित दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं करेंगे।) आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं प्रमाणित करता हूँ कि मैं सच बोल रहा हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 31:35 (#4)

"देखो, मेरा दस्तखत यही है। भला होता कि जो शिकायतनामा मेरे मुद्दई ने लिखा है वह मेरे पास होता"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं, अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और कौन मुझे वह शिकायतनामा देगा जो मेरे मुकदमे के आदमी ने लिखा है?" या "और मैं चाहता हूँ कि मेरे पास वह शिकायतनामा हो जो मेरे मुकदमे के आदमी ने लिखा है!"

देखें: पदलोप

अथूब 31:35 (#5)

"मेरे मुद्दई ने लिखा है"

यह अभिव्यक्ति कानूनी कार्यवाही में एक विरोधी को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप

इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा विरोधी"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:36 (#1)

"निश्चय मैं उसको अपने कंधे पर उठाए फिरता"

अथूब शब्द "निश्चय" का प्रयोग एक ऐसे प्रश्न को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिसका उत्तर नकारात्मक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे अपने कंधे पर उठा लूँगा, है न?"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:36 (#2)

"निश्चय मैं उसको अपने कंधे पर उठाए फिरता"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से इसे अपने कंधे पर उठा लूँगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 31:36 (#3)

"निश्चय मैं उसको अपने कंधे पर उठाए फिरता"

अथूब ऐसे बोल रहा है मानो वह सचमुच अपने विरोधी के लिखित कानूनी तर्क को अपने कंधे पर ढोएगा। उसका मतलब है कि उसे किसी भी आरोप पर शर्मिदा होने की कोई वजह नहीं होगी, क्योंकि वह जानता है कि वे झूठे साबित होंगे और उसका सम्मान सही साबित होगा। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई भाव हो सकता है जिसे आप अपने अनुवाद में इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे सम्मान के प्रतीक के रूप में पहनूँगा!"

देखें: रूपक

अथूब 31:36 (#4)

"और सुन्दर पगड़ी जानकर अपने सिर में बाँधे रहता"

अथूब बहुवचन रूप मुकुट का उपयोग अतिशयोक्तिपूर्ण गुणवत्ता वाले मुकुट को सदर्भित करने के लिए कर रहा है।

आपकी भाषा में भी बहुवचन रूपों का उपयोग उसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इसका अर्थ किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे अपने सिर पर एक शानदार मुकुट के रूप में पहनूँगा" या "मैं इसे अपने सिर के चारों ओर एक शानदार माला के रूप में लपेटूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 31:37 (#1)

"मैं उसको अपने पग-पग का हिसाब देता"

अथूब अपने कार्यों के बारे में ऐसे बोल रहा है जैसे कि वे उस रास्ते पर कदम हों जिस पर वह चल रहा था। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे कार्य"

देखें: रूपक

अथूब 31:37 (#2)

"मैं उसके निकट प्रधान के समान निडर जाता"

इस तुलना का मतलब यह है कि जिस तरह एक प्रधान व्यक्ति अपने पद के कारण आत्मविश्वास और आत्म-आश्वासन के साथ काम करता है, उसी तरह अथूब भी यह जानते हुए कि वह निर्दर्शि है, पूरे आत्मविश्वास के साथ सर्वशक्तिमान के पास जाता था। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मविश्वास से"

देखें: उपमा

अथूब 31:38 (#1)

"यदि मेरी भूमि मेरे विरुद्ध दुहाई देती हो"

अथूब अपनी भूमि की मिट्टी और उसकी नालियों के बारे में ऐसे बात कर रहा है मानो वे जीवित प्राणी हों जो न्याय के लिए चिल्ला सकते हैं और उत्तीर्ण के कारण रो सकते हैं। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं, जो कि अथूब ने अगली आयत में कहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "अगर मैंने अपनी ज़मीन का इस्तेमाल करके कोई पाप किया है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 31:39 (#1)

"बिना मजदूरी दिए खाई"

अथूब मजदूरी शब्द का इस्तेमाल पैसे के अर्थ में कर रहा है, क्योंकि इस संस्कृति में चाँदी का इस्तेमाल पैसे के रूप में किया जाता था। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके लिए भुगतान किए बिना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 31:39 (#2)

"यदि मैंने अपनी भूमि की उपज बिना मजदूरी दिए खाई, या उसके मालिक का प्राण लिया हो"

इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) मत्यु का उल्लेख करने के एक काव्यात्मक तरीके के रूप में, अथूब यह कह रहा है कि कोई व्यक्ति कैसे दम तोड़ सकता है या साँस छोड़ सकता है। उसका निहितार्थ यह होगा कि उसने अपनी जमीन पर खेती करने वाले लोगों के लिए जीने लायक फ़सल भी नहीं छोड़ी थी। वैकल्पिक अनुवाद: "या अपने स्वामियों को भूख से मरने दिया" (2) कि अथूब ने अपनी जमीन पर खेती करने वाले लोगों पर अत्याचार करके उन्हें दुःखी किया था, हालाँकि उसने वास्तव में उन्हें मरने नहीं दिया था। अनुवादित शब्द साँस का अर्थ "आत्मा" भी हो सकता है, और अनुवादित शब्द समाप्ति का अर्थ "आह" हो सकता है। उस स्थिति में अथूब इन किसानों की आत्माओं का उपयोग किसानों के लिए कर रहा होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "या अपने स्वामियों की आत्माओं को आहें भरने दिया" या "या अपने स्वामियों को उत्पीड़न से आहें भरने दिया"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 31:39 (#3)

"उसके मालिक"

इस संदर्भ में, मालिक शब्द का अर्थ उन लोगों से है जो भूमि पर खेती कर रहे हैं, न कि उन लोगों से जो इसके मालिक हैं। इसका मतलब उन लोगों से हो सकता है जो अथूब के स्वामित्व वाली भूमि के किरायेदार थे। उस स्थिति में, वे संभवतः बटाईदारी कर रहे होंगे, यानी, अथूब की भूमि पर फसल उगाना और बदले में उसे फसल का हिस्सा देना। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके किरायेदार" या "इसके बटाईदार" या "वे लोग जो इसकी खेती कर रहे थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 31:40 (#1)

"तो गेहूँ के बदले झड़बेरी, और जौ के बदले जंगली घास उगें"

अथूब कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरी होते हैं। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा तो आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गेहूँ के बदले काँटा उग सकता है, और जौ के बदले जंगली घास उग सकती है"

देखें: पदलोप

अथूब 31:40 (#2)

"तो गेहूँ के बदले झड़बेरी, और जौ के बदले जंगली घास उगें"

अथूब किसी खास काँटे या किसी जंगली घास की बात नहीं कर रहा है। उसका मतलब सामान्य तौर पर काँटे और जंगली घास से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को बहुवचन रूपों का उपयोग करके व्यक्त करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "गेहूँ के बदले काँटे उगे और जौ के बदले खरपतवार उगे"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 31:40 (#3)

"अथूब के वचन पूरे हुए हैं"

वचन शब्दों का उपयोग करके अथूब द्वारा कही गई बातों का अर्थ बताने के लिए शब्दों का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब ने जो भी कहा, यह उसके वचनों का अंत है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब - अध्याय 32 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एक युवा पुरुष एलीहू का परिचय कराता है, जो अथूब और उनके तीन दोस्तों के बीच की बातचीत को सुन रहे हैं। एलीहू बताते हैं कि उन्होंने उनकी उम्र के प्रति आदर के कारण पहले दोस्तों को बोलने का मौका दिया। लेकिन

चूंकि वे अथूब को प्रभावी ढंग से जवाब नहीं दे पाए हैं, अब वे स्वयं बोलना चाहते हैं। एलीहू अध्याय 37 तक बोलते रहते हैं।

अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन उन पंक्तियों 32:6-22 को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दार्द और स्थित करता है क्योंकि वे वचन कविता हैं।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

"तुम" और "तुम्हारे" का सन्दर्भ

पद 6 और 11-14 में, एलीहू "तुम" और "तुम्हारे" का उपयोग अथूब के तीन दोस्तों के सन्दर्भ में करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

"बातों" का अर्थ है बोलना या वह जो कोई व्यक्ति कहता है

कई बार वचन 11-18 में, एलीहू "बातों" शब्द का उपयोग किसी व्यक्ति द्वारा बोले गए या कहे गए विचारों को व्यक्त करने के लिए करते हैं। कथाकार भी वचन 4 में इसी अर्थ में इस शब्द का उपयोग करते हैं। टिप्पणियाँ विभिन्न व्यक्तिगत सन्दर्भों में "बातों" शब्द का अनुवाद करने के तरीके सुझाते हैं।

अथूब 32:1 (#1)

"उन तीनों पुरुषों"

उन तीनों पुरुषों से कथाकार का अप्रत्यक्ष रूप से तात्पर्य एलीपज, बिल्दद और सोपर से है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एलीपज, बिल्दद और सोपर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 32:1 (#2)

"अपनी दृष्टि में"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **आँखों** शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **दृष्टि** शब्द का उपयोग हुआ है। वक्ता **आँखों** शब्द का उपयोग दृष्टि के अर्थ में कर रहे हैं। दृष्टि, बदले में, ध्यान, दृष्टिकोण और न्याय का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके अपने दृष्टिकोण में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:2 (#1)

"और बूजी बारकेल का पुत्र एलीहू जो राम के कुल का था, उसका क्रोध भड़क उठा।"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **नाक जल उठी** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **क्रोध भड़क उठा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। देखें कि आपने **नाक शब्द** का **9:5** में कैसे अनुवाद किया। कथावाचक ऐसे बोल रहा है जैसे एलीहू की **नाक** या **क्रोध** सचमुच जल गए हो। इसका मतलब है कि एलीहू अत्यधिक क्रोधित हो गए। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर एलीहू, बारकेल के पुत्र, बूजीवासी, राम के परिवार के, अत्यधिक क्रोधित हो गए। वे अथूब के खिलाफ अत्यधिक क्रोधित हो गए।"

देखें: रूपक

अथूब 32:2 (#2)

"और [फिर] बूजी बारकेल का पुत्र" - "भड़क उठा"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **फिर शब्द** का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका उपयोग नहीं हुआ है। कथावाचक कहानी में एक नई घटना का परिचय देने के लिए अनुवादित शब्द **फिर** का उपयोग कर रहे हैं। अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द, वाक्यांश, या अन्य विधि का उपयोग करें जो किसी नई घटना का परिचय देने के लिए स्वाभाविक हो।

देखें: एक नई घटना का परिचय

अथूब 32:2 (#3)

"बूजी बारकेल का पुत्र एलीहू जो राम के कुल का था"

लेखक कहानी में **एलीहू** को एक नए प्रतिभागी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, उनके पिता, उनके लोगों के समूह और उनके कुल का नाम लेकर। यदि आपकी भाषा में नए प्रतिभागियों को प्रस्तुत करने का अपना तरीका है, तो आप इसे यहाँ अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप अपने अनुवाद में यह संकेत दे सकते हैं, जैसा कि अनफोलिंग वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन करता है, कि एलीहू सुन रहे थे जब अथूब अपने तीन मित्रों के साथ बात कर रहे थे।

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

अथूब 32:2 (#4)**"एलीहू" - "बूजी बारकेल," - "राम"**

यह शब्द एलीहू, बारकेल और राम पुरुषों के नाम हैं। बूजी उस समूह का नाम है जिससे एलीहू सम्बन्धित थे। यह शब्द उन्हें बूज नामक पुरुष के वंशजों में से एक के रूप में पहचानता है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 32:3 (#1)**"उसका क्रोध इस कारण भड़का"**

देखें कि आपने पिछले वचन में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बहुत क्रोधित हो गए"

देखें: रूपक

अथूब 32:3 (#2)**"तो भी उसको दोषी ठहराया"**

इब्री बाइबल के पारम्परिक हस्तालिपियों में सीमांत संकेतन से यह पता चलता है कि लिपिकारों ने इस पठन को "उन्होंने परमेश्वर को दोषी ठहराया" से बदलकर **उन्होंने अथूब को दोषी ठहराया** किया था। लिपिकारों ने यह परिवर्तन उस असुविधाजनक सुझाव से बचने के लिए किया कि परमेश्वर को गलत घोषित किया जा सकता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग कर सकते हैं, जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन के पठन का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इस प्रकार उन्होंने ऐसा प्रदर्शित किया जैसे परमेश्वर गलत थे"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 32:4 (#1)**"एलीहू तो अपने को उनसे छोटा जानकर अथूब की बातों के अन्त की बाट जोहता रहा"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब अथूब के मित्र एलीहू से बहुत बढ़े थे, इसलिए उन्होंने तब तक

इंतजार किया जब तक उन्होंने अथूब से बात करना समाप्त नहीं कर लिया, इससे पहले कि वह स्वयं बोलते।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 32:4 (#2)**"एलीहू ... अथूब की बातों के अन्त की बाट जोहता रहा"**

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, कथाकार **बातों** का उपयोग उस अर्थ में कर रहे हैं जो एलीहू शब्दों का उपयोग करके कहना चाहते थे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब एलीहू ने अथूब से बात करने के लिए प्रतीक्षा की थी क्योंकि"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:4 (#3)**"उनसे छोटा जानकर"**

देखें कि आपने 30:1 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आयु में वरिष्ठ थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 32:5 (#1)**"तीनों पुरुष कुछ उत्तर नहीं देते"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ उन **तीनों** पुरुषों के **मुँह** में **कोई जवाब नहीं** था वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **तीनों** पुरुष **कुछ उत्तर नहीं देते** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। वक्ता ऐसे बोल रहे हैं जैसे उत्तर एक वस्तु हो जो अथूब के मित्रों के **मुँह** में हो सकती थी। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब के तीनों मित्र उन्हें उत्तर देने के लिए और कुछ नहीं कह सके।"

देखें: रूपक

अथूब 32:6 (#1)**"तब {और} - {उत्तर देकर} कहने लगा"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **और** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **तब** शब्द का उपयोग हुआ है। जैसा कि अथूब के सामान्य परिचय में चर्चा की गई है, यह वाक्यांश **और** से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक ही

विचार व्यक्त करता है। शब्द उत्तर देकर (हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इसका उपयोग नहीं हुआ है) यह दर्शाता है कि किसी व्यक्ति ने कुछ किस उद्देश्य से कहा। विशेष रूप से, उस व्यक्ति ने किसी अन्य द्वारा कही गई बात का उत्तर देने या उस पर प्रतिक्रिया देने के लिए ऐसा कहा। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... प्रतिक्रिया दी"

देखें: द्विपद (हेडियाडिस)

अथ्यूब 32:6 (#2)

"जवान हूँ {दिनों में}

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **दिनों में** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जवान हूँ** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू अपनी उम्र का उल्लेख करने के लिए **दिनों** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उम्र में"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 32:6 (#3)

"और तुम"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, शब्द **तुम** यहाँ बहुवचन है क्योंकि एलीहू, अथ्यूब के तीन मित्रों को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथ्यूब 32:7 (#1)

"मैं सोचता था, 'जो आयु में बड़े हैं वे ही बात करें,'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने स्वयं से कहा कि जो आयु में बड़े हैं वे ही बात करें और जो बहुत वर्ष के हैं, वे ही बुद्धि सिखाएँ।"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

अथ्यूब 32:7 (#2)

"जो आयु में बड़े हैं वे ही बात करें,"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **दिनों को बोलने दें** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **जो आयु में बड़े हैं वे ही बात करें** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू **दिनों** और **वर्षों** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित हों जो **बोल** सकते हैं और **बुद्धि सिखा** सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। उनके कहने का मतलब है कि जो लोग कई दिनों और वर्षों तक जीवित रहे हैं, उन्हें ये काम करना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग कई दिनों तक जीवित रहे हैं, उन्हें बोलने दें; हाँ, जो लोग अनेक वर्षों तक जीवित रहे हैं, उन्हें बुद्धि सिखाने दें।"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 32:7 (#3)

"बुद्धि"

यदि आपकी भाषा में **बुद्धि** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बुद्धिमान हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब 32:8 (#1)

"मनुष्य में आत्मा तो है ही"

एलीहू का तात्पर्य है कि परमेश्वर ने मनुष्यों को एक **आत्मा** और एक शरीर के साथ बनाया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य के पास एक आत्मा है, न कि केवल एक शरीर।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथ्यूब 32:8 (#2)

"मनुष्य में"

हालांकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, एलीहू इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों शामिल हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों में"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 32:8 (#3)

"और सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपनी दी हुई साँस से उन्हें समझने की शक्ति देता है"

एलीहू का अर्थ है कि क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मानवों में जीवन का श्वास डाला, उन्हें इश्वरीय रूप से जीवन का उपहार प्रदान किया (बाइबल इस अवधारणा को [उत्पत्ति 2:7](#) में प्रस्तुत करती है), इसलिए मानवों में समझ होती है, न कि सिर्फ़ प्रवृत्ति जैसे कि पशुओं में होती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह इसलिए है क्योंकि सर्वशक्तिमान ने उनमें जीवन का श्वास डाला है कि उनमें समझ है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 32:9 (#1)

"जो बुद्धिमान हैं वे बड़े-बड़े लोग ही नहीं,"

एलीहू का तात्पर्य है कि केवल बड़े-बड़े या वृद्ध ही बुद्धिमान नहीं होते और न्याय को नहीं समझते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल बड़े ही बुद्धिमान नहीं होते और केवल वृद्ध ही न्याय को नहीं समझते।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 32:9 (#2)

"बड़े-बड़े" - "बूढ़े"

एलीहू विशेषणों बड़े-बड़े और बूढ़े का उपयोग कुछ प्रकार के लोगों को दर्शने के लिए संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समकक्ष वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महान लोग ... और वृद्ध लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 32:9 (#3)

"न्याय"

यदि आपकी भाषा में न्याय के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय क्या है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 32:10

"इसलिए मैं कहता हूँ, भेरी भी सुनो;"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप मेरी बात सुनें ताकि मैं भी अपना ज्ञान साझा कर सकूँ।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 32:10 (#2)

"अपना विचार"

यदि आपकी भाषा में विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं जानता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Job 32:11 (#1)

"तुम्हारी बातें {शब्दों};"

एलीहू बातें {अंग्रेजी अनुवाद में शब्दों} का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि अथूब के मित्रों ने जो कहा और शब्दों का उपयोग करके व्यक्त करने की कोशिश की। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके बोलने के लिए ... कुछ कहने के लिए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:12 (#1)

"उसकी बातें"

एलीहू बातें {अंग्रेजी अनुवाद में शब्दों} का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने शब्दों का उपयोग करके क्या कहा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने क्या कहा" या "उसके तर्क"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:13 (#1)

"तुम लोग मत समझो कि हमको ऐसी बुद्धि मिली है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए यह मत कहिए कि आपने बुद्धिमत्ता प्राप्त कर ली है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 32:13 (#2)

"मनुष्य नहीं"

एलीहू मनुष्य शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "सिर्फ एक साधारण मनुष्य नहीं"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 32:14 (#1)

"जो बातें उसने कहीं वह मेरे विरुद्ध तो नहीं कहीं"

एलीहू बातें {अंग्रेजी अनुवाद में शब्दों} का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि अथूब और उनके मित्र जो कुछ कह रहे हैं, वे शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब अथूब ने मुझे उकसाने के लिए कुछ नहीं कहा है, इसलिए मैं उनसे तर्कसंगत रूप से बात कर सकता हूँ, आपके विपरीत।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:15 (#1)

"वे विस्मित हुए, और फिर कुछ उत्तर नहीं दिया;"

एलीहू सीधे अथूब के मित्रों से द्वितीय पुरुष में बात कर रहे थे, लेकिन इस वचन में वह उनके बारे में तृतीय पुरुष में बात करना शुरू करते हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि एलीहू अब खुद से बात कर रहे हैं, लेकिन जोर से, उन लोगों के बारे

में जिनसे वह बात कर रहे थे। वह ऐसा इसलिए कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट रूप से दिखा सकें कि वह उन लोगों के बारे में कैसा महसूस करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं क्रोधित हूँ कि अथूब के मित्र निराश हैं और अब उसे जवाब नहीं दे रहे हैं और उनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है।" (2) कि एलीहू अब अथूब के मित्रों के बारे में अन्य उपस्थित लोगों से बात कर रहे हैं। (यह सम्भावना नहीं है कि एलीहू यहाँ अथूब को सम्बोधित करने के लिए मुड़ रहे हैं; एलीहू सीधे नाम लेकर अथूब को 33:1 में सम्बोधित करना शुरू करते हैं।) वैकल्पिक अनुवाद: "देखो, बाकि आप सभी लोग, कि अथूब के दोस्त कैसे निराश हैं और अब उन्हें जवाब नहीं दे रहे हैं और उनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है!" चूंकि अथूब के मित्र सुन सकते हैं कि एलीहू क्या कह रहे हैं और चूंकि वह आंशिक रूप से उनके लाभ के लिए यह कह रहे हैं, आप अपने अनुवाद में द्वितीय पुरुष का उपयोग जारी रख सकते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन करता है।

देखें: स्वगत कथन

अथूब 32:15 (#2)

"उन्होंने बातें करना छोड़ दिया"

एलीहू बातें {अंग्रेजी अनुवाद में शब्दों} के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित हों जो अथूब के मित्रों से दूर चली गई हों {अंग्रेजी अनुवाद में दूर परन्तु हिन्दी आईआर.वी अनुवाद में छोड़ दिया।} यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पास कहने के लिए कुछ और नहीं है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 32:16 (#1)

"इसलिए कि वे कुछ नहीं बोलते ... क्या इस कारण मैं ठहरा रहूँ,"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं प्रतीक्षा नहीं करूँगा क्योंकि वे नहीं बोल रहे हैं, क्योंकि वे खड़े हैं, वे अब और उत्तर नहीं दे रहे हैं।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 32:16 (#2)

"इसलिए कि वे कुछ नहीं बोलते ... क्या इस कारण मैं ठहरा रहूँ"

एलीहू खुद को निर्देश या आदेश देने के लिए भविष्य के कथन का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश या निर्देश रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि वे नहीं बोल रहे हैं, क्योंकि वे खड़े हैं और उत्तर नहीं दे रहे हैं!"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 32:16 (#3)

"वे कुछ नहीं बोलते और चुपचाप खड़े हैं"

एलीहू दो क्रियाओं खड़े होना और बोलने का उपयोग करके एक विचार व्यक्त कर रहे हैं। इस सन्दर्भ में, खड़े होना का अर्थ कुछ करना बन्द कर देना है। उनका मतलब यह नहीं है कि अथूब के मित्र खड़े हो गए हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने और उत्तर देना बन्द कर दिया है"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 32:17 (#1)

"अपना विचार"

देखें कि आपने पद 10 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं जानता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 32:18 (#1)

"मेरे मन में बातें भरी हैं"

एलीहू शब्दों {हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में बातें} का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वे शब्दों के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कहने के लिए बातों से भरा हुआ हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:18 (#2)

"मेरे मन में बातें भरी हैं"

एलीहू अपने बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक पात्र हो जो शब्दों {हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में बातें} से भरी है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे पास कहने के लिए बहुत सी बातें हैं"

देखें: रूपक

अथूब 32:18 (#3)

"आत्मा"

आत्मा से, एलीहू का अर्थ परमेश्वर का आत्मा हो सकता है, जैसा कि उन्होंने पद 8 में वर्णन किया और पद 13 में संकेत दिया। यदि यह अर्थ है, तो आपकी भाषा में कुछ परम्परा हो सकती है, जैसे कि परमेश्वर के आत्मा को व्यक्ति की आत्मा से अलग करने के लिए अंग्रेजी में बड़े अक्षरों का उपयोग। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 32:18 (#4)

"मेरी आत्मा {पेट में} मुझे उभार रही है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ पेट में वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सिर्फ मेरी आत्मा मुझे उभार रही है वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू अपने एक हिस्से, अपने पेट, का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वे पूरी तरह से बाध्य होने के कार्य में शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे भीतर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 32:19 (#1)

"दाखमधु के समान है"

एलीहू दाखमधु शब्द का उपयोग दाखरस पात्र के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दाखरस पात्र के समान है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 32:19 (#2)

"वह नई कुप्पियों के समान फटा जाता है"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका मन सचमुच फट रहा हो, जैसे नई कृपियाँ फट जाती हैं अगर वे अन्दर बनने वाली गैसों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त रूप से फैलने में सक्षम नहीं हैं तो, जब दाखरस उनके अन्दर किण्वित होता है। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं मुश्किल से उन सभी बातों को समा पा रहा हूँ जो मैं कहना चाहता हूँ, जैसे मैं एक नई मशक हूँ जो मुश्किल से उन सभी गैसों को समा पा रही है जो दाखरस के अन्दर किण्वित होते समय बन रही हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 32:20 (#1)

"शान्ति पाने के लिये"

स्वतंत्र रूप से फिर से सांस लेने की क्षमता का विचार उस शब्द में निहित है जिसका अनुवाद **शान्ति** के रूप में किया गया है। आपकी भाषा में इसकी एक समकक्ष अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं राहत की एक सांस ले सकूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 32:20 (#2)

"मैं मुँह खोलकर"

देखें कि आपने [11:5](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कहूँगा"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 32:21 (#1)

"किसी आदमी,"

दोनों उदाहरणों में, **आदमी** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी ... कोई भी"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 32:21 (#2)

"न मैं किसी आदमी का पक्ष करूँगा"

देखें कि आपने [13:8](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं किसी के प्रति पक्षपात न करूँ"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 32:21 (#3)

"और न मैं किसी मनुष्य को चापलूसी की पदवी दूँगा"

एलीहू किसी की चापलूसी करने के लिए एक चीज़ का उपयोग कर सकते हैं, जैसे कि उन्हें एक मानद **पदवी** से सम्बोधित करना, यह दर्शनी के लिए कि वे चापलूसी करने के सभी तरीकों का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं किसी की चापलूसी न करूँ"

देखें: उपलक्षण

अथ्यूब 32:22 (#1)

"मुझे तो चापलूसी करना आता ही नहीं"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि एलीहू शब्द **आता** का उपयोग कुछ बातों से परिचित होने के अर्थ में कर रहे हैं। वह यह कह सकते हैं कि यह उनकी प्रथा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को मानद उपाधियों से सम्बोधित करना मेरी प्रथा नहीं है" (2) कि एलीहू कह रहे हैं कि वे **पदवी** देने में कुशल नहीं हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उपाधियाँ देने में बहुत अच्छा नहीं हूँ" या "मैं चापलूसी करने में बहुत अच्छा नहीं हूँ"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 32:22 (#2)

"मेरा सृजनहार क्षण भर में मुझे उठा लेता"

जब एलीहू कहते हैं कि उनके **सृजनहार** (परमेश्वर) उन्हें उठा ले जाएँगे अगर वे लोगों की चापलूसी करते हैं, तो वे मृत्यु का काव्यात्मक रूप से उल्लेख कर रहे हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें मारकर दण्डित करेंगे। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे सृजनहार मुझे समाप्त कर देंगे"

देखें: मंगल भाषण

अथूब - अध्याय 33 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एलीहू के भाषण की निरन्तरता है। इस अध्याय में, एलीहू सीधे अथूब को सम्बोधित करते हैं। वे अथूब को उन्हें सुनने के लिए आमंत्रित करते हैं, अथूब ने जो कहा है उसका सारांश प्रस्तुत करते हैं, और अथूब से कहते हैं कि वह गलत है कि परमेश्वर लोगों को जवाब नहीं देते। एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर सपनों में लोगों से बात करते हैं ताकि उन्हें चेतावनी दी जा सके कि वे पाप न करें। वे कहते हैं कि परमेश्वर लोगों को सुधारने के लिए बीमारी का भी उपयोग करते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि अथूब की पीड़ाएँ परमेश्वर की चेतावनी हैं कि वे पाप न करें; वे परमेश्वर द्वारा अथूब के किए गए पापों के लिए दण्ड नहीं हैं। उस अर्थ में, जैसा कि एलीहू अध्याय के अन्त में कहते हैं, अथूब सही रहे हैं और उनके मित्र अथूब के साथ जो हो रहा था उसके बारे में गलत रहे हैं।

अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर अधिक स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

छुड़ौती

पद 24 में, एलीहू वर्णन करते हैं कि परमेश्वर उस व्यक्ति के बारे में कह सकते हैं जो अपने पाप के कारण पीड़ित है, "मुझे छुड़ौती मिली है।" "छुड़ौती" शब्द किसी की स्वतंत्रता के बदले में किए गए भुगतान का वर्णन कर सकता है। उस पद में एलीहू द्वारा पहले उपयोग किया गया "बचा ले" शब्द भी किसी को मुक्त कराने के लिए भुगतान करने का अर्थ रख सकता है। हालांकि, इस सन्दर्भ में, "छुड़ौती" शब्द एक मूल्यवान विचार का वर्णन करता है, जो जरूरी नहीं कि मौद्रिक हो, जो किसी को दण्ड से बचाने के लिए आधार प्रदान करता है। सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में यह स्पष्ट हो कि परमेश्वर यह नहीं कह रहे हैं कि वे पीड़ित व्यक्ति की ओर से किसी और को भुगतान करने जा रहे हैं।

एक और निहितार्थ यह प्रतीत होता है कि जिस व्यक्ति का वर्णन एलीहू कर रहे हैं, उन्होंने अपने कष्टों के कारण पश्चाताप किया है, क्योंकि एक व्याख्यातक स्वर्गदूत ने उन्हें उनके कार्यों में आवश्यक परिवर्तन समझाया है। यह पश्चाताप दिखाता है कि उन्होंने परमेश्वर की पहल का सकारात्मक उत्तर दिया है ताकि वे गलत तरीके से जीना बन्द कर दें और फिर से सही तरीके से जीना शुरू कर दें। सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में पद 24 में यह भी स्पष्ट है कि उन्होंने खुद को छुड़ाने या फिरोती देने के लिए कुछ नहीं किया है। जैसा कि एलीहू कहते हैं, परमेश्वर "उन पर अनुग्रहकारी हैं।" यह परमेश्वर ही हैं जो उनके जीवन में बीमारी लाते हैं ताकि उन्हें

"अनुशासित" किया जा सके, और यह परमेश्वर ही हैं जो स्वर्गदूत को चेतावनी और उपदेश देने के लिए भेजते हैं, और इस प्रकार उन्हें परमेश्वर के कार्यों के माध्यम से दण्ड से बचाया जाता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

"बातों" का अर्थ है बोलना या कोई व्यक्ति क्या कहता है

जैसा कि अध्याय 32 में है, कई बार इस अध्याय में एलीहू "बातों" शब्द का उपयोग बोलने या किसी व्यक्ति द्वारा शब्दों का उपयोग करके कहे गए को व्यक्ति करने के लिए करते हैं। टिप्पणियाँ विभिन्न व्यक्तिगत सन्दर्भों में "बातों" शब्द का अनुवाद करने के तरीके सुझाते हैं।

"तुम" और "तुम्हारे" का सन्दर्भ

इस अध्याय में, एलीहू "तुम" और "तुम्हारे" सर्वनाम का उपयोग अथूब को व्यक्तिगत रूप से सम्बोधित करने के लिए करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद किया जाता है, तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

"मनुष्य" और "मनुष्यों" का सामान्य अर्थ

इस अध्याय में कई स्थानों पर, एलीहू ने "मनुष्य" और "मनुष्यों" शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में किया है जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। आपके अनुवाद में "पुरुष और महिलाएँ" कहना या अपनी भाषा में ऐसा शब्द उपयोग करना सहायक हो सकता है जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता हो। टिप्पणियाँ विभिन्न स्थानों पर अनुवाद की सम्भावनाओं का सुझाव देते हैं (देखें: जब पुलिंग शब्दों में स्त्रियाँ शामिल होती हैं)।

"उनकी शिक्षा पर महर लगाता है" या "उन्हें चेतावनियों से भयभीत करता है" (पद 16)

पद 16 में, अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन मानक इन्ड्री पाठ का अनुसरण करते हुए "उनकी शिक्षा पर मुहर लगाता है" कहता है। हालांकि, जैसा कि अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन में एक पाद टिप्पणी इंगित करता है, कई बाइबल विद्वानों का मानना है कि मूल पाठ "उन्हें चेतावनियों से डराता है" और कुछ अनुवाद ऐसा कहते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

अथूब 33:1 (#1)**"मेरी बातें;"**

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, एलीहू **बातें** {अंग्रेजी अनुवाद में **शब्दों**} का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वे शब्दों का उपयोग करके क्या कहना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे जो कहना है ... वह सब मैं आपको बताता हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:2 (#1)**"मैंने तो अपना मुँह खोला है;"**

एलीहू उस घटना का वर्णन करने के लिए भूतकाल का उपयोग कर रहे हैं जिसे वह निकट भविष्य में करने का इरादा रखते हैं। वह ऐसा यह दिखाने के लिए कर रहे हैं कि वह जो वर्णन कर रहे हैं, उसे करने का उनका दृढ़ संकल्प है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अब अपना मुँह खोलने वाला हूँ; मेरी जीभ मेरे तालु पर बोलने वाली है।"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

अथूब 33:2 (#2)**"मैंने तो अपना मुँह खोला है"**

एलीहू बोलने की प्रक्रिया के पहले भाग, मुँह खोलने का उपयोग बोलने की पूरी प्रक्रिया का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अब बोलने वाला हूँ"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:2 (#3)**"मेरी जीभ मुँह में चुलबुला रही है"**

एलीहू अपनी **जीभ** के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो स्वयं बोल सकती है। उनका मतलब है कि वह अपनी जीभ का उपयोग शब्दों को बनाने के लिए करेंगे, उसे अपने **तालु** {अंग्रेजी अनुवाद में} और अपने मुँह के अन्य स्थानों पर छूकर। हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इसके लिए **चुलबुला रही है** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। आपकी भाषा में भी ऐसा ही कोई मुहावरा हो सकता है जिसका आप

अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शब्द मेरी जीभ की नोक पर है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 33:3 (#1)**"मेरी बातें"**

एलीहू **शब्दों** {हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बातें**} का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह शब्दों के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बोलूँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:3 (#2)**"मेरे मन की सिधाई"**

एलीहू अपने **मन** का उपयोग अपने चरित्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे चरित्र की सिधाई से"

देखें: रूपक

अथूब 33:3 (#3)**"मेरे मन की सिधाई"**

यदि आपकी भाषा में **सिधाई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिनका चरित्र सीधा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 33:3 (#4)**"जो ज्ञान मैं रखता हूँ उसे खराई के साथ {होंठों से} कहूँगा"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **होंठों** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इसका उपयोग नहीं हुआ है। एलीहू अपने **होंठों** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित वस्तुएँ हो जो अपने आप **बोल** सकती हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं कहूँगा, वह शुद्ध ज्ञान होगा।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 33:4 (#1)

"मुझे परमेश्वर की आत्मा ने बनाया है;"

एलीहू उस कारण को फिर से प्रस्तुत कर रहे हैं जो उन्होंने 32:8 में दिया था कि वह कैसे ज्ञानपूर्वक बोलने में सक्षम होंगे। देखें कि आपने वहाँ समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ज्ञानपूर्वक बोलने में सक्षम होऊँगा क्योंकि परमेश्वर के आत्मा ने मुझे बनाया है; हाँ, यह सर्वशक्तिमान थे जिन्होंने मेरे अन्दर जीवन की साँस फूंकी"

देखें: जोड़ें - कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 33:5 (#1)

"क्रम से" - "खड़ा हो जा"

हालांकि वे अच्युत सन्दर्भों में भी उपयोग किए जाते हैं, **क्रम से** और **खड़ा हो जा** के रूप में अनुवादित शब्दों का अर्थ, सैनिकों को संरचनाओं में संगठित करने और उन्हें युद्ध के मैदान पर एक निश्चित स्थिति की रक्षा के लिए रखने का हो सकता है। एलीहू शायद इस तरह बोल रहे हैं जैसे अथूब के शब्द सैनिक हों जिन्हें वह संगठित करना चाहते थे और जैसे अथूब स्वयं एक सेना हो जिसे युद्ध के मैदान पर खड़ा होना चाहिए। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप सरल भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने तर्कों को संगठित करें ... अपना बचाव तैयार करें" या "जो आप कहना चाहते हैं उसे संगठित करें ... अपने आप को बचाने के लिए तैयार करें"

देखें: रूपक

अथूब 33:5 (#2)

"मेरे {चेहरे के} सामने"

यहाँ शब्द **चेहरा** (अंग्रेजी अनुवाद में उपयोग किया गया परन्तु हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं), किसी व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे लोग किसी उपस्थिति व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी उपस्थिति में" या "मुझे व्यक्तिगत रूप से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:6 (#1)

"मैं परमेश्वर के सचमुच तेरे तुल्य हूँ"

अंग्रेजी अनुवाद में **मुँह** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका प्रयोग नहीं हुआ है। एलीहू **मुँह** शब्द का उपयोग इस अर्थ में कर सकते हैं: (1) अथूब ने क्या कहा जब उन्होंने इच्छा की कि परमेश्वर उन्हें उत्तर दें। अथूब ने 31:35 में और अपने भाषणों में कई अच्युत स्थानों पर कुछ ऐसा कहा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर की ओर से आपको उत्तर दूँगा, जैसा आपने चाहा था" (2) स्वयं अथूब। एलीहू, अथूब के उस हिस्से का उपयोग कर रहे होंगे, जिसका उपयोग वह परमेश्वर के खिलाफ अपने मामले को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, पूरे अथूब की बातों का अर्थ निकालने के लिए। यदि आप अपने अनुवाद में इस दूसरी व्याख्या का पालन करते हैं, तो आप वाक्य विराम को पद के मध्य के बजाय पद के अन्त में रख सकते हैं, क्योंकि पद के दो हिस्से समानांतर कथन होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर के लिए बिल्कुल आपके जैसा हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:6 (#2)

"मैं भी मिट्टी का बना हुआ हूँ"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि क्रिया कौन करता है, तो सन्दर्भ यह सुझाव देता है कि यह परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे भी मिट्टी से बनाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 33:6 (#3)

"मैं भी मिट्टी का बना हुआ हूँ"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उन्हें **मिट्टी** से बनाया हो। वह यह संकेत दे रहे हैं कि वह केवल एक नश्वर मनुष्य है, इस तरह से संकेत करके कि परमेश्वर ने मूल रूप से मनुष्यों को पृथकी की धूल से बनाया था। बाइबल इस अवधारणा को **उत्पत्ति 2:7** में प्रस्तुत करती है। जैसा कि अगला पद स्पष्ट करता है, एलीहू, अथूब को आश्वस्त कर रहे हैं कि उन्हें इस बात से डरने की जरूरत नहीं है कि वह उन्हें कैसे जवाब देंगे, इसके विपरीत जिस तरह से अथूब ने 30:21-23 और अन्य जगहों पर कहा था कि वह डरते थे कि परमेश्वर उन्हें हिंसक और महान बल के साथ जवाब देंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं केवल एक नश्वर मनुष्य हूँ"

देखें: रूपक

अथूब 33:7 (#1)

"{मेरे} डर"

अंग्रेजी अनुवाद में **मेरे** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका प्रयोग नहीं हुआ है। एलीहू इस स्वामित्व रूप का उपयोग अथूब के उनक प्रति भय को वर्णित करने के लिए कर रहे हैं, न कि किसी चीज़ के प्रति अपने भय को। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा भय"

देखें: स्वामित्व

अथूब 33:7 (#2)

"और न तू मेरे बोझ से दबेगा"

एलीहू ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच अपने हाथों और बाहों का उपयोग करके अथूब को जोर से नीचे दबा सकते हैं और उन्हें उठने से रोक सकते हैं, हालांकि वह कहते हैं कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उनका मतलब है कि वह अथूब के साथ कठोरता से व्यवहार नहीं करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं आपके साथ कठोरता से व्यवहार नहीं करूँगा।"

देखें: रूपक

अथूब 33:8 (#1)

"तेरी ऐसी बात मेरे कानों में पड़ी है"

एलीहू सुनने का अर्थ समझाने के लिए कानों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मेरे सुनते हुए बात की है" या "आपने तब बात की जब मैं सुन रहा था"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:8 (#2)

"और मैंने तेरे वचन सुने हैं"

एलीहू **वचन** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने शब्दों का उपयोग करके क्या कहा है। एलीहू वचन की **धनि** (अंग्रेजी अनुवाद में) का उल्लेख करते हुए शब्दों का सटीक अर्थ बता रहा है कि अथूब ने वास्तव में क्या कहा। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह वही है जो मैंने आपको कहते सुना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:9 (#1)

"मैं तो पवित्र और निरपराध ... हूँ;"

इस वचन और अगले दो वचनों में, एलीहू यह बता रहे हैं कि उन्होंने अथूब को क्या कहते सुना। आप इसे एक परिचयात्मक वाक्यांश के साथ इंगित कर सकते हैं। जबकि एलीहू ने अथूब के भाषणों से कई शब्द और वाक्यांश सीधे उद्धृत किए हैं (उदाहरण के लिए, अथूब ने अपनी प्रार्थना को [16:17](#) में "पवित्र" के रूप में वर्णित किया), यह एक संक्षिप्त सारांश है, न कि सटीक उद्धरणों की श्रृंखला। फिर भी, आप वचन 9-11 को एक प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने कहा है, 'मैं निर्दोष हूँ, बिना अपराध; मैं निर्दोष हूँ, और मुझमें कोई पाप नहीं है'

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

अथूब 33:9 (#2)

"मैं तो पवित्र और निरपराध और निष्कलंक हूँ;"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप पद 9-11 का अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने कहा है कि आप निर्दोष हैं, बिना अपराध के; आपने कहा है कि आप निष्पाप हैं और आपके पास कोई पाप नहीं है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 33:10 (#1)

"देख, परमेश्वर मुझसे झागड़ने के दाँव ढूँढ़ता है;"

एलीहू, अथूब द्वारा कही गई बातों का सारांश देते हुए जारी रखते हैं, कुछ शब्दों और वाक्यांशों को सीधे उद्धृत करते हुए। उदाहरण के लिए, अथूब ने परमेश्वर से [13:24](#) में पूछा कि परमेश्वर उन्हें शत्रु क्यों मानते हैं। यदि आपने पिछले पद का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में किया है, तो आप

यहाँ भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने कहा है कि परमेश्वर आपके खिलाफ मौके ढूँढते हैं और वह आपको अपना शत्रु मानते हैं।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथ्यूब 33:11 (#1)

"वह मेरे दोनों पाँवों को काठ में ठोंक देता है;"

एलीहू यह बताना जारी रखते हैं कि उन्होंने अथ्यूब को क्या कहते सुना। इस पद में वह सीधे उद्धृत करते हैं जो अथ्यूब ने 13:27 में कहा था। यदि आपने पिछले दो पदों का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में किया है, तो आप यहाँ भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने कहा है कि परमेश्वर आपके पैरों को बेड़ियों में डालते हैं और वह आपके सभी मार्गों को देखते हैं।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथ्यूब 33:11 (#2)

"वह मेरे दोनों पाँवों को काठ में ठोंक देता है;"

अथ्यूब ने ऐसा कहा मानो परमेश्वर ने वास्तव में उनके पाँवों को काठ में ठोंक दिया हो और मानो उनके कार्यों के मार्ग वास्तव में चाल हो जिन पर वह चल रहे हो। यदि आप 13:27 में इन छवियों के पीछे के विचारों को व्यक्त करना चुनते हैं बजाय छवियों के, तो आप यहाँ भी वही कर सकते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि एलीहू वही कह रहे हैं जो अथ्यूब ने वहाँ कहा था।

देखें: रूपक

अथ्यूब 33:12 (#1)

"इस बात में"

इस से, एलीहू का मतलब लगता है कि अथ्यूब का विश्वास था कि परमेश्वर उनके साथ न्याय नहीं कर रहे थे, जिसे एलीहू ने संक्षेप में प्रस्तुत किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सोचकर कि परमेश्वर आपके साथ न्याय नहीं कर रहे हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 33:12 (#2)

"इस बात में तू सच्चा नहीं है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस वाक्यांश को पद के शुरुआत में (देख के बाद) ले जा सकते हैं, क्योंकि यह कारण बताता है कि एलीहू कहते हैं कि अथ्यूब सच्चा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर मनुष्य से महान हैं, आपने यह गलत समझा है कि वह आपके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

अथ्यूब 33:12 (#3)

"मनुष्य से"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, यहाँ पर पुरुष शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों से"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियों भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 33:13 (#1)

"तू उससे क्यों झगड़ता है,"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको उनके खिलाफ नहीं लड़ना चाहिए, क्योंकि वह किसी के शब्दों का उत्तर नहीं देते हैं"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 33:13 (#2)

"क्योंकि वह अपनी किसी बात का लेखा नहीं देता"

एलीहू कह सकते हैं: (1) कि अथ्यूब की शिकायत यह है कि परमेश्वर ने उनके प्रश्नों और विरोधों का उत्तर नहीं दिया है। उस स्थिति में, एलीहू उस शब्द का उपयोग कर रहे होंगे जिसका अनुवाद बात के रूप में किया गया है, जिसका अर्थ है कि अथ्यूब क्या कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि वह जवाब नहीं देते जब कोई उनसे बात करता है" (2) कि

परमेश्वर अपने कार्यों का हिसाब नहीं देते। जिस शब्द का अनुवाद बात के रूप में किया गया है, वह उन मामलों का भी वर्णन कर सकता है जिनसे कोई चिंतित है या जो कोई करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि वह किसी को इस बात का हिसाब नहीं देते कि वह उस व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:13 (#3)

"क्योंकि वह अपनी किसी बात का लेखा नहीं देता"

चूंकि एलीहू अथूब से बात कर रहे हैं और वे शायद यह कहना चाहते हैं कि अथूब शिकायत कर रहे हैं कि परमेश्वर उन्हें जवाब नहीं दे रहे हैं, आप इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आपके किसी भी शब्द का उत्तर नहीं देते" या "जो आपके बोलने पर जवाब नहीं देते"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 33:13 (#4)

"क्योंकि वह अपनी किसी बात का लेखा नहीं देता"

आपकी भाषा में इसे सीधे उद्धरण के रूप में बनाना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कहते हुए, 'वह मेरे किसी भी शब्द का उत्तर नहीं देते'" या "कहते हुए, 'जब मैं उनसे बात करता हूँ तो वह जवाब नहीं देते'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 33:14 (#1)

"परमेश्वर तो एक क्या वरन् दो बार बोलता है"

जैसा कि एलीपज ने 5:19 में किया, यहाँ एलीहू एक संख्या का उल्लेख कर रहे हैं जो उनके बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा रहे हैं। यह इब्री कविता में एक सामान्य काव्यात्मक शैली थी। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर वास्तव में लोगों से बात करते हैं"

देखें: कविता

अथूब 33:14 (#2)

"परन्तु लोग उस पर चित्त नहीं लगाते"

एलीहू परमेश्वर के वास्तविक बोलने और लोगों द्वारा इसे समझने में असफलता के बीच एक अप्रत्यक्ष विरोधाभास प्रस्तुत कर रहे हैं। आप इस विरोधाभास को अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल समस्या यह है कि लोग इसे समझ नहीं पाते हैं।"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

अथूब 33:15 (#1)

"स्वप्न में, या रात को दिए हुए दर्शन में,"

एलीहू एक बहुत ही समान बिन्दु प्रस्तुत करने के लिए उन्हीं दो वाक्यांशों का उपयोग कर रहे हैं जिनका उपयोग एलीपज ने 4:13 में किया था। इसका तात्पर्य यह है कि एलीहू मानते हैं कि एलीपज ने जो कहा वह सही था। चूंकि एलीहू एलीपज को अप्रत्यक्ष रूप से दोहरा रहे हैं, इसलिए यह शायद उपयुक्त नहीं होगा कि पाठ में एक स्पष्ट वाक्यांश जोड़ा जाए जैसे "जैसा कि एलीपज ने कहा," लेकिन यहाँ वाक्यांशों का उसी तरह अनुवाद करना उपयोगी हो सकता है जैसा आपने 4:13 में किया था।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:15 (#2)

"घोर निद्रा में"

एलीहू उस सन्दर्भ में निद्रा के बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं, जहाँ एकवचन शब्द "निद्रा" पर्याप्त होता। यह सुझाव देता है कि वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूप का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गहरी नींद में"

देखें: बहुवचन का असामान्य उपयोग

अथूब 33:16 (#1)

"वह मनुष्यों के कान खोलता है"

क्योंकि एलीहू कई लोगों की बात कर रहे हैं, यदि आप अपने अनुवाद में कान शब्द को बनाए रखते हैं, तो आपकी भाषा में इस शब्द के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों के कान खोलते हैं"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 33:16 (#2)

"वह मनुष्यों के कान खोलता है"

एलीहू सुनने के अर्थ में कान शब्द का उपयोग कर रहे हैं। जब वह कहते हैं कि परमेश्वर लोगों के कान खोलता हैं, तो उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें सुनने में सक्षम बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों को, उन्हें बोलते हुए सुनने में सक्षम बनाते हैं।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:16 (#3)

"वह मनुष्यों के कान खोलता है"

इस सन्दर्भ में, सुनना समझने का प्रतीक है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों को यह समझने में सक्षम बनाते हैं कि वह उनसे क्या कह रहे हैं।"

देखें: मुहावरा

अथूब 33:16 (#4)

"और उनकी शिक्षा पर मुहर लगाता है"

एलीहू, परमेश्वर द्वारा लोगों को दिए जाने वाले सुधार को वर्णित करने के लिए उनकी शिक्षा का उपयोग कर रहे हैं, न कि वह शिक्षा या सुधार जो लोग देते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उस सुधार पर मुहर लगाते हैं जो वह उन्हें देते हैं।"

देखें: स्वामित्व

अथूब 33:16 (#5)

"और उनकी शिक्षा पर मुहर लगाता है"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच उस शिक्षा पर अपनी मुहर लगा दी है जो उन्होंने लोगों को दी है। उनका मतलब है कि परमेश्वर सुधार के मूल्य और प्रभाव को बनाए रखते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्हें उस सुधार की सराहना करने और उससे लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं जो वह उन्हें देते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 33:17 (#1)

"जिससे वह मनुष्य को उसके संकल्प से रोके"

एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो कुछ गलत संकल्प कर रहा था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति को गलत काम करने से वापस लाना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:17 (#2)

"जिससे वह मनुष्य को उसके संकल्प से रोके"

अंग्रेजी अनुवाद में किसी मनुष्य को उसके कर्मों से वापस लाना वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में जिससे वह मनुष्य को उसके संकल्प से रोके वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच उस व्यक्ति को जो गलत कर रहा है, एक निश्चित स्थान से वापस लाएँगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति को चेतावनी देना कि वह गलत करना बंद कर दे"

देखें: रूपक

अथूब 33:17 (#3)

"और गर्व को मनुष्य में से दूर करे"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे गर्व वास्तव में एक वस्तु हो जिसे परमेश्वर किसी व्यक्ति से दूर कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उस व्यक्ति को गर्वित होने से रोकने के लिए"

देखें: रूपक

अथूब 33:18 (#1)

"वह उसके प्राण को गड्ढे से बचाता है"

सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है, और सर्वनाम उसके किसी व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों

के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी व्यक्ति के प्राणों की रक्षा करते हैं" देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 33:18 (#2)

"उसके प्राण" - "और उसके जीवन"

एलीहू एक व्यक्ति के प्राण और जीवन का उल्लेख कर रहे हैं, यह दर्शनि के लिए कि मृत्यु से बचाने के कार्य में परमेश्वर पूरी तरह से शामिल हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें ... और वह उन्हें बचाते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:18 (#3)

"गड़े से"

अंग्रेजी अनुवाद में पार करना वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में गड़े से वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू "मरने" का अर्थ व्यक्त करने के लिए पार करना वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक काव्यात्मक तरीका है; यह एक क्षेत्र और दूसरे क्षेत्र के बीच सीमा के रूप में एक नदी को पार करने की छवि प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरने से"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 33:18 (#4)

"तलवार की"

एलीहू तलवार शब्द का उपयोग हथियार द्वारा मारे जाने के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हथियार द्वारा मारे जाने से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:19 (#1)

"उसकी ताड़ना भी होती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में

किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर व्यक्ति को भी अनुशासित करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 33:19 (#2)

"कि वह अपने बिछौने पर पड़ा-पड़ा तड़पता है"

अंग्रेजी अनुवाद में और उसकी हड्डियों का विवाद निरन्तर बना रहता है वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में कि वह अपने बिछौने पर पड़ा-पड़ा तड़पता है वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे इस व्यक्ति की हड्डियों में सचमुच विवाद या युद्ध हो रहा हो। वह एक ऐसी छवि का उपयोग कर रहे हैं जो अथूब ने 30:17 में इस्तेमाल की थी जब उन्होंने कहा, "रात को मेरी हड्डियाँ मेरे अन्दर छिद जाती हैं।" अथूब का मतलब था कि जब वह रात में लेटते थे, तो उन्हें अपने शरीर में दर्द की चुभन महसूस होती थी। यहाँ एलीहू इसी तरह बोल रहे हैं जैसे अथूब की हड्डियों को युद्ध में घायल किया जा रहा हो और अथूब उस दर्द को महसूस कर रहे हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपने शरीर में लगातार बेचैनी महसूस करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 33:20 (#1)

"यहाँ तक कि उसका प्राण रोटी से"

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनका प्राण भोजन की लालसा से घृणा करता है।"

देखें: पदलोप

अथूब 33:20 (#2)

"उसका प्राण" - "उसका मन"

एलीहू भोजन से घृणा करने के कार्य में एक व्यक्ति के कुछ हिस्सों, उसके प्राण और उसके मन का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ... और वह घृणा करता है।"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:20 (#3)

"रोटी"

एलीहू सामान्यतः भोजन के अर्थ में एक प्रकार के भोजन, रोटी का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:20 (#4)

"उसका मन स्वादिष्ट भोजन"

एलीहू इस स्वामित्व रूप का उपयोग भोजन का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जिसकी कोई व्यक्ति विशेष रूप से लालसा करेगा, न कि उनकी लालसा का भोजन। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इच्छित भोजन" या "स्वादिष्ट व्यंजन"

देखें: स्वामित्व

अथूब 33:21 (#1)

"और उसकी हड्डियाँ जो पहले दिखाई नहीं देती थीं निकल आती हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अच्युतरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी हड्डियाँ, जिन्हें लोग पहले नहीं देख सकते थे, दिखाई देने लगती हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अय्यूब 33:22 (#1)

"वह" - "और उसका जीवन"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **उनका प्राण** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **वह** शब्द का प्रयोग हुआ है। एलीहू एक व्यक्ति के विभिन्न पहलुओं का उपयोग कर रहे हैं, जैसे उसका **प्राण** और उसका **जीवन**, यह दर्शनि के लिए कि वह मृत्यु के निकट आ रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह ... और वह निकट आता है”

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:22 (#2)

"नाश करनेवालों के"

एलीहू संभवतः विशेष स्वर्गद्वारों का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख कर रहे हैं जिन्हें यह माना जाता था कि वे प्रतिनिधि हैं, जिनके माध्यम से परमेश्वर ने लोगों को मृत्यु दी। (इसका संकेत [2 शम् 24:16](#) और [भजन 78:49](#) में मिलता है।) यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मृत्यु के स्वर्गद्वारों के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अय्यूब 33:23 (#1)

"यदि"

एलीहू मत्यु के दूतों के बीच एक अप्रत्यक्ष विरोधाभास चित्रित कर रहे हैं, जिनका उन्होंने पिछले वचन में वर्णन किया था और उस प्रकार के दूत का वर्णन कर रहे हैं, जो किसी व्यक्ति को "कब्र के निकट" जाने से रोकते हैं (जैसा कि वह अगले वचन में कहते हैं)। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इस विरोधाभास को स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन यदि"

देखें: जोड़ें – विरोधाभास सम्बन्ध

अय्यूब 33:23 (#2)

"कोई बिचवई"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **दुभाषिया** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **बिचवई** शब्द का प्रयोग हुआ है। अनुवादित **दुभाषिया** शब्द का प्रयोग बाइबल में अन्यत्र इस अर्थ में किया गया है कि कोई व्यक्ति एक भाषा में कही गई बातों का दूसरी भाषा में अनुवाद करता है, उदाहरण के लिए, **उत्तरि 42:23** में। यहाँ, हालांकि, इसका अर्थ अप्राप्तक्षरूप से किसी ऐसे व्यक्ति से है जो किसी अन्य व्यक्ति की ओर से बोलता है, जरूरी नहीं कि उस व्यक्ति की बात को दूसरी भाषा में अनुवादित करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “एक वकील” या “एक प्रवक्ता”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:23 (#3)**"जो हजार में से एक"**

एलीहू का यह मतलब नहीं है कि हर हजार में से एक दूत ही ऐसा बिचवई होता है, जैसा वह वर्णन करते हैं। इसके बजाय, इस अभिव्यक्ति का सामान्य अर्थ यह हो सकता है कि ऐसे दूत दुर्लभ होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दुर्लभ प्रकार का स्वर्गदूत"

देखें: मुहावरा

अथूब 33:23 (#4)**"जो मनुष्य को बताए कि उसके लिये क्या ठीक है"**

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि स्वर्गदूत किसी व्यक्ति को बताएगा कि उन्हें अपने कार्यों को कैसे बदलने की आवश्यकता है ताकि वे परमेश्वर के साथ सीधी या सही स्थिति में हो सकें (उसके, व्यक्ति को सन्दर्भित करेगा) या ताकि उनके कार्य परमेश्वर के लिए जो ठीक है उसके अनुरूप हों (उसके, परमेश्वर को सन्दर्भित करेगा)। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति को यह बताने के लिए कि उन्हें सीधा बनने के लिए अपने कार्यों को कैसे बदलने की आवश्यकता है" (2) कि स्वर्गदूत किसी व्यक्ति की ओर से परमेश्वर से बताएगा (अनुवादित शब्द को का अर्थ "के लिए" होगा) कि व्यक्ति सीधा था या उनके पास अपने कार्यों को बदलने और सीधा बनने की क्षमता थी, इसलिए उन्हें मरने की आवश्यकता नहीं थी। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी व्यक्ति की ओर से परमेश्वर से यह घोषणा करना कि वह सीधा है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:24 (#1)**"तो वह उस पर अनुग्रह करके कहता है"**

सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है और सर्वनाम उस उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जिसका वर्णन एलीहू कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर उस व्यक्ति पर अनुग्रहकारी हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 33:24 (#2)**"कहता है,"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मृत्यु के दूतों से कहते हैं कि उसे गड्ढे में जाने से बचाएँ क्योंकि उन्होंने एक फिराती पाई है"

देखें: उद्धरण के अन्दर उद्धरण

अथूब 33:24 (#3)**"मुझे छुड़ौती मिली है"**

यदि आपकी भाषा में छुड़ौती के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। इस विचार पर चर्चा के लिए इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियाँ देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उन्हें बछाने का एक उचित कारण पाया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 33:24 (#4)**"मुझे छुड़ौती मिली है"**

शब्द मिली का अर्थ यह नहीं है कि परमेश्वर को यह नहीं पता था कि यह छुड़ौती कहाँ है और उन्हें इसे ढूँढना पड़ा और अंततः इसे प्राप्त किया। बल्कि, इसका अर्थ यह है कि जब पीड़ित व्यक्ति ने पश्चाताप किया, तो यह एक विचार था जिसने उन्हें बचाने के लिए आधार प्रदान करने में सहायता की। (इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा देखें।) यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उसे बचाने का एक अच्छा कारण पहचाना है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:25 (#1)**"उस मनुष्य की देह"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ माँस शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में मनुष्य की देह वाक्याश का प्रयोग हुआ है। एलीहू इस व्यक्ति के शरीर के एक भाग, उसके माँस, का उपयोग उसके पूरे शरीर के पुनर्जीवित होने के कार्य में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका शरीर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:25 (#2)**"उसकी जवानी के दिन फिर लौट आएँगे"**

एलीहू इस व्यक्ति की देह के बारे में इस प्रकार बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित चीज़ हो जो उसके जवानी के समय में लौट सकती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उसके यौवन के दिनों जैसा हो जाता है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 33:25 (#3)**"उनकी युवावस्था के दिनों में"**

एलीहू एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिनों शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी जवानी के समय तक"

देखें: मुहावरा

अथूब 33:26 (#1)**"और वह उससे प्रसन्न होगा,"**

सर्वनाम वह पहले उदाहरण में परमेश्वर के लिए है और दूसरे उदाहरण में वह उस व्यक्ति के लिए है जिसका वर्णन एलीहू कर रहे हैं। सर्वनाम उससे इस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है, और सर्वनाम उसका (हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में परमेश्वर का) परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर इस व्यक्ति को स्वीकार करेंगे, और वह व्यक्ति परमेश्वर के चेहरे को आनन्द के साथ देखेगा।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 33:26 (#2)**"वह आनन्द से परमेश्वर का दर्शन करेगा"**

अंग्रेजी अनुवाद में और वह उनका मुख देखेंगे वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में वह आनन्द से परमेश्वर का दर्शन करेगा वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ शब्द चेहरा एक व्यक्ति की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। एलीहू द्वारा अगले दो वचनों में कही गई बातों के आधार पर, इसका शायद मतलब है कि वह परमेश्वर

की उपस्थिति में एक मन्दिर में आएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह परमेश्वर की उपस्थिति में एक मन्दिर में आएँगे"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:26 (#3)**"और परमेश्वर मनुष्य को ज्यों का त्यों धर्मी कर देगा"**

इसका अर्थ हो सकता है: वैकल्पिक अनुवाद: (1) "परमेश्वर मनुष्य को उनके साथ सही स्थिति में पुनः स्थापित करेंगे" या (2) "और परमेश्वर उनकी प्रतिष्ठा को एक धार्मिक व्यक्ति के रूप में पुनः स्थापित करेंगे" या (3) "और परमेश्वर फिर से मनुष्य के लिए चीज़ों को सही करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:27 (#1)**"वह मनुष्यों के सामने गाने ... लगता है"**

एलीहू मानते हैं कि अथूब समझ जाएँगे कि गाना कहने से उनका मतलब है कि व्यक्ति मन्दिर में जाकर सार्वजनिक रूप से धन्यवाद का गीत गाएगा ताकि यह दिखाया जा सके कि परमेश्वर ने उन्हें कैसे बचाया है, जैसा कि इस संस्कृति में प्रथा थी। आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मन्दिर में धन्यवाद का गीत गाएँगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 33:27 (#2)**"कहने लगता है,"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहें कि उन्होंने पाप किया और सिधाई से मुड़ गए, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें प्रतिफल नहीं दिया।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 33:27 (#3)**"और सच्चाई को उलट-पुलट कर दिया"**

यदि आपकी भाषा में सच्चाई के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी

विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।
वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने जो सही था उसे बदल दिया"
देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 33:27 (#4)

"और सच्चाई को उलट-पुलट कर दिया"

एलीहू सच्चाई के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित वस्तु हो जो सही मार्ग पर चल रही थी और उन्होंने इसे उलट-पुलट कर दिया ताकि यह गलत मार्ग पर जाने लगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने जो सही नहीं था, वह किया।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 33:28 (#1)

"उसने मेरे प्राण कब्र में पड़ने से बचाया है,"

यदि आपने पिछले वचन में इस उद्धरण का अनुवाद इस तरह से करने का निर्णय लिया था कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो, तो आप यहाँ भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कहेगा कि परमेश्वर ने उनके प्राण को गढ़े में जाने से बचा लिया है और उसका जीवन प्रकाश देखेगा।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 33:28 (#2)

"मेरे प्राण" - "मेरा जीवन"

एलीहू इस व्यक्ति के हिस्से, उसका प्राण और उसके जीवन का उपयोग करके उसके उद्धार के कार्य में उसके पूरे अस्तित्व का अर्थ बता रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ... और मैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:28 (#3)

"मेरा जीवन उजियाले को देखेगा"

यह व्यक्ति उजियाले शब्द का उपयोग पृथ्वी पर जीवन के लिए कर रहा है। जैसे कि पुस्तक के कई अन्य स्थानों में, यहाँ जीवितों के क्षेत्र को प्रकाश का स्थान बताया गया है, जबकि मृतकों का क्षेत्र अंधकार का स्थान है। (उदाहरण के लिए,

[18:18](#) में, "वह उजियाले से अंधियारे में ढकेल दिया जाएगा, और जगत में से भी भगाया जाएगा।") यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं पृथ्वी पर जीवन जीता रहूँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 33:29 (#1)

"दो बार क्या वरन् तीन बार"

जैसा कि उन्होंने पद 14 में किया, यहाँ एलीहू एक संख्या का उल्लेख कर रहे हैं जो उनके बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा रहे हैं। यह इत्री कविता में एक सामान्य काव्यशैली थी। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप जोर देने का कोई और तरीका व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बार-बार"

देखें: समानांतरता

अथूब 33:30 (#1)

"उसको"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ उसके प्राण को वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसको शब्द का उपयोग हुआ है। एलीहू इस व्यक्ति के एक हिस्से, उसके प्राण, का उपयोग पूरे व्यक्ति के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 33:30 (#2)

"और वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि वह उसे जीवितों की ज्योति से प्रकाशित कर सकें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 33:30 (#3)

"और वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए"

एलीहू विशेषण जीवनलोक का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष समूह को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि वह उन्हें जीवित लोगों के प्रकाश से प्रकाशित कर सकें"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 33:30 (#4)

"और वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए"

एलीहू स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जीवनलोक के उजियाले, उस प्रकाश का वर्णन करने के लिए जो जीवित लोगों के पास होता है और जिससे वे देखते हैं, न कि वह प्रकाश जो जीवित लोग छोड़ते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि वह उन्हें उस प्रकाश से प्रकाशित कर सकें जो जीवित लोगों के पास होता है"

देखें: स्वामित्व

अथ्यूब 33:30 (#5)

"और वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए"

जैसा कि पद 38 में है, शब्द उजियाले का सम्बन्ध पृथ्वी पर जीवन से है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि वह उसे पृथ्वी पर रहने वाले अन्य लोगों के बीच जीवन में पुनर्स्थापित कर सकें"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 33:31 (#1)

"मैं और बोलूँगा"

जोर देने के लिए, एलीहू सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया बोलूँगा में निहित है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप यहाँ अपने अनुवाद में उस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मुझे बोलने वाला बनने दो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 33:32 (#1)

"यदि"

चूंकि एलीहू ने पिछले वचन में अथ्यूब से सुनने और चुप रहने के लिए कहा था, जब वह इस वचन में उन्हें बोलने और उत्तर देने के लिए कहता है, तो उसका अप्रत्यक्ष अर्थ यह है कि अथ्यूब को यह तभी करना चाहिए जब उन्होंने उसे सुना हो। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर यदि"

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय सम्बन्ध

अथ्यूब 33:32 (#2)

"यदि तुझे बात कहनी हो"

एलीहू बात का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथ्यूब क्या कहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके पास कहने के लिए कुछ है!"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 33:32 (#3)

"मैं तुझे निर्दोष ठहराना चाहता हूँ"

एलीहू का यह अर्थ है कि वह यह दिखाना चाहते हैं कि अथ्यूब सही थे जब उन्होंने कहा कि परमेश्वर उन्हें पाप करने के लिए दण्डित नहीं कर रहे हैं। एलीहू यह सुझाव दे रहे हैं कि अथ्यूब की पीड़ाएँ वास्तव में परमेश्वर की ओर से एक चेतावनी हैं कि वह पापपूर्ण कार्य न करें। आप अपने पाठकों की मदद के लिए इसे स्पष्ट रूप से अनुवाद में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ कि आप सही थे जब आपने कहा कि परमेश्वर आपको पाप करने के लिए दण्डित नहीं कर रहे हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथ्यूब 33:33 (#1)

"यदि"

एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से एक विरोधाभास प्रस्तुत कर रहे हैं, यह सुझाव देते हुए कि, दूसरी ओर, अथ्यूब के पास शायद कुछ भी कहने के लिए नहीं होगा जब उन्होंने उन्हें और सुना होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप

अपने अनुवाद में विरोधाभास को स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोकिन यदि"
 देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथ्यूब 33:33 (#2)

"तू मेरी सुन"

जोर देने के लिए, एलीहू सर्वनाम तू का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही क्रिया सुन में निहित है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं बोलूँ तो आप सुनने वाले हो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 33:33 (#3)

"बुद्धि"

यदि आपकी भाषा में बुद्धि के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बुद्धिमान है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथ्यूब - अध्याय 34 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एलीहू के भाषण की निरन्तरता है। इस अध्याय में, एलीहू पहले अथ्यूब के मित्रों और अन्य श्रोताओं से बात करते हैं, फिर पद 16 से वह सीधे अथ्यूब को सम्बोधित करते हैं, और फिर पद 34 से अथ्यूब के बारे में अन्य लोगों से पुनः संवाद करते हैं।

अनफोलिङ्ग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

एलीहू अथ्यूब के बारे में कठोर शब्दों में बोलते हैं

यह आपके पाठकों के लिए भ्रमित करने वाला हो सकता है कि एलीहू, जो अथ्यूब से 33:7 में वादा करते हैं कि वह उनके साथ कोमल रहेंगे, इस अध्याय के पद 7-8 और 35 में अथ्यूब

के बारे में बहुत कठोरता से बोलते हैं। हालांकि, यह वास्तव में अनुवाद के बजाय व्याख्या का मामला है, इसलिए आपके अनुवाद के पाठ में स्पष्टीकरण देना आवश्यक नहीं है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

एलीहू ने अथ्यूब और उनके मित्रों को उद्धृत किया

इस अध्याय में कई स्थानों पर, एलीहू सीधे अथ्यूब या उनके मित्रों के उद्धरण प्रस्तुत करते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं ताकि दोस्तों ने जो कहा उसकी पुष्टि कर सकें और जो अथ्यूब ने कहा उसे चुनौती दे सकें। आपके पाठकों को यह समझने में सहायता करने के लिए कि एलीहू ऐसा कर रहे हैं, आप उनके अभिव्यक्तियों का अनुवाद उसी तरह करें जैसे आपने उन्हें अनुवाद किया था जब अथ्यूब या उनके मित्रों ने उनका उपयोग किया था। 34:3 में, एलीहू ने 12:11 में अथ्यूब द्वारा कही गई बात को उद्धृत किया है। 34:5 में, एलीहू ने 27:2 में अथ्यूब द्वारा कही गई बात को उद्धृत किया है। 34:6 में, एलीहू ने 6:4, 16:13, और 27:4 में अथ्यूब द्वारा कही गई बात को उद्धृत किया है। 34:7 में, एलीहू ने 15:16 में एलीपज द्वारा कही गई बात को उद्धृत किया है। 34:12 में, एलीहू ने 8:3 में बिल्दद द्वारा कही गई बात को उद्धृत किया है।

सामान्य अर्थ में "मनुष्य" और "मनुष्यों"

इस अध्याय के कई स्थानों पर, एलीहू "मनुष्य" और "मनुष्यों" शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में करते हैं, जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। आपके अनुवाद में "पुरुष और महिलाएँ" कहना या अपनी भाषा में ऐसा शब्द उपयोग करना सहायक हो सकता है जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता हो। नोट्स सुझाव देते हैं कि आप इसे कैसे कर सकते हैं। (देखें: rc:///*/ta/man/translate/figs-gendernotations.)

एक पद की शुरुआत में एक कारण का परिचय देते हुए "क्योंकि"

इस अध्याय में कई बार, एलीहू एक पद के शुरुआत में "क्योंकि" कहकर पिछले पद में कही गई बात का कारण प्रस्तुत करते हैं। एलीहू ऐसा पद 3, 5, 9, 11, 21, और 37 में करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप निर्देश में अधिक स्पष्ट रूप से पिछले पद का सन्दर्भ दे सकते हैं ताकि दिखा सकें कि एलीहू क्या कर रहे हैं। अनफोलिङ्ग वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन प्रत्येक मामले में ऐसा करने के तरीके प्रस्तुत करता है। (पद 23 की शुरुआत में "क्योंकि" एक नए विचार को प्रस्तुत करता है, जैसा कि अनफोलिङ्ग वर्ड सिम्लिफाइड ट्रान्सलेशन भी दर्शाता है।) (देखें: rc:///*/ta/man/translate/grammar-connect-words-phrases.)

अथ्यूब 34:1 (#1)

"फिर एलीहू यह कहता गया,"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **फिर** के स्थान में **और** का उपयोग हुआ है। यह वाक्य दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक ही विचार व्यक्त करता है। **कहता गया** शब्द बताता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ कहा है। इस मामले में, एलीहू ने उन बातों के प्रकाश में और बातें कहीं जो उन्होंने पहले ही कही थीं और इस प्रकार, एक अर्थ में, उनका उत्तर दिया। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और एलीहू ने जो पहले ही कहा था, उसके प्रकाश में आगे कहा"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथ्यूब 34:2 (#1)

"मेरी बातें"

एलीहू बातें का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह शब्दों के माध्यम से क्या कहने जा रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे कहना है"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 34:2 (#2)

"बुद्धिमानों"

एलीहू विशेषण **बुद्धिमानों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति के लिए कर रहे हैं। (अनफोलिङ्ग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इसको दिखाने के लिए लोग शब्द जोड़ता है।) आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो बुद्धिमान हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 34:3 (#1)

"वचन कान से परखे जाते हैं,"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, एलीहू वही वाक्यांश उपयोग कर रहे हैं जो अथ्यूब ने अपने मित्रों को [12:11](#) में यह बताने के लिए उपयोग किया था कि

उन्होंने उनके वृष्टिकोण पर विचार किया और उसे अस्वीकार कर दिया। एलीहू क्रम में अथ्यूब को उद्धृत कर रहे हैं यह बताने के लिए कि उन्होंने अथ्यूब के वृष्टिकोण पर विचार किया और उसे अस्वीकार कर दिया। आपके पाठकों को यह पहचानने में सहायता करने के लिए, आप यहाँ अपने अनुवाद में वही भाषा उपयोग कर सकते हैं जो आपने [12:11](#) में की थी।

देखें: उपमा

अथ्यूब 34:3 (#2)

"वचन कान से परखे जाते हैं,"

एलीहू शब्द **वैसे ही** का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि जिस वाक्यांश की यह शुरुआत करता है वह पिछले वाक्यांश जितना ही सत्य है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कान वचनों का परीक्षण करते हैं, जैसे तालु भोजन का स्वाद लेते हैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 34:3 (#3)

"वचन कान से परखे जाते हैं,"

एलीहू **कान** के बारे में इस प्रकार बात कर रहे हैं जैसे वह **वचन की परख** स्वयं कर सकते हैं। वह सुनने का प्रतिनिधित्व करने के लिए कान का उपयोग कर रहे हैं और उनका मतलब है कि लोग स्वयं दूसरों के वचनों की परख या विचार करते हैं जब वह उन्हें सुनते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग दूसरों के शब्दों पर विचार करते हैं जब वे उन्हें सुनते हैं, जैसे लोग अपने मुँह से अपने भोजन का स्वाद पहचानते हैं।"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 34:3 (#4)

"वचन कान से परखे जाते हैं,"

हालांकि एलीहू एक व्यापक बयान दे रहे हैं, वह अप्रत्यक्ष रूप से उस पर टिप्पणी कर रहे हैं जो अथ्यूब ने कहा है और उन्होंने इसके बारे में क्या निर्णय लिया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने सुना है कि अथ्यूब ने क्या कहा है और मैंने इसे विचार किया है और निर्णय लिया है कि

यह सत्य नहीं है, जैसे लोग अपने मुँह से अपने भोजन के स्वाद को पहचानते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 34:3 (#5)

"वचन"

एलीहू वचन का उपयोग उन बातों के लिए कर रहे हैं जो लोग शब्दों के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सरलता से समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:3 (#6)

"जैसे जीभ से चखा जाता है"

एलीहू जीभ या मुँह के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह अपने आप स्वाद चख सकते हैं। उनका मतलब है कि लोग अपने मुँह से उस भोजन का स्वाद पहचानते हैं जो वे खाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे लोग अपने मुँह से अपने भोजन का स्वाद पहचानते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 34:4 (#1)

"जो कुछ ठीक है, हम अपने लिये चुन लें;"

एलीहू अपने और उन "बुद्धिमानों" का उल्लेख करने के लिए सर्वनाम हम का उपयोग कर रहे हैं, जिन्हें वह सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए उस शब्द के समावेशी रूप का उपयोग करें यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है। (हालांकि अथूब उपस्थित है और सुन रहे हैं, एलीहू उन्हें सम्बोधित नहीं कर रहे हैं, इसलिए एलीहू अभी भी हम कह रहे हैं ताकि उन सभी को शामिल किया जा सके जिन्हें वह वास्तव में सम्बोधित कर रहे हैं।)

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथूब 34:4 (#2)

"ठीक है"

यदि आपकी भाषा में ठीक है के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ठीक है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:5 (#1)

"क्योंकि अथूब ने कहा है, मैं निर्दोष हूँ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब ने कहा है कि वह धर्मी है, लेकिन परमेश्वर ने उसका न्याय छीन लिया है।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:5 (#2)

"और परमेश्वर ने मेरा हक मार दिया है"

एलीहू कह रहे हैं कि अथूब ने न्याय के बारे में ऐसे बात की है जैसे परमेश्वर ने हक मार दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन परमेश्वर ने मेरे साथ जिस तरह से व्यवहार किया है, उसमें वह धर्मी नहीं रहे हैं"

देखें: रूपक

अथूब 34:6 (#1)

"मैं सच्चाई पर हूँ, तो भी झूठा ठहरता हूँ"

यदि आपने पिछले वचन में इस उद्धरण का अनुवाद इस प्रकार करने का निर्णय लिया था कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो, तो आप यहाँ ऐसा करना जारी रख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब ने कहा है कि वह अपने न्याय के बारे में झूठ नहीं बोलेंगे और उनका तीर लाइलाज है, बिना अपराध के।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:6 (#2)

"यद्यपि मैं सच्चाई पर हूँ, तो भी झूठा ठहरता हूँ"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ क्या मैं अपने न्याय के बारे में असत्य कहूँगा वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यद्यपि मैं सच्चाई पर हूँ, तो भी झूठा ठहरता हूँ वाक्यांश का उपयोग हुआ है। एलीहू के इस उद्धरण में, अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप

का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने न्याय के बारे में झूठ नहीं बोलूँगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:6 (#3)

"यद्यपि मैं सच्चाई पर हूँ, तो भी झूठा ठहरता हूँ"

यदि आपकी भाषा में सच्चाई के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह झूठ नहीं बोलूँगा कि मैंने सही काम किया था या नहीं!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:6 (#4)

"मेरा धाव"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **मेरे तीर** वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **मेरा धाव** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। इस उद्धरण में एलीहू द्वारा, अथूब **तीर** शब्द का उपयोग एक तीर से हुए धाव के सन्दर्भ में कर रहे हैं। (एलीहू, अथूब द्वारा [16:13](#) में कही गई उस बात का जिक्र कर रहे हैं, जहाँ परमेश्वर के धनुधर्मियों द्वारा तीरों से धातक रूप से धायल होने की बात कही गई है।) यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा धाव"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:6 (#5)

"निरपराध हूँ"

एलीहू द्वारा इस उद्धरण में, अथूब कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि मैं निर्दोष हूँ"

देखें: पदलोप

अथूब 34:7 (#1)

"अथूब के तुल्य कौन शूरवीर है"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अथूब जैसा कोई और व्यक्ति नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:7 (#2)

"जो परमेश्वर की निन्दा पानी के समान पीता है"

एलीहू ऐसा कह रहे हैं जैसे अथूब ने निन्दा को उसी तरह पी लिया जैसे वह पानी पीते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उपेक्षापूर्ण वक्तव्य देने में स्वतंत्र रूप से लिप्त हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 34:8 (#1)

"जो अनर्थ करनेवालों"

यदि आपकी भाषा **अनर्थ** और **दुष्टा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो अन्यायपूर्ण कार्य करते हैं ... वे लोग जो दुष्ट हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:9 (#1)

"उसने तो कहा है, 'मनुष्य को इससे कुछ लाभ नहीं'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने कहा है कि जब कोई व्यक्ति परमेश्वर के साथ आनन्दित होता है, तो उसे कोई लाभ नहीं होता।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:10 (#1)

"समझवालों"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **हृदय** शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **समझवालों** शब्द का

उपयोग हुआ है। यहाँ हृदय समझ का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझदार व्यक्ति" या "आप बुद्धिमान लोग"

देखें: रूपक

अथूब 34:10 (#2)

"परमेश्वर दुष्टता का काम करे, और सर्वशक्तिमान बुराई करे"

देखें कि आपने 27:5 में "सच्चा ठहराऊँ" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के लिए अधर्म करना दूर रहे, और सर्वशक्तिमान के लिए पाप करना भी दूर रहे"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:10 (#3)

"परमेश्वर दुष्टता का काम करे, और सर्वशक्तिमान बुराई करे"

एलीहु कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के लिए दुष्टता करना दूर की बात है, और सर्वशक्तिमान के लिए अधर्म करना भी दूर की बात है।"

देखें: पदलोप

अथूब 34:11 (#1)

"वह ... फल देता है" - "वह ... फल भुगताता है"

सर्वनाम वह दोनों मामलों में परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर चुकाते हैं ... परमेश्वर इसे उन्हें खोजने का कारण बनाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 34:11 (#2)

"वह मनुष्य की करनी का फल देता है"

देखें कि आपने 21:19 में "बदला" शब्द का अनुवाद कैसे किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ

को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी व्यक्ति को उसके कार्यों के लिए प्रतिफल देते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:11 (#3)

"और प्रत्येक को अपनी-अपनी चाल का"

एलीहु इस बारे में बात कर रहे हैं कि एक व्यक्ति कैसे जीवन व्यतीत करता है, जैसे कि वह एक मार्ग हो जिस पर वह व्यक्ति चल रहा हो। अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ मार्ग शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में चाल शब्द का उपयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इस आधार पर कि एक व्यक्ति कैसे जीवन व्यतीत करता है"

देखें: रूपक

अथूब 34:11 (#4)

"वह ... अपनी-अपनी चाल का फल भुगताता है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ यह शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में अपनी-अपनी चाल वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ, यह एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट अर्थ नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे एक समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनके साथ घटनाओं को घटित करते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 34:13 (#1)

"किसने पृथ्वी को उसके हाथ में सौंप दिया"

एलीहु जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को पृथ्वी पर किसी को नियुक्त करने या पूरे संसार को अपने अधीन करने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं थी!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:13 (#2)**"या किसने सारे जगत का प्रबन्ध किया"**

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं, यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "और किसने पूरे संसार को उनके अधीन कर दिया!"

देखें: पदलोप

अथूब 34:14 (#1)**"यदि वह ... अपना मन हटाए और ... अपने ही में समेट ले"**

यहाँ मन विचारों और धारणाओं का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि उन्होंने केवल अपने बारे में सोचा होता" या "यदि उन्होंने केवल अपने बारे में विचार किया होता"

देखें: रूपक

अथूब 34:14 (#2)**"यदि वह .. अपना मन हटाए और अपना आत्मा और श्वास अपने ही में समेट ले"**

जैसा कि उन्होंने [32](#) में किया था, यहाँ एलीहू इस बात का संकेत दे रहे हैं कि परमेश्वर ने मूल रूप से मानवों में जीवन की साँस फूंकी थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह अपना आत्मा और मानवों से जीवन की साँस वापस ले लें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 34:15 (#1)**"सब देहधारी"**

एलीहू **देहधारी** शब्द का उपयोग उन प्राणियों के सन्दर्भ में कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर ने बनाया है, जिनके पास सामान्यतः देह होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्राणी"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:15 (#2)**"एक संग नाश हो जाएँगे"**

एलीहू शब्द **नाश** का उपयोग "मरने" के अर्थ में कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "साथ में गुज़र जाएँगे" या "एक ही समय में मर जाएँगे"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 34:15 (#3)**"और मनुष्य फिर मिट्टी में मिल जाएगा"**

एलीहू का यह मतलब नहीं है कि लोग अपनी इच्छा से **मिट्टी में मिल जाएँगे**। बल्कि, जैसे [33:6](#) में है, वह इस बात का ज़िक्र कर रहे हैं कि परमेश्वर ने मूल रूप से लोगों को पृथ्वी की मिट्टी से बनाया था और उनका मतलब है कि मनुष्य मर जाएँगे और उनके शरीर फिर से धूल बन जाएँगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोग मर जाएँगे, दफनाए जाएँगे और उनके शरीर विघटित होकर फिर से मिट्टी का हिस्सा बन जाएँगे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 34:16 (#1)**"इसलिए ... समझ रख"**

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपके लिए यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन यदि समझ आपको है" या "लेकिन यदि आपके पास समझ है"

देखें: पदलोप

अथूब 34:16 (#2)**"सुनकर" - "कान लगा"**

ये जो आज्ञाएँ हैं **सुनकर** और **कान लगा**, वे बहुवचन में हैं क्योंकि एलीहू अब सीधे अथूब को सम्बोधित कर रहे हैं। (वह उन अन्य "बुद्धिमानों" को सम्बोधित करने से बदलाव को चिह्नित कर रहे हैं जो उपस्थित हैं, उन दो शब्दों को दोहराकर, जिनका उन्होंने पद 2 में भी उपयोग किया था।) इसलिए

अपने अनुवाद में बहुवचन आज्ञा रूपों का उपयोग करें यदि आपकी भाषा उस भद्र को चिह्नित करती है।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 34:16 (#3)

"मेरी इन बातों पर कान लगा"

एलीहू बातों का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह क्या कहने वाले हैं। जैसे 33:8 में, वह बात की धनि का उल्लेख कर सकते हैं ताकि वे सटीक शब्दों का मतलब बता सकें, अर्थात् वह ठीक-ठीक क्या कहने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ध्यान से सुनिए कि मैं क्या कहने वाला हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:17 (#1)

"जो न्याय का बैरी हो, क्या वह शासन करे"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। (दूसरा प्रश्न अगले दो पदों में जारी रहता है, लेकिन कई भाषाओं में उन पदों का अनुवाद अलग से करने की आवश्यकता नहीं होगी, सिवाय पद 19 के अन्त में विराम चिह्न के लिए।) वैकल्पिक अनुवाद: "न्याय से घृणा करने वाला निश्चित रूप से शासन नहीं करेगा! नहीं, आपको धर्मी, पराक्रमी की निंदा नहीं करनी चाहिए।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:17 (#2)

"जो पूर्ण धर्मी है, क्या तू उसे दुष्ट ठहराएगा"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ यदि शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आइ.आर.वी अनुवाद में इस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। एलीहू प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि आप प्रश्न रूप को बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और आप धर्मी, पराक्रमी को दोषी नहीं ठहराएँगे, है न?"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:17 (#3)

"पूर्ण धर्मी {जन}"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ धर्मी जन, पराक्रमी जन वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आइ.आर.वी अनुवाद में सिर्फ पूर्ण धर्मी वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। एलीहू विशेषण धर्मी और पराक्रमी का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है एक विशेष व्यक्ति, परमेश्वर, जो इन गुणों को सर्वोच्च रूप से धारण करते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड लिट्ल ट्रान्सलेशन प्रत्येक मामले में जन शब्द जोड़ता है ताकि इसे दिखाया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जो सर्वोच्च रूप से धर्मी और पराक्रमी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 34:18 (#1)

"वह राजा से कहता है, 'तू नीच है'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो राजा को बता रहा है कि वह व्यर्थ है और प्रधानों को बता रहा है कि वे दुष्ट हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:18 (#2)

"वह राजा से"

एलीहू किसी विशेष राजा का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका तात्पर्य सामान्यतः राजाओं से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह राजाओं से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 34:19 (#1)

"तो हाकिमों का पक्ष नहीं करता"

देखें कि आपने 13:8 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हाकिमों के प्रति पक्षपात नहीं दिखाते"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:19 (#2)**"कंगाल"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **कंगाल** के चेहरे के सामने वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में सिर्फ **कंगाल** शब्द का प्रयोग हुआ है। इस सन्दर्भ में, वाक्यांश के सामने का अर्थ है "सामने" या "आगे।" वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र के सामने" या "दरिद्र से अधिक"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:19 (#3)**"धनी" - "कंगाल"**

एलीहू कुछ विशेष प्रकार के लोगों के लिए **धनी** और **कंगाल** विशेषणों का संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धनी लोग ... गरीब लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 34:19 (#4)**"अपने बनाए हुए जानकर"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ वे सब उसके हाथों के काम हैं वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **अपने बनाए हुए जानकर** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। एलीहू परमेश्वर के एक हिस्से, उनके हाथों का उपयोग लोगों को बनाने के कार्य में उनके पूरे अस्तित्व का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उन सभी को बनाया है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 34:19 (#5)**"उनके हाथ"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ वे सब उसके हाथों के काम हैं वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **अपने बनाए हुए जानकर** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि आपने पद 17 में उस प्रश्न का अनुवाद करने के लिए एक कथन या विस्मयादिबोधक का उपयोग करने का निर्णय लिया है, जो उस पद के बीच में शुरू होता है और इस

पद के अन्त तक जारी रहता है, तो कृपया ध्यान रखें कि यहाँ उस विराम चिह्न का उपयोग करें जो आपकी भाषा में कथन या विस्मयादिबोधक के अन्त को चिह्नित करता है।

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:20 (#1)**"आधी रात को"**

एलीहू यह कह रहे हैं कि जो वह वर्णन कर रहे हैं, वह आमतौर पर लोगों के साथ **आधी रात को** होता है। उनका मतलब है कि यह अचानक और अप्रत्याशित रूप से होता है, जैसे कि यह उस समय होता है जब लोग आमतौर पर सो रहे होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अचानक और अप्रत्याशित रूप से"

देखें: रूपक

अथूब 34:20 (#2)**"प्रजा के लोग हिलाए जाते"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों को हिलाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 34:20 (#3)**"और जाते रहते हैं"**

एलीहू शब्द **जाते रहते हैं** का उपयोग "मरने" के अर्थ में कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य या काव्यात्मक तरीका है। आपकी भाषा में भी ऐसी ही कोई अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे चले जाते हैं" या "और वे मर जाते हैं"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 34:20 (#4)**"और प्रतापी लोग बिना हाथ लगाए उठा लिए जाते हैं"**

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ वे शब्द का उपयोग हुआ है यह दर्शनि के लिए कि प्रतापी लोगों को कौन उठा लेता है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ वे एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट सन्दर्भ नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसे एक अलग अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और पराक्रमी ले जाए जाते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 34:20 (#5)

"प्रतापी लोग"

एलीहू विशेषण प्रतापी लोग का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि वह व्यक्ति जो पराक्रमी है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 34:20 (#6)

"बिना हाथ लगाए"

एलीहू एक मनुष्य के एक अंग, उसके हाथ का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि वह एक पराक्रमी व्यक्ति को सम्भावित रूप से ले जाने के कार्य में सम्पूर्ण मनुष्य को इंगित कर रहे हैं (हालांकि एलीहू कहते हैं कि वास्तव में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता)। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मनुष्य द्वारा नहीं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 34:21 (#1)

"परमेश्वर की आँखें" - "वह ... देखता रहता है"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ सर्वनाम उनकी शब्द का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में परमेश्वर शब्द का उपयोग हुआ है। सर्वनाम उनकी का पहला उदाहरण और सर्वनाम वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आँखें ... परमेश्वर देखते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 34:21 (#2)

"परमेश्वर की आँखें ... पर"

एलीहू परमेश्वर के एक अंग, उनकी आँखों का उपयोग उनके देखने के सम्पूर्ण कार्य के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह देखते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 34:21 (#3)

"मनुष्य की चाल चलन,"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ मनुष्यों के मार्गे वाक्यांश का उपयोग हुआ है, जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में मनुष्य की चाल चलन वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। एलीहू इस बारे में बात कर रहे हैं कि कोई व्यक्ति कैसे जीता है, जैसे कि वह एक मार्ग या रास्ता है जिस पर वह व्यक्ति चाल चलता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे एक व्यक्ति जीवन व्यतीत करता है, और ... वह सब कुछ जो वह करता है"

देखें: रूपक

अथूब 34:22 (#1)

"ऐसा अंधियारा या घोर अंधकार कहीं नहीं है"

शब्द अंधियारा और घोर अंधकार समान अर्थ रखते हैं। एलीहू जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ बिल्कुल भी अंधकार नहीं है।"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 34:22 (#2)

"जिसमें अनर्थ करनेवाले छिप सके"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि अर्धम करने वाले छिप जाएँ"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 34:23 (#1)

"उसने मनुष्य का कुछ समय नहीं ठहराया"

जैसा कि अथूब 23:6 में करते हैं, यहाँ एलीहू एक निश्चित इब्री अभिव्यक्ति के कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो पुस्तक के अन्य स्थानों में पूर्ण रूप में प्रकट होते हैं। देखें कि आपने 23:6 में "मुझ पर ध्यान देता" अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी व्यक्ति पर अपना मन नहीं लगाते" या "परमेश्वर किसी व्यक्ति पर विचार नहीं करते"।

देखें: पदलोप

अथूब 34:23 (#2)

"परमेश्वर के समुख अदालत में जाए"

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए किसी व्यक्ति को उनके पास न्याय के लिए जाने की आवश्यकता नहीं है।"

देखें: पदलोप

अथूब 34:24 (#1)

"वह बड़े-बड़े बलवानों को ... चूर-चूर करता है"

एलीहू ऐसा कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच पराक्रमी लोगों को चूर-चूर कर देते हैं या उन्हें तोड़ देते हैं। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना आसान हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पराक्रमी लोगों को उनकी शक्ति और प्रभाव छीनकर दण्डित करते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 34:24 (#2)

"बड़े-बड़े बलवानों"

एलीहू विशेषण बलवानों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक

समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पराक्रमी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 34:24 (#3)

"बिना पूछपाछ के"

यदि आपकी भाषा में पूछपाछ के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस बात की जाँच किए बिना कि वे कैसे रह रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:25 (#1)

"वह ... ऐसा उलट देता है" - "वे चूर-चूर हो जाते हैं"

एलीहू ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर वास्तव में उन बलवानों को उलट देते हैं जो गलत करते हैं, जैसे कि परमेश्वर उन्हें जमीन पर पटक देते हैं। एलीहू यह भी कह रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच में इन लोगों को चूर-चूर कर देते हैं, यानी उन्हें छोटे टुकड़ों में तोड़ देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उनकी शक्ति और प्रभाव छीन लेते हैं ... और वे नष्ट हो जाते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 34:25 (#2)

"रात में"

देखें कि आपने पद 20 में "रात के बीच में" जैसे वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अचानक और अप्रत्याशित रूप से"

देखें: रूपक

अथूब 34:25 (#3)

"वे चूर-चूर हो जाते हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन्हें कुचल देते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 34:26 (#1)

"उन्हें दुष्ट जानकर"

एलीहू बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं यह संकेत देने के लिए कि ये बलवान लोग, जिनका परमेश्वर न्याय करते हैं, अत्यधिक दुष्टता के दोषी हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूप का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी बड़ी दुष्टता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 34:27 (#1)

"उन्होंने उसके पीछे चलना छोड़ दिया है"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे ये दुष्ट बलवान लोग सचमुच परमेश्वर के पीछे चल रहे थे लेकिन फिर **पीछे चलना छोड़ दिया** और उनकी दिशा से अलग दिशा में चलने लगे। उनका मतलब है कि उन्होंने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना बन्द कर दिया। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना बन्द कर दिया"

देखें: रूपक

अथूब 34:27 (#2)

"और उसके किसी मार्ग पर चित्त न लगाया"

एलीहू इस बारे में बात कर रहे हैं कि परमेश्वर चाहते हैं कि लोग वैसे जिएँ जैसे वे **मार्ग** या रास्ते हैं जिन पर परमेश्वर चाहते हैं कि लोग चलें। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने उस तरीके का आदर नहीं किया जिसमें परमेश्वर चाहते हैं कि लोग जिएँ"

देखें: रूपक

अथूब 34:28 (#1)

"कंगालों की दुहाई उस तक पहुँची"

इस पद के पहले भाग में, एलीहू यह संकेत कर रहे हैं कि उन्होंने पिछले पद में जो वर्णन किया था, उसका परिणाम यह

है कि दुष्ट लोग परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते और जिस प्रकार परमेश्वर चाहते हैं कि लोग जीवन जिएँ, उसका सम्मान नहीं करते। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, उन्होंने दरिद्र की पुकार को परमेश्वर तक पहुँचाया।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

अथूब 34:28 (#2)

"कंगालों" - "दीन लोगों"

एलीहू विशेषण **कंगालों** और **दीन लोगों** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि कुछ प्रकार के लोगों का अर्थ निकाला जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दरिद्र लोग ... पीड़ित लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 34:28 (#3)

"दीन लोगों"

देखें कि आपने **दीन लोगों** शब्द का [29:12](#) में कैसे अनुवाद किया।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 34:28 (#4)

"उसने ... सुनी"

एलीहू "**सुनी**" शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ में कर रहे हैं, जिसका मतलब "उत्तर दिया" है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उत्तर दिया"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:29 (#1)

"जब वह चुप रहता है तो उसे कौन दोषी ठहरा सकता है"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "यहाँ तक कि अगर परमेश्वर मौन हैं, तो कोई भी उन्हें दोषी नहीं ठहरा सकता। यदि परमेश्वर अपना चेहरा छिपाते हैं, तो कोई भी उन्हें देख नहीं सकता।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 34:29 (#2)

"वह मुँह"

एलीहु परमेश्वर के एक हिस्से, उनके मुँह का उपयोग, स्वयं को छिपाने के कार्य में उनके सम्पूर्ण स्वरूप को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 34:29 (#3)

"जाति भर के साथ और अकेले मनुष्य, दोनों के साथ उसका बराबर व्यवहार है"

एलीहु परमेश्वर का वर्णन कर रहे हैं कि वह प्रत्येक जाति और मनुष्य के ऊपर हैं (हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में के साथ), यह संकेत देने के लिए कि परमेश्वर उन पर शासन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी वह व्यक्तिगत रूप से जातियों और व्यक्तियों, दोनों पर शासन करते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 34:30 (#1)

"भक्तिहीन राज्य करता न रहे"

एलीहु कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक देश को अधर्मी व्यक्ति के शासन से बचाने के लिए" या "अधर्मी व्यक्ति को देश पर शासन करने से रोकने के लिए"

देखें: पदलोप

अथूब 34:30 (#2)

"प्रजा फंदे में फँसाई न जाए"

एलीहु ऐसा बोल रहे हैं जैसे किसी देश की प्रजा सचमुच फंदों या जाल में फँस जाएगी यदि कोई अधर्मी व्यक्ति उनका शासक बन जाए। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को उत्तीर्ण से बचाने के लिए"

देखें: रूपक

अथूब 34:31 (#1)

"क्या किसी ने कभी परमेश्वर से कहा,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई परमेश्वर से कहता है कि उन्होंने सहन किया है लेकिन अब और अपराध नहीं करेंगे"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:31 (#2)

"क्या किसी ने कभी परमेश्वर से कहा"

एलीहु एक बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए निर्देश में एक काल्पनिक स्थिति का सुझाव दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि किसी ने परमेश्वर से कहा"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 34:31 (#3)

"मैंने दण्ड सहा"

इस काल्पनिक स्थिति में वक्ता कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपने पापों के लिए दण्ड सहा है।"

देखें: पदलोप

अथूब 34:32 (#1)

"जो कुछ मुझे नहीं सूझ पड़ता, वह तू मुझे सिखा दे;"

यदि आपने पिछले वचन में इस उद्धरण का अनुवाद इस प्रकार करने का निर्णय लिया कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो, तो आप यहाँ भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह उन्हें सिखाएँ जो

वह नहीं देख सकता और यदि वह कहता है कि उसने पाप किया है, वह उसे जारी नहीं रखेगा।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:32 (#2)

"जो कुछ मुझे नहीं सूझ पड़ता, वह तू मुझे सिखा दे;"

यह वचन उस काल्पनिक स्थिति को जारी रखता है जिसे एलीहू एक बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए सुझाया है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मान लीजिए कि वह व्यक्ति परमेश्वर से उसे वह सिखाने के लिए कहता जो वह नहीं देख सकता था और मान लीजिए कि उसने परमेश्वर से कहा कि यदि उसने कोई पाप किया है, तो वह उसे जारी नहीं रखेगा।"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 34:32 (#3)

"तू मुझे सिखा दे"

जोर देने के लिए, एलीहू सर्वनाम तू का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही सिखा दे अनुवादित क्रिया में मौजूद है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मुझे सिखाएँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 34:33 (#1)

"क्या वह तेरे ही मन के अनुसार बदला पाए"

एलीहू, अथूब को सम्बोधित करते हुए तेरे ही मन के अनुसार का उपयोग कर रहे हैं, ताकि अथूब द्वारा व्यक्त किए गए वृष्टिकोण का उल्लेख किया जा सके। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर उस पश्चातापी व्यक्ति को अभी भी दण्डित करेंगे, जैसा कि आप कह रहे थे कि वह करेंगे?"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:33 (#2)

"वह तेरे ही मन के अनुसार बदला पाए"

यह उस काल्पनिक स्थिति का अन्त है जिसे एलीहू ने एक बिन्दु को स्पष्ट करने के लिए सुझाया है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर, आपकी राय में, क्या परमेश्वर उस व्यक्ति को अब भी दण्डित करेंगे?"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 34:33 (#3)

"क्या वह ... बदला पाए"

देखें कि आपने पद 11 में "बदला पाए" शब्द का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वह व्यक्ति को गलत करने के लिए अब भी दण्डित करेंगे?"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:33 (#4)

"आप तिरस्कार करते हैं"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ आप तिरस्कार करते हैं वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस वाक्यांश का प्रयोग नहीं हुआ है। एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य का पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर लोगों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं, इस बारे में हम जो कह रहे हैं, उसे आप कमतर आंक रहे हैं।"

देखें: पदलोप

अथूब 34:34 (#1)

"ज्ञानी पुरुष"

देखें कि आपने पद 10 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "समझदार पुरुष"

देखें: रूपक

अथूब 34:34 (#2)

"बुद्धिमान"

यदि आपकी भाषा में बुद्धि के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:34 (#3)

"मेरी सुनते हैं"

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे सुनने वाले भी मुझसे कहेंगे"

देखें: पदलोप

अथूब 34:35 (#1)

"अथूब ज्ञान की बातें नहीं कहता,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद, पद 34 के अन्त में बिना अल्पविराम के: "कि अथूब ज्ञानपूर्वक नहीं बोलते और उनके शब्द समझ के बिना हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 34:35 (#2)

"ज्ञान की बातें"

यदि आपकी भाषा में ज्ञान के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञानपूर्वक"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:35 (#3)

"और न उसके वचन समझ के साथ होते हैं"

एलीहू वचन का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने क्या कहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो वह कहते हैं वह समझ के साथ नहीं है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 34:35 (#4)

"और न उसके वचन समझ के साथ होते हैं"

यदि आपकी भाषा समझ के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह वास्तव में यह नहीं समझते कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 34:36 (#1)

"अथूब अन्त तक परीक्षा में रहता"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अथूब की परीक्षा लेंगे" या "परमेश्वर अथूब को परीक्षा में डालेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 34:36 (#2)

"क्योंकि उसने अनर्थकारियों के समान उत्तर दिए हैं"

एलीहू शब्द के समान का उपयोग उस अर्थ में कर रहे हैं जो यह सुझाव देता है कि एक चीज़ का सम्बन्ध दूसरी से है। उनका मतलब है कि अथूब उस तरीके से प्रतिक्रिया करते हैं जो अनर्थकारियों के साथ जुड़ा हुआ है, जैसे कि अथूब स्वयं ऐसा व्यक्ति हों। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह वैसे ही उत्तर देते हैं जैसे अधर्मी लोग देते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 34:37 (#1)

"वह ... ताली बजाता है"

जैसा कि 27:23 में है, यहाँ हाथों से ताली बजाना एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो उपहास को व्यक्त करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उपहासपूर्वक ताली बजाते हैं"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 34:37 (#2)

"और परमेश्वर के विरुद्ध बहुत सी बातें बनाता है"

एलीहू बातें का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने शब्दों का उपयोग करके क्या कहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह परमेश्वर के खिलाफ और अधिक बातें कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब - अध्याय 35 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एलीहू के भाषण की निरन्तरता है। इस अध्याय में, एलीहू मुख्य रूप से अथूब से बात करते हैं, हालांकि अन्तिम पद में वह अथूब के बारे में उन अन्य लोगों से बात करते हैं जो उपस्थित हैं।

अनफोल्डिंग वर्ड लिटल टान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर पाठ के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक दार्दी और स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

क्या परमेश्वर को तब लाभ होता है जब मनुष्य सही कार्य करते हैं?

पद 6-8 में, एलीहू अथूब से कहते हैं कि उनके अच्छे या बुरे होने का परमेश्वर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता; यह केवल अन्य लोगों को प्रभावित करता है। एलीहू का शायद यह मतलब है कि परमेश्वर को अथूब के अच्छे होने के लिए कुछ भी देने की ज़रूरत नहीं है और परमेश्वर को अथूब के बुरे होने के खिलाफ खुद का बचाव करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन अगर एलीहू की बात को व्यापक अर्थ में लिया जाए, तो यह बाइबल की पूरी शिक्षा को व्यक्त नहीं करता। अन्यत्र बाइबल कहती है कि परमेश्वर प्रसन्न होते हैं जब लोग उनकी आज्ञा का पालन करते हैं और परमेश्वर दुःखी होते हैं जब लोग पाप करते हैं, यह जानते हुए कि इसका विनाशकारी प्रभाव होगा। परमेश्वर की महिमा होती है जब लोग यह स्वीकार करते हैं कि मनुष्य उनकी आज्ञाओं का पालन करके फलते-फूलते हैं। एलीहू, अथूब के मित्रों की तरह, ऐसी बातें कहते हैं जो कुछ हद तक सच हैं लेकिन जो पूरी तरह से बाइबल में पाई गई परमेश्वर की सलाह को व्यक्त नहीं करती हैं।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

"तू" और "तेरे" का सन्दर्भ

इस अध्याय में, एलीहू "तू" और "तेरे" सर्वनाम का उपयोग अथूब को व्यक्तिगत रूप से सम्बोधित करने के लिए करते हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है तो अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें। पद 3 में, एलीहू के उद्धरण में, "तू" सर्वनाम भी बहुवचन है क्योंकि अथूब इसका उपयोग परमेश्वर को सम्बोधित करने के लिए कर रहे हैं।

अथूब 35:1 (#1)

"फिर एलीहू इस प्रकार और भी कहता गया"

देखें कि आपने 34:1 में इस अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और एलीहू ने आगे कहा, जो उन्होंने पहले कहा था उसके प्रकाश में"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 35:2 (#1)

"क्या तू इसे अपना हक्क समझता है"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको इसे हक्क नहीं मानना चाहिए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 35:2 (#2)

"क्या तू इसे अपना हक्क समझता है"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, शब्द अपना यहाँ और पैरे अध्याय में एकवचन है क्योंकि एलीहू सीधे अथूब को संबोधित कर रहे हैं। इसलिए, यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो आपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 35:2 (#3)

"क्या तू इसे अपना हक्क समझता है"

यदि आपकी भाषा में हक के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको इसे कहने के लिए हक की बात नहीं माननी चाहिए!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 35:2 (#4)

"क्या तू दावा करता है कि तेरी धार्मिकता परमेश्वर की धार्मिकता से अधिक है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरणों के अंदर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कहते हैं कि आप परमेश्वर से अधिक धार्मिक है" या, चूंकि यह अथूब से सीधा उद्धरण नहीं है, "आप ऐसे बोलते हैं मानो आप परमेश्वर से अधिक धार्मिक हो"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 35:3 (#1)

"जो"

एलीहू शब्द जो का उपयोग इस बात का कारण बताने के लिए कर रहे हैं कि उन्होंने पिछले पद में क्यों कहा कि अथूब ने दावा किया कि वह परमेश्वर से अधिक धार्मिक है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह इसलिए कहता हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 35:3 (#2)

"तू कहता है, 'मुझे इससे क्या लाभ?'"

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने परमेश्वर से कहा है, 'यदि मैं धार्मिक हूँ तो इससे आपको क्या लाभ? पाप न करने से मुझे और क्या लाभ होगा, बजाय इसके कि मैं पाप करूँ?'"

देखें: पदलोप

अथूब 35:3 (#3)

"तू कहता है, 'मुझे इससे क्या लाभ?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने परमेश्वर से पूछा है कि यदि आप पाप नहीं करते तो इससे उन्हें क्या लाभ होता है और पाप न करने से आपको क्या अधिक प्राप्त होता है इसके बजाय कि आप पाप करते हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 35:3 (#4)

"मुझे इससे क्या लाभ?"

एलीहू के इस उद्धरण में, अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं पाप नहीं करता, तो इससे आपको लाभ नहीं होता! पाप न करने से मुझे अधिक लाभ नहीं मिलता जितना कि शायद मुझे पाप करके मिले!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 35:3 (#5)

"मुझे इससे क्या लाभ?"

यहाँ मुझे शब्द एकवचन है क्योंकि एलीहू द्वारा इस उद्धरण में, अथूब सीधे परमेश्वर को संबोधित कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में यह भेद चिह्नित होता है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 35:3 (#6)

"और मुझे पापी होने में"

एलीहू द्वारा इस उद्धरण में, अथूब पापी शब्द का उपयोग पाप करने की क्रिया के संदर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और भी अगर मैंने पाप किया होता "

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 35:4 (#1)**"मैं तुझे और उत्तर देता हूँ"**

एलीहू उत्तर का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह शब्दों के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपको प्रत्युत्तर दूँगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 35:4 (#2)**"मैं"**

जोर देने के लिए, एलीहू सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही अनुवादित क्रिया उत्तर में निहित है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को दिखाने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 35:4 (#3)**"और तेरे साथियों को"**

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं आपके साथ आपके मित्रों को उत्तर दूँगा।"

देखें: पदलोप

अथूब 35:5 (#1)**"आकाश की ओर दृष्टि करके देख"**

शब्द दृष्टि और देख समान अर्थ रखते हैं। एलीहू जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाश को ध्यानपूर्वक देखें"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 35:5 (#2)**"आकाशमण्डल को ताक, जो तुझ से ऊँचा है"**

एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से कह रहे हैं कि परमेश्वर अथूब से भी अधिक ऊँचे हैं, जैसे आकाश और आकाशमण्डल। अगर यह आप के पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बादल आपके ऊपर ऊँचे उड़ते हैं; परमेश्वर उनसे भी महान हैं!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 35:6 (#1)**"यदि तूने पाप किया है तो परमेश्वर का क्या बिगड़ता है?"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप पाप करते हैं, तो आप परमेश्वर के खिलाफ कुछ भी हासिल नहीं करते। यदि आपके अपराध बढ़ते हैं, तो भी आप उनका कुछ नहीं कर पाओगे।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 35:6 (#2)**"यदि तेरे अपराध बहुत ही बढ़ जाएँ"**

एलीहू अथूब के कथित अपराध के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित हो जो अपने आप बढ़ सकती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या यदि आप कई अपराध करते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 35:7 (#1)**"यदि तू धर्मी है तो उसको क्या दे देता है;"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप धार्मिक हैं, तो आप परमेश्वर को कुछ नहीं देते; वह आपके हाथ द्वारा कुछ प्राप्त नहीं करते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 35:7 (#2)

"तेरे हाथ से"

एलीहू अथूब के एक हिस्से, उसके हाथ, का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर को कुछ देने की क्रिया में उनके पूरे अस्तित्व का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे द्वारा"

देखें: उपलक्षण

अथूब 35:8 (#1)

"और" - मनुष्यमात्र के लिये है"

देखें कि आपने [16:21](#) में "मनुष्यमात्र" अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... एक मनुष्य के लिए है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 35:9 (#1)

"बहुत अंधेर होने के कारण"

एलीहू उस संदर्भ में बहुवचन रूप बहुत अंधेर का उपयोग कर रहे हैं, जहाँ एकवचन शब्द "अंधेर" पर्याप्त होता। यह सुझाव देता है कि वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी इसी तरह बहुवचन रूप का उपयोग किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप जोर देने के लिए किसी अन्य तरीके से इसे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्यादा अंधेर के कारण"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 35:9 (#2)

"वे चिल्लाते हैं"

सर्वनाम वे आमतौर पर लोगों को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग न्याय के लिए पुकारते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 35:9 (#3)

"बाहुबल के कारण"

यहाँ, बाहुबल शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है और इस संदर्भ में, यह शब्द संकेत करता है कि बलवान् लोग अपनी शक्ति का उपयोग दूसरों को चोट पहुँचाने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हिंसा के कारण"

देखें: लक्षणांकार

अथूब 35:9 (#4)

"बलवान के"

एलीहू विशेषण बलवान का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शक्तिशाली लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 35:10 (#1)

"तो भी कोई यह नहीं कहता, 'मेरा सृजनेवाला परमेश्वर कहाँ है,'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के अंदर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि परमेश्वर, उनका सिरजनहार कहाँ हैं, जो रात में भी गीत देते हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 35:10 (#2)

"मेरा सृजनेवाला परमेश्वर कहाँ है"

अभिव्यक्ति कहाँ है यह जानने की लालसा को दर्शाती है कि क्या परमेश्वर कार्य करेंगे। उदाहरण के लिए, [2 राजाओं 2:14](#) में, एलीशा पूछते हैं, "एलियाह का परमेश्वर यहीवा कहाँ है?" जब वह यरदन को एलियाह के चबूर से मारते हैं ताकि उसकी जलधारा विभाजित हो जाए और वह नदी के तल पर चलकर उसे पार सकें। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप प्रश्न का अनुवाद एक इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप

में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि मेरे सृष्टिकर्ता परमेश्वर मेरी ओर से कार्य करें"

देखें: मुहावरा

अथूब 35:10 (#3)

"जो रात में भी गीत गवाता है"

यहाँ, रात कठिन परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती है और गीत उस व्यक्ति की खुशी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें परमेश्वर ने छुड़ाया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो कठिन परिस्थितियों से लोगों को छुड़ाते हैं

"

देखें: रूपक

अथूब 35:11 (#1)

"और हमें पृथ्वी के पशुओं से अधिक शिक्षा देता,"

यदि आपने पिछले पद में इस उद्धरण का अनुवाद इस तरह से करने का निर्णय लिया था कि उद्धरण के अंदर उद्धरण न हो, तो आप यहाँ भी ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोगों को पृथ्वी के पशुओं से अधिक सिखाते हैं और उन्हें आकाश के पक्षियों से अधिक बुद्धिमान बनाते हैं।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 35:11 (#2)

"और हमें पृथ्वी के पशुओं से अधिक शिक्षा देता,"

इस उद्धरण में, वक्ता पशुओं और पक्षियों का वर्णन करते हैं जैसे वे जीवित वस्तुएँ हो जिन्हें परमेश्वर सिखा सकते हैं और बुद्धिमान बना सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिन्होंने हमें पृथ्वी के जानवरों और आकाश के पक्षियों से अधिक समझ दी"

देखें: मानवीकरण

अथूब 35:11(#3)

"और हमें... शिक्षा देता" - "बुद्धि देता है"

वक्ता सर्वनाम हमें का उपयोग, लोगों के लिए कर रहे हैं और इस प्रकार स्वयं और अपने श्रोताओं का उल्लेख कर रहे हैं,

इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो उस शब्द का समावेशी रूप उपयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथूब 35:12 (#1)

"वहाँ" (मूल भाषा में इस शब्द का प्रयोग किया गया है, जिसे हिन्दी भाषा में नहीं लिया गया)

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली परेशानियाँ एक स्थान हो, जहाँ वे थे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी परेशानियों में,"

देखें: रूपक

अथूब 35:12 (#2)

"परन्तु कोई उत्तर नहीं देता"

यहाँ कोई शब्द किसी चीज़ की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह उत्तर नहीं देते, क्योंकि उन दुष्ट लोगों में घमंड है" या "लेकिन वह उत्तर नहीं देते, क्योंकि वे दुष्ट लोग इतने घमंडी हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 35:12 (#3)

"बुरे लोग"

एलीहू विशेषण बुरे का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शा सकें। यू. एल. टी. इसको दिखाने के लिए लोग शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी प्रकार किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 35:13(#1)

"परमेश्वर व्यर्थ बाते कभी नहीं सुनता"

यदि आपकी भाषा में व्यर्थ के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से

व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ **व्यर्थ** शब्द परमेश्वर से सहायता के लिए एक निष्ठाहीन पुकार का वर्णन करता है। परमेश्वर से सहायता मांगने वाले व्यक्ति ने उन पापों से पश्चाताप नहीं किया है, जिन्होंने उसे मुसीबत में डाला है; वह अभी भी "दुष्ट" कार्य कर रहा है, जैसा कि पद 12 में संकेत मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सहायता के लिए निष्ठाहीन प्रार्थना नहीं सुनते।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 35:13

"परमेश्वर व्यर्थ बातें कभी नहीं सुनता"

एलीहू "सुनता" शब्द का उपयोग एक विशेष रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है "उत्तर देना"। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सहायता के लिए निष्ठाहीन प्रार्थना का उत्तर नहीं देंगे।"

देखें: मुहावरा

अथूब 35:13(#3)

"और न सर्वशक्तिमान उन पर चित्त लगाता है"

इस संदर्भ में, शब्द **चित्त लगाता है** का अर्थ "उत्तर" भी हो सकता है। एलीहू अपनी बात पर जोर देने के लिए सुनने और देखने, दोनों का उपयोग समानांतर कथनों में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। (आप इस पद के दोनों भागों को एक ही कथन में जोड़ सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. करता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, सर्वशक्तिमान ऐसी प्रार्थना का उत्तर नहीं देंगे।"

देखें: समानांतरता

अथूब 35:14(#1)

"तो तू क्यों कहता है"

मूल भाषा में "यह कितना कम है कि तू कहता है" का प्रयोग किया गया है जिसका अर्थ है की उन्हें परमेश्वर से उनकी प्रार्थनाओं का कम उत्तर मिलता है।

एलीहू कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इन शब्दों की पूर्ति सन्दर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह देखते हुए कि परमेश्वर आपकी प्रार्थनाओं का कितना कम उत्तर देंगे।"

देखें: पदलोप

अथूब 35:14 (#2)

"तू क्यों कहता है, कि वह मुझे दर्शन नहीं देता,"

आपकी भाषा में यहाँ प्रत्यक्ष उद्धरण होना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप कहते हैं, 'मैं उन्हें नहीं देखता; मामला उनके सम्मुख है और मैं उनकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

Job 35:14 (#3)

"यह मुकद्दमा उसके सामने है"

इस संदर्भ में, वाक्यांश **उसके सामने** का अर्थ है "उसके सम्मुख।" यह संभवतः उन लिखित दस्तावेजों का संदर्भ है जो इस संस्कृति के लोग कानूनी कार्यवाही के लिए तैयार करते थे, जैसा कि 31:35 में चर्चा की गई है। अथूब कह रहे होंगे कि उनकी गवाही "परमेश्वर के सामने" थी, अर्थात् उन्होंने इसे परमेश्वर के पढ़ने के लिए प्रस्तुत किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने अपना मामला उनके सामने प्रस्तुत किया है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 35:15 (#1)

"परन्तु अभी तो उसने क्रोध करके दण्ड नहीं दिया है,"

यदि आपने पिछले पद में इस अप्रत्यक्ष उद्धरण की शुरुआत को प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद करने का निर्णय लिया था, तो आप यहाँ अप्रत्यक्ष उद्धरण की निरंतरता को भी प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और साथ ही, 'अपने क्रोध में, वह नहीं आते, और वह अपराध पर अधिक ध्यान नहीं देते।'"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 35:15 (#2)

"नहीं दिया है"

जैसा कि अथूब ने 31:14 में किया था, यहाँ एलीहू **दिया** शब्द का एक विशेष अर्थ में उपयोग कर रहे हैं। जब इसे परमेश्वर पर लागू किया जाता है, तो यह शब्द अक्सर इंगित करता है कि परमेश्वर किसी व्यक्ति या समूह के जीवन में कार्रवाई

करते हैं, चाहे वह जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हो या दोषी लोगों को दण्डित करना हो। यहाँ इसका अर्थ, बाद वाला वाक्यांश है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन लोगों को दण्डित नहीं करते जो पाप करने के दोषी हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 35:16 (#1)

"इस कारण अथूब ... मुँह खोलकर"

एलीहू बोलने की प्रक्रिया के पहले भाग, मुँह खोलकर, का उपयोग बोलने की पूरी प्रक्रिया के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब अथूब बोलते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 35:16(#2)

"अज्ञानता की"

यदि आपकी भाषा में **अज्ञानता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, जैसे कि यू.स.टी में: "बिना यह जाने कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 35:16 (#3)

"बातें बहुत बनाता है"

एलीहू **बातें** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि अथूब ने शब्दों का उपयोग करके क्या कहा है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बहुत सारी बातें कहता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब - अध्याय 36 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय एलीहू के भाषण की निरन्तरता है। इस अध्याय में, एलीहू मुख्य रूप से अथूब से बात कर रहे हैं, हालांकि अन्य लोग भी उपस्थित हैं और सुन रहे हैं।

- पद 1-21: एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर पीड़ा का उपयोग लोगों को चेतावनी देने और सुधारने के लिए करते हैं।
- पद 22-23: एलीहू यह वर्णन करते हैं कि परमेश्वर कितने महान हैं, एक तूफान का उपयोग करते हुए जो इकट्ठा हो रहा है और परमेश्वर की महान सामर्थ्य का वर्णन करने के लिए आ रहा है।

अनफोल्डिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

पद 17-21 को समझने की जटिलता

पद 17-21 को समझना बहुत कठिन है। बाइबल के विद्वानों ने प्रत्येक पद में एलीहू के कहे की विभिन्न व्याख्याएँ दी हैं। बाइबल के प्रकाशित संस्करण इस सामग्री के अनुवाद में एक-दूसरे से काफी भिन्न होते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन इन पदों का एक सुसंगत और तर्कसंगत अनुवाद प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। लेकिन यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद मौजूद है, तो आप पाएँगे कि यह कई स्थानों पर अनफोल्डिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन से भिन्न है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद है, तो आप उसके पाठों का उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन के पाठों का अनुसरण कर सकते हैं।

बहुवचन "तू" और "तेरे"

इस अध्याय में सर्वनाम "तू" और "तेरे" और क्रियाओं में निहित "तू" एकवचन हैं क्योंकि एलीहू अथूब को सम्बोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "तू" के बीच भेद होता है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूपों का उपयोग करें।

"सुनने" का अर्थ "आज्ञा का पालन करना" है

पद 10, 11, और 12 में, एलीहू "सुनने" शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ में "आज्ञा का पालन" के रूप में करते हैं। आप अपने अनुवाद में प्रत्येक उदाहरण में "आज्ञा मानो" शब्द का उपयोग कर सकते हैं।

अथूब 36:1 (#1)

"फिर एलीहू ने यह भी कहा,"

यह वाक्य दो शब्दों को **फिर** के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द **यह भी** यह बताता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ कहा। विशेष रूप से, व्यक्ति ने जो पहले ही कहा था, उसमें और कुछ जोड़ने के लिए ऐसा कहा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समान वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जिसमें "फिर" का उपयोग नहीं किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "तब एलीहू ने आगे कहा"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 36:2 (#1)

"ठहरा रह" - "और मैं तुझको समझाऊँगा"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, शब्द **तुझको** और आज्ञार्थक **ठहरा रह** में निहित "तू" शब्द यहाँ एकवचन है क्योंकि इस अध्याय में, एलीहू सीधे अथूब को संबोधित कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर होता है, तो यहाँ और पूरे अध्याय में अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 36:2 (#2)

"और मैं तुझको समझाऊँगा"

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों की पूर्ति संदर्भ से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं तुम्हें दिखाऊँगा कि परमेश्वर ने तुम्हें अनुचित रूप से दण्डित नहीं किया है"

देखें: पदलोप

अथूब 36:2 (#3)

"क्योंकि परमेश्वर के पक्ष में मुझे कुछ और भी कहना है"

एलीहू **कुछ और भी कहना** का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह आगे क्या कहना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की ओर से कहने के लिए और भी बातें हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 36:3 (#1)

"मैं अपने ज्ञान की बात दूर से ले आऊँगा"

एलीहू उन स्थानों का वर्णन कर रहे हैं जो इस दृष्टिकोण से **दूर** हैं कि किसी व्यक्ति को उन स्थानों से आने के लिए कितनी दूर यात्रा करनी होगी। यही कारण है कि वह उन स्थानों को **दूर से होने** के रूप में बोलते हैं और इसलिए वह उन स्थानों पर जाने को **दूर से जाने** के रूप में बोलते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने ज्ञान को दूर-दूर के स्थानों तक ले जाऊँगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 36:3 (#2)

"मैं अपने ज्ञान की बात दूर से ले आऊँगा"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका **ज्ञान** कोई वस्तु हो जिसे वह सचमुच दूर स्थानों तक ले जा सकते हैं। आपकी भाषा में भी ऐसी कोई समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपने विषय का व्यापक ज्ञान दिखाऊँगा" या "मैं व्यापक ज्ञान के साथ बोलूँगा"

देखें: रूपक

अथूब 36:3 (#3)

"मैं अपने ज्ञान की बात दूर से ले आऊँगा"

यदि आपकी भाषा में **ज्ञान** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दिखाऊँगा कि मुझे कई बातों का गहन ज्ञान है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:3 (#4)

"और अपने सृजनहार को धर्मी ठहराऊँगा"

यदि आपकी भाषा में **धर्मी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं दिखाऊँगा कि मेरे सृष्टिकर्ता धर्मी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:3 (#5)**"और" - "अपने सृजनहार को"**

अपने सृजनहार द्वारा, एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर का उल्लेख करते हैं, जिन्होंने उन्हें बनाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... परमेश्वर को, जिन्होंने मुझे बनाया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:4 (#1)**"मेरी बातें"**

एलीहू बातें का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह शब्दों का उपयोग करके क्या कहने वाले हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो कहता हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 36:4 (#2)**"वह जो {तेरे} संग है वह पूरा ज्ञानी है"**

एलीहू विशेषण वाक्यांश पूरा ज्ञानी का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण वाक्यांशों का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे एक समकक्ष वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई ऐसा व्यक्ति आपके साथ है जिसे पूर्ण ज्ञान है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 36:4 (#3)**"वह जो {तेरे} संग है वह पूरा ज्ञानी है"**

एलीहू यहाँ जोर देने के लिए अतिशयोक्ति के रूप में पूरा कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास बहुत व्यापक ज्ञान है, आपके साथ है"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 36:4 (#4)**"वह जो तेरे संग है वह पूरा ज्ञानी है"**

एलीहू अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, जिसके पास अत्यधिक व्यापक ज्ञान है, आपके साथ हूँ।"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 36:5 (#1)**"और किसी को तुच्छ नहीं जानता"**

एलीहू कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। वह संभवतः [10:3](#) में अथूब द्वारा परमेश्वर से कही गई बात का जवाब दे रहे हैं, "क्या तुझे ... अपने हाथों के बनाए हुए को निकम्मा जानना भला लगता है?" यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को संदर्भ से, विशेष रूप से पद 2 से, जोड़ सकते हैं, जहाँ एलीहू परमेश्वर को अपने "सृजनहार" के रूप में संदर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन लोगों में से किसी को भी तुच्छ नहीं समझते जिन्हें उन्होंने बनाया है"

देखें: पदलोप

अथूब 36:5 (#2)**"सामर्थी"- "शक्ति में समर्थ"**

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसलिए भी पराक्रमी है क्योंकि उनका मन मजबूत है"

देखें: पदलोप

अथूब 36:5 (#3)**"समझने की शक्ति में समर्थ है"**

यहाँ समझने की शक्ति मन या समझ का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पराक्रमी भी है क्योंकि उनके पास महान समझ है।"

देखें: रूपक

अथूब 36:6 (#1)**"वह दुष्टों को जिलाए नहीं रखता"**

एलीहू एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके एक सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं, जो उनके इरादे के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह दुष्टों को मारकर दण्डित करते हैं"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

अथूब 36:6 (#2)**"दुष्टों" - "दीनों"**

एलीहू विशेषण **दुष्टों** और **दीनों** को संज्ञा के रूप में कुछ प्रकार के लोगों के लिए उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का समकक्ष वाक्यांशों के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग ... निम्न लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 36:6 (#3)**"और दीनों को उनका हक देता है"**

यदि आपकी भाषा में **हक** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह सुनिश्चित करते हैं कि अन्य लोग निम्न लोगों के साथ निष्पक्षता से व्यवहार करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:6 (#4)**"दीनों"**

देखें कि आपने **दीनों** शब्द का [29:12](#) में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 36:7 (#1)**"वह धर्मियों से अपनी आँखें नहीं फेरता"**

एलीहू एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं, साथ ही एसे शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो उनके इरादे के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह धर्मियों पर अपनी नज़र रखते हैं"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

अथूब 36:7 (#2)**"वह धर्मियों से अपनी आँखें नहीं फेरता"**

एलीहू परमेश्वर के एक हिस्से, उनकी **आँखें**, का उपयोग करके धर्मी लोगों पर नज़र रखने के कार्य में उनके सभी पहलुओं का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लगातार धर्मियों पर नज़र रखते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 36:7 (#3)**"धर्मियों से"**

एलीहू विशेषण **धर्मियों** से का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह विशेषणों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति से जो धार्मिक है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 36:7 (#4)**"धर्मियों से"**

एलीहू किसी विशेष धर्मी व्यक्ति का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य रूप से धर्मी लोगों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है, खासकर तब जब एलीहू इस पद के शेष भाग में बहुवचन रूपों का उपयोग करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक लोगों से"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 36:7 (#5)

"वरन् उनको राजाओं के संग सदा के लिये सिंहासन पर बैठता है"

एलीहू इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच धार्मिक लोगों को राजाओं के साथ सिंहासन पर बैठाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह उन्हें शक्ति और प्रभाव का पद देते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:7 (#6)

"और वे ऊँचे पद को प्राप्त करते हैं"

एलीहू यह कह रहे हैं कि धार्मिक लोग सचमुच ऊँचे पद को प्राप्त करते हैं जब परमेश्वर उनकी मदद करते हैं। वह उस सम्मान की बात कर रहे हैं जिसमें अन्य लोग उन्हें रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अन्य लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:8 (#1)

"“और चाहे {वे} बेड़ियों में जकड़े जाएँ”

वाक्यांश बेड़ियों में जकड़े का अर्थ हो सकता है: (1) वही बात जो दुःख की रस्सियों से बाँधे जाने के समान है। एलीहू शायद इन वाक्यांशों द्वारा व्यक्त किए गए विचार पर जोर देने के लिए दोहराव का उपयोग कर रहा हो। उस स्थिति में, वह दोनों वाक्यांशों में ऐसे बोल रहे होंगे जैसे धार्मिक लोग सचमुच जकड़े या बाँधे हो, यह कहने के लिए कि वे कष्ट से पीड़ित थे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वे कष्ट की जंजीरों में बंधे हैं; हाँ, यदि वे कष्ट के बंधनों में फँसे हैं" (2) वास्तविक बेड़ियों में बंधे होना। इसका मतलब होगा कि जो लोग पहले धार्मिक थे, उन्होंने दुर्भाग्यवश कुछ अपराध किया था और उन्हें कारावास की सजा दी गई थी। उस स्थिति में एलीहू पहले भाग में बेड़ियों का उपयोग वास्तविक शारीरिक संयम के लिए और पद के दूसरे भाग में रस्सियों का उपयोग दुःखों को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन यदि वे किसी अपराध के लिए बंदीगृह में हैं या यदि वे कष्ट से पीड़ित हैं"

देखें: समानांतरता

अथ्यूब 36:8 (#2)

"“वे बेड़ियों में जकड़े जाएँ”

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जंजीरे उन्हें जकड़ रही हैं और दुःख की रस्सियाँ उन्हें जकड़ रही हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथ्यूब 36:9 (#1)

"उनके काम, और उनका यह अपराध"

यह वाक्य दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द **अपराध** बताता है कि इन लोगों ने किस प्रकार के **काम** किए। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके दुष्ट कर्म"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथ्यूब 36:9 (#2)

"कि उन्होंने गर्व किया है"

एलीहू इन लोगों द्वारा किए गए काम के अपराध का कारण बताने के लिए **कि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन्होंने किया क्योंकि वे गर्वित हो गए थे"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 36:10 (#1)

"वह उनके कान शिक्षा सुनने के लिये खोलता है,"

एलीहू इन धर्मी लोगों के एक हिस्से का उपयोग कर रहे हैं, जिन्होंने दुर्भाग्य से पाप किया है, उनके **कान**, उन सभी को सुनने की क्रिया में शामिल करने के लिए। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन्हें सुधार सुनने में सक्षम बनाता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 36:10 (#2)**"वह उनके कान शिक्षा सुनने के लिये खोलता है"**

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, इस संदर्भ में, सुनने का अर्थ है आज्ञापालन करना। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन्हें सुधार का पालन करने में सक्षम बनाता है"

देखें: मुहावरा

अथूब 36:10 (#3)**"वह उनके कान शिक्षा सुनने के लिये खोलता है"**

यदि आपकी भाषा में **शिक्षा सुनने** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब वह उन्हें सुधारता है, तो उन्हें आज्ञा मानने में सक्षम बनाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:10 (#4)**"उनके कान"**

यदि आप अपने अनुवाद में पूरे व्यक्ति के लिए **कान शब्द** का उपयोग बनाए रखते हैं, क्योंकि एलीहू कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, तो आपकी भाषा में **कान** के बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके कान"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:10 (#5)**"और आज्ञा देता है कि वे बुराई से दूर रहें"**

आपकी भाषा में यहाँ प्रत्यक्ष उद्धरण रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहते हैं, 'तुम अधर्म से लौटोगे!'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

अथूब 36:10 (#6)**"और कहते हैं कि वे पाप से लौट आएंगे"**

एलीहू के इस उद्धरण में, परमेश्वर भविष्य के कथन का उपयोग एक आदेश देने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी

भाषा में उपयोगी हो, तो आप इन शब्दों का अनुवाद आदेश के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहते हैं, 'आपको अधर्म से लौटना होगा!'"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

अथूब 36:10 (#7)**"और आज्ञा देता है कि वे बुराई से दूर रहें"**

एलीहू के इस उद्धरण में, परमेश्वर ऐसे बोल रहे हैं जैसे **बुराई** एक स्थान हो जहाँ से अवज्ञाकारी लोगों को **दूर** लौटना पड़ता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहता है, 'तुम्हें अधर्म करना बंद कर देना चाहिए!'"

देखें: रूपक

अथूब 36:10 (#8)**"और आज्ञा देता है कि वे बुराई से दूर रहें"**

यदि आपकी भाषा में **बुराई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और कहता है, 'आपको अधार्मिक कार्य करना बंद करना होगा!'"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:11 (#1)**"यदि वे सुनकर"**

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, एलीहू **शब्द सुनकर** का उपयोग "आज्ञापालन" के विशिष्ट अर्थ में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप यहाँ और अगले दो पदों में इसका अर्थ स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आज्ञापालन करते हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 36:11 (#2)**"तो वे अपने दिन कल्याण से" - "पूरे करते हैं"**

एलीहू विशिष्ट समय का उल्लेख करने के लिए **दिन** और **वर्ष** शब्दों का उपयोग कर रहे हैं, जो इन पश्चातापी लोगों के जीवनकाल हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे

अपना जीवन अच्छे से पूरा करेंगे; हाँ, उनके जीवन के बाकी समय में सुख-चैन बना रहेगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 36:11 (#3)

"अपने दिन कल्याण से"- "पूरे करते हैं"

यदि आपकी भाषा में **सुख** और **कल्याण** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अच्छी वस्तुओं का आनंद लेंगे और अपने जीवन के बाकी समय सुखद परिस्थितियों में रहेंगे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:12 (#1)

"तो वे तलवार से नाश हो जाते हैं"

देखें कि आपने [33:18](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उन्हें हथियार से मार डालेगा"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 36:12 (#2)

"नाश हो जाते हैं"

एलीहू शब्द **नाश** का उपयोग "मरने" के अर्थ में कर रहे हैं। यह मृत्यु का उल्लेख करने का एक सौम्य तरीका है। आपकी भाषा में ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे गुज़र जाएँगे" या "और वे मर जाएँगे"

देखें: मंगल भाषण

अथूब 36:12 (#3)

"अज्ञानता में"

यदि आपकी भाषा में **अज्ञानता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने ऐसा व्यवहार किया मानो वे नहीं जानते कि परमेश्वर उनसे किस तरह का जीवन चाहता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:13 (#1)

"परन्तु वे जो मन ही मन भक्तिहीन"

एलीहू विशेषण वाक्यांश मन ही मन भक्तिहीन का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी इसी तरह विशेषण वाक्यांशों का इस्तेमाल हो सकता है। अगर नहीं, तो आप इसका अनुवाद किसी समान वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो लोग अपने दिलों में भक्तिहीन हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 36:13 (#2)

"मन ही मन भक्तिहीन"

यहाँ **मन** व्यक्ति के चरित्र को दर्शाता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ऐसे लोग जिनका चरित्र भक्तिहीन है" या "और नास्तिक चरित्र वाले लोग"

देखें: रूपक

अथूब 36:13 (#3)

"क्रोध बढ़ाते"

अंग्रेजी अनुवाद में इसे नाक से दर्शाया गया है। एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि क्रोध, जिसे यहाँ शरीर के एक अंग, **नाक** द्वारा दर्शाया गया है, एक ऐसी वस्तु है जिसे लोग रख सकते हैं। आई.आर.वी. संस्करण में इसे इस क्रोध को बढ़ाते हुए दिखाया गया है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से क्रोधित रहना"

देखें: रूपक

अथूब 36:13 (#4)

"वह उनको बाँधता है"

एलीहू ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच में अवज्ञाकारी लोगों को बाँधते हैं। वे पद 8 में उपयोग की गई उसी छवि का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर उन्हें सुधारने के लिए कष्ट देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट

हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उन्हें कष्ट देते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 36:14 (#1)

"वे जीवनी में मर जाते हैं"

आपको यह अधिक स्वाभाविक लगेगा कि इन अवज्ञाकारी लोगों के जीवन के दौरान क्या होता है, इस बारे में जानकारी को उनके मरने के समय की जानकारी से पहले रखा जाए। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पंथी वेश्याओं के बीच रहते हैं और वे कम उम्र में मर जाते हैं।"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 36:14 (#2)

"वे जीवनी में मर जाते हैं"

एलीहू इन अवज्ञाकारी लोगों के एक हिस्से, उनके प्राण का उपयोग उन सभी की मृत्यु के कार्य में सम्मिलित होने की क्रिया को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे युवावस्था में ही मर जाते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 36:14 (#3)

"मर जाते हैं"

कई अन्य अनुवादों में जीवन के लिए प्राण शब्द का इस्तेमाल हुआ है। यदि आप अपने अनुवाद में पूरे व्यक्ति के लिए प्राण शब्द का उपयोग जारी रखते हैं, क्योंकि एलीहू कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, तो आपकी भाषा में प्राण के बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके प्राण समाप्त हो जाते हैं"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:14 (#4)

"जीवनी में"

यदि आपकी भाषा में जीवनी के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे अभी भी युवावस्था में हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:14 (#5)

"और उनका जीवन लुच्चों के बीच में नाश होता है"

एलीहू इन लोगों के जीवन का उपयोग उन सभी के जीवन जीने के तरीके के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे पंथी वेश्याओं के बीच में रहते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 36:14 (#6)

"और उनका जीवन लुच्चों के बीच में नाश होता है"

एलीहू का तात्पर्य स्पष्ट रूप से यह है कि ये अवज्ञाकारी लोग लुच्चों (पंथिक वेश्याओं) के रूप में अपना जीवनयापन करने के लिए विवश हो गए हैं, अर्थात्, वे लोग जो धार्मिक अनुष्ठानों के संबंध में यौन क्रियाएँ करते हैं। (आपकी भाषा में इस प्रकार की गतिविधि के लिए एक विवेकपूर्ण अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। यूएसटी ऐसा करने का एक तरीका बताता है।) वैकल्पिक अनुवाद: "और वे पंथिक वेश्याओं के रूप में जीवनयापन करने के लिए विवश हो जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:15 (#1)

"वह दुःखियों को उनके दुःख से छुड़ाता है"

यदि आपकी भाषा में दुःख के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी व्यक्ति को मुक्ति दिलाने के लिए उन बातों का उपयोग करते हैं, जो उसे कष्ट पहुँचाती हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:15 (#2)

"दुःखियों को"

एलीहू एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण दुःखियों का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक

समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पीड़ित व्यक्ति" या "कोई जो पीड़ित से ग्रस्त है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 36:15 (#3)

"और उपद्रव में उनका कान खोलता है"

यदि आपकी भाषा उपद्रव के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""और वह लोगों के कान खोलने के लिए उन बातों का उपयोग करते हैं जो लोगों को उत्तीर्णित करती हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:15 (#4)

"उनका कान खोलता है"

देखें कि आपने [36:10](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उन्हें आज्ञापालन के लिए प्रेरित करते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 36:15 (#5)

"उनका कान"

यदि आप अपने अनुवाद में पूरे व्यक्ति के लिए कान शब्द का उपयोग बनाए रखते हैं, क्योंकि एलीहू कई लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, तो आपकी भाषा में कान के बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके कान"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:16 (#1)

"वह तुझको"- "से निकालकर" - "जहाँ सकेती नहीं"

एलीहू भूतकाल का प्रयोग किसी ऐसी बात को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं जिसके बारे में उनका मानना है कि परमेश्वर वैसा करते यदि अथूब ने पश्चाताप किया होता (यदि अथूब वास्तव में पाप का दोषी होता)। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आपको खींच लेते ... वह भर देते"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

अथूब 36:16 (#2)

"वह तुझको भी क्लेश के मुँह में से निकालकर"

एलीहू क्लेश के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित प्राणी हो जिसने अथूब को अपने मुँह में पकड़ लिया हो और उसे निगलने वाला हो। आपकी भाषा में भी ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आपको कष्ट के जबड़ों से छुड़ा लेते और आपको लाते" या "वह आपको उस कष्ट से बचा लेते जिसमें आप थे और आपको लाते"

देखें: मानवीकरण

अथूब 36:16 (#3)

"ऐसे चौड़े स्थान में जहाँ सकेती नहीं है, पहुँचा देता है"

ये दोनों अभिव्यक्तियाँ एक ही बात का अर्थ रखती हैं। एलीहू इन्हें जोर देने के लिए एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ऐसी जगह जहाँ आपके पास बहुत स्थान हो" या "एक ऐसी जगह जहाँ आपके पास बहुत स्थान होता है"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 36:16 (#4)

"से चौड़े स्थान में जहाँ सकेती नहीं है, पहुँचा देता है"

एलीहू ऐसा बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच में अथूब को एक चौड़े स्थान पर लाया हो, जैसा कि अथूब ने [29:7](#) में उल्लेख किया था। एलीहू का मतलब है कि परमेश्वर अथूब को जीवन में ऐसी स्थिति में लाया, जहाँ उसके पास कई अवसर और उन्हें प्राप्त करने के साधन थे। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी स्थिति में जहाँ आपके पास कई अवसर और उन्हें प्राप्त करने के साधन हों"

देखें: रूपक

अथूब 36:16 (#5)

"जहाँ सकेती नहीं है"

एलीहू इस स्थान का वर्णन करने के लिए सकेती नहीं है अभिव्यक्ति का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह

उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वहाँ कोई सकेती नहीं है" या "जहाँ कोई कसावट नहीं है"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 36:16 (#6)

"और चिकना-चिकना भोजन तेरी मेज पर परोसता है"

एलीहू, अथ्यूब की मेज की व्यवस्था के बारे में बात कर रहे हैं, अर्थात् उनकी मेज पर भोजन, जैसे कि यह एक बरतन है जिसे परमेश्वर ने चिकना-चिकना भोजन से भर दिया है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने तुम्हें खाने के लिए बहुत सारा स्वादिष्ट भोजन दिया है" या "उन्होंने आपको बहुत समृद्ध भोजन खाने के लिए दिया होता"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:17 (#1)

"परन्तु तूने दुष्टों का सा निर्णय किया है"

जोर देने के लिए, एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे अथ्यूब एक बरतन हो जो निर्णय से भरा हुआ हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप जोर देने को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। एलीहू का मतलब हो सकता है: (1) कि अथ्यूब उन भक्तिहीन लोगों की तरह हैं जिनका उन्होंने पद 13 में वर्णन किया, जो परमेश्वर से नाराज रहते हैं, क्योंकि उन्हें लागता है कि परमेश्वर उन्हें अनुचित तरीके से सज़ा दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन तुम परमेश्वर का बहुत अनुचित तरीके से निर्णय कर रहे हो, जैसा कि दुष्ट लोग करते हैं" (2) कि अथ्यूब अपने खिलाफ परमेश्वर के न्याय के परिणामों का अनुभव कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन परमेश्वर तुम्हारा कठोर न्याय कर रहे हैं, जैसा कि वह दुष्टों का न्याय करते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:17 (#2)

"दुष्टों"

एलीहू विशेषण दुष्टों का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्तिकों के दर्शने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषणों का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समानार्थी वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथ्यूब 36:17 (#3)

"निर्णय और न्याय तुझ से लिपटे रहते हैं"

शब्द निर्णय और न्याय समान अर्थ रखते हैं। एलीहू जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप इस जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कठोर न्याय प्रभावी होता है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथ्यूब 36:17 (#4)

"निर्णय और न्याय तुझ से लिपटे रहते हैं"

एलीहू निर्णय और न्याय के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जो किसी व्यक्ति या वस्तु से लिपटे हुए हैं। उनका मतलब हो सकता है: (1) कि परमेश्वर अथ्यूब को दण्डित करके उनके खिलाफ निर्णय कर रहे हैं। उस स्थिति में, एलीहू निर्णय का उपयोग एक अलग अर्थ में कर रहे होंगे, जैसा कि उन्होंने पद के पहले भाग में किया था, जिसका अर्थ है परमेश्वर का अथ्यूब के प्रति निर्णय न कि अथ्यूब का परमेश्वर के प्रति निर्णय। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपको दण्डित करके सख्ती से न्याय कर रहे हैं" (2) कि निर्णय और न्याय एक-दूसरे से लिपटे हुए हैं, जिसका अर्थ है कि वे मिलकर यह दिखाने के लिए काम करते हैं कि अथ्यूब दोषी है। वैकल्पिक अनुवाद: "न्यायपूर्ण निर्णय यह है कि आप दोषी हैं"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 36:18 (#1)

"देख, तू जलजलाहट से भर के ठट्ठा मत कर"

एलीहू कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि क्रोध है, इसलिए सावधान रहें कि यह आपको न बहकाए" या "क्योंकि आप क्रोधित हैं, इसलिए सावधान रहें कि आपका क्रोध आपको न बहकाए"

देखें: पदलोप

अथूब 36:18 (#2)**"ठट्ठा मत कर"**

एलीहू इस संस्कृति में उपहास व्यक्त करने के लिए ठट्ठा का उपयोग कर रहे हैं, क्योंकि इस संस्कृति के लोग ठट्ठा व्यक्त करने के लिए अपने हाथों से ताली बजाते थे, जैसा कि 27:23 और 34:37 में संकेत मिलता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का उपहास करना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 36:18 (#3)**"और न घूस को अधिक बड़ा जानकर मार्ग से मुड़"**

आपकी भाषा में यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए स्वामित्व रूप के अलावा किसी अन्य रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी फिरौती, चाहे कितनी भी बड़ी हो, आपको मुक्त नहीं कर सकती"

देखें: स्वामित्व

अथूब 36:19 (#1)**"क्या तेरा रोना या तेरा बल तुझे दुःख से छुटकारा देगा?"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपके धन का सम्मान नहीं करेंगे!" या "परमेश्वर आपके रुपये-पैसे को इतना नहीं चाहेंगे कि वे रिश्वत स्वीकार कर लें और आपको दण्डित न करें।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 36:19 (#2)**"क्या तेरा रोना या तेरा बल तुझे दुःख से छुटकारा देगा"**

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इन शब्दों को संदर्भ से दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं, परमेश्वर सोने या धन की सभी शक्तियों का सम्मान नहीं करेंगे!"

देखें: पदलोप

अथूब 36:19 (#3)**"तेरा बल"**

इस पद में बल का संबंध सम्पत्ति से है। एलीहू सम्पत्ति के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित प्राणी हो जिसमें बल हो। वह बल के विचार का उपयोग धन की मात्रा या परिमाण को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या किसी भी अन्य प्रकार का धन, चाहे वह कितना भी क्यों न हो"

देखें: मानवीकरण

अथूब 36:20 (#1)**"रात्रि"**

संभवतः एलीहू रात की छवि का उपयोग मृत्यु का अर्थ देने के लिए कर रहे हैं, जैसे बिल्दद ने "अंधकार" का उपयोग मृत्यु का अर्थ देने के लिए 18:18 में किया था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु" या "मरना"

देखें: रूपक

अथूब 36:20 (#2)**"जिसमें देश-देश के लोग अपने-अपने स्थान से मिटाएँ जाते हैं"**

अपने-अपने स्थान से, एलीहू का तात्पर्य इस पृथ्वी से है। यह अथूब के लिए एक अप्रत्यक्ष चेतावनी हो सकती है कि जब वह मरेंगे, तो उनके पास वह अवसर नहीं होगा जो इस पृथ्वी पर लोगों के पास मन फिराने और परमेश्वर से मेल-मिलाय करने का होता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जब लोग मरते हैं, तो वे इस पृथ्वी को छोड़ देते हैं और उनके पास मन फिराने का कोई और अवसर नहीं होता।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 36:21 (#1)**"अनर्थ काम की ओर मत फिर"**

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे अनर्थ काम एक विशेष दिशा में हो और अथूब सचमुच उस दिशा की ओर फिर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप नहीं करें"

देखें: रूपक

अथूब 36:21 (#2)**"दुःख से अधिक"**

एलीहू दुःख शब्द का उपयोग परमेश्वर की सुधार प्रक्रिया के संदर्भ में कर रहे हैं। (एलीहू ने पद 8-10 और 15 में कहा कि परमेश्वर लोगों को सुधारने के लिए कष्ट का उपयोग करते हैं।) यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा कष्ट के माध्यम से लाए गए सुधार को स्वीकार करने के बजाय"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 36:22 (#1)**"देख, परमेश्वर अपने सामर्थ्य से बड़े-बड़े काम करता है"**

इसका अर्थ यह हो सकता है, वाक्य के बाकी हिस्से के अर्थ के आधार पर: (1) कि एलीहू एक इकट्ठा होते तृफान का वर्णन शुरू कर रहे हैं और वह उपस्थित अन्य लोगों का ध्यान उन बादलों की ओर आकर्षित कर रहे हैं जो आकाश में बन रहे हैं। उस स्थिति में, एलीहू का देख शब्द का अर्थ शाब्दिक अर्थ होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "देखो, परमेश्वर अपनी शक्ति में महान है!" (2) कि जबकि एलीहू तृफान का उपयोग परमेश्वर की शक्ति को दर्शाने के लिए करने जा रहे हैं, यहाँ वह दूसरों से पूछ रहे हैं कि वे विचार करें कि परमेश्वर की शक्ति कितनी महान है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस पर विचार करें: परमेश्वर अपनी शक्ति में महान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:22 (#2)**"देख, परमेश्वर अपने सामर्थ्य से बड़े-बड़े काम करता है"**

एलीहू का तात्पर्य: (1) कि परमेश्वर बड़े-बड़े काम करते हैं, विशेष रूप से इस मापले में तृफानी बादल और यह उनकी सामर्थ्य को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "देखिए कि परमेश्वर अपनी शक्ति में कितने ऊँचे बादल बना रहे हैं!" (2) कि परमेश्वर ने स्वयं को ऊँचा किया है, अर्थात्, परमेश्वर ने स्वयं को महान बनाया है। वैकल्पिक अनुवाद: "विचार करें कि परमेश्वर ने स्वयं को कितना महान दिखाया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:22 (#3)**"उसके समान शिक्षक कौन है?"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न-रूप का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी उनके जैसा शिक्षक नहीं है!" या "वह हमें कुछ ऐसा सिखाने वाले हैं जो कोई और नहीं सिखा सकता।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 36:23 (#1)**"किसने उसके चलने का मार्ग ठहराया है?"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप प्रश्नों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने उनके लिए उनका मार्ग निर्धारित नहीं किया है! और किसी ने भी उनसे नहीं कहा, 'तूने अधर्म किया है'!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 36:23 (#2)**"किसने उसके चलने का मार्ग ठहराया है?"**

एलीहू इस बारे में बात कर रहे हैं कि कोई व्यक्ति अपने आप को कैसे संचालित करता है, जैसे कि वह एक मार्ग या पथ हो जिस पर वह व्यक्ति चल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसने उन्हें बताया कि कैसे जीना है" या "किसी ने उन्हें नहीं बताया कि कैसे जीना है!"

देखें: रूपक

अथूब 36:23 (#3)**"और कौन उससे कह सकता है, 'तूने अनुचित काम किया है'?"**

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "या किसने उन्हें बताया है कि उन्होंने अधर्म किया है" या "और किसी ने उन्हें नहीं बताया कि उन्होंने अधर्म किया है!"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 36:23 (#4)

"और कौन उससे कह सकता है, 'तूने अनुचित काम किया है?'"

यदि आपकी भाषा में **अनुचित काम** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या किसने उन्हें बताया है कि उन्होंने जो किया वह सही नहीं है" या "और किसी ने उन्हें नहीं बताया कि उन्होंने जो किया वह सही नहीं है!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 36:24 (#1)

"स्मरण रख"

एलीहू "स्मरण रख" शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ में कर रहे हैं जिसका अर्थ "सुनिश्चित करना" है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिश्चित करें"

देखें: मुहावरा

अथूब 36:24 (#2)

"मनुष्य"

यहाँ पर **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है, जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 36:25 (#1)

"सब मनुष्य उसको ध्यान से देखते आए हैं"

एलीहू संभवतः आने वाले तूफान का संकेत दे रहे हैं जो इकट्ठा हो रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई उन तूफानी बादलों को देख सकता है

जिन्हें परमेश्वर आकाश में बना रहे हैं, भले ही वे बहुत ऊँचे और दूर हों।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:25 (#2)

"सब मनुष्य - "उसको ध्यान से देखते आए हैं"

यहाँ **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रलेक व्यक्ति ... लोगों ने माना है।"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 36:25 (#3)

"मनुष्य उसे दूर-दूर से देखता है"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं मानो लोगों ने सचमुच परमेश्वर के काम को दूर-दूर से देखा हो। वह शायद यह कहना चाहते हैं कि लोग परमेश्वर के कार्यों को केवल अस्पष्ट रूप से देखते और समझते हैं और कई विशेष विवरणों को पहचान नहीं पाते। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, लोग परमेश्वर के काम को केवल अस्पष्ट रूप से समझते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 36:25 (#4)

"मनुष्य उसको ध्यान से देखते आए हैं"

एलीहू एक सूक्ष्म विरोधाभास प्रस्तुत कर रहे हैं: जबकि लोग परमेश्वर के कार्यों को देख सकते हैं, वे इसे केवल **दूर-दूर** से ही देख सकते हैं। आपके अनुवाद में, आप इस विरोधाभास को इस तरह से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, मनुष्य ने केवल माना है"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथूब 36:26 (#1)

"उसके वर्ष की गिनती अनन्त है"

एलीहू संभवतः बुद्धि के अर्थ में जोड़कर वर्ष शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो उम्र का संकेत देता है। पुस्तक में इस संबंध को कई अन्य स्थानों पर दर्शाया गया है, जैसे [12:12](#) और [32:7](#)। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अत्यंत बुद्धिमान है, क्योंकि वह किसी भी व्यक्ति से अधिक उम्र के हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथ्यूब 36:27 (#1)

"क्योंकि"

एलीहू इस शब्द क्योंकि का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह क्यों कह रहे हैं कि परमेश्वर शक्तिशाली और बुद्धिमान हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम देख सकते हैं कि परमेश्वर कितने शक्तिशाली और बुद्धिमान हैं इस तरह से कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथ्यूब 36:27 (#2)

"वह तो जल की बूँदें ऊपर को खींच लेता है"

एलीहू स्पष्ट रूप से उस तरीके का उल्लेख कर रहे हैं जिस तरह से परमेश्वर पृथ्वी और समुद्र से जल की बूँदें ऊपर को खींच लेता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पानी की बूँदों को धूंध के रूप में हवा में उठाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 36:27 (#3)

"कुहरे से मेंह"

एलीहू ऐसा बोल रहे हैं जैसे पृथ्वी और समुद्र से वाष्पित होने वाला जल वास्तव में आकाश में एक कुहरे से मेंह बनाता है जो बादलों को वर्षा जल प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आपूर्ति में" या "बादलों में"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:28 (#1)

"वे ऊँचे-ऊँचे बादल उण्डेलते हैं"

सर्वनाम वे "पानी की बूँदों" को संदर्भित करता है, जिसका वर्णन एलीहू ने पिछले पद में किया था। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है, और यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बादल पानी की ये बूँदें बरसा रहे हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 36:28 (#2)

"मनुष्यों"

यहाँ मनुष्यों शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 36:29 (#1)

"फिर क्या कोई बादलों का फैलना"

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न के रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई नहीं समझ सकता कि परमेश्वर बादलों को कैसे फैलाते हैं या वह अपने मण्डल से गड़गड़ाहट कैसे करते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथ्यूब 36:29 (#2)

"उसके मण्डल में"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच आकाश में एक मण्डल में रहते हो। (वह वही शब्द उपयोग कर रहे हैं जो अथ्यूब ने [27:18](#) में पहरेदारों के लिए चौकी का वर्णन करने के लिए किया था।) यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाश में उनके निवास स्थान से"

देखें: रूपक

अथूब 36:30 (#1)**"देख"**

इस उदाहरण में, एलीहू **देख** शब्द का शाब्दिक रूप से उपयोग करते हुए प्रतीत होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दृष्टि!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:30 (#2)**"वह अपने उजियाले को चहुँ ओर फैलाता है"**

सर्वनाम **वह** परमेश्वर के "मण्डल" को संदर्भित करता है, अर्थात् आकाश में उनका निवास, जिसे एलीहू ने पिछले पद में वर्णित किया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने निवास स्थान पर आकाश में अपना प्रकाश फैलाते हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 36:30 (#3)**"वह अपने उजियाले को चहुँ ओर फैलाता है"**

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर सचमुच **उजियाले** को आकाश पर फैलाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका प्रकाश पूरे आकाश को रोशन करता है"

देखें: रूपक

अथूब 36:30 (#4)**"और समुद्र की थाह को ढाँपता है"**

एलीहू समुद्र की गहराइयों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे समुद्र की **थाह** हों। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह समुद्र की गहराइयों को ढाँपते हैं।"

देखें: रूपक

अथूब 36:30 (#5)**"और समुद्र की थाह को ढाँपता है"**

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि परमेश्वर समुद्र की गहराइयों को प्रकाश से ढाँपते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और

प्रकाश इतन तेज होता है कि यह समुद्र को उसकी गहराइयों तक रोशन कर देता है" (2) कि परमेश्वर समुद्र की गहराइयों को, समुद्र को वर्षा के पानी से भरकर ढाँपते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह पूरे समुद्र को वर्षा के पानी से भर देते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 36:30 (#6)**"और समुद्र की थाह को ढाँपता है"**

एलीहू कहते हैं कि प्रकाश समुद्र की गहराई तक को रोशन करता है, जो जोर देने के लिए एक अतिशयोक्ति है। अगर आपकी भाषा में यह बात अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस बात पर जोर देने के लिए अलग तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और प्रकाश समुद्र की गहराई में चमकता है"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 36:31 (#1)**"क्योंकि"**

एलीहू शब्द **क्योंकि** का उपयोग कर रहे हैं यह बताने के लिए कि परमेश्वर द्वारा बनाए गए तूफान अपने प्रभावों में इतने दूरगामी क्यों हैं, जैसा कि उसने अभी-अभी वर्णित किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा उत्पन्न तूफान अपने प्रभावों में इतने व्यापक होते हैं क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 36:31 (#2)**"इन्हीं से"**

सर्वनाम **इन्हीं** से का संदर्भ या तो उन बादलों से है जिनका वर्णन एलीहू पद 28 और 29 में करते हैं या फिर उन बिजली और गरजन से है जिनका वे पद 29 और 30 में वर्णन करते हैं। लेकिन किसी भी तरह से, वह अंततः ऐसे तूफानों का उल्लेख कर रहे हैं जैसे कि वह अपने भाषण के इस भाग में जिस तूफान के बारे में बता रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना मददगार हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे तूफानों से"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 36:31 (#3)**"लोगों का न्याय"- "करता है"**

यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से संकेत कर सकते हैं कि परमेश्वर **लोगों का न्याय** उन तूफानों के माध्यम से करते हैं जो वह बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोगों का न्याय करते हैं, जो लोग उनकी अवश्य करते हैं उन्हें दण्ड देने के लिए बिजली भेजते हैं, लेकिन जो लोग उनकी आज्ञा मानते हैं उन्हें आशीष देने के लिए वह वर्षा भेजते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 36:31 (#4)**"भोजन वस्तुएँ बहुतायत से देता है"**

यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से संकेत दे सकते हैं कि परमेश्वर जो तूफान बनाते हैं उसके माध्यम से **भोजन वस्तुएँ बहुतायत से देता है**। वैकल्पिक अनुवाद: "इन तूफानों से होने वाली बारिश से फसलें भरपूर मात्रा में उगती हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 36:32 (#1)**"वह बिजली को अपने हाथ में लेकर"**

एलीहू इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि परमेश्वर अपने हाथों में इतनी बिजली उठा लेते हैं कि उनके हाथ उसके नीचे दिखाई नहीं देते। आपकी भाषा में इसकी एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने हाथों को बिजली से भर लेते हैं"

देखें: मुहावरा

अथ्यूब 36:32 (#2)**"उसे आज्ञा देता है कि निशाने पर गिरे"**

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच बिजली को आदेश दिया हो कि वह एक निश्चित निशाने पर गिरे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह इसे वहाँ गिराते हैं, जहाँ वह चाहते हैं"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:33 (#1)**"इसकी कड़क उसी का समाचार देती है"**

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि बिजली की गर्जन परमेश्वर का समाचार हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इसे बिजली की गर्जन के साथ घोषित करते हैं।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 36:33 (#2)**"इसकी कड़क उसी का समाचार देती है"**

सर्वनाम उसी निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) सामान्य रूप से तूफान। पद का दूसरा भाग बताता है कि यह विषय हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर गरज के साथ आने वाले तूफान की घोषणा करते हैं" (2) बिजली जिसे एलीहू पिछले पद में वर्णित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर गरज के साथ बिजली की घोषणा करते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथ्यूब 36:33 (#3)**"पशु भी प्रगट करते हैं कि अंधड़ चढ़ा आता है"**

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पशु भी किसी घटना के घटित होने पर चिल्लाते हैं" या "पशु भी किसी घटना के घटित होने पर शोर मचाते हैं"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 36:33 (#4)**"प्रगट करते हैं कि अंधड़ चढ़ा आता है"**

एलीहू वाक्यांश **अंधड़ चढ़ा आता है** का उपयोग आने वाले तूफान के लिए कर रहे हैं, क्योंकि इसके गरजते बादल आकाश में उठ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आने वाले तूफान के बारे में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब - अध्याय 37 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह एलीहू के भाषण का निष्कर्ष है। एलीहू उस तूफान का उपयोग करना जारी रखते हैं जो इकट्ठा हो रहा है और परमेश्वर की महान सामर्थ्य का वर्णन करने के लिए निकट आ रहा है। वह निष्कर्ष निकालते हैं कि अथूब को यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि वे इतने शक्तिशाली परमेश्वर से बात कर सकें।

अनफोलिंग वर्ड लिट्रल टान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दार्द और स्थित करता है क्योंकि यह कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

पद 15-19 में बहुवचन "तू"

सर्वनाम "तू" और क्रियाओं में निहित "तू" पद 15-19 में एकवचन हैं क्योंकि एलीहू अथूब को सम्बोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "तू" के बीच अन्तर होता है, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूपों का उपयोग करें।

पद 15-18 में प्रश्नों का स्वरूप

एलीहू ने पद 15-18 में अथूब से कई प्रश्न पूछे। वह चाहते होंगे कि अथूब इन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें ताकि अथूब को यह स्वीकार करना पड़े कि वह नहीं समझते कि परमेश्वर क्या करते हैं। इसलिए ये वास्तविक प्रश्न हो सकते हैं जिनका उपयोग एलीहू जानकारी, विशेष रूप से, अथूब से यह स्वीकारोक्ति प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक रूप से, एलीहू जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर सकते हैं। पद 15 पर एक टिप्पणी दो सम्भावित तरीकों का सुझाव देती है जिनसे आप वहाँ प्रश्न का अनुवाद कर सकते हैं। पद 15-18 में प्रत्येक प्रश्न का अनुवाद करने के लिए सबसे उपयुक्त तरीके पर विचार करें।

अथूब 37:1 (#1)

"इस बात पर भी मेरा हृदय काँपता है,"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका हृदय सचमुच काँप रहा हो और उछल रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस पर, मेरा हृदय भावनाओं से भर जाता है और धड़कना बंद हो जाता है"

देखें: रूपक

अथूब 37:1 (#2)

"इस बात पर"

सर्वनाम इस आने वाली आँधी का सन्दर्भ देता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे-जैसे यह आँधी आती है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:2 (#1)

"सुनो, सुनो"

एलीहू उस विचार को तीव्र करने के लिए सुनो क्रिया को दोहरा रहे हैं, जिसे वह व्यक्त करते हैं। यदि आपकी भाषा में शब्दों को तीव्रता के लिए दोहराया जा सकता है, तो यहाँ आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे, सुनो"

देखें: पुनरावृति

अथूब 37:2 (#2)

"सुनो"

आज्ञासूचक सुनो में निहित "तुम" बहुवचन है क्योंकि एलीहू अथूब, उनके तीन मित्रों और सम्भवतः अन्य सभी उपस्थित सुनने वालों को सम्बोधित कर रहे हो। इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 37:2 (#3)

"उसके बोलने का शब्द"

ये दोनों वाक्यांश एक ही अर्थ रखते हैं। एलीहू जोर देने के लिए उन्हें साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त

कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कितनी ऊँची आवाज़ में परमेश्वर बोल रहे हैं"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 37:2 (#4)

"उसके बोलने का शब्द"

एलीहू इस प्रकार बोल रहे हैं मानो गर्जन सचमुच में परमेश्वर का बौलना हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस छवि को एक तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तेज गर्जन! ऐसा लगता है मानो जैसे परमेश्वर गरज रहे हों"

देखें: रूपक

अथूब 37:3 (#1)

"वह उसको सारे आकाश के तले ... भेजता है"

एलीहू इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे कि गर्जन और बिजली बन्दी या नियंत्रित हो और परमेश्वर उन्हें मुक्त करते या भेजते हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इतनी जोर से गर्जन करते हैं कि उसकी आवाज़ पूरे आकाश के नीचे सुनी जा सकती है, और वह बिजली को इतनी तेज चमकाते हैं कि उसे पूरी पृथ्वी पर देखा जा सकता है"

देखें: रूपक

अथूब 37:3 (#2)

"वह उसको सारे आकाश के तले ... भेजता है"

एलीहू यह अतिशयोक्ति करके जोर देते हैं कि गर्जन पूरे आकाश के तले सुनी जा सकती है और बिजली पृथ्वी के सुदूर स्थानों में देखी जा सकती है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस जोर देने के तरीके को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आकाश में इतनी जोर से गर्जन करते हैं कि दूर से भी लोग इसे सुन सकते हैं और वह बिजली को इतनी तेज चमकाते हैं कि जहाँ यह गिरती है, वहाँ से दूर के लोग भी इसे देख सकते हैं"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 37:3 (#3)

"वह उसको ... भेजता है"

सर्वनाम उसको उस गर्जन का उल्लेख करता है जिसे एलीहू ने पिछले वचन में वर्णित किया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर गर्जन को छोड़ते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:3 (#4)

"और अपनी बिजली"

एलीहू कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह अपनी बिजली को छोड़ते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 37:3 (#5)

"पृथ्वी की छोर तक"

इस संस्कृति के लोग मानते थे कि पृथ्वी एक समतल सतह थी जिसके छोर थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप यहाँ अपनी संस्कृति के सन्दर्भ में अर्थ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरे संसार में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 37:4 (#1)

"गरजने का शब्द"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि बिजली की गरजन एक शब्द हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: 'बिजली की गरजन जोर से सुनाई देती है'

देखें: रूपक

अथूब 37:4 (#2)**"उसके पीछे"**

सर्वनाम **उसके** बिजली की कड़क को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिजली की कड़क के बाद"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:4 (#3)**"वह अपने प्रतापी शब्द से गरजता है"**

एलीहू इस प्रकार बोल रहे हैं मानो गर्जन स्वयं परमेश्वर के शब्द हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इस छवि को एक तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम गर्जन सुनते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानों परमेश्वर अपने प्रताप में बोल रहे हों"

देखें: रूपक

अथूब 37:4 (#4)**"उसका शब्द ... बिजली लगातार चमकने लगती है"**

मूल भाषा में इस वाक्य में दोहरी नकारात्मकताएँ हैं, (वह बिजली को चमकने से नहीं रोकता है), लेकिन हिन्दी अनुवाद में यह वाक्या पहले से ही सकारात्मक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह बिजली को चमकाते हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 37:4 (#5)**"जब उसका शब्द सुनाई देता है"**

एलीहू फिर से ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि गर्जन परमेश्वर के शब्द हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्जन सुनने के बाद"

देखें: रूपक

अथूब 37:4 (#6)**"जब उसका शब्द सुनाई देता है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम उनके शब्द सुनते हैं" या "जब हम गर्जन सुनते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 37:5 (#1)**"परमेश्वर गरजकर अपना शब्द अद्भुत रीति से सुनाता है"**

एलीहू फिर से ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि गर्जन परमेश्वर के शब्द हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्जन कितनी अद्भुत है! ऐसा लगता है मानो स्वयं परमेश्वर बोल रहे हों"

देखें: रूपक

अथूब 37:5 (#2)**"और ... हम नहीं समझते"**

यहाँ समझते शब्द का अर्थ "जानना" नहीं, बल्कि "ज्ञान" है। एलीहू यह नहीं कह रहे हैं कि लोग यह नहीं समझते कि परमेश्वर **बड़े-बड़े काम** कर रहे हैं। वह यह कह रहे हैं कि लोग उन बड़े-बड़े कामों को समझने या उनकी सराहना करने में असमर्थ हैं, जिन्हें वे परमेश्वर को करते हुए देखते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि लोग ग्रहण नहीं कर सकते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:6 (#1)**"क्योंकि"**

अंग्रेजी बाइबल में यहाँ "क्योंकि" शब्द लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द हटा दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिए, यहाँ "क्योंकि" शब्द का उपयोग किया जाएगा। एलीहू ने पिछले वचन में कहा था कि परमेश्वर ने

अद्भुत काम किए हैं जिन्हें लोग समझ नहीं सकते और इसके कारण को प्रस्तुत करने के लिए वह **क्योंकि** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह इसलिए कहता हूँ क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 37:6 (#2)

"वह तो हिम से कहता है, पृथ्वी पर गिर,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे इस प्रकार अनुवाद कर सकते हैं कि उद्धरणों के अंदर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हिम से पृथ्वी पर गिरने के लिए कहते हैं और वह मूसलाधार वर्षा से, हाँ, मूसलाधार वर्षा से, प्रबल होने के लिए कहते हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 37:6 (#3)

"वह तो हिम से कहता है, पृथ्वी पर गिर,"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे हिम और मेंह जीवित प्राणी हो, जिनसे परमेश्वर बात करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हिम को पृथ्वी पर गिराते हैं और वह मेंह को, हाँ, मेंह को मूसलाधार वर्षा बनाते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 37:6 (#4)

"मेंह को भी"

एलीहू कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह मेंह से कहते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 37:6 (#5)

"मूसलाधार वर्षा को"

एलीहू जोर देने के लिए **वर्षा** शब्द के बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप जोर देने के लिए किसी अन्य तरीके से इसे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भारी वर्षा को"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 37:6 (#6)

"मूसलाधार"

एलीहू के उद्धरण में, परमेश्वर **मूसलाधार** शब्द का उपयोग एक आज्ञा के रूप में कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रबल हो" या "भारी हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:7 (#1)

"वह सब मनुष्यों के हाथ पर मुहर कर देता है"

एलीहू ऐसा कह रहे हैं मानो परमेश्वर ने सचमुच सब मनुष्यों के **हाथ** पर एक मुहर लगा दी हो ताकि उसे उपयोग करने से रोका जा सके। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हर एक मनुष्य के हाथ को रोकते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 37:7 (#2)

"वह सब मनुष्यों के हाथ पर मुहर कर देता है"

एलीहू व्यक्ति के एक हिस्से, उसके **हाथ**, का उपयोग पूरे व्यक्ति के कार्य करने के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हर व्यक्ति को काम करने से रोकते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 37:7 (#3)**"वह सब मनुष्यों के हाथ पर मुहर कर देता है"**

एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि भारी वर्षा कैसे लोगों को उनके खेतों में काम करने से रोक देती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह भारी वर्षा भेजते हैं, जो लोगों को उनके खेतों में काम करने से रोकती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:7 (#4)**"मनुष्य"**

यहाँ पर पुरुषवाचक मनुष्यों और मनुष्य शब्दों का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यक्ति, ताकि वे सभी लोग जिन्हें, उन्होंने (परमेश्वर) बनाया है, जान सकें"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 37:7 (#5)**"जिससे उसके बनाए हुए सब मनुष्य उसको पहचानें"**

एलीहू कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इंगित कर सकते हैं कि परमेश्वर क्या चाहते हैं कि लोग पहचानें। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि सभी लोग, जिन्हें उन्होंने बनाया है वे सभी उनके बड़े-बड़े कामों की सराहना करें"

देखें: पदलोप

अथूब 37:8 (#1)**"तब वन पशु गुफाओं में घुस जाते"**

एलीहू किसी विशेष वन पशु का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप से सभी वन पशुओं की बात कर रहे हैं। आपकी

भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और पशु अपनी गुफाओं में चले जाते हैं और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 37:8 (#2)**"और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं"**

एलीहू कल्पना कर सकते हैं कि एक ही वन पशु की कई माँदें हो सकती हैं, लेकिन वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। आपकी भाषा भी जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सुरक्षित रूप से अपनी माँद में रहते हैं"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 37:9 (#1)**"दक्षिण दिशा से"**

जैसा कि 9.9 में एक टिप्पणी बताती है, इस संस्कृति के लोग मानते थे कि परमेश्वर प्राकृतिक शक्तियों को "नक्षत्रों" या कोठरियों में रखते थे और जब उन्हें उनकी आवश्यकता होती थी, तब उन्हें बाहर लाते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस नक्षत्र से जहाँ परमेश्वर बवण्डर को रखते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:9 (#2)**"और उत्तर दिशा से जाड़ा आता है"**

एलीहू कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को पूरा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जाड़ा उत्तर की हवाओं से आता है" या "और उत्तर की हवाएँ जाड़ा लाती हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 37:10 (#1)**"परमेश्वर की श्वास की फूँक से बर्फ पड़ता है"**

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे जाड़े की हवा परमेश्वर की श्वास हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जाड़े की हवा से बर्फ बनती है"

देखें: रूपक

अथूब 37:10 (#2)**"परमेश्वर की श्वास की फूँक से बर्फ पड़ता है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के श्वास की फूँक बर्फ बनाती है" या "जाड़े की हवा बर्फ बनाती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 37:10 (#3)**"तब जलाशयों का पाट जम जाता है"**

हालाँकि जल वास्तव में जमने पर फैलता है, एलीहू सम्भवतः यह कहना चाहते हैं कि जब जल ठोस रूप में जम जाता है, तब वह हवा के साथ इधर-उधर नहीं बह पाता, इसलिए यह एक छोटे क्षेत्र में बना रहता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जल ठोस रूप से जम जाता है और एक स्थान में स्थिर रहता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 37:11 (#1)**"फिर"**

एलीहू हिम और बर्फ जैसी अन्य वस्तुओं के विषय में बात करने के बाद अथूब और अन्य लोगों का ध्यान वापस एकत्रित बिजली की ओर आकर्षित करने के लिए **फिर** अनुवादित शब्द का उपयोग कर रहे होंगे। यदि यह आपके पाठकों के

लिए सहायक हो तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देखिए!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 37:11 (#2)**"घटाओं" - "अपनी बिजली से भरे हुए उजियाले का बादल"**

एलीहू किसी विशिष्ट बादल का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका तात्पर्य बादलों के सामान्य रूप से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "घटाओं ... अपनी बिजली से भरे हुए उजियाले के बादल"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

अथूब 37:12 (#1)**"वे ... इधर-उधर फिराए जाते हैं"**

सर्वनाम वे उस बादल को सन्दर्भित करता है जिसे एलीहू ने पिछले वचन में वर्णित किया था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है, और यदि आपने वहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग किया है, तो यहाँ भी बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और बादल ... चारों ओर घूमते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:12 (#2)**"बसाई हुई पृथ्वी के ऊपर"**

एलीहू ऊपर शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ में "सतह" के रूप में कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बसाई गई पृथ्वी की सतह पर"

देखें: मुहावरा

अथूब 37:13 (#1)**"ताङ्ना देने के लिये"**

एलीहू ताङ्ना शब्द का उपयोग दण्ड के अर्थ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को दण्ड देने के लिए"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 37:13 (#2)

"अपनी पृथ्वी की"

ऐसा प्रतीत होता है कि ऐलीहू अप्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के द्वारा उस पृथ्वी की देखभाल करने की ओर संकेत कर रहे हैं, जिसे उन्होंने बनाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी पृथ्वी की भलाई के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

एलीहू वर्षा के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित प्राणी हो जिसे परमेश्वर ने सही स्थान पर गिरने के लिए भेज दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर इसे सही स्थान पर बरसाते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 37:14 (#1)

"इस पर कान लगा और सुन ले"

एलीहू आज्ञासूचक वाक्य के एक प्रभावी रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में प्रभाव देने वाला आज्ञासूचक रूप उपलब्ध है, तो इसे आपके अनुवाद में उपयोग करना उपयुक्त होगा। अन्य भाषाओं में जोर देने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस पर पूरा ध्यान दें"

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

अथूब 37:13 (#3)

"करुणा करने के लिये"

यदि आपकी भाषा में **करुणा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों पर दया करने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 37:13 (#4)

"वह उसे भेजे"

सर्वनाम उसे पहली बार में वर्षा को सन्दर्भित करता है और दूसरी बार उस स्थान या उन लोगों को जहाँ वर्षा होती है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर वर्षा को सही स्थान पर भेजते हैं" या "परमेश्वर वर्षा को सही लोगों तक भेजते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:14 (#2)

"चुपचाप खड़ा रह ... और ... विचार कर"

एलीहू **खड़ा रह** और **विचार कर** दो क्रियाओं का उपयोग करके एक विचार व्यक्त कर रहे हैं। इस सन्दर्भ में, **खड़ा रह** का अर्थ है कुछ और न करना है। एलीहू नहीं चाहते कि अथूब अपने पैरों पर खड़े हो। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल विचार करें"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 37:14 (#3)

"परमेश्वर के आश्र्यकर्मों"

एलीहू **आश्र्य** शब्द (जो एक विशेषण के रूप में कार्य करने वाला एक कृदंत है) को संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार की बात के अर्थ के लिए उपयोग कर रहे हैं। यूएलटी (अनफोलिंगवर्ड लिटरल ट्रान्सलेशन) इसको दिखाने के लिए **कर्मों** शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी अन्य अभिव्यक्ति के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अद्भुत जो परमेश्वर करते हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 37:15 (#1)

"क्या तू जानता है, कि परमेश्वर क्यों अपने बादलों को आज्ञा देता,"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि एलीहू चाहते हैं कि अथूब इस प्रश्न और अगले तीन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करे ताकि अथूब को स्वीकार करना पड़े कि वह नहीं समझते कि परमेश्वर क्या करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप यह नहीं जानते कि परमेश्वर बादलों को आज्ञा देते और अपने बादल की बिजली को चमकाते हैं?" (2) कि एलीहू जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से आप परमेश्वर के अपने बादलों को आज्ञा देने और अपने बादल की बिजली को चमकाने के विषय में नहीं जानते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 37:15 (#2)

"क्या तू जानता है"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, यहाँ तू शब्द एकवचन रूप में है और वचन 19 तक ऐसा ही रहता है क्योंकि एलीहू सीधे अथूब को सम्बोधित कर रहे हैं। इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

अथूब 37:15 (#3)

"कि परमेश्वर क्यों अपने बादलों को आज्ञा देता"

एलीहू इस अधिकारवाचक रूप का उपयोग परमेश्वर के बादलों पर एक आज्ञा देने का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं (यानी, उन्हें एक आदेश देना), न कि यह बताने के लिए कि कोई परमेश्वर को बादलों पर रख रहे हैं या परमेश्वर स्वयं को बादलों पर रख रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट

करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे परमेश्वर बादलों को आदेश देते हैं"

देखें: स्वामित्व

अथूब 37:15 (#4)

"और अपने बादल की बिजली को चमकाता है"

एलीहू परमेश्वर द्वारा बादलों पर आज्ञा देने के परिणाम को प्रस्तुत करने के लिए और शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि अपने बादल की बिजली को चमकाएँ"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 37:15 (#5)

"और अपने बादल की बिजली को चमकाता है"

अथूब इस बादल के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक जीवित प्राणी हो जो बिजली चमका सकता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि उनके बादल से बिजली चमके"

देखें: मानवीकरण

अथूब 37:15 (#6)

"और अपने बादल की बिजली को चमकाता है"

एलीहू किसी विशेष बादल का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह बादलों का सामान्य रूप में अर्थ रख रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने बादलों की बिजली को चमकाते हैं" या "ताकि अपने बादलों से बिजली चमके"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 37:16 (#1)**"क्या तू घटाओं का तौलना ... जानता है"**

देखें कि आपने पिछले वचन में प्रश्न का अनुवाद कैसे किया है, या तो एक ऐसे प्रश्न के रूप में जिसे एलीहू चाहते थे कि अथूब उत्तर दें, या फिर एक ऐसे प्रश्न के रूप में जिसे एलीहू जोर देने के लिए उपयोग कर रहे थे।

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 37:16 (#2)**"घटाओं का तौलना ... के"**

तौलना की बात करते हुए, एलीहू ऐसा प्रतीत होते हैं कि वह यह दर्शा रहे हैं कि बादल आकाश में किस प्रकार तैरते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कैसे आकाश में बादलों को तैराते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:16 (#3)**"घटाओं का तौलना ... के"**

एलीहू किसी विशेष घटाओं का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका तात्पर्य सामान्य रूप में घटाओं से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, जैसे कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड टास्सलेशन) में है: "परमेश्वर आकाश में घटाओं को कैसे तैराते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 37:16 (#4)**"सर्वज्ञानी के आश्वर्यकर्मों को"**

एलीहू कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, अर्धविराम के बाद: "क्या आप सर्वज्ञानी के उन अद्भुत आश्वर्यकर्मों के विषय में जानते हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 37:16 (#5)**"सर्वज्ञानी के आश्वर्यकर्मों"**

एलीहू विशेषण सर्वज्ञानी का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, ताकि एक विशिष्ट व्यक्ति, परमेश्वर को दर्शाया जा सके, जिनका ज्ञान सिद्ध, अर्थात् पूर्ण और व्यापक है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जो ज्ञान में सिद्ध हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 37:16 (#6)**"सर्वज्ञानी"**

एलीहू बहुवचन रूप सर्वज्ञानी का उपयोग ऐसे सन्दर्भ में कर रहे हैं जहाँ एक वचन शब्द "ज्ञान" पर्याप्त होता। यह सुझाव देता है कि वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आपके लिए एक वचन रूप का उपयोग करना स्वाभाविक हो सकता है, या आप किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जो सब कुछ पूर्ण रूप से जानते हैं"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 37:17 (#1)**"तेरे वस्त्र गर्म हो जाते हैं"**

एलीहू अथूब का एक हिस्सा, उनके वस्त्र का उपयोग उन्हें पूरा गर्म महसूस करने के कार्य को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो अपने वस्त्रों में पसीना बहाते हैं"

देखें: उपलक्षण

अथूब 37:17 (#2)

"जब पृथ्वी पर दक्षिणी हवा ही के कारण से सन्नाटा रहता है"

एलीहू यह मानते हैं कि अथूब समझ जाएँगे कि **दक्षिणी हवा** से उनका अर्थ मरुभूमि से है। अथूब की पुस्तक एक ऐसे स्थान पर स्थित है जहाँ दक्षिण में एक मरुभूमि थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हवा मरुभूमि से आती है और भूमि शान्त रहती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:18 (#1)

"फिर क्या तू उसके साथ आकाशमण्डल को तान सकता है"

इस संस्कृति के लोग मानते थे कि आकाशमण्डल एक ठोस वस्तु है, एक बड़ा गुम्बद जिसे परमेश्वर ने बनाया और पृथ्वी के ऊपर स्थापित किया। एलीहू ऐसे बोल रहे हैं जैसे परमेश्वर ने सचमुच में धातु को पिघलाकर उसे समतल करने के लिए हथौड़ से मारा हो ताकि आकाशमण्डल बनाया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप आकाशमण्डल को वैसे ही बना सकते हैं जैसे उन्होंने बनाया था"

देखें: रूपक

अथूब 37:18 (#2)

"ढाले हुए दर्पण के तुल्य"

दर्पण एक वस्तु है जो छवियों को प्रतिविम्बित करता है। लोग अपने स्वरूप को देखने के लिए दर्पण में देखते हैं। इस संस्कृति में, दर्पण चमकीली धातु से बनाए जाते थे। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि दर्पण क्या होता है, तो आप अपने अनुवाद में अपनी संस्कृति में प्रचलित किसी तुलनीय धातु की वस्तु का नाम उपयोग कर सकते हैं, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धातु से ढली हुई वस्तु के रूप में"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 37:18 (#3)

"ढाले हुए दर्पण के तुल्य"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दर्पण के रूप में जिसे किसी ने धातु से ढाला हो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 37:19 (#1)

"तू हमें यह सिखा कि उससे क्या कहना चाहिये"

अंग्रेजी बाइबल में दूसरी अवस्था में "हमें" शब्द का उपयोग किया गया है, लेकिन हिन्दी बाइबल में इसे हटा दिया गया है। पाठकों को यह समझाने के लिए यहाँ "हमें" शब्द का उपयोग किया गया है। एलीहू अपने और अन्य श्रोताओं के लिए **हमें** शब्द का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन अथूब के लिए नहीं, जिसे वह सम्बोधित कर रहे हैं तो अनुवाद में "हमें" का विशिष्ट रूप से उपयोग करें। ऐसा लगता है कि एलीहू **हमें** शब्द का उपयोग अथूब के साथ-साथ अपने और अन्य श्रोताओं के लिए कर रहे हैं, क्योंकि वह एक सामान्य मनुष्य की स्थिति का वर्णन कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है तो इस दूसरी अवस्था में "हमें" का समावेशी रूप उपयोग करना स्वाभाविक हो सकता है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथूब 37:19 (#2)

"तू हमें यह सिखा कि उससे क्या कहना चाहिये"

जोर देने के लिए, एलीहू उसके विपरीत कह रहे हैं जो वह वास्तव में कहना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा बोलनेवाला ऐसा नहीं करता, तो अपने अनुवाद में आप यह इंगित कर सकते हैं कि एलीहू वास्तव में क्या अर्थ रखते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं नहीं मानता कि आप हमें यह सिखा पाएँगे कि हमें उनसे क्या कहना चाहिए"

देखें: व्यंग

अथूब 37:19 (#3)**"हम ... अपना व्याख्यान ठीक नहीं रच सकते"**

देखें कि आपने [33:5](#) में "रच" शब्द का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अपने तर्कों को क्रम से नहीं रख सकते" या "हम जो कहना चाहते हैं उसे स्थापित नहीं कर सकते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 37:19 (#4)**"अंधियारे के कारण"**

अंग्रेजी बाइबल में "चेहरा" शब्द अंधियारे के साथ दिया गया जबकि हिन्दी बाइबल में यह शब्द हटा दिया गया। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "चेहरा" शब्द उपयोग किया गया है। यहाँ चेहरा शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे कि लोग किसी उपस्थिति व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधकार की उपस्थिति के कारण"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 37:19 (#5)**"अंधियारे के कारण"**

एलीहू मनुष्य की समझ की सीमाओं का उल्लेख कर रहे हैं। वह ऐसे बोल रहे हैं जैसे लोग अंधियारे में हो और इसलिए बहुत कुछ देख या पहचान नहीं सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी मानवीय समझ की सीमाओं के कारण"

देखें: रूपक

अथूब 37:20 (#1)**"क्या उसको बताया जाए कि मैं बोलना चाहता हूँ"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें यह नहीं बताया जाए कि मैं बोलना चाहता हूँ!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 37:20 (#2)**"क्या उसको बताया जाए कि मैं बोलना चाहता हूँ"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या किसी को उन्हें बताना चाहिए कि मैं बोलना चाहता हूँ?" या "किसी को भी उन्हें नहीं बताना चाहिए कि मैं बोलना चाहता हूँ!"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 37:20 (#3)**"क्या कोई अपना सत्यानाश चाहता है"**

एलीहू जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई मनुष्य बोले, तो निश्चय ही उसका सत्यानाश हो जाएगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 37:20 (#4)**"कोई"**

मूल भाषा में "वह" (पुल्लिंग) शब्द का उपयोग किया गया है, जबकि हिन्दी बाइबल में सीधे "कोई" शब्द दिया गया है जो सामान्य शब्द, स्त्री या पुरुष दोनों को शामिल करता है। यहाँ पाठकों को समझाने के लिए "कोई" शब्द का उपयोग किया जाएगा। यहाँ **कोई** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके

पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 37:20 (#5)

"कोई अपना सत्यानाश चाहता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनका सत्यानाश कर देंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 37:20 (#6)

"अपना सत्यानाश चाहता है"

अंग्रेज़ी बाइबल में "निगल" शब्द लिखा गया है जबकि हिन्दी बाइबल में उसका सीधा अर्थ "सत्यानाश" लिखा गया है। यहाँ हिन्दी में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका सत्यानाश हो जाएगा" या "परमेश्वर उन्हें सत्यानाश कर देंगे"

देखें: रूपक

अथूब 37:21 (#1)

"अभी"

एलीहू एक महत्वपूर्ण बिन्दु प्रस्तुत करने के लिए अभी वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं, जो उनके भाषण का निष्कर्ष है कि अथूब को परमेश्वर से बात करने की इच्छा नहीं करनी चाहिए। आपकी भाषा में एक तुलनीय अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 37:21 (#2)

"में का ... देखा नहीं जाता"

अंग्रेज़ी बाइबल में अनिश्चयवाचक सर्वनाम "वे" के बदले "लोग" शब्द का उपयोग किया गया है, लेकिन हिन्दी बाइबल में इसे हटा दिया गया है। पाठकों को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए यहाँ अनिश्चयवाचक सर्वनाम "वे" शब्द का उपयोग किया जाएगा। यहाँ, वे एक अनिश्चयवाचक सर्वनाम है जिसका तत्काल सन्दर्भ में कोई विशेष उल्लेख नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे एक अलग अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चयवाचक सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उसकी ओर नहीं देखते"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 37:21 (#3)

"आकाशमण्डल में का बड़ा प्रकाश"

एलीहू सूर्य का वर्णन करने के लिए एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर रहे हैं। यह अभिव्यक्ति अतिरिक्त जानकारी देती हुई लग सकती है, जिसे आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वाभाविक हो सकता है। यदि ऐसा हो, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट बनाना

अथूब 37:21 (#4)

"उसको शुद्ध करती है"

एलीहू ऐसे बोल रहे हैं मानो वायु ने सचमुच बादलों को हटा कर आकाशमण्डल को शुद्ध कर दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सभी बादलों को हटा दिया"

देखें: रूपक

अथूब 37:22 (#1)

"उत्तर दिशा से"

एलीहू मानते हैं कि अथूब समझ जाएँगे कि उत्तर दिशा से उनका तात्पर्य परमेश्वर के निवास स्थान से है। इस संस्कृति में,

लोग मानते थे कि पृथ्वी के उत्तरी क्षेत्रों में एक ईश्वरीय निवास स्थान है। आप इसे एक सामान्य अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं या ऐसे शब्द का उपयोग कर सकते हैं जिसे आपके पाठक परमेश्वर के निवास का वर्णन करने वाले के रूप में पहचानें। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के निवास स्थान से" या "स्वर्ग से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:22 (#2)

"सुनहरी ज्योति आती है"

एलीहू सुनहरी शब्द का उपयोग स्वर्णिम वैभव के सन्दर्भ में, अर्थात् परमेश्वर की महिमा में कर रहे हैं। वह सचमुच में परमेश्वर के महिमामय आगमन की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपनी महिमा में आते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 37:22 (#3)

"परमेश्वर भययोग्य तेज से विभूषित है"

एलीहू सूर्य के तेज, जिसे लोग सीधे नहीं देख सकते हैं और परमेश्वर की महिमा के असीम तेज के बीच एक अंतर्निहित विरोधाभास तुलना कर रहे हैं। आप अपने अनुवाद में इस विरोधाभास को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। यूएसटी (अनफोलिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) ऐसा करने का एक तरीका बताता है।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथूब 37:23 (#1)

"सर्वशक्तिमान परमेश्वर ... जिसका भेद हम पा नहीं सकते"

अथूब ने 23:3 में कहा कि वह चाहते थे कि उन्हें पता होता कि परमेश्वर कहाँ मिल सकते हैं ताकि वह वहाँ जा सके, जहाँ परमेश्वर हैं। यहाँ एलीहू अप्रत्यक्ष रूप से अथूब के अपने शब्दों में उत्तर दे रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए

उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो, अथूब, हममें से कोई भी परमेश्वर को खोज नहीं सकता और न ही वहाँ जा सकते जहाँ वह हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:23 (#2)

"सर्वशक्तिमान परमेश्वर ... जिसका भेद हम पा नहीं सकते"

एलीहू हम सर्वनाम का उपयोग स्वयं को और अथूब को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं, जिनसे वह बात कर रहे हैं, इसलिए यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, तो उस शब्द के समावेशी रूप का उपयोग करें।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

अथूब 37:23 (#3)

"वह न्याय और पूर्ण धार्मिकता को छोड़ अत्याचार नहीं कर सकता"

एलीहू एक नकारात्मक शब्द के साथ उस शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो उनके इच्छित अर्थ के विपरीत है, ताकि वह सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर सके। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह न्याय और धार्मिकता की पूर्णता को सुनिश्चित करते हैं"

देखें: कठाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

अथूब 37:23 (#4)

"वह न्याय और पूर्ण धार्मिकता को छोड़ अत्याचार नहीं कर सकता"

यदि आपकी भाषा न्याय और धार्मिकता के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह लोगों के साथ न्यायपूर्वक व्यवहार करने का ध्यान रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हर जगह लोग सही काम करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 37:24 (#1)

"सज्जन"

यहाँ पर सज्जन शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोग"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 37:24 (#2)

"जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हैं, उन पर वह दृष्टि नहीं करता"

एलीहू का अर्थ यह नहीं है कि जब लोग बुद्धिमान बनते हैं तो परमेश्वर प्रसन्न नहीं होते। उनका तात्पर्य यह है कि परमेश्वर किसी व्यक्ति को विशेष रूप से बुद्धिमान होने के कारण अन्य लोगों की तुलना में पक्षपात नहीं करेंगे, क्योंकि परमेश्वर की अनन्त बुद्धि की तुलना में, सभी लोगों के पास केवल थोड़ी सी बुद्धि होती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में यह इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह किसी व्यक्ति का आदर अन्य लोगों की तुलना में अधिक नहीं करते, चाहे वह व्यक्ति मनुष्य के मानकों के अनुसार कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 37:24 (#3)

"दृष्टि में बुद्धिमान"

जैसा कि [34:10](#) में है, यहाँ दृष्टि समझ का प्रतिनिधित्व करती है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझ में बुद्धिमान"

देखें: रूपक

अथूब 37:24 (#4)

"जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हैं"

एलीहू बुद्धिमान विशेषण का उपयोग एक संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शा सकें। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति जो मन से बुद्धिमान है" या "कोई भी व्यक्ति जो बातों को बुद्धिमानी से समझने में सक्षम है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब - अध्याय 38 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय यहोवा की अथूब के प्रति प्रतिक्रिया की शुरुआत है। उनकी प्रतिक्रिया अध्याय 41 तक जारी रहती है।

अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल टान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर स्थित करता है क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय में, यहोवा अथूब से प्रश्नों की एक श्रृंखला पूछना शुरू करते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि अथूब सुनित संसार की कार्यप्रणाली को नहीं समझते हैं। यहोवा पृथ्वी के बारे में प्रश्न पूछते हैं पद 4-20 में, और पद 21 में अथूब को एक सारांश चुनौती देते हैं। फिर यहोवा आकाश के बारे में प्रश्न पूछते हैं पद 22-38 में। वह पशुओं और पक्षियों के बारे में प्रश्न पूछना शुरू करते हैं पद 39 में; उनके भाषण का यह हिस्सा अगले अध्याय में जारी रहता है।

इसका तात्पर्य यह है कि यदि अथूब यह नहीं समझते और समझा नहीं सकते कि परमेश्वर दृश्य सृष्टि में चीजों को कैसे संचालित करते हैं, तो वह निश्चित रूप से यह नहीं समझते और समझा नहीं सकते कि परमेश्वर लोगों के जीवन में और मानव इतिहास के दौरान अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अदृश्य, रहस्यमय तरीकों से क्या कर रहे हैं।

जब परमेश्वर तृफान में अथूब के पास आते हैं और उनके प्रश्नों का उत्तर देते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि एलीहू गलत थे यह कहने में कि परमेश्वर अथूब से नहीं मिलेंगे। यह अथूब के प्रति परमेश्वर की उदारता को दर्शाता है कि उन्होंने उन्हें एक साक्षात्कार दिया जैसा उन्होंने अनुरोध किया था, भले ही साक्षात्कार में परमेश्वर को यह दिखाकर अथूब को नम्र करना पड़ा कि वह वास्तव में कितना कम जानते हैं।

इस अध्याय में विशेष अवधारणा हैं

यहोवा की सृष्टि का विवरण

इस अध्याय में, यहोवा पृथ्वी, समुद्र, और आकाश का वर्णन उस तरीके से करते हैं जिस तरह अथूब की संस्कृति के लोग उन्हें समझते थे। उदाहरण के लिए, पद 16 में यहोवा समुद्र के तल में "सोतों" की बात करते हैं जो उसे पानी प्रदान करते हैं। पद 22 में, वह आकाश में "भण्डार" की बात करते हैं जहाँ बर्फ और ओले रखे जाते हैं। अध्याय के कुछ हिस्सों में, ये सन्दर्भ काव्यात्मक छवियों के भीतर आते हैं, जैसे कि पद 4-6 में पृथ्वी की "नींव" के साथ एक इमारत के रूप में छवि या पद 12-13 में भौर के पृथ्वी के "छोरों" को पकड़कर उसे हिलाने की छवि। लेकिन अन्य स्थानों पर, ये सन्दर्भ काव्यात्मक छवियों के भीतर नहीं आते। ऐसे स्थानों में, अथूब के लिए यहोवा के प्रश्न, जो अथूब के ज्ञान की सीमाओं को प्रदर्शित करते हैं, इन विशेषताओं के वास्तविक होने पर उनके बल पर निर्भर करते हैं, भले ही वे सृष्टि के अनुरूप नहीं हैं। जैसा कि हम आज इसका वर्णन करेंगे। हम यह मान सकते हैं कि यहोवा उन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं जिन्हें अथूब और अन्य सुनने वाले समझ सकते थे ताकि उन्हें नैतिक और आत्मिक अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप प्राचीन दृष्टिकोण से स्वाभाविक संसार के इन वर्णनों का अनुवाद उन समकक्ष अभिव्यक्तियों के साथ कर सकते हैं जो आपके अपने संस्कृति के दृष्टिकोण को दर्शती हैं। टिप्पणियाँ सुझाव देते हैं कि आप विभिन्न स्थानों पर ऐसा कैसे कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, पद 16 के एक टिप्पणी में "समुद्र के तल" की बात करने का सुझाव दिया गया है बजाय "समुद्र के सोतों" के।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्रे

पद 4-41 में प्रश्नों का स्वरूप

यहोवा अथूब से अध्याय 38-41 में कई प्रश्न पूछते हैं। वे चाहते हैं कि अथूब इन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें ताकि अथूब को यह स्वीकार करना पड़े कि उसे उत्तर नहीं पता। इसलिए ये वास्तविक प्रश्न हो सकते हैं जिनका उपयोग यहोवा जानकारी प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं, विशेष रूप से, यह दिखाने के लिए कि अथूब को उत्तर नहीं पता। वैकल्पिक रूप से, यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर सकते हैं। पद 4 के लिए एक टिप्पणी दो सम्भावित तरीकों का सुझाव देता है जिनसे आप वहाँ प्रश्न का अनुवाद कर सकते हैं। इस अध्याय में प्रत्येक प्रश्न का अनुवाद करने के लिए सबसे उपयुक्त तरीके पर विचार करें।

अथूब 38:1 (#1)

"तब यहोवा ने अथूब को आँधी में से यूँ उत्तर दिया,"

कथावाचक इस वाक्य में नई घटना को प्रस्तुत करने के लिए अनुवादित शब्द तब का उपयोग कर रहे हैं। अपनी भाषा में ऐसा शब्द, वाक्यांश या अन्य विधि का उपयोग करें जो कहानी में पहले से हो रही घटनाओं से स्वाभाविक रूप से बदलाव और नई घटना को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब वह आँधी, जिसे एलीहू देख और वर्णन कर रहे थे, आखिरकार वहाँ पहुँच गई जहाँ वह और अन्य लोग थे, तब यहोवा ने आँधी में से अथूब को उत्तर दिया और कहा"

देखें: एक नई घटना का परिचय

अथूब 38:1

"तब यहोवा ने अथूब को आँधी में से यूँ उत्तर दिया,"

यह वाक्य दो शब्दों को तब के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द उत्तर दिया यह दर्शाता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ कहा। विशेष रूप से, व्यक्ति ने इसे क्रम में कहा ताकि किसी और ने जो कहा उसका उत्तर या प्रतिक्रिया दे सकें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आँधी से यहोवा ने अथूब को उत्तर दिया"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 38:2 (#1)

"अज्ञानता की बातें कहकर युक्ति को बिगाड़ना चाहता है?" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

यहोवा अथूब को उत्तर देते समय जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू ज्ञान बिना शब्दों की युक्ति को अंधकारमय कर रहा है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 38:2 (#2)

"अज्ञानता की बातें कहकर युक्ति को बिगाड़ना"

यहोवा ऐसा कह रहे हैं जैसे अथूब सचमुच युक्ति (यानी, उचित समझ) को अंधकारमय बना रहे हैं। उनका मतलब है कि अथूब सत्य को समझने में कठिन बना रहे हैं। यदि यह

आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उचित समझ को अस्पष्ट करना"

देखें: रूपक

अथूब 38:2 (#3)

"की बातें कहकर"

यहोवा बातें का उपयोग उस अर्थ में कर रहे हैं जो अथूब ने शब्दों का उपयोग करके कहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बोलकर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:2 (#4)

"अज्ञानता की"

यदि आपकी भाषा में ज्ञान के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना यह समझे कि वह किस बारे में बात कर रहा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 38:3 (#1)

"अपनी कमर बाँध ले"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच अथूब से चाहते थे कि वह अपनी कमर बाँध ले, अर्थात् अपने कुर्तैं के निचले हिस्से को कमरबन्द में टक कर ले ताकि वह स्वतंत्र रूप से चल सके, जैसे कोई सैनिक युद्ध में जाने से पहले करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कठिन मुकाबले के लिए तैयार हो जा"

देखें: रूपक

अथूब 38:3 (#2)

"पुरुष के समान"

यहोवा विशेष शब्द का उपयोग कर रहे हैं पुरुष के लिए, जो इस संदर्भ में योद्धा की शक्ति और वीरता को दर्शा सकता है। इस तुलना का उद्देश्य यह है कि अथूब को साहसी होना चाहिए, जैसे सैनिक को युद्ध में जाते समय होना चाहिए।

यहोवा पुरुष शब्द का उपयोग यह सुझाव देने के लिए नहीं कर रहे हैं कि पुरुष मजबूत होते हैं और स्त्रियाँ कमजोर होती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे साहसी व्यक्ति" या "जैसे कोई सैनिक युद्ध में जाते समय करता है"

देखें: उपमा

अथूब 38:3 (#3)

"क्योंकि मैं तुझ से प्रश्न करता हूँ, और तू मुझे उत्तर दे"

यहोवा अपने शब्दों के साथ अथूब को उत्तर दे रहे हैं। 13:22 में, अथूब ने परमेश्वर से कहा (जो उस समय स्पष्ट रूप से उपस्थित नहीं थे), "तब तेरे बुलाने पर मैं बोलूँगा; या मैं प्रश्न करूँगा, और तू मुझे उत्तर दे।" यहोवा, अथूब से कह रहे हैं कि वह पहले विकल्प को चुनेंगे: वह, यहोवा, "बुलाएगा" (प्रश्न पूछेंगे) और अथूब उत्तर दे सकता है। हालाँकि, यहोवा कुछ अलग कह रहे हैं जो अथूब ने कहा था। वह कह रहे हैं कि अथूब उन्हें उत्तर दे सकता है। जोर देने के लिए, यहोवा वास्तव में उसके विपरीत कह रहे हैं जो उसका मतलब था। वह पहले से ही सब कुछ जानते हैं, इसलिए उन्हें अथूब से ऐसी जानकारी की आवश्यकता नहीं है जो उन्हें नहीं पता। यदि आपकी भाषा का वक्ता जोर देने के लिए उसके विपरीत नहीं कहेगा जो उसका मतलब है, तो आपके अनुवाद में आप यहोवा का वास्तविक मतलब इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं तुमसे प्रश्न करूँगा और तू मुझे वह बता सकता है जो तुझे लगता है कि मैं पहले से नहीं जानता हूँ"

देखें: व्यंग

अथूब 38:4 (#1)

"जब मैंने पृथ्वी की नींव डाली, तब तू कहाँ था?"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा करते हैं, इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि यहोवा चाहते हैं कि अथूब इस प्रश्न का और अध्याय के शेष में दिए गए प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें ताकि अथूब को स्वीकार करना पड़े कि उन्हें उत्तर नहीं पता। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने पृथ्वी की नींव रखी, तब तू वहाँ नहीं था, था क्या?" (2) कि यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने पृथ्वी की नींव रखी, तब तू वहाँ नहीं था!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 38:4 (#2)**"जब मैंने पृथ्वी की नींव डाली"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे पृथ्वी वास्तव में इमारत हो और उन्होंने इसकी नींव डाली हो, यानी इसके लिए नींव रखी हो (जिस पर इसे बनाने के लिए ठोस आधार बनाया हो)। चूँकि यह कविता है, आप अपनी संस्कृति से निर्माण सम्बन्धी शब्दों का उपयोग करते हुए, अपने अनुवाद में इस छवि को बनाए रखना चाहते हैं, भले ही आपकी भाषा का वक्ता सामान्यतः संसार की रचना को इस तरह से वर्णित न करे। वैकल्पिक रूप से, आप अर्थ को सीधे तौर पर भी व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने पृथ्वी बनाने के लिए स्थान तैयार किया" या "जब मैंने पहली बार पृथ्वी का निर्माण करना आरंभ किया"

देखें: रूपक

अथूब 38:4 (#3)**"उत्तर दे" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)**

यहोवा मानते हैं कि अथूब समझेंगे कि **उत्तर दे** से उनका मतलब है कि वह चाहते हैं कि अथूब बताएँ कि पृथ्वी की नींव कैसे रखी गई थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझाएँ कि पृथ्वी की नींव कैसे रखी गई थी" या "समझाएँ कि मैंने पृथ्वी का निर्माण कैसे शुरू किया था।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:4 (#4)**"यदि तू समझदार हो"**

यह लग सकता है कि अभिव्यक्ति **समझदार हो** में अतिरिक्त जानकारी है, जो आपकी भाषा में व्यक्त करना अस्वाभाविक हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू जानता है" या "यदि तू समझता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी को स्पष्ट करना

अथूब 38:5 (#1)**"उसकी नींव कौन सी वस्तु पर रखी गई?"**

देखें कि आपने पिछले पद में प्रश्न का अनुवाद कैसे किया, चाहे वह प्रश्न के रूप में था जिसे यहोवा चाहते थे कि अथूब उत्तर दें या ऐसा जिसका रूप यहोवा जोर देने के लिए उपयोग कर रहे थे। अध्याय में प्रश्नों के शेष भाग का अनुवाद उसी तरह करें जैसा आपने उस प्रश्न का अनुवाद करने का निर्णय लिया था।

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 38:5 (#2)**"क्या तू जानता है"**

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे बता, अगर तू जानता है"

देखें: पदलोप

अथूब 38:5 (#3)**"उस पर किसने सूत खींचा?"**

सूत का अर्थ यहोवा के संदर्भ में मापने की डोरी है, जो लंबा फीता या रस्सी होती है, जिसमें नियमित अंतराल पर मानक लंबाई अंकित होती है। वह ऐसे बोल रहे हैं जैसे किसी ने सचमुच पृथ्वी पर ऐसा सूत खींचा हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसके नाप बिल्कुल वही हैं जो उन्होंने **निर्धारित** किए थे। यदि आपके पाठक मापने की डोरी से परिचित नहीं हैं और यदि आप अपने अनुवाद में काव्यात्मक छवि को बनाए रखना चाहते हैं, तो आप अपनी संस्कृति में तुलनीय वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसने इसे छड़ी से मापा" या "किसने इसे मापा ताकि इसकी माप ठीक वैसी हो जैसी होनी चाहिए।"

देखें: ज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 38:6 (#1)**"""उसकी नींव कौन सी वस्तु पर रखी गई?"**

यहोवा पृथ्वी को मानों इमारत के रूप में संबोधित करते हैं। वह यहाँ इस प्रकार बोलते हैं जैसे उन्होंने इसकी **नींव** को रखा (अर्थात् जमीन में तब तक खोदा जब तक कि उन्हें ठोस सतह नहीं मिली जिस पर इसे स्थापित किया जा सके) और कोने का पत्थर रखा। जैसे कि पद 4 में, आप अपनी संस्कृति के निर्माण शब्दों का उपयोग करके अनुवाद में इस छवि को

बनाए रखना चाह सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कैसे सुनिश्चित किया कि पृथ्वी अपनी जगह पर बनी रहे? मैंने कैसे सुनिश्चित किया कि यह मजबूत और स्थिर रहे?"

देखें: रूपक

अथूब 38:7 (#1)

"जबकि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे,"

यहाँ नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वाक्यांश भोर के तारे का वर्णन कर सकता है: (1) उनके मूल निर्माण के समय के तारे। उस स्थिति में, यहोवा तारों के बारे में इस तरह बोल रहे होंगे जैसे वे जीवित प्राणी थे जिन्होंने सृष्टि की महिमा और सुंदरता का जश्न मनाने के लिए आनंदमय गीत गाया था, जिसमें पृथ्वी भी शामिल थी। आप अपने अनुवाद में इस छवि को बनाए रख सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने पृथ्वी बनाई, तो यह तारों के साथ सुंदर सामंजस्य में थी" (2) स्वर्गदूत, वाक्य के दूसरे भाग में वाक्यांश परमेश्वर के पुत्र के समानांतर। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने पृथ्वी बनाई, तो स्वर्गदूतों ने उत्सव का गीत गाया"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:7 (#2)

"और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करते थे?"

जैसा कि 1:6 और 2:1 में है, अभिव्यक्ति परमेश्वर के पुत्र स्वर्गदूतों का वर्णन करती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सभी स्वर्गदूत जयजयकार करते थे" या, यदि आपने भोर के तारे का अनुवाद "स्वर्गदूत" के रूप में किया है: "हाँ, सभी स्वर्गदूत जयजयकार करते थे या सभी भोर के तारे जयजयकार करते थे"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:7 (#3)

"और" - "जयजयकार करते थे" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

अनुवादित शब्द जयजयकार का अर्थ अप्रत्यक्ष रूप से आनंद के लिए विलाना है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... आनंद के लिए

चिल्लाए" या "और ... खुशी से चिल्लाए" या "और ... आनंद के लिए जयजयकार करते थे" या "और ... खुशी से जयजयकार करते थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:8 (#1)

"तब किसने द्वार बन्द कर उसको रोक दिया"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने सचमुच द्वार का उपयोग करके समुद्र को भूमि पर बहने से रोका हो। छवि यह है कि समुद्र दीवार या बांध के पीछे है और ये द्वार बाढ़-नियंत्रण उद्देश्यों के लिए खोले जा सकते हैं परन्तु आमतौर पर जल को रोकने के लिए बंद रहते हैं। आप अपने अनुवाद में इस छवि को बनाए रख सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और किसने समुद्र को बाढ़ के द्वार के साथ रोका" या "और किसने समुद्र को भूमि पर बहने से रोका"

देखें: रूपक

अथूब 38:8 (#2)

"द्वार बन्द कर"

शब्द द्वार द्विवचन रूप में है, यहाँ और पद 10 में, इसलिए यदि आपकी भाषा में उस रूप का उपयोग किया जाता है तो शब्द को द्विवचन में करें। अन्य भाषाओं में अर्थ व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दोहरे द्वार के साथ"

देखें: 'आप' के रूप — द्विवचन/बहुवचन

अथूब 38:8 (#3)

"फिर जब समुद्र ऐसा फूट निकला मानो वह गर्भ से फूट निकला"

यह अभिव्यक्ति आपकी भाषा में अस्वाभाविक लग सकती है। यदि ऐसा है, तो आप इसे संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब यह गर्भ से बाहर आया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

अथ्यूब 38:8 (#4)

"फिर जब समुद्र ऐसा फूट निकला मानो वह गर्भ से फूट निकला" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे समुद्र का सचमुच जन्म हुआ हो और वह अपनी माँ के गर्भ से बाहर आया हो। आप अपने अनुवाद में इस छवि को बनाए रख सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब इसका जन्म हुआ" या "जब मैंने इसे पहली बार सृष्टि का हिस्सा बनाया।"

देखें: रूपक

अथ्यूब 38:9 (#1)

"जबकि मैंने उसको बादल पहनाया" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

समुद्र के जन्म के समय की छवि को जारी रखते हुए, जब यह बनाया गया था, यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने सचमुच बादलों को उसके वस्त्र और घोर अंधकार को लपेट दिया, जब वह पहली बार जन्मा था। इस भाषण के संदर्भ में, यह यहोवा के संपूर्ण ज्ञान और सृष्टि के हर तत्व पर नियंत्रण का संदर्भ हो सकता है। इस संस्कृति के लोग समुद्र को जलमय अराजकता का क्षेत्र मानते थे; ये छवियाँ यह दावा हो सकती हैं कि परमेश्वर ने हमेशा समुद्र को अपने नियंत्रण और देखभाल में रखा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने इसे आश्रय दिया और इसकी रक्षा की जैसे माँ अपने नवजात बालक के लिए करती है"

देखें: रूपक

अथ्यूब 38:9 (#2)

"जबकि मैंने उसको बादल पहनाया"

यहोवा किसी विशिष्ट बादल का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य रूप से बादलों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने बादलों को उनका वस्त्र बनाया"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथ्यूब 38:9 (#3)

"और घोर अंधकार में लपेट दिया"

शब्द लपेट दिया उन वस्त्रों का वर्णन करता है जिनमें कुछ संस्कृतियों में माताएँ अपने नवजात शिशुओं को लपेटती हैं ताकि उन्हें सुरक्षित महसूस कराने में सहायता मिल सके। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि लपेटना क्या है और यदि आप अपने अनुवाद में काव्यात्मक छवि बनाए रखना चाहते हैं, तो आप अपनी संस्कृति में किसी तुलनीय वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और घोर अंधकार को बच्चे की सुरक्षा का आवरण बनाया"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथ्यूब 38:10 (#1)

"और उसके लिये सीमा बाँधा"

यहोवा संभवतः उस तरीके का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख कर रहे हैं जिससे उन्होंने समुद्र के लिए **सीमा** बनाने हेतु भूमि के किनारे को **बाँधा**। यह उन चट्टानों का वर्णन हो सकता है जो कई स्थानों पर भूमि और समुद्र के बीच सीमा के रूप में कार्य करती हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने भूमि के किनारे को काटकर समुद्र के लिए सीमा बना दी" या "और भूमि के किनारे पर मैंने चट्टानें बनाई जिन पर समुद्र नहीं बह सकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथ्यूब 38:10 (#2)

"और यह कहकर बेंडे और किवाड़े लगा दिए"

क्योंकि यहोवा ने पहले **किवाड़** बनाए होंगे और फिर उन्हें बंद रखने के लिए उनके ऊपर बेंडे लगाई होगी, इसलिए पहले किवाड़ों का उल्लेख करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने दरवाजे बनाए और कड़ी लगाई"

देखें: सूचना संरचना

अथ्यूब 38:10 (#3)

"और यह कहकर बेंडे और किवाड़े लगा दिए"

जैसा कि पद 8 में, यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने सचमुच **किवाड़** स्थापित किए हो ताकि समुद्र भूमि पर न बह सके। देखें कि आपने वहाँ समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने समुद्र को रोकने के लिए जलद्वार स्थापित किए" या "और मैंने समुद्र को भूमि पर बहने से रोका"

देखें: रूपक

अथूब 38:11 (#1)

"यहाँ तक आ, और आगे न बढ़,"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने समुद्र को बताया कि वह केवल यहाँ तक आ सकता है, परन्तु इससे आगे नहीं जा सकता, हाँ, मैंने उसकी गर्वित लहरों के लिए वह सीमा निर्धारित की थी।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 38:11 (#2)

"यहाँ तक आ, और आगे न बढ़," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित पद है)

यहोवा ने समुद्र से बात की, हालाँकि वह जानते थे कि समुद्र उन्हें सुन या समझ नहीं सकता, यह दिखाने के लिए कि उन्होंने भूमि और समुद्र के बीच जो सीमा स्थापित की थी, उसके बारे में वह कितने दृढ़ थे ताकि व्यवस्थित सृष्टि सुनिश्चित हो सके। यदि आपकी भाषा में कोई वक्ता ऐसी चीज़ से बात नहीं करता जो उसे सुन या समझ नहीं सकती, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैंने घोषणा की कि समुद्र यहाँ तक आ सकता है, परन्तु इससे आगे नहीं बढ़ सकता, हाँ, वह उसकी गर्वित लहरों के लिए सीमा होगी।"

देखें: संबोधन

अथूब 38:11 (#3)

"यहाँ थम जाएँ" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने सीमा निर्धारित की है।"

देखें: पदलोप

अथूब 38:11 (#4)

"यहाँ थम जाएँ"

सर्वनाम एक (अंग्रेजी में ऐसा अनुवाद है) हो सकता है: (1) अनिश्चित सर्वनाम जिसका तत्काल संदर्भ में कोई विशिष्ट

संदर्भ नहीं होता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे अलग अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "सीमा निर्धारित की गई है" (2) सर्वनाम जिसका उपयोग यहोवा स्वयं के बारे में तृतीय पुरुष में बोलने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने सीमा निर्धारित की है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:11 (#5)

"और तेरी उमड़नेवाली लहरें"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग लहरों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो उमड़नेवाली चित्रित हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी गर्वित लहरें"

देखें: स्वामित्व

अथूब 38:11 (#6)

"और तेरी उमड़नेवाली लहरें"

यहोवा समुद्र की लहरों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हो जिनमें गर्व हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी प्रचंड लहरों के लिए"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:12 (#1)

"क्या तूने जीवन भर में"

यहोवा विशेष समय, अथूब के जीवनकाल को संदर्भित करने के लिए जीवन भर का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे जीवनकाल में हमेशा"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:12 (#2)

"भोर को आज्ञा दी"

यहोवा भोर के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह जीवित प्राणी हो जिसे अथूब ने आज्ञा दी हो। यदि आपकी भाषा में

यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने दिन को प्रारंभ होने का आदेश दिया है?"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:12 (#3)

"और पौ को उसका स्थान जताया है"

यहोगा पौ के बारे में इस तरह बोल रहे हैं जैसे वह जीवित प्राणी हो जिसका स्थान अथूब उन्हें दिखा सकता था। यहोवा इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि सूर्य हर दिन थोड़ी अलग जगह से उगता है, जिससे भीर थोड़ी अलग जगह पर दिखाई देती है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने सूर्य को सही स्थान पर उदय होने के लिए निर्देशित किया है?"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:13 (#1)

"ताकि वह पृथ्वी की छोरों को वश में करे,"

यहोवा पौ के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे यह जीवित प्राणी हो, इस संदर्भ में ऐसा कहना जैसे कि भीर पृथ्वी की छोरों को पकड़ सकती है और इसे हिला सकती है ताकि दुष्ट लोग इससे गिर जाएँ। यह उस तरीके का संदर्भ है, जैसा कि अथूब ने 24:14-15 में कहा कि अपराधी रात के दौरान अपने अपराध करते हैं, दिन के दौरान नहीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि पृथ्वी पर प्रकाश हो जाए और दुष्ट लोग अपराध करना बन्द कर दें।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:13 (#2)

"ताकि वह पृथ्वी की छोरों को वश में करे"

देखें कि आपने 37:3 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया, जहाँ यह भी स्पष्ट था कि इस संस्कृति के लोग मानते थे कि पृथ्वी सपाट सतह थी जिसका छोर था। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यह पूरी पृथ्वी के चारों ओर प्रकाश फैला सके"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:13 (#3)

"और दुष्ट लोग उसमें से झाड़ दिए जाएँ" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि दुष्टों को उससे दूर हटा दिया जाए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:13 (#4)

"दुष्ट लोग"

यहोवा विशेषण दुष्ट का उपयोग संज्ञा के रूप में विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनि के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 38:14 (#1)

"वह ऐसा बदलता है" - "और सब वस्तुएँ मानो वस्तु पहने हुए दिखाई देती हैं" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

सर्वनाम वह पृथ्वी को संदर्भित करता है और सर्वनाम सब पृथ्वी की विशेषताओं को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी बदल जाती है... और इसकी विशेषताएँ उभरकर आती हैं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:14 (#2)

"वह ऐसा बदलता है जैसा मोहर के नीचे चिकनी मिट्टी बदलती है"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जिस तरह साधारण मिट्टी जब मोहर के नीचे दबाई जाती है, तो उसमें विशेष विशेषताएँ आ जाती हैं, उसी तरह पृथ्वी की विशेषताएँ दिन के उजाले में स्पष्ट हो जाती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे मोहर से दबाए जाने पर मिट्टी

स्पष्ट रूप ले लेती है, वैसे ही पृथ्वी की विशेषताएँ दिन के प्रकाश में स्पष्ट हो जाती हैं।"

देखें: उपमा

अथूब 38:14 (#3)

"वह ऐसा बदलता है"

यहोवा का स्पष्ट अर्थ है कि यह पौ फटने के समय में होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब दिन का प्रकाश उस पर चमकता है, तो यह बदल जाता है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:14 (#4)

"वह ऐसा बदलता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "दिन का प्रकाश इसे बदल देता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:14 (#5)

"मानो वस्त्र पहने हुए" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

यहोवा वस्त्र शब्द का उपयोग वस्त्र की तहों के संदर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वस्त्र की तहों की तरह"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:15 (#1)

"दुष्टों से"

यहोवा विशेषण **दुष्टों** का उपयोग संज्ञा के रूप में विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 38:15 (#2)

"दुष्टों से उनका उजियाला रोक लिया जाता है"

जोर देने के लिए, यहोवा जो कहना चाहते हैं उसके विपरीत कह रहे हैं। जैसा कि अथूब ने [24:16-17](#) में कहा, दुष्ट लोगों के लिए, दिन, रात के समान होता है (वे घर में रहते हैं और बाहर क्या हो रहा है, यह नहीं जानते) और रात, दिन के समान होती है (तब वे बाहर जाते हैं)। इसलिए यहाँ यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे रात उजियाला हो, यह बताते हुए कि दुष्ट लोग इसे अपने वृष्टिकोण से कैसे देखते हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता अपने अर्थ के विपरीत नहीं कहेगा, तो आपके अनुवाद में आप यहोवा का वास्तविक अर्थ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... उनके बाहर जाने और अपराध करने के अवसर को रोका जाता है"

देखें: व्यंग

अथूब 38:15 (#3)

"दुष्टों से उनका उजियाला रोक लिया जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और ... दिन उनके बाहर जाकर अपराध करने के अवसर को रोक देता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:15 (#4)

"और उनकी बढ़ाई हुई बाँह तोड़ी जाती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी शक्तिशाली भुजा टूट जाती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:15 (#5)

"और उनकी बढ़ाई हुई बाँह तोड़ी जाती है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे प्रत्येक दुष्ट व्यक्ति ने अपनी बाँह को बढ़ाया हो ताकि किसी कमजोर व्यक्ति पर हिंसक प्रहार कर सके, परन्तु फिर वह हाथ टूट गया हो ताकि दुष्ट व्यक्ति उसे इस तरह से उपयोग न कर सके। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे किसी के विरुद्ध हिंसा नहीं कर सकते।"

देखें: रूपक

अथूब 38:16 (#1)

"समुद्र के सोतों"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, इस संस्कृति के लोग मानते थे कि समुद्र के तल में सोते होते हैं जो इसे जल प्रदान करते हैं। जैसा कि पद के दूसरे भाग में समानांतर कथन से संकेत मिलता है, इस प्रश्न का ध्यान इन सोतों पर नहीं बल्कि समुद्र के तल पर है। आप अपने पाठकों के लिए इसे उपयोगी बनाने के लिए अपने अनुवाद में ऐसा कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्र का तल"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:17 (#1)

"क्या मृत्यु के फाटक तुझ पर प्रगट हुए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या किसी ने तेरे लिए मृत्यु के द्वार प्रकट किए हैं?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:17 (#2)

"क्या मृत्यु के फाटक तुझ पर प्रगट हुए"

यहोवा मृत्यु शब्द का उपयोग अधोलोक, मृतकों के निवास स्थान के संदर्भ में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या अधोलोक के द्वार तेरे लिए प्रकट हुए हैं?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:17 (#3)

"क्या मृत्यु के फाटक तुझ पर प्रगट हुए"

यहोवा द्वार शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ अधोलोक में प्रवेश है और इसका अर्थ है कि अधोलोक में स्वतंत्र रूप से जाने की क्षमता। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या किसी ने तुझे अधोलोक में प्रवेश करने का तरीका दिखाया है?" या "क्या तू अधोलोक में घूम सका है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:17 (#4)

"क्या तू घोर अंधकार के फाटकों को कभी देखने पाया हैं?"

यहोवा घोर अंधकार शब्द का उपयोग मृत्यु के संदर्भ में कर रहे हैं और इस प्रकार, इस संदर्भ में, मृतकों का निवास स्थान। इसलिए यह प्रश्न मूल रूप से पद में पहले प्रश्न के समान ही अर्थ रखता है और आप इसे उसी तरह अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, क्या तूने देखा है कि मृतकों के निवास स्थान में कैसे प्रवेश किया जाता है?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:18 (#1)

"पृथ्वी की चौड़ाई को पूरी रीति से"

यहोवा एकवचन शब्द "चौड़ाई" के स्थान पर बहुवचन चौड़ाइयों का उपयोग कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी कितनी चौड़ी है"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 38:18 (#2)

"बता दे"

देखें कि आपने 38:4 में "बता दे" शब्द का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "समझा कि पृथ्वी कितनी विस्तृत/चौड़ी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:18 (#3)**"यदि तू यह सब जानता है"**

सर्वनाम यह पृथ्वी को संदर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तू पृथ्वी के बारे में सब कुछ जानता है" या "तूने पृथ्वी के छोर तक सब कुछ देखा है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:19 (#1)**"उजियाले के निवास का मार्ग कहाँ है"**

जैसा कि 9:9 में टिप्पणी समझाती है, इस संस्कृति के लोग मानते थे कि स्वाभाविक शक्तियों को कक्षों या भंडारगृहों में रखा जाता था। एलीहू ने 37:9 में कहा कि बवण्डर अपने "कक्ष" से आ रहा था। यहोवा इस अध्याय के पद 22 में अथूब से पूछते हैं कि क्या उन्होंने बर्फ और ओलों के "भंडारगृह" देखे हैं। यहाँ यहोवा इसी तरह पूछ रहे हैं कि क्या अथूब जानते हैं कि **उजियाला कहाँ है**, अर्थात् वह स्थान जहाँ वह प्रकाश को निर्देश में रखते हैं ताकि उसे सृष्टि के भीतर उपयोग के लिए उपलब्ध रखा जा सके। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो आपकी अपनी संस्कृति की सृष्टि की समझ को दर्शाने वाले शब्दों का उपयोग करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू जानता है कि जब रात होती है तो दिन का प्रकाश कहाँ जाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:19 (#2)**"और अंधियारे का स्थान कहाँ है?"**

यह प्रश्न पद के पहले भाग में प्रश्न के समान कुछ अर्थ रखता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे इसी तरह अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्या तू जानता है कि दिन के दौरान रात का अंधकार कहाँ चला जाता है?"

देखें: समानांतरता

अथूब 38:20 (#1)**"क्या तू उसे उसके सीमा तक हटा सकता है,"**

उसे और उसके से, यहोवा विशेष रूप से अंधकार का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका उन्होंने पिछले पद के अंतिम भाग

में उल्लेख किया था, परन्तु वह अंधकार का उपयोग अंधकार और प्रकाश दोनों के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अपने अनुवाद में बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तू उन्हें उनके क्षेत्रों में ले जाएँ, और उनके घरों के मार्गों को जाने" देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:20 (#2)**"""और उसके घर की डगर पहचान सकता है?"**

अथूब को यह समझने की ज़रूरत होगी कि प्रकाश और अंधकार के घरों को कैसे पहचाना जाए, इससे पहले कि वह उन्हें वहाँ ले जा सके। इसलिए इन वाक्यों के निर्देश को उलटना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तू उनके घरों के मार्ग को जान ले और उन्हें उनके क्षेत्रों में पहुँचा दे।"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 38:20 (#3)**"उसके घर की डगर"**

यहोवा उन स्थानों की चर्चा कर रहे हैं जहाँ प्रकाश और अंधकार को रखा जाता है, जैसे कि वे वास्तव में घर हों जिनमें वे निवास करते हैं और जैसे कि वास्तव में **डगर** हों जो उन घरों तक ले जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे वहाँ पहुँचा जाए जहाँ इसे रखा जाता है" या "कैसे वहाँ पहुँचा जाए जहाँ उन्हें रखा जाता है"

देखें: रूपक

अथूब 38:21 (#1)

"निःसन्देह तू यह सब कुछ जानता होगा! क्योंकि तू तो उस समय उत्पन्न हुआ था," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

जोर देने के लिए, यहोवा वह कह रहे हैं जो वह वास्तव में नहीं कहना चाहते। यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप यह संकेत दे सकते हैं कि वह वास्तव में क्या कहना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे यह स्वीकार करना होगा कि तू वास्तव में इनमें से किसी को नहीं जानता, क्योंकि तेरा जन्म तब नहीं हुआ था; तेरे दिनों की संख्या इतनी अधिक नहीं है।"

देखें: व्यंग

अथूब 38:21 (#2)**"तू तो उस समय उत्पन्न हुआ था"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू जीवित था।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:21 (#3)**"उस समय"**

उस समय से, यहोवा का अप्रत्यक्ष अर्थ है जब उन्होंने उन सभी वस्तुओं को बनाया जिनका वह वर्णन कर रहे थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने इन सभी वस्तुओं का निर्माण किया।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:21 (#4)**"और तू बहुत आयु का है"**

जबकि अथूब वास्तव में निश्चित दिनों के लिए जीवित रहे हैं, यहोवा शायद दिनों शब्द का उपयोग विशेष समय, अथूब के जीवनकाल को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तू इतने लंबे समय तक जीवित रहा है" या "और तेरा इतना लंबा जीवनकाल रहा है।"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:22 (#1)**"क्या तू कभी हिम के भण्डार में पैठा,"**

इस संस्कृति के लोग मानते थे कि स्वाभाविक शक्तियों को कक्षों या घंडारगृहों में रखा जाता था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसका अनुवाद समकक्ष अभिव्यक्ति के साथ कर सकते हैं जो आपकी अपनी संस्कृति की सृष्टि की समझ को दर्शाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तूने आकाश में यात्रा की है, जहाँ बर्फ और ओले बनते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:23 (#1)**"जिसको- 'रख छोड़ा है"**

सर्वनाम जिसको "बर्फ" और "ओले" दोनों को संदर्भित करता है, जिनका यहोवा ने पिछले पद में उल्लेख किया था। विशेष रूप से ओले का उपयोग उन्होंने अपने शत्रुओं को पराजित करने के लिए किया था, जैसे कि [यहोशु 10:1-15](#) में वर्णित युद्ध में। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है और यहाँ नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं बर्फ और विशेष रूप से ओलो को रखता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:23 (#2)**"लड़ाई के दिन के लिए के लिए"**

यदि आपकी भाषा में लड़ाई के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब लोग लड़ रहे होंगे, उस समय के लिए"

देखें: भावावाचक संज्ञाएँ

अथूब 38:23 (#3)**"संकट के समय और युद्ध और लड़ाई के दिन के लिए"**

यहोवा विशेष समय का उल्लेख करने के लिए दिन शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "युद्ध और लड़ाई के समय के लिए"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:23 (#4)**"युद्ध और लड़ाई"**

शब्द युद्ध और लड़ाई समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महान् युद्ध"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 38:24 (#1)**"किस मार्ग से उजियाला फैलाया जाता है"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उस स्थान तक जहाँ से प्रकाश प्रकट होता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 38:24 (#2)**"और पूर्वी गाय पृथ्वी पर बहाई जाती है?"**

यहोवा कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। यहाँ नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस स्थान का रास्ता क्या है जहाँ से पूर्वी हवा पृथ्वी पर फैलती है?"

देखें: पदलोप

अथूब 38:25 (#1)**"महावृष्टि के लिये किसने नाला काटा"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे आकाश में सचमुच नाला काटा गया हो ताकि बारिश की महावृष्टि को कुछ विशेष स्थानों की ओर निर्देशित किया जा सके (जैसा कि अगले दो पदों में वर्णन किया गया है)। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुनिश्चित किया कि वर्षा कुछ विशेष स्थानों पर हो"

देखें: रूपक

अथूब 38:25 (#2)**"और कड़कनेवाली बिजली के लिये मार्ग बनाया है"**

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या किसने गरजने वाली बिजली के लिए रास्ता बनाया"

देखें: पदलोप

अथूब 38:25 (#3)**"और कड़कनेवाली बिजली के लिये मार्ग बनाया है"**

ऐसा प्रतीत होता है कि यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग बिजली और कड़कनेवाली दोनों के लिए कर रहे हैं और वह इन दोनों का उपयोग उस तूफान के लिए कर रहे हैं जिसमें वे होंगे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या किसने तूफान के लिए रास्ता बनाया" या "या किसने तूफान को सही जगह पर निर्देशित किया"

देखें: स्वामित्व

अथूब 38:26 (#1)**"मनुष्य"**

यहाँ दोनों उदाहरणों में, पुल्लिंग शब्द पुरुष का सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग हैं... लोग"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 38:27 (#1)**"को सीचे"**

यहोवा शुष्क क्षेत्र के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह जीवित प्राणी हो जो ध्यासा है और जिसे वर्षा सीच सकती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जल देना"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:27 (#2)**"उजाड़ ही उजाड़ देश को"**

शब्द उजाड़ ही उजाड़ समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शुष्क मरुभूमि" या "सूखी निर्जन मरुभूमि"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 38:28 (#1)**"क्या मेंह का कोई पिता है?"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे मेंह और ओस का वास्तव में कोई पिता हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वर्षा कैसे बनती है? और ओस कैसे बनती है?"

देखें: रूपक

अथूब 38:29 (#1)**"किसके गर्भ से बर्फ निकला है?"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे बर्फ और पाले की वास्तव में कोई माता हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बर्फ कहाँ से आती है? और आकाश का पाला कहाँ से आता है?"

देखें: रूपक

अथूब 38:29 (#2)**"और आकाश से गिरे हुए पाले को"**

यहोवा मानते हैं कि अथूब समझेंगे कि आकाश के पाले से उनका मतलब वह ठंड है जो ठंडी रात के बाद सुबह जमीन पर होती है और जो आकाश से गिरी हुई प्रतीत होती है, हालाँकि वास्तव में यह ओस होती है जो जमीन पर जम जाती है। (यहोवा बर्फ का उल्लेख नहीं कर रहे हैं, जो आकाश से स्पष्ट रूप से गिरती है।) आप अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करने के लिए इस अनुवाद में संकेत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह ठंड जो आकाश से गिरी हुई प्रतीत होती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:30 (#1)**"जल पत्थर के समान जम जाता है,"**

यहोवा आगे स्वाभाविक घटनाओं का वर्णन कर रहे हैं, जैसे उन्होंने पिछले पद में बर्फ और पाले का वर्णन किया था, जो ठंड के समय होते हैं। यहोवा यह सुझाव दे रहे हैं कि यदि अथूब उतने ही बुद्धिमान हैं जितना वह दावा करते हैं, तो उन्हें इन घटनाओं की भी व्याख्या करने में सक्षम होना चाहिए। इसलिए यह अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्न है। आप इसे इस तरह से अनुवाद कर सकते हैं यदि यह आपके पाठकों के लिए

उपयोगी होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू समझा सकता है कि ठंडे मौसम में, जल कैसे पत्थर के नीचे छिप जाता है, और गहराई का चेहरा जम जाता है?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:30 (#2)**"पत्थर के समान"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे पत्थर के पार देखना संभव नहीं है, वैसे ही सर्दियों में जल के ऊपर बनने वाली बर्फ के पार देखना भी आमतौर पर संभव नहीं होता। यदि यह आपके लिए उपयोगी हो, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे पत्थर के नीचे, जिसके पार कोई नहीं देख सकता"

देखें: उपमा

अथूब 38:30 (#3)**"जल पत्थर के समान जम जाता है"** (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है, अंग्रेजी अनुवाद भिन्न है)

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे जल जीवित प्राणी है जो जम जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जल छिपा हुआ है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:30 (#4)**"और गहरे पानी के ऊपर"**

यहोवा "ऊपर" शब्द का उपयोग विशेष अर्थ में "सतह" के रूप में कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सतह पर"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:31 (#1)**"क्या तू कचपचिया का गुच्छा गँथ सकता या मृगशिरा के बन्धन खोल सकता है?"**

देखें कि आपने कचपचिया और मृगशिरा नामों का 9:9 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू सप्तऋषि के बन्धन को बाँध सकता है, या शिकारी की रस्सियों को ढीला कर सकता है?"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथ्यूब 38:31 (#2)

"क्या तू कचपचिया का गुच्छा गूँथ सकता या मृगशिरा के बन्धन खोल सकता है?" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे ये नक्षत्र आकाश में गुच्छे और बन्धन से बंधे हुए हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू वही है जो कचपचिया में तारों को एक साथ रखता है? क्या तू मृगशिरा में तारों को अलग कर सकता है?"

देखें: रूपक

अथ्यूब 38:31 (#3)

"या मृगशिरा के बन्धन खोल सकता है?"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं, यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। यहाँ नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या तू मृगशिरा की रस्सियों को खोल सकता है?"

देखें: पदलोप

अथ्यूब 38:32 (#1)

"क्या तू राशियों को ठीक-ठीक समय पर उदय कर सकता"

शब्द राशियों सितारों के अन्य नक्षत्र का नाम प्रतीत होता है, परन्तु यह स्पष्ट नहीं है कि यह नाम किस नक्षत्र पर लागू होता है। आप इसे सामान्य संदर्भ के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू उनके समय में नक्षत्रों को बाहर लाएगा" या "क्या तू प्रत्येक नक्षत्र को सही समय पर आकाश में प्रकट करेगा?"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथ्यूब 38:32 (#2)

"या सप्तर्षि को साथियों समेत लिए चल सकता है?"

देखें कि आपने सप्तर्षि नाम का अनुवाद [अथ्यू 9:9](#) में कैसे

किया। शब्द साथियों उन तारों पर लागू होता है जो इस नक्षत्र के मुख्य भाग से आकाश में फैलते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या क्या तू सप्तर्षि तारामंडल और उसके साथ जुड़े तारों को उनके उचित स्थान पर ले जा सकता है?"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथ्यूब 38:32 (#3)

"या सप्तर्षि को साथियों समेत लिए चल सकता है?"

यहोवा उस नक्षत्र के बारे में बात कर रहे हैं जिसे इस संस्कृति ने सप्तर्षि कहा था, जैसे कि यह जीवित प्राणी हो जिसका अथ्यूब ने मार्गदर्शन किया हो। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या क्या तू आकाश में सप्तर्षि तारामंडल और उसके साथ जुड़े तारों को सही स्थिति में रख सकता है?"

देखें: मानवीकरण

अथ्यूब 38:32 (#4)

"साथियों"

मूल भाषा में यहाँ पुल्लिंग शब्द पुत्र शब्द का उपयोग किया गया है, जो सामान्य अर्थ में नर और मादा दोनों युवा भालुओं को शामिल करता है। कुछ भाषाओं में भालुओं की संतान के लिए विष्ट शब्द हो सकता है जो इस अर्थ को व्यक्त करता है। अन्य भाषाएँ ऐसे शब्द के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों रूपों का उपयोग कर सकती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके शावक"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथ्यूब 38:33 (#1)

"आकाशमण्डल की विधियाँ"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग विधियों के लिए कर रहे हैं जो आकाशमण्डल पर लागू होती हैं, न कि उन विधानों के लिए जो आकाश ने लागू किए हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे नियम जो आकाश को नियंत्रित करते हैं" या "कैसे सूर्य, चंद्रमा और सितारों की गति को नियंत्रित किया जाता है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 38:33 (#2)

"और पृथ्वी पर उनका अधिकार ठहरा सकता है?"

हालाँकि सर्वनाम उनका एकवचन है, यह आकाशमण्डल को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अपने अनुवाद में बहुवचन सर्वनाम का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू पृथ्वी पर उनका शासन स्थापित करेगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:33 (#3)

"और पृथ्वी पर उनका अधिकार ठहरा सकता है?" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं (अंग्रेजी अनुवाद के मुताबिक) जो नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू पृथ्वी पर उनका शासन स्थापित करने में सक्षम नहीं है, क्या तू है?"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:33 (#4)

"और पृथ्वी पर उनका अधिकार ठहरा सकता है?" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे आकाशमण्डल वास्तव में पृथ्वी पर शासन कर रहा हो। वह संभवतः इस बात का जिक्र कर रहे हैं कि कैसे सूर्य, पृथ्वी को गर्म करता है, बादलों का आवरण पृथ्वी को ठंडा करता है, इत्यादि। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू आकाश की गतिविधियाँ को पृथ्वी की परिस्थितियों से प्रभावित कर सकता है?"

देखें: रूपक

अथूब 38:34 (#1)

"क्या तू (बादलों तक) अपनी वाणी पहुँचा सकता है," (हिंदी आई.आर.वी. अनुवाद)

यहोवा इस बारे में बात कर रहे हैं कि अथूब कैसे अपनी वाणी पहुँचा सकते हैं, जिसका अर्थ है कि अथूब कैसे आदेश दे सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप

अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू ऊँची आवाज में आदेश देगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:34 (#2)

"बादलों तक"

यहोवा किसी विशेष बादल का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य रूप से बादलों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बादलों की ओर"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 38:34 (#3)

"ताकि बहुत जल बरस कर तुझे छिपा ले?"

जल से, यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से वर्षा का संकेत देते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुझ पर भारी वर्षा बरसाएगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:35 (#1)

"क्या तू बिजली को आज्ञा दे सकता है, कि वह जाए,"

यदि अथूब वास्तव में बिजली को आदेश देते, तो वह पहले उनसे कहते, देख, हम और फिर वे वहाँ जाते जहाँ अथूब उन्हें भेज रहे होते। इसलिए यह जानकारी रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि वे क्या कहेंगे, इस जानकारी से पहले कि वे जाएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू बिजली की चमक को भेजना चाहे, तो क्या वे पहले तुझसे कहेंगी, 'देख, हम यहाँ हैं,' और फिर वहाँ जाएँगी जहाँ तू उन्हें भेजेगा?"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 38:35 (#2)

"और तुझ से कहे, 'मैं उपस्थित हूँ?'"

अभिव्यक्ति मैं उपस्थित हूँ इस संस्कृति में दासों का तरीका था जब उनके स्वामी उन्हें बुलाते थे। वे अपने स्वामी को बता रहे थे कि वे उनकी सेवा करने के लिए उपलब्ध हैं, जैसा भी आवश्यक हो। आपकी संस्कृति में तुलनीय अभिव्यक्ति हो

सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे तुझसे कहेंगे, 'हम तेरी सेवा में हाजिर हैं'"

देखें: मुहावरा

अथूब 38:35 (#3)

"और तुझ से कहे, 'मैं उपस्थित हूँ?'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे तुझसे कहेंगे कि वे तेरी सेवा में उपस्थित हैं"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 38:36 (#1)

"किसने अन्तःकरण में बुद्धि उपजाई," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

अनुवादित शब्दों अन्तःकरण में बुद्धि उपजाई का अर्थ अब स्पष्ट नहीं है, हालांकि ये शब्द आकाश की कुछ घटनाओं का संदर्भ देते प्रतीत होते हैं, क्योंकि यह पद्यांश 22-38 का विषय है। फिर भी, कुछ संस्करण इन शब्दों का अनुवाद मानव देह के अंगों या पक्षियों के संदर्भ में करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उन शब्दों का उपयोग करना चाह सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप उन शब्दों का उपयोग करना चाह सकते हैं जो यूएलटी के शब्दों के समान हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:36 (#2)

"किसने अन्तःकरण में बुद्धि उपजाई," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यदि अनुवादित शब्द अन्तःकरण में आकाश की घटनाओं को संदर्भित करते हैं, तो यहोवा इन घटनाओं के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जिनके पास यह बुद्धि और समझ हो कि उन्हें कहाँ और कब बनना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन सुनिश्चित करता है कि बादल और धूंध सही स्थानों पर और सही समय पर बनें"

देखें: मानवीकरण

अथूब 38:37 (#1)

"और कौन आकाश के कुप्पों को उण्डेल सकता है"

यहोवा बादलों के बारे में आकाश में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे कुप्पों हों, जो पशुओं की खाल से बने तरल पदार्थ के पात्र होते हैं, जैसा कि एलीहू ने 32:19 में वर्णन किया था। जब यहोवा पूछते हैं कि कौन इन जल पात्रों को उण्डेल सकेगा, तो उनका मतलब है कि कौन उन्हें इस तरह से झुकाएगा कि वे अपनी सामग्री बाहर निकाल दें। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या कौन बादलों को पृथ्वी पर जल बरसाने देगा"

देखें: रूपक

अथूब 38:38 (#1)

"जब धूलि जम जाती है,"

यहोवा यह वर्णन कर रहे हैं कि कैसे धरती की धूल ठोस में बदल जाती है और कैसे पृथ्वी के ढेले एक दूसरे से सट जाते हैं और एक लंबे समय तक सूखे की अवधि का संकेत देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब पृथ्वी लंबे समय तक सूखे से बहुत सूखी हो, तो उसे पानी देना"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:39 (#1)

"और जवान सिंहों का पेट भर सकता है"

यहोवा जीवन को बनाए रखने के लिए भोजन की आवश्यकता को दर्शनी के लिए पेट भर सकता है शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या उसके शावकों की भूख को संतुष्ट करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:39 (#2)

"और जवान सिंहों का पेट भर सकता है" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा और शब्द का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह बताए कि पिछले वाक्यांश में जो उन्होंने वर्णित किया है उसके परिणामस्वरूप क्या होगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए

उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने शावकों की भूख को संतुष्ट करने के लिए" या "ताकि वह अपने शावकों को खिला सकें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 38:40 (#1)

"जब वे माँद में बैठे हों," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

सर्वनाम वे उस सिंहनी को संदर्भित करते हैं जिसे यहोवा ने पिछले पद में वर्णित किया था। आपकी भाषा में यहाँ एकवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वह घात लगाकर बैठती हैं, तो वह अपनी माँद में दुबकी रहती हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 38:40 (#2)

"माँद में"

सामान्य शब्द माँद का तात्पर्य अप्रत्यक्ष रूप से घनी झाड़ियाँ या किसी अन्य स्थान से हैं जहाँ सिंहनी स्वयं को छुपा सकती है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "घनी झाड़ियों में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:41 (#1)

"फिर जब कौवे के बच्चे...आहार कौन देता है?"

यहोवा किसी विशेष कौवे के बच्चे का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य कौवों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब उनके बच्चे भोजन के लिए पुकारते हैं, तब कौओं के लिए आहार कौन प्रदान करता है?"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 38:41 (#2)

"कौवे के बच्चे...उनको आहार कौन देता है?"

कौआ बड़ा पक्षी है जिसके चमकदार काले पंख होते हैं और जो मृत पशुओं पर भोजन करता है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि कौआ क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में तुलनीय पक्षी के नाम का उपयोग कर सकते हैं, या आप समानार्थी अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पक्षियों के लिए भोजन"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 38:41 (#3)

"जब कौवे के बच्चे परमेश्वर की दुहाई देते हुए हैं"

यहोवा यह बता रहे हैं कि जब छोटे पक्षी भोजन की आवश्यकता होने पर जोर-जोर से और लगातार चहचहते हैं, तो वह इसे प्रार्थना के रूप में सुनते हैं, जैसे कि छोटे पक्षी उनसे अपनी आवश्यकता के लिए पुकार रहे हों। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कौवे के बच्चे भोजन के लिए जोर-जोर से चहचहते हैं जैसे कि वे परमेश्वर को पुकार रहे हों।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 38:41 (#4)

"परमेश्वर की"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसका प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 38:41 (#5)

"निराहार उड़ते फिरते हैं" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा ऐसा कह रहे हैं जैसे कि कौवे के बच्चे सचमुच लङ्खड़ा रहे हैं, अर्थात् ऐसे चल रहे हैं जैसे वे मुश्किल से खड़े हो पा रहे हों। उनका मतलब है कि वे ऐसा व्यवहार करेंगे जिससे पता चलेगा कि वे भूख से कमजोर हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे भूख से कमजोर होते हैं"

देखें: रूपक

अथूब - अध्याय 39 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय यहोवा की अथूब के प्रति प्रतिक्रिया की निरन्तरता है।

अनफोलिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में दाईं ओर स्थित करता है क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय में, यहोवा अथूब से प्रश्न पूछना जारी रखते हैं, जो यह दर्शाते हैं कि अथूब सृजित संसार की कार्यप्रणाली को नहीं समझते। यहोवा ने [38:39](#) में अथूब से पशुओं और पक्षियों के बारे में प्रश्न पूछना शुरू किया; वह इस अध्याय में भी ऐसा करना जारी रखते हैं।

निहितार्थ यह है कि यदि अथूब यह नहीं समझते और नहीं समझा सकते कि परमेश्वर दृश्य सृष्टि में चीजों को कैसे कार्यान्वित करते हैं, तो वह निश्चित रूप से यह नहीं समझते और नहीं समझा सकते कि परमेश्वर लोगों के जीवन में और मानव इतिहास के दौरान अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अदृश्य, रहस्यमय तरीकों से क्या कर रहे हैं।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

यहोवा द्वारा अथूब से पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति

पिछले अध्याय की तरह, यहोवा सम्भवतः चाहते हैं कि अथूब उन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें जो वह पूछ रहे हैं, ताकि अथूब को यह स्वीकार करना पड़े कि उन्हें उत्तर नहीं पता। वैकल्पिक रूप से, यहोवा जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर सकते हैं। इस अध्याय में प्रत्येक प्रश्न का अनुवाद करने का सबसे उपयुक्त तरीका विचार करें।

अथूब 39:1 (#1)

"क्या तू जानता है कि पहाड़ पर की जंगली बकरियाँ कब बच्चे देती हैं?"

जैसा कि इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, इसका यह अर्थ हो सकता है: (1) कि यहोवा चाहते हैं कि अथूब इस प्रश्न और अध्याय के शेष भाग में दिए गए प्रश्नों का उत्तर देने की कोशिश करें ताकि अथूब को यह स्वीकार करना पड़े कि वह उत्तर नहीं जानते। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप पहाड़ की बकरियों के जन्म का समय जानते हैं?" (2) कि यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेग, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "आप पहाड़ की बकरियों के जन्म का समय नहीं जानते!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 39:1 (#2)

"पहाड़ पर की जंगली बकरियाँ"

यहोवा इन बकरियों की पहचान, उनके निवास स्थान के आधार पर पहाड़ शब्द का उपयोग करके कर रहे हैं। आपकी भाषा में इस प्रकार की बकरियों के लिए एक विशेष नाम हो सकता है जो उनके निवास स्थान के आधार पर उन्हें पहचान देता है। यदि नहीं, तो आप उन्हें एक वर्णनात्मक वाक्यांश के द्वारा पहचान सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहाड़ी बकरियाँ" या "जंगली बकरियाँ" या "बकरियाँ जो पहाड़ के बीच रहती हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:1 (#3)

"जब हिरनियाँ बियाती हैं, तब क्या तू देखता रहता है"

इस प्रश्न का अर्थ यह है कि अथूब को यह जानना होगा कि हिरनी कब अपने बच्चों को जन्म देने वाली है, ताकि वह वहाँ जाकर उनके जन्म को देख सकें। यह प्रश्न मूल रूप से पद के पिछले प्रश्न के समान ही है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इस अर्थ को इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप जान पाएँगे कि हिरनी कब अपने बच्चों को जन्म देने वाली है ताकि आप वहाँ रहें और देख सकें?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:2 (#1)

"महीने गिन सकता है"

यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से उन महीनों की गिनती का उल्लेख कर रहे हैं जिन्हें मादा हिरण अपने बच्चों को जन्म देने से पहले पूरा करेगी। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जन्म देने से पहले पूरा करेंगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:3 (#1)**"वे अपनी पीड़ाओं से छूट जाती हैं"**

यहोवा इस अभिव्यक्ति का उपयोग बच्चों को जनने की पीड़ा के संदर्भ में कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि हिरण्यों प्रसव में जाने के बाद अपने बच्चों को जन्म देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने बच्चों को जन्म देती हैं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:4 (#1)**"उनके बच्चे" - "वे"**

सर्वनाम उनके और वे पुलिंग है, जिसका अर्थ है कि जो इन युवा हिरणों के माता-पिता को संदर्भित करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। आपकी भाषा भी इसी प्रकार से पुलिंग बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करती होगी, जब दो या अधिक विषयों का समूह होता है जिसमें पुरुष और महिला, दोनों शामिल होते हैं। यदि नहीं, तो आप एक व्याख्यात्मक वाक्यांश का उपयोग करके अर्थ स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हिरण्यों और हिरणों के बच्चे ... उनके माता-पिता के पास"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 39:4 (#2)**"उनके बच्चे"**

यहाँ पर पुलिंग शब्द बच्चे का एक सामान्य बोध है जो नर और मादा, दोनों युवा हिरणों को शामिल करेगा। कुछ भाषाओं में हिरण के बच्चों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो इस अर्थ को व्यक्त करेगा। अन्य भाषाएँ इस तरह के शब्द के पुलिंग और स्त्रीलिंग, दोनों रूपों का उपयोग कर सकती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके बच्चे"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 39:4 (#3)**"मैदान में"**

यहोवा किसी विशेष मैदान का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। इसका अर्थ किसी भी मैदान से हो सकता है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैदानों में"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:5 (#1)**"जंगली गदहे" - "गदहे"**

यहोवा किसी विशेष जंगली गदहे का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब सामान्य रूप में जंगली गधों से हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जंगली गधे ... ये गधे"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:6 (#1)**"उसका घर मैंने निर्जल देश को,"**

मूल भाषा में यह "जिसका घर मैंने अराबा बनाया है" लिखा है, अराबा का अर्थ एक निर्जल देश है जिसका उपयोग हिन्दी अनुवाद में किया गया है। कुछ भाषाओं में यह अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि पहले स्थान का उल्लेख किया जाए और फिर यह जानकारी दी जाए कि यहोवा ने इसे जंगली गधों के रहने का स्थान बनाया है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अराबा को उनका घर बनाया है, हाँ, मैंने नमकीन भूमि को उनका निवास स्थान बनाया है!"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 39:6 (#2)**"उसका घर मैंने निर्जल देश को"**

मूल भाषा में यह "जिसका घर मैंने अराबा बनाया है" लिखा है, अराबा का अर्थ एक निर्जल देश है जिसका उपयोग हिन्दी अनुवाद में किया गया है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि निर्जल देश या मरुभूमि वास्तव में एक घर हो जिसमें एक जंगली गधा रहता हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे मैंने रहने के लिए निर्जल देश दिया है"

देखें: रूपक

अथूब 39:6 (#3)**"और उसका निवास नमकीन भूमि को ठहराया है"**

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य का पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जिनके निवास मैंने नमकीन भूमि में बनाए हैं"

देखें: पदलोप

अथूब 39:6 (#4)

"और उसका निवास नमकीन भूमि को ठहराया है"

यदि आपकी भाषा में निवास के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, जिन्हें मैंने निवास स्थान के रूप में नमकीन भूमि प्रदान की है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 39:6 (#5)

"नमकीन भूमि"

यहोवा एक विशेष क्षेत्र का उल्लेख करने के लिए नमकीन भूमि शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो मरुभूमि का हिस्सा है, जहाँ मिट्टी में बहुत नमक है और परिणामस्वरूप वहाँ बहुत कम पौधे उग सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बंजर भूमि" या "मरुभूमि"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:7 (#1)

"वह नगर के कोलाहल पर हँसता"

यहोवा जंगली गदहे के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचेत रूप से हँसकर अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त कर सकता है। यहाँ हँसता का अर्थ व्यंग्यात्मक रूप से हँसना है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह शहर में रहने के बजाय मरुभूमि में रहना अधिक पसंद करता है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:7 (#2)

"और हँकनेवाले की हँक सुनता भी नहीं"

यदि इस गदहे के पास हँकनेवाले होते जो इसे जगह-जगह ले जाते और काम करवाते, तो एक बात यह होती कि गदहा हँकनेवाले की हँक सुनता, अर्थात् वह आदेश जो हँकनेवाला उस पर चिल्ला रहा होता। यहोवा इस एक बात का उपयोग गदहे के मालिक और हँकनेवाले दोनों के होने की पूरी संभावना को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कोई मालिक नहीं है जो इसे जगह-जगह ले जाने और काम करवाने के लिए उस पर चिल्लाता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 39:8 (#1)

"सब भाँति की हरियाली"

यहोवा शब्द हरियाली का उपयोग किसी भी हरी जड़ी-बूटी या पौधे के लिए कर रहे हैं जो मरुभूमि में उग सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी पौधा जिसे खाया जा सकता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:9 (#1)

"क्या जंगली साँड़ तेरा काम करने को प्रसन्न होगा"

यहोवा जंगली बैल के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित प्राणी हो जो अथूब के लिए काम करने की सहमति दे सके। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या एक जंगली बैल बिना कठिनाई के आपके खेतों की जुताई करेगा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:9 (#2)

"क्या वह तेरी चरनी के पास रहेगा"

यहोवा एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए क्या शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह, आपकी चरनी के पास नहीं ठहरेगा?"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:9 (#3)**"तेरी चरनी"**

एक चरनी एक संदूक या संरचना होती थी जिसमें लोग जानवरों को खाने के लिए घास या अन्य भोजन रखते थे। इस संस्कृति में, जानवरों को अक्सर घर के पास रखा जाता था ताकि उन्हें सुरक्षित रखा जा सके और उनके मालिक उन्हें आसानी से खिला सकें। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि चरनी क्या है, तो आप अपनी संस्कृति में एक सुमतुल्य वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका चारा पात्र" या "वह तसेला जिसमें आप अपने खेत के जानवरों के लिए भोजन रखते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 39:10 (#1)

"क्या तू जंगली साँड़ को रस्से से बाँधकर रेघारियों में चला सकता है?"

यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से पूछ रहे हैं कि क्या अथूब रस्सी का उपयोग करके एक जंगली बैल को उस हल में जुतवा सकते हैं जो खेत की रेघारियों में है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप एक जंगली बैल को हल में जोत सकते हैं और उसे अपने खेत की क्यारियों में हल चलावा सकते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:10 (#2)

"क्या वह नालों में तेरे पीछे-पीछे हेंगा फेरेगा"

यहोवा एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए क्या शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह, आपके कहने से घाटियों को नहीं जोतेंगे?"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:10 (#3)

"क्या वह नालों में तेरे पीछे-पीछे हेंगा फेरेगा"

इस संस्कृति में, किसान भारवाहक पशु की सामने से अगुवाई करते थे क्योंकि वह पीछे से जुताई उपकरण को खींचता था।

यही कारण है कि यहोवा कहते हैं तेरे पीछे। यदि आपकी संस्कृति में किसान जो भारवाहक पशुओं के साथ जुताई करते हैं और वे जुताई उपकरण के पीछे चलते हैं तो आप इसका इस प्रकार से अनुवाद कर सकते हैं, जो जुताई के किसी विशेष तरीके को निर्दिष्ट किए बिना सामान्य अर्थ व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप इसका उपयोग घाटियों में अपने खेतों की जुताई के लिए कर सकते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:10 (#4)

"वह नालों में तेरे पीछे-पीछे हेंगा फेरेगा"

हेंगा का अर्थ है मिट्टी को समतल और तोड़ना जब इसे जोता जा चुका हो। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि खेत की जुताई क्या होती है, तो आपके अनुवाद में आप एक सरल अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह आपके घाटियों के खेतों में मिट्टी को समतल और तोड़ने के लिए एक हल्के उपकरण को खींचेगा।"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 39:11 (#1)

"क्या तू उसके बड़े बल के कारण उस पर भरोसा करेगा?"

यहोवा का निहित अर्थ यह है कि अथूब या कोई अन्य मनुष्य जंगली बैल पर, एक खेत के पशु के रूप में भरोसा नहीं कर सकते, क्योंकि उसे खेत का काम करने के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप वास्तव में एक जंगली बैल पर भरोसा कर पाएँगे, क्योंकि वह इतना बलवान होता है कि आपके खेत के कठिन काम को कर सकें?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:12 (#1)

"क्या तू उसका विश्वास करेगा, कि वह तेरा अनाज घर ले आए"

पिछले पद की तरह, यहोवा का निहित अर्थ है कि अथूब या कोई अन्य मनुष्य जंगली बैल पर खेत के पशु के जैसे काम करने के लिए निर्भर नहीं हो सकते। आगर यह उपयोगी हो तो आप अपने पाठकों के लिए इसे अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप वास्तव में इस पर निर्भर हो

सकते हैं कि यह आपके खेतों से अनाज लाकर आपके खिलाहान में रखेगा?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:13 (#1)

"फिर शुतुर्मुर्गी अपने पंखों को आनन्द से फुलाती है"

चूंकि शब्द पंखों कई शुतुर्मुर्गों पर लागू होता है, आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शुतुर्मुर्गों के पंख जोर से फड़फड़ते हैं।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:13 (#2)

"फिर शुतुर्मुर्गी अपने पंखों को आनन्द से फुलाती है"

शुतुर्मुर्ग उड़ नहीं सकते; इसका संदर्भ यह है कि वे दौड़ते समय अपने पंखों को जोर से फड़फड़ते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शुतुर्मुर्ग के पंख दौड़ते समय जोर से फड़फड़ते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:13 (#3)

"शुतुर्मुर्गों"

देखें कि आपने 30:29 में "कोलाहल की पुत्रियाँ" अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। यहाँ यहोवा ने उसी प्रकार के पक्षी के लिए एक भिन्न परिभाषा का उपयोग किया है।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 39:13 (#4)

"परन्तु क्या ये पंख और पर स्नेह को प्रगट करते हैं"

शब्द पंख और पर समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप जोर देने के लिए एक ही वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वे स्नेही पंख हैं"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 39:13 (#5)

"परन्तु क्या ये पंख और पर स्नेह को प्रगट करते हैं"

यहोवा शुतुर्मुर्ग के एक हिस्से, उसके पंखों का उपयोग उसके पूर्ण रूप को समझाने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह एक स्नेही पक्षी है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 39:13 (#6)

"परन्तु क्या ये पंख और पर स्नेह को प्रगट करते हैं"

यहोवा एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए परन्तु शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन यह एक स्नेही पक्षी नहीं है, है ना?"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:13 (#7)

"परन्तु क्या ये पंख और पर स्नेह को प्रगट करते हैं"

अनुवादीत शब्द स्नेह ऐसा शब्द है, जो एक अन्य प्रकार के पक्षी के लिए भी उपयोग होता है जिसे "सारस" कहा जाता है। सारस को यह नाम इसलिए दिया गया क्योंकि वह अपने बच्चों के प्रति दयालु होता है। इसलिए यह संभव है कि यहोवा यहाँ शुतुर्मुर्गों की तुलना सीधे सारस से कर रहे हैं। बाइबल के कई संस्करण इस पद का अनुवाद इसी तरह करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यूएलटी के पठन का उपयोग करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन यह सारस जैसा पक्षी नहीं है, है ना?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:15 (#1)

"और इसकी सुधि नहीं रखती"

यहोवा शुतुर्मुर्ग के बारे में बात कर रहे हैं, जैसे कि वह जानबूझकर सुधि नहीं रखती कि कोई पशु उसके अंडों को कुचल सकता है, यदि वह उन्हें जमीन पर छोड़ दे। यदि

आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तब भी, वह ऐसा करती है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:15 (#2)

"वे ... कुचले जाएँगे"

सर्वनाम वे दोनों मामलों में शुतुर्मुर्गों के अंडों को संदर्भित करता है, जिन्हें यहोवा ने पिछले पद में वर्णित किया था। आपकी भाषा में अंडों के लिए बहुवचन सर्वनाम का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें कुचल सकते हैं... उन्हें रौंद सकते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 39:15 (#3)

"वे पाँव से कुचले जाएँगे"

यहोवा शुतुर्मुर्गों के अंडों पर पैर रखने की क्रिया में पशु के एक हिस्से, उसके पाँव का उपयोग करके उसके पुरे हिस्से के बारे में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पशु उन पर पैर रख सकता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 39:16 (#1)

"अपने बच्चों"

यहाँ पर पुलिंग शब्द **बच्चों** एक सामान्य अर्थ प्रस्तुत करता है जिसमें नर और मादा, दोनों युवा शुतुर्मुर्गों को शामिल है। कुछ भाषाओं में पक्षियों की संतानों के लिए एक सामान्य शब्द हो सकता है जो इस अर्थ को व्यक्त करे। अन्य भाषाएँ इस तरह के शब्द के पुरुष और महिला, दोनों रूपों का उपयोग कर सकती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके चूजे"

देखें: जब पुलिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

अथूब 39:16 (#2)

"यद्यपि उसका कष्ट अकारथ होता है"

यहोवा शुतुर्मुर्ग के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वह सचेत रूप से **भय** महसूस कर सकती है कि संतान प्राप्त करने के लिए उसने जो **कष्ट** भोगा है, वह **अकारथ** हो सकता

है, अर्थात् बच्चे मर सकते हैं, यदि वह उनकी बेहतर देखभाल नहीं करती। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह उनकी जान की सावधानीपूर्वक रक्षा नहीं करती है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:17 (#1)

"क्योंकि परमेश्वर ने उसको बुद्धिरहित बनाया,"

यहोवा शुतुर्मुर्ग के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि उसे जो भी बुद्धि प्राप्त थी, उससे वह जानबूझकर बुद्धिरहित हो सकता है और शायद ही उसमें समझ हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने इसे अपने बच्चों की बेहतर देखभाल करने की प्रवृत्ति नहीं दी है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:17 (#2)

"क्योंकि परमेश्वर ने उसको बुद्धिरहित बनाया,"

यहोवा स्वयं के बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने इसे ज्ञान भूलने के लिए बाध्य किया है, और मैंने नहीं दिया है।"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 39:18 (#1)

"जिस समय वह सीधी होकर अपने पंख फैलाती है"

यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से शुतुर्मुर्ग की एक माँ के रूप में दिखने वाले मूर्खतापूर्ण व्यवहार और उसकी प्रभावशाली शारीरिक क्षमताओं, विशेष रूप से उसकी तेज और शक्तिशाली दौड़ने की क्षमता के बीच एक विरोधाभास प्रस्तुत कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इस विरोधाभास को स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी, जब वह अपने पंख फैलाती है"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

अथूब 39:18 (#2)

"जिस समय वह सीधी होकर अपने पंख फैलाती है"

यह अभिव्यक्ति शुतुर्मुर्गों के उड़ने का उल्लेख नहीं करती है, क्योंकि शुतुर्मुर्ग उड़ नहीं सकते। बल्कि, यह संदर्भ इस बात का है कि शुतुर्मुर्ग किस प्रकार सिर्फ दौड़ता है। वह सीधे होकर और अपने पंख फैलाता और फड़फड़ता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी, जब वह दौड़ता है"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:18 (#3)

"तब घोड़े और उसके सवार दोनों को कुछ नहीं समझती है"

मूल भाषा में इस पद को 'यह घोड़े और उसके सवार पर हँसता है' के रूप में प्रयोग किया गया है, जहाँ हँसता का अर्थ कुछ नहीं समझता है।

यहोवा शुतुर्मुर्गों के बारे में इस तरह बोल रहे हैं जैसे वे हँसकर अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ हँसता का अर्थ है तिरस्कारपूर्वक हँसना। शुतुर्मुर्ग घोड़े और उसके सवार की ओर तिरस्कार व्यक्त करेगा क्योंकि वह घोड़े से तेज दौड़ सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह घोड़े से भी तेज दौड़ सकता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:19 (#1)

"घोड़े को... दिया है?"

यहोवा किसी विशेष घोड़े का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य घोड़े हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "घोड़ों के लिए ... उनकी गर्दन के अयाल के साथ"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:19 (#2)

"क्या तूने उसकी गर्दन में फहराते हुई घने बाल जमाए है?"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे घोड़े के घने बाल वह वस्त्र हो जो उसने पहना हो। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद:

"क्या वह आप थे जिसने घोड़ों को इतनी शानदार अयाल दी है?"

देखें: रूपक

अथूब 39:20 (#1)

"क्या उसको टिड़ी की सी उछलने की शक्ति तू देता है"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि एक घोड़ा ऊँचाई और सुंदरता के साथ कूद सकता है, जैसे कि एक टिड़ी अपने आकार के कारण आसानी से ऊँचाई तक कूद सकती है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इस दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आपने घोड़ों को इतनी योग्य और शक्तिशाली कूदने की क्षमता प्रदान की है?"

देखें: उपमा

अथूब 39:21 (#1)

"वह तराई में टाप मारता है"

सर्वनाम वह घोड़ों को संदर्भित करता है। चूंकि यहोवा इस खण्ड के शेष भाग में एकवचन सर्वनाम का उपयोग करते हैं, इसलिए आपकी भाषा में यहाँ एकवचन रूप का उपयोग करना स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तराई में छलांग मारता है" या "एक घोड़ा तराई में टाप मारता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 39:21 (#2)

"वह तराई में टाप मारता है"

यहोवा तराई शब्द का उपयोग युद्धभूमि के संदर्भ में कर रहे हैं, क्योंकि उस समय सेनाएँ तराइयों में एक-दूसरे से लड़ती थीं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "युद्ध से पहले, घोड़ा जमीन पर टाप मारता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:21 (#3)

"और अपने बल से हर्षित रहता है"

यहोवा एक घोड़े के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह अपने बल पर सचेत रूप से हर्षित हो सकता है। यदि आपकी भाषा में

यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह पूरी सामर्थ से छलाँग लगाता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:22 (#1)

"वह डर की बात पर हँसता, और नहीं घबराता"

यहोवा धोड़े के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे मानों वह सचेत रूप से हँसकर व्यक्त कर सकता है कि वह क्या सोच रहा है और क्या महसूस कर रहा है। यहाँ **हँसना** शब्द का अर्थ है तिरस्कारपूर्वक हँसना। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह भय महसूस नहीं करता; नहीं, वह डरता नहीं है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:22 (#2)

"वह डर की बात पर हँसता, और नहीं घबराता"

ये दोनों अभिव्यक्तियाँ समान अर्थ रखती हैं। यहोवा जोर देने के लिए एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप बल को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बिल्कुल भी नहीं डरता"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 39:22 (#3)

"और तलवार से पीछे नहीं हटता"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण **नहीं** और नकारात्मक क्रिया **पीछे हटता** शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह तलवार की ओर अग्रसर होता है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

अथूब 39:22 (#4)

"और तलवार से पीछे नहीं हटता"

मूल भाषा में यहाँ "तलवार के सामने" वाक्यांश का उपयोग हुआ है और हिंदी अनुवाद में "तलवार से पीछे" का उपयोग हुआ है। यहाँ शब्द **पीछे** किसी व्यक्ति या वस्तु की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति के चहरे को देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तलवार के सामने से"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:22 (#5)

"तलवार से पीछे नहीं हटता"

यहोवा किसी विशेष तलवार का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ सामान्य संदर्भ में तलवारों से है और विस्तृत रूप से, एक शत्रु सेना के सभी हथियार। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन हथियार से सामना करते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:23 (#1)

"तरकश उस पर खड़खड़ाता है"

तरकश एक पात्र है जिसमें तीरों को रखा जाता है। उस समय, तरकश आमतौर पर चमड़े के बने होते थे। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि तरकश क्या है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके सवार के तीरों का पात्र उसकी बगल से टकराता है"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 39:23 (#2)

"चमकता हुआ सांग और भाला"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में इस वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे बर्छे और भाले की चमक होती है"

देखें: पदलोप

अथूब 39:23 (#3)

"चमकता हुआ सांग और भाला"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग सांग और भाला का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **चमकता हुआ** है। ये

लकड़ी के बने हो सकते थे, लेकिन इनमें धातु की नोक होती थी जो धूप में चमकती थी। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि बर्छी और भाले की नोक धूप में चमकती है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 39:24 (#1)

"भूमि को निगलता है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि एक घोड़ा जब तेजी से दौड़ता है तो वह भूमि को सचमुच निगलता जाता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जमीन पर दौड़ता है" या "यह जमीन पर सरपट दौड़ता है"

देखें: रूपक

अथूब 39:24 (#2)

"वह रिस और क्रोध के मारे"

यह वाक्य और से जुड़े दो शब्दों का उपयोग करके एक विचार व्यक्त करता है। शब्द क्रोध यह बताता है कि घोड़ा रिस क्यों कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद, एक अल्पविराम के बाद: "क्रोध से कांपते हुए"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 39:24 (#3)

"जब नरसिंगे का शब्द सुनाई देता है"

यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से उस समय का उल्लेख कर रहे हैं जब कोई नरसिंगे बजाकर संकेत देता था कि सेना को युद्ध में आगे बढ़ना चाहिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब यह एक नरसिंगे की आवाज सुनता है जो युद्ध का आहान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:24 (#4)

"तब वह रुकता नहीं"

यहोवा एक सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके, जो उनके इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह आगे बढ़ता है"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

अथूब 39:25 (#1)

"जब जब नरसिंगा बजता तब-तब"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ है "जितनी बार नरसिंगा बजता है।" यदि यह आपके भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितनी बार नरसिंगा बजता है।"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:25 (#2)

"वह हिन-हिन करता है"

यहोवा एक घोड़े के बारे में बात कर रहे हैं जैसे कि वह बोल सकता है और इस अभिव्यक्ति का उपयोग अपनी प्रसन्नता दिखाने के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उत्साहपूर्वक हिन-हिनाता है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 39:25 (#3)

"लड़ाई ... सूँघ लेता है"

यहोवा लड़ाई शब्द का उपयोग उस शत्रु सेना के लिए कर रहे हैं, जो उस सेना के साथ युद्ध करने के लिए आ रही है जिनके पक्ष में घोड़ा था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह शत्रु सेना को आते हुए सूँघ लेता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:25 (#4)

"अफसरों की ललकार और जय जयकार"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की

पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह प्रधानों की गर्जन और युद्धघोष सुनता है"

देखें: पदलोप

अथूब 39:25 (#5)

"अफसरों की ललकार"

मूल भाषा में यह पद "प्रधानों की गर्जना" है। प्रधानों का अर्थ सेना के अफसरों और गर्जना उनकी युद्ध की ललकार के लिए उपयोग किया गया है।

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे प्रधानों या सेनापतियों द्वारा अपनी सेना को दिया गया जोरदार आदेश वास्तविकता में गर्जना हों। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अफसरों की जोरदार पुकार" या "प्रधानों द्वारा जोर से दिए गए आदेश"

देखें: रूपक

अथूब 39:26 (#1)

"क्या तेरे समझाने से बाज उड़ता है,"

यहोवा किसी विशेष बाज का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका साधारण अर्थ बाज़ है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या बाज़ उड़ते हैं, क्या वे अपने पंख फैलाते हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 39:26 (#2)

"बाज"

बाज एक शिकारी पक्षी है, जिसके आमतौर पर पंख गोलाकार और पूँछ लंबी होती है। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि बाज क्या है, तो आपके अनुवाद में आप एक समान पक्षी के नाम का उपयोग कर सकते हैं जिसे आपके पाठक पहचानेंगे, या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शिकारी पक्षी"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 39:26 (#3)

"और दक्षिण की ओर उड़ने को अपने पंख फैलाता है"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह तुम्हारी समझ से अपने पंख दक्षिण की ओर फैलाता है?"

देखें: पदलोप

अथूब 39:26 (#4)

"और दक्षिण की ओर उड़ने को अपने पंख फैलाता है"

यहोवा उड़ने का अर्थ समझाने के लिए पंख फैलाता है वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह दक्षिण की ओर उड़ता है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:26 (#5)

"और दक्षिण की ओर उड़ने को अपने पंख फैलाता है"

यहोवा अप्रत्यक्ष रूप से इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि उत्तरी गोलार्ध में बाज और अन्य पक्षी सर्दी आने पर दक्षिण की ओर जहाँ गर्म मौसम होता है, प्रवास करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या यह सर्दियों में गर्म जलवायु की ओर प्रवास करता है?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 39:27 (#1)

"क्या उकाब तेरी आज्ञा से ऊपर चढ़ जाता है"

यहोवा एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए क्या शब्द का उपयोग कर रहे हैं जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उकाब आपके बोलने से ऊपर नहीं चढ़ता और उसका घोंसला ऊँचे में बनाता, है ना?"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:27 (#2)

"तेरी आज्ञा से"

यहोवा **आज्ञा** शब्द का उपयोग उस संदर्भ में कर रहे हैं जिसे अथूब ने अपने मुख से कहा होगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके निर्देश पर"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 39:28 (#1)

"वह चट्टान पर रहता....बसेरा करता है"

शब्द **रहता है** और **बसेरा करता है** समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट हो, तो आप इस जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह हमेशा रहता है" या "यह अपना घर बनाता है"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

अथूब 39:28 (#2)

"और चट्टान की छोटी और दृढ़ स्थान"

यह वाक्य **और** से जुड़ी दो अभिव्यक्तियों का उपयोग करके एक विचार व्यक्त करता है। शब्द **दृढ़ स्थान** एक **चट्टान की छोटी** के स्वरूप का वर्णन करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुर्गम चट्टान की छोटी पर"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 39:29 (#1)

"वह अपनी आँखों से दूर तक देखता है"

देखें कि आपने 36:3 में "दूर तक" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी दृष्टि दूरस्थ स्थानों की ओर देखती है"

देखें: मुहावरा

अथूब 39:29 (#2)

"वह अपनी आँखों से दूर तक देखता है"

यहोवा उकाब के एक हिस्से, उसकी **आँखों** का उपयोग भोजन की खोज में उसे पूर्ण रूप से दर्शनि के लिए कर रहे

हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दूर-दूर तक अपने शिकार को देख सकता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 39:30 (#1)

"उसके बच्चे भी लहू चूसते हैं"

यहोवा उस एक चीज़ का उपयोग कर रहे हैं जो उकाब के बच्चे करते हैं, जब वे ताज़ा मारे गए शिकार का सेवन करते हैं, वे लहू चूसते हैं, इसका मतलब है कि ऐसे शिकार को खाने की पूरी प्रक्रिया, जिसमें छोटे पक्षी और छोटे स्तनधारी शामिल होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उकाब अपने बच्चों के लिए ताज़ा शिकार लाता है ताकि वे खा सकें"

देखें: उपलक्षण

अथूब 39:30 (#2)

"जहाँ घात किए हुए लोग होते वहाँ वह भी होता है"

यहोवा विशेषण घात किए को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं ताकि लोगों और जानवरों की एक विशेष स्थिति को दर्शाया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लैकिन यह उन लोगों और जानवरों के माँस पर भी निर्भर करता है जिन्हें दूसरों ने मारा है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब - अध्याय 40 परिचय

संरचना और स्वरूपण

अनफोल्लिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन पद 1-2, 4-5, और 7-24 की पंक्तियों को पाठ के शेष भाग की तुलना में पृष्ठ पर दाईं ओर अधिक स्थित करता है क्योंकि वे कविताएँ हैं।

- पद 1-2: यहोवा अथूब को अब तक कही गई बातों का उत्तर देने की चुनौती देते हैं।
- पद 3-5: अथूब उत्तर देते हैं कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है।
- पद 6-14 में यहोवा अथूब से कहते हैं कि यदि वह संसार का न्याय करना चाहते हैं जैसा कि यहोवा करेंगे, तो उन्हें दुष्ट लोगों को वश में करने के लिए सामर्थ्य और न्याय का प्रदर्शन करना होगा।
- पद 15-24 में यहोवा अथूब से कहते हैं कि वह एक महान प्राणी जलगाज पर विचार करें।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

जलगज

अथूब को यह समझने में सहायता करने के लिए कि वह सृष्टि में एक छोटा और महत्वहीन स्थान रखते हैं, यहोवा अपनी एक महान रचना, जलगज की शक्ति और ताकत का वर्णन करते हैं। जबकि यह पशु अथूब के समय में जाना जाता था, इसकी सही पहचान अब अनिश्चित है। इसलिए इसे विशेष रूप से किसी पशु के रूप में निर्दिष्ट करने की कोशिश करने के बजाय, जिसे यहोवा वर्णन कर रहे हैं, आप अपनी भाषा में इसे जलगज के रूप में अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन इस विशेषकोण का नमूना प्रस्तुत करता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

न्याय

पद 8 में, यहोवा अथूब से पूछते हैं कि क्या वह यह तय करना चाहते हैं कि क्या सही है। और फिर अगले पद में, यहोवा अथूब से पूछते हैं कि क्या उनके पास महान सामर्थ्य है। हालांकि, यहोवा यह नहीं कह रहे हैं कि सामर्थ्य से ही सही होता है। बल्कि, वह अथूब से पूछ रहे हैं कि क्या उनके पास चीजों को सही करने की सामर्थ्य है, जैसा कि वह पद 10-14 में वर्णन करते हैं। पद 10 में, "महिमा," "प्रताप," "ऐश्वर्य," और "तेज" जैसे शब्द नैतिक गुणों का वर्णन करते हैं, न कि केवल सामर्थ्य का। देखें कि क्या आपकी भाषा में ऐसे शब्द उपलब्ध हैं जो आपके अनुवाद में इस अर्थ को व्यक्त कर सकते हैं।

अथूब 40:1 (#1)

"फिर यहोवा ने अथूब से यह भी कहा,"

देखें कि आपने 34:1 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने अथूब से उन सब बातों के सन्दर्भ में जो उसने अभी कही थी, कहा"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 40:2 (#1)

"क्या जो बकवास करता है वह सर्वशक्तिमान से झगड़ा करे?"

सर्वशक्तिमान अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं, और यद्यपि वह अथूब को सीधे संबोधित कर रहे हैं, वह उसके बारे में भी तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप सर्वशक्तिमान को प्रथम पुरुष में और अथूब को द्वितीय पुरुष में बोल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू, जो सर्वशक्तिमान को सुधारना चाहता है, क्या अब भी मुझसे विवाद करना चाहता है? तूने कहा कि तू मुझे, परमेश्वर को सुधारना चाहता है; यदि ऐसा है, तो इसका उत्तर दे।"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 40:2 (#2)

"जो परमेश्वर से विवाद करता है वह इसका उत्तर दे"

परमेश्वर हर उस चीज़ के लिए सर्वनाम इसका का उपयोग कर रहे हैं जिसे उन्होंने अभी अथूब से कहा है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू अभी भी सोचता है कि तू मुझे सुधार सकता है, तो मैंने अभी-अभी तुझसे जो कुछ कहा है, उसका उत्तर दें।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 40:3 (#1)

"तब अथूब ने यहोवा को उत्तर दिया"

यहाँ वर्णनकर्ता दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करते हैं (हिंदी आईआरवी में और की जगह तब का उपयोग किया गया है)। शब्द उत्तर दिया बताता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ कहा। विशेष रूप से, व्यक्ति ने इसे किसी और के कहे हुए का उत्तर देने या प्रतिक्रिया देने के लिए कहा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तब अथूब ने यहोवा को उत्तर दिया"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 40:4 (#1)

"मैं तुझे कैसे उत्तर दूँ?"

अथूब जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इसे कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुझे उत्तर देने में सक्षम नहीं हूँ।"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 40:4 (#2)

"मैं अपनी उँगली दाँत तले दबाता हूँ" (यह हिंदी आई.आर.वी. के अनुसार अनुवादित है)

अपनी उँगली रखना प्रतीकात्मक क्रिया थी जिसके द्वारा अथूब ने दिखाया कि यहोवा के प्रति उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं था। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस क्रिया के महत्व को समझा सकते हैं। आप अपनी भाषा और संस्कृति से ऐसा वाक्यांश भी उपयोग कर सकते हैं जिसका वही महत्व हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने अपने मँह पर हाथ रखा ताकि कुछ ना कहूँ" या "मैं अपनी जीभ को बोलने से रोकता हूँ।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 40:5 (#1)

"एक बार तो मैं कह चुका, परन्तु और कुछ न कहूँगा," (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

जैसा कि एलीपज ने 5:19 में किया और जैसा कि एलीहू ने 33:14 और 33:29 में किया, यहाँ अथूब संख्या का उल्लेख कर रहे हैं जो उनके विषय को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए और फिर जोर देने के लिए उस संख्या को एक से बढ़ा रहे हैं। यह इब्री कविता में सामान्य शैली थी, परन्तु यदि आपकी भाषा का वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आपके अनुवाद में आप जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि मैं जोर देकर कह रहा था कि तू गलत था, परन्तु अब मैं ऐसा नहीं कहूँगा।"

देखें: समानांतरता

अथूब 40:5 (#2)

"परन्तु और कुछ न कहूँगा"

अथूब उसी अर्थ में उत्तर शब्द का उपयोग कर रहे हैं जैसा कि वर्णनकर्ता ने पद 1 और 34:1 में किया था। अर्थात् अथूब का अर्थ है कि वह उन बातों के आधार में और अधिक नहीं कहेंगे जो उन्होंने पहले ही कह दी हैं और इस प्रकार, अर्थ में, उनका उत्तर देने के लिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु मैं और कुछ नहीं कहूँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:6 (#1)

"तब यहोवा ने अथूब को आँधी में से यह उत्तर दिया,"

यह वाक्य दो शब्दों को तब के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द उत्तर दिया यह बताता है कि किसी व्यक्ति ने किस उद्देश्य से कुछ कहा। विशेष रूप से, व्यक्ति ने किसी और की कही बात का जवाब देने या उसका जवाब देने के लिए ऐसा कहा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "तब" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आँधी से यहोवा ने अथूब को उत्तर दिया"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 40:7 (#1)

"अपनी कमर बाँध ले"

देखें कि आपने 38:3 में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे कठिन परीक्षा में भाग लेते रहना चाहिए"

देखें: रूपक

अथूब 40:7 (#2)

"पुरुष के समान"

देखें कि आपने उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद 38:3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वीर पुरुष की तरह" या "जैसे सैनिक युद्ध में जाते समय करता है"

देखें: उपमा

अथूब 40:7 (#3)

"मैं तुझ से प्रश्न करता हूँ, और तू मुझे बता"

देखें कि आपने उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद [38:3](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुझ से प्रश्न करूँगा और तू मुझे बता सकता है कि तू क्या सोचता है जो तुझे लगता है कि मुझे पहले से ज्ञात नहीं है"

देखें: व्यंग

अथूब 40:8 (#1)

"क्या तू मेरा न्याय भी व्यर्थ ठहराएगा???"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मत सोचना कि तू वास्तव में मेरे निर्णय को रद्द कर सकता है! यह मत सोच कि तू मुझे दोषी ठहरा सकता है ताकि तू सही हो सकें!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 40:8 (#2)

"क्या तू मेरा न्याय भी व्यर्थ ठहराएगा?"

यदि आपकी भाषा में न्याय के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू वास्तव में यह दिखाने का प्रयास करेगा कि मैं लोगों का सही तरीके से न्याय नहीं करता?" या "यह मत सोच कि तू वास्तव में यह दिखा सकता है कि मैं लोगों का सही तरीके से न्याय नहीं करता!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 40:9 (#1)

"क्या तेरा बाहुबल परमेश्वर के तुल्य है?"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी भुजा परमेश्वर जैसी नहीं है! तू उनकी तरह गरजकर आवाज़ नहीं निकाल सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 40:9 (#2)

"क्या तेरा बाहुबल परमेश्वर के तुल्य है?"

परमेश्वर अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तेरे पास वैसी ही भुजा है जैसी मेरे पास है? क्या तू वैसे ही गर्जना कर सकता है जैसे मैं करता हूँ?" या "तेरे पास वैसी भुजा नहीं है जैसी मेरे पास है! तू वैसी गर्जना नहीं कर सकता जैसी मैं करता हूँ!"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 40:9 (#3)

"क्या तेरा बाहुबल परमेश्वर के तुल्य है?" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए यदि शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो नकारात्मक उत्तर की उम्मीद करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब तेरे पास ऐसी भुजा नहीं है जैसी मेरे पास है, है क्या?"

देखें: मुहावरा

अथूब 40:9 (#4)

"क्या तेरा बाहुबल परमेश्वर के तुल्य है?"

यहाँ परमेश्वर का बाहुबल उनकी शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब तेरे पास वैसी शक्ति नहीं है जैसी मेरे पास है, है ना?"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:9 (#5)

"क्या तू उसके समान शब्द से गरज सकता है?"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका अपना शब्द सचमुच गरज की गर्जना कर रहा हो। उनका मतलब है कि उनकी आवाज़ अत्यंत तेज़ है और यह दर्शाती है कि वह कितने शक्तिशाली हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तेरी आवाज़ भी मेरी तरह ऊँची और शक्तिशाली है?" या "क्या तेरी आवाज़ की तीव्रता से यह स्पष्ट होता है कि तू कितना शक्तिशाली है, जैसे कि मेरे लिए होता है?"

देखें: रूपक

अथूब 40:10 (#1)

"अब"

यहोवा शब्द **अब** का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे हैं कि अथूब को क्या करना चाहिए यदि उसके पास वह शक्ति है जिसका वर्णन यहोवा ने पिछले पद में किया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू करता है, तो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 40:10 (#2)

"अपने को महिमा और प्रताप से संवार,"

यहोवा ऐसा कह रहे हैं जैसे वह चाहते हैं कि अथूब सचमुच उन गुणों को **संवारे** और **वस्त्र पहने** जिनका वह उल्लेख करते हैं। उनका मतलब है कि अथूब को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके पास ये गुण हैं यदि वह संसार का न्याय करना चाहता है जैसे यहोवा करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने ऐश्वर्य और महानता को प्रदर्शित करें; अपनी महिमा और वैभव को दिखाएँ"

देखें: रूपक

अथूब 40:10 (#3)

"ऐश्वर्य और तेज के,"

शब्द **ऐश्वर्य** और **तेज** समान अर्थ रखते हैं, और शब्द **महिमा** और **प्रताप** भी समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दो शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महान ऐश्वर्य में, और ... उज्ज्वल वैभव में"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 40:11 (#1)

"अपने अति क्रोध की बाढ़ को बहा दे"

यहोवा ऐसा बोल रहे हैं जैसे अथूब का **अति क्रोध** वस्तु हो जिसे वह **बहा** सकते हैं। एलीहू ने "बहा दे" शब्द का उपयोग [37:11](#) में किया था यह बताने के लिए कि परमेश्वर बिजली की चमक को विभिन्न स्थानों पर कैसे भेजते हैं, इसलिए ऐसा

लगता है कि यहोवा, अथूब को चुनौती दे रहे हैं कि वह अपने धार्मिक क्रोध को अपने शत्रुओं पर निर्देशित करें यदि उनके पास ऐसा करने की शक्ति है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने सभी शत्रुओं पर अपने धार्मिक क्रोध को निर्देशित कर"

देखें: रूपक

अथूब 40:11 (#2)

"एक-एक घमण्डी"

यहोवा विशेषण **घमण्डी** का उपयोग संज्ञा के रूप में विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शनी के लिए कर रहे हैं। यूएलटी ने इसे दिखाने के लिए **एक शब्द जोड़ा** है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गर्वित व्यक्ति" या "घमण्डी व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 40:11 (#3)

"उसे नीचा कर"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे अथूब सचमुच घमण्डी व्यक्ति को ऊँचाई से नीचेवाले स्थान पर **लाएँगे**। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसे नम्र करें"

देखें: रूपक

अथूब 40:12 (#1)

"हर एक घमण्डी"

देखें कि आपने पिछले पद में उसी अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अभिमानी व्यक्ति"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 40:12 (#2)

"गिरा दे"

यहोवा ऐसा बोल रहे हैं जैसे वह चाहते हैं कि अथूब सचमुच **दुष्ट** लोगों को **गिरा दे** या उन पर चलें, यदि वह संसार का न्याय करना चाहे जैसे यहोवा करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह

स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दण्डित करें"

देखें: रूपक

अथूब 40:12 (#3)

"दुष्ट लोगों को"

यहोवा विशेषण दुष्ट का उपयोग संज्ञा के रूप में विशेष प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 40:12 (#4)

"जहाँ खड़े हों"

जैसा कि एलीहू ने [36:16](#) में किया था, यहाँ यहोवा जहाँ खड़े हों अभिव्यक्ति का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है उस स्थान पर जहाँ ये दुष्ट लोग खड़े हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ठीक वहाँ, जहाँ वे हैं"

देखें: मुहावरा

अथूब 40:13 (#1)

"उनको एक संग मिट्टी में मिला दे"

यहोवा मिट्टी शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जिसका अर्थ है जमीन और इसे लोगों की कब्रों के संदर्भ में उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन सभी को जमीन में दफना दें" या "उन सभी को कब्रों में दफना दें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:13 (#2)

"उनको एक संग मिट्टी में मिला दे"

इसका तात्पर्य यह है कि अथूब को पहले घमण्डी और दुष्ट लोगों का न्याय करना चाहिए और उनके अपराधों के लिए उन्हें दण्डित करना चाहिए और फिर उन्हें दफनाना चाहिए, यदि वह संसार का न्याय करना चाहते हैं जैसा कि यहोवा करेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो

आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी घमण्डी और दुष्ट लोगों को उनके अपराधों के लिए न्याय और दण्डित करो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 40:13 (#3)

"और उस गुप्त स्थान में उनके मुँह बाँध दे"

यहोवा सांस्कृतिक प्रथा का उल्लेख कर रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) देह को दफनाने के लिए तैयार करते समय सिर को देह से अलग लपेटने की क्रिया। यहोवा इस क्रिया का उपयोग पूरी दफन क्रिया को दर्शनी के लिए कर रहे होंगे, और इस पद का दूसरा भाग पद के पहले भाग के समान अर्थ रखेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें छिपे स्थान में दफनाएँ" (2) उस व्यक्ति के चेहरे को ढकने की प्रतीकात्मक क्रिया जिसे फाँसी दी जाने वाली थी। (बाइबल में इसका उदाहरण [एस्टर 7:8](#) में है।) चेहरा व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता था और यह तथ्य कि इसे अब नहीं देखा जा सकता, यह संकेत देता था कि जल्द ही व्यक्ति जीवित नहीं रहेगा। यहोवा चेहरे को ढकने का उपयोग ऐसे अपराधियों को फाँसी देने की पूरी क्रिया को दर्शनी के लिए कर रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें मृत्यु दण्ड दें और उन्हें छिपे स्थान में दफना दे"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 40:13 (#4)

"उस गुप्त स्थान में"

यहोवा विशेषण गुप्त का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ विशेष प्रकार की जगह, कब्र है, जिसमें लोग नहीं देख सकते। यूएलटी इसको दिखाने के लिए स्थान शब्द जोड़ता है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कब्र में" या "मृतकों के निवास में"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 40:14 (#1)

"तब मैं भी तेरे विषय में मान लूँगा"

यहोवा शर्तीय कथन के दूसरे भाग को प्रस्तुत करने के लिए तब शब्द का उपयोग कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह अथूब की तभी मान लेंगे जब अथूब उन बातों को करने में सक्षम होंगे जिन्हें उन्होंने अभी वर्णित किया है। वैकल्पिक

अनुवाद: "तभी मैं तेरी बड़ाई करूँगा" या "यदि तू इन बातों को करने में सक्षम होता, तो मैं तेरी बड़ाई करता।"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 40:14 (#2)

"मैं भी तेरे विषय में मान लूँगा"

जोर देने के लिए, यहोवा सर्वनाम मैं का उल्लेख कर रहे हैं, जिसका अर्थ पहले से ही क्रिया में मौजूद है जिसका अनुवाद मान लूँगा किया गया है। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए निहित सर्वनामों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है, तो आप अपने अनुवाद में इस संरचना का उपयोग कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में इस जोर को व्यक्त करने के अन्य तरीके हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं तेरी बड़ाई करूँगा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

अथूब 40:14 (#3)

"तेरा ही दाहिना हाथ"

यहाँ दाहिना हाथ उस शक्ति और नियंत्रण का प्रतीक है जो लोगों के पास किसी वस्तु पर होता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरी शक्ति"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:14 (#4)

"तेरा ही दाहिना हाथ"

यहोवा दाहिने हाथ का उपयोग शक्ति के प्रतीक के रूप में कर रहे हैं क्योंकि इस संस्कृति में, अधिकांश जनसंख्या स्वाभाविक रूप से उस हाथ का उपयोग करती थी। यहोवा यह नहीं कह रहे हैं कि बाएँ हाथ का होना गलत है। विशेष रूप से यदि आपकी संस्कृति में कई लोग स्वाभाविक रूप से अपने बाएँ हाथ का उपयोग करते हैं, तो आप यहाँ समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग करना चाह सकते हैं जो किसी विशेष हाथ का नाम न ले। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरा अपना हाथ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:15 (#1)

"देख"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह चाहते हैं कि अथूब उस पशु को देख जो उपस्थित नहीं है। यहोवा दृष्टि का उपयोग ध्यान का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विचार करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:15 (#2)

"जलगज"

इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में जलगज नाम की चर्चा देखें ताकि यह तय कर सकें कि इस नाम को अनुवाद में कैसे प्रस्तुत करना है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 40:15 (#3)

"जिसको मैंने तेरे साथ बनाया है"

यहोवा का मतलब है कि उन्होंने जलगज को वैसे ही बनाया जैसे उन्होंने अथूब को बनाया, न कि उन्होंने जलगज को उसी समय बनाया जब उन्होंने अथूब को बनाया। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे मैंने स्वयं बनाया, जैसे की मैंने तुझे बनाया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:15 (#4)

"वह बैल के समान घास खाता है"

यहाँ निहित विरोधाभास है। यह महान पशु अन्य पशुओं का शिकार करने और उन्हें मारने की क्षमता और ताकत रखता है; फिर भी, यह पौधों पर निर्भर रहता है। (यह संभवतः यह संकेत कर सकता है कि ऐसे महान जंगली पशु यहोवा के नियंत्रण में रहते हैं।) आप अपनी भाषा में इस विरोधाभास को स्वाभाविक रूप से दर्शाना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने विशाल आकार और ताकत के बावजूद, यह बैल की तरह घास खाता है।"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

अथूब 40:15 (#5)**"धास"**

यहोवा संभवतः एक प्रकार के पौधे, **धास**, का उपयोग सभी प्रकार के हरे पौधों का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं जिन्हें पशु खाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हरे पौधे"

देखें: उपलक्षण

अथूब 40:16 (#1)**"देख उसकी कमर में बल है,"**

यहोवा एक बार फिर **देख** शब्द का उपयोग "विचार करो" के अर्थ में कर रहे हैं। इस उदाहरण में, आपकी भाषा में इन कथनों को विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद करना स्वाभाविक हो सकता है जो अथूब का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके कमर में कितनी ताकत है! इसके पेट की मांसपेशियों में कितनी शक्ति है!"

देखें: विस्मयादिबोधक

अथूब 40:17 (#1)**"वह अपनी पूँछ को देवदार की तरह हिलाता है"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे देवदार पेड़ की डाली लचीली परन्तु मजबूत होती है, वैसे ही यह पशु अपनी पूँछ को ऊपर उठा सकता है और इसे हवा में लचीले ढंग से पकड़ सकता है। पूँछ को सीधा रखने की क्षमता, युवा शक्ति का प्रतीक है, जिसे बड़े पशु अब नहीं कर सकते। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अपनी पूँछ को ऊपर उठाकर अपनी ताकत दिखाता है जैसे कि वह देवदार डाली हो।"

देखें: उपमा

अथूब 40:17 (#2)**"उसकी जाँघों की नसें एक दूसरे से मिली हुई हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी जाँघों की नसें एक-दूसरे को कसकर पकड़ती हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 40:18 (#1)**"उसकी हड्डियाँ मानो पीतल की नलियाँ हैं"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे इस जीव की **हड्डियाँ** सचमुच **पीतल की नलियाँ** हों। वह पीतल धातु का उपयोग महान शक्ति का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं और वह संभवतः नलियों की बात कर रहे हैं, क्योंकि हड्डियाँ खोखली होती हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी हड्डियाँ बहुत मजबूत होती हैं, जैसे वे पीतल की बनी हों।"

देखें: रूपक

अथूब 40:18 (#2)**"उसकी पसलियाँ मानो लोहे के बेंडे हैं"**

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जिस तरह से **लोहे के बेंडे** बहुत मजबूत होते हैं, उसी तरह इस पशु की **पसलियाँ** भी बहुत मजबूत हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बिंदु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके पैर बहुत मजबूत हैं, जैसे कि वे लोहे की बेंडे हों।"

देखें: उपमा

अथूब 40:19 (#1)**"वह परमेश्वर का मुख्य कार्य है"**

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरे मार्गों में पहला है।" या "यह मेरे लिए प्राथमिक है"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 40:19 (#2)**"वह परमेश्वर का मुख्य कार्य है"**

यहोवा उन बातों के बारे में बात कर रहे हैं जो किसी व्यक्ति ने ऐसे की हैं जैसे वे **मार्ग** या रास्ते हों जिन पर व्यक्ति चला हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरे कार्यों में पहला/प्राथमिक है।"

देखें: रूपक

अथूब 40:19 (#3)**"वह परमेश्वर का मुख्य कार्य है"**

यहोवा "प्रधान" या "सबसे महान" के अर्थ में विशेष रूप से मुख्य शब्द का उपयोग कर रहे हैं। उनका मतलब यह नहीं है कि उन्होंने किसी अन्य पशु से पहले जलगज को बनाया। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरी सबसे महान और बड़ी रचना है"

देखें: मुहावरा

अथूब 40:19 (#4)**"वह परमेश्वर का मुख्य कार्य है"**

यहोवा संभवतः शब्द मुख्य का उपयोग "महानतम" के अर्थ में कर रहे हैं, जो जोर देने के लिए अतिशयोक्ति है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरे सबसे शक्तिशाली प्राणियों में से एक है।"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 40:19 (#5)**"जो उसका सृजनहार हो उसके निकट तलवार लेकर आए"**

यहोवा एक बार फिर से अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने इसे बनाया, तब मैंने इसे तलवार प्रदान की।"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

अथूब 40:19 (#6)**"जो उसका सृजनहार हो उसके निकट तलवार लेकर आए"**

यहोवा जलगज के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे उसके पास सचमुच तलवार हो। अगले पद से पता चलता है कि वह शायद उन लंबे, नुकीले दाँतों की बात कर रहे हैं जिनका उपयोग वह पशु पौधों को काटने के लिए करता था जिन्हें वह खाता था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप

अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैंने इसे बनाया, तो मैंने इसे लंबे, नुकीले दाँत दिए।"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:20 (#1)**"निश्चय"**

हिंदी आई.आर.वी. में शब्द "निश्चय" अनुवादित हुआ है। यहोवा इस शब्द निश्चय का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह कारण बताया जा सके कि उन्होंने जलगज को लंबे, तेज दाँतों के साथ क्यों बनाया। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने इसे दाँत दिए क्योंकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

अथूब 40:20 (#2)**"पहाड़ों पर उसका चारा मिलता है"**

यहोवा इन पहाड़ों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जो जलगज के लिए चारा प्रदान कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उन पौधों को खाता है जो पहाड़ों पर उगते हैं।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 40:20 (#3)**"पहाड़ों पर उसका चारा मिलता है"**

शब्द पहाड़ों संभवतः इस संदर्भ में उस ऊँची जमीन को संदर्भित करता है जो जलगज के निवास स्थान की नदी के दोनों किनारों पर है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नदी के किनारों पर ऊँची भूमि प्रदान करती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:20 (#4)

"जहाँ और सब वन पशु कलोल करते हैं।" (यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है)

यहोवा का अर्थ है कि वन पशु वहाँ कलोल (खेल) करते हैं, जहाँ जलगज चर रहा है क्योंकि यह पौधे खाता है, इसलिए

उन्हें नुकसान नहीं पहुँचा एगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसलिए यह पास के बन पशुओं को शांति से अकेला छोड़ देता है" या "और इसलिए यह पास के किसी भी बन पशु को हानि नहीं पहुँचाता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:21 (#1)

"कमल के पौधों"

यहाँ यहोवा किस प्रकार के पौधों का वर्णन कर रहे हैं, यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, हालाँकि यह स्पष्ट है कि वे एक प्रकार के पेड़ हैं जो नदी किनारे उगते हैं। आप अपने अनुवाद में एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छायादार पेड़"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 40:21 (#2)

"नरकटों की आड़ में और कीच पर" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यह वाक्यांश दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द **कीच** यह बताता है कि किस प्रकार का **नरकट** दृष्टिगत है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इस अर्थ को समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दलदली नरकट" या "दलदल के नरकट"

देखें: द्विपद (हेंडियाडिस)

अथूब 40:22 (#1)

"कमल के पौधे उस पर छाया करते हैं"

यदि आपने पिछले पद में कमल के पौधे को "छायादार पेड़" के रूप में अनुवाद किया था, तो आप इस पद का अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि छाया शब्द का दो बार उपयोग न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पेड़ इसे अपनी छाया में ढाँप लेते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 40:22 (#2)

"वह नाले के बेंत के वृक्षों से (धिरा रहता है)"

शब्द **बेंत** उन बड़े पेड़ों का वर्णन करता है जो नम भूमि में उगते हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि बेंत पेड़ क्या होते हैं, तो आप सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पेड़ जो नदी के पास उगते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 40:23 (#1)

"चाहे नदी की बाढ़ भी हो तो भी" (यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा संशर्त कथन को प्रस्तुत करने के लिए **चाहे** शब्द का उपयोग कर रहे हैं, अर्थात् यह बताने के लिए कि यदि कोई विशेष बात होती है तो जलगज कैसे प्रतिक्रिया देगा। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि अगर नदी उफान पर आ जाए" या "भले ही नदी बह निकले"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 40:23 (#2)

"वह न घबराएगा"

यहोवा का अर्थ है कि जलगज नदियों में बाढ़ आने पर घबराता नहीं है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह भय से कांपता नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 40:23 (#3)

"यरदन भी"

यहोवा विशेष रूप से **यरदन** नदी का उपयोग, किसी भी नदी के लिए कर रहे हैं जिसमें जलगज रह सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नदी जिसमें यह रह रहा है" या "वह नदी जिसमें यह जीवन व्यतीत करता है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 40:24 (#1)

"जब वह चौकस हो तब क्या कोई उसको पकड़ सकेगा"
(यह हिंदी आई.आर.वी. से अनुवादित है)

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता उस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद करनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी इसे अपनी नज़र से नहीं पकड़ सकता! कोई भी इसकी नाक में रस्सी नहीं डाल सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 40:24 (#2)

"जब वह चौकस हो तब क्या कोई उसको पकड़ सकेगा"

यहोवा दृष्टि का अर्थ समझाने के लिए आँखों (चौकस हो) का उपयोग कर रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि कोई भी जलगज को तब तक नहीं पकड़ सकता जब तक उसकी आँखें काम कर रही हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी इसे तब तक नहीं पकड़ सकता जब तक यह देख रहा है!" या "कोई भी इसे पहले बिना अंधा किए नहीं पकड़ सकता!" (2) कि कोई भी जलगज को ऐसी वस्तु का उपयोग करके नहीं पकड़ सकता जिसे वह देख सके। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी इसके सामने आकर्षक चारा रखकर उसे नहीं पकड़ सकता!"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 40:24 (#3)

"या उसके नाथ में फँदा लगा सकेगा?"

इस संस्कृति में, लोग बड़े पशु की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए उसकी नाक में छेद के माध्यम से पतला परन्तु मजबूत फीता या रस्सी डालते थे। यहोवा कह रहे हैं कि कोई भी जलगज के साथ ऐसा नहीं कर सकता। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी उसकी नाक में छेद के माध्यम से फीता या रस्सी डालकर उसकी गतिविधियों को नियंत्रित नहीं कर सकता!"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब - अध्याय 41 परिचय

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय यहोवा की अथूब के प्रति उत्तर का निष्कर्ष है।

अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इस अध्याय की पंक्तियों को पृष्ठ पर बाकी पाठ की तुलना में अधिक दाईं ओर स्थित करता है क्योंकि यह एक कविता है।

इस अध्याय में अनुवाद सम्बन्धी मुद्दे

लिव्यातान

पिछले अध्याय में, यहोवा ने अथूब को यह समझाने में सहायता की कि सृष्टि में उनका स्थान कितना छोटा और महत्वहीन है। इसके लिए उन्होंने अथूब से एक महान प्राणी जलगज पर विचार करने के लिए कहा। इस अध्याय में, उसी उद्देश्य के लिए, यहोवा अथूब से एक और महान प्राणी पर विचार करने के लिए कहते हैं, जिसे वे लिव्यातान कहते हैं।

जैसा कि अथूब का सामान्य परिचय बताता है, प्राचीन लोग एक बड़े, भयंकर जीव के बारे में जानते थे जो महासागर में रहता था, जिसे वे "समुद्री राक्षस" कहते थे। उन्होंने इस जीव का वर्णन करने के लिए लिव्यातान और राहब नामों का भी उपयोग किया। जबकि यह अथूब के समय में जाना जाता था, इसकी सटीक पहचान आज अनिश्चित है। इसलिए यह बेहतर हो सकता है कि आपके अनुवाद में लिव्यातान नाम का उपयोग करें, इसे आपकी भाषा में जैसा सुनाई देता है वैसा ही लिखें, बजाय इसके कि यहोवा जिस विशेष पशु का वर्णन कर रहे हैं उसे निर्दिष्ट करने की कोशिश करें। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन इस दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

यहोवा ने अथूब को उनके अपने शब्दों में उत्तर दिया

इस अध्याय में कई स्थानों पर, यहोवा अथूब के प्रारम्भिक भाषण की ओर संकेत करते हैं, जिसमें अथूब ने अपने जन्म के दिन को श्राप दिया था, उसी भाषा का उपयोग करके जो अथूब ने की थी। पद 10 में, यहोवा लिव्यातान को जगाने की बात करते हैं, जैसा कि अथूब ने 3:8 में किया था। पद 18 में, यहोवा "भोर की पलकों" की बात करते हैं, जिसका अर्थ है उगते सूरज की पहली किरणें, जैसा कि अथूब ने 3:9 में किया था। पद 30 में, यहोवा "ठीकरे" की बात करते हैं, एक टूटी हुई मिट्टी की वस्तु, जैसे कि अथूब ने अपनी त्वचा को खरांचने के लिए लिया था, जैसा कि 2:8 में वर्णित है। प्रत्येक मामले में, ये शब्द या वाक्यांश पुस्तक में केवल दो बार ही आते हैं। जैसे ही यहोवा ने अपना भाषण समाप्त किया, वह अथूब की प्रेरणानियों की शुरूआत और पहली चिंताओं पर वापस जा रहे हैं जो उन्होंने पूरी पुस्तक में अथूब द्वारा कही गई हर बात को सम्बोधित करने के लिए व्यक्त की थी। आपके पाठकों को यहोवा के कार्यों की सराहना करने में सहायता करने के लिए, आप इन स्थानों पर उनके अभिव्यक्तियों का उसी तरह अनुवाद कर सकते हैं जैसे आपने पहले अथूब के समान अभिव्यक्तियों का अनुवाद किया था।

अथूब 41:1 (#1)**"फिर क्या तू लिव्यातान को बंसी के द्वारा खींच सकता है"**

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विसम्यादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू लिव्यातान को कांटे से नहीं खींच सकता! नहीं, तू उसकी जीभ को रस्सी से नहीं बाँध सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:1 (#2)**"फिर क्या तू लिव्यातान को... खींच सकता है"**

यहोवा अब चाहते हैं कि अथूब उनके एक और महान प्राणी, लिव्यातान पर विचार करें। लेकिन वह इसे तरह नहीं दर्शते जैसे उन्होंने [40:15](#) में जलगज के लिए कहा था, "अब लिव्यातान को देख।" इसके बजाय, वह यह वर्णन करते हैं कि लिव्यातान को पकड़ना कितना कठिन होगा, जैसे उन्होंने जलगज को पकड़ना कितना कठिन होगा, यह वर्णन किया था। यदि आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि यहाँ यहोवा एक और प्राणी प्रस्तुत कर रहे हैं जिस पर वह चाहते हैं कि अथूब विचार करें। यूएसटी इस दृष्टिकोण का नमूना प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब मैं चाहता हूँ कि तू मेरे एक और विशाल प्राणी पर विचार करें। क्या तू लिव्यातान को पकड़ सकेगा?"

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

अथूब 41:1 (#3)**"फिर क्या तू लिव्यातान को... खींच सकता है"**

यहोवा कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू लिव्यातान को पानी से बाहर निकालेगा?"

देखें: पदलोप

अथूब 41:1 (#4)**"लिव्यातान"**देखें कि आपने लिव्यातान का अनुवाद [3:8](#) में कैसे किया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 41:1 (#5)**"या डोरी से उसका जबड़ा दबा सकता है?"**

मूँ भाषा में यहाँ जीभ शब्द आया है। यहोवा लिव्यातान के मूँह के एक हिस्से, उसके जबड़े का उपयोग उसके पूरे मूँह को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू इसका मुँह बन्द कर देगा?"

देखें: उपलक्षण

अथूब 41:2 (#1)**"क्या तू उसकी नाक में नकेल लगा सकता"**

चौंकि कोई पहले लिव्यातान को बंसी से पकड़ने के बाद ही उसकी नाक में नकेल लगा सकता है। इसलिए बंसी की जानकारी को पहले रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू इसके जबड़े में बंसी डालकर इसे पकड़ेगा और फिर इसे रोकने के लिए इसकी नाक में नकेल डाल सकेगा?"

देखें: सूचना संरचना

अथूब 41:2 (#2)**"क्या तू उसकी नाक में नकेल लगा सकता"**

देखें कि आपने [40:24](#) में इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या तू इसके नाक के छेद में नकेल डालकर इसकी गतिविधियों को नियंत्रित करेगा?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:3 (#1)**"क्या वह तुझ से बहुत गिङ्गिङ्गाहट करेगा"**

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करता, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विसम्यादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुझसे बिनती नहीं करेगा! वह तुझसे कोमल बातें नहीं करेगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:3 (#2)

"क्या वह तुझ से बहुत गिङ्गिङ्गाहट करेगा"

यहोवा इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान समझदारी से बात कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह बोल सकता, तो वह तुझसे विनती नहीं करता! यदि वह बात कर सकता, तो वह तुझसे कोमल बातें नहीं कहता!"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:3 (#3)

"क्या वह तुझ से बहुत गिङ्गिङ्गाहट करेगा"

यदि आपकी भाषा में गिङ्गिङ्गाहट के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तुझसे इसे छोड़ने की विनती नहीं करेगा!"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 41:3 (#4)

"या तुझ से मीठी बातें बोलेगा"

यहोवा एक प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए या शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जो एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुझसे कोमल बातें नहीं कहेगा, क्या वह कहेगा?"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:3 (#5)

"या तुझ से मीठी बातें बोलेगा"

यहोवा विशेषण मीठी का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार की कहावत है। यूएलटी ने यह दिखाने के लिए बातें शब्द जोड़ा है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुझसे विनम्रता से बात नहीं करेगा, क्या वह?"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 41:4 (#1)

"क्या वह तुझ से वाचा बाँधेगा"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं होता, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तेरे साथ वाचा नहीं बाँधेगा! तू इसे हमेशा के लिए सेवक के रूप में नहीं रख सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:4 (#2)

"क्या वह तुझ से वाचा बाँधेगा"

यहोवा इस तरह बोल रहे हैं जैसे कि लिव्यातान बुद्धिमानी से कानूनी वाचा बाँध सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि यह संधियाँ कर सकता, तो क्या यह तेरे साथ एक संधि नहीं करता?"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:4 (#3)

"क्या वह तुझ से वाचा बाँधेगा"

देखें कि आपने "वाचा बाँधना" वाक्यांश का अनुवाद [31:1](#) में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वह एक संकल्प लेगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:4 (#4)

"सदा"

अनुवादित शब्द सदा का अर्थ अनन्त काल के लिए नहीं होता है। यह एक अनिश्चित भविष्य काल का वर्णन करता है। इस सन्दर्भ में, यह बिना किसी निर्दिष्ट सेवा अवधि के दास बनने का वर्णन करता है, अर्थात् जीवन भर के लिए। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके जीवन के शेष समय के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:5 (#1)**"क्या तू उससे ऐसे खेलेगा जैसे चिड़िया से"**

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद करन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू इसके साथ पक्षी की तरह नहीं खेल सकता! नहीं, तू इसे अपनी लड़कियों के लिए बाँध नहीं सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:5 (#2)**"जैसे चिड़िया"**

इस संस्कृति में, कोई व्यक्ति एक **चिड़िया** को पालतू के रूप में रख सकता है। यदि आपकी संस्कृति में ऐसा नहीं होता है, तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पालतू की तरह"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:5 (#3)**"या... उसे बाँध रखेगा?"**

इस सन्दर्भ में, शब्द **बाँध रखेगा** सम्बवतः किसी पशु पर पट्टा लगाने का उल्लेख करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या तू इस पट्टा लगाएगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:6 (#1)**"क्या मछुए के दल उसे बिकाऊ माल समझेंगे?"**

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद करन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मछुए इसके लिए मोलभाव नहीं करेंगे! वे इसे व्यापारियों के बीच नहीं बांटेंगे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:6 (#2)**"क्या मछुए के दल उसे बिकाऊ माल समझेंगे?"**

शब्द **मछुए** के दल मछुआरों के एक साथ काम करने को सन्दर्भित करता है। यदि उन्होंने बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी, तो वे इस पर **विचार-विमर्श** करते कि उनमें से प्रत्येक को कितना हिस्सा मिलेगा। शब्द **व्यापारी** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो इसे मछुआरों से खरीद कर पुनः ग्राहकों को बेचते हैं। मछुआरे लिव्यातान को कई व्यापारियों के बीच **विभाजित** कर सकते थे, क्योंकि शिकार बहुत बड़ा होता। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इन बातों को इंगित कर सकते हैं। यूएसटी एक तरीका प्रस्तुत करता है जिससे ऐसा किया जा सकता है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:7 (#1)**"क्या तू उसका चमड़ा भाले से... बेध सकता है?"**

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद करन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू इसकी खाल को भालों से या इसके सिर को मछुए के त्रिशूल से नहीं बेध सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:7 (#2)**"या" - "मछुए के त्रिशूलों से"**

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग **त्रिशूलों** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **मछली पकड़ने** के लिए उपयोग किए जाते हैं, न कि भालों का जो मछली से बने होते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या ... मछली पकड़ने के त्रिशूलों से"

देखें: स्वामित्व

अथूब 41:8 (#1)**"तू उस पर अपना हाथ ही धरे"**

यहोवा यहाँ एक सशर्त करन प्रस्तुत कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि तू कभी उस पर हाथ रखे, तो तू

हमेशा उस लड़ाई को याद रखेगा जो तुझे इसके साथ लड़नी पड़ेगी और तू फिर कभी भी ऐसा नहीं करेगा!"

देखें: जोड़ें— काल्पनिक स्थितियाँ

अथूब 41:8 (#2)

"तू उस पर अपना हाथ ही धरे"

यहाँ, हाथ शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके लिया बल का उपयोग करें" या "इसके साथ संघर्ष करने का प्रयास करें"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:9 (#1)

"आशा"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग किसी भी ऐसे व्यक्ति की आशा का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो लिव्यातान को पकड़ना चाहता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी भी व्यक्ति की आशा जो लिव्यातान को पकड़ना चाहता है"

देखें: स्वामित्व

अथूब 41:9 (#2)

"निष्फल रहती है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह भ्रामक है" या "यह झूठा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:9 (#3)

"उसके देखने ही से मन कच्चा पड़ जाता है"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके दिखने मात्र से ही भय छा जाता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:9 (#4)

"उसके देखने ही से मन कच्चा पड़ जाता है"

मूल भाषा में यह प्रश्न के रूप लिखा गया है। यह एक सकारात्मक उत्तर की अपेक्षा करता है। यदि आप अपने अनुवाद में इसे प्रश्न के रूप को बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो आपको प्रश्न को नकारात्मक बनाने की आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि यूएलटी करता है (क्या उसको देखते ही मन कच्चा पड़ नहीं जाता है), ताकि यह संकेत दिया जा सके।

देखें: मुहावरा

अथूब 41:9 (#5)

"उसके देखने ही से मन कच्चा पड़ जाता है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई इसको देखने पर भी नहीं डरेगा?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:9 (#6)

"उसके देखने ही से मन कच्चा पड़ जाता है"

जब यहोवा कहते हैं कि लिव्यातान को **देखना** मात्र ही किसी व्यक्ति को डराने के लिए पर्याप्त है, तो यह एक अतिशयोक्ति के रूप में जोर देने के लिए कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या इसका दिखना मात्र अत्यधिक डरावना नहीं है?"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 41:10 (#1)

"जो लिव्यातान को भड़काए"

मूल भाषा में यहाँ **जगा** शब्द आया है, यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान सचमुच सो रहा हो और कोई उसे **जगा** (**भड़का**) सकता हो। वह लिव्यातान को तब परेशान करने या उस पर हमला करने का उल्लेख कर रहे हैं जब वह शत्रुतापूर्ण व्यवहार नहीं कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "जो इसे परेशान करेगा" या "जो इस पर हमला करेगा"

देखें: रूपक

अथूब 41:10 (#2)

"फिर ऐसा कौन है जो मेरे सामने ठहर सके?"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्वाचक रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर निश्चित रूप से कोई भी मेरे सामने खड़ा नहीं होगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:10 (#3)

"कौन है जो मेरे सामने ठहर सके?"

यहाँ शब्द सामने यहोवा की उपस्थिति में खड़े होने का संकेत देता है। यहोवा का सन्दर्भ है कि कौन उनके सामने आकर उन पर हमला करेगा। वैकल्पिक अनुवाद: "कौन है जो मुझ पर हमला करेगा"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:11 (#1)

"किसने मुझे पहले दिया है, जिसका बदला मुझे देना पड़े!"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इसे एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने मुझसे पहले कुछ नहीं किया, कि मैं उसे चुकाऊं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:11 (#2)

"मुझे पहले दिया"

अनुवादित शब्द मुझे पहले का अर्थ है किसी अन्य व्यक्ति से पहले किसी स्थान पर पहुँच जाना, पर इसमें यह भी निहित है कि उस व्यक्ति के आने पर उसकी सहायता के लिए पहले से

व्यवस्था करना। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी सहायता की है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित ज्ञानकारी

अथूब 41:11 (#3)

"देख, जो कुछ सारी धरती पर है, सब मेरा है"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सम्पूर्ण आकाश के नीचे (धरती पर) सब कुछ मेरा है!"

देखें: पदलोप

अथूब 41:12 (#1)

"मैं लिव्यातान के अंगों के विषय... चुप न रहूँगा"

यहोवा एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं, जो उनके इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से इसके अंगों, इसकी ताकत और इसके रूप की सुंदरता के बारे में बात करूँगा"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति (लाइटोटीज़)

अथूब 41:12 (#2)

"उसके बड़े बल"

यहोवा बहुवचन बड़े बल का उपयोग ऐसे सन्दर्भ में कर रहे हैं, जहाँ एकवचन शब्द "बल" पर्याप्त होता। यह दर्शाता है कि वह जोर देने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी इसी तरह से बहुवचन रूपों का उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी महान शक्ति"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

अथूब 41:13 (#1)

"उसके ऊपर के पहरावे को कौन उतार सकता है?"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा का वक्ता इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेगा, तो आप इन प्रश्नों का अनुवाद करने या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने भी इसके वस्त्र को नहीं हटाया है! कोई भी इसके जबड़ों के बीच नहीं आया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:13 (#2)

"उसके ऊपर के पहरावे"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान की कठोर त्वचा या खाल उसके वस्त्र हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी खाल"

देखें: रूपक

अथूब 41:13 (#3)

"उसके ऊपर के पहरावे"

यहोवा "ऊपर के" शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ में "सतह" के रूप में कर रहे हैं। लिव्यातान की त्वचा की सतह से उनका मतलब उन छिलकों से है जिनका वर्णन वह पद 15-17 में करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी त्वचा पर के छिलके"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:13 (#4)

"उसके दाँतों की दोनों पाँतियों"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग लगाम का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं, जो दोहरे होने की विशेषता रखता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके दाँतों की दोनों पातियाँ"

देखें: स्वामित्व

अथूब 41:13 (#5)

"उसके दाँतों की दोनों पाँतियों के अर्थात् जबड़ों के बीच कौन आएगा"

मूल भाषा में यहाँ जबड़ों के बीच लगाम शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक प्रकार की रस्सी का वर्णन करता है जिसे

लोग पशुओं पर नियन्त्रण करने के लिए लगाते हैं। इसमें एक लगाम होती है जो पशु के मुँह में जाती है और पट्टियों की एक श्रृंखला होती है जिसे सवार लगाम पर दबाव डालने के लिए उपयोग करते हैं। यदि आपके पाठक यह नहीं जानते कि लगाम क्या है, तो आप अपने अनुवाद में एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके दाँतों की दोनों पाँतियों को नियंत्रण वाले मुँहनाल में"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 41:13 (#6)

"उसके दाँतों की दोनों पाँतियों"

जैसा कि अगला पद सुझाव देता है, यहोवा पाँतियों शब्द का उपयोग लिव्यातान के मुँह और विशेष रूप से उसके जबड़ों के लिए कर रहे हैं, क्योंकि दोनों शब्द यह संकेत करता है कि वे किसी जोड़ीदार चीज़ का उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके दोनों जबड़ों में"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:14 (#1)

"उसके मुख के दोनों किवाड़ कौन खोल सकता है?"

यहोवा जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी इसके मुख के दरवाजे नहीं खोल सकता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

अथूब 41:14 (#2)

"उसके मुख के दोनों किवाड़"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान के जबड़े वास्तव में इसके मुख में किवाड़ हों। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके जबड़े"

देखें: रूपक

अथूब 41:14 (#3)**"उसके दाँत चारों ओर से डरावने हैं"**

यदि आपकी भाषा में डरावने के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके दाँत भयानक हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

अथूब 41:15 (#1)**"छिलकों"**

मूल भाषा में यहाँ ढाल शब्द का उपयोग हुआ है, जो लिव्यातान के छिलके को दर्शाता है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान के छिलके वास्तव में ढाल हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "छिलके"

देखें: रूपक

अथूब 41:15 (#2)**"घमण्ड का कारण हैं"**

यहोवा लिव्यातान के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित प्राणी हो जो अपने छिलकों पर घमण्ड कर सकता है। उनका अर्थ है कि वह उनकी सुरक्षा में आश्वस्त हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी सुरक्षा"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:15 (#3)**"कड़ी छाप से बन्द किए हुए हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मजबूत मुहर उन्हें एक साथ बन्द कर देती है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:15 (#4)**"कड़ी छाप से बन्द किए हुए हैं"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे एक कड़ी छाप ने लिव्यातान के छिलकों को एक-दूसरे के करीब से पकड़ रखा हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एक-दूसरे के करीब हैं, जैसे कि एक मुहर ने उन्हें एक साथ रखा हो।"

देखें: रूपक

अथूब 41:16 (#1)**"उनमें कुछ वायु भी नहीं पैठ सकती"**

जोर देने के लिए एक अतिशयोक्ति के रूप में, यहोवा कहते हैं कि लिव्यातान के छिलकों के बीच हवा भी नहीं पैठ सकती। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने के लिए इसे अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके बीच बिल्कुल भी जगह नहीं है"

देखें: अतिशयोक्ति

अथूब 41:17 (#1)**"वे आपस में मिले हुए और ऐसे सटे हुए हैं"**

मूल भाषा में यहाँ पुरुष और भाई शब्द का उपयोग किया गया है, जो दर्शाता है कि उसके छिलके इतने जुड़े हुए हैं जैसे दो भाई आपस में जुड़े होते हैं। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं मानों एक छिलका वास्तव में एक पुरुष हो और उसके बगल वाला छिलका उसका भाई हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक छिलका उसके बगल वाले छिलके से जुड़ा हुआ है"

देखें: रूपक

अथूब 41:17 (#2)**"वे आपस में मिले हुए और ऐसे सटे हुए हैं"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक छिलका पास के छिलके के साथ सटा होता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:17 (#3)

"ऐसे सटे हुए हैं, कि अलग-अलग नहीं हो सकते"

यहोवा लिव्यातान के छिलकों के बारे में इस तरह से बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हो जो आपस में सटे हुए हैं और सम्भावित रूप से अलग-अलग हो सकते हैं (हालांकि वे ऐसा नहीं करते हैं)। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे एक-दूसरे के ऊपर होते हैं, उनके बीच कोई अन्तर नहीं होता।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:18 (#1)

"और उसकी आँखें भोर की पलकों के समान हैं"

देखें कि आपने भोर की पलकों का अनुवाद 3:9 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसकी आँखें सूर्योदय की पहली किरणों की तरह हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:19 (#1)

"उसके मुँह से जलते हुए पलीते निकलते हैं"

ऐसे सन्दर्भ में, आपकी भाषा "निकलते" के बजाय "आते" कह सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "आग उसके मुँह से बाहर आती है"

देखें: जाँ और आँ

अथूब 41:19 (#2)

"उसके मुँह से जलते हुए पलीते निकलते हैं"

यहोवा जलते हुए पलीते के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जो अपने आप लिव्यातान के मुँह से बाहर निकल सकते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आग की चिंगारियाँ बाहर निकालता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:20 (#1)

"जैसा खौलती हुई हाण्डी और जलते हुए नरकटों से"

यहोवा शब्द जलते का अर्थ ऐसी आग से जोड़ रहे हैं जिसे किसी ने फूंक दिया हो या हवा देकर जला दिया हो। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जलती हुई आग पर एक बर्तन और एक नरकट की तरह"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:20 (#2)

"जैसा खौलती हुई हाण्डी और जलते हुए नरकटों से"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे आग पर एक बर्तन जिसे किसी ने जलाया हो और एक नरकट"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:20 (#3)

"जैसा खौलती हुई हाण्डी और जलते हुए नरकटों से"

यह वाक्यांश दो शब्दों को और के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द नरकट बताता है कि आग किस प्रकार के ईंधन से जल रही है जो बर्तन को गर्म कर रही है। लोग जल्दी गर्म करने के लिए सुखी नरकट की आग जलाते थे, हालांकि थोड़े समय के लिए, जैसे पानी उबालने के लिए। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं जो "और" का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक बर्तन जो तेज आग पर उबल रहा है"

देखें: द्विपद (हैंडियाडिस)

अथूब 41:22 (#1)

"उसकी गर्दन में सामर्थ्य बनी रहती है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे सामर्थ्य एक जीवित प्राणी हो जो लिव्यातान की गर्दन में रह सकता है। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी गर्दन अत्यन्त मजबूत है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:22 (#2)**"डर नाचता रहता है"**

यहोवा डर के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे यह एक जीवित प्राणी हो जो लिव्यातान के सामने नाच सकता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग बहुत भयभीत जाते हैं"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:22 (#3)**"और" - "उसके सामने"**

यहाँ सामने शब्द किसी व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी उपस्थिति में" या "और ... उसके सन्मुख"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:23 (#1)**"उसके माँस पर माँस चढ़ा हुआ है"**

यहोवा लिव्यातान के पेट के निचले हिस्से को उसके माँस पर माँस के रूप में सन्दर्भित कर रहे हैं। अधिकांश पशुओं में, यह क्षेत्र नरम और कमज़ोर होता है, लेकिन लिव्यातान में यह कसा हुआ और सुरक्षित होता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपने अनुवाद में इस अभिव्यक्ति का अर्थ इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके पेट के निचले हिस्से के भाग कसे हुए और सुरक्षित हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 41:23 (#2)**"ऐसा आपस में सटा हुआ है जो हिल नहीं सकता"**

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मजबूती से अपनी जगह पर बने रहते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:24 (#1)**"उसका हृदय पत्थर सा ढढ़ है,"**

यहाँ हृदय का अर्थ हो सकता है: (1) लिव्यातान का स्वभाव। यदि वह ढढ़ होता, तो यहोवा कह रहे होते कि लिव्यातान निर्दयता से कार्य करता है और किसी से या किसी चीज़ से नहीं डरता। वैकल्पिक अनुवाद: "यह निर्दयता से कार्य करता है और किसी से नहीं डरता" (2) लिव्यातान की छाती। वैकल्पिक अनुवाद: "इसकी छाती पत्थर की तरह कठोर है; हाँ, यह चक्की के नीचेवाले पाट की तरह कठोर है"

देखें: रूपक

अथूब 41:24 (#2)**"चक्की के निचले पाट के समान"**

चक्की का पाट, बड़े, सपाट, गोल पत्थरों की जोड़ी में से एक होता है, जिसका उपयोग लोग अनाज के दानों को पीसकर उन्हें मानव खाद्य में बदलने के लिए करते हैं। **चक्की का निचला पाट** विशेष रूप से मजबूत और कठोर होना चाहिए क्योंकि यह ऊपरी चक्की का वजन और पीसने की शक्ति सहन करता है। यदि आपके पाठक चक्की से परिचित नहीं हैं, तो आपके अनुवाद में आप अपनी संस्कृति में एक तुलनीय वस्तु के नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक उपयुक्त अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्थर जैसा, जिसका उपयोग लोग अनाज को पीसने के लिए करते हैं"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

अथूब 41:25 (#1)**"सामर्थी"**

यहोवा विशेषण सामर्थी का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पराक्रमी लोग" या "यहाँ तक कि साहसी योद्धा"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 41:26 (#1)**"कोई उस पर तलवार चलाए, तो उससे कुछ न बन पड़ेगा"**

यहोवा एक विशेष अर्थ में कुछ न बन पड़ेगा शब्द का उपयोग कर रहे हैं जिसका अर्थ है "सफल होना।" वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उसे तलवार से मार सकता है, लेकिन उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:26 (#2)

"भाले और न बर्छी और न तीर"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न तो भाले, न बर्छी, न तीर"

देखें: पदलोप

अथूब 41:26 (#3)

"न भाले और न बर्छी और न तीर से"

यहोवा किसी विशेष भाले, बर्छी या तीर का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका अर्थ ऐसे किसी भी हथियार से है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा कोई बर्छी, भाला या तीर नहीं जो इसे मार सके"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

अथूब 41:27 (#1)

"वह लोहे को पुआल सा...जानता है"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोहे को पुआल के रूप में मानता है और वह पीतल को सड़ी हुई लकड़ी के रूप में मानता है।"

देखें: पदलोप

अथूब 41:27 (#2)

"वह लोहे को पुआल सा...जानता है"

इस तुलना का अर्थ यह है कि जिस तरह पुआल कमजोर होता है और सड़ी हुई लकड़ी टूट कर बिखर जाती है, उसी तरह लिव्यातान लोहे को कमजोर और पीतल को ऐसा पदार्थ मानता है जो टूट कर बिखर जाएगा। यदि यह आपकी भाषा

में उपयोगी हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोहे को पुआल के जितना कमजोर मानता है और पीतल को सड़ी हुई लकड़ी की तरह टूट जाने वाला समझता है।"

देखें: उपमा

अथूब 41:27 (#3)

"वह लोहे को पुआल सा...जानता है"

यहोवा इस तरह बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान बुद्धिमानी से उन धातुओं की ताकत के बारे में निर्णय ले सकता है जिनका उपयोग हथियार बनाने के लिए किया जा सकता है और उनका उपयोग लोग उसके खिलाफ कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई यदि उसके खिलाफ लोहे का हथियार इस्तेमाल करे, तो वह पुआल जितना कमजोर होगा और पीतल का हथियार इस्तेमाल करे, तो वह टूट जाएगा।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:28 (#1)

"तीर"

मूल भाषा में तीर के लिए "धनुष का पुत्र" वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं मानों तीर सचमुच उस धनुष का पुत्र हो जिस से उसे छोड़ा गया हो। अगर आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक तीर"

देखें: रूपक

अथूब 41:28 (#2)

"गोफन के पत्थर उसके लिये भूसे से ठहरते हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके सामने, गोफन के पत्थर चूर-चूर हो जाते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:28 (#3)

"गोफन के पत्थर उसके लिये भूसे से ठहरते हैं"

यहोवा यह कह रहे हैं कि जैसे गोफन से लिव्यातान पर फेंके गए पत्थर वास्तव में भूसी बन जाएँगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गोफन से फेंके गए पत्थर उसे भूसी से ज्यादा नुकसान नहीं पहुँचाते हैं"

देखें: रूपक

अथूब 41:29 (#1)

"लाठियाँ भी भूसे के समान गिनी जाती हैं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लाठियों को महत्वहीन मानता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:29 (#2)

"लाठियाँ भी भूसे के समान गिनी जाती हैं"

यहोवा यह कह रहे हैं कि लिव्यातान बुद्धिमानी से उन हथियारों की ताकत के बारे में निर्णय ले सकता है जिनका लोग उसके खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे एक लाठी से उतना ही खतरा महसूस होता है जितना कि भूसी से होता है।"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:29 (#3)

"वह बर्छी के चलने पर हँसता है"

यहोवा लिव्यातान के बारे में बात कर रहे हैं, जैसे कि यदि कोई इसे बर्छी से धमकाने की कोशिश करे तो यह उपहास में हँसेगा। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह बर्छी की धमकी का उपहास करता है"

देखें: मानवीकरण

अथूब 41:30 (#1)

"उसके निचले भाग पैने ठीकरे के समान हैं"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान के नीचे सचमुच पैने ठीकरे हों, टूटे हुए मिट्टी के बर्तन के तेज टुकड़े। यह इसके पेट के नीचे के तीखे छिलकों का एक काव्यात्मक सन्दर्भ है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे एक तुलना के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके पेट के नीचे नुकीले छिलके हैं जो टूटे हुए मिट्टी के बर्तन के टुकड़ों की तरह तेज हैं"

देखें: रूपक

अथूब 41:30 (#2)

"कीचड़ पर मानो वह हेंगा फेरता है"

इस तुलना का उद्देश्य यह हो सकता है कि: (1) लिव्यातान कीचड़ में एक निशान छोड़ता है जैसे एक हेंगा खिलाहन पर अलग किए गए अनाज के निशान छोड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अगे बढ़ते हुए कीचड़ को अलग करता है और एक विशेष निशान छोड़ता है जैसे कि हेंगा करता है" (2) कि लिव्यातान कीचड़ में खुद को भारी रूप से फैलाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कीचड़ पर हेंगा की तरह खुद को भारी रूप से फैलाता है"

देखें: उपमा

अथूब 41:31 (#1)

"वह गहरे जल को हण्डे के समान मथता है"

यहोवा हण्डे शब्द का उपयोग उस पानी के सन्दर्भ में कर रहे हैं जिसे कोई उबालने के लिए गर्म कर रहा था। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह गहरे पानी को ऐसे उबालता है जैसे कोई व्यक्ति बर्तन में रखे पानी को गर्म कर रहा हो"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:31 (#2)

"वह गहरे जल को हण्डे के समान मथता है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान ने सचमुच महासागर को उबाल (मथ) दिया हो जैसे हण्डे में पानी उबलता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तैरते समय महासागर के पानी को मथ देता है"

देखें: रूपक

अथूब 41:31 (#3)

"उसके कारण नील नदी मरहम की हाण्डी के समान होती है"

मूल भाषा में समुद्र शब्द का उपयोग हुआ है जो हिंदी अनुवाद में नील नदी को दर्शाता है। यहोवा मरहम की हाण्डी शब्द का उपयोग उस मरहम का अर्थ बताने के लिए कर रहे हैं जो एक बर्तन में होता है, जिसे कोई व्यक्ति उसकी सामग्री को मिलाने के लिए हिलाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नील नदी को उस मरहम की तरह बना देता है जिसे कोई व्यक्ति बर्तन में हिला रहा है"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 41:31 (#4)

"उसके कारण नील नदी मरहम की हाण्डी के समान होती है"

मूल भाषा में समुद्र शब्द का उपयोग हुआ, जो हिंदी अनुवाद में नील नदी को दर्शाता है। इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जब लिव्यातान समुद्र में तैरता है, तो यह पानी को उसी तरह झाग बनाता है जैसे कि जब किसी बर्तन में सामग्री मिलाई जाती है तो मरहम झाग बनाता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नील नदी के पानी को उसी तरह झाग बनाता है जैसे कि जब कोई बर्तन को हिलाता है तो मरहम झाग बनाता है।"

देखें: उपमा

अथूब 41:32 (#1)

"वह अपने पीछे चमकीली लीक छोड़ता जाता है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान के पानी में छोड़ने वाला निशान सचमुच एक लीक हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पानी में अपने पीछे एक चमकदार निशान छोड़ता है"

देखें: रूपक

अथूब 41:32 (#2)

"गहरा जल मानो श्वेत दिखाई देने लगता है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लोग वास्तव में यह मानेंगे कि जब वे लिव्यातान के पीछे छोड़े गए निशान को देखेंगे तो गहरा जल श्वेत दिखाई देगा। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह गहरे जल को ऐसा दिखाता है जैसे वह सफेद हो"

देखें: रूपक

अथूब 41:33 (#1)

"धरती पर"

कुछ अंग्रेजी अनुवाद यहाँ धरती के स्थान पर इसकी सतह पर धूल का उपयोग धरती को दर्शाने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर"

देखें: उपलक्षण

अथूब 41:33 (#2)

"जो ऐसा निर्भय बनाया गया है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिसे मैंने बिना भय के बनाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 41:34 (#1)

"जो कुछ ऊँचा है, उसे वह ताकता ही रहता है"

यहोवा विशेषण ऊँचा का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार की चीज़ को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी तरह उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। इस सन्दर्भ में, यह केवल ऊँचाई नहीं बल्कि शक्ति को इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सब कुछ देखता है जो शक्तिशाली है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 41:34 (#2)

"जो कुछ ऊँचा है, उसे वह ताकता ही रहता है"

यहोवा एक विशेष अर्थ में ताकता शब्द का उपयोग कर रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि लिव्यातान किसी भी शक्तिशाली प्राणी को बिना डरे या भयभीत हुए सीधे देख सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह किसी भी शक्तिशाली चीज़ को बिना डरे देख सकता है" (2) कि लिव्यातान सभी अन्य शक्तिशाली प्राणियों को तिरस्कारपूर्वक देखता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सभी अन्य शक्तिशाली चीज़ों का तिरस्कार करता है"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:34 (#3)

"वह सब घमण्डियों के ऊपर राजा है"

मूल भाषा यहाँ घमण्डियों के पुत्र उपयोग करती है, इस सन्दर्भ में, के पुत्र अभिव्यक्ति का उपयोग कुछ ऐसा वर्णन करने के लिए किया जाता है जो किसी अन्य चीज़ के गुणों को साझा करता है। यहोवा इस अभिव्यक्ति का उपयोग कुछ प्राणियों के व्यवहार और चरित्र का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। जबकि वे अन्य लोग की तरह घमण्ड को शाब्दिक रूप से महसूस नहीं करते, वे अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ होने का व्यवहार करते हैं, उदाहरण के लिए, उनके रास्ते से न हटकर। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सभी खतरनाक पशुओं का राजा है"

देखें: मुहावरा

अथूब 41:34 (#4)

"वह सब घमण्डियों के ऊपर राजा है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे लिव्यातान वास्तव में एक राजा हो। उनका अर्थ है कि कोई अन्य पशु लिव्यातान को चुनौती नहीं दे सकता। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई अन्य खतरनाक पशु इसे चुनौती नहीं दे सकता।"

देखें: रूपक

अथूब - अध्याय 42 परिचय

संरचना और स्वरूपण

अनफोलिंग वर्ड लिटल ट्रान्सलेशन ने पद 1-6 की पंक्तियों को, कविता होने के कारण, पाठ के बाकी हिस्से की तुलना में पृष्ठ पर अधिक दाईं ओर रखा है।

- पद 1-6: अथूब स्वीकार करते हैं कि उनके पास यहोवा के भूमण्डल के शासन को चुनौती देने के लिए ज्ञान और बुद्धि नहीं थी।
- पद 7-17: लेखक वर्णन करते हैं कि यहोवा ने अथूब के स्वास्थ्य और समृद्धि को कैसे पुनःस्थापित किया और उन्हें एक लम्बा जीवन प्रदान किया।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

अथूब का पश्चाताप

यह अध्याय वर्णन करता है कि कैसे यहोवा ने अथूब को स्वास्थ्य, समृद्धि, और एक लम्बा जीवन प्रदान किया जब उन्होंने पश्चाताप किया। हालांकि, यहोवा की आशीष अथूब के पश्चाताप पर निर्भर नहीं थी। यह यहोवा के अनुग्रह पर निर्भर थी। (देखें: न्याय, पुनःस्थापित करना, आशीष देना और मन फिराना और अनुग्रह)

अथूब 42:2 (#1)

"मैं जानता हूँ कि तू सब कुछ कर सकता है"

अगर आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई भी आपकी किसी भी योजना को विफल नहीं कर सकता!"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 42:3 (#1)

"तूने मुझसे पूछा, 'तू कौन है जो ज्ञानरहित होकर युक्ति पर परदा डालता है?'

इस पद के पहले वाक्य में, अथूब, यहोवा द्वारा 38:2 में कही गई बात को उद्धृत कर रहे हैं, जो उनके भाषण की शुरुआत में है। यू.एल.टी. वाक्य को दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्नों में रखकर इसका संकेत देता है। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद इस तरह कर सकते हैं कि

उद्धरण के भीतर कोई उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने पूछा कि यह कौन है जो बिना ज्ञान के युक्ति छिपा रहा था।"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 42:3 (#2)

"अर्थात्"

अथूब अर्थात् शब्द का उपयोग उस निष्कर्ष को प्रस्तुत करने के लिए कर रहा है जिस पर वह, यहोवा ने अपने पूरे भाषण में जो कहा उसके आधार पर पहुँचा है। अथूब शब्द का उपयोग यह बताने के लिए नहीं कर रहा है कि उसने बिना समझे क्यों बात की है। अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना उपयोगी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने जो कुछ भी कहा है, उसके आधार पर, अब मैं मानता हूँ कि"

देखें: कनेक्ट — कारण-और-परिणाम संबंध

अथूब 42:4 (#1)

"तूने मुझसे कहा, 'मैं निवेदन करता हूँ सुन, मैं कुछ कहूँगा'"

इस पद में, अथूब एक बार फिर यहोवा के भाषण में कही गई बातों को उद्धृत कर रहे हैं। [38:3](#) और [40:7](#) में, यहोवा ने कहा, "मैं तुझ से प्रश्न करता हूँ, और तू मुझे उत्तर दे।" चूंकि अथूब ने [13:22](#) में कहा था कि वह चुन सकते हैं कि पहले प्रश्न पूछें या पहले प्रश्न सुनें, यहोवा ने अथूब से प्रश्न करने की बात कहकर, अथूब को सुनने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से कहा था, जैसा कि अथूब इस पद के पहले भाग में संकेत करते हैं। यूएलटी. संकेत देता है कि अथूब इस आयत को दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्नों में रखकर यहोवा को उद्धृत कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं कि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने मुझे सुनने के लिए कहा और आप बोलेंगे; आपने कहा कि आप मुझसे प्रश्न करेंगे और मैं आपको सूचित करूँगा"

देखें: उद्धरणों के अंदर उद्धरण

अथूब 42:5 (#1)

"मैंने कानों से तेरा समाचार सुना था, परन्तु अब मेरी आँखें तुझे देखती हैं"

अथूब अपने एक हिस्से, अपने कान का उपयोग अपने सुनने के कार्य में अपने पूरे अस्तित्व को व्यक्त करने के लिए कर

रहा है। वह अपने एक हिस्से, अपनी आँख का उपयोग अपने देखने के कार्य में अपने पूरे अस्तित्व को व्यक्त करने के लिए कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इससे पहले मैंने आपके बारे में केवल सुना था, लेकिन अब मैंने आपको स्वयं देखा है"

देखें: उपलक्षण

अथूब 42:6 (#1)

"इसलिए मुझे अपने ऊपर धृणा आती है"

धृणा शब्द से अथूब का मतलब यह नहीं है कि वह किसी चीज़ से धृणा करता है। उसका मतलब है कि वह किसी चीज़ के बारे में कम सोचता है। उसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि वह खुद के बारे में कम सोचता है, यानी, अब उसे विश्वास नहीं है कि वह विश्वसनीय रूप से यह घोषित कर सकता है कि परमेश्वर किसी के साथ उचित या अनुचित व्यवहार कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे अब विश्वास नहीं है कि मैं उतना समझता हूँ जितना मैंने सोचा था" (2) कि अब वह अपने सभी भाषणों में जो कुछ भी कहता है उसके बारे में कम सोचता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मानता हूँ कि मैंने जो कहा वह गलत था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 42:6 (#2)

"और मैं धूलि और राख में पश्चाताप करता हूँ"

इस संस्कृति में, लोग यह दिखाने के लिए कि वे बहुत व्यथित हैं, एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में अपने ऊपर धूल और राख छिड़कते थे। [2:12](#) में अथूब के मित्र ऐसा ही कर रहे थे जब उन्होंने हवा में धूल फेंकी ताकि वह उनके सिर पर गिरे। [2:8](#) में अथूब भी कुछ ऐसा ही कर रहा था जब वह राख के ढेर पर बैठ गया। अथूब इन शब्दों को बोलते समय ढेर से धूल और राख को अपने ऊपर छिड़क सकता था, या वह इस तरह बोल सकता था मानो वह यह बताने के लिए ऐसा कर रहा हो कि वह कितनी ईमानदारी से पश्चाताप कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने ऊपर धूल और राख छिड़कर यह दिखाने के लिए कि मैं अपने किए से कितना व्यथित हूँ" या "बहुत ईमानदारी से, मानो मैं अपने ऊपर धूल और राख छिड़क रहा हूँ यह दिखाने के लिए कि मैं अपने किए से कितना व्यथित हूँ"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 42:7 (#1)**"और ऐसा हुआ"**

लेखक कहानी में एक नई घटना को पेश करने के लिए अनुवादित वाक्यांश **और ऐसा हुआ** का उपयोग कर रहा है। अपनी भाषा में एक शब्द, वाक्यांश या अन्य विधि का उपयोग करें जो एक नई घटना को पेश करने के लिए स्वाभाविक है।

देखें: एक नई घटना का परिचय

अथूब 42:7 (#2)**"ये बातें अथूब से कह चुका"**

लेखक **बातें** शब्द का इस्तेमाल यह बताने के लिए कर रहा है कि यहोवा ने शब्दों का इस्तेमाल करके अथूब से क्या कहा। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्टरूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बातें कही थीं"

देखें: लक्षणालंकार

अथूब 42:7 (#3)**"मेरा क्रोध तेरे और तेरे दोनों मित्रों पर भड़का है"**

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं मानो उसकी नाक, यानी उसका क्रोध, सचमुच जल रहा हो। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टरूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे तुम्हारे और तुम्हारे दो दोस्तों के खिलाफ बहुत गुस्सा आ रहा है"

देखें: रूपक

अथूब 42:8 (#1)**"क्योंकि उसी की प्रार्थना मैं ग्रहण करूँगा"**

देखें कि आपने [13:8](#) में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से उस पर अनुग्रह दिखाऊँगा" या "मैं निश्चित रूप से आपके लिए उसकी प्रार्थना का उत्तर द्वाँगा"

देखें: मुहावरा

अथूब 42:8 (#2)**"और नहीं, तो मैं तुम से तुम्हारी मूर्खता के योग्य बर्ताव करूँगा"**

अगर आपकी भाषा में **मूर्खता** के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा न हो कि मैं तुम्हें उन मूर्खतापूर्ण बातों के लिए दर्जित करूँ जो तुमने मेरे बारे में कही हैं"

देखें: भावाचक संज्ञाएँ

अथूब 42:9 (#1)**"और यहोवा ने अथूब की प्रार्थना ग्रहण की"**

देखें कि आपने पिछली आयत में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने अथूब पर अनुग्रह किया" या "और यहोवा ने अथूब की प्रार्थना का उत्तर उसके तीन मित्रों के लिए दिया"

देखें: मुहावरा

अथूब 42:10 (#1)**"तब यहोवा ने उसका सारा दुःख दूर किया"**

लेखक इस तरह से बोल रहा है मानो अथूब की परेशानियाँ उसे **कैद** में रखे हुए थीं। **कैद** से बाहर निकलने का मतलब है कि यहोवा ने इस कैद को खत्म कर दिया। अगर यह आपकी भाषा में स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्टरूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने अथूब को उसकी पूर्व समृद्धि लौटा दी"

देखें: मुहावरा

अथूब 42:10 (#2)**"और जितना अथूब का पहले था, उसका दुगना यहोवा ने उसे दे दिया"**

अगर आपकी भाषा में **दुगना** के विचार के लिए अमूर्त संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने अथूब को पहले से दोगुना दिया"

देखें: भावाचक संज्ञाएँ

अथूब 42:11 (#1)**"उन सभी ने आकर उसके यहाँ उसके संग भोजन किया"**

अथूब के साथ उसके घर में भोजन करना एक प्रतीकात्मक कार्य था जो समुदाय में अथूब के पुनर्स्थापित स्थान को स्वीकार करता था। अथूब ने 30:10 में शिकायत की थी कि कैसे लोग उससे दूर रहे थे, यह एक प्रतीकात्मक कार्य था जो अनादर और अस्वीकृति को दर्शाता था। अथूब के परिवार और मित्र अब सम्मान और स्वीकृति दिखा रहे थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा, तो आप इस कार्य के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने उसके प्रति अपना सम्मान और अपनी स्वीकृति दिखाने के लिए उसके घर में उसके साथ रोटी खाई"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

अथूब 42:11 (#2)

"भोजन"

लेखक भोजन शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर खाने के लिए कर रहा है। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन"

देखें: उपलक्षण

अथूब 42:11 (#3)

"उन सब के विषय उन्होंने विलाप किया, और उसे शान्ति दी"

विलाप और शान्ति दोनों शब्दों पर लेखक जोर देने के लिए एक साथ उपयोग कर रहा है। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उन्होंने उसे बहुत सहानुभूति दी"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

अथूब 42:11 (#4)

"और जितनी विपत्ति यहोवा ने उस पर डाली थी"

लेखक ऐसे बोल रहा है मानो विपत्ति कोई ऐसी चीज़ हों जिसे यहोवा, अथूब पर लाकर उसके ऊपर रख सकते थे। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा ने उसे जो कष्ट दिए थे"

देखें: रूपक

अथूब 42:11 (#5)

"एक-एक चाँदी का सिक्का"

केसिताह एक निश्चित वजन का चाँदी का टुकड़ा था जिसे सिक्के में ढाला नहीं गया था। इसका सटीक मूल्य अनिश्चित है। आप केसिताह शब्द का अनुवाद सामान्य अभिव्यक्ति के साथ करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाँदी का एक टुकड़ा"

देखें: बाइबल की मुद्रा

अथूब 42:14 (#1)

"इनमें से उसने जेठी बेटी का नाम तो यमीमा, दूसरी का कसीआ और तीसरी का केरेह्पूक रखा"

नाम नामक अभिव्यक्ति इस संस्कृति में बच्चे के जन्म के समय उसे नाम देने के तरीके से जुड़ी है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने पहली को यमीमा, दूसरी को कसीआ नाम और तीसरी को केरेह्पूक नाम दिया"

देखें: मुहावरा

अथूब 42:14 (#2)

"जेठी" - "दूसरी" - "तीसरी"

लेखक विशेषणों जेठी, दूसरी और तीसरी का उपयोग विशिष्ट व्यक्तियों को संदर्भित करने के लिए संज्ञा के रूप में कर रहा है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग उसी तरह हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इन शब्दों का अनुवाद समान वाक्यांशों के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी पहली बेटी ... उसकी दूसरी बेटी ... उसकी तीसरी बेटी"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

अथूब 42:14 (#3)

"यमीमा" - "कसीआ" - "केरेह्पूक"

शब्द यमीमा, कसीआ और केरेह्पूक महिलाओं के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

अथूब 42:15 (#1)

"और उस सारे देश में ऐसी स्त्रियाँ कहीं न थीं"

यदि आपकी भाषा में इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और कोई अन्य महिलाएँ नहीं थीं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

अथूब 42:15 (#2)

"और उनके पिता ने उनको उनके भाइयों के संग ही सम्पत्ति दी"

इस संस्कृति में पिताओं द्वारा अपनी बेटियों को विरासत देना प्रथागत नहीं था। लेखक इसका उल्लेख कर सकता है क्योंकि यह अथूब के अपनी बेटियों के प्रति विशेष प्रेम और सम्मान को दर्शाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके पिता ने उनसे इतना प्रेम किया और उनका इतना आदर किया कि उसने उन्हें उनके भाइयों के बीच विरासत दी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

अथूब 42:15 (#3)

"उनके भाइयों के संग"

इस अभिव्यक्ति का अर्थ हो सकता है: (1) कि अथूब ने अपनी बेटियों को विरासत में वैसा ही दिया जैसा उसने अपने बेटों को दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा उसने उनके भाइयों को दिया था" (2) कि अथूब ने अपनी बेटियों को विरासत में ऐसी ज़मीन दी जो उसी क्षेत्र में स्थित थी जो उसने अपने बेटों को विरासत में दी थी। वैकल्पिक अनुवाद: "वह ज़मीन जो उस ज़मीन से सटी हुई थी जो उसने अपने बेटों के लिए छोड़ी थी"

देखें: मुहावरा

अथूब 42:16 (#1)

"इसके बाद अथूब एक सौ चालीस वर्ष जीवित रहा, और चार पीढ़ी तक अपना वंश देखने पाया"

इस संस्कृति में, अथूब की पीढ़ी को पहली पीढ़ी माना जाता था, इसलिए चार पीढ़ी का मतलब उसके बच्चों के बच्चों के बच्चों से है। आपकी भाषा में इन रिशेदारी संबंधों के लिए अपने स्वयं के शब्द हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके बच्चे और उसके पोते और उसके परपोते"

देखें: कुटुम्बी

अथूब 42:17 (#1)

"वृद्धावस्था में दीर्घायु"

लेखक ऐसे बोल रहा है मानो दिन कोई वस्तु हो और मानो अथूब एक बर्तन हो जो उनसे भरा हुआ हो। अगर यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बूढ़ा और बहुत दिनों तक जीवित रहा"

देखें: रूपक

अथूब 42:17 (#2)

"वृद्धावस्था में दीर्घायु"

वृद्धावस्था और दीर्घायु शब्दों का अर्थ समान है। लेखक जोर देने के लिए उन्हें एक साथ इस्तेमाल कर रहा है। अगर आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप एक ही वाक्यांश के साथ जोर व्यक्त कर सकते हैं। आपकी भाषा में एक विशिष्ट अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका उपयोग वह ऐसे संदर्भ में करेगी। वैकल्पिक अनुवाद: "एक परिपक्व उम्र में"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)